एडवान्स्ड अकाउन्ट्स

(Advanced Accounts)

(राजस्थान एवं अजमेर विश्वविद्यालय के बी० काम० पार्ट III के
नवीन पाठ्यक्रमानुसार)



लेखक

प्रो० एम० एल० ओसवाल
एसोशियेट प्रोफेसर,
लेखा एवं व्यावसायिक सांख्यिकी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

डॉ० एम० एल० शर्मा
एसोशियेट प्रोफेसर,
लेखा एवं व्यावसायिक सांख्यिकी विभाग
राजस्थान-विश्वविद्यालय, जयपुर

डॉ० बी० एल० विदावत
प्रवक्ता,
लेखा एवं व्यावसायिक सांख्यिकी विभाग
श्री जैन पी० जी० कॉलेज, बीकानेर

एम० एल० गुप्ता
प्रवक्ता,
लेखा एवं व्यावसायिक सांख्यिकी विभाग
कॉमर्स कॉलेज, कोटा

1993

रमेश बुक डिपो

जयपुर

प्रकाशक :
बृजमोहन लाल माहेश्वरी
रमेश बुक डिपो, जयपुर



पुस्तक के प्रत्येक अध्याय के अन्त में दिये गये संख्यात्मक (Numerical Questions) के हल लेखकों द्वारा रचित Practical Problems in Advanced Accounts) में उपलब्ध हैं। छात्रों की सुविधा के लिए प्रत्येक प्रश्न के अन्त में Practical Problems की संख्या दी गई है।

मूल्य : 130 00 रुपये

मुद्रक :
मोती प्रिन्टर्स, जयपुर

प्राक्कथन

प्रस्तुत पुस्तक राजस्थान व अजमेर विश्वविद्यालय के बी. काम. पार्ट III के पाठ्यक्रमानुसार प्रथम बार नवीन प्रकाशन के रूप में आपको उपलब्ध कराते हुए हमें अपार हर्ष हो रहा है। प्रयत्न यही रहा है कि एडवान्स्ड अकाउन्ट्स का नवीन पाठ्यक्रम जो इसी वर्ष से लागू हो रहा है, सरलतम रूप में इस पुस्तक में समाविष्ट हो। पुस्तक को अधिक उपयोगी बनाने के दृष्टिकोण से स्थान-स्थान पर आवश्यक सामग्री का विवेचन टिप्पणियों द्वारा किया गया है तथा प्रश्न व उदाहरण हिन्दी व अंग्रेजी दोनों भाषाओं में दिये गये हैं।

पुस्तक को अन्तिम रूप देने तक यही प्रयत्न रहा है कि पुस्तक का कोई भी अंश विषय से परे न हो। प्रत्येक शब्द, प्रत्येक वाक्य और प्रत्येक अध्याय में विषय सम्प्रेषणीयता अधिक से अधिक हो। लेखकों का यह प्रयास कहाँ तक सफल हो सका है यह तो प्रस्तुत पुस्तक के अध्ययन-अध्यापन की अवधि में प्रबुद्ध विद्यार्थियों तथा विद्वान प्राध्यापकों द्वारा सकेतिक हो सकेगा। आशा है कि पुस्तक में जो भी असंगति दृष्टिगत हो उसकी ओर हमारा ध्यान आकृष्ट हो सकेगा।

इस पुस्तक की कतिपय विशेषताएँ इस प्रकार हैं:

1. विषय के सैद्धान्तिक पहलुओं के विवेचन में यथास्थान पर्याप्त मात्रा में व्यावहारिक प्रश्न एवं उनके हल दिये गये हैं।
2. शिक्षार्थियों की कठिनाई को ध्यान में रखते हुए व्यावहारिक प्रश्न अंग्रेजी तथा हिन्दी दोनों ही भाषाओं में दिये गये हैं तथा उनके हल अंग्रेजी भाषा में दिये हैं।
3. आवश्यकतानुसार कठिन बिन्दुओं का स्पष्टीकरण हिन्दी भाषा में टिप्पणी के रूप में दिया गया है।
4. प्रत्येक अध्याय के अन्त में विद्यार्थियों के अभ्यासार्थ सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक प्रश्नों का समावेश भी पर्याप्त मात्रा में किया गया है। व्यावहारिक प्रश्नों के उत्तर भी उनके नीचे दिये गये हैं।
5. अध्ययन एवं अध्यापन के उचित स्तर को बनाये रखने हेतु अधिकांश प्रश्नों तथा उदाहरणों का चयन एम. कॉम., सी. ए. तथा अन्य प्रोफैशनल परीक्षाओं के प्रश्नों में से किया गया है।

लेखकगण उन विद्वान लेखकों के प्रति हृदय से आभारी हैं, जिनकी कृतियों से प्रस्तुत पुस्तक को लिखने में सहायता ली गई है। श्री सन्तोष कुमारजी अजमेरा (सर्वश्री रमेश बुक डिपो, जयपुर) के सक्रिय सहयोग के बिना शायद ही यह पुस्तक इस प्रारूप में प्रस्तुत हो पाती, उनके प्रति आभार प्रदर्शन।

आशा है इस जटिल विषय के स्पष्टीकरण में हमारा यह प्रयास सहायक सिद्ध होगा। शिक्षक बन्धुओं से हमारा विनम्र निवेदन है कि वे अपने अमूल्य सुझाव देकर हमें कृतार्थ करें।

लेखकगण

विषय-सूची

1

कम्पनियों का आन्तरिक पुनर्निर्माण
(Internal Reconstruction of Companies)

पुनर्निर्माण से आशय किसी कम्पनी के पुनर्गठन के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया से है। जब किसी कम्पनी को लगातार हानि होने के कारण उसकी एकत्रित हानियाँ काफी हो जाती हैं अथवा कम्पनी वित्तीय कठिनाइयों का सामना कर रही हो अथवा कम्पनी अति पूँजीकृत (over-capitalised) हो तो उसके पुनर्निर्माण की आवश्यकता होती है। कम्पनी का पुनर्निर्माण आन्तरिक (Internal) अथवा बाह्य (External) हो सकता है।

आन्तरिक पुनर्निर्माण (Internal Reconstruction): आन्तरिक पुनर्निर्माण के अन्तर्गत कम्पनी का अस्तित्व (Existence) कायम रखते हुए उसकी पूँजी संरचना (Capital Structure) में आवश्यक परिवर्तन किया जाता है। यह एक ऐसी योजना है जिसके अन्तर्गत कम्पनी को घाटे की स्थिति से निकालकर लाभ की स्थिति में पहुँचाने का प्रयास किया जाता है। इसमें कम्पनी का समापन नहीं होता है। अतः इसे अर्द्ध-पुनर्गठन (Quasi-Reorganisation) की संज्ञा दी जाती है।

बाह्य पुनर्निर्माण (External Reconstruction): बाह्य पुनर्निर्माण के अन्तर्गत वर्तमान कम्पनी का समापन हो जाता है तथा उसके स्थान पर उसके व्यापार को अधिग्रहित करने के लिए एक नई कम्पनी की स्थापना की जाती है। जबकि आन्तरिक पुनर्निर्माण के अन्तर्गत न तो वर्तमान कम्पनी का समापन होता है और न ही किसी नई कम्पनी की स्थापना होती है। कम्पनी के बाह्य पुनर्निर्माण का विवरण अगले अध्याय में दिया गया है।

कम्पनी के आन्तरिक पुनर्निर्माण की वांछनीयता
(Desirability of Internal Reconstruction of Company)

आन्तरिक पुनर्निर्माण कम्पनी के समापन से बचने का एक विकल्प है जिसमें कम्पनी को अपनी स्थिति सुधारने का एक अवसर और प्राप्त होता है। कम्पनी कानून द्वारा निर्मित एक कृत्रिम व्यक्ति है। मानव स्वास्थ्य में होने वाले परिवर्तनों की तरह एक कम्पनी के जीवन काल में भी कई परिवर्तन आते हैं। एक मनुष्य की बीमारी अत्यधिक बढ़ जाने पर उसका निदान एक बड़ी शल्य क्रिया (Major operation) से ही सम्भव हो पाता है, ठीक उसी प्रकार एक कम्पनी के आर्थिक जीवन (Economic Life) में संकट उत्पन्न हो जाने पर आन्तरिक पुनर्निर्माण रूपी शल्य क्रिया से कम्पनी अपनी जर्जर हालत से निकलकर स्वस्थ आर्थिक जीवन प्रारम्भ कर सकती है। निम्नलिखित परिस्थितियों में कम्पनी का आन्तरिक पुनर्निर्माण वांछनीय हो जाता है :—

(i) जब कम्पनी की पूँजी संरचना अत्यधिक क्लिस्ट (Typical) हो और उसे सरल एवं सुविधाजनक बनाना हो।

(ii) जब कम्पनी की पिछले वर्षों की एकत्रित हानियाँ बहुत अधिक हों और उन्हें अपलिखित करना आवश्यक हो ताकि भविष्य में कम्पनी लाभांश घोषित कर सके।

(iii) जब कम्पनी के चिट्ठे में प्रदर्शित सम्पत्तियाँ पूँजी का पूर्ण रूप से प्रतिनिधित्व नहीं करती हों अर्थात् चिट्ठे में सम्पत्तियों को उनके उचित मूल्य से अधिक मूल्य पर दिखाया हुआ हो और उन्हें सही मूल्य पर लाना हो।

(iv) जब कम्पनी की समता अंश पूँजी एवं स्थिर लागत पूँजी के मध्य सम्बन्ध अर्थात् पूँजी मिलान अनुपात (Capital Gearing Ratio) उचित न हो।

(v) जब कम्पनी के अंशों के अंकित मूल्य में परिवर्तन की आवश्यकता हो ताकि वे भावी विनियोजकों के लिए आकर्षक बन सकें।

आन्तरिक पुनर्निर्माण के प्रारूप
(Forms of Internal Reconstruction)

आन्तरिक पुनर्निर्माण के प्रारूप निम्न प्रकार हैं :

(I) अंश पूँजी में परिवर्तन (Alteration in Share Capital);

(II) अंश पूँजी में कमी करना (Reduction in Share Capital);

(III) कम्पनी के सदस्यों, ऋणपत्रधारियों एवं लेनदारों के साथ अनुविन्यसन की योजना (Scheme of Arrangement with Members, Debentureholders and Creditors of the Company)।

(I) अंश पूँजी में परिवर्तन (Alteration in Share Capital)

एक अंशों द्वारा सीमित कम्पनी, कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 94 के अन्तर्गत अपनी अंश पूँजी में परिवर्तन कर सकती है यदि कम्पनी के पार्षद अन्तर्नियम (Articles of Association) अनुमति देते हों तथा कम्पनी की साधारण सभा में इस आशय का प्रस्ताव पास किया गया हो। अंश पूँजी में परिवर्तन निम्न प्रकार से किया जा सकता है :—

(1) नये अंशों के निर्गमन द्वारा अंश पूँजी को बढ़ाना (Increase in Share Capital by issue of new shares)—जब किसी कम्पनी को अतिरिक्त पूँजी की आवश्यकता पड़ती है तो वह नये अंशों का निर्गमन करके अपनी अंश पूँजी बढ़ा सकती है। यदि कम्पनी ने अपनी अधिकृत पूँजी (Authorised Capital) के समस्त अंश निर्गमित नहीं कर रखे हैं तो शेष अंशों का निर्गमन कर दिया जाता है। यदि कम्पनी अपनी सम्पूर्ण अधिकृत पूँजी को पहले ही निर्गमित कर चुकी हो तो नये अंशों के निर्माण द्वारा अपनी अधिकृत अंश पूँजी को बढ़ाकर पूँजी प्राप्त करने के लिए अंशों का निर्गमन कर सकती है। अधिकृत अंश पूँजी को बढ़ाने के लिए कम्पनी के पार्षद सीमानियम (Memorandum of Association) में आवश्यक परिवर्तन करना होगा तथा पूँजी निर्गमन नियन्त्रक (Controller of Capital Issues) से अनुमति भी लेनी होगी। कम्पनी अधिनियम की धारा 81 के अन्तर्गत लगाये गये प्रतिबन्ध के अनुसार नये अंशों के निर्गमन के सम्बन्ध में निर्गमन का प्रस्ताव सर्वप्रथम कम्पनी के वर्तमान समता अंशधारियों को उनकी पूँजी के अनुपात में किया जायेगा। यदि वर्तमान अंशधारी नये अंशों को नहीं खरीदते हैं तो इन्हें अन्य व्यक्तियों को बेचा जा सकता है। कम्पनी विशेष प्रस्ताव द्वारा अथवा केन्द्रीय सरकार की अनुमति से साधारण प्रस्ताव द्वारा धारा 81 के प्रतिबन्ध से मुक्ति पा सकती है। कम्पनी की अधिकृत अंश पूँजी बढ़ाने के सम्बन्ध में कोई लेखा प्रविष्टि नहीं की जायेगी लेकिन नये अंशों के निर्गमन के सम्बन्ध में लेखा प्रविष्टियाँ उसी प्रकार होंगी जैसी कि अंशों के निर्गमन के समय सामान्यतया की जाती हैं।

(2) अंशों का समेकन (Consolidation of shares) : जब किसी कम्पनी के कम मूल्य वाले अंशों को अधिक मूल्य वाले अंशों में बदला जाता है तो इसे अंशों का समेकन कहते हैं। अंशों के समेकन से कम्पनी की कुल पूँजी में कोई अन्तर नहीं आता है लेकिन अंशों की संख्या कम हो जाती है। जैसे एक कम्पनी के 20 रु० वाले

50,000 अंश निर्गमित किये हुए हैं तथा कम्पनी इन अंशों का मूल्य 100 रु० प्रति अंश करना चाहती है तो 20 रु० के पुराने 5 अंशों के बदले एक नया अंश बन जायेगा और समेकित अंशों की संख्या 50,000 के स्थान पर 10,000 रह जायेगी, लेकिन प्रदत्त पूँजी 10,00,000 रु० ही रहेगी। निर्गमित अंश अंशतः दत्त होने पर समेकन के पश्चात् भी उनके प्रदत्त मूल्य तथा अंकित मूल्य का अनुपात पूर्ववत् ही रहना चाहिए। अंशों के समेकन से सदस्यों द्वारा धारित अंशों की संख्या में परिवर्तन हो जाता है अतः कम्पनी द्वारा अपने सदस्यों के रजिस्टर में भी आवश्यक संशोधन कर दिया जाता है। ऐसी दशा में निम्नांकित लेखा प्रविष्टि की जाती है :—

(Old Denomination) Share Capital a/c Dr.

To (New Denomination) Share Capital a/c

(Being Consolidation of........Shares of Rs.........each into.........Shares of Rs ....each)

Illustration 1.1 : On 31st December, 1991 M Ltd. had authorised capital of Rs 4,00,000 divided into equity shares of Rs. 10 each. All the shares were issued on which Rs 8 per share were called and paid up. On 1st July, 1992 the company decided to consolidate 10 equity shares of Rs. 10 each Rs. 8 paid up into one equity share of Rs. 100 each Rs. 80 paid up and divided the same amongst its existing shareholders. Pass necessary journal entry.

31 दिसम्बर, 1991 को एम. लिमिटेड की अधिकृत पूँजी 4,00,000 रु० थी जो 10 रु० वाले समता अंशों में विभक्त थी। ये सभी अंश निर्गमित किये हुये थे जिन पर 8 रु० प्रति अंश माँग एवं भुगतान किया जा चुका था। 1 जुलाई, 1992 को कम्पनी ने अपने 10 रु० वाले 10 समता अंशों को जो कि 8 रु० प्रति अंश प्रदत्त थे, 100 रु० वाले एक समता अंश 80 रु० प्रदत्त में समेकित करके अपने वर्तमान अंशधारियों में वितरित करने का निश्चय किया। आवश्यक जर्नल प्रविष्टि दीजिये।

Solution :

Journal of M Ltd.

		Dr.	Cr.
1992		Rs.	Rs.
July 1	(Rs. 10) Equity Share Capital a/c Dr.	3,20,000	
	To (Rs. 100) Equity Share Capital a/c		3,20,000
	(40,000 Equity shares of Rs. 10 each Rs. 8 paid up consolidated into 4,000 Equity Shares of Rs 100 each Rs. 80 paid up.)		

(3) अंशों का उप-विभाजन (Sub-division of shares) : जब कम्पनी के अंशों को कम मूल्य वाले अंशों में विभाजित किया जाता है तो इसे अंशों का उप-विभाजन कहते हैं। अंशों को कम मूल्य के अंशों में विभाजित करने का कम्पनी की कुल पूँजी पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है लेकिन इससे अंशों की संख्या बढ़ जाती है। कम्पनी अपने समस्त अंशों का या उसके किसी भाग का उप-विभाजन कर सकती है। ऐसा प्रायः छोटे विनियोजकों को आकर्षित करने के लिए किया जाता है। यदि कम्पनी द्वारा आंशिक प्रदत्त अंशों को उप विभाजित किया जाता है तो विभाजन के पश्चात् उन अंशों के चुकता मूल्य एवं अंकित मूल्य के अनुपात में परिवर्तन नहीं होना चाहिए। जैसे एक कम्पनी के 100 रु० वाले 6,000 अंश निर्गमित किये हुये हैं तथा इन पर 75 रु०

प्रति अंश माँगा एवं भुगतान किया जा चुका है । अब कम्पनी इन अंशों का मूल्य 10 रु० प्रति अंश करना चाहती है तो 100 रु० के पुराने एक अंश के बदले 10 अंश बन जायेंगे और अंशों की संख्या 6,000 के स्थान पर 60,000 हो जायेगी लेकिन चुकता मूल्य 7·50 रु० ही रहेगा । इस सम्बन्ध में निम्नांकित जर्नल प्रविष्टि की जाती है—

(Old Denomination) Share Capital a/c Dr.
To (New Denomination) Share Capital a/c
(Sub-division of ..... Shares of Rs ....each into..... .. Shares of Rs ....each)

Illustration 1·2 : B Ltd. decided to subdivide its 10,000 Equity Shares of Rs 100 each fully paid up into Equity Shares of Rs. 10 each fully paid up. Pass the necessary journal entry.

बी. लिमिटेड 100 रु० वाले पूर्ण प्रदत्त 10,000 ईक्विटी अंशों को 10 रु० वाले पूर्ण प्रदत्त ईक्विटी अंशों में उपविभाजित करने का निश्चय करती है । आवश्यक जर्नल प्रविष्टि दीजिये ।

Solution :

Journal of B Ltd.

		Dr.	Cr.
		Rs.	Rs.
	(Rs. 100) Equity Share Capital a/c Dr.	10,00,000	
	To (Rs. 10) Equity Share Capital a/c		10,00,000
	(Sub-division of 10,000 Equity Shares of Rs. 100 each into 1,00,000 Equity Shares of Rs. 10 each)		

(4) **अंशों को स्टॉक में अथवा स्टॉक को अंशों में बदलना (Conversion of shares into stock or stock into shares)**—एक कम्पनी अपने पूर्ण प्रदत्त अंशों को स्टॉक में अथवा स्टॉक को पूर्ण प्रदत्त अंशों में परिवर्तित कर सकती है । अंशों को स्टॉक में बदलने पर सदस्यों के पास अंशों की निश्चित संख्या के स्थान पर स्टॉक पूँजी का एक निश्चित भाग होता है । अंशों को स्टॉक में परिवर्तित करने से किसी भी मूल्य की स्टॉक पूँजी को किसी अन्य को हस्तान्तरित किया जा सकता है । ऐसे परिवर्तन की सूचना एक माह के भीतर कम्पनियों के रजिस्ट्रार को देनी होती है । कम्पनी द्वारा सदस्यों के रजिस्टर में भी अंशों की संख्या के बजाय स्टॉक की रकम सदस्यों के नाम दर्ज कर दी जाती है। ऐसे परिवर्तन पर निम्नांकित जर्नल प्रविष्टियाँ की जाती हैं—

(a) अंशों के स्टॉक में परिवर्तन पर

Equity Share Capital a/c Dr.
To Equity Stock a/c
(....... Equity shares of Rs ....each fully paid up converted into equity stock of Rs........)

(b) स्टॉक का पूर्ण प्रदत्त अंशों में परिवर्तन करने पर—

Equity Stock a/c Dr.
To Equity Share Capital a/c
(Equity stock of Rs........converted into.........equity shares of Rs .. ..each fully paid up)

Illustration 1·3 : S Ltd. converts its 10,000 Equity Shares of Rs. 100 each fully paid up into Equity Stock of Rs. 10,00,000 on 30th June, 1991 and then reconverts the Equity Stock into Equity Shares of Rs. 10 each fully paid up on 30th June, 1992. Give journal entries and show the items in the Balance Sheets as on 30th June 1991 and 1992.

एस लिमिटेड 30 जून, 1991 को अपने 100 रु० वाले पूर्ण प्रदत्त 10,000 ईक्विटी अंशों को 10,00,000 रु० के ईक्विटी स्टॉक में परिवर्तित करती है तथा फिर 30 जून, 1992 को ईक्विटी स्टॉक को 10 रु० वाले पूर्ण प्रदत्त ईक्विटी अंशों में पुन: परिवर्तित करती है। जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिये तथा 30 जून, 1991 व 1992 के चिट्ठे में मदों को दिखाइए।

Solution :

Journal of S Ltd.

			Dr.	Cr.
			Rs.	Rs.
1991 June, 30	Equity Share Capital a/c To Equity Stock a/c (10,000 equity shares of Rs. 100 each fully paid up converted into equity stock of Rs. 10,00,000)	Dr.	10,00,000	10,00,000
1992 June, 30	Equity Stock a/c To Equity Share Capital a/c (Equity stock of Rs. 10,00,000 converted into 1,00,000 equity shares of Rs. 10 each fully paid up)	Dr.	10,00,000	10,00,000

Balance Sheet of S Ltd. as at 30th June, 1991
(Liabilities side only)

	Rs.
Authorised Capital	....
Issued and Subscribed Capital	
Equity Stock	10,00,000

Balance Sheet of S Ltd. as at 30th June, 1992
(Liabilities side only)

	Rs.
Authorised Capital	....
Issued and Subscribed Capital	
1,00,000 Equity Shares of Rs. 10 each fully paid	10,00,000

(5) अनिर्गमित अंशों को रद्द करना (Cancellation of unissued shares) : एक कम्पनी को अपने समस्त अनिर्गमित अंशों को रद्द करना कम्पनी की अंश पूँजी में कटौती नहीं मानी जाती है। चूँकि ऐसे अंशों के सम्बन्ध में कम्पनी की पुस्तकों में कोई लेखा किया हुआ नहीं होता है अत. इनको रद्द करने के

लिए कोई लेखा प्रविष्टि नहीं की जाती है केवल कम्पनी के स्थिति विवरण में अधिकृत पूंजी में आवश्यक समायोजन कर लिया जाता है।

(II) अंश पूंजी में कमी करना (Reduction in Share Capital) : कम्पनी अधिनियम 1956 की धाराओं 100 से 105 के अन्तर्गत दी हुई व्यवस्थाओं के अनुसार एक कम्पनी अपनी अंश पूंजी में कमी कर सकती है। अंश पूंजी में कटौती के लिए कम्पनी को निम्नलिखित शर्तों की पूर्ति करनी होती है—

(अ) कम्पनी के पार्षद अन्तर्नियम कम्पनी को पूंजी में कटौती करने की अनुमति प्रदान करते हों।

(ब) कम्पनी ने इस उद्देश्य के लिए एक विशेष प्रस्ताव पारित किया हो।

(स) न्यायालय द्वारा अंश पूंजी में कमी की योजना को स्वीकृति प्रदान कर दी गयी हो।

जब कम्पनी अपनी अंश पूंजी में कमी करने का विशेष प्रस्ताव पास कर देती है तो वह इसकी स्वीकृति के लिए न्यायालय को आवेदन करती है। यदि अंश पूंजी में कमी की योजना के अन्तर्गत अंशधारियों के दायित्व में कमी नहीं होती है या आवश्यकता से अधिक पूंजी उन्हें वापस नहीं लौटाई जाती है तो न्यायालय लेनदारों की सहमति लिए बिना ही पूंजी में कमी की योजना को अनुमोदित कर देता है। लेकिन पूंजी में कमी की योजना से अंशधारियों के दायित्व में कमी होती है या उन्हें पूंजी वापस लौटाई जाती है तो न्यायालय कम्पनी के प्रत्येक लेनदारों को सुनने का अवसर प्रदान करता है। यदि कोई लेनदार अंश पूंजी में कमी का विरोध करता है तो ऐसे लेनदारों की एक सूची तैयार की जाती है। न्यायालय एक सूचना प्रकाशित करके एक निश्चित समय के अन्दर अन्य लेनदारों को भी इस सूची में शामिल कर सकता है। न्यायालय ऐसे लेनदारों की अंश पूंजी में कमी के लिए सहमति प्राप्त करने अथवा उनकी सम्पूर्ण राशि का भुगतान करने की कम्पनी से मांग कर सकता है।

यदि न्यायालय इस बात से सन्तुष्ट है कि लेनदारों की अंश पूंजी में कमी के लिए सहमति प्राप्त कर ली गई है अथवा उनके दावों का निपटारा कर दिया गया है अथवा उनके हित सुरक्षित है तो वह अंश पूंजी में कमी की योजना का अनुमोदन कर देता है। यदि न्यायालय आवश्यक समझे तो इसके सम्बन्ध में कुछ शर्तें भी निर्धारित कर सकता है तथा एक निश्चित अवधि तक कम्पनी के नाम में 'And Reduced' शब्द जोड़ने का आदेश दे सकता है। कम्पनी को सामान्य जनता की सूचनार्थ अंश पूंजी में कमी के कारणों तथा अन्य किसी सूचना को प्रकाशित करने का आदेश दे सकता है। पूंजी में कमी की योजना न्यायालय द्वारा अनुमोदित कर दिये जाने पर कम्पनी द्वारा रजिस्ट्रार को न्यायालय के आदेश की प्रमाणित प्रतिलिपि तथा अंश पूंजी की राशि, अंशों की संख्या, प्रत्येक अंश की अंकित राशि तथा प्रदत्त राशि का एक विवरण प्रस्तुत किया जायेगा। रजिस्ट्रार द्वारा न्यायालय के आदेश तथा प्रस्तुत विवरण की रजिस्ट्री करने के बाद अंश पूंजी में कमी का आदेश प्रभावशाली होगा।

अंश पूंजी में कमी करने की विधियाँ (Methods of Reduction in Share Capital) : एक कम्पनी अपनी अंश पूंजी में निम्नलिखित तीन विधियों से कमी कर सकती है—

(1) अंशों पर अदत्त राशि में कमी करके अथवा दायित्व समाप्त करके।

(2) आवश्यकता से अधिक पूंजी को अंशधारियों को लौटाकर।

(3) प्रदत्त अंश पूंजी में कटौती करके।

अंश पूंजी में कमी का कम्पनी की पुस्तकों में लेखांकन : कम्पनी की अंश पूंजी में कमी करने की उपरोक्त तीन विधियों के अन्तर्गत लेखे निम्न प्रकार से किये जाते हैं :

(1) अंशों पर अदत्त राशि में कमी करना अथवा अदत्त दायित्व समाप्त करना : यदि कम्पनी द्वारा निर्गमित अंश पूर्णदत्त नहीं हैं तो कम्पनी ऐसे अंशों के सम्बन्ध में अदत्त राशि के दायित्व को आंशिक रूप से

अथवा पूर्ण रूप से समाप्त कर सकती है। इस प्रकार अंशों पर अदत्त राशि सम्बन्धी दायित्व को समाप्त कर दिये जाने से कम्पनी की प्रदत्त पूँजी में कोई कमी नहीं होती है बल्कि कम्पनी अदत्त राशि मांगने के अपने अधिकार को त्याग देती है तथा अंशधारियों का अदत्त पूँजी सम्बन्धी दायित्व समाप्त कर दिया जाता है। इस तरह से अंश पूँजी में कमी करने पर निम्नलिखित जर्नल प्रविष्टि की जाती है—

(Old Denomination) Share Capital a/c Dr.
To (New Denomination) Share Capital a/c
(Uncalled amount of Rs ... .. per share cancelled)

Illustration 1·4 : A Company has an issued capital of 40,000 Equity Shares of Rs. 100 each Rs. 70 called and paid up. Having complied with the formalities, the company decided to reduce the share of Rs. 100 to the share of Rs. 70 as fully paid up by cancelling unpaid amount of Rs. 30 per share. Give necessary journal entry and show the share capital in the balance sheet of the company after cancellation.

एक कम्पनी की निर्गमित पूँजी 100 रु० वाले 40,000 ईक्विटी अंश है जिन पर 70 रु० प्रति अंश मांगा व भुगतान किया जा चुका है। समस्त वैधानिक औपचारिकताओं को पूर्ण करके कम्पनी ने अपने 100 रु० वाले अंशों को 70 रु० पूर्ण प्रदत्त तक कम करके 30 रु० प्रति अंश की अदत्त राशि को रद्द करने का निश्चय किया है। आवश्यक जर्नल प्रविष्टि दीजिए तथा रद्द किये जाने के पश्चात् अंश पूँजी को कम्पनी के चिट्ठे में दिखाइए।

Solution :

Journal

	Particulars		Dr. Rs.	Cr. Rs.
	(Rs. 100) Equity Share Capital a/c	Dr.	28,00,000	
	To (Rs. 70) Equity Share Capital a/c			28,00,000
	(Uncalled amount of Rs. 30 per share on 40,000 Equity Shares cancelled)			

Balance Sheet as at ....

(Liabilities side only)

	Rs.
Authorised Capital	....
Issued and Subscribed Capital	
40,000 Equity Shares of Rs. 70 each fully paid	28,00,000

(2) आवश्यकता से अधिक पूँजी को अंशधारियों को लौटाना : यदि कम्पनी के पास आवश्यकता से अधिक पूँजी एकत्रित हो गयी है तो वह इस अधिक पूँजी को अंशधारियों को लौटा सकती है। अंशधारियों को पूँजी वापस लौटाने से लेनदारों की सुरक्षा में कमी आती है। अतः पूँजी की वापसी उनकी आपत्ति को दूर करके तथा कम्पनी अधिनियम की व्यवस्थाओं का पालन करते हुये की जा सकती है। इसके अन्तर्गत अंशधारियों को पूँजी नकद में वापस लौटायी जाती है। इस सम्बन्ध में अग्रलिखित जर्नल प्रविष्टियाँ की जाती हैं—

(i) जब अंशों के अंकित मूल्य में परिवर्तन किया जावे—

(Old Denomination) Share Capital a/c Dr. (पुरानी प्रदत्त पूंजी की कुल राशि से)
To (New Denomination) Share Capital a/c (नयी पूंजी की राशि से
To Sundry Shareholders a/c (लौटायी जाने वाली राशि से)
(Conversion of Rs ... . shares into Rs ... ...fully paid shares and refund of Rs ... - per share on ....shares)

Sundry Share holders a/c Dr.
To Bank a/c
(Payment made to Shareholders)

(ii जब अंशों के अंकित मूल्य मे परिवर्तन न किया जावे—

Share Capital a/c Dr. (लौटाई जाने वाली राशि से
To Sundry Shareholders a/c (लौटाई जाने वाली राशि से)
(Rs ... .. per Share on .. .. Shares refunded to shareholders)

Sundry Shareholders a/c Dr.
To Bank a/c
(Payment made to shareholders)

Illustration 1 5 : A Company has a subscribed capital of Rs. 5,00,000 divided into 50,000 Equity shares of Rs. 10 each fully paid up. The company decides to repay Rs. 2 per share to Equity Shareholders. Give necessary journal entries in the books of the company if the (i) Shares are made of Rs. 8 each fully paid (ii) Nominal value remains unchanged.

एक कम्पनी की प्रार्थित पूंजी 5,00,000 रु० है जो कि 10 रु. वाले पूर्णदत्त 50,000 ईक्विटी अंशों में विभाजित है। कम्पनी ने ईक्विटी अंशधारियो को 2 रु. प्रति अंश लौटाने का निश्चय किया है। कम्पनी की पुस्तकों में आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिये यदि :

(i) अंशों को 8 रु. प्रति अंश पूर्णदत्त बना दिया जाता है;
(ii) अंशों का अंकित मूल्य अपरिवर्तित रहता है।

Solution : (i) *When shares are made of Rs. 8 each fully paid :*

	Journal		Dr	Cr.
			Rs.	Rs.
	(Rs. 10) Equity Share Capital a/c Dr.		5,00,000	
	To (Rs. 8) Equity Share Capital a/c			4,00,000
	To Equity Shareholders a/c			1,00,000
	(Conversion of Rs. 10 equity shares into Rs 8 fully paid equity shares and refunded Rs. 2 per equity share on 50,000 equity shares)			
	Equity Shareholders a/c Dr.		1,00,000	
	To Bank a/c			1,00,000
	(Payment made to equity shareholders)			

(*ii*) *When nominal value of share remains unchanged* :

Journal		Dr.	Cr.
		Rs.	Rs.
Equity Share Capital a/c	Dr.	1,00,000	
To Equity Shareholders a/c			1,00,000
(Rs 2 per share on 50,000 equity shares refunded to equity shareholders.)			
Equity Shareholders a/c	Dr.	1,00,000	
To Bank a/c			1,00,000
(Payment made to equity shareholders)			

(3) प्रदत्त अंश पूँजी में कटौती करना (Reduction in paid up Share Capital) : जब एक कम्पनी विभिन्न कारणों से निरन्तर हानि की स्थिति में चल रही हो तो उसके स्थिति विवरण (Balance Sheet) के सम्पत्ति पक्ष में संचित हानियाँ कृत्रिम सम्पत्ति (Fictitious Assets) शीर्षक के अन्तर्गत दिखायी जाती हैं। इन संचित हानियों में लाभ हानि खाते का डेबिट शेष, प्रारम्भिक व्यय, अंशों एवं ऋणपत्रों के निर्गमन पर बट्टा, आस्थगित व्यय, आदि सम्मिलित किये जाते हैं। ऐसी कम्पनी में ख्याति मूल्यहीन होती है और अन्य सम्पत्तियाँ भी उचित मूल्य पर दिखाई हुई नहीं होती हैं। ऐसी कम्पनी की पूँजी उसकी सम्पत्तियों का सही प्रतिनिधित्व नहीं करती है। वास्तव में कम्पनी की पूँजी व्यवसाय में उतनी विद्यमान नहीं है जितनी कि सम्पत्ति पक्ष का योग है वरन् संचित हानियों, आस्थगित व्ययों एवं सम्पत्तियों के पुस्तक मूल्य में कमी की सीमा तक पूँजी नष्ट (Loss) हो गई है। ऐसी स्थिति में कम्पनी एक रोगग्रस्त (Sick) एवं अत्यन्त कमजोर (Weak) कम्पनी हो जाती है तथा कम्पनी को सुचारु रूप से चलाने के लिए इसके रोग (Disease) का इलाज होना आवश्यक हो जाता है। इस प्रकार रोगग्रस्त कम्पनी की शल्य-चिकित्सा 'पूँजी कटौती कार्यक्रम' (Capital Reduction Programme) के माध्यम से की जाती है। पूँजी में कटौती कार्यक्रम के अन्तर्गत नष्ट हुई पूँजी को अपलिखित कर दिया जाता है तथा अंशधारियों से नयी पूँजी प्राप्त करने का प्रबन्ध किया जाता है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 100 के प्रावधानों का पालन करते हुये कम्पनी के संचालकों द्वारा पूँजी में कमी का कार्यक्रम तैयार किया जाता है। इसके अन्तर्गत अंशधारियों के समक्ष उनके द्वारा अपनी प्रदत्त अंश पूँजी में किये जाने वाले त्याग का प्रस्ताव रखा जाता है। यदि कम्पनी की संचित हानियाँ बहुत अधिक हैं तो ऋणपत्रधारियों एवं लेनदारों को भी त्याग के लिए सहमत किया जाता है। पूँजी में कटौती की योजना को लागू करने के लिए कम्पनी की पुस्तकों में एक नया खाता खोला जाता है जिसे 'पूँजी कटौती खाता' (Capital Reduction Account) कहते हैं। इस खाते में ऋणपत्रधारियों, अंशधारियों तथा लेनदारों द्वारा त्यागी गयी राशि क्रेडिट कर दी जाती है तथा इस राशि से संचित हानियों एवं आस्थगित व्ययों को अपलिखित कर दिया जाता है। कभी-कभी 'पूँजी कटौती खाता' के स्थान पर 'पुनर्निर्माण खाता' (Reconstruction Account) भी खोला जाता है। यह खाता भी पूँजी कटौती खाते के समान ही होता है। पूँजी कटौती के कार्यक्रम के अन्तर्गत लेखांकन निम्न प्रकार से किया जाता है :—

(i) जब पूर्वाधिकार अंशों व ईक्विटी अंशों का अंकित मूल्य घटा दिया जावे :—

(Old Denomination) Share Capital a/c Dr.		(पुरानी पूँजी की राशि से)
To (New Denomination) Share Capital a/c		(नयी पूँजी की राशि से)
To Capital Reduction a/c		(पूँजी में कमी की राशि से)

(ii) जब पूर्वाधिकार अंशो एवं ईक्विटी अंशों के अंकित मूल्य में परिवर्तन न किया जाये किन्तु उनका प्रदत्त मूल्य घटा दिया जावे।

Share Capital a/c Dr. (पूंजी मे कमी की राशि से)
To Capital Reduction a/c

(iii) यदि कम्पनी के पास पूंजीगत संचय, सामान्य अथवा अन्य किसी संचय खाते में जमा शेष पाया जाता है तो उसे भी पूंजी-कटौती खाते में हस्तान्तरित कर दिया जाता है। इसके लिए निम्न प्रविष्टि की जाती है :—

Capital Reserve a/c Dr.
General Reserve a/c Dr.
Any Particular Reserve a/c Dr.
To Capital Reduction a/c

(iv) जब ऋणपत्र धारी एव लेनदार त्याग करने के लिए सहमत हो जाते हैं तो उनके द्वारा त्यागी गयी राशि के सम्बन्ध मे निम्न प्रविष्टि की जाती है :—

Debentures a/c Dr.
Creditors a/c Dr.
To Capital Reduction a/c

(v) पुनर्मूल्यांकन के कारण किसी सम्पत्ति के मूल्य में वृद्धि एवं दायित्व मे कमी होने पर :—

(Particular) Asset a/c Dr. (वृद्धि की राशि से)
(Particular) Liability a/c Dr. (कमी की राशि से)
To Capital Reduction a/c

(vi) विभिन्न संचित हानियों, आस्थगित व्ययों, सम्पत्तियों के मूल्यों मे कमी तथा दायित्वो में वृद्धि को अपलिखित करने पर :—

Capital Reduction a/c Dr.
To Profit and Loss a/c
To Preliminary Expenses a/c
To Discount on Issue of Shares/Debentures a/c
To Goodwill a/c
To Patents a/c
To (Particular) Asset a/c
To (Particular) Liability a/c

(vii) कम्पनी द्वारा किसी सम्भावित दायित्व (Contingent Liability) के लिए आयोजन करने पर :—

Capital Reduction a/c Dr.
To Provision for Contingencies a/c

(viii) पूंजी कटौती खाते के शेष के हस्तान्तरण पर :—

Capital Reduction a/c Dr.
To Capital Reserve a/c

संचयी पूर्वाधिकार अंशों पर बकाया लाभांश (Arrears of Dividend on Cumulative Preference Shares) :—कम्पनी को निरन्तर हानि होने की स्थिति में संचयी पूर्वाधिकार अंशों पर एक या अधिक वर्षों की लाभांश की राशि संचित होती रहती है। बकाया लाभांश की राशि को स्थिति विवरण के नीचे संदिग्ध दायित्व (Contingent Liability) के रूप में दिखाया जाता है। पूंजी में कमी की योजना के अन्तर्गत बकाया लाभांश के सम्बन्ध में लेखांकन निम्न प्रकार से किया जाता है :—

(i) जब पूर्वाधिकार अंशधारी अपने लाभांश की सम्पूर्ण बकाया राशि को त्यागने के लिए सहमत हो जाते हैं तो लाभांश के सम्बन्ध में कोई प्रविष्टि नहीं की जायेगी क्योंकि लाभांश की बकाया राशि एक संदिग्ध दायित्व होने के कारण पुस्तकों में कोई लेखा नहीं किया हुआ है।

(ii) जब पूर्वाधिकार अंशधारियों को बकाया लाभांश पूर्णतया अथवा आंशिक रूप से देना तय होता है तो भुगतान किये जाने वाली लाभांश की राशि का लेखा निम्न प्रकार होगा :—

Capital Reduction a/c Dr.
    To Preference Share Dividend a/c
(Preference Share Dividend payable to Preference Shareholders provided out of Capital Reduction Account)

Preference Share Dividend a/c Dr.
    To Bank a/c
    To Share Capital a/c
    To Debentures a/c
(Preference Share Dividend paid)

(iii) यदि पूर्वाधिकार अंशों पर लाभांश की घोषणा की जा चुकी है लेकिन भुगतान नहीं किया गया है तो कम्पनी के स्थिति विवरण में दायित्व पक्ष में 'पूर्वाधिकार अंश लाभांश खाता' (Preference Share Dividend Account) दिखाया हुआ होता है। इस सम्बन्ध में विभिन्न परिस्थितियों में निम्नलिखित प्रविष्टियाँ की जायेंगी :—

(1) जब न चुकाये गये लाभांश का अंशधारियों द्वारा पूर्ण त्याग कर दिया जाता है :

Preference Share Dividend a/c Dr. (कुल राशि से)
    To Capital Reduction a/c

(2) जब न चुकाये गये लाभांश का अंशधारियों द्वारा आंशिक रूप से त्याग किया जाता है :

Preference Share Dividend a/c Dr. (कुल राशि से)
    To Capital Reduction a/c (त्याग की राशि से)
    To Bank a/c OR (चुकाये जाने वाली राशि से)
    To Share Capital a/c OR
    To Debentures a/c

(3) जब न चुकाये गये लाभांश का अंशधारियों को पूर्ण भुगतान किया जाता है :

Preference Share Dividend a/c Dr.
To Bank a/c
To Share Capital a/c
To Debentures a/c

Illustration 1.6 : The Balance Sheet of X Ltd. on 30th June, 1992 is as follows :

एक्स लिमिटेड का 30 जून, 1992 का चिट्ठा निम्न प्रकार है :

Balance Sheet

Liabilities	Rs	Assets	Rs.
Authorised, Issued and Subscribed Capital :		Goodwill	25,000
20,000, 10% Preference Shares of Rs 5 each fully paid	1,00,000	Fixed Assets	90,000
20,000 Equity Shares of Rs. 5 each fully paid	1,00,000	Stock in trade	25,000
Creditors	15,000	Debtors	30,000
		Preliminary Expenses	10,000
		Profit and Loss account	35,000
	2,15,000		2,15,000

The following 'Capital Reduction Scheme' is approved by the Court.

(i) 10% Preference Shares of Rs. 5 each be reduced to 10% Preference Shares of Rs. 3 each fully paid up.

(ii) Equity Shares of Rs. 5 each be reduced to fully paid up shares of Rs. 2·50 each.

(iii) Goodwill, Preliminary Expenses and debit balance of Profit and Loss Account be written off completely.

(iv) The balance of the amount be used to write off fixed assets.

Give journal entries and revised balance sheet of the Company.

न्यायालय द्वारा पूँजी में कमी की निम्नलिखित योजना स्वीकृत की जाती है :

(i) 5 रु० वाले 10% पूर्वाधिकार अंशों को घटाकर 3 रु० वाले पूर्ण प्रदत्त 10% पूर्वाधिकार अंश बना दिया जावे।

(ii) 5 रु० वाले ईक्विटी अंशों को घटाकर 2·50 रु० वाले पूर्णदत्त ईक्विटी अंश बना दिया जावे।

(iii) ख्याति, प्रारम्भिक व्यय तथा लाभ हानि खाते के डेबिट शेष को पूर्णरूप से अपलिखित कर दिया जावे।

(iv) शेष राशि का उपयोग स्थायी सम्पत्तियों को अपलिखित करने में किया जावे।

जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिये तथा कम्पनी का परिवर्तित चिट्ठा तैयार कीजिये।

Solution : **Journal of X Ltd.** Dr. Cr.

Date	Particulars		Amount Rs.	Amount Rs.
1992 July 1	(Rs. 5) 10% Preference Share Capital a/c Dr		1,00,000	
	To (Rs 3) 10% Preference Share Capital a/c			60,000
	To Capital Reduction a/c			40,000
	(10% Preference Shares of Rs. 5 each reduced to Rs 3 per share and balance transferred to Capital Reduction Account)			
"	(Rs. 5) Equity Share Capital a/c Dr.		1,00,000	
	To (Rs. 2.50) Equity Share Capital a/c			50,000
	To Capital Reduction a/c			50,000
	(Equity Shares of Rs. 5 each reduced to Rs. 2·50 per share and balance transferred to Capital Reduction Account)			
"	Capital Reduction a/c Dr.		90,000	
	To Profit and Loss a/c			35,000
	To Goodwill a/c			25,000
	To Preliminary Expenses a/c			10,000
	To Fixed Assets a/c			20,000
	(Losses written off)			

Balance Sheet of A Ltd. *as at 1st July, 1992*

(After Reconstruction)

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
Authorised Issued and Subscribed Capital :		Fixed Assets	70,000
20,000 10% Preference Share of Rs. 3 each fully paid up.	60,000	Stock in trade	25,000
20,000 Equity Shares of Rs. 2·50 each fully paid up	50,000	Debtors	30,000
Creditors	15,000		
	1,25,000		1,25,000

Illustration 1·7 : The following is the Balance Sheet of Ram Limited as on 31st March, 1992 :

राम लिमिटेड का 31 मार्च, 1992 का चिट्ठा निम्नलिखित है :

Liabilities	Amount	Assets	Amount
	Rs.		Rs.
Share Capital		Goodwill at cost	50,000
Authorised, Issued and Subscribed		Leasehold Property at cost less	
Capital :		Rs. 30,000 Depreciation	50,000
1,500 6% Cum. Preference		Plant and Machinery at cost	
Shares of Rs. 100 each fully paid.	1,50,000	less Rs. 57,500 Depreciation	1,52,500
2,000 Equity Shares of Rs. 100		Stock in trade	79,175
each fully paid	2,00,000	Debtors	30,200
Capital Reserve	36,000	Preliminary Expenses	7,250
Trade Creditors	42,500	Profit and Loss Account	1,10,375
Bank Overdraft	51,000		
	4,79,500		4,79,500

Note : Dividend on Preference Shares is in arrear for the last three years.

The Company is experiencing trading difficulties and decided to reorganise its finances. The approval of the court was obtained for the following scheme for reduction of capital :—

(i) The Cumulative Preference shares to be reduced to Rs. 75 per share.

(ii) The Equity shares to be reduced to Rs. 12·50 per share.

(iii) One Rs. 12·50 Equity share to be issued for each Rs. 100 of gross Preference share dividend arrears.

(iv) The balance in Capital Reserve Account to be utilised.

(v) Plant and Machinery to be written down to Rs. 75,000.

(vi) The debit balance of Profit and Loss Account and all intangible assets to be written off.

(vii) The authorised share capital to be retained to Rs. 3,50,000 consisting of 1,500 6% *Cumulative Preference shares of Rs 75* each and the Balance in Equity shares of Rs. 12·50 each.

(viii) 5,000 Equity shares to be issued at par, for cash payable in full upon application. The same were fully subscribed and paid for. You are required to pass the necessary journal entries and prepare the balance sheet of the company after completion of the scheme.

पूर्वाधिकार अंशों पर लाभांश गत तीन वर्षों से बकाया है। कम्पनी व्यापारिक कठिनाइयाँ महसूस कर रही है तथा वित्तीय साधनों को पुनर्गठित करने का निश्चय किया है। पूँजी में कमी की निम्नलिखित योजना के लिए न्यायालय में स्वीकृति प्राप्त की गई :—

(i) पूर्वाधिकार अंशों को 75 रु० प्रति अंश तक कम किया जाये।

(ii) ईक्विटी अंशों को 12.50 रु० प्रति अंश तक कम किया जाये।

(iii) सकल लाभांश की बकाया प्रति 100 रु० के लिए 12·50 रु० वाला एक ईक्विटी अंश निर्गमित किया जाये।

(iv) पूँजी संचय खाते के शेष का प्रयोग किया जाये।

(v) प्लान्ट एवं मशीनरी को 75,000 रु० तक अपलिखित किया जाये।

(vi) लाभ हानि खाते का डेबिट शेष एवं समस्त अदृश्य सम्पत्तियाँ अपलिखित करनी हैं।

(vii) कम्पनी की अधिकृत पूँजी को 3,50,000 रु. पर कायम रखना है जो कि 1,500, 75 रु. वाले 6% सचयी पूर्वाधिकार अंशों तथा शेष 12·50 रु. प्रति अंश वाले ईक्विटी अंशों में होगी।

(viii) 5,000 ईक्विटी अंश सम मूल्य पर नकद के लिए निर्गमित किये जायें जिन पर समस्त राशि प्रार्थना-पत्र के साथ ही देय हो। सभी अंशों के लिए पूर्ण अभिदान राशि प्राप्त कर ली गई।

आपको आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ करनी है तथा योजना के पूर्ण होने के पश्चात् का कम्पनी का चिट्ठा तैयार करना है।

Solution : **Journal** Dr. Cr.

Date	Particulars		Amount Rs.	Amount Rs.
1992 April, 1	(Rs. 100) 6% Cum. Pref. Share Capital a/c Dr. To (Rs. 75) 6% Cum. Pref. Share Capital a/c To Capital Reduction a/c (6% Cum. Preference Share of Rs. 100 each reduced to 6% Cum. Preference Shares of Rs. 75 each fully paid and balance transferred to Capital Reduction Account)		1,50,000	 1,12,500 37,500
April, 1	(Rs. 100) Equity Share Capital a/c Dr. To (Rs 12·50) Equity Share Capital a/c To Capital Reduction a/c (Equity Shares of Rs. 100 each reduced to Equity Shares of Rs. 12·50 per Share fully paid and balance transferred to Capital Reduction Account)		2,00,000	 25,00 1,75,00

(Contd.............)

1992 April	Capital Reduction a/c Dr.		3,375	
	To Preference Share Dividend a/c			3,375
	(Part of Preference Share Dividend payable to Preference Shareholders provided out of Capital Reduction Account)			
,,	Preference Share Dividend a/c Dr.		3,375	
	To (Rs. 12·50) Equity Share Capital a/c			3,375
	(270 Equity Shares of Rs. 12·50 each issued to Preference Shareholders for dividend)			
,,	Capital Reserve a/c Dr.		36,000	
	To Capital Reduction a/c			36,000
	(Balance transferred)			
,,	Capital Reduction a/c Dr.		2,45,125	
	To Plant and Machinery a/c			77,500
	To Profit and Loss a/c			1,10,375
	To Preliminary Expenses a/c			7,250
	To Goodwill a/c			50,000
	(Losses written off)			
Date of Receipt	Bank a/c Dr.		62,500	
	To Equity Share Application & Allotment a/c			62,500
	(Amount received on 5,000 Equity Shares @ Rs. 12·50 per share with applications)			
Date of Allotment	Equity Share Application & Allotment a/c Dr.		62,500	
	To Equity Share Capital a/c			62,500
	(Allotment made and application money transferred to share capital account)			

Balance Sheet of Ram Ltd.
as on 1st April, 1992

Liabilities	Amount Rs.	Assets	Amount Rs.
Share Capital :		**Fixed Assets :**	
Authorised Capital :		Leasehold Property at cost	
1,500 6% Cum. Preference		less Rs. 30,000 Depreciation	50,000
Shares of Rs 75 each	1,12,500	Plant and Machinery	
19,000 Equity Shares of		at cost Depreciation	75,000
Rs. 12·50 each	2,37,500		
	3,50,000	**Current Assets, Loans and Advances :**	
Issued & Subscribed Capital :		Stock in trade	79,175
1,500 6% Cum. Preference		Sundry Debtors	30,200
Shares of Rs. 75 each fully paid up	1,12,500	Cash at Bank	11,500
7,000 Equity shares of Rs. 12 50 each fully paid, issued for cash	87,500		
270 Equity Shares of Rs. 12·50 each fully paid issued for consideration other than cash	3,375		
Current Liabilities and Provisions :			
Sundry Creditors	42,500		
	2,45,875		2,45,875

टिप्पणी : (i) पूर्वाधिकार अंशों पर 3 वर्ष का बकाया लाभांश (9,000 × 3) 27,000 रु० है जिसके लिए प्रति 100 रु० लाभांश की राशि के बदले 12·50 रु० वाले एक अंश के हिसाब से ($\frac{27,000}{100}$) 270 अंश दिये जायेंगे।

(ii) कम्पनी की अधिकृत पूँजी 3,50,000 रु० पर कायम रहेगी। अतः इसमें 1,12,500 रु० की पूँजी 75 रु० वाले 1,500 6% संचयी पूर्वाधिकार अंशों में तथा शेष 2,37,500 रु० की पूँजी 12·50 रु० वाले 19,000 ईक्विटी अंशों में विभक्त होगी।

Illustration 1·8 : The following is the Balance Sheet of Unlucky Ltd. as on 31st December, 1991 :

अनलक्ष्मी लिमिटेड का चिट्ठा 31 दिसम्बर, 1991 को निम्न प्रकार है :

Liabilities	Amount Rs.	Assets	Amount Rs.
Share Capital :		Goodwill	50,000
20,000 8% Preference Share		Land and Buildings	1,30,000
of Rs. 10 each fully paid	2,00,000	Plant and Machinery	3,20,000
50,000 Equity Shares of Rs. 10		Stock in trade	1,40,000
each fully paid	5,00,000	Debtors	1,10,000
Share Premium Account	10,000	Cash in hand	1,000
[illegible]% Debentures of Rs. 100 each	1,00,000	Discount on Issue of Debentures	5,000
Creditors	1,40,000	Preliminary Expenses	10,000
Bank overdraft	50,000	Profit & Loss Account	2,34,000
	10,00,000		10,00,000

Note : Preference Share Dividend is in arrears for Rs. 48,000.

It is hoped that the worst time is over and the company would start earning profits after reconstruction. Upon revaluation of assets, it was found that goodwill is worthless and that other assets have overvalued to the following extent : Land and Buildings Rs 10,000, *Plant and Machinery Rs. 60,000; Stock in trade Rs. 15,000* and Debtors Rs 20,000. The following scheme of reorganisation is prepared and approved by the court :

1. The Equity Shares be reduced to Rs. 2·50 each.
2. The 8% Preference Shares be reduced to Rs. 7·50 each and then exchanged for one new 10% Preference Share of Rs. 5 each and one equity share of Rs 2·50 each.
3. Preference Shareholders have forgone their right for 2 years dividend and one year's dividend Rs. 16,000 is payable to them in fully paid equity shares.
4. The debenture holders be given the option to either accept 90% of their claims in cash or to convert their claims in full into new 10% Preference shares of Rs. 5 each. One half (in value) of the debentureholders accepted Preference shares and the rest were paid in cash.
5. The revaluation of assets be adopted.
6. 1,00,000 new equity shares of Rs. 2·50 each are to be issued at par payable in full *on application. This issue was under-written for a commission of 2% and was fully* taken up.
7. The total expenses incurred in connection with the scheme *excluding under-writing* commission amounted Rs. 2,000.

Pass necessary journal entries to record the above arrangements and prepare Company's Balance Sheet after the scheme of reorganisation had been carried out.

नोट—अधिमान अंशों पर बकाया लाभांश 48,000 रु० है।

यह आशा की जाती है कि खराब समय व्यतीत हो गया है और कम्पनी पुनर्निर्माण के बाद लाभ कमाना प्रारम्भ कर देगी। सम्पत्तियों के पुनर्मूल्यांकन पर यह ज्ञात हुआ कि ख्याति का मूल्य शून्य है और अन्य सम्पत्तियाँ निम्नलिखित सीमा तक अधिक मूल्यांकित की हुई हैं : भूमि एवं भवन 10,000 रु०; यन्त्र एवं मशीनरी 60,000 रु०; व्यापारिक रहतिया 15,000 रु०; तथा देनदार 20,000 रु०। पुनर्गठन की निम्न योजना तैयार की गई व न्यायालय से स्वीकृति प्राप्त हुई :

1. समता अंशों को 2·50 रु० प्रति अंश तक कम कर दिया जाये।

2. 8% अधिमान अंशों को 7·50 रु० प्रति अंश तक कम कर दिया जाये तथा फिर 5 रु० वाले एक नये 10% अधिमान अंश तथा 2·50 रु० वाले एक समता अंश में बदल दिया जाये।

3. अधिमान अंशधारियों ने दो वर्ष के लाभांश के अधिकार का त्याग कर दिया है तथा उन्हें एक वर्ष का लाभांश 16,000 रु० का पूर्णदत्त समता अंशों में भुगतान किया जाये।

4. ऋण-पत्रधारियों को विकल्प दिया जाये कि वे या तो अपने दावों का 90% नकद प्राप्त कर लें अथवा अपने दावों की पूर्ण राशि को नये 5 रु० वाले 10% अधिमान अंशों में परिवर्तित करा लें। आधे (मूल्य के) ऋण-पत्रधारियों ने अधिमान अंश लेना स्वीकार किया तथा शेष को नकद भुगतान कर दिया अभिदत्त गया।

5. सम्पत्तियों के पुनर्मूल्यांकन को अपनाया जाये।

6. 1,00,000 नये 2·50 रु० वाले समता अंश सम मूल्य पर निर्गमित किये जायें जिनकी सम्पूर्ण राशि प्रार्थना पत्र के साथ देय हो। इस निर्गमन का 2% कमीशन पर अभिगोपन किया गया तथा पूर्ण रूप से अभिदत्त हुआ।

7. अभिगोपन कमीशन के अतिरिक्त उक्त योजना पर 2,000 रु० की हानि व्यय की गई।

उपरोक्त व्यवस्थाओं को दर्ज करने के लिए आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए तथा पुनर्गठन की योजना को कार्यान्वित करने के पश्चात् कम्पनी का चिट्ठा बनाइये।

Solution :

Journal of Unlucky Ltd.

Date	Particulars		Dr. Amount	Cr. Amount
1992			Rs.	Rs.
Jan 1	(Rs. 10) Equity Share Capital a/c Dr		5,00,000	
	To (Rs. 2.50) Equity Share Capital a/c			1,25,000
	To Capital Reduction a/c			3,75,000
	(Equity Shares of Rs. 10 each reduced to Equity Shares of Rs. 2.50 each fully paid and balance transferred to Capital Reduction Account)			

(*Contd ......*)

Date	Particulars		Rs.	Rs.
1992 Jan. 1	(Rs. 10) Preference Share Capital a/c Dr.		2,00,000	
	To (Rs. 7 50) Preference Share Capital a/c			1,50,000
	To Capital Reduction a/c			50,000
	(8% Preference Shares of Rs. 10 each reduced to 8% Preference shares of Rs. 7·50 each fully paid and balance transferred to Capital Reduction Account)			
,,	(Rs. 7·50) 8% Pref. Share Capital a/c Dr.		1,50,000	
	To (Rs 5) 10% Pref. Share Capital a/c			1,00,000
	To (Rs 2·50) Equity Share Capital a/c			50,000
	(Rs 7 50 8% Preference Shares converted into Rs. 5 10% Preference Shares and Rs. 2·50 Equity Shares)			
,,	Share Premium a/c Dr.		10,000	
	To Capital Reduction a/c			10,000
	(Balance transferred.)			
,,	Capital Reduction a/c Dr.		16,000	
	To Preference Share Dividend a/c			16,000
	(Preference Share Dividend provided.)			
,,	Preference Share Dividend a/c Dr.		16,000	
	To Equity Share Capital a/c			16,000
	(Equity shares issued for arrear of Preference share dividend.)			
,,	6% Debentures a/c Dr.		1,00,000	
	To Debenture holders a/c			1,00,000
	(Balance transferred)			
Date of Receipt	Bank a/c Dr.		2,50,000	
	To Equity Share Application & Allotment a/c			2,50,000
	(Application money received on 1,00,000 Equity Shares @ Rs. 2·50 each.)			
Date of allotment	Equity Share Application & Allotment a/c Dr.		2,50,000	
	To Equity Share Capital a/c			2,50,000
	(Application money transferred to Equity Share Capital account on allotment.)			

(Contd........)

			Rs.	Rs.
Date of Payment	Underwriting Commission a/c Dr. Reconstruction Expenses a/c Dr. To Bank a/c (Underwriting Commission and Reconstruction Expenses paid.)		5,000 2,000	 7,000
,,	Debenture holders a/c Dr. To 10% Preference Share Capital a/c To Bank a/c To Capital Reduction a/c (Debenture holders claim discharged by converting 50% debentures into 10% Preference shares and rest paid in cash.)		1,00,000	 50,000 45,000 5,000
,,	Capital Reduction a/c Dr. To Profit and Loss a/c To Goodwill a/c To Land and Building a/c To Plant and Machinery a/c To Stock in trade a/c To Debtors a/c To Discount on Issue of Debentures a/c To Preliminary Expenses a/c To Under-writing Commission a/c To Reconstruction Expenses a/c (Losses and expenses written off.)		4,11,000	 2,34,000 50,000 10,000 60,000 15,000 20,000 5,000 10,000 5,000 2,000
,,	Capital Reduction a/c Dr. To Capital Reserve a/c (Balance transferred)		13,000	 13,000

Balance Sheet of Unlucky Ltd.
as on 1st January, 1992

Liabilities	Amount	Assets	Amount
	Rs.		Rs.
Share Capital		Land and Buildings	1,20,000
Authorised Capital :		Plant and Machinery	2,60,000
40,000 10% Preference Shares of		Stock in trade	1,25,000
Rs 5 each	2,00,000	Debtors	90,000
2,00,000 Equity Shares of		Cash at Bank	1,48,000
Rs. 2·50 each	5,00,000	Cash in hand	1,000
	7,00,000		
Issued and Subscribed Capital :			
30,000 10% Preference Shares			
of Rs 5 each fully paid up	1,50,000		
1,76,400 Equity Shares of			
Rs. 2·50 each fully paid up	4,41,000		
Capital Reserve	13,000		
Creditors	1,40,000		
	7,44,000		7,44,000

टिप्पणियाँ : (i) स्थिति विवरण में दिखायी जाने वाली ईक्विटी अंश पूँजी निम्न प्रकार ज्ञात की गई है :

	रु०
पुराने ईक्विटी अंशो की घटी हुई अंश पूँजी	1,25,000
पूर्वाधिकार अंशों को जारी की गई ईक्विटी अंश पूँजी	50,000
पूर्वाधिकार अंशो पर लाभांश के लिए निर्गमित ईक्विटी अंश पूँजी	16,000
नयी निर्गमित की गई ईक्विटी अंश पूँजी	2,50,000
कुल राशि	4,41,000

(ii) स्थिति विवरण में दिखायी जाने वाली अधिमान अंश पूँजी निम्न प्रकार ज्ञात की गई है :

	रु०
पुराने अधिमान अंशों की घटी हुई अंश पूँजी	1,00,000
ऋण-पत्र धारियों को निर्गमित अधिमान अंश पूँजी	50,000
कुल राशि	1,50,000

(iii) पूँजी संचय में अन्तरित पूँजी में कमी खाते का शेष निम्न प्रकार ज्ञात किया गया है :

	रु०
पूँजी कमी खाते में जमा राशियाँ (3,75,000 रु० + 50,000 रु० + 10,000 रु० + 5,000 रु०)	4,40,000
घटाइये : पूँजी कमी खाते से अपलिखित की गई राशियाँ (16,000 रु० + 4,11,000 रु०)	4,27,000
पूँजी संचय में अन्तरित राशि	13,000

(iv) बैंक शेष इस प्रकार ज्ञात किया गया है :

	रु०	रु०
1,00,000 ईक्विटी अंशों के निर्गमन से प्राप्त राशि		2,50,000
घटाइये : ऋण-पत्र धारियों को भुगतान	45,000	
अभिगोपन कमीशन	5,000	
पुनर्निर्माण व्यय	2,000	
बैंक अधिविकर्ष	50,000	1,02,000
बैंक शेष		1,48,000

III. कम्पनी के सदस्यों, ऋण-पत्रधारियों एवं लेनदारों के साथ अनुविन्यास की योजना

(Scheme of Arrangement with Members, Debentureholders and Creditors of the Company)

कभी-कभी कम्पनी की आर्थिक स्थिति इतनी जर्जर अवस्था में पहुँच जाती है कि कम्पनी की अधिकांश पूँजी डूब चुकी होती है। ऐसी स्थिति में यदि कम्पनी का समापन कर दिया जाय तो कम्पनी के ईक्विटी एवं पूर्वाधिकार अंशधारियों को कुछ भी राशि मिलने की सम्भावना नहीं होती है तथा ऋणपत्रधारियों एवं लेनदारों के दावों के भी अधिकांश भाग का भुगतान संदिग्ध हो जाता है। इस स्थिति में ऐसी सम्भावना है कि यदि कम्पनी अपनी हानियों को अपलिखित करके कुछ अतिरिक्त धन की व्यवस्था कर सुचारु रूप से व्यापार का संचालन करे तो भविष्य में लाभ अर्जित कर सकती है, तो कम्पनी के अंशधारी, ऋण पत्रधारी एवं लेनदार आपसी सहमति से ऐसी योजना बना सकते हैं, जिसके अनुसार हानियों को अपलिखित किया जाये एवं अतिरिक्त धन की व्यवस्था हो सके। ऐसी योजना को समझौते की योजना अथवा अनुविन्यास की योजना कहा जा सकता है। इस योजना के अन्तर्गत यह निर्धारित किया जाता है कि विभिन्न पक्ष जैसे ईक्विटी अंशधारी, पूर्वाधिकार अंशधारी, ऋणपत्रधारी एवं लेनदार अपने हितों अर्थात् दावों का कितना भाग त्याग देंगे जिससे कि हानियों को अपलिखित किया जा सके एवं कम्पनी का सुचारु रूप से संचालन करने के लिए आवश्यक धन की व्यवस्था की जा सके।

इस योजना के अन्तर्गत लेखा प्रविष्टियाँ योजना की शर्तों पर निर्भर करती हैं जो कि सामान्य नियमों के अनुसार ही की जायेंगी।

Illustration 19 : R Ltd. had been suffering heavy losses in the past. It is now considered that the worst period is over and a sound re-organisation will enable it to successfully operate in future. The Balance Sheet of the Company immediately before the reconstruction is as follows :

भार लिमिटेड गत वर्षों से अत्यधिक हानियाँ उठा रही है। अब यह समझा जाता है कि कम्पनी के बुरे दिन समाप्त हो गये हैं तथा एक सुदृढ़ पुनर्गठन से भविष्य में इसे सफलतापूर्वक चलाया जा सकेगा। पुनर्निर्माण के ठीक पूर्व का कम्पनी का चिट्ठा निम्नांकित है :

Balance Sheet

as at 31st December, 1991

Liabilities	Amount	Assets	Amount
	Rs.		Rs.
Share Capital :		Goodwill	1,00,000
Authorised Capital :		Fixed Assets	14,00,000
5,000 6% Cum Preference Shares		Stock in trade	90,000
of Rs. 100 each.	5,00,000	Sundry Debtors	50,000
20,0[illegible] Equity Shares of Rs. 100		Investments	20,000
each	20,00,000	Cash at Bank	12,000
		Preliminary Expenses	5,000
	25,00,000	Discount on Issue of Shares	3,000
		Profit and Loss a/c	10,20,000
Issued & Subscribed Capital :			
2,000 6% Cum. Preference Shares			
of Rs. 100 each fully paid	2,00,000		
10,000 Equity Shares of Rs. 100			
each fully paid	10,00,000		
5% Debentures of Rs. 100 each	10,00,000		
Sundry Creditors	4,80,000		
Liabilities for Income Tax	20,000		
	27,00,000		27,00,000

Dividends on Preference Shares is in arrears for 5 years.

The following scheme of reconstruction was agreed upon and duly confirmed by the court :—

(i) The Equity Shares shall be reduced to shares of Rs. 10 each, Rs. 5 per share being paid up.

(ii) The Preference Shareholders shall forego 80% of their claims in shares and the remaining shares shall be converted into 7% Preference shares of Rs. 20 each fully paid up.

(iii) The claim for arrears of dividend shall be reduced to one year's dividend and shall be discharged by issue of fully paid equity shares.

(iv) The Debenture holders agreed to have 80% of their claims which shall be discharged by converting to $7\frac{1}{2}\%$ debentures of Rs. 100 each.

(v) The Sundry Creditors are required to forego 25% of their claims.

(vi) The assets to be revalued as follows : Fixed Assets Rs. 12,00,000; Stock in trade Rs. 70,000; Sundry Debtors Rs. 40,000; Investments Rs. 10,000.

(vii) The debit balance of Profit and Loss Account, Goodwill, Preliminary Expenses and Discount on Issue of Shares to be completely written off.

(viii) In order to provide sufficient working capital the Equity Shareholders are to pay the balance amount due against each share.

Give journal entries in the books of the Company and also the Balance Sheet after implementation of the scheme.

पूर्वाधिकार अंशों पर लाभांश 5 वर्षों से बकाया है । पुनर्निर्माण की निम्नांकित योजना पर सहमति हुई तथा न्यायालय द्वारा स्वीकृति प्राप्त की गयी :—

(i) समता अंशों को 10 रु० वाले अंशों में परिवर्तित किया जाये जिन पर 5 रु० प्रति अंश प्रदत्त माना जाये ।

(ii) पूर्वाधिकार अंशधारी अंशों पर अपने अधिकार का 80% त्याग करेंगे और शेष अंशों को 20 रु० वाले 7% पूर्वाधिकार अंशों में परिवर्तित कर दिया जायेगा ।

(iii) बकाया लाभांश का अधिकार कम करके एक वर्ष के लाभांश के बराबर कर दिया जायेगा और इसका भुगतान पूर्णदत्त समता अंशों के निर्गमन द्वारा किया जायेगा ।

(iv) ऋणपत्रधारी अपनी राशि का 80% ही लेंगे जिसे 100 रु० वाले $7\frac{1}{2}\%$ ऋणपत्रों में परिवर्तित कर दिया जायेगा ।

(v) विविध लेनदार अपनी राशि का 25% त्याग करेंगे ।

(vi) सम्पत्तियों का मूल्यांकन इस प्रकार किया जायेगा—स्थायी सम्पत्तियाँ 12,00,000 रु०; व्यापारिक रहतिया 70,000 रु०; विविध देनदार 40,000 रु०; विनियोग 10,000 रु० ।

(vii) लाभ-हानि खाते का डेबिट शेष, ख्याति, प्रारम्भिक व्यय तथा अंशों के निर्गमन पर बट्टा पूर्णरूप से अपलिखित किया जायेगा ।

(viii) कार्यशील पूँजी पर्याप्त करने के लिए समता अंशधारी अपने अंशों पर शेष का भुगतान करेंगे ।

कम्पनी की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिये तथा योजना के कार्यान्वियन के बाद का चिट्ठा बनाइए ।

Solution :

Journal of R Ltd.

Date	Particulars	Dr. Amount	Cr. Amount
		Rs.	Rs.
1992 Jan. 1	(Rs. 100) Equity Share Capital a/c Dr.	10,00,000	
	To (Rs. 10) Equity Share Capital a/c		50,000
	To Capital Reduction a/c		9,50,000
	(Equity Shares of Rs 100 each reduced to Equity *Shares of Rs 10 each Rs 5 paid up and* balance transferred to Capital Reduction Account)		
"	(Rs. 100) 6 , Cum Preference Share Capital a/c Dr.	2,00,000	
	To (Rs 20) 7% Cum Pref. Share Capital a/c		40,000
	To Capital Reduction a/c		1,60,000
	(6% Cum. Preference Shares of Rs. 100 each reduced to 7% Cum. Preference Shares of Rs. 20 each fully paid and balance transferred to Capital Reduction Account)		
"	Capital Reduction a/c Dr.	12,000	
	To Preference Share Dividend a/c		
	(Preference Share dividend provided)		12,000
"	Preference Share Dividend a/c Dr.	12,000	
	To Equity Share Capital a/c		12,000
	(Preference Share dividend discharged by issue of 1,200 Equity Shares of Rs. 10 each fully paid.)		
"	5% Debentures a/c Dr.	10,00,000	
	To Debentureholders a/c		10,00,000
	(Balance transferred.)		
"	Debentureholders a/c Dr.	10,00,000	
	To $7\frac{1}{2}$% Debentures a/c		8,00,000
	To Capital Reduction a/c		2,00,000
	(*80% of debenture holders claim discharged by issue* f $7\frac{1}{2}$% new debentures and balance transferred to Capital Reduction Account.		
"	Sundry Creditors a/c Dr.	1,20,000	
	To Capital Reduction a/c		1,20,000
	(25% of the claim forgone by sundry creditors transferred to Capital Reduction Account.)		

Contd....

1992			Rs.	Rs.
Jan. 1	Capital Reduction a/c	Dr.	2,40,000	
	To Fixed Assets a/c			2,00,000
	To Stock in trade a/c			20,000
	To Sundry Debtors a/c			10,000
	To Investments a/c			10,000
	(Sundry assets written off)			
,,	Capital Reduction a/c	Dr.	11,28,000	
	To Profit and Loss a/c			10,20,000
	To Goodwill a/c			1,00,000
	To Preliminary Expenses a/c			5,000
	To Discount on Issue of Shares a/c			3,000
	(Losses, Goodwill and Expenses written off.)			
,,	Capital Reduction a/c	Dr.	50,000	
	To Capital Reserve a/c			50,000
	(Balance transferred)			
,,	Equity Share Call a/c	Dr.	50,000	
	To Equity Share Capital a/c			50,000
	(Call money due.)			
,,	Bank a/c	Dr.	50,000	
	To Equity Share Call a/c			50,000
	(Call money received.)			

Balance Sheet of R Ltd.
as on 1st January, 1992

Liabilities	Amount	Assets	Amount
	Rs.		Rs.
Share Capital :		Fixed Assets	12,00,000
Authorised Capital :		Investments	10,000
25,000 7% Cum. Preference		Current Assets, Loans and	
Shares of Rs. 20 each	5,00,000	Advances :	
2,00,000 Equity Shares of		Stock in trade	70,000
Rs. 10 each	20,00,000	Sundry Debtors	40,000
		Cash at Bank	62,000
	25,00,000		

Balance Sheet Contd.

	Rs.		Rs.
Issued & Subscribed Capital :			
2,000 7% Cum. Preference Shares of Rs. 20 each fully paid	40,000		
11,200 Equity Shares of Rs. 10 each fully paid	1,12,000		
Reserves and Surplus :			
Capital Reserve Account	50,000		
Secured Loans :			
7½% Debentures of Rs. 100 each	8,00,000		
Current Liabilities and Provisions :			
Sundry Creditors	3,60,000		
Liability for Income Tax	20,000		
	13,82,000		13,82,000

टिप्पणी : पूँजी सचय मे अन्तरित पूँजी मे कमी खाते का शेष इस प्रकार ज्ञात किया गया है :

Dr. **Capital Reduction Account** Cr.

Particulars	Amount	Particulars	Amount
	Rs.		Rs.
To Preference Share Dividend a/c	12,000	By Equity Share Capital a/c	9,50,000
To Fixed Assets a/c	2,00,000	By Preference Share Capital a/c	1,60,000
To Stock in trade a/c	20,000	By Debenture holders a/c	2,00,000
To Sundry Debtors a/c	10,000	By Sundry Creditors a/c	1,20,000
To Investments a/c	10,000		
To Profit and Loss a/c	10,20,000		
To Goodwill a/c	1,00,000		
To Preliminary Expenses a/c	5,000		
To Discount on Issue of Shares a/c	3,000		
To Capital Reserve a/c	50,000		
	14,30,000		*14,30,000*

Illustration 1·10 : Z Ltd. is in the hands of a receiver for debentureholders who hold a charge on all assets except, uncalled capital. The following statement shows the position as regards creditors as on 30th June, 1992 :

जेड लिमिटेड ऋण पत्रधारियो के लिए एक प्रापक के हाथों मे है जिनको न माँगी गई पूँजी को छोड़कर समस्त सम्पत्तियो पर प्रभार उपलब्ध है। अग्रलिखित विवरण-पत्र 30 जून, 1992 को लेनदारों के लिए स्थिति को प्रकट करता है :

Statement of Affairs for Creditors

	Rs.		Rs.
Share Capital : 60,000 Shares of Rs. 60 each Rs. 30 paid up	....	Cash in hand of the Receiver	27,00,000
First Debentures	30,00,000	Property, Machinery & plant etc. Cost Rs. 39,00,000 estimated at	15,00,000
Second Debentures	60,00,000		
Unsecured Creditors	45,00,000	Charged under Debentures	42,00,000
		Uncalled Capital	18,00,000
		Deficiency	75,00,000
	1,35,00,000		1,35,00,000

A holds the First Debentures for Rs. 30,00,000 and Second Debentures for Rs. 30,00,000. He is also an unsecured creditor for Rs. 9,00,000. B holds Second Debentures for Rs. 30,00,000 and is an unsecured creditor for Rs 6,00,000.

The following Scheme of reconstruction is proposed :

(1) A is to cancel Rs. 21,00,000 of the total debt owing to him, to advance Rs. 3,00,000 in cash and to take new First Debentures (in cancellation of those already issued to him) for Rs. 51,00,000 in satisfaction of all his claims.

(2) B is to accept Rs 9,00,000 in cash in satisfaction of all his claims.

(3) Unsecured creditors (other than A & B) are to accept four shares of Rs. 7·50 each, fully paid in satisfaction of 75 paisa in the rupee of every Rs. 60 of their claim. The balance of 25 paisa in the rupee to be postponed and to be payable at the end of three years from the date of the court's approval of the scheme. The *authorised share capital* is to be increased accordingly.

(4) Uncalled capital is to be called up in full and Rs. 52·50 per share cancelled thus making the share of Rs. 7·50 each.

Assuming that the scheme is duly approved by all parties interested and by the court, give necessary Journal entries and the Balance sheet of the company after the scheme has been carried into effect.

ए के पास 30,00,000 रु० के प्रथम ऋण-पत्र तथा 30,00,000 रु० के द्वितीय ऋण-पत्र हैं। वह 9,00,000 रु० के लिए असुरक्षित लेनदार भी है। बी के पास 30,00,000 रु० के द्वितीय ऋण-पत्र हैं और वह 6,00,000 रु० के लिए असुरक्षित लेनदार भी है।

पुनर्निर्माण की निम्नलिखित योजना का प्रस्ताव है :

(1) ए अपने समस्त दावों के निपटारे के लिए उसको देय कुल ऋण का 21,00,000 रुपये रद्द कर देगा, 3,00,000 रु० की राशि उधार देगा तथा उसको निर्गमित ऋण-पत्रों के बदले में 51,00,000 रु० के नये प्रथम ऋण-पत्र लेगा।

(2) बी अपने समस्त दावों के निपटारे के लिए 9,00,000 रु० नकद लेगा।

(3) ए और बी के अतिरिक्त असुरक्षित लेनदार उनके दावे के प्रत्येक 60 रु० के लिए प्रति रुपया 75 पैसे की दर से 7·50 रुपये वाले 4 अंश स्वीकार करते हैं। शेष 25 पैसे प्रति रुपया के भुगतान को स्थगित

कर देना है और इसका भुगतान न्यायालय द्वारा योजना को स्वीकार करने की तिथि से तीन वर्ष के अन्त में करना है। अधिकृत-पूँजी में इसी के अनुसार वृद्धि करनी है।

(4) न मांगी गई पूँजी को पूर्ण रूप से मांग लेना है। 52·50 रु० प्रति अंश रद्द कर देना है तथा इन अंशों को 7·50 रुपये वाले अंश बना देना है।

यह मानते हुए कि योजना समस्त सम्बन्धित पक्षों तथा न्यायालय द्वारा विधिवत् मान ली जाती है, आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए तथा योजना की क्रियान्विति के पश्चात् कम्पनी का चिट्ठा बनाइये।

Solution : इस प्रश्न को हल करने से पूर्व स्थिति विवरण बनाना आवश्यक है ताकि इससे यह जानकारी हो सके कि संचित हानियाँ कितनी हैं जिनको कि 'पूँजी कमी खाते' के द्वारा अपलिखित करना है। स्थिति विवरण निम्न प्रकार होगा :—

Balance Sheet (before reconstruction)

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
Share Capital :		Property, Machinery and	
60,000 Shares of Rs. 60		Plant etc. at cost	39,00,000
each Rs. 30 paid up	18,00,000	Cash in hand	27,00,000
First Debentures	30,00,000	Profit and Loss Account	87,00,000
Second Debentures	60,00,000	(Balancing figure)	
Unsecured Creditors	45,00,000		
	1,53,00,000		1,53,00,000

Journal of Z Ltd.

Date	Particulars	Dr. Amount	Cr. Amount
		Rs	Rs.
	First Debentures a/c Dr.	30,00,000	
	Second Debentures a/c Dr	30,00,000	
	Unsecured Creditors a/c Dr.	9,00,000	
	To A's a/c		69,00,000
	(The amount due to A transferred to his account.)		
	Cash a/c Dr.	3,00,000	
	To A's a/c		3,00,000
	(The amount provided by A according to reconstruction scheme)		

Contd ...

Journal Contd ...

		Rs.	Rs.
A's a/c	Dr.	72,00,000	
To Capital Reduction a/c			21,00,000
To New First Debentures a/c			51,00,000
(First debentures worth Rs. 51,00,000 issued to A in full settlement of his claim and balance was transferred to Capital Reduction a/c)			
Second Debentures a/c	Dr.	30,00,000	
Unsecured Creditors a/c	Dr	6,00,000	
To B's a/c			36,00,000
(Amount due to B transferred to his account)			
B's a/c	Dr	36,00,000	
To Cash a/c			9,00,000
To Capital Reduction a/c			27,00,000
(Payment made to B amounting to Rs. 900,000 in full settlement of his claim and balance transferred to Capital Reduction a/c)			
Unsecured Creditors a/c	Dr	22,50,000	
To Share Capital a/c			15,00,000
To Capital Reduction a/c			7,50,000
(For every Rs 60 of the claim of unsecured creditors 25% is postponed and for balance of Rs 45 four shares of Rs. 7·50 each fully paid issued and balance amount is sacrificed by creditors)			
Share Call a/c	Dr.	18,00,000	
To Share Capital a/c			18,00,000
(Call money due)			
Bank a/c	Dr.	18,00,000	
To Share Call a/c			18,00,000
(Call money received on 60,000 shares @ Rs 30 per share)			
(Rs. 60) Share Capital a/c	Dr.	36,00,000	
To (Rs. 7 50) Share Capital a/c			4,50,000
To Capital Reduction a/c			31,50,000
(Shares of Rs. 60 each fully paid is reduced to Rs. 7·50 each fully paid up and balance transferred to Capital Reduction a/c)			
Capital Reduction a/c	Dr.	87,00,000	
To Profit and Loss a/c			87,00,000
(Debit balance in Profit & Loss account written off)			

Balance Sheet of Z Ltd.
as on 30th June, 1992 (After Reconstruction)

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
Share Capital :		Property, Machinery and	
Issued and Subscribed Capital :		Plant etc. at cost	39,00,000
2,60,000 Shares of Rs. 7·50		Cash in hand and at Bank	39,00,000
each fully paid	19,50,000		
New First Debentures	51,00,000		
Unsecured Creditors	7,50,000		
	78,00,000		78,00,000

टिप्पणी : लेनदारों की कुल राशि 45,00,000 रु० देय थी जिसमें से 9,00,000 रु० A को एवं 6,00,000 रु० B को देय थे। शेष राशि 30,00,000 रु० का 25% भाग का भुगतान बाद में किया जायेगा जिसे स्थिति विवरण में दिखाया गया है। 30,00,000 रु० के 75% भाग अर्थात् 22,50,000 रु० के लिए प्रत्येक 45 रु० की राशि (60 रु० का 3/4 भाग) के लिए 7·50 रु० वाले 4 अंश निर्गमित किये गये हैं अर्थात् कुल 2,00,000 अंश 7·50 रु० वाले पूर्ण प्रदत्त निर्गमित किये जायेंगे।

अंशों के समर्पण द्वारा पुनर्गठन (Reorganisation through Surrender of Shares) : आन्तरिक पुनर्निर्माण की योजना से सम्बन्धित पूर्व प्रश्नों के अन्तर्गत यह बताया गया है कि कम्पनी के अंशधारी कम्पनी के विरुद्ध अपने दावों में कमी करते हैं ताकि कम्पनी पूँजी में कमी कर सके। कभी-कभी पूँजी का पुनर्गठन एक दूसरे रूप में भी देखने को मिलता है जिसके अन्तर्गत कम्पनी अपने अंशों को कम मूल्य के अंशों में विभाजित कर देती है और तत्पश्चात् अंशधारी अपने अंशों में से कुछ अंश कम्पनी को समर्पित कर देते हैं ताकि कम्पनी अपनी पूँजी का पुनर्गठन कर सके। ऐसे समर्पित किये अंशों का प्रयोग व्यापारिक दायित्वों एवं ऋणपत्रों आदि के पूर्ण अथवा आंशिक रूप से भुगतान करने में किया जाता है। ऐसे समर्पित अंश जिनका कि पुनः निर्गमन नहीं किया गया है तथा ऋणपत्रधारियों एवं लेनदारों आदि के द्वारा अपने दावों (Claims) में की गई कमी को 'पूँजी पुनर्गठन खाते (Capital Reorganisation Account)' अथवा 'पूँजी कमी खाते' में हस्तान्तरित कर दिया जाता है जिसका प्रयोग हानियों आदि को अपलिखित करने में किया जाता है।

Illustration 1·11 : The Balance Sheet of A Ltd. as on 31st December, 1991 was as follows :

31 दिसम्बर, 1991 को ए लिमिटेड का चिट्ठा अग्र प्रकार था :

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
Authorised and Issued Capital :		Fixed Assets	14,30,000
8,000 Shares of Rs. 100 each	8,00,000	Stock-in-Trade	80,000
6% Debentures	14,00,000	Debtors	30,000
Accrued Interest on Debentures	70,000	Investments	17,000
Trade Creditors	4,50,000	Cash	1,03,000
Income-tax due	10,000	Profit & Loss Account	10,70,000
	27,30,000		27,30,000

The following scheme of reorganisation was approved by the Court :

(1) Each share shall be sub-divided into twenty fully paid equity shares of Rs. 5 each.

(2) After sub-division, each shareholder shall surrender to the Company 95% of his holdings, for the purpose of re-issue to Debentureholders and Creditors so far as required and otherwise for cancellation.

(3) Of those surrendered 46,000 shares of Rs. 5 each shall be converted into 8% participating preference shares of Rs. 5 each fully paid.

(4) Debentureholders' total claim to be reduced to Rs. 2,30,000. This will be satisfied by the issue of 46,000 participating preference shares of Rs. 5 each fully paid to them.

(5) The liability for income-tax is to be satisfied in full.

(6) The claims of unsecured creditors shall be reduced by 80% and the balance shall be satisfied by alloting them equity shares of Rs. 5 each fully paid from the shares surrendered.

(7) The value of Fixed assets is to be reduced to Rs. 2,30,000

(8) Shares surrendered and not issued shall be cancelled. Journalise the entries to be made and also prepare Balance sheet after reorganisation.

पुनर्गठन की निम्न योजना को न्यायालय द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई :

(1) प्रत्येक अंश, 5 रु० वाले 20 पूर्णदत्त अंशों में उपविभाजित किया जायेगा।

(2) प्रत्येक अंशधारी अपने द्वारा धारित अंशों का 95% भाग समर्पित कर देगा जिसको ऋण-पत्रधारियों एवं लेनदारों को आवश्यकतानुसार निर्गमित किया जायेगा एवं शेष अंशों को रद्द कर दिया जायेगा।

(3) समर्पण किये गये अंशों में से 5 रु० वाले 46,000 अंशों को 5 रु० वाले पूर्ण प्रदत्त 8% अवशिष्ट भागी पूर्वाधिकार अंशों में बदला जायेगा।

(4) ऋण-पत्रधारियों का कुल दावा 2,30,000 रु० तक कम किया जायेगा। ऐसे दावे का निपटारा 5 रु० वाले पूर्ण प्रदत्त अवशिष्ट भागी पूर्वाधिकार अंशों के निर्गमन द्वारा किया जायेगा।

(5) आयकर के दायित्व का पूर्ण भुगतान नकद में किया जायेगा।

(6) असुरक्षित लेनदारों के दावों को 80% से कम करना है एवं शेष का निपटारा समर्पण किये गये 5 रु० वाले पूर्ण प्रदत्त ईक्विटी अंशों के निर्गमन द्वारा करना है।

(7) स्थायी सम्पत्तियों का मूल्य 2,30,000 रु० तक कम करना है।

(8) समर्पण किये गये ऐसे अंशो को जो निर्गमित नहीं किये गये हैं, उन्हे रद्द कर दिया जायेगा। विभिन्न जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिये एवं पुनर्गठन की योजना के बाद का चिट्ठा बनाइये।

Solution : **Journal of A Ltd.**

Date	Particulars	Dr. Amount	Cr. Amount
		Rs.	Rs.
	(Rs. 100) Equity Share Capital a/c Dr.	8,00,000	
	To (Rs. 5) Equity Share Capital a/c		8,00,000
	(Equity Shares of Rs 100 each fully paid converted into Equity shares of Rs. 5 each fully paid)		
	Equity Share Capital a/c Dr.	7,60,000	
	To Surrendered Shares a/c		7,60,000
	(95% of Equity shareholders holdings surrendered)		
	Surrendered Shares a/c Dr.	2,30,000	
	To 8% Preference Share Capital a/c		2,30,000
	(Surrendered shares converted into 8% Preference shares of Rs. 5 each fully paid up and issued to debenture holders)		
	Income Tax a/c Dr.	10,000	
	To Bank a/c		10,000
	(Liability for income tax paid)		
	Surrendered Shares a/c Dr.	90,000	
	To Equity Share Capital a/c		90,000
	(Surrendered shares issued to sundry creditors to the extent of Rs. 90,000 for their claim up to 20%)		
	Surrendered Shares a/c Dr.	4,40,000	
	6% Debentures a/c Dr.	14,00,000	
	Accrued Interest a/c Dr.	70,000	
	Sundry Creditors a/c Dr.	4,50,000	
	To Capital Reduction a/c		23,60,000
	(Total amount due to debentureholders, sundry creditors and balance of share surrendered a/c transferred to Capital Reduction a/c.)		
	Capital Reduction a/c Dr.	23,60,000	
	To Profit and Loss a/c		10,70,000
	To Fixed Assets a/c		12,00,000
	To Capital Reserve a/c		2,90,000
	(Debit balance in Profit & Loss a/c & fixed assets written off and balance of Capital Reduction a/c transferred in Capital Reserve a/c.)		

Balance Sheet of A Ltd.

(After Reorganisation)

Liabilities	Amount Rs.	Assets	Amount Rs.
Share Capital :		Fixed Assets	2,30,000
46,000 8% Preference shares of Rs. 5 each fully paid	2,30,000	Investments	17,000
26,000 Equity shares of Rs. 5 each fully paid	1,30,000	**Current Assets:**	
Reserves and Surplus :		Stock in trade	80,000
Capital Reserve	90,000	Debtors	30,000
		Cash	93,000
	4,50,000		4,50,000

टिप्पणी : (i) ऋण-पत्रधारियों को देय समस्त राशि 'पूँजी कमी खाते' में हस्तान्तरित कर दी गई है तथा योजना के अनुसार उनको देय 2,30,000 रु० के पूर्वाधिकार अंशों की प्रविष्टि अंश समर्पण खाते के माध्यम से की गई है; (ii) लेनदारों को देय समस्त राशि 'पूँजी कमी खाते' में हस्तान्तरित कर दी गई है तथा योजनानुसार उनको देय राशि 90,000 रु० की अंश समर्पण खाते के माध्यम से प्रविष्टि की गई है।

अंश पूँजी में बिना कमी किये पुनर्गठन योजना
(Reorganisation Scheme without Reduction of Share Capital)

आन्तरिक पुनर्निर्माण अथवा पुनर्गठन के लिए यह आवश्यक नहीं है कि अंश पूँजी में हमेशा कमी की जाये। अनेक बार कम्पनी दायित्वों तथा पूँजी में उचित समायोजन करने के लिए आन्तरिक पुनर्निर्माण करती है। आन्तरिक पुनर्गठन की ऐसी योजना आर्थिक रूप से सुदृढ़ कम्पनियाँ भी लागू करती हैं। पुनर्गठन की ऐसी योजना के सम्बन्ध में कौन-कौनसी लेखा प्रविष्टियाँ की जायेंगी यह योजना के प्रावधानों पर निर्भर करता है। ऐसी पुनर्गठन योजना में विभिन्न अंशधारियों के अधिकारों में परिवर्तन, ऋणों का अंशों अथवा ऋणपत्रों में बदलना, ऋणपत्रों को अंशों में बदलना, बोनस अंशों का निर्गमन अंश पूँजी में वृद्धि आदि विशेषताएँ होती हैं।

Illstration 1.12 : On 30th June, 1992 the Balance Sheet of Goodluck Ltd. was as under :

30 जून 1992 को गुडलक लिमिटेड का चिट्ठा अग्र प्रकार था :

	Rs.		Rs.
Share Capital :		Land and Buildings	23,00,000
Authorised and Issued :		Plant & Machinery	12,00,000
1,20,000 Equity Shares of Rs. 10		Furniture	3,50,000
each fully paid	12,00,000	Investments	4,50,000
1,00,000 10% Cumulative		Stock	5,00,000
Preference Share of Rs. 10		Debtors	3,60,000
each fully paid	10,00,000	Bank Balance	1,40,000
General Reserve	20,00,000		
9% Redeemable Debentures of			
Rs. 100 each	6,00,000		
Long term Loans	3,20,000		
Creditors	1,80,000		
	53,00,000		53,00,000

For implementation of the expansion programme, the company passed following rerorganisation scheme :

(1) The Authorised share capital of the company to be increased to Rs. 60,00,000 divided into 5,00,000 Equity Shares of Rs. 10 each and 1,00,000 8% Cumulative Preference Shares of Rs. 10 each.

(2) The balance of General Reserve is to be capitalised for issue of Equity Bonus Shares to the extent of Rs. 11,50,000.

(3) The company decided to issue three bonus shares of Rs. 10 each for every four Equity shares held.

(4) Such shareholders who agree to convert their 10% Preference shares into 8% Preference Shares of equal number were to be allotted one bonus share of Rs. 10 each for every 4 Preference shares converted.

(5) The holders of 9% Redeemable Debentures have an option either to convert their holding into Equity shares of Rs. 10 each at a premium of 40% or to receive cash in full settlement at par.

(6) The remaining Equity shares were offered to the existing shareholders at a premium of 20%.

The reorganisation expenses incurred amounting to Rs. 10,000 Assuming that all the Preference Shareholders and 70% of the Debentureholders exercised their option of conversion and all the amounts on issue of Equity shares were received at the time of application, give necessary journal entries and draft balance sheet after reorganisation.

विस्तार कार्यक्रम को क्रियान्विति के लिए कम्पनी ने निम्नलिखित पुनर्गठन योजना स्वीकृत की है :

(1) कम्पनी की अधिकृत पूँजी को 60,00,000 रु० तक बढ़ाया जाये जो कि 10 रु० वाले 5,00,000 ईक्विटी अंशों में एवं 10 रु० वाले 1,00,000 8% संचयी पूर्वाधिकार अंशों में विभाजित हों।

(2) सामान्य संचय के शेष का 11,50,000 रु० की सीमा तक बोनस ईक्विटी अंशों के निर्गमन के लिए पूँजीकरण किया जाये।

(3) कम्पनी ने यह निश्चय किया कि प्रत्येक 4 ईक्विटी अंशों के धारकों को 3 बोनस अंश निर्गमित किया जायें।

(4) जो अंशधारी अपने 10% पूर्वाधिकार अंशों को बराबर संख्या में 8% पूर्वाधिकार अंशों में बदलवाने को सहमत हो जाते हैं उन्हें प्रत्येक 4 पूर्वाधिकार अंशों के बदले एक 10 रु० वाला बोनस अंश दिया जाये।

(5) 9% शोध्य ऋण-पत्र-धारकों को यह विकल्प है कि वे या तो अपने ऋण-पत्रों को 10 रु० वाले ईक्विटी अंशों में 40% प्रीमियम पर परिवर्तित कर लें अथवा सम मूल्य पर नकद राशि पूर्ण भुगतान के रूप में प्राप्त कर लें।

(6) शेष ईक्विटी अंश वर्तमान अंशधारियों को 20% प्रीमियम पर प्रस्तावित किये गये।

पुनर्गठन व्यय 10,000 रु० हुए। यह मानते हुए कि सभी पूर्वाधिकार अंशधारियों एवं 70% ऋणपत्रधारियों ने अपने परिवर्तन के विकल्प का प्रयोग किया है तथा ईक्विटी अंशों के निर्गमन की समस्त राशियाँ अंशों के आवेदन के साथ ही प्राप्त हो गई हैं, आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए एवं पुनर्गठन के बाद का चिट्ठा बनाइये।

Solution :

Journal of Goodluck Ltd.

Date	Particulars	Dr. Amount Rs.	Cr. Amount Rs.
	General Reserve a/c Dr. To Bonus to Shareholders a/c (Amount transferred from General Reserve for issue of Bonus shares)	11,50,000	11,50,000
	10% Preference Share Capital a/c Dr. To 8% Preference Share Capital a/c (10% Preference Share Capital converted into 8% Preference Share Capital)	10,00,000	10,00,000
	Bonus to Shareholders a/c Dr. To Equity Share Capital a/c (90,000 and 25,000 Equity shares of Rs. 10 each issued as bonus shares to Equity shareholders and Preference shareholders respectively as per reorganisation scheme)	11,50,000	11,50,000

Cond........

	9% Redeemable Debentures a/c Dr. To Debentureholders a/c (Amount transferred in Debentureholders a/c.)	6,00,000	6,00,000
	Debentureholders a/c Dr. To Equity Share Capital a/c To Share Premium a/c (70% of Debentureholders converted their claim into Equity shares at a premium of 40%)	4,20,000	3,00,000 1,20,000
	Bank a/c Dr. To Equity Share Application & Allotment a/c (Application money received on 2,35,000 Equity shares @ Rs. 12 per share)	28,20,000	28,20,000
	Equity Share Application & Allotment a/c Dr. To Equity Share Capital a/c To Share Premium a/c (Allotment made)	28,20,000	23,50,000 4,70,000
	Debentureholders a/c Dr. To Bank a/c (Remaining 30% debentureholders' paid off)	1,80,000	1,80,000
	Reorganisation Expenses a/c Dr. To Bank a/c (Reorganisation expenses incurred)	10,000	10,000
	Share Premium a/c Dr. To Reorganisation Expenses a/c (Reorganisation expenses written off)	10,000	10,000

Balance Sheet (after reorganisation)

	Rs.		Rs
Share Capital :		Land & Buildings	23,60,000
Authorised & Issued		Plant & Machinery	12,00,000
1,00,000 8% Cumulative Preference Shares of Rs. 10 each fully paid	10,00,000	Furniture	3,50,000
		Investments	4,50,000
3,55,000 Equity Shares of Rs. 10 each fully paid	35,50,000	Stock	5,00,000
		Debtors	3,60,000
1,15,000 Equity Shares of Rs. 10 each fully paid issued as bonus shares	11,50,000	Bank Balance	27,70,000
30,000 Equity shares of Rs. 10 each fully paid issued to debenture-holders	3,00,000		
Share Premium Account	5,80,000		
General Reserve Account	8,50,000		
Long Term Loans	3,20,000		
Creditors	1,80,000		
	79,30,000		79,30,000

टिप्पणी : (1) 5,00,000 ईक्विटी अंशों के निर्गमन का विस्तृत विवरण निम्न प्रकार है :

		अंशों की संख्या
(i)	योजना के पहले से ही निर्गमित अंश	1,20,000
(ii)	ईक्विटी अंशधारियों को निर्गमित बोनस अंश : 1,20,000 × 3/4	90,000
(iii)	पूर्वाधिकार अंशधारियों को निर्गमित बोनस अंश : 1,00,000/4	25,000
(iv)	ऋणपत्रधारियों को उनके 70% भाग के लिए 14 रु० प्रति अंश की दर से निर्गमित अंशों की संख्या : (6,00,000 × 70/100) ÷ 14	30,000
		2,65,000
(v)	शेष अंश नकद निर्गमित किये गये अर्थात् (5,00,000 – 2,65,000)	2,35,000
	कुल निर्गमित अंश	5,00,000

(2) अधिकृत पूँजी बढ़ाने के लिए कोई प्रविष्टि नहीं होगी।

(3) ऐसे ऋणपत्रधारी, जिन्होंने अपने ऋणपत्रों को ईक्विटी अंशों में परिवर्तित नहीं किया, को नकद भुगतान कर दिया गया है।

(4) पुनर्गठन सम्बन्धी व्ययों को जो पूँजीगत व्यय है, अंश प्रीमियम खाते से अपलिखित कर दिया गया है।

Miscellaneous Illustrations

Illustration 1·13 : The Balance Sheet of Sohan Ltd. as on 30th June, 1992 appears as below :

सोहन लिमिटेड का 30 जून, 1992 को स्थिति विवरण निम्न प्रकार है :

Liabilities		Rs.
Share Capital :		
1,50,000 Equity Shares of Rs. 10 each fully paid		15,00,000
5,000 11% Preference Shares of Rs. 100 each fully paid		5,00,000
Secured Loans :		
11% Debentures		5,00,000
Interest outstanding thereon		1,10,000
Bank Overdraft		6,30,000
Unsecured Loans	5,00,000	
Interest outstanding thereon	1,50,000	
		6,50,000
Current Liabilities		5,00,000
		43,90,000

Assets	Rs.
Fixed Assets at cost	20,00,000
Less : Depreciation Reserve	15,00,000
	5,00,000
Stocks and Stores	6,00,000
Receivables	14,50,000
Other Current Assets	2,00,000
Miscellaneous Expenditure : Profit and Loss A/c	16,40,000
	43,90,000

A scheme of reconstruction has been agreed amongst the shareholders and the creditors, with the following salient features :

(a) Interest due on unsecured loans is waived.

(b) 50% of the interest due on debentures is waived.

(c) The 11% Preference Shareholders' right are to be reduced to 50% and converted into 15% Debentures of Rs. 100 each.

(d) Current liabilities would be reduced by Rs. 50,000 on account of provisions no longer required.

(e) The bank agreed to the arrangement and to increase the cash credit/overdraft limits by Rs. 1,00,000 upon the shareholders agreeing to bring in a like amount by way of new equity.

(f) Besides additional subscription as above, the Equity Shareholders agree to convert the existing Equity Shares, into new 10-Rupee shares of total value of Rs. 5,00,000.

(g) The debit balance in the Profit and Loss Account is to be wiped out; Rs. 2,60,000 provided for doubtful debts and the value of fixed assets increased by Rs. 4,00,000.

Redraft the Balance Sheet of the company based on the above scheme of reconstruction

अंशधारियों एवं लेनदारों के मध्य एक पुनर्निर्माण की योजना के लिए सहमति हो गई है जिसकी प्रमुख बातें निम्न प्रकार हैं :—

(अ) असुरक्षित ऋणों पर बकाया ब्याज का त्याग कर दिया गया है।

(ब) ऋणपत्रों पर बकाया ब्याज का 50% त्याग किया गया है।

(स) 11% पूर्वाधिकार अंशों के अधिकारों को 50% तक कम किया गया एवं 100 रु० वाले 15% ऋणपत्रों में परिवर्तित किया गया है।

(द) आयोजनों, जिसकी अब आवश्यकता नहीं है, के कारण चालू दायित्वों में 50,000 रु० की कमी होगी।

(य) बैंक नकद साख एवं बैंक ओवर ड्राफ्ट सीमा को 1,00,000 रु० से बढ़ाने की व्यवस्था करने को सहमत हो गया है जो कि अंशधारियों के द्वारा भी इतनी ही राशि नये अंशों के रूप में प्रदान करने की सहमति के साथ है।

(र) उपर्युक्त अतिरिक्त अंशदान के अलावा ईक्विटी अंशधारी अपने वर्तमान धारित अंशों को 10 रु० वाले 5,00,000 रु० के कुल मूल्य के अंशों में परिवर्तित करने को सहमत हो गये हैं।

(ल) लाभ-हानि खाते का डेबिट शेष समाप्त किया जायेगा, सन्देहयुक्त ऋणों के लिए 2,60,000 रु० की व्यवस्था की गई एवं स्थायी सम्पत्तियों का मूल्य 4,00,000 रु० से बढ़ाया गया।

उपर्युक्त पुनर्निर्माण योजना के आधार पर कम्पनी के स्थिति विवरण को पुनः तैयार कीजिए।

Solution :

Balance Sheet of Sohan Ltd.
as on 30th June, 1992 (after Reconstruction)

Liabilities	Rs.	Assets		Rs.
Share Capital :		**Fixed Assets**	20,00,000	
Issued & Subscribed		*Add* : Appreciation under the scheme of reconstruction	4,00,000	
60,000 Equity Shares of Rs. 10 each fully paid	6,00,000		24,00,000	
Reserve and Surplus :		*Less* : Provision for Depreciation	15,00,000	9,00,000
Capital Reserve	5,000			
Secured Loans		**Current Assets, Loans and Advances :**		
11% Debentures	5,00,000	Stock and Stores		6,00,000
Interest accrued and due on Debentures	55,000	Receivables	14,50,000	
15% Debentures	2,50,000	*Less* : Provision for doubtful debts	2,60,000	11,90,000
Bank Overdraft	5,30,000	Other Current Assets		2,00,000
Unsecured Loans	5,00,000			
Current Liabilities	4,50,000			
	28,90,000			28,90,000

(1) Capital Reduction Account

	Rs.		Rs.
To Profit and Loss Account	16,40,000	By Equity Share Capital a/c	10,00,000
„ Provision for doubtful debts	2,60,000	„ 11% Pref. Share Capital a/c	2,50,000
„ Capital Reserve a/c (Balance transferred)	5,000	„ Interest outstanding on Debentures a/c	55,000
		„ Interest outstanding on Unsecured Loans a/c	1,50,000
		„ Current Liabilities a/c	50,000
		„ Fixed Assets a/c	4,00,000
	19,05,000		19,05,000

(h) Any surplus remaining after meeting the losses and expenses should be utilised in further reducing the value of Plant.

(i) To provide working capital, all existing members to subscribe 50,000 Equity shares.

Give Journal entries to implement the above scheme and prepare Balance Sheet.

पुनर्निर्माण हेतु निम्नांकित योजना स्वीकार करली गई है एवं न्यायालय ने भी अनुमति प्रदान कर दी है —

(क) ईक्विटी अंशों को 2 रु० प्रत्येक के 1,50,000 अंशों में परिवर्तित करना है।

(ख) ईक्विटी अंशधारी अपने अंशों का 90% कम्पनी को समर्पित कर दें।

(ग) अधिमान अंशधारी बकाया लाभांश की राशि त्याग दें और इसके फलस्वरूप भविष्य में उनके लाभांश की दर 8% के स्थान पर 9% कर दी जाये।

(घ) विविध लेनदारों को देय राशि 1/5 भाग से कम हो जिसके प्रतिफल में समर्पित ईक्विटी अंशों में से 30,000 रु० के अंश उन्हें दिये जायें।

(ङ०) संचालक अपना ऋण एवं पारिश्रमिक नहीं लें।

परिसम्पत्तियों का मूल्य है—संयंत्र 2,60,000 रु०, फुटकर औजार 2,000 रु०, देनदार 2,35,000 रु० और स्टॉक 1,30,000 रु०।

(छ) पुनर्निर्माण व्यय 10,000 रु० के हुए।

(ज) हानियों और व्ययों को पूरा करने के बाद यदि कोई आधिक्य बचे तो उस राशि से संयंत्र के मूल्य को और कम किया जाये।

(झ) कार्यशील पूँजी लाने हेतु सभी विद्यमान अंशधारी 50,000 ईक्विटी अंशों का अभिदान करें।

उपर्युक्त योजना लागू करने हेतु जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए तथा चिट्ठा बनाइए।

Solution :

Journal of S Ltd.

Date	Particulars		Amount Dr.	Amount Cr.
			Rs	Rs.
1992 Jan. 1	(Rs. 10) Equity share capital a/c To (Rs. 2) Equity share capital a/c (Equity shares of Rs. 10 converted into shares of Rs. 2)	Dr.	3,00,000	3,00,000
Jan. 1	(Rs. 2) Equity share capital a/c To Shares Surrendered a/c (90% of equity shares surrendered by shareholders)	Dr.	2,70,000	2,70,000
Jan. 1	8% Preference share capital a/c To 9% Preference share capital a/c (8% preference shares converted into 9% pref. shares)	Dr.	2,00,000	2,00,000

Journal Contd.

			Rs.	Rs.
1992				
Jan. 1	Shares Surrendered a/c	Dr.	35,000	
	To (Rs 2) Equity Share Capital a/c			35,000
	(Creditors reduced their claims to the extent of Rs. 60,000 (1/5) in consideration of equity shares of Rs. 35,000.)			
Jan. 1	Shares Surrendered a/c	Dr.	2,35,000	
	Creditors a/c	Dr.	60,000	
	Unsecured Loan a/c	Dr.	50,000	
	Outstanding Expenses a/c	Dr.	20,000	
	Share Premium a/c	Dr.	90,000	
	To Capital Reduction a/c			4,55,000
	(Various credit balances transferred to Capital Reduction Account.)			
Jan. 1	Reconstruction Expenses a/c	Dr.	10,000	
	To Bank a/c			10,000
	(Reconstruction expenses paid.)			
Jan. 1	Capital Reduction a/c	Dr.	3,48,000	
	To Plant a/c			40,000
	To Goodwill a/c			50,000
	To Loose Tools a/c			8,000
	To Debtors a/c			15,000
	To Stock a/c			20,000
	To Preliminary Expenses a/c			5,000
	To Profit and Loss a/c			2,00,000
	To Reconstruction Expenses a/c			10,000
	(Various losses and expenses written off.)			
Jan. 1	Capital Reduction a/c	Dr.	1,07,000	
	To Plant a/c			1,07,000
	(Balance in capital reduction a/c utilised in writing off plant)			
Date of receipt	Bank a/c	Dr.	1,00,000	
	To Equity Share Application & Allotment a/c			1,00,000
	(Application money received)			
Date of allotment	Equity Share Application & Allotment a/c	Dr.	1,00,000	
	To Equity Share Capital a/c			1,00,000
	(Allotment made.)			

Balance Sheet (after Reconstruction)

	Rs.		Rs.
Authorised Share Capital :		Plant	1,53,000
1,50,000 Equity Shares of Rs. 2		Loose Tools	2,000
each	3,00,000	Debtors	2,35,000
2,000, 9% Pref. Shares of Rs. 100		Stock	1,30,000
each	2,00,000	Cash	10,000
		Bank	1,25,000
	5,00,000		
Issued Capital :			
82,500 Equity Shares of Rs. 2			
each fully paid	1,65,000		
2,000 9% Pref. Shares of Rs. 100			
each fully paid	2,00,000		
Sundry Creditors	2,40,000		
Outstanding Expenses	50,000		
	6,55,000		6,55,000

टिप्पणी : (1) पूँजी कटौती खाते (Capital Reduction a/c) में कुल जमा शेष (2,70,000 + 25,000 + 1,60,000) 4,55,000 रु० था जिसमें 3,48,000 रु० विभिन्न हानियों एवं व्ययों के अपलिखित किये गये एवं शेष 1,07,000 रु० प्लान्ट के मूल्य को कम करने में प्रयुक्त किया गया है।

(2) बैंक शेष 35,000 रु० में से 10,000 रु० पुनर्निर्माण व्यय के लिए चुकाये और 1,00,000 रु० अंश निर्गमन से प्राप्त हुए, इस प्रकार शेष 1,25,000 रु० रहा।

(3) पूर्वाधिकार अंशों पर बकाया लाभांश के त्याग के लिए कोई प्रविष्टि नहीं की जायेगी।

(4) पूँजी में कटौती के बाद की ईक्विटी अंश पूँजी 30,000 रु० थी इसके अतिरिक्त 35,000 रु० के अंश लेनदारों को दिये एवं 1,00,000 रु० की नयी अंश पूँजी निर्गमित की गई, इस प्रकार कुल ईक्विटी अंश पूँजी 1,65,000 रु० होगी।

(5) प्लान्ट का पुस्तक मूल्य 3,00,000 रु० था जिसमें से (40,000 + 1,07,000) = 1,47,000 रु० अपलिखित किये गये, शेष 1,53,000 रु० स्थिति विवरण में दिखाये गये हैं।

Illustration 1.15 : Shyam Ltd., whose Balance Sheet as at 31st December, 1991 appears below, formulated a scheme of reconstruction, details of which follow and secured approval of all parties concerned :

31 दिसम्बर, 1991 को श्याम लिमिटेड का चिट्ठा एवं पुनर्निर्माण की योजना जिसका विस्तृत विवरण नीचे दिया हुआ है एवं इसके लिए सम्बन्धित सभी पक्षों की सहमति प्राप्त कर ली गई है, अग्र प्रकार है :

Balance Sheet

Liabilities		Amount Rs.	Assets	Amount Rs.
Equity Share Capital :			Fixed assets	5,60,000
50,000 shares of Rs. 20 each,			Patents and copy rights	40,000
Rs. 10 paid		5,00,000	Investments at cost	
8% Preference Share Capital :			(Market value Rs. 27,500)	32,500
4,000 shares of Rs. 100 each,			Current assets	4,24,500
Rs. 75 paid up		3,00,000	Profit and Loss Account	2,14,000
Secured Loans :				
9% Debentures	3,00,000			
Interest accrued and due	54,000	3,54,000		
Bank overdraft		75,000		
Sundry creditors		42,000		
(Including interest of Rs. 7,500 due to Bank)				
		12,71,000		12,71,000

Note : Preference dividend is in arrears for one year.

नोट :— पूर्वाधिकार लाभांश एक वर्ष से बकाया है ।

(a) Preference shareholders agree to give up their claims, inclusive of dividends, to the extent of 30% and desire to be paid off the rest.

(b) Debentureholders agree to give up their claims regarding interest in consideration of their rate of interest being enhanced to 10%.

(c) Bank agrees to give up 50% of their interest outstanding in consideration of their being paid off at once.

(d) Sundry creditors would like to grant a discount of 5% if they were to be paid off immediately.

(e Balances on Profit and Loss Account, Patents and Copyrights and 25% of the total Sundry Debtors of Rs. 60,000 to be written off. Fixed assets to be written down by Rs. 7,000, Investments to reflect their market value.

(f) To the extent not specifically stated, Equity shareholders suffer no reduction of their rights.

(g) Costs of reconstruction Rs. 1,675.

Pass journal entries in the books of company assuming that the scheme has been put through fully with the Equity shareholders bringing in necessary cash to pay off the parties and leave a working capital of Rs. 10,000.

Also draw the balance sheet of the company after reconstruction,

(अ) पूर्वाधिकार अंशधारी उनके लाभांश सहित दावों का 30% त्याग करेंगे, उन्हें शेष राशि का भुगतान करना होगा।

(ब) ऋणपत्रधारी अपने ब्याज के दावे को त्यागने को सहमत हो गये हैं इसके प्रतिफल में उन पर ब्याज की दर को 10% तक बढ़ाना होगा।

(स) बैंक, बकाया ब्याज के दावे को 50% से कम करने को सहमत हो गया है, इसके प्रतिफल मे उसको देय राशियां तुरन्त एक मुश्त चुकानी होगी।

(द) विविध लेनदारो को यदि तुरन्त भुगतान कर दिया जाये तो वे 5% बट्टा स्वीकृत करेंगे।

(य) लाभ-हानि खाते का शेष, एकस्व एवं प्रतिलिप्याधिकार एवं 60,000 रु० के देनदारों का 25% भाग अपलिखित करना है। स्थायी सम्पत्तियो को 7,000 रु० से अपलिखित करना है, विनियोग को बाजार मूल्य पर रखना है।

(र) ईक्विटी अंशधारियो के अधिकारों मे जहाँ तक विशिष्ट रूप से निर्दिष्ट नही किया गया है, कोई कमी नही की जायेगी।

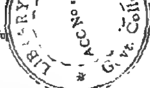
(ल) पुनर्निर्माण की लागत 1,675 रु० है।

यह मानते हुए कि योजना ईक्विटी अंशधारियों के समक्ष रखी जा चुकी है एवं वे इतना नकद धन लाने को सहमत हो गये हैं कि विभिन्न पक्षो को भुगतान करने के पश्चात् कार्यशील पूंजी के रूप मे 10,000 रु० शेष रह सके, आवश्यक जर्नल प्रविष्टियां दीजिये एवं पुनर्निर्माण के बाद का चिट्ठा तैयार कीजिये।

Solution : Journal of Shyam Ltd.

		Rs.	Rs.
8% Preference Share Capital a/c	Dr.	3,00,000	
To Preference Shareholders a/c			2,10,000
To Capital Reduction a/c			90,000
(Preference shareholders agreed to sacrifice 30% of their claims)			
Capital Reduction a/c	Dr.	16,800	
To Preference Shareholders a/c			16,800
(70% of the arrears of dividend of Rs. 24,000 credited to Preference Shareholders a/c)			
9% Debentures a/c	Dr.	3,00,000	
Accrued Interest a/c	Dr.	54,000	
To 10% Debentures a/c			3,00,000
To Capital Reduction a/c			54,000
(9% Debentures converted into 10% debentures and debentureholders agreed to sacrifice interest accrued on debentures).			

(*Contd.*)



(Contd.)

		Rs.	Rs.
Equity Share Capital a/c	Dr.	1,50,000	
To Capital Reduction a/c			1,50,000
(50,000 Equity shares of Rs. 20 each Rs. 10 paid reduced to Rs. 7 paid)			
Bank a/c	Dr.	3,50,000	
To Equity Share Capital a/c			3,50,000
(Amount called on 50,000 equity shares @ Rs. 7 per share for payment to Pref. Shareholders, Bank overdraft and Creditors etc.)			
Bank Overdraft a/c	Dr.	75,000	
S. Creditors (interest on overdraft) a/c	Dr.	7,500	
To Bank a/c			78,750
To Capital Reduction a/c			3,750
(Payment of bank overdraft and 50% interest accrued on it made, the other 50% being sacrificed by the bank)			
S Creditors (excluding interest on overdraft) a/c	Dr.	34,500	
To Bank a/c			32,775
To Capital Reduction a/c			1,725
(Payment made to creditors at 5% discount)			
Preference Shareholders a/c	Dr.	2,26,800	
To Bank a/c			2,26,800
(Amount due to Preference shareholders paid)			
Reconstruction Expenses a/c	Dr.	1,675	
To Bank a/c			1,675
(Reconstruction expenses paid)			
Capital Reduction a/c	Dr.	2,82,675	
To Profit and Loss a/c			2,14,000
To Patents and Copyrights a/c			40,000
To Investments a/c			5,000
To Sundry Debtors a/c			15,000
To Fixed Assets a/c			7,000
To Reconstruction Exps. a/c			1,675
(Assets and losses written off)			

Balance Sheet (After Reconstruction)

Liabilities	Amount	Assets	Amount
	Rs.		Rs.
Equity Share Capital :		Fixed Assets	5,53,000
50,000 Shares of Rs. 20 each,		Investments at market value	27,500
Rs 14 paid up	7,00,000	Current Assets	
10% Debentures	3,00,000	(Including Bank balance of Rs 10,000)	4,19,500
	10,00,000		10,00,000

टिप्पणी : (1) ईक्विटी अंशधारियों द्वारा किये जाने वाले त्याग की गणना—

	रु०	रु०
हानियाँ जिन्हें अपलिखित करना है :		
लाभ-हानि खाते का शेष		2,14,000
एकस्व एवं प्रतिलिप्याधिकार		40,000
विनियोग		5,000
देनदार		15,000
स्थायी सम्पत्तियाँ		7,000
पूर्वाधिकार अंशों पर देय लाभांश		16,800
पुनर्निर्माण व्यय		1,675
		2,99,475
घटाइये—विभिन्न पक्षों द्वारा त्याग की राशि :		
पूर्वाधिकार अंशधारियों द्वारा पूँजी का त्याग	90,000	
ऋणपत्रों पर अर्जित ब्याज	54,000	
बैंक अधिविकर्ष पर ब्याज	3,750	
लेनदारों द्वारा बट्टा	1,725	1,49,475
ईक्विटी अंशधारियों द्वारा किया जाने वाला त्याग		*1,50,000*

(2) ईक्विटी अंशधारियों से मंगायी जाने वाली राशि की गणना :

	रु०
पूर्वाधिकार अंशों के भुगतान के लिए	2,26,800
बैंक ओवरड्राफ्ट एवं उस पर ब्याज के लिए (Rs. 75,000 + 50% of Rs. 7,500)	78,750
विविध लेनदारों को भुगतान के लिए (Rs. 42,000 – Rs. 7,500 – Rs. 1,725)	32,775
पुनर्निर्माण व्यय	1,675
कार्यशील पूँजी के लिए	10,000
ईक्विटी अंशों पर मांगी जाने वाली राशि	3,50,000

(3) ईक्विटी अंशधारियों से 3,50,000 रु० की राशि मांगी जानी है अतः प्रति अंश 7 रु० मागे जायेंगे और मांग राशि (Call money) के पश्चात् प्रति अंश 14 रु० प्रदत्त हो जायेगा।

(4) यह माना गया कि कम्पनी के पास चालू सम्पत्तियों के अन्तर्गत कोई नकद एव बैंक शेष नहीं था।

(5) चालू सम्पत्तियों की राशि 4,24,500 रु० मे से अपलिखित किये गये देनदारों की राशि 15,000 रु० कम करने एवं 10,000 रु० बैंक शेष जोड़कर 4,19,500 रु० की राशि ज्ञात की गई जिसे पुनर्निर्माण के बाद के स्थिति विवरण मे दिखाया गया है।

Illustration 1·16 : The following is the Balance Sheet of Uneasy Ltd. as on 31st December, 1991 :

31 दिसम्बर, 1991 को अनईजी लिमिटेड का स्थिति विवरण निम्न प्रकार है :

Balance Sheet

		Rs.		Rs.
Authorised and Issued Capital :			Jaipur Works	32,00,000
40,000 Equity Shares of Rs. 100 each fully paid		40,00,000	Bhilwara Works	24,00,000
36,000 10% Preference Shares of Rs. 100 each fully paid		36,00,000	Stock	18,00,000
"A" 6% Debentures (secured on Jaipur works)		6,00,000	Debtors	10,00,000
"B" 6% Debentures (secured on Bhilwara works)		7,00,000	Cash at Bank	2,00,000
Workmens' compensation fund			Investments for workmen compensation fund	60,000
Jaipur	40,000		Profit & Loss Account	8,00,000
Bhilwara	20,000	60,000		
Creditors		5,00,000		
		94,60,000		94,60,000

A scheme of reconstruction was prepared and sanctioned where by :

(a) Equity shares to be reduced to Rs 10.

(b) Preference shares to be reduced to Rs. 80, dividend being raised to 11%.

(c) The Preference shareholders agree to waive their claims for Preference share dividend which is in arrears for the last four years.

(d) Debentureholders forego their interest Rs. 1,04,000 which is included in sundry creditors.

(e) Directors refund Rs. 1,00,000 out of the fees previously received by them

(f) "B" Debentureholders agreed to take over the Bhilwara works at Rs. 10,00,000 and to accept an allotment of 6,000 Equity shares of Rs. 10 each at par, and upon their forming a company called Lucky Ltd. to take over the Bhilwara works, they allotted Uneasy Ltd. 36,000 equity shares of Rs. 10 each, fully paid at par.

(g) The Bhilwara Workmen Compensation Fund disclosed the fact that there were liabilities of Rs. 4,000. In consequence, the investments of the fund were realised to the extent of the balance, the investments realising a profit of Rs. 10% on book value and the proceeds used for part payment of the creditors.

(h) Stock was to be written down by Rs. 8,00,000 and a provision for doubtful debts be created to the extent of Rs. 89,600 on debtors. Any balance in Capital Reduction Account to be applied as to two-third to write down the value of Jaipur works and one third to Capital Reserve.

Give necessary Journal entries. Show also the Balance Sheet after the scheme has been carried out.

पुनर्निर्माण की एक योजना विधिवत रूप से तैयार एवं स्वीकृत की गई जिसके अनुसार :

(अ) ईक्विटी अंशों को 10 रुपये तक कम कर दिया जाये।

(ब) 10% पूर्वाधिकार अंशों को 80 रु० तक घटाया जाये एवं लाभांश की दर 11 प्रतिशत तक बढ़ायी जाये।

(स) पूर्वाधिकार अंशधारी अपने लाभांश के दावे को त्यागने को सहमत हो जाते हैं जो कि गत 4 वर्षों के लिए बकाया है।

(द) ऋणपत्रधारी अपने ब्याज के 1,04,000 रु० त्याग देते हैं जो कि विविध लेनदारों में सम्मिलित है।

(य) संचालकों ने फीस के 1,00,000 रु० लौटा दिये हैं जो कि उन्होंने पूर्व में प्राप्त किये थे।

(र) "बी" ऋणपत्रधारी भीलवाड़ा कार्यशाला को 10,00,000 रु० पर लेने तथा 10 रु० वाले 6,000 ईक्विटी अंशों के सम मूल्य पर बंटन के लिए सहमत होते हैं और उनके लक्की लिमिटेड के रूप में एक कम्पनी स्थापित किये जाने पर, जो कि भीलवाड़ा कार्यशाला को ग्रहण करेगी तथा उन्होंने 10 रु० वाले पूर्ण प्रदत्त 36,000 ईक्विटी अंश (लक्की लिमिटेड में) सम मूल्य पर मनईजी लिमिटेड को बंटित करेगी।

(ल) भीलवाड़ा कर्मचारियों के क्षतिपूर्ति फण्ड ने प्रस्तुत किया कि 4,000 रु० के वास्तविक दायित्व थे। परिणामस्वरूप, उक्त फण्ड के विनियोग शेष राशि की सीमा तक वसूल कर लिये गये। यह विनियोग पुस्तक मूल्य पर 10% के लाभ पर बेचे गये और उक्त राशि लेनदारों को आंशिक भुगतान के लिए काम में ली गई।

(व) स्टॉक को 8,00,000 रु० से कम करना है एवं अशोध्य ऋणों के लिए 89,600 रु० की सीमा तक आयोजन का निर्माण करना है। पूँजी कमी खाते में यदि कोई शेष हो तो उसका दो तिहाई भाग जयपुर कार्यशाला के मूल्य को अपलिखित करने के लिए प्रयोग किया जायेगा एवं एक तिहाई भाग पूँजी संचय खाते में हस्तान्तरित किया जायेगा।

आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए। योजना के क्रियान्वयन के पश्चात् का स्थिति विवरण भी तैयार कीजिए।

Solution :

Journal of Uneasy Ltd.

Date	Particulars		Dr. Amount	Cr. Amount
1991			Rs.	Rs.
Dec. 31	(Rs. 100) Equity Share Capital a/c	Dr.	40,00,000	
	To (Rs. 10) Equity Share Capital a/c			4,00,000
	To Capital Reduction a/c			36,00,000
	(Conversion of Rs. 100 Equity Shares into Rs. 10 Equity Shares and the balance transferred to Capital Reduction Account)			
	(Rs. 100) 10% Preference Share Capital a/c	Dr.	36,00,000	
	To (Rs. 80) 11% Preference Share Capital a/c			28,80,000
	To Capital Reduction a/c			7,20,000
	(Convesion of Rs. 100 10% Preference Shares into Rs. 80 11% Preference Shares and the balance transferred to Capital Reduction Account)			
	Bank a/c	Dr.	17,600	
	To Investment for Workmen Compensation Fund a/c			17,600
	(Investments of the book value of Rs. 16,000 sold at a profit of 10%.)			
	Investment for Workmen Compensation Fund a/c	Dr.	1,600	
	To Workmen Compensation Fund a/c			1,600
	(Profit on sale of investment transferred).			
	Creditors (Debenture Interest) a/c	Dr.	1,04,000	
	Bank a/c	Dr.	1,00,000	
	Workmen Compensation Fund a/c	Dr.	17,600	
	To Capital Reduction a/c			2,21,600
	[(i) Cancellation of debenture interest amounting to Rs. 1,04,000; (ii) refund of fees by directors amounting to Rs 1,00,000; and (iii) Surplus in Workmen Compensation Fund at Bhilwara credited to Capital Reduction A/c]			
	"B" 6% Debentures a/c	Dr.	7,00,000	
	To "B" Debentureholders a/c			7,00,000
	(Transfer of "B" 6% Debentures to Debentureholders Account)			

(Contd...........)

		Rs.	Rs.
1991 Dec. 31	"B" Debentureholders a/c Dr.	10,60,000	
	To Bhilwara Works a/c		10,00,000
	To (Rs. 10) Equity Share Capital a/c		60,000
	(Bhilwara Works taken-over by 'B' Debentureholders at Rs. 10,00,000 & allotment of Rs. 6,000 Equity shares of Rs. 10 each at par to them)		
	Shares in Lucky Ltd. a/c Dr.	3,60,000	
	To 'B' Debentureholders a/c		3,60,000
	(Receipt of 36,000 equity shares of Rs. 10 each in Lucky Ltd)		
	Creditors a/c Dr.	17,600	
	To Bank a/c		17,600
	(Amount received from sale of investments utilised in part payment to creditors)		
	Capital Reduction a/c Dr.	30,89,600	
	To Bhilwara Works a/c		14,00,000
	To Profit & Loss a/c		8,00,000
	To Stock a/c		8,00,000
	To Provision for Doubtful Debts a/c		89,600
	(Assets and losses written off as per reconstruction scheme)		
	Capital Reduction a/c Dr.	14,52,000	
	To Jaipur Works a/c		9,68,000
	To Capital Reserve a/c		4,84,000
	(Two-third of the balance of Capital Reduction Account utilised to write off Jaipur Works and one-third transferred to Capital Reserve Account)		

Balance Sheet of Uneasy Ltd.
as on December 31, 1991 (After Reconstruction)

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.	Rs.
		Fixed Assets :	Rs.	
Share Capital :		Jaipur Works	32,00,000	
Authorised, Issued and Subscribed		*Less* . Written off	9,68,000	
46,000 Equity Shares of Rs. 10				22,32,000
each fully paid	4,60,000	**Investments** ·		
36,000 8% Preference Shares of		Workmen Compensation Fund		
Rs. 80 each, fully paid	28,80,000	Investments		44,000
Reserve and Surplus :		Shares in Lucky Ltd.		3,60,000
Capital Reserve	4,84,000	**Current Assets,**		
Secured Loans .		**Loan and Advances** ·		
6% Debentures	6,00,000	Stock at market price		10,00,000
Unsecured Loans :	Nil	Debtors	10,00,000	
Current Liabilities and		*Less* Provision	89,600	
Provisions :				9,10,400
Creditors	3,78,400	Cash at Bank		3,00,000
Workmen Compensation Fund	44,000			
	48,46,400			48,46,400

टिप्पणी (i) पूर्वाधिकार अंशों के लाभांश त्यागने एवं लाभांश की दर में वृद्धि करने के लिए कोई लेखा प्रविष्टि नहीं होगी।

(ii) पूँजी कमी खाते में जमा की गई राशि (36,00,000 + 7,20,000 + 2,21,600) 45,41,600 रु० में से 30,89,600 रु० की अपलिखित की गई राशियों को कम करने के बाद शेष राशि 14,52,000 रु० के 2/3 भाग (9,68,000 रु०) का प्रयोग जयपुर कार्यशाला को अपलिखित करने के लिए किया गया एवं शेष राशि पूँजी संचय खाते में हस्तान्तरित कर दी गई।

(iii) कर्मचारी क्षतिपूर्ति कोष जो कि जयपुर कार्यशाला से सम्बन्धित है की पूरी राशि 40,000 रु० एवं भीलवाड़ा कार्यशाला के कोष की 4,000 रु० की राशि जो कि वास्तविक दायित्व के बराबर है दायित्व पक्ष में दिखाया गया है एवं इतनी ही राशि के विनियोग सम्पत्ति पक्ष में दिखाये गये हैं।

Illustration 1.17 : The following is the Balance Sheet of B Ltd. as on 31st December, 1991 :

बी लिमिटेड का चिट्ठा 31 दिसम्बर, 1991 को निम्न प्रकार है :

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
3,000 10% Preference Shares of Rs. 100 each	3,00,000	Goodwill	80,000
7,000 Equity Shares of Rs. 100 each	7,00,000	Land & Buildings	2,00,000
Share Premium Account	20,000	Plant & Machinery	3,00,000
9% Debentures of Rs. 100 each	1,00,000	Stock	1,20,000
Creditors	2,50,000	Debtors	3,00,000
Loan from Director	30,000	Cash at Bank	20,000
		Preliminary Expenses	70,000
		Profit & Loss A/c	3,10,000
	14,00,000		14,00,000

(vii) 8,800 new Equity Shares of Rs. 25 each are to be issued at par, payable in full on application. This issue was underwritten for a commission of 3%. Shares were fully taken up.

(viii) The total expenses incurred by the Company in connection with the scheme excluding underwriting commission amounted to Rs. 3,400.

Pass necessary Journal entries to record the above transactions and prepare Company's Balance sheet after the above arrangements had been carried out.

अधिमान अंशों पर पिछले 4 वर्षों से लाभांश भुगतान नहीं किया गया है।

पुनर्गठन की निम्न योजना न्यायालय द्वारा अनुमोदित की गई है :

(i) प्रत्येक समता अंश को 25 रु० तक कम कर दिया जाये।

(ii) प्रत्येक अधिमान अंश को 75 रु० तक कम कर दिया जाये तथा फिर 50 रु० वाले एक नये 12% अधिमान अंश तथा 25 रु० वाले एक समता अंश में बदल दिया जाये।

(iii) अधिमान अंशधारियों ने 3 वर्षों के लाभांश के अधिकार का त्याग कर दिया है। उन्हें केवल एक वर्ष का लाभांश पुरानी दर से देय है, जिसका भुगतान 25 रु० वाले पूर्ण प्रदत्त समता अंशों का निर्गमन करके किया जायेगा।

(iv) ऋण-पत्र धारियों को विकल्प दिया जाये कि वे या तो अपने दावों का 90% नकद प्राप्त कर लें अथवा अपने दावों की पूर्ण राशि को नये 50 रु० वाले 12% अधिमान अंशों में जो सम मूल्य पर निर्गमित किये जायेंगे, परिवर्तित करा लें। आधे (मूल्य के) ऋणपत्रधारियों ने अपने दावों के लिए अधिमान अंश लेना स्वीकार किया। शेष को नकद भुगतान कर दिया गया।

(v) 30,000 रु० का संदिग्ध दायित्व देय है जिसकी उत्पत्ति एक संचालक की गलत कार्यवाही के कारण हुई। वह इस हानि की क्षतिपूर्ति संचालक द्वारा कम्पनी को दिये गये ऋण में से करने को सहमत हो गया है।

(vi) ख्याति का वर्तमान में कोई मूल्य नहीं है। यन्त्र एवं मशीनरी, रहतियां तथा देनदारों के मूल्यों को क्रमशः 90,000 रु०, 20,000 रु० एवं 30,000 रु० से कम कीजिए। भूमि एवं भवन का मूल्य 2,50,000 रु० तक बढ़ाइये।

(vii) 8,800 नये 25 रु० वाले समता अंश सम मूल्य पर निर्गमित किये जायें, जिसकी सम्पूर्ण राशि आवेदन-पत्र के साथ देय हो। इस निर्गमन को 3 प्रतिशत कमीशन पर अभिगोपन किया गया। अंशों को पूर्ण रूप से ले लिया गया।

(viii) अभिगोपन कमीशन के अतिरिक्त कम्पनी ने उक्त योजना पर 3,400 रु० की राशि व्यय की।

उपरोक्त व्यवहारों को दर्ज करने के लिए आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए तथा उपरोक्त व्यवस्थाओं के क्रियान्वयन के पश्चात् कम्पनी का चिट्ठा बनाइये।

Solution :

Journal of B Ltd.

Date	Particulars		Dr. Amount Rs.	Cr. Amount Rs.
	(Rs. 100) Equity Share Capital a/c	Dr.	7,00,000	
	To (Rs 25) Equity Share Capital a/c			1,75,000
	To Capital Reduction a/c			5,25,000
	(Equity shares of Rs 100 each reduced to Rs. 25 and balance transferred in Capital Reduction Account)			
	(Rs. 100) 10% Pref Share Capital a/c	Dr.	3,00,000	
	To (Rs. 75) Pref Share Capital a/c			2,25,000
	To Capital Reduction a/c			75,000
	(Pref. shares reduced to Rs 75 and balance transferred to capital reduction account)			
	(Rs 75) Pref. Share Capital a/c	Dr.	2,25,000	
	To (Rs 50) 12% Pref. Share Capital a/c			1,50,000
	To Equity Share Capital a/c			75,000
	(One new Pref. share of Rs 50 each & one Equity share of Rs. 25 each issued for each old Pref share)			
	Capital Reduction a/c	Dr.	30,000	
	To Pref Share Dividend a/c			30,000
	(Arrear of Pref. Share dividend payable for one year.)			
	Pref. Share Dividend a/c	Dr.	30 000	
	To Equity Share Capital a/c			30,000
	(Equity shares of Rs 25 each issued for arrear of Pref. share dividend)			
	9% Debentures a/c	Dr.	1,00,000	
	To Debenture holders a/c			1,00,000
	(Balance of 9% debentures transferred)			
	Loan from director a/c	Dr.	30,000	
	To Provision for Contingent Liability a/c			30,000
	(Contingent liability of Rs. 30,000 ■ payable and adjusted with Loan from director.)			

(*Contd*......)

Bank a/c	Dr.	2,20,000	
To Equity Share Application & Allotment a/c			2,20,000
(Application money received on 8,800 Equity shares @ Rs. 25 each)			
Equity Share Application & Allotment a/c	Dr	2,20,000	
To Equity Share Capital a/c			2,20,000
(Application money transferred on allotment)			
Underwriting Commission a/c	Dr.	6,600	
Reorganisation Expenses a/c	Dr.	3,400	
To Bank			10,000
(Underwriting commission and reorganisation expenses paid)			
Debenture holders a/c	Dr.	1,00,000	
To 12% Pref Share Capital a/c			50,000
To Bank a/c			45,000
To Capital Reduction a/c			5,000
(50% of Debentureholders opt to take new Pref. shares at par and remaining took 90% cash payment for their claims)			
Land & Buildings a/c	Dr.	50,000	
To Capital Reduction a/c			50,000
(Value of Land & Buildings increased.)			
Capital Reduction a/c	Dr.	6,25,000	
To Goodwill a/c			80,000
To Plant & Machinery a/c			90,000
To Stock a/c			20,000
To Debtors a/c			30,000
To Preliminary Expenses a/c			70,000
To Profit and Loss a/c			3,10,000
To Underwriting Commission a/c			6,600
To Reorganisation Expenses a/c			3,400
To Capital Reserve a/c			15,000
(Various losses written off and balance of Capital Reduction Account transferred to Capital Reserve a/c)			

Balance Sheet of E Ltd.
(After Reorganisation)

Liabilities	Amount	Assets	Amount
	Rs.		Rs.
4,000 12% Pref. Shares of Rs. 50 each fully paid	2,00,000	Land & Buildings	2,50,000
20,000 Equity Shares of Rs. 25 each fully paid	5,00,000	Plant & Machinery	2,10,000
Share Premium Account	20,000	Stock	1,00,000
Capital Reserve Account	15,000	Debtors	2,70,000
Creditors	2,50,000	Cash at Bank	1,85,000
Provision for Contingent Liability	30,000		
	10,15,000		10,15,000

टिप्पणी—(i) बंक शेष की गणना

Bank Account

	Rs.		Rs.
To Balance b/d	20,000	By Underwriting Commission a/c	6,600
To Equity Share Application & Allotment a/c	2,20,000	By Reorganisation Expenses a/c	3,400
		By Debentureholders a/c	45,000
		By Balance c/d	1,85,000
	2,40,000		2,40,000

प्रश्न (Questions)

सैद्धान्तिक प्रश्न (Theoretical Questions) :

1. What is meant by internal reconstruction ? Give conditions when internal reconstruction becomes desirable ?

आन्तरिक पुनर्निर्माण से क्या आशय है ? उन परिस्थितियों को बताइये जब आन्तरिक पुनर्निर्माण वांछनीय हो जाता है ।

2. What are the different methods of alteration of Share Capital as provided under Companies Act, 1956 ?

कम्पनी अधिनियम, 1956 के अन्तर्गत अंश पूँजी में परिवर्तन की कौन-कौनसी विधियाँ हैं ?

3. Discuss the legal and accounting procedure of alterations of share capital,

अंश पूँजी में परिवर्तन की वैधानिक एवं लेखाकन प्रक्रिया का वर्णन कीजिये ।

4. When internal reconstruction necessarily involve reduction of capital ? Discuss the legal procedure of it.

आन्तरिक पुनर्निर्माण में आवश्यक रूप से पूँजी में कटौती कब की जाती है ? इसकी वैधानिक प्रक्रिया का वर्णन कीजिए ।

5. Explain different methods of reduction of capital. Give Journal entries in the books of a company adopting Capital Reduction Scheme.

पूँजी में कटौती की विभिन्न रीतियों को समझाइये। पूँजी में कटौती की योजना अपनाने वाली एक कम्पनी की लेखा पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिये।

व्यावहारिक प्रश्न (Practical Questions) :

6. The following is the Balance Sheet of A Ltd. as on 31st December, 1991 :

31 दिसम्बर, 1991 को ए लिमिटेड का चिट्ठा निम्न प्रकार है :

Liabilities	Amount Rs.	Assets	Amount Rs.
Share Capital :		Land and Buildings	50,000
4,000 8% Preference Shares		Plant and Machinery	44,000
of Rs. 10 each fully paid	40,000	Furniture	2,000
4,000 Equity Shares of Rs. 10		Investments	15,000
each fully paid	40,000	Stock in trade	24,000
General Reserve	47,000	Sundry Debtors	26,000
Bank Loan	15,000	Bank Balance	2,000
Creditors	21,000		
	1,63,000		1,63,000

The following scheme of reconstruction was duly passed for the expantion of the Company :

(1) The share capital of the company be increased to Rs. 1,50,000 divided into 4 000 6% Cumulative Preference shares of Rs. 10 each and 44,000 Equity shares of Rs 2 50 each.

(2) Rs. 40,000 of the General Reserve is to be capitalised by the issue of Rs. 2·50 bonus shares in the form of equity Shares.

(3) Such shareholders who agree to convert their 8% Preference shares into 6% Preference shares of equal number were to be allotted one bonus share of Rs. 2·50 each for every Preference share converted.

(4) Such shareholders who agree to convert each Rs. 10 Equity share into four Rs. 2·50 Equity shares were to receive a bonus of three Rs. 2·50 Equity shares for every Equity share originally held.

(5) The remaining Equity shares of Rs. 2·50 each are offered to the existing Equity shareholders at a premium of 50%.

All shareholders exercised this option and approved the above scheme. The amounts due were fully received. The expenses of reconstruction amounted to Rs. 2,500. Give Journal entries and prepare the revised Balance Sheet.

कम्पनी के विस्तार के लिए पुनर्निर्माण की निम्न योजना स्वीकार की गई :

(1) कम्पनी की अंश पूँजी बढ़कर 1,50,000 रु० की जाय जो कि 10 रु० वाले 4,000 6% संचयी पूर्वाधिकार अंश तथा 2·50 रु० वाले 44,000 समता अंशों में विभाजित हो।

(2) 2·50 रु० वाले बोनस अंश समता अंशों में निर्गमित कर सामान्य संचय के 40,000 रु० का पूँजीकरण किया जाय।

(3) ऐसे अंशधारी जो अपने 8% पूर्वाधिकार अंश बराबर संख्या के 6% पूर्वाधिकार अंशों में परिवर्तन करने के लिए तैयार हो जाते हैं उन्हें प्रत्येक पूर्वाधिकार अंश के बदले में 2·50 रु० वाला एक बोनस अंश दिया जाय।

(4) ऐसे अंशधारी जो 10 रु० वाले प्रत्येक समता अंश को 2·50 रु० वाले चार समता अंशों में परिवर्तन करने के लिए तैयार हो जाते हैं उन्हें प्रत्येक मूल समता अंश के बदले में तीन बोनस अंश 2·50 रु० वाले दिये जाय।

(5) शेष समता अंश 2·50 रु० वाले विद्यमान समता अंशधारियों को 50% प्रीमियम पर दिये जाय।

सभी अंशधारियों ने उपर्युक्त योजना स्वीकार कर ली। देय राशियाँ पूर्णतया प्राप्त हो गयी। पुनर्निर्माण के व्यय 2,500 रु० हुए। जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए और संशोधित चिट्ठा बनाइए।

Ans. Total of Balance Sheet Rs. 2,05,500 (1 1)

7. The following is the Balance Sheet of N Ltd as on 31st March, 1992 :

31 मार्च 1992 को एन लिमिटेड का चिट्ठा निम्न प्रकार है :

Liabilities	Amount Rs.	Assets	Amount Rs.
Authorised Capital :		Patents at cost	3,72,000
10,000 7% Preference Shares		Leasehold Premises	1,30,000
of Rs. 100 each	10,00,000	Plant and Machinery	4,20,000
10,000 Equity Shares of		Stock in trade	55,000
Rs. 100 each	10,00,000	Sundry Debtors	76,500
	20,00,000	Discount on Issue of Shares	18,000
		Preliminary Expenses	12,000
Issued & Subscribed Capital :		Profit and Loss Account	2,15,000
7,500 7% Preference Shares		Cash in hand	1,500
of Rs. 100 each fully paid	7,50,000		
5,000 Equity Shares of Rs. 100			
each fully paid	5,00,000		
Bank Overdraft	20,000		
Sundry Creditors	30,000		
	13,00,000		13,00,000

The company suffered losses and was not getting on well. The following scheme of reconstruction was adopted :

(i) *The 7% Preference shares be reduced to an equal number of fully paid 7% Preference shares of Rs. 50 each.*

(ii) The equity shares be reduced to an equal number of equity shares of Rs. 25 each fully paid.

(iii) The amount available be used to write off Rs. 30,000 of the Leasehold Premises, Rs. 15,000 of Stock, 20% Plant and Machinery, Rs. 16,500 of Sundry Debtors and the balance available of Patents.

Journalise the transactions and prepare the Balance Sheet after the reconstruction has been carried out.

कम्पनी को हानियाँ हुई तथा उसकी स्थिति ठीक नहीं चल रही थी। पुनर्निर्माण की निम्नलिखित योजना अपनायी गयी :

(i) 7% पूर्वाधिकार अंशों को घटाकर उतनी ही संख्या के 50 रु० वाले पूर्णदत्त 7% पूर्वाधिकार अंश बना दिये जायें।

(ii) समता अंशों को घटाकर उतनी ही संख्या के 25 रु० वाले पूर्णदत्त समता अंश बना दिये जायें।

(iii) उपलब्ध राशि का उपयोग 30,000 रु० पट्टे पर लिए गए भवन को 15,000 रु०, स्टॉक को 20%, प्लाट और मशीन को 16,500 रु०, विविध देनदारों के तथा शेष उपलब्ध राशि को एकस्व को अपलिखित करने में उपयोग किया जाये।

इन व्यवहारों की जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए तथा पुनर्निर्माण के पश्चात् का चिट्ठा तैयार कीजिए।

Ans. Total of Balance Sheet Rs. 5,50,000 (1·2).

8. The following terms were agreed upon reconstruction of X Ltd. :

(i) The shareholders to receive in lieu of their present holding of 50,000 shares of Rs. 10 each the following :

(a) Fully paid Equity shares equal to 2/5th of their holding;

(b) 8% Preference shares, fully paid to the extent of 1/5th of the above new Equity shares; and

(c) Rs. 60,000 6% Second Debentures.

(ii) An issue of Rs. 50,000 5% First Debentures was made and payment for the same have been received in cash.

(iii) The Goodwill which stood Rs. 30,000 was written off.

(iv) Plant and Machinery which stood at Rs. 1,00,000 was written down to Rs. 75,000.

(v) The Freehold Leasehold Premises which stood at Rs. 1,50,000 were written down to Rs 1,25,000.

(vi) The debit balance of Profit and Loss Account amounting to Rs. 1,10,000 was written off.

Give journal entries in the books of the company necessitated by the above reconstruction.

एक्स लिमिटेड के पुनर्निर्माण पर निम्नलिखित शर्तें स्वीकृत की गईं :

(i) अंशधारियों को अपने वर्तमान 10 रु० वाले 50,000 अंशों के बदले में निम्न प्राप्त करना है :

(अ) अपने विद्यमान अंशों के 2/5 भाग के बराबर पूर्णदत्त समता अंश :

(ब) उपरोक्त नये समता अशों के 1/5 भाग के बराबर पूर्णदत्त 8% अधिमान अश; तथा

(स) 60,000 रु० के 6% द्वितीय ऋणपत्र।

(ii) 50,000 रु० के 5% प्रथम ऋणपत्र निर्गमित किये गये तथा जिसके लिए भुगतान नकदी मे प्राप्त हो गया।

(iii) ख्याति जो 30,000 रु० मूल्य पर थी अपलिखित कर दी गई।

(iv) प्लाट एवं मशीनरी जो 1,00,000 रु० मूल्य पर थे घटाकर 75,000 रु० के कर दिये गये।

(v) स्वकीय एव पट्टे पर भवन जो 1,50,000 रु० मूल्य पर थे, घटाकर 1,25,000 रु० कर दिये गये।

(vi) लाभ-हानि खाते का 1,10,000 रु० का डेबिट शेष अपलिखित कर दिया गया।

उपर्युक्त पुनर्निर्माण के लिए कम्पनी की पुस्तको मे आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिये।

Ans Capital Reserve Rs. 10,000 (1·3)

9. The Balance Sheet of Z Ltd. is as follows on 31–3–92 :

31–3–92 को जेड लिमिटेड का चिट्ठा निम्न प्रकार है :

Balance Sheet

Liabilities	Amount	Assets	Amount
	Rs.		Rs.
Authorised Capital :		Goodwill	10,000
20,000 Equity Shares of Rs. 10 each	2,00,000	Land and Buildings	20,500
		Machinery	50,800
Issued, Subscribed and Paid-up Capital :		Preliminary Expenses	1,500
12,000 Shares of Rs. 10 each Rs 1,20,0 0		Stock	10,200
Less : Calls in arrear : (Rs. 3 per share on 3,000 shares) 9,000	1,11,000	Book Debts	15,000
		Cash at Bank	1,200
Sundry Creditors	15,000	Profit and Loss Account : Balance as per last balance sheet Rs. 22,000 *Less* : Profit for the year Rs. 1,200	20,800
Provision for Taxes	4,000		
	1,30,000		1,30,000

The directors have had made a valuation of the machinery and find it over-valued by Rs. 10,000. It is proposed to write down this asset to its true value and to extinguish the deficiency in the Profit and Loss Account and to write off Goodwill and Preliminary Expenses, by the adoption of the following course :

1. To forfeit the shares on which the call is outstanding,

2. To reduce the paid up capital by Rs. 3 per share.

3 To reissue the forfeited shares at Rs. 5 per share.

4. To utilise the provision for taxes if necessary

The shares on which the calls were in arrear were duly forfeited and reissued on payment of *Rs. 5 per share. You are requested to draft the necessary Journal entries* and the Balance Sheet of the company after carrying out the terms of the scheme as set above.

संचालकों ने मशीन का पुनर्मूल्याकन कराया है और उन्हें ज्ञात होता है कि यह 10,000 रु० से अधिमूल्यांकित है। यह प्रस्ताव किया जाता है कि इस सम्पत्ति का मूल्य घटाकर सही मूल्य पर ले आया जाये, लाभ-हानि खाते की कमी को तथा ख्याति और प्रारम्भिक व्ययों को अपलिखित कर दिया जाये। इसके लिए निम्नलिखित प्रक्रिया अपनायी जाये—

1. जिन अंशों पर बकाया माँग है उनको जब्त कर लिया जाये।

2. प्रदत्त पूँजी को 3 रु० प्रति अंश के हिसाब से घटा दिया जाये।

3. जब्त किये गये अंशों को 5 रु० प्रति अंश के हिसाब से पुनर्निर्गमित किया जाये।

4. कर के लिए प्रायोजन यदि आवश्यक हो तो काम में लिया जाये।

जिन अंशों पर माँग बकाया थी उन्हें विधिवत् जब्त कर लिया गया और 5 रु० प्रति अंश के भुगतान पर पुनर्निर्गमित कर दिया गया।

आपको आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ देनी हैं और उपर्युक्त योजना को पूर्ण करने के पश्चात् का चिट्ठा देना है।

Ans. Total of Balance Sheet Rs. 1,02,700 and Profit on reissue of forfeited shares Rs 15,000. (1·4)

10. On 31st December, 1991 the Balance Sheet of Ashok Ltd. was as follows :

31 दिसम्बर, 1991 को अशोक लिमिटेड का चिट्ठा निम्न प्रकार था :

Balance Sheet

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
Share Capital :		Buildings	4,50,000
Authorised and Paid up Capital :		Machinery	8,20,000
6,000 7% Preference Shares of Rs. 100 each	6,00,000	Goodwill	1,20,000
1,10,000 Equity Shares Rs. 10 each	11,00,000	Stock	1,40,000
Share Premium	1,50,000	Debtors	60,000
Creditors	1,70,000	Cash at Bank	30,000
		Preliminary Expenses	30,000
		Advertisement Expenses	20,000
		Profit & Loss Account	3,50,000
	20,20,000		20,20,000

Preference Share Dividend in arrears for two years.

The following scheme of reconstruction was approved :

(a) Preference shares to be reduced to Rs. 80 each and Equity shares to Rs. 5 each fully paid.

(b) One Rs 5 Equity share to be issued for each Rs. 10 Preference share dividend (gross) in arrears.

(c) Goodwill, Advertisement Expenses, Profit & Loss Account and Preliminary Expenses are to be written off.

(d) Machinery to be written off by Rs. 1,30,000.

(e) The authorised share capital is to be restored to original figure.

Give necessary Journal entries and prepare the revised Balance Sheet.

पूर्वाधिकार अंशों का विगत दो वर्षों का लाभांश बकाया है।

पुनर्निर्माण की निम्नलिखित योजना स्वीकृत की गई—

(अ) पूर्वाधिकार अंशों को 80 रु० तक तथा ईक्विटी अंशों को 5 रु० तक पूर्ण प्रदत्त घटा दिया जाए।

(ब) पूर्वाधिकार अंश लाभांश की बकाया राशि (सकल) के प्रत्येक 10 रु० के लिए 5 रु० वाला एक ईक्विटी अंश निर्गमित किया जाए।

(स) ख्याति, विज्ञापन व्यय, लाभ-हानि खाता तथा प्रारम्भिक व्ययों को अपलिखित किया जाए।

(द) मशीनरी को 1,30,000 रु० से अपलिखित किया जाए।

(य) अधिकृत अंश पूंजी को उसकी मूल राशि पर रखा जाए।

आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए तथा संशोधित चिट्ठा बनाइये।

Answer : Total of Balance Sheet Rs. 13,70,000 (1·5)

11. The following is the Balance Sheet of Sad Ltd. as on 31-12-91 :

31-12-91 को सेड लि० का चिट्ठा निम्न प्रकार था :

Balance Sheet

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
13% Cumulative Preference shares of Rs. 100 each fully paid	2,00,000	Fixed Assets	30,00,000
Equity shares of Rs. 10 each fully paid	14,00,000	Current Assets	70,00,000
8% Debentures	6,00,000	Profit & Loss Account	6,00,000
Current Liabilities	78,00,000		
Provision for Taxation	6,00,000		
	1,06,00,000		1,06,00,000

The following scheme of reorganisation is sanctioned :

(1) Fixed Assets are to be written down by $33\frac{1}{3}\%$.

(2) Current Assets are to be revalued at Rs. 54,00,000.

(3) Preference shareholders decide to forego their right of arrears of dividend which are in arrears for three years.

(4) The taxation liability of the Company will be Rs. 8,00,000.

(5) One of the creditors of the Company, to whom the Company owes Rs. 50,00,000, decided to forego 50% of his claim. He is allotted 2,00,000 Equity shares of Rs. 5 each in part satisfaction of the balance of his claim.

(6) The rate of interest on debentures is increased to 11% The debenture-holders surrender their existing debentures of Rs. 100 each and exchange the same for fresh debentures of Rs. 75 each.

(7) All existing Equity shares are reduced to Rs. 5 each.

(8) All Preference shares are reduced to Rs. 75 each.

Pass Journal entries and show the Balance Sheet of the Company after giving effect to the above.

पुनर्गठन की निम्न योजना स्वीकृत हुई—

(1) स्थायी सम्पत्तियों को $33\frac{1}{3}\%$ से अपलिखित करना है।

(2) चालू सम्पत्तियों का पुनर्मूल्यांकन 54,00,000 रु० पर करना है।

(3) पूर्वाधिकार अंशधारियों ने अपने बकाया लाभांश के अधिकार को त्यागने का निश्चय किया है जो कि विगत तीन वर्षों से बकाया है।

(4) कम्पनी का कर दायित्व 8,00,000 रु० होगा।

(5) कम्पनी के लेनदारों में से एक लेनदार जिसके कम्पनी में 50,00,000 रु० बकाया है, अपने दावे का 50% त्यागने का निश्चय करता है। उसके दावे के शेष के आंशिक भुगतान में उसको 5 रु० वाले 2,00,000 अंश आवंटित किये गये।

(6) ऋणपत्रों पर ब्याज की दर 11% तक बढ़ा दी गई। ऋणपत्रधारी अपने वर्तमान 100 रु० वाले ऋणपत्रों को समर्पित करते हैं एवं इनको 75 रु० वाले नये ऋणपत्रों में बदल लेते हैं।

(7) सभी वर्तमान ईक्विटी अंशों को 5 रु० तक घटा दिया जाता है।

(8) सभी पूर्वाधिकार अंशों को 75 रु० तक घटा दिया जाता है।

जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिये एवं उपरोक्त को प्रभावित करने के बाद का चिट्ठा बनाइये।

Answer : Total of Balance Sheet Rs. 74,00,000. (1·6)

12. The receiver for debentureholders who had charge on all assets presented the following statement relating to Uncomfortable Ltd. from the creditors point of view as on December 31, 1991 :

ऋणपत्रधारियों के एक प्रापक, जिसको कि सभी सम्पत्तियों पर प्रभार उपलब्ध है, ने अनकम्फर्टेबल लि. के सम्बन्ध में 31 दिसम्बर, 1991 को स्थिति के अनुसार अग्र विवरण प्रस्तुत किये हैं :

Statement of Financial Position

	Rs.		Rs.
Nominal Capital :		Cash in hand of the receiver	40,00,000
75,000 Shares of Rs. 50 each	37,50,000	Property, Machinery and Plant	
		etc. (Cost Rs 40,00,000)	15,00,000
Issued and Subscribed Capital :			55,00,000
50,000 Shares of Rs. 50 each	25,00,000	Uncalled Capital :	
		50,000 Shares at Rs. 25 each	12,50,000
Called-up and Paid-up Capital :		Deficiency (Balancing figure)	37,50,000
50,000 Shares of Rs. 50 each	....		
Rs 25 per share called up			
First Debentures	20,00,000		
Second Debentures	40,00,000		
Unsecured Creditors	45,00,000		
	1,05,00,000		1,05,00,000

X holds the first debentures for Rs 20,00,000 and second debentures for Rs. 20,00,000. He is an unsecured creditor for Rs. 10,00,000.

Y holds second debentures for Rs. 20,00,000 and is an unsecured creditor for Rs. 12,50,000.

The following scheme of reconstruction is proposed :

(a) X is to advance Rs. 8,75,000 in cash and is to accept new first debentures (those already held by him being surrendered and cancelled) for Rs. 40,00,000 in full satisfaction of all his claims against the Company.

(b) Y is to accept Rs 17,50,000 in cash in satisfaction of all claims to him.

(c) Unsecured creditors other than X and Y are to accept 2 shares of Rs. 5 each fully paid in full satisfaction of 50 paise in the rupee of every Rs. 45 of their claims. The balance of 50 paise in the rupee is to be postponed and is to be payable at the end of one year from the date of the court's approval of the scheme.

(d) Uncalled capital is to be called up in full and the shares are to be sub-divided into shares of Rs. 5 each. Ninety percent of the shareholdings is to be cancelled. Assuming that the scheme is duly approved by all parties interested and by the court, prepare :

(1) Balance Sheet of the Company before reconstruction;

(2) The necessary Journal entries for implementing the scheme of reconstruction; and

(3) The Balance Sheet after reconstruction of the Company.

एक्स के पास 20,00,000 रु० के प्रथम ऋणपत्र तथा 20,00,000 रु० के द्वितीय ऋणपत्र हैं एवं वह 10,00,000 रु० के लिए असुरक्षित लेनदार भी है।

वाई के पास 20,00,000 रु० के द्वितीय ऋणपत्र हैं एवं वह 12,50,000 रु० के लिए असुरक्षित लेनदार भी है।

पुनर्निर्माण की निम्न योजना प्रस्तावित की गई :—

(अ) एक्स 8,75,000 रु० नकद कम्पनी को उधार देगा एवं 40,00,000 रु० के नये प्रथम ऋण-पत्र स्वीकार करेगा (उसके पास पहले से चले आ रहे ऋणपत्रों को समर्पण कर रद्द कर दिये जायेंगे) जो उसके कम्पनी के विरुद्ध सभी दावों के निपटारे के रूप में होंगे।

(ब) वाई अपने सभी दावों के निपटारे के रूप में 17,50,000 रु० नकद प्राप्त करेगा।

(स) एक्स एवं वाई के अतिरिक्त अन्य असुरक्षित लेनदार उनके दावों के प्रत्येक 45 रुपये के लिए प्रति रुपया 50 पैसे के बदले में 5 रु० वाले पूर्णदत्त 2 अंश स्वीकार करते हैं। शेष प्रति रुपया 50 पैसे के भुगतान को स्थगित कर देना है और इसका भुगतान न्यायालय द्वारा योजना स्वीकार करने की तारीख से एक वर्ष के अन्त में करना है।

(द) न माँगी गई राशि को पूर्ण रूप से माँगना है एवं अंशों को 5 रुपये वाले अंशों में उपविभाजित करना है। अंश धारण का 90% रद्द करना है।

यह मानते हुए कि योजना विधिवत रूप से सभी सम्बन्धित पक्षों द्वारा स्वीकृत एवं न्यायालय द्वारा अनुमोदित की जा चुकी है, आपको तैयार करना है :

(1) कम्पनी के पुनर्निमाण के पूर्व का चिट्ठा;

(2) पुनर्निर्माण की योजना क्रियान्विति के लिए आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ; एवं

(3) पुनर्निर्माण के पश्चात् का चिट्ठा।

Answer : (1) B/S Total Rs. 1,17,50,000 (3) B/S Total Rs. 58,75,000. (1 7)

13. The Balance Sheet of Goodwill India Ltd. as on 31st December, 1991 is as follows :

31 दिसम्बर, 1991 को गुडविल इण्डिया लिमिटेड का चिट्ठा निम्नलिखित है :

Balance Sheet

Liabilities	Amount	Assets		Amount
	Rs.			Rs.
Share Capital :		Land and Buildings		9,60,000
80,000 12% Preference shares		Plant and Machinery		8,62,500
of Rs. 10 each fully paid	8,00,000	Goodwill		5,97,500
2,40,000 Equity shares of Rs. 5		Stock		1,60,000
each fully paid	12,00,000	Debtors		2,40,000
15% Debentures	4,80,000	Cash		24,000
Creditors	8,00,000	Bills Receivables		80,000
		Profit and Loss A/c	3,60,000	
		Less : General Reserve	4,000	3,56,000
	32,80,000			32,80,000

Upon revaluation of assets it was found that the goodwill was worthless and that other assets were overvalued to the following extent :

Land and Building by Rs. 1,60,000 and Plant and Machinery by Rs. 2,20,000,

A provision for doubtful debts to the extent of 10% was considered necessary.

The following scheme of reorganisation was prepared and duly sanctioned by the court :

(i) The creditors to accept 15% debentures to the extent of 50 percent of their claims, the balance to be paid in cash six months after the date.

(ii) The Preference shares to be reduced to Rs. 5 each.

(iii) The Equity shares to be reduced to Re. 1 each.

(iv) The assets to be reduced to the revalued figures and the debit balance of the profit and loss account to be wiped off.

Make journal entries to give effect to the above scheme and prepare the revised balance sheet of the Company.

सम्पत्तियों का पुनर्मूल्यांकन करने पर यह ज्ञात हुआ कि ख्याति का मूल्य शून्य है और अन्य सम्पत्तियाँ निम्नलिखित सीमा तक अधिक मूल्यांकित है :

भूमि एवं भवन 1,60,000 रु० से और प्लांट एवं मशीनरी 2,20,000 रु० से एवं संदिग्ध ऋणों के लिए 10% का आयोजन आवश्यक समझा गया है।

पुनर्गठन की निम्नलिखित योजना बनाई गयी एवं न्यायालय द्वारा स्वीकृत की गयी है :—

(i) लेनदारों ने अपने दावों के 50 प्रतिशत के लिए 15% ऋणपत्र लेना स्वीकार किया, शेष राशि का इस तिथि के पश्चात् नकद में भुगतान किया जायेगा।

(ii) प्रत्येक पूर्वाधिकार अंश को 5 रुपये तक कम करना है।

(iii) प्रत्येक ईक्विटी अंश को 1 रुपये तक कम करना है।

(iv) सम्पत्तियों को पुनर्मूल्यांकित राशि तक कम करना है और लाभ हानि खाते के डेबिट शेष को अपलिखित करना है।

उक्त योजना को क्रियान्वित करने के लिए जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिये और कम्पनी का संशोधित चिट्ठा बनाइये।

Answer : Total of Balance Sheet Rs. 19,22,500, Balance of capital reduction account transferred to capital reserve Rs. 2,500. (1'8)

14. The following is the summarised Balance Sheet of A Ltd :

ए लिमिटेड का संक्षिप्त चिट्ठा इस प्रकार है :

Balance Sheet as at 31st March, 1992

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
Issued and Subscribed Capital :		Goodwill	50,000
20,000 6% Cumulative		Patents and Trade Marks	20,000
Preference Shares of Rs 10 each	2,00,000	Land & Buildings	1,76,000
40,000 Equity Shares of Rs. 10		Plant and Machinery	1,72,000
each	4,00,000	Shares in S Ltd.	60,000
5% Debentures (Mortgaged on		Stock in trade	1,46,000
Land & Building) Rs.		Book-Debts	1,97,000
1,00,000		Advertisement outlays	50,000
Add : Interest Accrued 5,000	1,05,000	Profit and Loss Account	1,70,000
Bank Overdraft	1,20,000		
Creditors	1,70,000		
Loan from Directors	46,000		
	10,41,000		10,41,000

The following further information is provided : (1) Dividend on Preference Shares are in arrears for the last three years; (2) There is a contingent liability for damages Rs. 20,000; (3) A Capital Reduction Scheme was duly approved on the following terms :

(i) The Preference shares are to be reduced to Rs. 8 each and the Equity share to Rs. 2·50 each

(ii) These shares are then converted into Preference and Equity stock respectively.

(iii) The stock is to be consolidated into shares of Rs. 10 each.

(iv) The Authorised Capital is to be restored to Rs. 2,00,000 6% Cumulative Preference shares of Rs. 10 each and Rs. 4,00,000 Equity shares of Rs. 10 each

(v) The Preference shareholders waive two-third of the arrears of their dividend and are alloted Equity shares for the balance.

(vi) All intangible assets are to be written off

(vii) Bad debts Rs. 15,000 and obsolete stock of Rs. 20,000 are to be written off.

(viii) The shares in S. Ltd. are sold for Rs. 1,20,000.

(ix) The Debenture-holders agreed to take over one of the Company's Land and Buildings of the book value of Rs. 36,000 at a price of Rs. 50,000 in part satisfaction of and to provide further cash of Rs 30,000 on a floating charge. The arrears of interest are redeemed.

(x) The contingent liability has to be paid but of this Rs. 10,000 are recovered from one of the directors. This was deducted from his loan account of Rs. 16,000 and the balance was paid to him in cash.

(xi) The remaining directors agreed to take Equity shares in satisfaction of their loans.

Give necessary journal entries to rercord the above and give the revised Balance Sheet. Also show entries in Capital Reduction Account.

निम्नलिखित सूचना और दी जाती है : (1) अधिमान अशो पर लाभाश पिछले तीन वर्षों से देय है; (2) हर्जाने के सम्बन्ध मे 20,000 रु० का सदिग्ध दायित्व है, (3) एक पूंजी कटौती योजना को निम्नलिखित शर्तों के आधार पर मान्यता मिल चुकी है :

(i) अधिमान अशो को घटाकर 8 रु० प्रति अश तथा ईक्विटी अशो को 2·50 रु० प्रति अश बना दिया जाये।

(ii) इन अशो को क्रमश. अधिमान और ईक्विटी स्टॉक मे बदल दिया गया।

(iii) स्टॉक का 10 रु० वाले अशो म समेकन किया गया।

(iv) अधिकृत पूंजी को 10 रु० वाले 6% 2,00,000 रु० सचयी अधिमान अशो तथा 10 रु० वाले 4,00,000 रु० ईक्विटी अशो पर कायम रखना है।

(v) अधिमान अशधारियो ने अपने लाभाश की बकाया का ½ भाग छोड दिया तथा शेष के लिए उनको ईक्विटी अश वटित किये गये।

(vi) समस्त अदृश्य सम्पत्तियो को अपलिखित करना है।

(vii) डूबत ऋण 15,000 रु० तथा अप्रचलित स्टॉक 20,000 रु० को अपलिखित करना है।

(viii) एस लिमिटेड के अश 1,20,000 रु० मे बेच दिये जाते हैं।

(ix) ऋणपत्रधारी आशिक भुगतान मे 36,000 रु० पुस्तक मूल्य के कम्पनी के भूमि और भवन मे से एक को 50,000 रु० मूल्य पर लेने को राजी हो जाते हैं और चल प्रभार के आधार पर 30,000 रु० और नकद देने को तैयार हो जाते हैं। ब्याज का बकाया चुका दिया जाता है।

(x) सदिग्ध दायित्व को चुकाना पडा लेकिन इसमें से 10,000 रु० सचालकों मे से एक से वसूल हो गये। यह राशि उसके 16,000 रु० के ऋण खाते से काट ली गयी और शेष का उसको भुगतान कर दिया गया।

(xi) शेष सचालक अपने ऋण भुगतान मे ईक्विटी अश लेने को राजी हो गये।

उपरोक्त का लेखा करने के लिए आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए तथा परिवर्तित चिट्ठा दीजिए। पूंजी कटौती खाते मे भी प्रविष्टियाँ दिखाइए।

Ans : Total of Balance Sheet Rs. 6,20,000; Balance of Capital Reduction Account transferred to Capital Reserve Rs. 67,000. (1.9)

15. A Company's position on 30th June, 1992 was as follows :

	Rs.
10,000 Equity Shares of Rs. 100 each	10,00,000
1,000 6% Debentures of Rs. 500 each	5,00,000
Interest on above	60,000
Creditors for goods	2,50,000
The assets on that date were :	
Fixed Assets	10,00,000
Current Assets	3,25,000

The Fixed Assets were valued at Rs. 4,80,000 and the Current Assets at Rs. 2,40,000.

(1) *The shares were sub-divided into shares of Rs. 5 each and the 90% of the shares were surrendered.*

(2) The total claims of the debenture holders were reduced to Rs. 2,45,000 and in consideration of this, they were also allotted shares amounting to Rs. 1,25,000 out of the surrendered shares

(3) The creditors agreed to reduce their claims to Rs. 1,50,000, 1/3rd of which was to be satisfied by the issue of equity shares out of those surrendered.

(4) The shares surrendered but not reissued were cancelled.

Draft journal entries and give the Balance Sheet of the Company after reconstruction.

30 जून, 1992 को एक कम्पनी की स्थिति इस प्रकार थी :

	रु०
100 रु० वाले 10,000 समता अंश	10,00,000
500 रु० वाले 1,000 6% ऋणपत्र	5,00,000
उपरोक्त पर ब्याज	60,000
माल के लिए लेनदार	2,50,000
उस तिथि को सम्पत्तियाँ थी :	
स्थायी सम्पत्तियाँ	10,00,000
चालू सम्पत्तियाँ	3,25,000

स्थायी सम्पत्तियों को 4,80,000 रु० तथा चालू सम्पत्तियों को 2,40,000 रु० पर मूल्यांकित किया गया।

(1) अंशों को 5 रु० वाले अंशों में उपविभाजित किया गया तथा 90% अंशों का समर्पण किया गया।

(2) ऋणपत्रधारियों के कुल दावों को 2,45,000 रु० तक कम किया गया तथा इसके प्रतिफल के रूप में समर्पण किये गये अंशों में से 1,25,000 रु० के अंश आबंटित किये गये।

(3) लेनदार अपने दावों को 1,50,000 रु० तक कम करने को सहमत हो गये, जिसमें से $\frac{1}{5}$ भाग की पूर्ति समर्पण किये हुये अंशों में समता अंशों के निर्गमन से की गयी।

(4) समर्पण किये हुए अंश किन्तु अनिर्गमित रद्द कर दिये गये।

जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए तथा पुनर्निर्माण के बाद कम्पनी का चिट्ठा दीजिए।

Ans : Balance transferred to Capital Reserve Rs. 1,00,000 and
Total of Balance Sheet Rs. 7,20,000. (1.10)

2

कम्पनियों का बाह्य पुनर्निर्माण
(External Reconstruction of Companies)

जब एक कम्पनी निरन्तर हानि उठा रही हो तो इसमें कार्यशील पूँजी का अभाव हो जाता है तथा वित्तीय कठिनाइयाँ उत्पन्न हो जाती हैं। कम्पनी के अंशों के बाजार मूल्य में गिरावट आने लगती है तथा बाजार में उसकी साख गिर जाती है। ऐसे में कम्पनी को अतिरिक्त अंशों या ऋणपत्रों का विक्रय करने तथा वित्तीय संस्थाओं से अतिरिक्त ऋण प्राप्त करने में कठिनाई एवं असुविधा होती है। ऐसी स्थिति में कम्पनी के आन्तरिक पुनर्निर्माण के द्वारा आर्थिक एवं वित्तीय स्थिति को नहीं सुधारा जा सकता है तथा बाह्य पुनर्निर्माण का सहारा लेना पड़ता है।

बाह्य पुनर्निर्माण का अर्थ (Meaning of External Reconstruction) : जब एक विद्यमान कम्पनी का समापन होता है और उसके स्थान पर एक नई कम्पनी की स्थापना होती है, तो इसे बाह्य पुनर्निर्माण कहा जाता है। इसके अन्तर्गत नयी कम्पनी की स्थापना पुरानी कम्पनी की सम्पत्तियों तथा दायित्वों को लेते हुए होती है। इसमें नयी स्थापित होने वाली कम्पनी का नाम पुरानी कम्पनी के नाम के समान ही रखा जाता है केवल पुराने नाम में थोड़ा परिवर्तन कर दिया जाता है। उदाहरणार्थ, एक कम्पनी जिसका नाम एक्स लिमिटेड है का बाह्य पुनर्निर्माण 1992 में किया जाता है तो नई कम्पनी का नाम एक्स लिमिटेड (1992) रखा जा सकता है।

बाह्य पुनर्निर्माण के उद्देश्य (Objects of External Reconstruction) : जब एक विद्यमान कम्पनी कई वर्षों से लगातार होने वाली हानियों तथा आर्थिक कठिनाइयों के कारण अपना व्यापार सुचारु रूप से चलाने में असमर्थ होती है तो बाह्य पुनर्निर्माण का सहारा लिया जाता है। कभी-कभी कुछ विशेष अधिकारों को प्राप्त करने अथवा सुविधा के लिए भी बाह्य पुनर्निर्माण किया जाता है। बाह्य पुनर्निर्माण में अनावश्यक कानूनी औपचारिकताओं से बचा जा सकता है तथा यह आन्तरिक पुनर्निर्माण की तुलना में शीघ्रता से सम्पन्न किया जा सकता है। निम्नलिखित उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए बाह्य पुनर्निर्माण किया जा सकता है—

(1) एकत्रित हानियों को अपलिखित करना : जब किसी कम्पनी पर पुरानी हानियों का बोझ अत्यधिक हो जाता है तथा व्यापार को बिना हानि उठाये चलाना कठिन हो जाता है तब हानियों को पूँजी से अपलिखित करने तथा सम्पत्तियों को उनके वास्तविक मूल्य पर लाने के लिए बाह्य पुनर्निर्माण करना पड़ता है।

(2) अतिरिक्त पूँजी प्राप्त करना : जब कम्पनी हानि की स्थिति में होती है तो उसकी साख गिर जाती है जिससे उसे पूँजी अथवा ऋण के रूप में साधन जुटाने में कठिनाई आती है। बाह्य पुनर्निर्माण के अन्तर्गत नयी कम्पनी की स्थापना करके अंशों, ऋणपत्रों के निर्गमन द्वारा अथवा अन्य ऋणों से माध्यम से पर्याप्त मात्रा में वित्तीय साधन जुटाये जा सकते हैं।

(3) नये अधिकार प्राप्त करना : जब कोई कम्पनी अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए नये अधिकार प्राप्त करना चाहती है तो इसके लिए पार्षद सीमानियम में परिवर्तन आवश्यक हो जाता है। यह परिवर्तन विद्यमान कम्पनी का समापन करके नयी कम्पनी बनाने पर ही सम्भव हो सकता है।

(4) पंजीकृत कार्यालय स्थानान्तरित करना : जब कम्पनी कुछ लाभों अथवा सुविधाओं को प्राप्त करने के के लिए अपना पंजीकृत कार्यालय एक राज्य से दूसरे राज्य में स्थानान्तरित करना चाहती है तो पार्षद सीमा नियम में परिवर्तन करना होता है जो बाह्य पुनर्निर्माण से ही सम्भव है।

बाह्य पुनर्निर्माण के सम्बन्ध में कम्पनी अधिनियम के प्रावधान (Provisions of Companies Act relating to External Reconstruction) : कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 494 के अन्तर्गत कम्पनियों के बाह्य पुनर्निर्माण को सुगम बनाने के लिए कुछ प्रावधान दिये गये हैं। इन प्रावधानों के अनुसार व्यवसाय का हस्तान्तरण करने वाली कम्पनी 'हस्तान्तरक कम्पनी' (Transferor Company) तथा व्यवसाय को क्रय करने वाली कम्पनी हस्तान्तरिती कम्पनी (Transferee Company) के नाम से जानी जाती है। बाह्य पुनर्निर्माण में कम्पनी के ऐच्छिक समापन की स्थिति में अंशधारियों द्वारा समापक या निस्तारक (Liquidator) की नियुक्ति की जाती है। कम्पनी के समापक या निस्तारक को एक विशेष प्रस्ताव पारित करके अधिकृत किया जाता है कि वह हस्तान्तरिती कम्पनी में अंश प्राप्त कर सकता है और ऐसे अंशों को वह हस्तान्तरक कम्पनी के अंशधारियों में वितरित कर सकता है। यदि समापन में जाने वाली कम्पनी के किसी सदस्य ने व्यवसाय हस्तान्तरण के सम्बन्ध में पारित विशेष प्रस्ताव के पक्ष में अपना मत नहीं दिया था और वह इस सम्बन्ध में लिखित में निस्तारक को अपनी असहमति की सूचना प्रस्ताव पारित होने की तिथि से 7 दिन में प्रस्तुत कर देता है तो निस्तारक को यह अधिकार होता है कि वह या तो विशेष प्रस्ताव की क्रियान्विति को रोक सकता है अथवा असहमत सदस्य के हित को पारस्परिक समझौते या पंचनिर्णय द्वारा तय किये गये मूल्य पर खरीद सकता है। यदि निस्तारक द्वारा असहमत सदस्य के हित को क्रय किया जाता है तो क्रय मूल्य का भुगतान कम्पनी के विघटन से पूर्व करना होता है।

क्रय प्रतिफल की गणना (Computation of Purchase Consideration) : क्रेता कम्पनी (Purchasing Company) द्वारा विक्रेता कम्पनी (Vendor Company) को व्यवसाय क्रय करने के बदले जो राशि देय होती है उसे क्रय प्रतिफल कहा जाता है। क्रय प्रतिफल का निर्धारण आपसी समझौते द्वारा किया जाता है। क्रय प्रतिफल की गणना करने के लिए शुद्ध सम्पत्ति विधि (Net Assets Method) अथवा शुद्ध भुगतान विधि (Net Payment Method) का प्रयोग किया जाता है।

(1) शुद्ध सम्पत्ति विधि (Net Assets Method) : इस विधि के अनुसार क्रय प्रतिफल की गणना करने के लिए सर्वप्रथम क्रेता कम्पनी द्वारा ली जाने वाली सभी सम्पत्तियों (ख्याति के मूल्य सहित) के निर्धारित मूल्य का योग कर लिया जाता है। इसी तरह क्रेता कम्पनी द्वारा लिये जाने वाले सभी दायित्वों के निर्धारित मूल्य का योग कर लिया जाता है। इसके बाद सम्पत्तियों के मूल्य के योग में से दायित्वों के मूल्य के योग को घटा दिया जाता है, जो राशि शेष बचती है उसे शुद्ध सम्पत्तियाँ (Net Assets) या व्यवसाय का शुद्ध मूल्य (Net Value of Business) कहा जाता है। यह शुद्ध मूल्य ही क्रय प्रतिफल कहलाता है। संक्षेप में :

	Rs.
Total value of the assets taken over by the Purchasing Company	....
Less : Total of liabilities taken over by the Purchasing Company	....
Net Assets or Purchase Consideration	....

इस विधि के अन्तर्गत क्रय प्रतिफल की गणना करते समय क्रेता कम्पनी द्वारा ली जाने वाली सम्पत्तियों एवं दायित्वों को बाजार मूल्य अथवा समझौते के अनुसार तय मूल्य पर लिया जाता है, लेकिन बाजार मूल्य

अथवा तय मूल्य सम्बन्धी कोई सूचना उपलब्ध न होने पर पुस्तक मूल्य ही लिया जाता है। क्रेता कम्पनी द्वारा विक्रेता कम्पनी का सम्पूर्ण व्यवसाय के लिये जाने में रोकड़ शेष तथा ख्याति को भी ली गई सम्पत्तियों में सम्मिलित कर लिया जाता है, लेकिन विभिन्न कृत्रिम सम्पत्तियों को सम्मिलित नहीं किया जाता है।

(2) शुद्ध भुगतान विधि (Net Payment Method) : इस विधि के अनुसार क्रेता कम्पनी द्वारा विक्रेता कम्पनी को विभिन्न रूपों में किये जाने वाले भुगतान की राशियों का जोड़ लगाकर क्रय प्रतिफल ज्ञात किया जाता है। यह भुगतान नकद, ऋणपत्रों, पूर्वाधिकार अंशों एवं ईक्विटी अंशों में हो सकता है। भुगतान विक्रेता कम्पनी व अंशधारियों, ऋणपत्रधारियों, लेनदारों, समापन व्ययों अथवा अन्य किसी भी कार्य के लिए किया जा सकता है। अत: इस विधि के अन्तर्गत इन सब राशियों को जोड़कर क्रय प्रतिफल ज्ञात किया जाता है। इस विधि से क्रय प्रतिफल की गणना करते समय क्रेता कम्पनी द्वारा लिये जाने वाले दायित्वों को विभिन्न भुगतानों के योग में सम्मिलित नहीं किया जाता है। क्रय प्रतिफल में केवल ऐसे लेनदारों या दायित्वों को ही सम्मिलित किया जाता है जिनका भुगतान क्रेता कम्पनी द्वारा विक्रेता कम्पनी के माध्यम से किया जाता है। क्रेता कम्पनी द्वारा विक्रेता कम्पनी के लेनदारों को सीधे भुगतान किये जाने पर इन्हें क्रय प्रतिफल की गणना में शामिल नहीं किया जाता है।

विधि का चयन (Selection of Method) : क्रय प्रतिफल ज्ञात करने की उपरोक्त दोनों विधियों में से किस विधि का प्रयोग किया जावे यह दी गई सूचना पर निर्भर करता है। क्रय प्रतिफल की गणना के लिए शुद्ध भुगतान विधि उपयुक्त मानी जाती है लेकिन इस विधि के सम्बन्ध में भुगतान की समस्त राशियों का विवरण नहीं दिया गया है तब शुद्ध सम्पत्ति विधि का प्रयोग किया जाना चाहिए। यदि इन दोनों विधियों के अनुसार क्रय प्रतिफल की राशि में अन्तर आता है तो ऐसा अन्तर ख्याति अथवा पूँजीगत सचय होगा। शुद्ध भुगतान की राशि शुद्ध सम्पत्तियों की राशि से अधिक होने पर अन्तर की राशि को ख्याति माना जायेगा तथा भुगतान की जाने वाली राशि शुद्ध सम्पत्तियों से कम होने पर अन्तर की राशि को पूँजी सचय माना जायेगा।

Illustration 21 : The following is the Balance Sheet of Z Ltd as on 30th June 1992 :

30 जून, 1992 को जेड लिमिटेड का चिट्ठा निम्न प्रकार है :

Liabilities	Amount	Assets	Amount
	Rs.		Rs.
Share Capital :		Goodwill	10,000
10,000 8% Cumulative Pref. Shares of Rs. 10 each	1,00,000	Fixed Assets	5,14,000
48,000 Equity Shares of Rs. 10 each	4,80,000	Stock	1,20,000
8% Debentures	2,00,000	Debtors	1,00,000
Accrued Interest on Debentures	16,000	Bank	2,000
Creditors	2,00,000	Preliminary Expenses	10,000
Note—Dividend in arrear Rs. 24,000		Profit & Loss a/c	2,40,000
	9,96,000		9,96,000

The following scheme is passed :

(1) A new company Z (1992) Ltd. is formed with Rs. 6,00,000 share capital divided into 60,000 Equity shares of Rs. 10 each.

(2) The Company will acquire assets and liabilities by means of cash, shares and debentures as follows :

(a) Old company's debentures are paid by similar debentures in new company and for each Rs. 100 debentures interest outstanding, 10 Equity shares are issued

(b) The creditors are paid for every Rs. 100 Rs. 20 cash and 10 equity shares.

(c) Preference shareholders are paid one Equity share for one share held, and for arrears of dividend 5 Equity shares will be issued for each Rs. 100 in full satisfaction.

(d) Equity shareholders are issued one Equity share for 3 shares held.

(e Expenses of liquidation Rs. 8 000 are to be borne by the new company as a part of purchase consideration.

(3) Current assets are to be taken at book values (except stock which is to be reduced by Rs. 6,000,.

You are required to calculate the purchase consideration payable by the new company to Z Ltd.

निम्न योजना स्वीकृत हुई—

(1) एक नई कम्पनी जेड (1992) लिमिटेड की स्थापना 6 लाख रु० की अंश पूंजी जो 10 रु० वाले 60,000 ईक्विटी अंशों में विभक्त है, की गई।

(2) कम्पनी रोकड़, अंशों एवं ऋणपत्रों के माध्यम से निम्न प्रकार सम्पत्तियों एवं दायित्वों को अधिग्रहित करेगी :

(अ) पुरानी कम्पनी के ऋणपत्रों का भुगतान नई कम्पनी में समान प्रकार के ऋणपत्रों से होगा और ऋणपत्रों पर बकाया ब्याज की प्रति 100 रु० की राशि के लिए 10 ईक्विटी अंश निर्गमित किये जावेंगे।

(ब) प्रति 100 रु० के लेनदारों का भुगतान 20 रु० नकद एवं 10 ईक्विटी अंशों के रूप में होगा।

(स) पूर्वाधिकार अंशधारियों को प्रति धारित अंश के लिए ईक्विटी अंश दिया जावेगा एवं लाभांश की बकाया प्रति 100 रु० की राशि के लिए 5 ईक्विटी अंश पूर्ण भुगतान में दिये जायेंगे।

(द) ईक्विटी अंशधारियों को प्रति 3 धारित अंशों के लिए एक ईक्विटी अंश निर्गमित किया जावेगा।

(य) समापन व्यय के 8 000 रु० नई कम्पनी द्वारा वहन किये जायेंगे जो कि क्रय प्रतिफल का भाग होंगे।

(3) चालू सम्पत्तियाँ (स्टॉक के अलावा जिसको 6,000 रु० से कम करना है) को पुस्तक मूल्यों पर लिया जावेगा।

आपको नई कम्पनी द्वारा जेड लिमिटेड को देय क्रय प्रतिफल की गणना करनी है।

Solution :

Statement Showing Computation of Purchase Consideration

Particulars	Debentures	Equity Shares	Cash	Total
	Rs.	Rs.	Rs	Rs.
(a) For Debentureholders :				
Debentures	2,00,000	—	—	2,00,000
Accrued Interest	—	16,000	—	16,000
(b) For Creditors :	—	2,00,000	40,000	2,40,000
(c) For Preference Shareholders :				
Preference Share Capital	—	1,00,000		1,00,000
Arrears of dividend	—	12,000	—	12,000
(d) For Equity Shareholders	—	1,60,000	—	1,60,000
(e) For Liquidation Expenses	—	—	8,000	8,000
Purchase Consideration	2,00,000	4,88,000	48,000	7,36,000

लेखांकन प्रविष्टियां (Accounting Entries)

समापन में जाने वाली कम्पनी अर्थात् विक्रेता कम्पनी की पुस्तकों में लेखा : बाह्य पुनर्निर्माण के अन्तर्गत पुरानी कम्पनी का समापन होता है अतः उसकी लेखा पुस्तकों को बन्द किया जाता है। पुरानी कम्पनी अर्थात् विक्रेता कम्पनी की खाता बहियां पहले से ही खुली रहती है जिसमें खुले हुए विभिन्न खातों को स्थानान्तरण प्रविष्टियों द्वारा बन्द किया जाता है। खातों को बन्द करने के लिए निम्न प्रविष्टियां की जाती हैं :—

(1) क्रेता कम्पनी द्वारा ली गई सम्पत्तियों के खातों को पुस्तक मूल्य पर वसूली खाते में स्थानान्तरित कर दिया जाता है जिसके लिए निम्न प्रविष्टि होगी :—

Realisation a/c Dr.
  To Assets (individual) a/c

उपरोक्त प्रविष्टि से विक्रेता कम्पनी की पुस्तकों में खुले हुए उन समस्त सम्पत्तियों के खाते बन्द हो जायेंगे जिन्हें क्रेता कम्पनी ने ले लिया है। यदि क्रेता कम्पनी ने विक्रेता कम्पनी की समस्त सम्पत्तियों को लिया है तो रोकड़ एवं बैंक खाते को भी वसूली खाते में स्थानान्तरित कर देंगे।

(2) क्रेता कम्पनी द्वारा लिये गये दायित्वों के खाते भी पुस्तक मूल्य पर वसूली खाते में स्थानान्तरित कर दिये जायेंगे जिसके लिए निम्न प्रविष्टि होगी :—

Liabilities (Individual) a/c Dr.
  To Realisation a/c

इस प्रविष्टि से क्रेता कम्पनी द्वारा लिये गये दायित्वों के खाते बन्द हो जायेंगे।

(3) अंश पूंजी खाते के शेषों को अंशधारियों के खाते में स्थानान्तरित कर दिया जाता है, जिसके लिए निम्नलिखित प्रविष्टियां होंगी :—

Equity Share Capital a/c Dr.
To Equity Shareholders a/c
Preference Share Capital a/c Dr.
To Preference Shareholders a/c

(4) ऐसे ऋणपत्र जिन्हें क्रेता कम्पनी ने नहीं लिया है एवं जिनका भुगतान विक्रेता कम्पनी द्वारा किया जाता है तो ऋणपत्र खाते के शेष को एवं यदि उन पर कोई ब्याज बकाया है जो कि स्थिति विवरण के दायित्व पक्ष में दिखाया गया है तो बकाया ब्याज खाते के शेष को ऋणपत्रधारियों के खाते में स्थानान्तरित कर देना चाहिए। इसके लिए निम्न प्रविष्टि की जायेगी—

Debentures a/c Dr.
Accrued Interest on Debentures a/c Dr.
To Debentureholders a/c

(5) चिट्ठे में दिखाये गये सभी आयगत एवं पूँजीगत संचयों को ईक्विटी अंशधारियों के खाते में स्थानान्तरित कर दिया जाना चाहिए जिसके लिए निम्न प्रविष्टि होगी—

General Reserve a/c Dr.
Profit & Loss a/c Dr.
(Particular) Reserve a/c Dr.
To Equity Shareholders a/c

(6) चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में दिखायी गई विभिन्न कृत्रिम सम्पत्तियों एवं संचित हानियों (जैसे प्रास्थगित आयगत व्यय, प्रारम्भिक व्यय, लाभ-हानि खाते का डेबिट शेष आदि) को भी ईक्विटी अंशधारियों के खाते में स्थानान्तरित कर दिया जाता है, जिसके लिए निम्न प्रविष्टि होगी—

Equity Shareholders a/c Dr.
To Profit & Loss a/c
To Preliminary Expenses a/c
To (Particular) Loss a/c

(7) ऐसी सम्पत्तियाँ जिन्हे नई कम्पनी द्वारा नहीं लिया गया है, पुरानी कम्पनी द्वारा इनकी वसूली की जाती है जिसके लिए निम्न प्रविष्टि की जायेगी—

Cash/Bank a/c Dr. (सम्पत्ति के विक्रय से प्राप्त राशि)
Realisation a/c Dr. (सम्पत्ति के बेचने से हुई हानि, यदि कोई है)
To (Particular) Asset a/c (सम्पत्ति के पुस्तक मूल्य की राशि)

सम्पत्तियों को बेचने से यदि कोई लाभ हो तो उसे वसूली खाते में क्रेडिट कर दिया जायेगा।

वैकल्पिक विधि—ऐसी सम्पत्तियाँ जिन्हें नई कम्पनी द्वारा नहीं लिया गया उनको भी रोकड़ एवं बैंक शेष के अतिरिक्त नई कम्पनी द्वारा ली जाने वाली सम्पत्तियों के साथ ही वसूली खाते में स्थानान्तरित कर दिया जाता है। जब इन सम्पत्तियों से राशि वसूल होती है तो रोकड़ खाता डेबिट एवं वसूली खाता क्रेडिट कर दिया जाता है, इस स्थिति में सम्पत्तियों को बेचने से होने वाले लाभ अथवा हानि की अलग से कोई प्रविष्टि नहीं की जायेगी।

(8) नई कम्पनी से प्राप्य क्रय प्रतिफल के देय होने पर निम्न प्रविष्टि की जायेगी—

New Company's a/c	Dr.	(क्रय प्रतिफल की राशि से)
To Realisation a/c		

(9) क्रय प्रतिफल के प्राप्त होने पर निम्न प्रविष्टि की जायेगी—

Equity Shares in New Co. a/c	Dr.
Preference Shares in New Co. a/c	Dr.
Debentures in New Co. a/c	Dr.
Cash/Bank a/c	Dr.
To New Company's a/c	

(10) समापन व्ययों के सम्बन्ध में निम्न लेखा प्रविष्टियों में से कोई एक प्रविष्टि प्रश्न में दी गई सूचना के आधार पर की जायेगी :

(अ) समापन व्ययों के लिए राशि नई कम्पनी (क्रेता कम्पनी) से प्राप्त होनी है, जो क्रय प्रतिफल का भाग समझी जाये तो समापन व्ययों के भुगतान करने पर निम्न प्रविष्टि होगी—

Realisation a/c	Dr.
To Cash/Bank a/c	

समापन व्यय के लिए जो राशि क्रेता कम्पनी से प्राप्त होगी उसके लिए अलग से कोई प्रविष्टि नहीं होगी क्योंकि क्रय प्रतिफल में समापन व्यय सम्मिलित हैं जिसकी प्रविष्टि क्रय प्रतिफल के प्राप्त होने के साथ हो जायेगी।

(ब) यदि समापन व्ययों के लिए राशि नई कम्पनी से प्राप्त हो जो क्रय प्रतिफल का भाग नहीं समझी जाये :

(i) समापन व्ययों की राशि नई कम्पनी से प्राप्त होने पर

Cash a/c	Dr.
To Realisation a/c	

(ii) समापन व्ययों के भुगतान करने पर निम्न प्रविष्टि होगी—

Realisation a/c	Dr.
To Cash a/c	

(स) जब समापन व्यय की राशि पुरानी कम्पनी द्वारा ही वहन की जाती हो तो निम्न प्रविष्टि की जायेगी—

Realisation a/c	Dr.
To Cash a/c	

संचयी पूर्वाधिकार अंशों पर लाभांश की बकाया—संचयी पूर्वाधिकार अंशों पर लाभांश की बकाया राशि को एक संदिग्ध दायित्व के रूप में चिट्ठे के नीचे टिप्पणी के रूप में दिखाया जाता है। लाभांश की बकाया राशि के सम्बन्ध में निम्न परिस्थितियाँ हो सकती हैं—

(अ) लाभांश की सम्पूर्ण बकाया राशि के लिए अंशधारियों से त्याग के लिए सहमति प्राप्त की जाय—इस परिस्थिति में कोई लेखा प्रविष्टि नहीं होगी।

(ब) लाभांश की सम्पूर्ण बकाया राशि का भुगतान करना हो—ऐसी स्थिति में लाभांश की देय राशि के सम्बन्ध में अग्रलिखित लेखा प्रविष्टियाँ होंगी :

Realisation a/c Dr.
    To Preference Share Dividend a/c

Preference Share Dividend a/c Dr.
    To Preference Shareholders a/c

उपरोक्त दो प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित एक प्रविष्टि भी हो सकती है—

Realisation a/c Dr.
    To Preference Shareholders a/c

(स) लाभांश की बकाया राशि के लिए आंशिक रूप से अंशधारियों से त्याग की सहमति प्राप्त की जाय एवं आंशिक रूप से भुगतान किया जाये—लाभांश के त्याग के लिए कोई प्रविष्टि नहीं होगी। आंशिक रूप से भुगतान के लिए उपरोक्त (ब) के समान ही लेखा प्रविष्टियाँ होंगी।

(12) विभिन्न पक्षों को भुगतान—पुरानी कम्पनी क्रय प्रतिफल की प्राप्त राशि से विभिन्न पक्षों जैसे लेनदारों, ऋणपत्रधारियों, पूर्वाधिकार एवं ईक्विटी अंशधारियों को भुगतान करती है। यह भुगतान नकद, ऋणपत्रों, पूर्वाधिकार एवं ईक्विटी अंशों के रूप में हो सकता है। विभिन्न पक्षों को भुगतान के लिए निम्न प्रविष्टियाँ की जायेंगी—

(अ) लेनदारों अर्थात् दायित्वों का भुगतान—

(Particular) Liability a/c	Dr.	(दायित्व के पुस्तक मूल्य की राशि से)
To Cash/Bank a/c		(नकद राशि से)
To Debentures in New Co.		(ऋण-पत्रों के मूल्य से)
To Equity/Preference Shares in New Co. a/c		(अंशों के मूल्य से)

यदि दायित्व के भुगतान से कोई लाभ अथवा हानि होती है तो ऐसी राशि से क्रमशः वसूली खाते को क्रेडिट अथवा डेबिट किया जायेगा।

(ब) ऋणपत्रधारियों को भुगतान—

Debentureholders a/c	Dr.	(ऋणपत्रधारियों के खाते के शेष से)
To Cash/Bank a/c		(नकद भुगतान की राशि से)
To Debentures in New Co. a/c		(ऋण-पत्रों के मूल्य से)
To Equity/Preference Shares in New Co. a/c		(अंशों के मूल्य से)

ऋणपत्रधारियों को भुगतान करने के पश्चात् उनके खाते में यदि कोई शेष बचता है तो उसे वसूली खाते में स्थानान्तरित कर दिया जायेगा। यदि ऋणपत्रधारियों के खाते का क्रेडिट शेष है तो निम्नलिखित प्रविष्टि होगी—

Debentureholders a/c Dr.
    To Realisation a/c

यदि ऋणपत्रधारियों के खाते में डेबिट शेष है तो विपरीत प्रविष्टि होगी।

(स) पूर्वाधिकार अंशधारियों को भुगतान

Preference Shareholders a/c Dr.
  To Preference Shares in New Co. a/c
  To Equity Shares in New Co. a/c
  To Debentures in New Co. a/c
  To Cash/Bank a/c

पूर्वाधिकार अंशधारियों को भुगतान करने के पश्चात् उनके खाते में शेष रहता है तो उसे वसूली खाते में स्थानान्तरित कर दिया जायेगा। यदि पूर्वाधिकार अंशधारियों के खाते में क्रेडिट शेष है तो निम्नलिखित प्रविष्टि होगी—

Preference Shareholders a/c Dr.
  To Realisation a/c

यदि पूर्वाधिकार अंशधारियों के खाते में डेबिट शेष है तो विपरीत प्रविष्टि की जायेगी।

(13) वसूली खाते को बन्द करना—उपरोक्त सभी प्रविष्टियों के पश्चात् वसूली खाते में जो शेष बचता है उसे ईक्विटी अंशधारियों के खाते में स्थानान्तरित कर दिया जाता है। वसूली खाते में यदि डेबिट शेष है तो यह हानि का सूचक होगा, जिसके लिए निम्नलिखित जर्नल प्रविष्टि की जायेगी—

Equity Shareholders a/c Dr.
  To Realisation a/c

यदि वसूली खाते में क्रेडिट शेष है तो लाभ होगा, जिसके लिए विपरीत जर्नल प्रविष्टि होगी।

(14) ईक्विटी अंशधारियों को भुगतान—उपरोक्त सभी प्रविष्टियों के पश्चात् ईक्विटी अंशधारियों को भुगतान के लिए निम्न प्रविष्टि की जायेगी—

Equity Shareholders a/c Dr.
  To Equity Shares in New Co. a/c
  To Preference Shares in New Co a/c
  To Debentures in New Co. a/c
  To Cash/Bank a/c

इन जर्नल प्रविष्टियों की खातों में खतौनी के साथ ही विक्रेता कम्पनी की पुस्तकों में खुले हुए सभी खाते बन्द हो जायेंगे।

नई कम्पनी अर्थात् क्रेता कम्पनी की पुस्तकों में लेखा प्रविष्टियाँ

(1) सम्पत्तियों एवं दायित्वों को अधिग्रहित करने के लिए—

Goodwill a/c	Dr.	(यदि अन्तर ख्याति है)
(Particular) Assets a/c	Dr.	(जिस मूल्य पर सम्पत्तियों को लिया गया है)
To (Particular) Liabilities a/c		(दायित्वों को जिस मूल्य पर लिया गया है)
To Liquidator of Vendor Co a/c		(क्रय प्रतिफल की राशि से)
To Capital Reserve a/c		(यदि अन्तर पूँजी संचय है)

यदि क्रेता कम्पनी की पुस्तकों में सम्पत्तियों एवं दायित्वों को क्रय करने के सम्बन्ध में 'व्यापार क्रय खाता' खोलना हो तो सम्पत्तियों एवं दायित्वों के अधिग्रहित करने के लिए लेखा प्रविष्टियाँ निम्न प्रकार होंगी—

Business Purchase a/c	Dr.	(क्रय प्रतिफल की राशि से)
To Liquidator of Vendor Co. a/c		(क्रय प्रतिफल की राशि से)
Goodwill a/c	Dr.	(यदि अन्तर ख्याति है)
(Particular) Assets a/c	Dr.	(जिस मूल्य पर सम्पत्तियों को लिया गया है)
To (Particulars) Liabilities a/c		(दायित्वों को जिस मूल्य पर लिया गया है)
To Business Purchases a/c		(क्रय प्रतिफल की राशि से)
To Capital Reserve a/c		(यदि अन्तर पूँजी संचय है)

(2) क्रय प्रतिफल का भुगतान करने पर—

Liquidator of Vendor Co. a/c	Dr.	(क्रय प्रतिफल की राशि से)
To Equity Share Capital a/c		(अंशों के प्रदत्त मूल्य से)
To Preference Share Capital a/c		(अंशों के प्रदत्त मूल्य से)
To Share Premium a/c		(अंशों के निर्गमन पर प्रीमियम)
To Debentures a/c		(ऋण-पत्रों के प्रदत्त मूल्य से)
To Cash/Bank a/c		(नकद भुगतान की राशि से)

यदि अंशों को अंकित मूल्य से अधिक मूल्य पर निर्गमित किया जाता है तो अंश पूँजी खाते में केवल प्रदत्त मूल्य से ही प्रविष्टि होगी एवं अन्तर की राशि अंश प्रीमियम खाते में क्रेडिट की जायेगी।

(3) पुरानी कम्पनी के समापन व्ययों का क्रेता कम्पनी द्वारा भुगतान—

(अ) यदि समापन व्ययों का भुगतान क्रय प्रतिफल का भाग नहीं माना गया है तो व्ययों का भुगतान करने पर निम्न प्रविष्टि होगी—

Goodwill a/c	Dr.
or Capital Reserve a/c	Dr.
To Cash a/c	

(ब) यदि समापन व्ययों का भुगतान क्रय प्रतिफल में सम्मिलित है—

ऐसी स्थिति में अलग से कोई लेखा प्रविष्टि नहीं होगी क्योंकि क्रय प्रतिफल में ऐसी राशि सम्मिलित होती है एवं क्रय प्रतिफल के भुगतान में ही समापन व्ययों का भुगतान निहित है।

नई कम्पनी की पुस्तकों में अन्य व्यवहारों की प्रविष्टियाँ सामान्य नियमों के अनुसार ही होंगी।

Illustration 2·2 : The Trial Balance of A Co. Ltd. was as follows :
'ए' कम्पनी लिमिटेड का तलपट निम्न प्रकार था :

Particulars	Dr.	Cr.
	Rs.	Rs.
Share Capital : 50,000 Shares of Rs. 10 each fully paid		5,00,000
Creditors		2,65,000
Patent Rights	4,80,000	
Debtors	45,000	
Stock	1,00,000	
Preliminary Expenses	18,000	
Profit and Loss Account	1,20,500	
Cash	1,500	
	7,65,000	7,65,000

Efforts to secure sufficient new capital to pay off the liabilities and place the concern on sound footing having proven unsuccessful, it was decided to reconstruct, and the following scheme was submitted to and approved by the shareholders and creditors :

(1) The company to go into voluntary liquidation and a new company, having a nominal capital of Rs. 10,00,000 to be formed to take over the assets and liabilities of the old company.

(2) The assets to be taken over at book values, with the exception of the patent rights, which were to be subject to adjustment.

(3) The creditors to be discharged by new company on the following basis :

	Rs.
(a) Preferential creditors to be paid in full.	5,000
(b) Unsecured loans to be discharged by cash composition of 50 paise in the rupee.	1,34,000
(c) Unsecured creditors to be discharged by issue of 9% debentures fully paid at a bonus of 10%	1,26,000
	2,65,000

(4) 50,000 shares of Rs. 10 each, Rs. 5 paid up, to be issued to the shareholders in the old company, payable Rs. 2·50 on application and Rs. 2·50 on allotment.

(5) The cost of liquidation amounting to Rs. 2,500 to be paid by the new company as part of the purchase consideration.

Pass journal entries to close the books of the old company and also pass opening entries in the new company's books. Assume that all the shares and debentures have been allotted and all cash in respect of shares has been received.

दायित्वों के भुगतान के लिए पर्याप्त नई पूंजी प्राप्त करने एवं कम्पनी को सुदृढ़ आधार प्रदान करने के प्रयास असफल सिद्ध हुए; अतः पुनर्निर्माण का निश्चय किया गया और निम्नलिखित योजना अंशधारियों एवं लेनदारों के समक्ष रखी गयी एवं उनके द्वारा अनुमोदित की गई :

(1) कम्पनी ऐच्छिक समापन में चली जाये एवं 10,00,000 रु० की प्रमांकित पूंजी से एक नई कम्पनी की स्थापना पुरानी कम्पनी की सम्पत्तियों एवं दायित्वों को लेने के लिए की जाये।

(2) एकस्व अधिकारों को छोड़कर जिसमें कि आवश्यक समायोजन किये जायेंगे, सम्पत्तियों को पुस्तक मूल्य पर ले लिया जाये।

(3) लेनदारों को भुगतान नई कम्पनी द्वारा निम्न आधार पर किया जाये :	रु०
(अ) पूर्वाधिकार लेनदारों को पूर्ण भुगतान किया जाना है	5,000
(ब) असुरक्षित ऋणों को प्रति एक रुपये में से 50 पैसे का नकद भुगतान किया जाना है	1,34,000
(स) असुरक्षित लेनदारों को 10% बोनस पर 9% पूर्ण प्रदत्त ऋणपत्रों द्वारा भुगतान	1,26,000
	2,65,000

(4) 10 रु० वाले 5 रु० प्रदत्त 50,000 अंश पुरानी कम्पनी के अंशधारियों को निर्गमित किये जायेंगे।

(5) समापन की लागत के 2,500 रु० का भुगतान नई कम्पनी करेगी जो क्रय प्रतिफल का भाग होगा।

पुरानी कम्पनी की पुस्तकों को बन्द करने के लिए जर्नल प्रविष्टियाँ एवं नई कम्पनी की पुस्तकों में प्रारम्भिक जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिये। यह मानिये कि सभी अंशों एवं ऋण-पत्रों का आबंटन किया जा चुका है एवं अंशों पर सभी नकद राशियाँ प्राप्त हो चुकी हैं।

Solution :

Statement Showing Calculation of Purchase Consideration

Particulars	Cash	9% Debentures	Shares	Total
	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
(i) Payment to Creditors :				
Preferential Creditors in full	5,000	—	—	5,000
Unsecured Loans @ 50 paise in a rupee	67,000	—	—	67,000
Unsecured Creditors at 10% Bonus.	—	1,38,600	—	1,38,600
(ii) For Shareholders (50,000 Shares of Rs. 10 each Rs. 5 paid up)	—	—	2,50,000	2,50,000
(iii) For Liquidation Expenses	2,500	—	—	2,500
Purchase Consideration	74,500	1,38,600	2,50,000	4,63,100

Books of A Co. Ltd. Journal

Date	Particulars		L.F.	Dr.	Cr.
				Rs.	Rs.
	Realisation a/c	Dr.		6,26,500	
	To Patent Rights a/c				4,80,000
	To Debtors a/c				45,000
	To Stock a/c				1,00,000
	To Cash a/c				1,500
	(Assets transferred to realisation account.)				
	New Companys' a/c	Dr.		4,63,100	
	To Realisation a/c				4,63,100
	(Purchase consideration due)				
	Share Capital a/c	Dr		5,00,000	
	To Shareholder's a/c				5,00,000
	(Balance of share capital transferred to shareholders' a/c)				
	Shareholders' a/c	Dr.		1,38,500	
	To Preliminary Expenses a/c				18,000
	To Profit & Loss a/c				1,20,500
	(Debit balance of profit & loss account and preliminary expenses transferred to shareholders account.)				
	Shares in New Company a/c	Dr.		2,50,000	
	9% Debentures in New Company a/c	Dr.		1,38,600	
	Cash a/c	Dr.		74,500	
	To New Company's a/c				4,63,100
	(Purchase consideration received from new company.)				
	Realisation a/c	Dr.		2,500	
	To Cash a/c				2,500
	(Liquidation expenses paid.)				
	Creditors a/c	Dr.		2,65,000	
	To Cash a/c				72,000
	To Debentures in New Co. a/c				1,38,600
	To Realisation a/c				54,400
	(Payment made to creditors as per scheme and balance of creditors account transferred to realisation account.)				

(*Contd.*)

		Rs.	Rs.
Shareholder's a/c	Dr.	1,11,500	
To Realisation a/c			1,11,500
(Loss on realisation transferred to shareholders account.)			
Shareholders a/c	Dr.	2,50,000	
To Shares in New Company a/c			2,50,000
(Payment made to Shareholders)			

Books of New Company **Journal**

		Rs.	Rs.
Debtors a/c	Dr.	45,000	
Stock a/c	Dr.	1,00,000	
Cash a/c	Dr.	1,500	
Patent Rights a/c (balancing figure)	Dr.	3,16,600	
To Liquidator of A Co. Ltd.			4,63,100
(Assets taken over.)			
Bank a/c	Dr.	5,00,000	
To Share Application and Allotment a/c			5,00,000
(50,000 shares of Rs. 10 each offered to public and application money received.)			
Share Application and Allotment a/c	Dr.	5,00,000	
To Share Capital a/c			5,00,000
(Share application money transferred to share capital account on allotment)			
Liquidator of A Co. Ltd.	Dr.	4,63,100	
To Share Capital a/c			2,50,000
To 9% Debentures a/c			1,38,600
To Bank a/c			74,500
(Payment of purchase consideration made)			
Share Call a/c	Dr.	2,50,000	
To Share Capital a/c			2,50,000
(Call money due on shares issued to shareholders of A Co. Ltd)			
Bank a/c	Dr.	2,50,000	
To Share Call a/c			2,50,000
(Call money received)			

टिप्पणियां :—(1) नई कम्पनी द्वारा देय क्रय प्रतिफल 4,63,100 रु० है जिसमे से नकद, स्टॉक एवं देनदारों के मूल्य को घटाकर शेष बची राशि एकस्व का मूल्य मानी जायेगी।

(2) नई कम्पनी द्वारा पुरानी कम्पनी को देय क्रय प्रतिफल में से 74,500 रु० नकद देना है अत: पहले ग्रन्न निर्गमन की प्रविष्टि की जायेगी एवं इसके बाद क्रय प्रतिफल का भुगतान करने की प्रविष्टि होगी।

(3) पुरानी कम्पनी की वसूली पर हानि की गणना निम्न प्रकार की गई है :

Realisation Account

	Rs.		Rs.
To Patent Rights a/c	4,80,000	By New Company's a/c	
To Debtors a/c	45,000	(Purchase Consideration)	4,63,100
To Stock a/c	1,00,000	By Creditors a/c	
To Cash a/c	1,500	(Profit on Payment)	54,400
To Cash (Expenses) a/c	2,500	By Shareholders a/c	
		(Loss on Realisation)	1,11,500
	6,29,000		6,29,000

Illustration 23 : Enterprises Ltd. has just recovered from a great financial difficulty. Its Balance Sheet as on December 31, 1991 is as follows :

एन्टरप्राइजेज लिमिटेड अत्यधिक वित्तीय कठिनाइयों से निकली ही है। उसका 31 दिसम्बर, 1991 का चिट्ठा निम्न प्रकार है :

Liabilities	Amount	Assets	Amount
	Rs.		Rs.
Equity Share Capital	7,00,000	Buildings	4,00,000
5% Preference Share Capital	3,00,000	Plant and Machinery	2,00,000
Liabilities	1,50,000	Current Assets	2,00,000
		Profit and Loss Account	3,50,000
	11,50,000		11,50,000

Enterprises (1992) Ltd. is formed to take over Buildings at Rs. 3,00,000, Plant & Machinery Rs. 1,40,000 and Stock Rs. 60,000.

Purchase consideration is to be satisfied by 7% Preference shares (Rs. 100) and Equity shares (Rs. 10) of Enterprises (1992) Ltd. in the ratio of 3 : 2. Preference Shareholders are to be settled in full by allotment of the new Preference shares received.

Sundry debtors realised Rs. 1,50,000 and Rs. 1,10,000 was paid to creditors in full settlement. There is no other current assets except stock and debtors. Cost of winding up amounted to Rs. 10,000.

Give Journal entries and necessary ledger accounts in the books of Enterprises Ltd.

Also give journal entries in the books of Enterprises (1992) Ltd. and draft its Balance Sheet.

एन्टरप्राइजेज (1992) लिमिटेड की स्थापना भवन को 3,00,000 रु० में, प्लान्ट एवं मशीनरी को 1,40,000 रु० में एवं स्टॉक को 60,000 रु० में अधिग्रहित करने के लिए हुई।

क्रय प्रतिफल का भुगतान एन्टरप्राइजेज (1992) लिमिटेड के 100 रु० वाले 7% पूर्वाधिकार अंश एवं 10 रु० वाले ईक्विटी अंशों में 3 : 2 के अनुपात में होना है। पूर्वाधिकार अंशधारियों का प्राप्त नये पूर्वाधिकार अंशों के आबंटन से पूर्ण निपटारा करना है।

विविध देनदारों से 1,50,000 रु० वसूल हुए एवं लेनदारों को पूर्ण भुगतान में 1,10,000 रु० चुकाये। स्टॉक एवं देनदारों के अलावा अन्य कोई चालू सम्पत्ति नहीं है। समापन की लागत 10,000 रु० है।

एन्टरप्राइजेज लिमिटेड की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिये एवं आवश्यक खाते बनाइये। एन्टरप्राइजेज (1992) लिमिटेड की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिये तथा उनका चिट्ठा भी तैयार कीजिये।

Solution : **Calculation of Purchase Consideration**

	Rs.
Assets taken over by the New Co.	
Building	3,00,000
Plant & Machinery	1,40,000
Stock	60,000
Purchase Consideration	5,00,000

उपरोक्त क्रय प्रतिफल का भुगतान पूर्वाधिकार अंशों एवं ईक्विटी अंशों के 3 : 2 में निर्गमन से होगा अर्थात् 3,00,000 रु० के 7% पूर्वाधिकार अंश एवं 2,00,000 रु० के ईक्विटी अंशों में होगा।

Books of Enterprises Ltd.
Journal

			Rs.	Rs.
	Realisation a/c Dr. To Building a/c To Plant & Machinery a/c To Current Assets a/c (Sundry assets taken over by new company transferred to Realisation Account)		8,00,000	 4,00,000 2,00,000 2,00,000
	Liabilities a/c Dr. To Realisation a/c (Liabilities transferred to Realisation Account.)		1,50,000	 1,50,000
	Equity Share Capital a/c Dr. To Equity Shareholders a/c (Balance transferred.)		7,00,000	 7,00,000

Journal Continued....

Particulars		Rs.	Rs.
Preference Share Capital a/c Dr. To Preference Shareholders a/c (Balance transferred.)		3,00,000	3,00,000
Equity Shareholders a/c Dr. To Profit and Loss a/c (Debit balance of P & L A/c transferred to Equity Shareholders A/c)		3,50,000	3,50,000
Enterprises (1992) Ltd. Dr. To Realisation a/c (Purchase consideration due)		5,00,000	5,00,000
Equity Shares (in New Co.) a/c Dr. Preference Shares (in New Co.) a/c Dr. To Enterprises (1992) Ltd. (Purchase consideration received)		2,00,000 3,00,000	5,00,000
Bank a/c Dr. To Realisation a/c (Amount realised from debtors)		1,50,000	1,50,000
Realisation a/c Dr. To Bank a/c (Amount paid to creditors in full settlement of account)		1,10,000	1,10,000
Realisation a/c Dr. To Bank a/c (Winding up expenses incurred)		10,000	10,000
Equity Shareholders a/c Dr. To Realisation a/c (Realisation loss transferred)		1,20,000	1,20,000
Preference Shareholders a/c Dr. To Preference Shares (in New Co) a/c (Preference Shares in New Co. given allotted.)		3,00,000	3,00,000
Equity Shareholders a/c Dr. To Equity Shares (in New Co.) a/c To Bank a/c (Final payment made to Equity Shareholders)		2,30,000	2,00,000 30,000

Ledger Accounts

Realisation Account

Dr.	Rs.	Cr.	Rs.
To Buildings a/c	4,00,000	By Liabilities a/c	1,50,000
To Plant & Machinery a/c	2,00,000	By Bank (debtors) a/c	1,50,000
To Current Assets a/c	2,00,000	By Enterprises (1991) Ltd. a/c	5,00,000
To Bank (Payment of Liabilities)	1,10,000	By Equity Shareholders a/c (Loss on realisation)	1,20,000
To Bank (Cost of winding up)	10,000		
	9,20,000		9,20,000

Enterprises (1992) Ltd. Account

Dr.	Rs.	Cr.	Rs.
To Realisation a/c	5,00,000	By Equity Shares (in New Co.) a/c	2,00,000
		By Preference Shares (in New Co.) a/c	3,00,000
	5,00,000		5,00,000

Preference Shareholders Account

Dr.	Rs.	Cr.	Rs.
To 7% Preference Shares (in New Co.) a/c	3,00,000	By 5% Preference Share Capital a/c	3,00,000
	3,00,000		3,00,000

Bank Account

Dr.	Rs.	Cr.	Rs.
To Realisation a/c (Debtors)	1,50,000	By Realisation a/c (Creditors)	1,10,000
		By Realisation a/c (Cost of Winding up)	10,000
		By Equity Shareholders a/c (Final Payment)	30,000
	1,50,000		1,50,000

Equity Shareholders Account

Dr.	Rs.	Cr.	Rs.
To Profit & Loss a/c	3,50,000	By Equity Share Capital a/c	7,00,000
To Realisation a/c (Loss)	1,20,000		
To Equity Shares (in New Co) a/c	2,00,000		
To Bank a/c	30,000		
	7,00,000		7,00,000

Buildings Account

Dr.	Rs.	Cr.	Rs.
To Balance b/d	4,00,000	By Realisation a/c	4,00,000

Plant & Machinery Account

Dr.	Rs.	Cr.	Rs.
To Balance b/d	2,00,000	By Realisation a/c	2,00,000

Liabilities Account

Dr.	Rs.	Cr.	Rs.
To Realisation a/c	1,50,000	By Balance b/d	1,50,000

Current Assets Account

Dr.	Rs.	Cr.	Rs.
To Balance b/d	2,00,000	By Realisation a/c	2,00,000

Equity Share Capital Account

Dr.	Rs.	Cr.	Rs.
To Equity Shareholders a/c	7,00,000	By Balance b/d	7,00,000

Preference Share Capital Account

Dr.	Rs.		Cr. Rs.
To Preference Shareholders a/c	3,00,000	By Balance b/d	3,00,000

Profit & Loss Account

Dr.	Rs.		Cr. Rs.
To Balance b/d	3,50,000	By Equity Shareholders a/c	3,50,000

Equity Shares (in New Co.) Account

Dr.	Rs.		Cr. Rs.
To Enterprises (1992) Ltd.	2,00,000	By Equity Shareholders a/c	2,00,000

Preference Shares (in New Co) Account

Dr.	Rs.		Cr. Rs.
To Enterprises (1992) Ltd.	3,00,000	By Preference Shareholders a/c	3,00,000

Books of Enterprises (1991) Ltd.

Journal

			Rs.	Rs.
	Building a/c	Dr.	3,00,000	
	Plant and Machinery a/c	Dr.	1,40,000	
	Stock a/c	Dr.	60,000	
	To Liquiadtor of Enterprises Ltd.			5,00,000
	(Assets acquired.)			
	Liquidator of Enterprises Ltd.	Dr.	5,00,000	
	To Equity Share Capital a/c			2,00,000
	To 7% Preference Share Capital a/c			3,00,000
	(Purchase consideration paid)			

Balance Sheet of Enterprise (1992) Ltd

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
Equity Share Capital	2,00,000	Buildings	3,00,000
7% Preference Share Capital	3,00,000	Plant & Machinery	1,40,000
		Stock	60,000
	5,00,000		5,00,000

Illustration 2·4 : The Balance Sheet of Unfortunate Limited as on 31st December, 1991 was as under :

अनफोर्चुनेट लिमिटेड का 31 दिसम्बर, 1991 का चिट्ठा निम्न प्रकार था :—

Balance Sheet

Liabilities	Amount	Assets		Amount
	Rs.		Rs.	Rs.
Share Capital :		Fixed Assets :		
2,500 Equity Shares of Rs. 100		Land and Building	1,30,000	
each, fully paid	2,50,000	Plant and Machinery	75,000	
Sundry Creditors	1,25,000			2,05,000
		Current Assets :		
		Stock	50,000	
		Debtors	57,000	
		Cash	1,000	
				1,08,000
		Preliminary Expenses		5,500
		Profit & Loss Account		56,500
	3,75,000			3,75,000

The shareholders of the company resolved to take the company into voluntary liquidation and to form Fortunate Limited a new company with an authorised share capital of Rs. 10 lakhs to take over the business on the following terms :

(1) Preferential creditors of Rs. 15,000 are to be paid in full.

(2) Unsecured creditors to receive 50 paisa in a rupee in full settlement of their claims or par value in 7% Debentures of Fortunate Limited.

(3) 2,500 Equity shares of Rs. 100 each, Rs. 60 paid, to be distributed pro-rata to existing shareholders. Five shareholders holding 200 shares dissented and their interest was purchased at Rs. 50 per share by an assenting shareholder to whom the shares were

transferred. Half the unsecured creditors opted to be paid in cash, and the funds for this purpose were arranged by calling up the balance of Rs. 40 per share. Cost of liquidation amounting to Rs. 3,500 were discharged from the amount so called-up.

Compute the purchase consideration and prepare the Balance Sheet of the new company assuming that Plant and Machinery, Stock and Trade Debtors were acquired at their book values.

कम्पनी के अंशधारियों ने कम्पनी के ऐच्छिक समापन एवं 10 लाख रुपये की अधिकृत पूंजी से फोर्च्युनेट लिमिटेड, एक नई कम्पनी की निम्न शर्तों पर व्यापार अधिग्रहित करने के लिए स्थापना करने का प्रस्ताव पारित किया :

(1) 15,000 रु० के पूर्वाधिकार लेनदारों को पूर्ण भुगतान किया जायेगा।

(2) असुरक्षित लेनदार उनके दावों के पूर्ण भुगतान में प्रति रुपया 50 पैसे प्राप्त करेंगे अथवा सम मूल्य पर फोर्च्युनेट लिमिटेड के 7% ऋणपत्र प्राप्त करेंगे।

(3) वर्तमान अंशधारियों में 100 रु० वाले 60 रु० प्रदत्त 2,500 ईक्विटी अंश यथानुपात वितरित किये जायेंगे। पाँच अंशधारी जिनके पास 200 अंश थे, योजना से असहमत थे एवं उनके हित को 50 रु० प्रति अंश की दर पर योजना से सहमत एक अंशधारी द्वारा क्रय कर लिया गया जिसको अंश हस्तान्तरित कर दिये गये। आधे असुरक्षित लेनदारों ने नकद भुगतान का विकल्प काम में लिया एवं इनके भुगतान के लिए धन की व्यवस्था अंशों पर 40 रु० प्रति अंश की शेष राशि को माँग कर की गई। समापन की लागत 3,500 रु० का भुगतान उक्त अंशों पर माँगी गई राशि में से किया गया।

क्रय प्रतिफल की गणना कीजिये एवं नई कम्पनी का चिट्ठा यह मानते हुए तैयार कीजिये कि प्लान्ट एवं मशीनरी, स्टॉक एवं व्यापारिक देनदारों को पुस्तक मूल्य पर अधिग्रहित किया गया है।

Solution :

Calculation of Purchase Consideration

	Rs.	Rs.
(1) Payment to preferential creditors in cash		15,000
(2) Payment to unsecured creditors of Rs. 1,10,000		
(i) 50 paisa in a rupee paid in cash in full settlement of creditors for Rs. 55,000	27,500	
(ii) 7% Debentures for the remaining creditors for Rs. 55,000	55,000	82,500
(3) Payment to shareholders of Unfortunate Ltd. by issuing 2,500 Equity shares in Fortunate Ltd. of Rs. 100 each Rs. 60 paid up.		1,50,000
(4) Payment of liquidation expenses		3,500
Purchase Consideration		2,51,00

Balance Sheet of Fortunate Limited

Liabilities	Amount	Assets	Amount
	Rs.		Rs.
Share Capital :		**Fixed Assets :**	
Authorised Capital :		Land and Buildings	68,000
10,000 Equity Shares of		Plant and Machinery	75,000
Rs. 100 each	10,00,000	**Current Assets :**	
Issued & Subscribed Capital		Stock	50,000
2,500 Equity Shares of		Trade Debtors	57,000
Rs. 100 each fully paid	2,50,000	Cash Balance	55,000
Secured Loan :			
7% Debentures	55,000		
	3,05,000		3,05,000

टिप्पणियाँ :—(1) असहमत अंशधारियों के अंशों के निपटारे एवं हस्तान्तरण का स्थिति विवरण पर कोई प्रभाव नहीं होगा।

(2) भूमि एवं भवन का मूल्य इस प्रकार ज्ञात किया गया है :

		Rs.	Rs.
	Amount of Purchase Consideration		2,51,000
Less :	Plant & Machinery	75,000	
	Stock	50,000	
	Debtors	57,000	
	Cash	1,000	1,83,000
	Value of Land & Buildings		68,000

(3) स्थिति विवरण में दिखाये गये नकद शेष की राशि निम्न प्रकार से ज्ञात की गयी है :

Cash Account

	Rs.		Rs.
To Cash from Vendors	1,000	By Payment to Vendors :	
To Share Call Money	1,00,000	Preferential Creditors	15,000
		Unsecured Creditors	27,500
		Liquidation Expenses	3,500
		By Balance c/d	55,000
	1,01,000		1,01,000

पुरानी कम्पनी की पुस्तकों में पुनर्निर्माण खाता खोलना :

बाह्य पुनर्निर्माण की स्थिति में लेखांकन की एक वैकल्पिक विधि को अपनाया जा सकता है। इसके अन्तर्गत पुरानी कम्पनी की पुस्तकों में वसूली खाते (Realisation Account) के साथ साथ पुनर्निर्माण खाता

(Reconstruction Account) भी खोला जाता है। पुनर्निर्माण खाता खोलने पर पूर्व वर्णित लेखांकन प्रक्रिया में कुछ अन्तर होता है जो निम्न प्रकार है :

(1) पुनर्निर्माण खाता खोलने पर पुरानी कम्पनी की पुस्तकों में वसूली खाते में केवल नई कम्पनी द्वारा ली जाने वाली सम्पत्तियों एवं दायित्वों को पूर्व वर्णित विधि के अनुसार हस्तान्तरित कर दिया जाता है तथा क्रय प्रतिफल की राशि से वसूली खाता क्रेडिट कर दिया जाता है। वसूली खाते में अन्य कोई लाभ, संचय, हानियाँ, समापन व्यय आदि हस्तान्तरित नहीं किये जाते हैं। वसूली खाते का शेष केवल नई कम्पनी को हस्तान्तरित सम्पत्तियों एवं दायित्वों से होने वाले लाभ अथवा हानि को प्रकट करता है जिसे ईक्विटी अंशधारियों के खाते में हस्तान्तरित करने के बजाय पुनर्निर्माण खाते में स्थानान्तरित कर दिया जाता है।

(2) नई कम्पनी द्वारा नहीं लिये जाने वाली सम्पत्तियों एवं दायित्वों के सम्बन्ध में होने वाले लाभ अथवा हानि को वसूली खाते के बजाय पुनर्निर्माण खाते में हस्तान्तरित किया जाता है।

(3) पुरानी कम्पनी की कृत्रिम सम्पत्तियों, लाभ हानि खाते का डेबिट शेष, स्थगित आयगत व्यय आदि को ईक्विटी अंशधारियों के खाते में हस्तान्तरित न करके पुनर्निर्माण खाते में स्थानान्तरित कर दिया जाता है।

(4) पुरानी कम्पनी के एकत्रित लाभ एवं संचय (आयगत संचय एवं पूँजीगत संचय) को ईक्विटी अंशधारियों के खाते में स्थानान्तरित न करके पुनर्निर्माण खाते में स्थानान्तरित करते हैं।

(5) पुरानी कम्पनी के समापन व्ययों को भी पुनर्निर्माण खाते में ही स्थानान्तरित किया जाता है।

(6) ऋणपत्रधारियों एवं पूर्वाधिकार अंशधारियों को भुगतान करने के पश्चात् उनके खातों में कोई शेष बचा रहता है तो उसे भी पुनर्निर्माण खाते में ही स्थानान्तरित किया जाता है।

(7) उपरोक्त प्रक्रिया के अनुसार समायोजन करने के पश्चात् पुनर्निर्माण खाते में यदि कोई शेष बचता है तो वह पुनर्निर्माण पर लाभ अथवा हानि होती है जिसे ईक्विटी अंशधारियों के खाते में स्थानान्तरित कर दिया जाता है। इस प्रकार पुनर्निर्माण खाता बन्द हो जाता है।

उपरोक्त प्रक्रिया से लेखांकन पूर्ण हो जाने के पश्चात् पुरानी कम्पनी की लेखा पुस्तकें बन्द हो जाती हैं।

Illustration 2.5 : The Balance Sheet of H Ltd. as on 1st January, 1992 was as under :

1 जनवरी, 1992 को एच लिमिटेड का चिट्ठा निम्न प्रकार था :

Balance Sheet

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
Authorised and Issued Share Capital :		Goodwill	40,000
5,000 6% Cum. Pref. Shares of Rs. 10 each fully paid	50,000	Patents	15,000
15,000 Equity Shares of Rs. 10 each fully paid	1,50,000	Sundry Other Assets	1,64,500
6% Debentures	30,000	Cash	500
Creditors	20,000	Profit and Loss a/c	28,000
Note : Preference share dividend in arrear for four years		Preliminary Expenses	2,000
	2,50,000		2,50,000

A scheme of reconstruction was agreed upon as follows :

(1) A new company to be formed called J Ltd. with an authorised capital of Rs. 3,25,000 all in Equity shares of Rs 10 each.

(2) One Equity share, Rs. 5 paid up in the new company to be issued for each Equity share in the old company.

(3) Two Equity shares Rs. 5 paid up in the new company to be issued for each Preference share in the old company.

(4) Arrears of Preference share dividend to be cancelled.

(5) Debenture holders to receive 3,000 Equity shares in the new company credited as fully paid.

(6) Creditors to be taken over by the new company.

(7) The remaining unissued shares to be taken up and paid for in full by the directors.

(8) The new company will take over the old company's assets except patents subject to writing down sundry assets by Rs 35,000

(9) Patents were realised by H Ltd. for Rs 1,000.

Pass journal entries to close the books of H Ltd. through Reconstruction account method and prepare ledger accounts and also give the Balance Sheet of J Ltd. Reconstruction expenses of H Ltd. came to Rs. 1,000.

पुनर्निर्माण की एक योजना निम्न प्रकार तय की गयी :

(1) जे. लिमिटेड नाम से एक कम्पनी की 10 रुपये वाले ईक्विटी अंशों में विभाजित 3,25,000 रु० की अंश पूंजी से स्थापना की जाये।

(2) पुरानी कम्पनी में प्रत्येक ईक्विटी अंश के लिए नई कम्पनी में एक ईक्विटी अंश 5 रु० प्रदत्त निर्गमित किया जाये।

(3) पुरानी कम्पनी में प्रत्येक पूर्वाधिकार अंश के लिये नई कम्पनी में दो ईक्विटी अंश 5 रु० प्रदत्त निर्गमित किये जायें।

(4) पूर्वाधिकार अंश लाभांश की बकाया को रद्द कर दिया जाये।

(5) ऋणपत्रधारी नयी कम्पनी में 3,000 पूर्ण प्रदत्त ईक्विटी अंश प्राप्त करेंगे।

(6) लेनदारों को नई कम्पनी द्वारा ले लिया जाये।

(7) शेष अनिर्गमित अंशों को संचालकों द्वारा ले लिया जाये तथा पूर्ण भुगतान किया जाये।

(8) नयी कम्पनी पुरानी कम्पनी की सम्पत्तियों को (एकस्व को छोड़कर) ले लेगी, किन्तु विविध सम्पत्तियों को 35,000 रुपये से घटाकर लिया जायेगा।

(9) एकस्व से एच लिमिटेड द्वारा 1,000 रु० वसूल किये गये।

एच लिमिटेड की पुस्तकों को बन्द करने के लिए जर्नल प्रविष्टियां, पुनर्निर्माण खाता विधि द्वारा दीजिए तथा आवश्यक खाते खोलिए एवं जे. लिमिटेड का चिट्ठा भी बनाइये। एच. लिमिटेड के पुनर्निर्माण व्यय 1,000 रु० हुए।

Solution : **Calculation of Purchase Consideration**

	Shares allotted Nos.	Paid up value Rs.	Total Rs.
ऋणपत्रधारियों को	3,000	10	30,000
पूर्वाधिकार अंशधारियों को (प्रत्येक धारित अंश के लिए 2 अंश के हिसाब से)	10,000	5	50,000
ईक्विटी अंशधारियों को (प्रत्येक धारित अंश के लिए एक अंश के हिसाब से)	15,000	5	75,000
Total	28,000		1,55,000

Books of H Ltd.

Journal

				Rs.	Rs.
1992 Jan. 1	Realisation a/c	Dr.		2,05,000	
	To Goodwill a/c				40,000
	To Sundry Assets a/c				1,64,500
	To Cash a/c				500
	(Assets taken over by J. Ltd. transferred to Realisation Account)				
	Creditors a/c	Dr.		20,000	
	To Realisation a/c				20,000
	(Creditors taken over by J Ltd. transferred to Realisation Account)				
	6% Debentures a/c	Dr.		30,000	
	To Debentureholders a/c				30,000
	(Balance transferred)				
	6% Preference Share Capital a/c	Dr.		50,000	
	To Preference Shareholders a/c				50,000
	(Balance transferred)				
	Equity Share Capital a/c	Dr.		1,50,000	
	To Equity Shareholders a/c				1,50,000
	(Balance transferred)				

Date	Particulars		Rs.	Rs.
1992 Jan. 1	J Ltd.'s a/c	Dr	1,55,000	
	To Realisation a/c			1,55,000
	(Amount receivable from J Ltd. as purchase consideration)			
	Partly paid shares in J. Ltd. a/c	Dr.	1,25,000	
	Fully paid shares in J. Ltd. a/c	Dr.	30,000	
	To J Ltd's a/c			1,55,000
	(Shares in J Ltd. received in discharge of purchase consideration)			
	Reconstruction a/c	Dr.	30,000	
	To Realisation a/c			30,000
	(Loss on realisation transferred)			
	Reconstruction a/c	Dr.	30,000	
	To Profit & Loss a/c			28,000
	To Preliminary Expenses a/c			2,000
	(Losses transferred to Reconstruction Account.)			
	Cash a/c	Dr.	1,000	
	Reconstruction a/c	Dr.	14,000	
	To Patents a/c			15,000
	(Patents sold for Rs. 1,000 and loss debited to Reconstruction Account)			
	Reconstruction a/c	Dr.	1,000	
	To Cash a/c			1,000
	(Reconstruction expenses paid.)			
	Debentureholders a/c	Dr.	30,000	
	To Fully paid Shares in J Ltd. a/c			30,000
	(Full paid shares in J Ltd. distributed among Debentureholders.)			
	Equity Shareholders a/c	Dr.	75,000	
	To Reconstruction a/c			75,000
	(Loss on reconstruction transferred to Equity Shareholders account.)			
	Preference Shareholders a/c	Dr.	50,000	
	Equity Shareholders a/c	Dr.	75,000	
	To Partly paid Shares in J Ltd. a/c			1,25,000
	(Partly paid shares in J Ltd. distributed amongst both type of shareholders.)			

Ledger Accounts :

Realisation Account

Dr.	Rs.		Cr. Rs.
To Goodwill a/c	40,000	By Creditors a/c	20,000
To Sundry Assets a/c	1,64,500	By J Ltd.'s a/c	1,55,000
To Cash a/c	500	By Reconstruction a/c (Loss transferred)	30,000
	2,05,000		2,05,000

Goodwill Account

Dr.	Rs.		Cr. Rs.
To Balance b/d	40,000	By Realisation a/c	40,000

Sundry Assets Account

Dr.	Rs.		Cr. Rs.
To Balance b/d	1,64,500	By Realisation a/c	1,64,500

Cash Account

Dr.	Rs.		Cr. Rs.
To Balance b/d	500	By Realisation a/c	500
To Patents a/c	1,000	By Reconstruction a/c (expenses)	1,000
	1,500		1,500

Creditors Account

Dr.	Rs.		Cr. Rs.
To Realisation a/c	20,000	By Balance b/d	20,000

6% Debentures Account

Dr.	Rs.		Cr. Rs.
To Debenture holders a/c	30,000	By Balance b/d	30,000

Debenture holders Account

Dr.	Rs.		Cr. Rs.
To Shares in J Ltd. a/c	30,000	By 6% Debentures a/c	30,000

Dr. 6% Preference Share Capital Account Cr.

	Rs.		Rs.
To Preference Shareholders a/c	50,000	By Balance b/d	50,000

Dr. Preference Shareholders Account Cr.

	Rs.		Rs.
To Partly Paid Shares in J Ltd. a/c	50,000	By 6% Prefernce Share Cadital a/c	50,000

Dr. Equity Share Capital Account Cr.

	Rs.		Rs.
To Equity Shareholders a/c	1,50,000	By Balance b/d	1,50,000

Dr. Equity Shareholders Account Cr.

	Rs.		Rs.
To Reconstruction a/c	75,000	By Equity Share Capital a/c	1,50,000
To Partly Paid Shares in J Ltd. a/c	75,000		
	1,50,000		1,50,000

Dr. J Ltd. Account Cr.

	Rs.		Rs.
To Realisation a/c	1,55,000	By Shares in J Ltd. a/c	30,000
		By Shares in J Ltd. a/c	1,25,000
	1,55,000		1,55,000

Dr. Partly Paid Shares in J Ltd. Account Cr.

	Rs.		Rs.
To J Ltd.'s a/c	1,25,000	By Preference Shareholders a/c	50,000
		By Equty Shareholders a/c	75,000
	1,25,000		1,25,000

Dr. Fully Paid Shares in J Ltd. Account Cr.

	Rs.		Rs.
To J Ltd.'s a/c	30,000	By Debentureholders a/c	30,000

Reconstruction Account

Dr.	Rs.		Cr. Rs.
To Profit & Loss a/c	28,000	By Equity Shareholders a/c (Loss transferred)	75,000
To Preliminary Expenses a/c	2,000		
To Realisation a/c (Loss)	30,000		
To Patents a/c	14,000		
To Cash a/c (Expenses)	1,000		
	75,000		75,000

Patents Account

Dr.	Rs.		Cr. Rs.
To Balance b/d	15,000	By Cash a/c	1,000
		By Reconstruction a/c	14,000
	15,000		15,000

Book of J Ltd.

Balance Sheet of J Ltd.

as on 1st January, 1992

Liabilities	Amount	Assets	Amount
	Rs.		Rs.
Share Capital :		Goodwill	45,000
Authorised Capital :		Sundry Assets	1,29,500
32,500 Equity Shares of Rs. 10 each.	3,25,000	Cash Balance	45,500
Issued & Subscribed Capital :			
7,500 Equity Shares of Rs. 10 each *fully paid*	75,000		
25,000 Equity Shares of Rs. 10 each Rs. 5 paid up.	1,25,000		
Sundry Creditors	20,000		
	2,20,000		2,20,000

टिप्पणियां : (1) जे० लिमिटेड की अधिकृत पूंजी 3,25,000 रु० है जो 10 रु० वाले 32,500 ईक्विटी अंशों में विभाजित है। 28,000 ईक्विटी अंश क्रय प्रतिफल के लिए निर्गमित किये गये हैं अतः शेष 4,500 ईक्विटी अंश नकद के बदले पूर्णदत्त निर्गमित किये गये हैं।

(2) एच. लिमिटेड के रोकड़ शेष के 500 रु० तथा 4,500 ईक्विटी अंशों के निर्गमन से 45,000 रु० प्राप्त हुए हैं। इस प्रकार चिट्ठे में दिखाया गया नकद शेष 45,500 रु० है।

(3) एच. लिमिटेड की विविध सम्पत्तियाँ 1,64,500 रु० थी जिनको जे लिमिटेड ने (1,64,500 रु० – 35,000 रु०) 1,29,500 रु० मूल्य पर लिया है। एच. लिमिटेड के विविध लेनदार 20,000 रु० में लिए गये हैं। इस प्रकार ख्याति के अलावा ली गई सम्पत्तियों का शुद्ध मूल्य (1,29,500 रु० + 500 रु० – 20,000 रु०) 1,10,000 रु० है। क्रय प्रतिफल की राशि 1,55,000 रु० है। अतः ख्याति का मूल्य (1,55,000 रु० – 1,10,000 रु०) 45,000 रु० है।

विविध उदाहरण (Miscellaneous Illustrations)

Illustration 2·6. The creditors and shareholders having agreed upon a scheme of reconstruction, the United Trading Co. Ltd went into voluntary liquidation. The Balance Sheet at the date of reconstruction was as under :

यूनाइटेड ट्रेडिंग कम्पनी लिमिटेड के लेनदार एवं अंशधारी पुनर्निर्माण की एक योजना पर सहमत हुए और कम्पनी का ऐच्छिक समापन हुआ। पुनर्निर्माण की तिथि पर चिट्ठा निम्न प्रकार था :

Balance Sheet

Liabilities	Amount	Assets	Amount
	Rs.		Rs.
Share Capital :		Goodwill	40,000
25,000 Equity Shares of Rs 10		Buildings	95,000
each fully paid	2,50,000	Plant	1,05,000
5% Debentures	1,00,000	Stock	50,000
Trade Creditors	40,000	Debtors	60,000
Provision for Doubtful Debts	7,000	Bank	2,000
		P. & L. Account	45,000
	3,97,000		3,97,000

The following scheme of reconstruction is sanctioned :

(1) A new company UT Ltd. was to be formed with a share capital of Rs. 5,00,000 in 50,000 Equity shares of Rs. 10 each to take over from the above company stock and debtors at 20% less than the book value, buildings at Rs. 77,000 and plant at Rs. 1,00,000.

(2) The Debenture holders were to be satisfied by the issue of 6% Mortgage Debentures of Rs. 1,00,000 in the new company in exchange for old debentures.

(3) The trade creditors agreed to receive Rs. 35,000 from the new company in full settlement of their claims.

(4) The shareholders agreed to receive 25,000 Equity shares of Rs. 10 each, credited with Rs 5 per share paid up with a call of Rs. 2·50 per share to be made forthwith.

(5) The bank balance was utilised in payment of reconstruction expenses.

You are required to give the necessary journal entries to close the books of the old company. Also show the entries to open the books of the new company and the opening Balance Sheet.

पुनर्निर्माण की निम्न योजना स्वीकृत हुई है :

(1) उपर्युक्त कम्पनी से स्टॉक एवं देनदार पुस्तक मूल्य से 20% कम पर, भवन 77,000 रु० पर तथा प्लान्ट 1,00,000 रु० पर खरीदने के लिए एक नयी कम्पनी यूटी लिमिटेड की 10 रु० वाले 50,000 ईक्विटी अंशों में विभाजित 5,00,000 रु० की पूँजी से स्थापना की जाये।

(2) ऋणपत्रधारियों को पुराने ऋणपत्रों के बदले में 1,00,000 रु० के 6% बंधक ऋणपत्रों का नयी कम्पनी में निर्गमन किये जायें।

(3) व्यापारिक लेनदारों ने नयी कम्पनी से अपने दावों के पूर्ण भुगतान के लिए 35,000 रु० लेना स्वीकार किया।

(4) अंशधारियों ने 10 रु० वाले 5 रु० प्रति अंश प्रदत्त 25,000 ईक्विटी अंश जिन पर 2.50 रु० प्रति अंश की याचना की जानी है, लेना स्वीकार किया।

(5) बैंक शेष का प्रयोग पुनर्निर्माण व्ययों को चुकाने में किया गया।

आप पुरानी कम्पनी की पुस्तकों को बन्द करने के लिए आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए। नयी कम्पनी की पुस्तकें चालू करने के लिए प्रविष्टियाँ कीजिए तथा प्रारम्भिक चिट्ठा भी बनाइये।

Solution :

Books of United Trading Co. Ltd.

Journal		Dr.	Cr.
		Rs.	Rs.
Realisation a/c	Dr.	3,50,000	
To Goodwill a/c			40,000
To Buildings a/c			95,000
To Plant a/c			1,05,000
To Stock a/c			50,000
To Debenturs a/c			60,000
(Assets taken over transferred to realisation a/c.)			
UT. Co. Ltd.	Dr.	2,60,000	
To Realisation a/c			2,60,000
(Purchase consideration due)			
5% Debentures a/c	Dr.	1,00,000	
To Debentures holders a/c			1,00,000
(Balance transferred.)			
Equity Share Capital a/c	Dr.	2,50,000	
To Equity Shareholders a/c			2,50,000
(Balance transferred.)			

(*Contd ....*)

	Rs.	Rs.
Equity Shareholders a/c Dr. To Profit & Loss a/c (Debit balance of Profit and Loss a/c transferred)	45,000	45,000
Provision for Doubtful Debts a/c Dr To Realisation a/c (Balance transferred)	7,000	7,000
Equity Shares in UT Co. Ltd a/c Dr. 6% Mortgage Debentures in UT Co. Ltd a/c Dr. Bank a/c Dr. To UT Co. Ltd. (Purchase consideration received)	1,25,000 1,00,000 35,000	2,60,000
Debenture holders a/c Dr. To 6% Mortgage Debentures in UT Co. Ltd. a/c (Debenture holders claim satisfied)	1,00,000	1,00,000
Trade Creditors a/c Dr. To Bank a/c To Realisation a/c (Trade creditors, claim satisfied and profit transferred to realisation a/c)	40,000	35,000 5,000
Realisation a/c Dr. To Bank a/c (Reconstruction expenses paid)	2,000	2,000
Equity Shareholders a/c Dr. To Realisation a/c (Loss on realisation transferred)	80,000	80,000
Equity Shareholders a/c Dr. To Equity Shares in UT Co. Ltd. a/c (Equity shareholders' claim satisfied)	1,25,000	1,25,000

Books of UT Co. Ltd. Journal Dr. Cr.

Date	Particulars		Amount	Amount
			Rs.	Rs.
	Buildings a/c	Dr.	77,000	
	Plant a/c	Dr.	1,00,000	
	Stock a/c	Dr.	40,000	
	Debtors a/c	Dr.	48,000	
	To Liquidator of United Trading Co. Ltd.			2,60,000
	To Capital Reserve a/c			5,000
	(Assets taken over and Capital Reserve on it recorded)			
	Equity Share Call a/c	Dr.	62,500	
	To Equity Share Capital a/c			62,500
	(Call money due on 25,000 Shares @ Rs. 2·50)			
	Bank a/c	Dr.	62,500	
	To Equity Share Call a/c			62,500
	(Call money received)			
	Liquidator of United Trading Co. Ltd.	Dr.	2,60,000	
	To Equity Share Capital a/c			1,25,000
	6% Mortgage Debentures a/c			1,00,000
	To Bank a/c			35,000
	(Purchase consideration discharged)			

Balance Sheet of UT Co. Ltd *as at*.......

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
Share Capital :		Buildings	77,000
Authorised Capital :		Plant	1,00,000
50,000 Equity Shares of Rs. 10 each	5,00,000	Stock	40,000
Subscribed & Paid up Capital :		Debtors	48,000
25,000 Equity Shares of Rs. 10 each Rs. 7·50 per share paid up	1,87,500	Bank	27,500
Capital Reserve	5,000		
6% Mortgage Debentures	1,00,000		
	2,92,500		2,92,500

टिप्पणियाँ : (1) Calculation of Purchase Consideration :

		Rs.
(i)	For Debentureholders : 6% Mortgage Debentures	1,00,000
(ii)	For Trade Creditors (in Cash)	35,000
(iii)	For Equity Shareholders : 25,000 Equity Shares of Rs. 10 each Rs. 5 paid up	1,25,000
	Purchase Consideration	2,60,000

(1) **Calculation of Capital Reserve :**

Value of assets taken over : Buildings, Plant, Stock, Debtors, Goodwill (written off)
Rs. 77,000 1,00,000 + 40,000 − 48,000

= Rs. 2,65,000 − Rs 2,60,000 (Purchase Consideration)

= Rs. 5,000 (Capital Reserve)

(3) Calculation of Loss on Realisation :

Realisation Account

	Rs.		Rs.
To Goodwill a/c	40,000	By UT Co. Ltd.	2,60,000
To Buildings a/c	95,000	By Provision for Doubtful Debts	7,000
To Plant a/c	1,05,000	By Trade Creditors a/c	5,000
To Stock a/c	50,000	By Equity Shareholders a/c (Loss)	80,000
To Debtors a/c	60,000		
To Bank a/c (Reconstruction Expenses)	2,000		
	3,52,000		3,52,000

Illustration 27 : The Balance Sheet of the Bharat Silk Ltd. is as under :
भारत सिल्क लिमिटेड का चिट्ठा निम्न प्रकार है :

Balance Sheet

Liabilities	Amount	Assets	Amount
	Rs.		Rs.
Share Capital :		Freehold Premises	50,000
10,000 Shares of Rs 100 each fully paid up	10,00,000	Plant & Machinery	7,00,000
1,000 6% Debentures of Rs. 100 each	1,00,000	Stock	1,00,000
Sundry Creditors	30,600	Debtors	75,000
Employees' Provident Fund	30,000	Cash	7,950
		Profit & Loss Account	2,27,650
	11,60,600		11,60,600

The Company decided to go into voluntary liquidation with a view to reconstruction under the name of the New Bharat Silk Ltd. The following scheme received the approval of shareholders and creditors :

(1) Assets and liabilities to be taken over by the new company.

(2) Sundry creditors to be discharged by the new company by a cash composition of 75 paise in the rupee.

(3) 200 Debentures to be redeemed in cash at Rs. 75 per debenture and for the remaining debentures 6% Debentures in the new company to be issued at par. The debentures to be discharged by the new company.

(4) Employees' Provident Fund to be maintained.

(5) 1,00,000 shares of Rs. 10 each credited as Rs. 6 paid up to be issued by the new company to the shareholders of the old company. The unpaid amount on *the shares being payable immediately on allotment.*

(6) The book values of the assets to be reduced proportionately.

Give ledger accounts to close the books of the old company and opening journal entries in the books of new company. Also prepare the Balance Sheet of the new company after the above scheme is carried out in full.

न्यू भारत सिल्क लिमिटेड के नाम में पुनर्निर्माण के उद्देश्य से कम्पनी ने स्वैच्छिक समापन का निश्चय किया । निम्न योजना को अंशधारियों तथा लेनदारों की स्वीकृति प्राप्त हुई :

(1) नयी कम्पनी द्वारा सम्पत्ति एवं दायित्व ग्रहण किये जायें ।

(2) विविध लेनदारों को नयी कम्पनी द्वारा रुपये में 75 पैसे की दर से भुगतान किया जाये ।

(3) 200 ऋणपत्रों को 75% रु० प्रति ऋणपत्र की दर से शोधन किया जाये तथा शेष ऋणपत्रों के लिए नयी कम्पनी से 6% ऋणपत्र सम मूल्य पर निर्गमित किये जायें। ऋणपत्रों का भुगतान नयी कम्पनी द्वारा किया जाये ।

(4) कर्मचारी भविष्य निधि कम्पनी की पुस्तकों में कायम रखी जाये ।

(5) नयी कम्पनी द्वारा पुरानी कम्पनी के अंशधारियों को 10 रु० प्रति अंश वाले 1,00,000 अंश 6 रु० प्रति अंश क्रेडिट किये जायें । अंशों पर शेष राशि का भुगतान आवंटन के तुरन्त बाद देय हो ।

(6) सम्पत्तियों के पुस्तक मूल्य में आनुपातिक कमी की जाये ।

पुरानी कम्पनी की पुस्तकें बन्द करने के लिए खाते बनाइये तथा नयी कम्पनी की पुस्तकों में प्रारम्भिक जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए । उपर्युक्त योजना के कार्यान्वित होने के पश्चात् नयी कम्पनी का चिट्ठा भी बनाइये ।

Solution : Books of Bharat Silk Ltd.) Ledger Accounts)

Realisation Account

	Rs.		Rs.
To Freehold Premises a/c	50,000	By 6% Debentures a/c	1,00,000
To Plant & Machinery a/c	7,00,000	By Sundry Creditors a/c	30,600
To Stock a/c	1,00,000	By Employees' Provident Fund a/c	30,000
To Debtors a/c	75,000	By New Bharat Silk Ltd.	6,00,000
To Cash a/c	7,950	By Shareholders a/c (Loss)	1,72,350
	9,32,950		9,32,950

Freehold Premises Account

	Rs.		Rs.
To Balance b/d	50,000	By Realisation a/c	50,000

Plant & Machinery Account

	Rs.		Rs.
To Balance b/d	7,00,000	By Realisation a/c	7,00,000

Stock Account

	Rs.		Rs.
To Balance b/d	1,00,000	By Realisation a/c	1,00,000

Debtors Account

	Rs.		Rs.
To Balance b/d	75,000	By Realisation a/c	75,000

Cash Account

	Rs.		Rs.
To Balance b/d	7,950	By Realisation a/c	7,950

6% Debentures Account

	Rs.		Rs.
To Realisation a/c	1,00,000	By Blance b/d	1,00,000

Sundry Creditors Account

	Rs.		Rs.
To Realisation a/c	30,600	By Balance b/d	30,600

Employees' Provident Fund Account

	Rs.		Rs.
To Realisation a/c	30,000	By Balance b/d	30,000

Share Capital Account

	Rs.		Rs.
To Shareholders a/c	10,00,000	By Balance b/d	10,00,000

Profit and Loss Account

	Rs.		Rs.
To Balance b/d	2,27,650	By Shareholders a/c	2,27,650

New Bharat Silk Ltd.

	Rs		Rs.
To Realisation a/c	6,00,000	By Shares in New Bharat Silk Ltd. a/c	6,00,000

Shares in New Bharat Silk Ltd. Account

	Rs.		Rs.
To New Bharat Silk Ltd.	6,00,000	By Shareholders a/c	6,00,000

Shareholders Account

	Rs.		Rs.
To Profit & Loss a/c	2,27,650	By Share Capital a/c	10,00,000
To Realisation a/c	1,72,350		
To Shares in New Bharat Silk Ltd. a/c	6,00,000		
	10,00,000		10,00,000

Books of New Bharat Silk Ltd. Journal Dr. Cr.

Date	Particulars		Rs.	Rs.
	Freehold Premises a/c	Dr.	40,000	
	Plant & Machinery a/c	Dr.	5,60,000	
	Stock a/c	Dr.	80,000	
	Debtors a/c	Dr.	60,000	
	Cash a/c	Dr	7,950	
	To 6% Debentures a/c			95,000
	To Sundry Creditors a/c			22,950
	To Employees' Provident Fund a/c			30,000
	To Liquidator of Bharat Silk Ltd.			6,00,000
	(Assets and Liabilities taken over and purchase consideration due.)			
	Liquidator of Bharat Silk Ltd.	Dr.	6,00,000	
	To Share Capital a/c			6,00,000
	(Purchase consideration discharged by allotment of 1,00,000 shares of Rs 10 each Rs. 6 paid up)			
	Bank a/c	Dr	4,00,000	
	To Share Capital a/c			4,00,000
	(Call money @ Rs. 4 per share received.)			
	Sundry Creditors a/c	Dr	22,950	
	To Bank a/c			22,950
	(Sundry Creditors paid)			
	6% Debentures a/c	Dr	95,000	
	To Bank a/c			15,000
	To 6% (New) Debentures a/c			80,000
	(Old debentures discharged partly in cash and partly by issue of new debentures)			

Balance Sheet of New Bharat Silk Ltd.
as at ....

Liabilities	Amount	Assets	Amount
	Rs.		Rs.
Share Capital		**Fixed Assets :**	
Authorised, Issued and		Freehold Premises	40,000
Subscribed Capital :		Plant & Machinery	5,60,000
1,00,000 Shares of Rs. 10 each		**Current Assets :**	
fully paid	10,00,000	Stock	80,000
6% Debentures	80,000	Debtors	60,000
Employees' Provident Fund	30,000	Cash and Bank	3,70,000
	11,10,000		11,10,000

टिप्पणियाँ :

(1) नयी कम्पनी द्वारा पुरानी कम्पनी की समस्त सम्पत्तियाँ एवं दायित्वों को ले लिया गया है तथा अंशधारियों को 1,00,000 अंश 6 रु० प्रदत्त मूल्य के दिये गये हैं। अतः क्रय प्रतिफल की राशि 6,00,000 रु० होगी।

(2) नयी कम्पनी द्वारा ली गई सम्पत्तियों का कुल मूल्य इस प्रकार ज्ञात किया गया है :

		Rs.
	Purchases Consideration	6,00,000
Add :	Liabilities assumed : Sundry Creditors (30,600 × ·75)	22,950
	Debentures (200 × 75) + (80,000)	95,000
	Employees' Provident Fund	30,000
	Value of assets taken over	7,47,950

(3) सम्पत्तियों के तय मूल्यानुसार विभिन्न सम्पत्तियों के मूल्य में आनुपातिक कमी की जानी है अतः विभिन्न सम्पत्तियों के तय मूल्य निम्न प्रकार होंगे :

Assets Purchased	Book-Value	Decrease	Agreed Value
	Rs.	Rs.	Rs.
Freehold Premises	50,000	10,000	40,000
Plant & Machinery	7,00,000	1,40,000	5,60,000
Stock	1,00,000	20,000	80,000
Debtors	75,000	15,000	60,000
Cash	7,950	—	7,950
	9,32,950	1,85,000	7,47,950

(4) नकद एवं बैंक शेष की राशि निम्न प्रकार ज्ञात की गई है :

Cash and Bank Account

	Rs.		Rs.
To Cash from Vendor	7,950	By Sundry Creditors	22,950
To Call money received	4,00,000	By 6% Debentures	15,000
		By Balance c/d	3,70,000
	4,07,950		4,07,950

प्रश्न (Questions)

सैद्धान्तिक प्रश्न (Theoretical Questions) :

1. What do you mean by External Reconstruction ? Discuss the methods of calculating purchase consideration payable to company goes in liquidation under reconstruction.

बाह्य पुनर्निर्माण से आपका क्या आशय है ? पुनर्निर्माण के अन्तर्गत समापन में जाने वाली कम्पनी को देय क्रय प्रतिफल की गणना करने की विधियों का वर्णन कीजिए।

2. Discuss the objects of external reconstruction. What are the provisions of *Companies Act relating to external reconstruction. ?*

बाह्य पुनर्निर्माण के उद्देश्य बतलाइये। बाह्य पुनर्निर्माण के सम्बन्ध में कम्पनी अधिनियम के क्या प्रावधान हैं ?

3 What accounting treatment will be made in External Reconstruction for the following :

(a) Liquidation expenses of old company paid by the new company.

(b) Settlement of arrears of Preference Share Dividend of old company by new company, and

(c) Assets and liabilities of old company not taken over by the new company.

बाह्य पुनर्निर्माण के अन्तर्गत निम्नलिखित के लिए लेखांकन व्यवहार क्या होगा ?

(अ) पुरानी कम्पनी के समापन व्ययों का नई कम्पनी द्वारा भुगतान;

(ब) पुरानी कम्पनी के पूर्वाधिकार अंश लाभांश की बकाया का नयी कम्पनी द्वारा निपटारा; तथा

(स) पुरानी कम्पनी की सम्पत्तियाँ एवं दायित्व जिसे नई कम्पनी ने नहीं लिया है।

व्यावहारिक प्रश्न (Practical Questions)

4. The Balance Sheet of A Ltd. is given below :

ए लिमिटेड का चिट्ठा निम्न प्रकार है :

Liabilities		Amount	Assets	Amount
		Rs.		Rs.
Issued Capital :			Freehold Property	2,40,000
2,000 7% Preference Shares of			Patents	98,000
Rs. 100 each fully paid		2,00,000	Stock	72,000
24,000 Equity Shares of Rs. 10			Debtors	48,000
each fully paid		2,40,000	Bank	2,000
10% Debentures	40,000		Profit and Loss a/c	60,000
Add : Interest accrued	4,000			
		44,000		
Creditors		36,000		
		5,20,000		5,20,000

Note : The Preference share dividends are in arrears for 3 years.

The following scheme was resolved and sanctioned :

(1) B Ltd. to be formed to take over the business.

(2) One equity share of Rs. 50 each, fully paid, in the new company to be issued for every thirty equity shares in old company.

(3) Eight equity shares of Rs. 50 each fully paid, in the new company, to be issued for every five preference shares in the old company.

(4) Debenture-holders and creditors to be paid by the new company, Rs. 100 9% Debentures will be issued to Debentureholders and Rs. 50 each fully paid equity shares in B Ltd. will be issued to creditors for 80% of their claims in full settlement.

(5) Patents are considered worthless.

(6) Arrears of Preference dividend to be cleared by issuing one Rs. 50 fully paid share in B Ltd. for every five preference shares held.

Pass the closing entries in the Books of A Ltd. and opening entries in the Books of B Ltd. Also prepare Balance Sheet of B Ltd.

निम्नलिखित योजना प्रस्तावित एवं स्वीकृत हुई :—

(1) व्यापार के अधिग्रहण के लिए 'बी' लिमिटेड की स्थापना की जाये।

(2) पुरानी कम्पनी में धारित प्रति 30 ईक्विटी अंशों के लिए, नयी कम्पनी में 50 रु० वाला पूर्ण प्रदत्त एक ईक्विटी अंश निर्गमित किया जाये।

(3) पुरानी कम्पनी में धारित प्रति 5 पूर्वाधिकार अंशों के लिए, नयी कम्पनी में 50 रु० वाले पूर्ण प्रदत्त 8 ईक्विटी अंश निर्गमित किये जायें।

(4) ऋणपत्रधारियों एवं लेनदारों का भुगतान नयी कम्पनी करेगी। ऋणपत्रधारियों को 100 रु० वाले 9% ऋण पत्र निर्गमित किये जायेंगे एवं लेनदारों को उनके पूर्ण भुगतान में उनके दावों के 80% के लिए बी लिमिटेड में 50 रु० वाले प्रदत्त ईक्विटी अंश निर्गमित किये जायेंगे।

(5) एकस्व को मूल्यहीन समझा गया है।

(6) पूर्वाधिकार अंशों पर बकाया लाभांश के लिए प्रति 5 धारित पूर्वाधिकार अंशों के लिए एक 50 रु० वाला पूर्ण प्रदत्त ईक्विटी अंश बी लिमिटेड में निर्गमित किया जायेगा।

ए लिमिटेड की पुस्तकों में अन्तिम प्रविष्टियाँ एवं बी लिमिटेड की पुस्तकों में प्रारम्भिक प्रविष्टियाँ दीजिए। बी लिमिटेड का स्थिति विवरण भी बनाइये।

Answer : Purchase Consideration Rs. 2,92,800 Total of B/S Rs 3,62,000. **(2·1)**

5 The Disappointed Ltd was unsuccessful and had to be reconstructed. For this purpose Hopeful Ltd. was incorporated with an authorised capital of 50,000 shares of Rs 10 each. The shareholders in Disappointed Ltd. were to receive two shares of Rs 10 each credited as Rs. 6 paid for every three shares held The balance of Rs. 4 was to be paid as to Rs. 2 on application and Rs. 2 on allotment The trial balance of Disappointed Ltd on the date of reconstruction was as follows :

डिसअपाइन्टेड लिमिटेड के असफल रहने के कारण उसका पुनर्निर्माण करना पड़ा। इस उद्देश्य के लिए 10 रु० वाले 50,000 अंशों की अधिकृत पूँजी से होपफुल लिमिटेड की स्थापना की गई। डिसअपाइन्टेड लिमिटेड के अंशधारी प्रति 3 धारित अंशों के लिए 10 रु० वाले 2 अंश 6 रु० प्रदत्त प्राप्त करेंगे। शेष 4 रु० प्रति अंश की राशि 2 रु० आवेदन पर एवं 2 रु० आवंटन पर देय थी। डिसअपाइन्टेड लिमिटेड का पुनर्निर्माण की तिथि को तलपट निम्न प्रकार था :—

	Dr. Rs.	Cr. Rs.
Share Capital 50,000 Shares of Rs. 10 each fully paid		5,00,000
Creditors		1,50,000
Patent Rights	2,50,000	
Sundry Debtors	1,45,000	
Stock	70,000	
Cash at Bank	15,000	
Preliminary Expenses	20,000	
Profit and Loss Account	1,50,000	
	6,50,000	6,50,000

The creditors were to be discharged by the new company on the following basis—

लेनदारों को नई कम्पनी द्वारा भुगतान निम्न आधार पर किया जायेगा—

	Rs.	
Preferential Creditors	20,000	full in Cash
Creditors for Rs 80,000	50,000	in Cash
Creditors for Rs. 50,000	50,000	in Debentures

The cost of liquidation amounted to Rs. 3,000 which was also met by Hopeful Ltd. Fractions of shares in all amounted to $133\frac{1}{3}$ shares in terms of shares of Hopeful Ltd. for which cash was paid. The other shares were duly alloted and all payment due in respect of them received by Hopeful Ltd. 5,000 of the unissued shares were offered to the public and were underwritten by M/s Mehta Financial Consultants for a commission of 4 per cent. All the shares offered were taken up and paid for in cash. Close the books of Disappointed Ltd. and open the books of Hopeful Ltd. by means of journal entries and give its Balance Sheet. The value of Patent rights being adjusted to the required extent.

समापन की लागत 3,000 रु० थी जिसका भुगतान भी होपफुल लिमिटेड द्वारा किया गया। होपफुल लिमिटेड के अंशों के विभिन्न टुकड़े (Fractions) $133\frac{1}{3}$ अंशों के बराबर थे जिसके लिए नकद भुगतान किया गया। अन्य अंशों को विधिवत आवंटित किया गया एवं उन पर देय समस्त भुगतान होपफुल लिमिटेड द्वारा प्राप्त कर लिया गया। अनिर्गमित अंशों में से 5,000 अंश जनता को प्रस्तावित किये गये एवं मैसर्स मेहता फाइनेन्सीयल कन्सलटैंट द्वारा 4% कमीशन पर अभिगोपित किये गये। समस्त प्रस्तावित अंश ले लिये गये एवं नकद भुगतान कर दिया गया। जर्नल प्रविष्टियों के माध्यम से डिसअपाइन्टेड लिमिटेड की पुस्तकों को बन्द कीजिये एवं होपफुल लिमिटेड की पुस्तकों को प्रारम्भ कीजिये एवं इसका चिट्ठा बनाइये। एकस्व अधिकारों के मूल्य को आवश्यक सीमा तक समायोजित किया गया है।

Answer : Loss on Realisation of Disappointed Ltd. Rs. 1,30,000; Total of Balance Sheet Rs 4,32,000, Purchase consideration Rs. 3,20,000, being Rs. 70,800 in Cash, Rs. 50,000 in Debentures, Rs. 1,99,200 in 33,200 Equity Shares of Rs. 6 each. (2·2)

6. The Balance Sheet as on December 31, 1991 of the Alpha Co. Ltd. was as follows—

31 दिसम्बर, 1992 को एल्फा कम्पनी लिमिटेड का चिट्ठा निम्न प्रकार था—

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
Share Capital :		Land and Buildings	65,000
1,000 Shares of Rs. 100		Machinery	22,000
each fully paid up	1,00,000	Furniture	3,000
8% Debentures	40,000	Stock	25,000
Creditors	6,000	Debtors	15,000
		Cash	4,000
		Profit and Loss Account	12,000
	1,46,000		1,46,000

It was decided to reconstruct the company and for this purpose a new company called the Beta Co. Ltd. was formed with nominal capital of Rs. 1,00,000 divided into 500 9% Preference shares of Rs. 100 each and 500 Equity shares of Rs. 100 each. The assets and liabilities of the Alpha Co. Ltd. are taken over on the following basis :

(a) The debenture holders in Alpha Co. Ltd. are to accept 400 Preference shares;

(b) The shareholders of Alpha Co. Ltd. are to receive one Equity share in Beta Co. Ltd. for every two shares held by them; and

(c) The cost of liquidation amounting to Rs. 600 is paid by the new company. The balance of Preference shares has been issued and taken up by the public.

Give important ledger accounts in the books of Alpha Co. Ltd. and Journal Entries in the books of Beta Co. Ltd. Also prepare Balance Sheet of Beta Co. Ltd.

यह निश्चय किया गया कि कम्पनी का पुनर्निर्माण किया जाये एवं इस उद्देश्य के लिए एक नई कम्पनी बीटा लिमिटेड की स्थापना 1,00,000 रु० की अधिकृत पूंजी से की जाये जो कि 100 रु० वाले 9% 500 पूर्वाधिकार अंशों में एवं 100 रु० वाले 500 ईक्विटी अंशों में विभक्त थी। एल्फा कम्पनी लिमिटेड की सम्पत्तियों एवं दायित्वों को निम्नलिखित आधार पर अधिग्रहित किया गया :

(अ) एल्फा कम्पनी लिमिटेड के ऋणपत्रधारी 400 पूर्वाधिकार अंश स्वीकार करते हैं; (ब) एल्फा कम्पनी लिमिटेड के अंशधारी प्रति 2 धारित अंशों के लिए बीटा कम्पनी में एक ईक्विटी अंश प्राप्त करते हैं; एवं (स) समापन की लागत 600 रु० का भुगतान नई कम्पनी करती है। शेष पूर्वाधिकार अंश जनता में निर्गमित किये गये एवं जनता द्वारा ले लिये गये।

एल्फा कम्पनी की पुस्तकों में महत्वपूर्ण खाते दीजिये एवं बीटा कम्पनी लिमिटेड की पुस्तकों में आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिये। बीटा कम्पनी लिमिटेड का चिट्ठा भी तैयार कीजिये।

Answer : Purchase consideration Rs. 90,600 and Loss on realisation Rs. 38,000. Capital reserve in the books of Beta Co. Ltd. Rs. 37,400, Balance Sheet Total Rs. 1,43,400. (2 3)

7. Given below is the Balance Sheet of Sick Unit Ltd. as at March 31, 1992 :
सिक यूनिट लिमिटेड का 31 मार्च, 1992 का चिट्ठा नीचे दिया गया है :

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
40,000 Shares of Rs. 10 each		Land and Buildings	3,20,000
fully paid	4,00,000	Plant and Machinery	1,30,000
Creditors	3,00,000	Stock	70,000
		Debtors	1,20,000
		Cash	500
		Preliminary Expenses	5,000
		Profit and Loss Account	54,500
	7,00,000		7,00,000

The following scheme of reconstruction was arranged :

(1) The company to go into liquidation and a new company with an authorised capital of Rs. 8,00,000 to be formed to take over the assets and liabilities.

(2) Preferential creditors of Rs. 10,000 included in the above Balance Sheet are to be paid in full.

(3) Unsecured creditors to receive either

(a) 50 per cent of their claim in cash, or (b) 6 per cent debentures in the new company, equivalent to their claims at par.

(4) Shareholders in Sick Unit Ltd. to be alloted one share in the new company of Rs. 10 each, Rs. 5 per share paid for every existing share held by them.

(5) Reconstruction cost amounting to Rs. 6,000 to be paid by Sick Unit Ltd. from cash made available by the company.

Half of the unsecured creditors in value opted for immediate cash payment. For that purpose necessary cash was made available by the new company which made a call of Rs. 5 each on the partly paid shares alloted as aforesaid at book value. The new company valued all assets (except Land and Buildings) taken over from Sick Unit Ltd. at book value

Prepare the Balance Sheet of the new company after the above transactions are concluded.

निम्नलिखित पुनर्निर्माण की योजना तैयार की गई थी :

(1) कम्पनी समापन में चली जाये एवं उसकी सम्पत्तियों एवं दायित्वों को लेने के लिए 8,00,000 रु० की अधिकृत पूंजी से एक नई कम्पनी की स्थापना की जाये।

(2) उपरोक्त स्थिति विवरण में सम्मिलित 10,000 रु० के पूर्वाधिकार लेनदारों का पूर्ण भुगतान किया जाये।

(3) असुरक्षित लेनदार या तो (अ) अपने दावों का 50 प्रतिशत नकद में प्राप्त करें, या (ब) अपने दावों के मूल्य के बराबर 6% ऋण पत्र नई कम्पनी में सम मूल्य पर प्राप्त करें।

(4) सिक यूनिट लिमिटेड के अंशधारियों को प्रति धारित अंश के लिए नई कम्पनी में 10 रु० वाला एक अंश 5 रु० प्रदत्त मानकर आवंटित किया जाये।

(5) पुनर्निर्माण की लागत 6,000 रु० का भुगतान सिक यूनिट लिमिटेड द्वारा नई कम्पनी द्वारा उपलब्ध कराये गये नकद धन में से किया गया।

आधे मूल्य के असुरक्षित लेनदारों ने तुरन्त नकद भुगतान का विकल्प काम में लिया जिसके लिए नई कम्पनी ने उपरोक्त वर्णित अंशतः प्रदत्त अंशों पर 5 रु० प्रति अंश के हिसाब से मांग राशि मांग कर आवश्यक नकद राशि उपलब्ध करायी। नई कम्पनी ने भूमि एवं भवन को छोड़कर सभी ली गई सम्पत्तियों को पुस्तक मूल्य पर मूल्यांकित किया। उपरोक्त व्यवहारों को सम्मिलित करने के पश्चात् नई कम्पनी का चिट्ठा बनाइये।

Answer : Purchase consideration Rs 4,33,500; Rs. 88,500 in cash, Rs. 1,45,000 in Debentures and Rs. 2,00,000 in Shares. Total of Balance Sheet Rs. 5,45,000, value of Building Rs. 1,13,000. **(24)**

8. The books of Hard Luck Ltd. contained the following balances on 31st December 1991 :

31 दिसम्बर 1991 को हार्टलैक की लिमिटेड पुस्तकों ने निम्नलिखित शेष थे :

	Rs	Rs.
Share Capital : 12,000 Equity Shares of Rs. 10 each		1,20,000
Creditors		1,40,000
Patents	1,20,000	
Plant & Machinery	40,000	
Stock	30,000	
Debtors	50,000	
Cash	1,250	
Preliminary Expenses	7,250	
Profit and Loss a/c	11,500	
	2,60,000	2,60,000

The company being unable to raise further capital and the patents standing in the books at a figure much higher of its real value. The following scheme was submitted to the Shareholders and Creditors :

(a) The company to go into voluntary liquidation and a new company New United Ltd. to be formed with an authorised capital of Rs. 2,00,000 to take over the assets and liabilities.

(b) Liability to the creditors to be discharged by the new company as follows : 25 paise in the rupee by payment in cash and 50 paise in the rupee by the issue of 6% debentures in the new company.

(c) 12,000 shares of Rs. 10 each, Rs. 5 per share paid up to be issued to the Share holders of the old company, the balance of Rs. 5 per share being payable on allotment.

(d) The expenses of Liquidation amounted to Rs. 1,750 to be paid by the new company as a part of the purchase consideration.

Assuming that scheme has been approved and sanctioned, you are required to prepare the following in the books of the old company :

(i) Realisation a/c (ii) Shareholders' a/c (iii) Statement of Purchase Consideration.

कम्पनी अतिरिक्त पूँजी प्राप्त करने में असमर्थ है एवं एकस्व का मूल्य पुस्तकों में उनके वास्तविक मूल्य से बहुत अधिक दिखाया गया है। अंशधारियों एवं लेनदारों को निम्नलिखित योजना प्रस्तुत की गई :

(अ) कम्पनी ऐच्छिक समापन में चली जावे एवं एक नई कम्पनी न्यू युनाइटेड लिमिटेड 2 लाख रु० की अधिकृत पूँजी से स्थापित की जाय जो पुरानी कम्पनी की सम्पत्तियों एवं दायित्वों को अधिग्रहित करे।

(ब) नई कम्पनी द्वारा लेनदारों के सम्बन्ध में दायित्व का निपटारा निम्न प्रकार किया जावे :

नकद भुगतान रुपये में से 25 पैसे किया जावे और नई कम्पनी के 6% ऋणपत्रों का निर्गमन रुपये में से 50 पैसे के बराबर हो।

(स) पुरानी कम्पनी के अंशधारियों को 10 रु० वाले 5 रु० प्रदत्त मानकर 12,000 अंश निर्गमित किये जायें जिन पर शेष 5 रु० का भुगतान आबटन पर देय है।

(द) समापन के व्ययों के 1,750 रु० का भुगतान क्रय प्रतिफल के भाग के रूप में नई कम्पनी द्वारा किया जाये ।

यह मानते हुए कि योजना अनुमोदित एवं स्वीकृत की जा चुकी है, आपको पुरानी कम्पनी की पुस्तकों में निम्नलिखित बनाने को कहा गया है :

(i) वसूली खाता (ii) अंशधारियों का खाता (iii) क्रय प्रतिफल का विवरण

Answer Purchase consideration Rs. 1,66,750, Realisation Loss Rs 41,250. (25)

9. Rajesh Bros. Ltd. decided to reconstruct and consequently went into voluntary liquidation. Its Balance Sheet was as follows :

राजेश ब्रदर्स लिमिटेड ने पुनर्निर्माण का निश्चय किया एवं परिणामस्वरूप ऐच्छिक समापन में चली गई । उसका चिट्ठा निम्न प्रकार था :

Liabilities	Rs.	Assets		Rs.
Share Capital :		Land and Buildings		63,600
8,000 7% Preference Shares of		Plant and Machinery		33,000
Rs 10 each fully paid	80,000	Motor Lorries		1,240
1,20,000 Equity Shares of Re. 1		Stock in hand	Rs.	16,700
each fully paid	1,20,000	Trade Debtors	26,800	
		Less Provision	600	26,200
	2,00,000			
Profit Prior to Incorporation	2,420	Cash in hand		80
Loans	1,000	Profit and Loss Account		82,540
Trade Creditors	17,220			
Bills Payable	840			
Bank Overdraft	1,880			
	2,23,360			2,23,360

Note : There is a contingent liability in respect of a claim for royalties amounting to Rs. 2,900.

It was arranged that a new company Rajesh (New) Ltd. should be formed to acquire the undermentioned assets at values stated as : Land & Buildings Rs. 40,000; Plant and Machinery Rs. 24,000; Motor Lorries Rs 2,000; Stock Rs. 14,000. The total of Rs. 80,000 payable was satisfied by the allotment of 4,000 6% Preference shares of Rs. 10 each fully paid and 4,000 Equity shares of Rs. 15 each credited as Rs. 10 paid up. The new company also satisfied the contingent liability in respect of the claim for royalties by alloting to the claiment 80 Equity shares fully paid up.

The Preference shareholders in the old company accepted the Preference shares in the new company in full satisfaction and Equity shareholders took the partly paid Equity shares.

The book debts realised Rs. 25,450 and the amount of trade creditors proved to be Rs. 16,268. The liabilities were discharged and the costs of winding up were Rs. 2,142.

Preliminary expenses were Rs. 4,000 payable by the new company.

(a) Close the books of the old company, showing the necessary cash book entries and ledger accounts.

(b) Give journal entries recording the transactions in the books of the new company and also prepare Balance Sheet.

यह तय किया गया कि राजेश (न्यू) लिमिटेड के नाम से एक नई कम्पनी की स्थापना की जाये जो कि निम्न वर्णित सम्पत्तियों को दिये गये मूल्यों पर अधिग्रहित करे : भूमि एवं भवन 40,000 रु०; प्लान्ट एवं मशीनरी 24,000 रु०; मोटर लॉरी 2,000 रु०; स्टॉक 14,000 रु० पर। 80,000 रु० की कुल देय राशि 10 रु० वाले पूर्ण प्रदत्त 4,000 6% पूर्वाधिकार अंशों में एवं 15 वाले 10 रु० प्रदत्त 4,000 ईक्विटी अंशों के आवंटन से चुकायी गयी थी। नई कम्पनी ने रॉयल्टी के लिए दावे के संदिग्ध दायित्व का निबटारा दावेदार को पूर्ण प्रदत्त 80 ईक्विटी अंशों के निर्गमन द्वारा किया।

पुरानी कम्पनी के पूर्वाधिकार अंशधारियों ने अपने पूर्ण भुगतान के रूप में नई कम्पनी में पूर्वाधिकार अंशों को स्वीकार किया और ईक्विटी अंशधारियों ने अंशतः प्रदत्त ईक्विटी अंशों को ले लिया।

पुस्तक ऋणों से 25,450 रु० वसूल हुये एवं व्यापारिक लेनदारों की राशि 16,268 रु० सिद्ध हुई। दायित्वों का भुगतान कर दिया गया एवं समापन की लागत 2,142 रु० थी।

प्रारम्भिक व्यय 4,000 रु० थे जो नई कम्पनी द्वारा देय हैं।

(अ) पुरानी कम्पनी की पुस्तकों को रोकड़ बही की प्रविष्टियाँ एवं खाते प्रदर्शित करते हुये बन्द कीजिये।

(ब) नई कम्पनी की पुस्तकों में इन व्यवहारों को दर्ज करने के लिए जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए एवं स्थिति विवरण भी बनाइये।

Answer : Profit on Realisation Rs. 3,520, Payment to Equity Shareholders Rs. 43,400, Rs. 3,400 in Cash and Rs. 40,000 in Equity Shares; Total of Balance Sheet Rs. 85,200 (2·6)

Hint : There will be no effect in the books of old company for payment of contingent liability by the new company.

10. The following is the Balance Sheet of Lazy Ltd. as at 31st March, 1992 :

31 मार्च, 1992 को लेजी लिमिटेड का स्थिति विवरण अग्र प्रकार है :

Balance Sheet

Liabilities	Amount	Assets	Amount
	Rs.		Rs.
Share Capital :		Goodwill	10,000
10,000 8% Cumulative Preference		Fixed Assets	5,14,000
shares of Rs. 10 each.	1,00,000	Stock	1,20,000
48,000 Equity Shares of Rs. 10		Debtors	1,00,000
each	4,80,000	Bank	2,000
8% Debentures	2,00,000	Preliminary Expenses	10,000
Interest on Debentures	16,000	P. & L. Account	2,40,000
Creditors	2,00,000		
	9,96,000		9,96,000

Note : *Preference share dividend in arrears for Rs. 24,000. The following scheme* of reconstruction is sanctioned.

(1) A new company 'Smart Ltd.' is formed with an authorised capital of Rs. 6,00,000 divided into 60,000 Equity shares of Rs 10 each

(2) The new company will acquire the business on the following terms :

(i) Old company's debentures are paid by similar debentures in new company; further for each Rs. 100 of debenture interest outstanding 10 Equity shares are to be issued.

(ii) Creditors are paid for every Rs. 100 Rs. 20 in cash and 10 Equity shares.

(iii) Preference shareholders are allotted one Equity share for one share held; further, for arrears of dividend 5 Equity shares will be issued for each Rs. 100 of arrears in full satisfaction.

(iv) Equity shareholders are allotted one Equity share for every thre sharees held.

(v) Liquidation expenses of Rs. 8,000 are to be paid by the new company as part of purchase consideration.

(3) Current assets are to be taken at book values except stock, which is to be reduced by Rs. 6,000; goodwill to be eliminated and balance of purchase consideration being attributed to fixed assets.

(4) Remaining shares of the new company are issued at par fully paid.

You are required to prepare :

(a) Realisation Account, Preference Shareholders Account and Equity Shareholders Account in the books of old company; and

(b) Cash Book, Journal and initial Balance Sheet of new Company.

पुनर्निर्माण की निम्नलिखित योजना स्वीकृत हुई :

एक नई कम्पनी स्मार्ट लिमिटेड की 10 रु० वाले 60,000 ईक्विटी अंशों में विभाजित 6,00,000 रु० की अधिकृत पूंजी से स्थापना की जाए।

(2) नयी कम्पनी व्यापार को निम्न शर्तों पर खरीदगी :

(i) पुरानी कम्पनी के ऋणपत्रों को नयी कम्पनी में इसी प्रकार के ऋणपत्रों द्वारा भुगतान करना है; आगे ऋणपत्रों के बकाया ब्याज के प्रत्येक 100 रु० के लिए 10 ईक्विटी अंश निर्गमित करने हैं।

(ii) लेनदारों को प्रत्येक 100 रु० के लिए 20 रु० नकद और 10 ईक्विटी अंश भुगतान में दिया जायेगा।

(iii) अधिमान अंशधारियों को पुराने एक अंश के बदले नयी कम्पनी में एक ईक्विटी अंश वटित किया जायेगा। आगे लाभांश की बकाया के प्रत्येक 100 रु० के लिए 5 ईक्विटी अंश निर्गमित किये जायेंगे।

(iv) ईक्विटी अंशधारियों को प्रत्येक तीन अंशों के बदले एक नया ईक्विटी अंश वटित किया जायेगा।

(v) समापन व्यय के 8,000 रु० नयी कम्पनी द्वारा क्रय प्रतिफल के भाग के रूप में भुगतान किये जायेंगे।

(3) चालू सम्पत्तियों को पुस्तक मूल्य पर लेना है सिवाय स्टॉक के जिसे 6,000 रु० से घटाना है; ख्याति को छोड़ देना है तथा क्रय प्रतिफल का शेष स्थायी सम्पत्तियों का प्रतिनिधित्व करता है।

(4) नयी कम्पनी के शेष अंश सम मूल्य पर पूर्णदत्त निर्गमित किये गये।

आपको तैयार करना है

(अ) पुरानी कम्पनी की पुस्तकों में वसूली खाता, अधिमान अंशधारियों का खाता तथा ईक्विटी अंशधारियों का खाता।

(ब) नयी कम्पनी की रोकड़ बही, जर्नल तथा प्रारम्भिक चिट्ठा।

Answer : Pu chase consideration Rs. 7,36,000; Loss on Realisation Rs. 70,000; Balance Sheet Total Rs. 8,00,000. (27)

3

कम्पनियों का एकीकरण एवं संविलयन
(Amalgamation and Absorption of Companies)

वर्तमान प्रतिस्पर्द्धा के युग में छोटी कम्पनियों का बाजार में बने रहना कठिन होता है, क्योंकि वे प्रार्थिक रूप से सुदृढ़ नहीं होती हैं। ऐसी कम्पनियों को बड़े पैमाने के उत्पादन के लाभ भी नहीं मिल पाते हैं जिससे उनकी उत्पादन लागत अधिक आती है। उत्पादन की मात्रा सीमित होने के कारण ऐसी संस्थायें बाजार एवं मूल्य नियन्त्रण करने की स्थिति में नहीं होती हैं। एकसा व्यापार करने वाली ऐसी कम्पनियाँ मिलकर बड़ी व्यावसायिक इकाइयों को उपलब्ध लाभों को प्राप्त कर सकती हैं। एक से अधिक इकाइयों का आपस में मिलना एकीकरण (Amalgamation) अथवा संविलयन (Absorption) के रूप में हो सकता है।

एकीकरण (Amalgamation) : जब दो या दो से अधिक कम्पनियों का समापन करके एक नयी कम्पनी का निर्माण होता है तो इसे एकीकरण कहते हैं। इसके अन्तर्गत पुरानी कम्पनियों की सम्पत्तियों एवं दायित्वों को लेकर एक नयी कम्पनी जन्म लेती है।

एकीकरण की विशेषतायें : (1) पुरानी कम्पनियों का समापन। (2) नयी कम्पनी का निर्माण। (3) पुरानी कम्पनियों की सम्पत्तियों एवं दायित्वों का लेना। (4) सम्पत्तियों एवं दायित्वों के पुनर्मूल्यांकन करके क्रय मूल्य का निर्धारण। (5) नयी कम्पनी के पूर्णदत्त अंशों में क्रय मूल्य का भुगतान।

संविलयन (Absorption) : जब एक विद्यमान कम्पनी द्वारा एक या एक से अधिक विद्यमान कम्पनियों का अधिग्रहण कर लिया जाता है तो इसे संविलयन कहते हैं। संविलयन के अन्तर्गत मिलने या मिलाने वाली कम्पनियाँ पहले से ही विद्यमान होती हैं और किसी नयी कम्पनी का जन्म नहीं होता। इसमें मिलने वाली कम्पनी का समापन हो जाता है जिसकी सम्पत्तियों एवं दायित्वों को दूसरी कम्पनी ले लेती है।

संविलयन की विशेषतायें : (1) विक्रेता कम्पनी का समापन हो जाता है तथा किसी नयी कम्पनी का जन्म नहीं होता है। (2) विक्रेता कम्पनी की सम्पत्तियों एवं दायित्वों का क्रेता कम्पनी को हस्तान्तरण। (3) विक्रेता कम्पनी के क्रय प्रतिफल का निर्धारण आपसी समझौते द्वारा। (4) क्रय प्रतिफल का भुगतान नकद, अंशों और ऋणपत्रों द्वारा किया जाना।

एकीकरण एवं संविलयन के उद्देश्य : एकीकरण एवं संविलयन का प्रमुख उद्देश्य प्रतिस्पर्द्धा को समाप्त करना एवं आर्थिक मितव्ययिताओं को प्राप्त करना है।

इनके निम्नलिखित उद्देश्य हो सकते हैं :

(1) प्रतिस्पर्द्धा को समाप्त करना अथवा कम करना।

(2) बाजार पर नियन्त्रण स्थापित करना।

(3) अनुसंधान कार्यों को बढ़ावा देना।

(4) तकनीकी साधनों का एकीकरण करना।

(5) बड़े पैमाने पर उत्पादन के लाभ प्राप्त करना।

(6) पूँजी में वृद्धि तथा पूँजी का अधिकतम उपयोग करना।

(7) उत्पादन को बढ़ावा।

(8) कर्मचारियों का सर्वोत्तम उपयोग करना।

(9 विज्ञापन एवं वितरण व्ययों में कमी लाना।

(10) मजदूर संघों का प्रभावपूर्ण तरीके से सामना करना।

एकीकरण एवं सविलयन के विरुद्ध आपत्तियाँ :—जहाँ एक ओर एकीकरण एवं सविलयन से विभिन्न उद्देश्यों की पूर्ति होती है वहीं इसके दुष्परिणाम भी सामने आते हैं। इसके विरुद्ध निम्न आपत्तियाँ की जाती हैं :

(1) व्यापार का संगठन बड़ा होने के कारण प्रबन्ध में कठिनाइयाँ।

(2) स्वस्थ प्रतिस्पर्द्धा की समाप्ति से विकास में रुकावट।

(3) एकाधिकारी प्रवृत्ति को बढ़ावा मिलने से जनता का शोषण।

(4) बाजार पर नियन्त्रण से वस्तुओं की कृत्रिम कमी करना एवं मुनाफाखोरी को बढ़ावा देना।

(5) अधिक पूँजी संसाधनों के समुचित उपयोग के अभाव में अतिपूँजीकरण का भय।

(6) छोटी व्यावसायिक इकाइयों के विकास में बाधा।

(7) बड़े पैमाने के उत्पादन के दोष आ जाना।

(8) पुराने व्यवसायों की ख्याति में कमी।

क्रय प्रतिफल का निर्धारण (Determination of Purchase Consideration) :—एकीकरण एवं सविलयन दोनों में ही एक कम्पनी द्वारा अन्य कम्पनी या कम्पनियों की सम्पत्तियों एवं दायित्वों का अधिग्रहण किया जाता है। ऐसी स्थिति के क्रय प्रतिफल का निर्धारण करना आवश्यक होता है। क्रय प्रतिफल का निर्धारण आपसी समझौते द्वारा किया जाता है। क्रय प्रतिफल ज्ञात करने की निम्न विधियाँ हैं :

(1) शुद्ध सम्पत्ति विधि (Net Assets Method) : इस विधि के अनुसार क्रय प्रतिफल की गणना करने के लिए क्रेता कम्पनी द्वारा विक्रेता कम्पनी की जिन सम्पत्तियों को लिया गया है उनके मूल्य के योग में से लिये गये दायित्वों के मूल्य के योग को कम कर दिया जाता है। इस विधि के अन्तर्गत क्रय प्रतिफल की गणना में सम्पत्तियों के पुस्तक मूल्य के स्थान पर वह मूल्य लिया जाता है जो कि क्रेता एवं विक्रेता कम्पनी के मध्य तय हुआ है। इसी प्रकार क्रेता कम्पनी द्वारा लिये दायित्वों को भी पुस्तक मूल्य के स्थान पर तय मूल्य (Agreed price) पर लिया जाता है। संक्षेप में, क्रेता कम्पनी द्वारा ली गई सम्पत्तियों के तयशुदा मूल्य में से लिये गये दायित्वों के तय मूल्य को घटाकर सम्पत्तियों का शुद्ध मूल्य ज्ञात किया जायेगा जो कि क्रय प्रतिफल कहलायेगा।

इस विधि के अनुसार क्रय प्रतिफल की गणना करने के लिए कृत्रिम सम्पत्तियों को क्रय प्रतिफल की गणना में सम्मिलित नहीं किया जाता है, किन्तु अमूर्त सम्पत्तियाँ जैसे ख्याति, पेटेन्ट, आदि को तय मूल्य पर सम्मिलित किया जाता है। इसी प्रकार दायित्वों में उन दायित्वों को क्रय प्रतिफल की गणना करते समय ली गई सम्पत्तियों के योग में से कम नहीं किया जायेगा जिसे क्रेता कम्पनी ने नहीं लिया है।

(2) शुद्ध भुगतान विधि (Net Payment Method) : इस विधि के अन्तर्गत क्रय प्रतिफल की गणना करने के लिए क्रेता कम्पनी द्वारा विक्रेता कम्पनी को जो विभिन्न भुगतान किये जाते हैं उनका योग लगा लिया जाता है। ये भुगतान अंशधारियों के लिए ही नहीं अन्य पक्षों के लिए अर्थात् लेनदारों, ऋणपत्रधारियों आदि के लिए भी हो सकता है। क्रेता कम्पनी द्वारा किये जाने वाले भुगतान केवल नकद ही नहीं वरन् ऋणपत्रों, ईक्विटी

एवं पूर्वाधिकार अंशों के रूप में भी हो सकता है। यह ध्यान रखा जाना चाहिए कि यदि किसी पक्ष को भुगतान क्रेता कम्पनी के माध्यम से न किया जाकर सीधे ही (Direct) किया जाता है तो उसे क्रय प्रतिफल की गणना में सम्मिलित नहीं किया जायेगा।

लेखा प्रविष्टियाँ (Accounting Entries)

विक्रेता कम्पनी की पुस्तकों में लेखा (In the Books of Vendor Company) : एकीकरण एवं संविलयन दोनों ही स्थितियों में जिस कम्पनी का समापन होता है उसकी लेखा पुस्तकों को बन्द करना होता है। इसके लिए वसूली खाते (Realisation Account) के माध्यम से लेखा प्रविष्टियाँ की जाती हैं। विक्रेता कम्पनी की पुस्तकों में की जाने वाली प्रविष्टियाँ निम्न प्रकार होंगी :

(1) क्रेता कम्पनी द्वारा ली गयी सम्पत्तियों के खाते वसूली खाते में स्थानान्तरित करने पर—

Realisation a/c	Dr.	
To (Particular) Assets a/c		(पुस्तक मूल्य की राशि से)

(2) क्रेता कम्पनी द्वारा लिये गये दायित्वों के खाते वसूली खाते में स्थानान्तरित करने पर—

(Particular) Liabilities a/c	Dr.	(पुस्तक मूल्य की राशि से)
To Realisation a/c		

(3) ईक्विटी अंश पूँजी को ईक्विटी अंशधारियों के खाते में स्थानान्तरित करने पर—

Equity Share Capital a/c	Dr.
To Equity Shareholders a/c	

(4) पूर्वाधिकार अंश पूँजी को पूर्वाधिकार अंशधारियों के खाते में स्थानान्तरित करने पर—

Preference Share Capital a/c	Dr.
To Preference Shareholders a/c	

(5) ऋणपत्रों को यदि क्रेता कम्पनी द्वारा नहीं लिया गया है एवं विक्रेता कम्पनी के माध्यम से भुगतान होना है तो ऋणपत्रों एवं उनके बकाया ब्याज की राशि यदि कोई हो तो ऋणपत्रधारियों के खाते में स्थानान्तरित करने पर—

Debentures a/c	Dr.
Accrued Interest on Debentures a/c	Dr.
To Debentureholders a/c	

(6) आयगत एवं पूँजीगत संचयों को ईक्विटी अंशधारियों के खाते में स्थानान्तरित करने पर—

General Reserve a/c	Dr.
Profit & Loss a/c	Dr.
Capital Reserve a/c	Dr.
(Particular) Reserve a/c	Dr.
To Equity Shareholders a/c	

(7) कृत्रिम सम्पत्तियों एवं संचित हानियों को इक्विटी अंशधारियों के खाते में स्थानान्तरित करने पर—

Equity Shareholders a/c	Dr.	
To Profit & Loss a/c		
To Preliminary Expenses a/c		
To (Particular) Loss a/c		

(8) क्रेता कम्पनी द्वारा न ली गई सम्पत्तियों से वसूली पर—

Cash/Bank a/c	Dr.	(सम्पत्ति के विक्रय से प्राप्य राशि)
Realisation a/c	Dr.	(सम्पत्ति के विक्रय से हुई हानि की राशि, यदि कोई है)
To (Particular) Assets a/c		(सम्पत्ति के पुस्तक मूल्य से)

यदि सम्पत्ति के विक्रय से लाभ हो तो उसे वसूली खाते में क्रेडिट कर दिया जायेगा।

वैकल्पिक विधि : ऐसी सम्पत्तियाँ जिन्हें नई कम्पनी द्वारा नहीं लिया गया है उनके खाते को (रोकड़ एवं बैंक शेष के अतिरिक्त) भी वसूली खाते में स्थानान्तरित कर बन्द कर दिया जाता है। जब इन सम्पत्तियों के विक्रय से राशि वसूल होती है तब निम्न प्रविष्टि कर दी जाती है—

Cash/Bank a/c	Dr.	(सम्पत्ति के वसूली मूल्य से)
To Realisation a/c		

इस स्थिति में सम्पत्ति के विक्रय पर हुए हानि-लाभ की कोई प्रविष्टि नहीं की जायेगी।

(9) क्रेता कम्पनी से क्रय प्रतिफल प्राप्य होने पर—

Purchasing Co	Dr.	(क्रय प्रतिफल की राशि से)
To Realisation a/c		

(10) क्रय प्रतिफल प्राप्त होने पर —

Cash/Bank a/c	Dr
Debentures in Purchasing Co a/c	Dr
Preference Shares in Purchasing Co a/c	Dr
Equity Shares in Purchasing Co a/c	Dr
To Purchasing Co	

(11) वसूली व्ययों का भुगतान—

Realisation a/c	Dr.
To Cash a/c	

(12) यदि पूर्वाधिकार अंशों पर बकाया लाभांश देय होने पर—

Realisation a/c Dr.
To Preference Share Dividend a/c

Preference Share Dividend a/c Dr.
To Preference Share holders a/c

उपरोक्त दो प्रविष्टियों के स्थान पर एक प्रविष्टि भी की जा सकती है जो निम्न प्रकार होगी—

Realisation a/c
To Preference Shareholders a/c

(13) क्रेता कम्पनी द्वारा नहीं लिये गये दायित्वों का भुगतान करने पर—

Creditors (or particular Liability) a/c Dr.
To Cash/Bank a/c
To Debentures in Purchasing Co. a/c
To Preference Shares in Purchasing Co. a/c
To Equity Shares in Purchasing Co. a/c

यदि दायित्वों के भुगतान पर कोई लाभ अथवा हानि होती है तो ऐसी राशि से क्रमशः वसूली खाते को क्रेडिट अथवा डेबिट किया जायेगा।

(14) ऋणपत्रधारियों एवं पूर्वाधिकार अंशधारियों को भुगतान करने पर—

इनको भुगतान की स्थिति में लेखा प्रविष्टि लेनदारों के भुगतान के समान ही होगी। लेनदारों के स्थान पर ऋणपत्रधारियों एवं पूर्वाधिकार अंशधारियों का खाता डेबिट कर दिया जायेगा।

इनके भुगतान पर होने वाले लाभ अथवा हानि को वसूली खाते में स्थानान्तरित कर दिया जायेगा।

(15) वसूली खाते के शेष को ईक्विटी अंशधारियों के खाते में स्थानान्तरित करने पर—

यदि वसूली खाते का डेबिट शेष है अर्थात् हानि है—

Equity Shareholders a/c Dr.
To Realisation a/c

यदि वसूली खाते का क्रेडिट शेष है अर्थात् लाभ है—

Realisation a/c Dr.
To Equity Shareholders a/c

(16) ईक्विटी अंशधारियों को भुगतान करने पर—

Equity Shareholders a/c Dr.
To Cash/Bank a/c
To Debentures in Purchasing Co. a/c
To Preference Shares in Purchasing Co. a/c
To Equity Shares in Purchasing Co. a/c

इन जर्नल प्रविष्टियों को खातों में खतौनी के साथ ही विक्रेता कम्पनी की पुस्तकों में खुले हुए समस्त खाते बन्द हो जायेंगे।

क्रेता कम्पनी की पुस्तकों में लेखा

(1) सम्पत्तियों एवं दायित्वों को क्रय करने पर

(Particular) Assets a/c	Dr.	(जिन मूल्यों पर सम्पत्तियों को लिया गया है)
To (Particular) Liabilities a/c		(दायित्वों को जिस मूल्य पर लिया गया है)
To Liquidator of Vendor Co. a/c		(क्रय प्रतिफल की राशि से)

क्रेता कम्पनी द्वारा ली गई सम्पत्तियों के क्रय मूल्य का योग यदि लिये गये दायित्वों के क्रय मूल्य एवं क्रय प्रतिफल की राशि से कम है तो अन्तर की राशि ख्याति (Goodwill) होगी और सम्पत्तियों का मूल्य दायित्वों एवं क्रय प्रतिफल की राशि से अधिक है तो अन्तर की राशि पूँजी संचय (Capital Reserve) होगी जैसी भी स्थिति हो उपरोक्त जर्नल प्रविष्टि में ख्याति खाते को डेबिट अथवा पूँजी संचय खाते को क्रेडिट किया जाता है।

(2) क्रय प्रतिफल का भुगतान करने पर—

Liquidator of Vendor Co. a/c	Dr.	(क्रय प्रतिफल की राशि से)
To Equity Share Capital a/c		(अंशो के प्रदत्त मूल्य से)
To Preference Share Capital a/c		(,, ,, ,, ,,)
To Share Premium a/c		(अंशो के निर्गमन पर प्राप्त प्रीमियम से)
To Debentures a/c		(ऋण पत्रों के प्रदत्त मूल्य से)
To Cash/Bank a/c		(नकद भुगतान की राशि से)

(3) क्रेता कम्पनी द्वारा विक्रेता कम्पनी के समापन व्ययों का भुगतान करने पर यदि ऐसे व्यय क्रय प्रतिफल का भाग नहीं है—

Goodwill/Capital Reserve a/c	Dr.
To Cash/Bank a/c	

ऐसे व्यय का क्रय प्रतिफल का भाग होने पर—कोई अतिरिक्त लेखा प्रविष्टि नहीं होगी।

एकीकरण सम्बन्धी लेखे—एकीकरण के अन्तर्गत नयी स्थापित कम्पनी को क्रेता कम्पनी (Purchasing Company) तथा समापन होने वाली कम्पनियों को विक्रेता कम्पनियाँ (Vendor Companies) कहा जाता है। इसमें क्रय मूल्य का निर्धारण, समापन होने वाली कम्पनियों की पुस्तकों को बन्द करने तथा नयी स्थापित कम्पनी की पुस्तकों में व्यापार क्रय के सम्बन्ध में लेखे किये जाते हैं।

Illustration 31 Two companies R Ltd and S Ltd. carrying on similar business decided to amalgamate A new company T Ltd. is to be formed to take over the assets and liabilities of each company The following are their Balance Sheets :

दो समान व्यापार करने वाली कम्पनियाँ आर. लिमिटेड और एस. लिमिटेड ने एकीकरण करने का निश्चय किया है। प्रत्येक कम्पनी की सम्पत्तियों एवं दायित्वों को लेकर एक कम्पनी टी लिमिटेड का निर्माण करना है। उनके चिट्ठे अग्रलिखित हैं :

Balance Sheet as at 31st December, 1991

Liabilities	R Ltd.	[redacted] Ltd.	Assets	R Ltd.	S Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Share Capital :			Property	1,19,500	70,000
Equity Shares of Rs.			Machinery	70,500	95,000
100 each	3,00,000	2,00,000	Stock	90,000	40,000
Reserve Fund	—	40,000	Debtors	—	26,000
P. & L. Account	—	5,000	Cash at Bank	25,000	34,000
Sundry Creditors	50,000	20,000	P & L Account	45,000	—
	3,50,000	2,65,000		3,50,000	2,65,000

The assets and liabilities of both the companies are to be taken at book values. The fully paid shares of Rs. 50 each shall be issued by the new company for the value of net assets for each of the old companies. State how many shares the liquidator of each company will receive from the new company. Give the opening entries in the books of the new company and its Balance Sheet.

दोनों कम्पनियों की सम्पत्तियाँ एवं दायित्व पुस्तक मूल्यों पर लेते हैं। नयी कम्पनी द्वारा प्रत्येक पुरानी कम्पनी की शुद्ध सम्पत्तियों के लिए 50 रु० वाले पूर्णदत्त अंश निर्गमित किये जायेंगे। यह बताइये कि प्रत्येक कम्पनी का निस्तारक नयी कम्पनी से कितने अंश प्राप्त करेगा। नयी कम्पनी की पुस्तकों में प्रारम्भिक प्रविष्टियाँ दीजिये तथा इसका चिट्ठा बनाइये।

Solution :

Computation of Purchase Consideration

(Net asset method)	For R Ltd.	For S Ltd.
Value of Assets Taken over	Rs.	Rs.
Property	1,19,500	70,000
Machinery	70,500	95,000
Stock	90,000	40,000
Debtors	—	26,000
Cash at Bank	25,000	34,000
	3,05,000	2,65,000
Less : Liabilities taken over : Sundry Creditors	50,000	20,000
Net assets being Purchase consideration	2,55,000	2,45,000

No. of Shares to be received by liquidator of R Ltd. :

$$\text{No. of Shares} = \frac{\text{Purchase consideration}}{\text{Issue price of shares}} = \frac{\text{Rs. } 2,55,000}{\text{Rs. } 50} = 5,100 \text{ Shares}$$

No of Shares to be received by Liquidator of S Ltd :
No. of Shares = Rs 2,45,000 ÷ 50 = 4,900 Shares.

Books of T Ltd. (New Company)

Journal

		Dr.	Cr.
		Rs.	Rs.
Property a/c	Dr.	1,19,500	
Machinery a/c	Dr.	70,500	
Stock a/c	Dr.	90,000	
Bank a/c	Dr.	25,000	
To Sundry Creditors a/c			50,000
To Liquidator of R Ltd			2,55,000
(Assets and Liabilities of R Ltd. taken over)			
Property a/c	Dr.	70,000	
Machinery a/c	Dr.	95,000	
Stock a/c	Dr.	40,000	
Debtors a/c	Dr.	26,000	
Bank a/c	Dr.	34,000	
To Sundry Creditors a/c			20,000
To Liquidators of S Ltd.			2,45,000
(Assets and Liabilities of S Ltd taken over.)			
Liquidator of R Ltd.	Dr	2,55,000	
To Equity Share Capital a/c			2,55,000
(5,100 Equity Shares of Rs 50 each fully paid issued at par for purchase consideration)			
Liquidator of S Ltd	Dr	2,45,000	
To Equity Share Capital a/c			2,45,000
(4,900 Equity Shares of Rs. 50 each fully paid issued at par for purchase consideration)			

Balance Sheet of T Ltd.

Liabilities	Amount	Assets	Amount
	Rs.		Rs.
Authorised Share Capital	....	Property	1,89,500
Issued Capital :		Machinery	1,65,500
10,000 Equity Shares of Rs 50 each fully paid	5,00,000	Stock	1,30,000
Sundry Creditors	70,000	Debtors	26,000
		Bank Balance	59,000
	5,70,000		5,70,000

Illustration 3·2 : X Ltd. and Y Ltd. agreed to amalgamate and to form a new company Z Ltd. by transferring their undertakings. On the date of amalgamation Balance Sheets of both the companies were as under :

एक्स लिमिटेड और वाई लिमिटेड एकीकरण के लिए सहमत होती हैं । तथा अपने व्यावसायिक उपक्रमों को हस्तान्तरित करके एक नयी कम्पनी जेड लिमिटेड की स्थापना करती हैं । एकीकरण की तिथि को दोनों कम्पनियों के चिट्ठे निम्न प्रकार थे :

Balance Sheets

Liabilities	X Ltd.	Y Ltd.	Assets	X Ltd.	Y Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Authorised & Issued Capital			Sundry Assets	9,60,000	6,44,000
			Freehold Property	4,00,000	2,00,000
Equity Shares of Rs. 10	10,00,000	6,00,000	Investments	1,00,000	40,000
5% Debentures	4,00,000	2,00,000	Debtors	5,00,000	3,00,000
Reserve Fund	—	1,00,000	Preliminary Expenses	40,000	16,000
Profit and Loss Account	60,000	40,000			
Mortgage Loan : Secured on Freehold Property	1,00,000	—			
Sundry Creditors	4,40,000	2,60,000			
	20,00,000	12,00,000		20,00,000	12,00,000

The purchase consideration consisted of :

(a) The discharge of the debentures in X Ltd. and Y Ltd. by the issue of equivalent amount of 6% Debentures in Z Ltd.

(b) The acquisition of the liabilities of both companies; and

(c) The issue of Equity shares of Rs. 10 each at a premium of Rs. 2 per share in Z Ltd. for the purpose of the amalgamation, the assets are to be revalued as under :

	X Ltd.	Y Ltd
	Rs.	Rs.
Goodwill	2,00,000	1,50,000
Sundry Assets	8,20,000	5,60,000
Freehold Property	5,20,000	2,80,000
Investments	1,02,000	40,000
Debtors	4,50,000	2,70,000

Journalise the above transactions in the books of X Ltd., Y Ltd. and Z Ltd. Indicate the basis on which the shares in Z Ltd. will be distributed amongst the shareholders of X Ltd. and Y Ltd. respectively.

क्रय प्रतिफल में सम्मिलित है—

(अ) एक्स लिमिटेड एवं वाई लिमिटेड के ऋणपत्रों का भुगतान समान राशि के जेड लिमिटेड के 6% ऋण-पत्रों के निर्गमन द्वारा;

(ब) दोनों कम्पनियों के दायित्वों का अधिग्रहण; एवं

(स) जेड लिमिटेड के 10 रु० वाले इक्विटी अंशों का 2 रु० प्रति अंश प्रीमियम पर निर्गमन।

एकीकरण के उद्देश्य के लिए सम्पत्तियाँ निम्न प्रकार पुनर्मूल्यांकित की जाती हैं।

	एक्स लिमिटेड	वाई लिमिटेड
	रु०	रु०
ख्याति	2,00,000	1,50,000
विविध सम्पत्तियाँ	8,20,000	5,60,000
स्वतंत्र सम्पत्तियाँ	5,20,000	2,80,000
विनियोग	1,02,000	40,000
देनदार	4,50,000	2,70,000

एक्स लिमिटेड, वाई लिमिटेड एवं जेड लिमिटेड की पुस्तकों में उपरोक्त व्यवहारों की जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए। जेड लिमिटेड में अंशों का बटवारा एक्स लिमिटेड एवं वाई लिमिटेड के अंशधारियों में किस प्रकार किया जायेगा, इसका आधार बताइये।

Solution

CALCULATION OF PURCHASE CONSIDERATION

		X Ltd.		Y Ltd.
Assets Taken Over		Rs.		Rs.
Goodwill		2,00,000		1,50,000
Sundry Assets		8,20,000		5,60,000
Freehold Property		5,20,000		2,80,000
Investments		1,02,000		40,000
Debtors		4,50,000		2,70,000
		20,92,000		13,00,000
Less : Liabilities taken over :				
Mortgage Loan Rs.	1,00,000		—	
Sundry Creditors Rs.	4,40,000	5,40,000	2,60,000	2,60,000
Purchase Consideration		15,52,000		10,40,000

Purchase Consideration to be discharged by :	Rs.	Rs.
Issue of 6% Debentures in Z Ltd.	4,00,000	2,00,000
Issue of Shares of Rs. 10 each at a premium of Rs. 2 per share	11,52,000	8,40,000
	15,52,000	10,40,000

	X Ltd.	Y Ltd.
Number of shares issued	$\frac{11,52,000}{12} = 96,000$	$\frac{8,40,000}{12} = 70,000$

Nominal value of shares issued $96,000 \times 10 = 9,60,000$; $70,000 \times 10 = 7,00,000$

Shareholders of X Ltd. will get 96,000 shares for 1,00,000 shares held.

∴ Shareholders of X Ltd. will get 24 shares for every 25 shares held.

Shareholders of Y Ltd. will get 70,000 shares for 60,000 shares held.

∴ Shareholders of Y Ltd. will get 7 shares for every 6 shares held.

Books of X Ltd.

Journal

	Particulars		Dr. Rs.	Cr. Rs.
	Realisation a/c	Dr.	19,60,000	
	To Sundry Assets a/c			9,60,000
	To Freehold Property a/c			4,00,000
	To Investments a/c			1,00,000
	To Debtors a/c			5,00,000
	(Assets taken over by Z Ltd. transfered to Realisation Account.)			
	Mortgage Loan a/c	Dr.	1,00,000	
	Sundry Creditors a/c	Dr.	4,40,000	
	To Realisation a/c			5,40,000
	(Liabilities taken over by Z Ltd. transfered to Realisation Account.)			
	Z Ltd.	Dr.	15,52,000	
	To Realisation a/c			15,52,000
	(Purchase consideration agreed to be paid by Z Ltd.)			
	6% Debentures in Z Ltd. a/c	Dr.	4,00,000	
	Equity Shares in Z Ltd. a/c	Dr.	11,52,000	
	To Z Ltd.			15,52,000
	(Purchase consideration received from Z Ltd.)			

(Contd.)

Journal		Dr.	Cr.
		Rs	Rs.
5% Debentures a/c	Dr.	4,00,000	
To Debenture holders a/c			4,00,000
(Transfer of debentures to debentureholders account)			
Debenture holders a/c	Dr	4,00,000	
To 6% Debentures in Z Ltd a/c			4,00,000
(Payment made to debenture holders)			
Realisation a/c	Dr	1,32,000	
To Equity Shareholders a/c			1,32,000
(Profit on realisation transferred)			
Equity Shareholders a/c	Dr	40,000	
To Preliminary Expenses a/c			40,000
(Transfer of preliminary expenses to shareholders a/c)			
Equity Share Capital a/c	Dr.	10,00,000	
Profit and Loss a/c	Dr	60,000	
To Equity Shareholders a/c			10,60,000
(Balances transferred to equity shareholders)			
Equity Shareholders a/c	Dr.	11,52,000	
To Equity Shares in Z Ltd. a/c			11,52,000
(Payment made to Equity Shareholders)			

Books of Y Ltd

Journal		Dr.	Cr.
		Rs	Rs.
Realisation a/c	Dr.	11,84,000	
To Sundry Assets a/c			6,44,000
To Freehold Property a/c			2,00,000
To Investments a/c			40,000
To Debtors a/c			3,00,000
(Assets taken over by Z Ltd. transferred to Realisation Account)			
Sundry Creditors a/c	Dr.	2,60,000	
To Realisation a/c			2,60,000
(Creditors taken over by Z Ltd. transferred to Realisation Account)			

(Contd)	Journal		Dr.	Cr.
			Rs.	Rs.
	Z Ltd.	Dr.	10,40,000	
	To Realisation a/c			10,40,000
	(Purchase consideration payable by Z Ltd.)			
	6% Debentures in Z Ltd. a/c	Dr.	2,00,000	
	Equity Shares in Z Ltd. a/c	Dr.	8,40,000	
	To Z Ltd.			10,40,000
	(Purchase consideration received)			
	5% Debentures a/c	Dr.	2,00,000	
	To Debenture holders a/c			2,00,000
	(Transfer of debentures to debenture holders a/c)			
	Debenture holders a/c	Dr.	2,00,000	
	To 6% Debentures in Z Ltd. a/c			2,00,000
	(Payment made to debenture holders)			
	Realisation a/c	Dr.	1,16,000	
	To Equity Shareholders a/c			1,16,000
	(Transfer of profit on realisation)			
	Equity Shareholders a/c	Dr.	16,000	
	To Preliminary Expenses a/c			16,000
	(Transfer of preliminary expenses)			
	Equity Share Capital a/c	Dr.	6,00,000	
	Reserve fund a/c	Dr.	1,00,000	
	Profit and Loss a/c	Dr.	40,000	
	To Equity Shareholders a/c			7,40,000
	(Balances transferred to Equity Shareholders)			
	Equity Shareholders a/c	Dr.	8,40,000	
	To Equity Shares in Z Ltd. a/c			8,40,000
	(Equity Shares in Z Ltd. issued to shareholders)			

Books of [redacted] Ltd — Journal

Particulars		Dr. Rs.	Cr. Rs.
Goodwill a/c	Dr.	2,00,000	
Sundry Assets a/c	Dr.	8,20,000	
Freehold Property a/c	Dr.	5,20,000	
Investments a/c	Dr.	1,02,000	
Debtors a/c	Dr.	4,50,000	
To Mortgage Loan a/c			1,00,000
To Sundry Creditors a/c			4,40,000
To Liquidator of X Ltd.			15,52,000
(Assets and Liabilities of X Ltd. taken over.)			
Liquidator of X Ltd.	Dr	15,52,000	
To Equity Share Capital a/c			9,60,000
To Share Premium a/c			1,92,000
To 6% Debentures a/c			4,00,000
(Issue of 96,000 equity shares of 10 each at a premium of Rs. 2 per share and Rs. 4,00,000 6% debentures in settlement of the purchase consideration)			
Goodwill a/c	Dr.	1,50,000	
Sundry Assets a/c	Dr.	5,60,000	
Freehold Property a/c	Dr.	2,80,000	
Investments a/c	Dr.	40,000	
Debtors a/c	Dr.	2,70,000	
To Sundry Creditors a/c			2,60,000
To Liquidator of Y Ltd.			10,40,000
(Assets and Liabilities of Y Ltd taken over)			
Liquidator of Y Ltd	Dr.	10,40,000	
To Equity Share Capital a/c			7,00,000
To Share Premium a/c			1,40,000
To 6% Debentures a/c			2,00,000
(Issue of 70,000 equity shares of Rs 10 each at a premium of Rs 2 per share and Rs. 2,00,000 6% debentures in settlement of purchase consideration)			

Illustration 3·3 : Alpha Ltd. and Beta Ltd. are merged into AB Ltd. On the date of amalgamation their Balance Sheets were as under :

एल्फा लिमिटेड एवं बीटा लिमिटेड ए बी लिमिटेड में विलीन होती हैं। एकीकरण की तिथि को उनके चिट्ठे निम्न प्रकार थे :

Liabilities	Alpha Ltd.	Beta Ltd.	Assets	Alpha Ltd.	Beta Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Equity Share Capital Rs. 10	12,00,000	8,00,000	Goodwill	1,20,000	40,000
8% Debenture Stock	4,00,000	—	Buildings	4,00,000	2,00,000
Share Premium	60,000	40,000	Plant	8,00,000	4,00,000
General Reserve	80,000	40,000	Furniture	40,000	20,000
Profit & Loss Account	2,00,000	—	Stock	3,40,000	1,80,000
Debenture Redemption Fund	1,60,000	—	Debtors	3,60,000	2,40,000
			Cash and Bank	2,00,000	80,000
Provident Fund	1,20,000	80,000	Investments	4,80,000	1,00,000
Depreciation Fund	1,60,000	80,000	Preliminary Exp.	40,000	8,000
Sundry Creditors	3,20,000	2,00,000	Profit & Loss A/c	—	12,000
Outstanding Expenses	80,000	40,000			
	27,80,000	12,80,000		27,80,000	12,80,000

AB Ltd. takes over Alpha Ltd. on the following terms.

(1) Equity shareholders are to be paid by 6 Equity shares of Rs. 10 of AB Ltd. issued at 10% premium and five 7% Preference shares of Rs. 10 issued at par for surrender of every 10 Equity shares.

(2) *Debentures, creditors for purchases and expenses and provident fund liabilities are to be taken over.*

(3) Before merger Alpha Ltd. shall declare and pay 10% dividend.

(4) Buildings are valued at Rs. 6,00,000.

(5) Rs. 20,000 shall be retained for liquidation expenses.

Beta Ltd., is taken over on the following terms :

(1) Goodwill is valued as nil.

(2) Stock and Debtors are worth Rs. 1,60,000 and Rs. 2,00,000 respectively.

(3) Liquidation expenses Rs. 12,000 shall paid by AB Ltd.

(4) Investments are worth Rs. 60,000.

(5) Other assets and liabilities are taken over at book values.

(6) Requisite number of Equity shares of Rs. 10 are to be issued at par. Formation expenses of AB Ltd. amounted to Rs. 40,000. 40,000 Equity shares of Rs. 10 are issued to the public at 10% premium.

Show necessary Ledger Accounts to close the books of Alpha Ltd. and Beta Ltd. Draft formation and acquisition entries in the books of AB Ltd. and also Balance Sheet of AB Ltd.

ए बी लिमिटेड एल्फा लिमिटेड को निम्नलिखित शर्तों पर अधिग्रहित करती है—

(1) प्रत्येक 10 ईक्विटी अंशो के बदले ईक्विटी अंशधारियों को ए बी लिमिटेड के 10 रु० वाले 6 ईक्विटी अंश 10% प्रीमियम पर एवं 10 रु० वाले पाँच 7% पूर्वाधिकार अंश सम मूल्य पर निर्गमित किये जायेंगे।

(2) ऋणपत्र, क्रय एवं खर्चों के लेनदारों एवं भविष्य निधि दायित्वों को लिया जाना है।

(3) एकीकरण के पूर्व एल्फा लिमिटेड 10% लाभांश की घोषणा कर उनका भुगतान करेगी।

(4) भवन का मूल्यांकन 6,00,000 रु० पर किया गया।

(5) समापन व्ययों के लिए 20,000 रु० रखे जायेंगे।

बीटा लिमिटेड को निम्नलिखित शर्तों के आधार पर लिया गया है :—

(1) ख्याति शून्य पर मूल्यांकित की गई।

(2) स्टॉक एवं देनदार क्रमशः 1,60,000 रु० एवं 2,00,000 रु० के मूल्यांकित किये गये हैं।

(3) समापन व्यय के 12,000 रु० ए बी लिमिटेड द्वारा वहन किये जायेंगे।

(4) विनियोगों का मूल्य 60,000 रु० लिया गया है।

(5) अन्य सम्पत्तियाँ एवं दायित्व पुस्तक मूल्य पर लिये जायेंगे।

(6) आवश्यक मात्रा में 10 रु० वाले ईक्विटी अंश सम मूल्य पर निर्गमित किये जायेंगे।

ए बी लिमिटेड के निर्माण व्यय 40,000 रु० हैं। 10 रु० वाले 40,000 ईक्विटी अंश जनता में 10% प्रीमियम पर निर्गमित किये गये।

एल्फा लिमिटेड एवं बीटा लिमिटेड की पुस्तकें बन्द करने के लिए आवश्यक खाते प्रदर्शित कीजिये। ए बी लिमिटेड की पुस्तकों में निर्माण एवं अधिग्रहण की प्रविष्टियाँ दीजिये एवं उसका चिट्ठा भी बनाइये।

Solution : **Calculation of Purchase Consideration**

Alpha Ltd.

Payment to Equity shareholders : Rs

$$\text{Equity Shares in AB Ltd.} \left[\frac{6}{10} \times 1{,}20{,}000\right] @ \text{Rs. } 11 = 7{,}92{,}000$$

$$7\% \text{ Preference Shares in AB Ltd} \left[\frac{5}{10} \times 1{,}20{,}000\right] @ \text{Rs. } 10 = 6{,}00{,}000$$

Purchase Consideration 13,92,000

टिप्पणी : एल्फा लिमिटेड के लिए क्रय प्रतिफल की गणना करते समय सम्पत्तियों एवं दायित्वों के पुनर्मूल्यांकन का कोई प्रभाव नहीं होगा क्योंकि शुद्ध भुगतान विधि से क्रय प्रतिफल ज्ञात किया गया है।

Beta Ltd

Assets taken over :	Rs.
Buildings	2,00,000
Plant	4,00,000
Furniture	20,000
Stock	1,60,000
Debtors	2,00,000
Cash at Bank	80,000
Investments	60,000
	11,20,000

	Rs.	Rs.
Less : **Liabilities taken over**		
Provident Fund	80,000	
Sundry Creditors	2,00,000	
Outstanding Expenses	40,000	3,20,000
No. of Equity Shares in AB Ltd. @ Rs. 10 (80,000)		8,00,000
Cash for Liquidation Expenses		12,000
Purchase Consideration		8,12,000

Books of Alpha Ltd.

Realisation Account

Dr.	Rs.		Cr. Rs.
To Goodwill a/c	1,20,000	By 6% Debenture Stock a/c	4,00,000
To Buildings a/c	4,00,000	By Provident Fund a/c	1,20,000
To Plant a/c	8,00,000	By Depreciation Fund a/c	1,60,000
To Furniture a/c	40,000	By Sundry Creditors a/c	3,20,000
To Stock	3,40,000	By Outstanding Expenses a/c	80,000
To Debtors a/c	3,60,000	By AB Ltd.	13,92,000
To Cash & Bank a/c (2,00,000 − 1,20,000 − 20,000)	60,000	By Equity Shareholder' a/c (Realisation Loss)	1,48,000
To Investments a/c	4,80,000		
To Cash a/c (Expenses)	20,000		
	26,20,000		26,20,000

Equity Shareholders Account

Dr.	Rs.		Cr. Rs.
To Preliminary Expenses a/c	40,000	By Equity Share Capital a/c	12,00,000
To Realisation Account (Loss)	1,48,000	By Share Premium a/c	60,000
To Equity Shares of AB Ltd.	7,92,000	By General Reserve a/c	80,000
To Preference Shares of AB Ltd.	6,00,000	By Profit & Loss a/c	80,000
		By Debenture Redemption Fund a/c	1,60,000
	15,80,000		15,80,000

AB Ltd.

Dr.	Rs.		Cr. Rs.
To Realisation a/c	13,92,000	By Equity Shares of AB Ltd.	7,92,000
		By Preference Shares of AB Ltd.	6,00,000
	13,92,000		13,92,000

Profit and Loss Account

Dr.	Rs.		Cr. Rs.
To Dividend a/c	1,20,000	By Balance b/d	2,00,000
To Equity Shareholders a/c	80,000		
	2,00,000		2,00,000

Cash and Bank Account

	Rs.		Rs.
To Balance b/d	2,00,000	By Dividend a/c	1,20,000
		By Realisation a/c (Liquidation Expenses)	20,000
		By Realisation a/c (Balance transferred)	60,000
	2,00,000		2,00,000

टिप्पणी : 1 लाभ हानि खाते के शेष मे से 1,20,000 रुपये लाभांश के कम करके शेष राशि ईक्विटी अंशधारियों के खाते में हस्तान्तरित की गई है।

Books of Beta Ltd. **Realisation Account**

	Rs.		Rs.
To Goodwill a/c	40,000	By Provident Fund a/c	80,000
To Buildings a/c	2,00,000	By Depreciation Fund a/c	80,000
To Plant a/c	4,00,000	By Sundry Creditors a/c	2,00,000
To Furniture a/c	20,000	By Outstanding Expenses a/c	40,000
To Stock a/c	1,80,000	By AB Ltd.	8,12,000
To Debtors a/c	2,40,000	By Equity Shareholders a/c (Realisation Loss)	60,000
To Cash and Bank a/c	80,000		
To Investments a/c	1,00,000		
To Cash (Expenses)	12,000		
	12,72,000		12,72,000

Equity Shareholders Account

	Rs		Rs.
To Preliminary Expenses a/c	8,000	By Equity Share Capital a/c	8,00,000
To Profit and Loss a/c	12,000	By Share Premium a/c	40,000
To Realisation Account (Loss)	60,000	By General Reserve a/c	40,000
To Equity Shares in AB Ltd	8,00,000		
	8,80,000		8,80,000

AB Ltd.

	Rs.		Rs.
To Realisation Account	8,12,000	By Equity Shares in AB Ltd. a/c	8,00,000
		By Cash a/c	12,000
	8,12,000		8,12,000

Books of AB Ltd.

Journal Entries

		Rs.	Rs.
Bank a/c	Dr.	4,40,000	
To Equity Share Capital a/c			4,00,000
To Share Premium a/c			40,000
(10,000 shares of Rs. 10 each issued at 10% premium.)			
Preliminary Expenses a/c	Dr.	40,000	
To Bank a/c			40,000
(Preliminary expenses paid.)			
Building a/c	Dr.	6,00,000	
Plant a/c	Dr.	8,00,000	
Furniture a/c	Dr.	40,000	
Stock a/c	Dr.	3,40,000	
Debtors a/c	Dr.	3,60,000	
Investments a/c	Dr.	4,80,000	
Cash and Bank a/c	Dr.	60,000	
To Provident Fund a/c			1,20,000
To Sundry Creditors a/c			3,20,000
To Outstanding Expenses a/c			80,000
To 8% Debenture Stock a/c			4,00,000
To Liquidator of Alpha Ltd.			13,92,000
To Capital Reserve a/c			3,68,000
(Assets and Liabilities taken over from Alpha Ltd.)			
Liquidator of Alpha Ltd.	Dr.	13,92,000	
To Equity Share Capital a/c			7,20,000
To Share Premium a/c			72,000
To 7% Preference Share Capital a/c			6,00,000
(Purchase consideration satisfied.)			

(Contd ... ...)

		Rs.	Rs.
Buildings a/c	Dr.	2,00,000	
Plant a/c	Dr.	4,00,000	
Furniture a/c	Dr.	20,000	
Stock a/c	Dr.	1,60,000	
Sundry Debtors a/c	Dr.	2,40,000	
Cash and Bank a/c	Dr.	80,000	
Investments a/c	Dr.	60,000	
Acquisition Expenses a/c	Dr.	12,000	
To Provision for Bad Debts a/c			40,000
To Provident Fund a/c			80,000
To Sundry Creditors a/c			2,00,000
To Outstanding Expenses a/c			40,000
To Liquidator of Beta Ltd.			8,12,000
(Assets and Liabilities of Beta Ltd. taken over.)			
Liquidator of Beta Ltd.	Dr.	8,12,000	
To Equity Share Capital a/c			8,00,000
To Cash a/c			12,000
(Being Purchase consideration paid off.)			
Capital Reserve a/c	Dr.	52,000	
To Preliminary Expenses a/c			40,000
To Acquisition Expenses			12,000
(Preliminary and Acquision Expenses written off)			

Balance Sheet A B Ltd.

Liabilities	Amount	Assets		Amount
	Rs.			Rs.
Equity Share Capital	19,20,000	Buildings		8,00,000
7% Preference Share Capital	6,00,000	Plant		12,00,000
Share Premium	1,12,000	Furnitures		60,000
Capital Reserve	3,16,000	Investments		5,40,000
8% Debenture Stock	4,00,000	Stock	Rs.	5,00,000
Provident Fund	*2,00,000*	*Debtors*	*6,00,000*	
Sundry Creditors	5,20,000	*Less* : Provision for Bad debts	40,000	5,60,000
Outstanding Expenses	1,20,000			
		Cash and Bank		5,28,000
	41,88,000			41,88,000

टिप्पणी : (1) ए बी लिमिटेड द्वारा बीटा लिमिटेड को देय समापन व्यय के 12,000 रु० व्यय प्रतिफल का भाग माना गया है एवं इस राशि से ए बी लिमिटेड की पुस्तकों में अधिग्रहण व्यय (Acquision

Expenses) खाते को डेबिट किया गया है। प्रतिभूति व्यय खाते तथा प्रारम्भिक व्यय खाते का शेष पूँजीगत संचय से अपलिखित कर दिया गया है।

संविलयन सम्बन्धी लेखे—संविलयन की स्थिति में मिलने वाली कम्पनी अर्थात् व्यवसाय को बेचने वाली कम्पनी संविलयन होने वाली कम्पनी (Absorbed Company) अथवा विक्रेता कम्पनी (Vendor Company) कहलाती है तथा व्यवसाय को खरीदने वाली कम्पनी संविलयन करने वाली कम्पनी (Absorbing Company) अथवा क्रेता कम्पनी (Purchasing Company) कहलाती है। इसमें क्रय प्रतिफल के निर्धारण, विक्रेता कम्पनी की पुस्तकों को बन्द करने तथा क्रेता कम्पनी की पुस्तकों में व्यापार क्रय के सम्बन्ध में लेखे उसी प्रकार किये जाते हैं जैसे कि एकीकरण की स्थिति में किये जाते हैं।

Illustration 3.4 : The following are the Balance Sheets of two companies, A Ltd and B Ltd., as on 1st January, 1992 :

ए लिमिटेड तथा बी लिमिटेड के चिट्ठे 1 जनवरी 1992 को निम्न प्रकार हैं—

Liabilities	A Ltd.	B Ltd.	Assets	A Ltd.	B Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Authorised Capital in Rs. 10 shares	5,00,000	10,00,000	Fixed Assets	3,00,000	5,00,000
			Debtors & Stock	3,50,000	1,00,000
			Goodwill	1,00,000	3,50,000
Issued Share Capital	5,00,000	7,00,000	Cash at Bank	Nil	1,00,000
5% Debentures	1,00,000	—	Profit and Loss a/c	1,50,000	—
Creditors	3,00,000	2,00,000			
Profit and Loss Account	—	1,50,000			
	9,00,000	10,50,000		9,00,000	10,50,000

B Ltd. agrees to absorb A Ltd. upon the following terms :

(a) The Shares in A Ltd. are to be considered as worth Rs. 6 each of which the shareholders are to be paid one-quarter in cash and the balance in shares in B Ltd., @ Rs. 12·50 each.

(b) The Debenture holders in A Ltd., agreed to accept Rs. 95 7% Debentures in B Ltd., for every Rs. 100 5% Debentures in A Ltd.

(c) A Ltd. is to be wound up.

Show necessary Journal entries to record the above in the books of both the companies and draw the Balance Sheet to show the position of B Ltd. thereafter. Cost of absorption comes to Rs. 6,000 which is born and paid by B Ltd.

बी लिमिटेड निम्न शर्तों पर ए लिमिटेड का संविलयन करने के लिए सहमत होती है :

(अ) ए लिमिटेड के अंशों का मूल्य 6 रु० प्रति अंश होगा, जिसमें से चौथाई राशि अंशधारियों को नकद तथा शेष राशि 12·50 रु० प्रति अंश की दर से बी लिमिटेड के अंशों में चुकाई जायेगी।

(ब) ए लिमिटेड के ऋण-पत्रधारी अपने 100 रु० के वर्तमान 5% प्रत्येक ऋण-पत्र के स्थान पर बी लिमिटेड में 7% 95 रु० का ऋण-पत्र स्वीकार करने हेतु सहमत हो गये हैं।

(स) ए लिमिटेड का समापन कर दिया जायेगा।

दोनों कम्पनियों की पुस्तकों में उपरोक्त को आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए तथा तदुपरान्त बी लिमिटेड की स्थिति प्रदर्शित करते हुए चिट्ठा बनाइये। सविलयन की लागत 6,000 रु० है, जो बी लिमिटेड द्वारा वहन तथा चुराई गई है।

Solution :

बी लिमिटेड द्वारा ए लिमिटेड को देय प्रतिफल—	रु०
ए लिमिटेड के अंशधारियों को देय राशि प्रति अंश 6 रु० की दर पर (50,000 × 6) =	3,00,000
ऋणपत्रधारियों को देय राशि प्रति ऋण-पत्र 95 रु० की दर पर (1,000 × 95) =	95,000
क्रय प्रतिफल	3,95,000

क्रय प्रतिफल का स्वरूप—	रु०
(i) 50,000 अंशों पर 1·50 रु० प्रति अंश नकद	75,000
(ii) अंशधारियों को देय शेष राशि (3,00,000 रु० − 75,000 रु०) 2,25,000 रु० के लिए 12·50 रु० प्रति अंश की दर पर बी लिमिटेड के 18,000 अंश	2,25,000
(iii) ऋण-पत्रधारियों को देय 95,000 रु० के लिए 95 रु० वाले 1,000 ऋणपत्र	95,000
	3,95,000

Books of A Ltd. **Journal**

		Dr. Rs.	Cr. Rs.
Realisation a/c	Dr.	7,50,000	
To Fixed Assets a/c			3,00,000
To Debtors and Stock a/c			3,50,000
To Goodwill a/c			1,00,000
(Assets transferred to Realisation a/c.)			
Creditors a/c	Dr.	3,00,000	
To Realisation a/c			3,00,000
(Liabilities transferred to Realisation Account.)			
Equity Share Capital a/c	Dr.	5,00,000	
To Equity Shareholders a/c			5,00,000
(Capital transferred to Shareholders Account.)			
Equity Shareholders a/c	Dr.	1,50,000	
To Profit and Loss a/c			1,50,000
(Balance of Profit and Loss Account transferred.)			

(*Contd.*)

			Dr.	Cr.
			Rs.	Rs.
	B Ltd. Dr.		3,95,000	
	To Realisation a/c			3,95,000
	(Purchase consideration due.)			
	Bank a/c Dr.		75,000	
	Shares in B Ltd. a/c Dr.		2,25,000	
	Debentures in B Ltd. a/c Dr.		95,000	
	To B Ltd.			3,95,000
	(Purchase consideration received.)			
	5% Debentures a/c Dr.		1,00,000	
	To Debentureholders a/c			1,00,000
	(Balance transferred.)			
	Debentureholders a/c Dr.		1,00,000	
	To Debentures in B Ltd. a/c			95,000
	To Realisation a/c			5,000
	(Debentures in B Ltd. issued to debentureholders and profit on payment transferred to Realisation Account.)			
	Equity Shareholders a/c Dr.		50,000	
	To Realisation a/c			50,000
	(Loss on realisation transferred.)			
	Equity Shareholders a/c Dr.		3,00,000	
	To Bank a/c			75,000
	To Equity Shares in B Ltd. a/c			2,25,000
	(Claim of Equity shareholders settled.)			

Books of B Ltd. **Journal**

			Dr.	Cr.
			Rs.	Rs.
	Fixed Assets a/c Dr.		3,00,000	
	Debtors and Stock a/c Dr.		3,50,000	
	Goodwill a/c Dr.		45,000	
	(Balancing figure)			
	To Creditors a/c			3,00,000
	To Liquidator of A Ltd. a/c			3,95,000
	(Assets and Liabilities of A Ltd. taken over.)			

(Contd......)

			Rs.	Rs.
Goodwill a/c	Dr.		6,000	
To Bank a/c				6,000
(Cost of absorption debited to Goodwill a/c.)				
Liquidator of A Ltd. a/c	Dr.		3,95,000	
To Bank a/c				75,000
To Equity Share Capital a/c				1,80,000
To Share Premium a/c				45,000
To 7% Debentures a/c				95,000
(Purchase consideration discharged.)				

Balance Sheet (After Absorption)

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
Issued Share Capital	8,80,000	*Fixed Assets*	8,00,000
Share Premium Account	45,000	Debtors and Stock	4,50,000
Profit and Loss Account	1,50,000	Goodwill	4,01,000
7% Debentures	95,000	Bank Balance	19,000
Creditors	5,00,000		
	16,70,000		16,70,000

टिप्पणी : (1) बी लि० द्वारा जारी किये जाने वाले ऋणपत्रों का मूल्य 95 रु० है (100 रु० नहीं) अतः इसके निर्गमन पर कोई राशि बट्टे खाते नाम नहीं लिखी जाएगी।

(2) 6,000 रु० संविलयन की लागत लगी है इसका लेखा केवल बी लिमिटेड की पुस्तकों में ही किया जायेगा। संविलयन की लागत को ख्याति खाते में डेबिट किया गया है।

Illustration 3.5 : P Limited agreed to purchase the business of V Limited on 1st January, 1992. The summarised Balance sheet of V Ltd. was as follows :

पी लिमिटेड 1 जनवरी, 1992 को वी लिमिटेड का व्यवसाय क्रय करने को सहमत होती है। 'वी' लिमिटेड का संक्षिप्त चिट्ठा निम्न प्रकार था :

Balance Sheet of V Ltd. as on 31st December, 1991

Liabilities	Amount Rs.	Assets	Amount Rs.
50,000 Equity shares of Rs. 10 each fully paid	5,00,000	Land, Buildings and Plant	5,80,000
General Reserve	1,30,000	Stock	1,60,000
Profit and Loss A/c	80,000	Debtors	1,20,000
6% Debentures	1,00,000	Cash at Bank	40,000
Creditors	90,000		
	9,00,000		9,00,000

The consideration payable by P Ltd. was agreed as follows :

(a) Cash payment equivalent to Rs. 3 for every share of Rs. 10 in V Ltd.

(b) Payment of liquidation expenses in cash Rs. 5,000.

(c) Issue of 8 equity shares of Rs. 10 each fully paid in P Ltd. at market value of Rs. 15 per share for every 5 shares in V Ltd.

(d) Issue of such an amount of fully paid 5% Debentures of Rs. 100 each in P Ltd. at Rs. 96 as is sufficient to discharge the 6% Debentures of V Ltd. at a premium of 20%.

The Directors of P Ltd. valued Land, Buildings and Plant at Rs. 11,00,000; Stock at Rs. 1,50,000 and Debtors subject to an allowance of 5% to cover doubtful debts. The cost of liquidation was Rs. 5,000.

Give necessary Journal entries to close the books of V Ltd. and also opening Journal entries in the books of P Ltd.

पी लि० द्वारा देय प्रतिफल का निर्धारण निम्न प्रकार हुआ :

(अ) वी लि० के प्रत्येक 10 रु० के अंश के लिए 3 रु० के बराबर नकद भुगतान।

(ब) समापन व्यय का नकद भुगतान 5,000 रु०।

(स) पी लि० में 10 रु० वाले पूर्ण प्रदत्त 8 अंशों का 15 रु० के बाजार मूल्य पर निर्गमन वी लि० मे प्रत्येक 5 अंशों के लिए।

(द) पी लि० में 96 रु० पर पूर्ण प्रदत्त 100 रु० वाले 5% ऋणपत्रों का इतनी संख्या में निर्गमन जिससे कि वी लि० के 6% ऋणपत्रों का 20% प्रीमियम पर भुगतान हो जावे।

पी लि० के संचालकों ने भूमि, भवन एवं संयन्त्र को 11,00,000 रु० पर, स्टॉक 1,50,000 पर तथा देनदारों पर संदिग्ध ऋणों के लिए 5% प्रावधान करते हुए मूल्यांकित किया। समापन व्यय 5,000 रु० हुए।

वी लि० की पुस्तकें बन्द करने के लिए आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए तथा पी लि० की पुस्तकों में प्रारम्भिक जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिये।

Solution : **क्रय प्रतिफल की गणना**

	रु०	रु०
(1) अंशधारियों के लिए :		
(अ) 50,000 अंशों पर 3 रु० प्रति अंश नकद	1,50,000	
(ब) वी लिमिटेड के प्रति 5 धारित अंशों के लिए 10 रु० वाले 8 अंश 15 रु० के मूल्य पर अर्थात् 80,000 अंश 15 रु० के मूल्य पर	12,00,000	13,50,000
(2) ऋणपत्रधारियों के लिए :		
वी लिमिटेड के प्रति एक धारित ऋणपत्र का 20% प्रीमियम पर भुगतान		1,20,000
(3) समापन व्ययों के भुगतान के लिए नकद		5,000
क्रय प्रतिफल		14,75,000

इस क्रय प्रतिफल का निपटारा : 1,55,000 रु० नकद में, 12,00,000 रु० के 80,000 इक्विटी अंश 5 रु० प्रति अंश प्रीमियम पर एवं 1,20,000 रु० वाले पूर्ण प्रदत्त 1,250 ऋणपत्रों का 4% बट्टे पर निर्गमन करके किया जायेगा।

Books of V Ltd. **Journal** Dr. Cr.

Date	Particulars		L.F.	Amount	Amount
				Rs.	Rs.
	Realisation a/c	Dr		9,00,000	
	To Land, Buildings and Plant a/c				5,80,000
	To Stock a/c				1,60,000
	To Debtors a/c				1,20,000
	To Bank a/c				40,000
	(Assets transferred to Realisation a/c.				
	Creditors a/c	Dr		90,000	
	To Realisation a/c				90,000
	(Liabilities transferred to Realisation account.)				
	6% Debentures a/c	Dr.		1,00,000	
	To Debenture holders a/c				1,00,000
	(Balance of 6% Debentures account transferred to Debenture holders account.)				
	Equity Share Capital a/c	Dr		5,00,000	
	General Reserve a/c	Dr.		1,30,000	
	Profit and Loss a/c	Dr.		80,000	
	To Equity Shareholders a/c				7,10,000
	(Balance transferred to Equity shareholders a/c)				
	P Ltd	Dr.		14,75,000	
	To Realisation a/c				14,75,000
	(Purchase consideration due.)				
	Bank a/c	Dr.		1,55,000	
	Shares in P Ltd a/c	Dr.		12,00,000	
	Debentures in P Ltd. a/c	Dr.		1,20,000	
	To P Ltd				14,75,000
	(Purchase consideration received.)				
	Realisation a/c	Dr.		5,000	
	To Bank a/c				5,000
	(Liquidation expenses paid off.)				

(Contd.)

Date	Particulars	L.F.	Amount	Amount
			Rs.	Rs
	Debenture holders a/c Dr.		1,20,000	
	To Debentures in P Ltd. a/c			1,20,000
	(Debentures in P Ltd. issued to debenture holders)			
	Realisation a/c Dr.		20,000	
	To Debenture holders a/c			20,000
	(Loss on payment to Debenture holders transferred to Realisation Account.)			
	Realisation a/c Dr		6,40,000	
	To Equity Shareholders a/c			6,40,000
	(Profit on realisation transferred to Equity Shareholders Account.)			
	Equity Shareholders a/c Dr.		13,50,000	
	To Equity Shares in P Ltd. a/c			12,00,000
	To Bank a/c			1,50,000
	(Payment made to Equity Shareholders.)			

Books of P Ltd. **Journal**

Date	Particulars	L.F.	Dr. Amount	Cr. Amount
			Rs.	Rs.
	Land, Buildings and Plant a/c Dr.		11,00,000	
	Stock a/c Dr.		1,50,000	
	Debtors a/c Dr.		1,20,000	
	Bank a/c Dr.		40,000	
	Goodwill a/c Dr.		1,61,000	
	To Creditors a/c			90,000
	To Provision for doubtful debts a/c			6,000
	To Liquidator of V Ltd. a/c			14,75,000
	(Assets and liabilities taken over.)			
	Liquidator of V Ltd. a/c Dr.		14,75,000	
	Discount on Issue of Debentures a/c Dr.		5,000	
	To Bank a/c			1,55,000
	To Equity Share Capital a/c			8,00,000
	To Share Premium a/c			4,00,000
	To 5% Debentures a/c			1,25,000
	(Payment of purchase consideration made.)			

टिप्पणियाँ :—(1) समापन व्ययों का पी लिमिटेड द्वारा किया गया भुगतान क्रय प्रतिफल का भाग माना गया है।

(2) चूँकि भुगतान के सम्बन्ध में पूर्ण विवरण उपलब्ध है, अतः क्रय प्रतिफल की गणना भुगतान विधि के आधार पर की गई है।

(3) पी लिमिटेड की पुस्तकों में 1,61,000 रु० ख्याति के डेबिट किये गए हैं जो कि देय क्रय प्रतिफल में से शुद्ध सम्पत्तियाँ (सम्पत्तियाँ - दायित्व) कम करके ज्ञात किया गया है।

(4) ऋणपत्रधारियों के खाते में जमा राशि 1,00,000 रु० है, जबकि उनको भुगतान 1,20,000 रु० का किया गया। अतः 20,000 रु० अधिक भुगतान वसूली खाते में हानि के रूप में हस्तान्तरित किया गया है।

(5) पी लिमिटेड के निस्तारक को 1,55,000 रु० का नकद भुगतान किया गया है लेकिन पी लिमिटेड के पास नकद केवल 40,000 रु० है अतः यह मान लिया गया है कि शेष राशि 1,15,000 रु० के लिए बैंक से अधिविकर्ष की व्यवस्था करली गई है।

(6) वी लि० के लिए वसूली से लाभ की गणना वसूली खाता बनाकर की गई है जो निम्न प्रकार है :

Realisation Account

	Rs.		Rs.
To Sundry Assets a/c	9,00,000	By Creditors a/c	90,000
To Bank (Expenses) a/c	5,000	By P Ltd.	14,75,000
To Debenture holders a/c (Loss on payment)	20,000		
To Equity Shareholders a/c (Profit)	6,40,000		
	15,65,000		15,65,000

अन्तः कम्पनी व्यवहार
(Inter Company Transactions)

दो कम्पनियों के मध्य होने वाले व्यवहारों को अन्तः कम्पनी व्यवहार कहते हैं। ऐसे व्यवहार प्रायः समान व्यापार करने वाली कम्पनियों के मध्य ही होते हैं। एकीकरण एवं संविलयन समान व्यापार करने वाली कम्पनियों के मध्य ही होता है अतः ऐसी कम्पनियों के मध्य इस प्रकार के व्यवहारों का पाया जाना स्वाभाविक है। संविलयन की स्थिति में ऐसे व्यवहारों का विशेष प्रभाव पड़ता है जिनका अलग-अलग लेखा व्यवहार करना आवश्यक हो जाता है। अन्तः कम्पनी व्यवहारों के लेखांकन प्रभाव का अध्ययन निम्न शीर्षकों में किया जा सकता है :

(1) परस्पर ऋण (Mutual Debts)।

(2) स्टॉक पर न वसूल हुआ लाभ (Unrealised Profit on Stock)।

(3) अन्तः कम्पनी विनियोग (Inter Company holdings)।

(1) परस्पर ऋण (Mutual Debts)—संविलयन की स्थिति में परस्पर ऋण माल के क्रय-विक्रय के सम्बन्ध में अथवा ऋण एवं अग्रिम (Loans and Advances) के कारण हो सकते हैं। ऐसे ऋण लेनदार (Creditors), देनदार (Debtors), देय विपत्र (Bills Payable), प्राप्य विपत्र (Bills Receivable) अथवा अन्य ऋणों (Other Loans) के फलस्वरूप हो सकते हैं।

विक्रेता कम्पनी की पुस्तकों में लेखा—विक्रेता कम्पनी की पुस्तकों पर ऐसे पारस्परिक ऋणों का कोई लेखांकन प्रभाव नहीं पड़ता है। विक्रेता कम्पनी की पुस्तकें बन्द करते समय ऐसी मदों के शेष को वसूली खाते में अन्य सम्पत्तियों एवं दायित्वों की भाँति ही हस्तान्तरित कर दिया जाता है।

क्रेता कम्पनी की पुस्तकों में लेखा—क्रेता कम्पनी की पुस्तकों में व्यापार को क्रय की जर्नल प्रविष्टि विक्रेता कम्पनी की सम्पत्तियों एवं दायित्वों को निर्धारित मूल्य पर डेबिट व क्रेडिट करते हुए सामान्य नियमों के अनुसार की जायेगी। इसके बाद पारस्परिक मदों के सम्बन्ध में विभिन्न परिस्थितियों में लेखा प्रविष्टियाँ निम्न प्रकार की जावेंगी—

(i) यदि क्रेता कम्पनी देनदार Debtor) के रूप में तथा विक्रेता कम्पनी लेनदार (Creditor) के रूप में है :

Creditors (in Purchasing Co.) a/c Dr.
 To Debtors (in Vendor Co.) a/c

(ii) यदि क्रेता कम्पनी लेनदार (Creditor) के रूप में तथा विक्रेता कम्पनी देनदार (Debtor) के रूप में है :

Creditors (in Vendor Co.) a/c Dr.
 To Debtors (in Purchasing Co.) a/c

(iii) यदि क्रेता कम्पनी की पुस्तकों में देय बिल (Bills Payable) तथा विक्रेता कम्पनी की पुस्तकों में प्राप्य बिल (Bills Receivable) है :

Bills Payable (in Purchasing Co.) a/c Dr.
 To Bills Receivable (in Vendor Co.) a/c

(iv) यदि क्रेता कम्पनी की पुस्तकों में प्राप्य बिल (Bills Receivable) तथा विक्रेता कम्पनी की पुस्तकों में देय बिल (Bills Payable) है :

Bills Payable (in Vendor Co.) a/c Dr.
 To Bills Receivable (in Purchasing Co.) a/c

(v) क्रेता एवं विक्रेता कम्पनियों की पुस्तकों में पारस्परिक अन्य ऋण एक कम्पनी की पुस्तकों में सम्पत्ति के रूप में तथा दूसरी कम्पनी की पुस्तकों में उतनी ही राशि दायित्व के रूप में प्रकट होगी। ऐसे पारस्परिक ऋण की राशि से क्रेता कम्पनी की पुस्तकों में सम्पत्ति एवं दायित्व दोनों पक्षों को कम कर दिया जायेगा। यदि क्रेता कम्पनी ने ऋण ले रखा है तो निम्न प्रविष्टि की जायेगी—

Loan from Vendor Co. a/c Dr.
 To Loan to Purchasing Co. a/c

यदि ऋण विक्रेता कम्पनी ने ले रखा है तो निम्न प्रविष्टि की जायेगी :

Loan from Purchasing Co. a/c Dr.
 To Loan to Vendor Co. a/c

Illustration 3·6 : The following are the Balance Sheets of X Ltd. and Y Ltd. as on 31st March, 1992 :

31 मार्च, 1992 को एक्स लिमिटेड तथा वाई लिमिटेड के चिट्ठे अग्र प्रकार हैं :

Balance Sheets

Liabilities	X Ltd.	Y Ltd.	Assets	X Ltd.	Y Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs	Rs.
Share Capital (Rs. 10)	2,00,000	4,00,000	Freehold Property	2,40,000	5,00,000
General Reserve	80,000	1,20,000	Loan to Y Ltd.	20,000	—
Workmen's Compensation Fund	20,000	—	Debtors	50,000	40,000
Loan from X Ltd.	—	20,000	Bills Receivable	10,000	—
Creditors	60,000	72,000	Stock	40,000	60,000
Bills Payable	—	8,000	Bank Balance	—	20,000
	3,60,000	6,20,000		3,60,000	6,20,000

Included in the Creditors of X Ltd. an amount of Rs. 10,000 payable to Y Ltd. and similar in the Bills Payable of Y Ltd. an amount of Rs. 4,000 Bills Receivable of X Ltd.

Y Ltd. agreed to absorb X Ltd. on the following terms :

(i) Y Ltd. will allot one share of Rs. 10 each fully paid at a premium of 10% in exchange for one share in X Ltd.

(ii) Workmen Compensation Fund of X Ltd. will not be taken over by Y Ltd.

(iii) Other assets and liabilities will be taken over at book values.

(iv) Inter company owings will be cancelled by Y Ltd. after absorption.

Prepare Realisation Account, Shareholders Account and the Account of Y Ltd. in the books of X Ltd. Give journal entries and the balance sheet after the purchase of business in the books of Y Ltd.

एक्स लिमिटेड के लेनदारों में एक 10,000 रु० की मद सम्मिलित है जो वाई लिमिटेड को देय है तथा इसी प्रकार वाई लिमिटेड के देय बिलों में एक 4,000 रु० की मद है जो एक्स लिमिटेड के प्राप्य बिलों में सम्मिलित है।

वाई लिमिटेड निम्नलिखित शर्तों पर एक्स लिमिटेड का संविलयन करने को सहमत हुई :

(i) वाई लिमिटेड एक्स लिमिटेड के एक अंश के बदले 10 रु० वाला एक पूर्ण प्रदत्त अंश 10% प्रीमियम पर निर्गमित करेगी।

(ii) एक्स लिमिटेड के श्रमिक क्षतिपूर्ति कोष को वाई लिमिटेड द्वारा नहीं लिया जायेगा।

(iii) अन्य सम्पत्तियाँ एवं दायित्वों को पुस्तक मूल्यों पर लिया जायेगा।

(iv) संविलयन के बाद वाई लिमिटेड द्वारा अन्तः कम्पनी देनदारियों को रद्द कर दिया जायेगा।

एक्स लिमिटेड की पुस्तकों में वसूली खाता, अंशधारियों का खाता तथा वाई लिमिटेड का खाता बनाइए। वाई लिमिटेड की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए तथा व्यापार के क्रय के पश्चात् का चिट्ठा दीजिए।

Solution :

Books of X Ltd.

Realisation Account

Dr.	Rs.		Cr. Rs.
To Freehold Property a/c	2,40,000	By Creditors a/c	60,000
To Loan to Y Ltd. a/c	20,000	By Y Ltd. (Purchase consideration)	2,20,000
To Debtors a/c	50,000	By Shareholders a/c (Loss on realisation)	80,000
To Bills Receivable a/c	10,000		
To Stock a/c	40,000		
	3,60,000		3,60,000

Shareholders Account

Dr.	Rs.		Cr. Rs.
To Realisation a/c	80,000	By Share Capital a/c	2,00,000
To Shares in Y Ltd. a/c	2,20,000	By General Reserve a/c	80,000
		By Workmen's Compensation Fund a/c	20,000
	3,00,000		3,00,000

Y Ltd.

Dr.	Rs.		Cr. Rs.
To Realisation a/c	2,20,000	By Shares in Y Ltd. a/c	2,20,000

Books of Y Ltd.

Journal

Date	*Particulars*		Dr. *Amount*	Cr. *Amount*
			Rs.	Rs.
	Freehold Property a/c	Dr.	2,40,000	
	Loan a/c	Dr.	20,000	
	Debtors a/c	Dr.	50,000	
	Bills Receivable a/c	Dr.	10,000	
	Stock a/c	Dr.	40,000	
	To Creditors a/c			60,000
	To Liquidators of X Ltd.			2,20,000
	To Capital Reserve a/c			80,000
	(Assets and liabilities taken over)			

		Rs.	Rs.
Liquidator of X Ltd. To Share Capital a/c To Share Premium a/c (Purchase consideration paid)	Dr.	2,20 000	2,00,000 20,000
Loan from X Ltd. a/c To Loan a/c (Mutual liability for Loan cancelled)	Dr.	20,000	20,000
Creditors (in X Ltd) a/c To Debtors (in Y Ltd.) a/c (Mutual liabilities of debtors and creditors cancelled)	Dr.	10,000	10,000
B/P (in Y Ltd) To B/R (in X Ltd.) a/c (Mutual liability for B/R and B/P cancelled)	Dr.	4,000	4,000

Balance Sheet of Y Ltd. as at........
(After absorption)

Liabilities	Amount Rs.	Assets	Amount Rs.
Share Capital -		**Fixed Assets :**	
60,000 Shares of Rs. 10 each	6,00,000	Freehold Property	7,40,000
Reserve and Surplus :		**Current Assets :**	
Capital Reserve	80,000	Stock	1,00,000
Share Premium	20,000	Debtors	80,000
General Reserve	1,20,000	Bills Receivable	6,000
Current Liabilities :		Bank Balance	20,000
Creditors	1,22,000		
Bills Payable	4,000		
	9,46,000		9,46,000

टिप्पणियां (1) क्रय प्रतिफल की गणना निम्न प्रकार की गई है :

Number of shares in X Ltd. (2,00,000 ÷ 10) = 20,000	
Number of shares to be allotted in Y Ltd.	20,000
Issue price per-share (Rs. 10 + 10% of Rs. 10)	Rs. 11
Purchase consideration (20,000 shares × Rs. 11)	Rs. 2,20,000

(2) पूँजी संचय की राशि निम्न प्रकार ज्ञात की गई है :

		Rs.
Value of Assets taken over :		
Freehold Property		2,40,000
Loan to Y Ltd.		20,000
Debtors		50,000
Bills Receivable		10,000
Stock		40,000
	Total Assets	3,60,000
Less : Creditors		60,000
	Net Assets	3,00,000
Less : Purchase consideration		2,20,000
	Capital Reserve	80,000

(3) 20,000 रु० के ऋण की राशि, 10,000 रु० के लेनदार एवं देनदार तथा 4,000 रु० के प्राप्य बिल एवं देय बिल की राशियाँ सम्पत्तियों एवं दायित्वों दोनों में से कम कर दी गयी हैं।

(2) स्टॉक पर न वसूल हुआ लाभ (Unrealised Profit on Stock)—समान व्यापार करने वाली कम्पनियों के मध्य माल के क्रय-विक्रय सम्बन्धी व्यवहार होते रहते हैं। माल का विक्रय लागत मूल्य पर लाभ जोड़कर किया जाता है। यदि संविलयन की तिथि को क्रेता अथवा विक्रेता कम्पनी के पास ऐसे माल का स्टॉक है तो माल लाभ पर बेचने की स्थिति में इसमें सम्मिलित लाभ 'न वसूल हुआ लाभ' माना जाता है। इस लाभ की राशि के लिए आवश्यक समायोजन करना होता है। विभिन्न परिस्थितियों में न वसूल हुए लाभ के लिए समायोजन निम्न प्रकार किया जायेगा :

(i) जब विक्रेता कम्पनी के पास क्रेता कम्पनी से खरीदा हुआ माल स्टॉक में है : यदि संविलयन होने वाली कम्पनी (विक्रेता कम्पनी) ने संविलयन करने वाली कम्पनी (क्रेता कम्पनी) से माल खरीदा था और उसमें से माल संविलयन की तिथि को बिना बिका हुआ रह जाता है तो विक्रेता कम्पनी के चिट्ठे में यह स्टॉक क्रय मूल्य पर दिखाया जायेगा जो कि संविलयन होने वाली कम्पनी के लिए लागत मूल्य है। चूँकि ऐसा माल लाभ पर बेचा जाता है अतः संविलयन करने वाली कम्पनी द्वारा बेचे गये माल की उसी मूल्य में उसके द्वारा कमाया हुआ लाभ सम्मिलित होता है। संविलयन करने वाली कम्पनी द्वारा ऐसे माल को उसी मूल्य पर अधिग्रहित किया जाता है जिस पर कि उसने माल संविलयन होने वाली कम्पनी को पहले बेचा था। यह माल संविलयन करने वाली कम्पनी के पास उसी मूल्य पर वापस आयेगा जिस पर उसने बेचा था। अतः इस माल में न वसूल हुआ लाभ, सम्मिलित होगा जिसे रद्द करना होगा। उदाहरणार्थ, पी कम्पनी ने आर कम्पनी को 10,000 रु० की लागत का माल 15,000 रु० में बेचा। कुछ समय पश्चात् पी कम्पनी ने आर कम्पनी को खरीद लिया। उस समय आर कम्पनी के स्टॉक में इस माल में से 6,000 रु० का माल था जो पी कम्पनी के पास वापस आ गया।

इस 6,000 रु० के माल में $6{,}000 \times \frac{5{,}000}{15{,}000} = 2{,}000$ रु० 'न वसूल हुआ लाभ' होगा जिसे रद्द किया जायेगा। इस सम्बन्ध में लेखे अग्र प्रकार किये जायेंगे—

सविलयन करने वाली कम्पनी की पुस्तकों में लेखे—

Profit and Loss a/c Dr.
or Capital Reserve a/c Dr
or Goodwill a/c Dr.
To Stock a/c

सविलयन होने वाली कम्पनी की पुस्तकों में लेखे—इसका सविलयन होने वाली कम्पनी की पुस्तको मे कोई प्रभाव नही पड़ेगा, अतः समायोजन की आवश्यकता नही होगी।

(ii) जब क्रेता कम्पनी के पास विक्रेता कम्पनी से खरीदा हुआ माल स्टॉक में है – यदि माल सविलयन करने वाली कम्पनी (क्रेता कम्पनी) ने सविलयन होने वाली कम्पनी (विक्रेता कम्पनी) से खरीदा था और सविलयन की तिथि को उसमे से कुछ स्टॉक बच गया है तो इस स्टॉक मे सम्मिलित न वसूल हुए लाभ के लिए समायोजन किये जाने के सम्बन्ध मे दो विचारधारायें हैं— प्रथम विचारधारा के अनुसार स्टॉक के मूल्य मे कोई समायोजन आवश्यक नहीं है, लेकिन दूसरी विचारधारा के अनुसार, न वसूल हुए लाभ, के लिए समायोजन आवश्यक है।

टिप्पणी : दोनो विचारधाराओं मे से किस विचारधारा को माना जावे इसके सम्बन्ध मे हमारी राय से प्रथम विचारधारा अधिक उचित मानी जा सकती है क्योंकि क्रेता कम्पनी ने माल चाहे विक्रेता कम्पनी से खरीदा है अथवा अन्य किसी कम्पनी से, उसे वह क्रय मूल्य पर ही दिखाती है। अतः इसमें 'न वसूल हुए लाभ' की कोई समस्या उत्पन्न ही नही होती क्योंकि क्रेता कम्पनी ने तो कोई लाभ लिया ही नही है। विद्यार्थियों को यदि प्रश्न में कोई स्पष्ट सूचना हो तो उसके अनुसार हल करना चाहिए अन्यथा प्रथम विचारधारा को मान कर इस आशय की टिप्पणी दे देनी चाहिए।

Illustration 3·7 : The following are the Balance Sheets of A Ltd. and B Ltd. as on 31st December, 1991 :

31 दिसम्बर, 1991 को ए लिमिटेड तथा बी लिमिटेड के चिट्ठे निम्न प्रकार हैं :

Balance Sheets

Liabilities	A Ltd.	B Ltd.	Assets	A Ltd.	B Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Share Capital in Rs 10 Share	1,00,000	2,00,000	Fixed Assets	1,20,000	2,50,000
			Loan to B Ltd.	10,000	—
Reserve Fund	50,000	60,000	Debtors (including A Ltd. Rs. 5,000)	—	20,000
Creditors (including 'B' Ltd. Rs. 5,000)	30,000	—	Debtors	30,000	—
Creditors	—	40,000	Stock	20,000	30,000
Loan from A Ltd.	—	10,000	Cash in Bank	—	10,000
	1,80,000	3,10,000		1,80,000	3,10,000

B Ltd. agreed to absorb A Ltd. on the following terms :

(i) B Ltd. will take over all the assets and liabilities of A Ltd. at book values.

(ii) B Ltd. shall give one share of Rs. 35 each for every 3 shares in A Ltd.

You are informed that the stock of A Ltd. includes stock worth Rs. 15,000 purchased from B Ltd. who sells goods at cost plus 20%. The shares of B Ltd. are quoted in the market at Rs. 45.

You are required to calculate purchase consideration and give journal entries and balance sheet after the purchase of business in the books of B Ltd.

बी लिमिटेड ने ए लिमिटेड का सविलयन निम्नलिखित शर्तों पर करने का निश्चय किया है :

(i) बी लिमिटेड, ए लिमिटेड की समस्त सम्पत्तियाँ एवं दायित्व पुस्तक मूल्यों पर लेगी।

(ii) बी लिमिटेड, ए लिमिटेड में प्रत्येक 3 अंशों के बदले में 35 रु० वाला एक अंश देगी।

आपको सूचित किया जाता है कि ए लिमिटेड के स्टॉक में बी लिमिटेड से क्रय किया गया 15,000 रु० का स्टॉक सम्मिलित है जो लागत में 20% जोड़कर माल बेचती है। बी लिमिटेड के अंश बाजार में 45 रु० पर उद्धृत किये जाते हैं।

आपको क्रय प्रतिफल की गणना करनी है तथा बी लिमिटेड की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियाँ एवं व्यापार क्रय के बाद का चिट्ठा देना है।

Solution :

Statement Showing Purchase Consideration

Number of Shares in A Ltd. (1,00,000 ÷ 10)	10,000
Number of Shares to be allotted in B Ltd. (10,000 ÷ 3)	$3,333\frac{1}{3}$
Amount of 3,333 Shares @ Rs. 35 per Share	1,16,655
Amount of fraction to be paid in cash at market value : ($\frac{1}{3} \times 45$)	15
Purchase Consideration	1,16,670

Journal

			Rs.	Rs.
	Fixed Assets a/c	Dr.	1,20,000	
	Loan a/c	Dr.	10,000	
	Debtors a/c	Dr.	30,000	
	Stock a/c	Dr.	20,000	
	To Creditors a/c			30,000
	To Liquidator of A Ltd. a/c			1,16,670
	To Capital Reserve a/c			33,330
	(Assets & liabilities of A Ltd. taken over.)			

(Contd.)

Liquidator of A Ltd. a/c	Dr.	1,16,670	
To Share Capital a/c			1,16,655
To Bank a/c			15
(Purchase consideration discharged)			
Capital Reserve a/c	Dr.	2,500	
To Stock a/c			2,500
(Value of stock taken over from A Ltd. reduced to the extent of unrealised profit included therein)			
Loan from A Ltd. a/c	Dr.	10,000	
To Loan a/c			10,000
(Mutual debts cancelled)			
Creditors (in A Ltd.) a/c	Dr.	5,000	
To Debtors (in B Ltd) a/c			5,000
(Creditors set off with debtors as mutual debts)			

Balance Sheet of B Ltd. as at .....

(After Absorption)

Liabilities	Amount	Assets	Amount
	Rs.		Rs.
Share Capital :		Fixed Assets	3,70,000
20,000 Shares of Rs. 10 each	2,00,000	Current Assets :	
3,333 Shares of Rs. 35 each	1,16,655	Stock	47,500
Reserve and Surplus :		Debtors	45,000
Reserve Fund	60,000	Cash at Bank	9,985
Capital Reserve	30,830		
Current Liabilities :			
Creditors	65,000		
	4,72,485		4,72,485

टिप्पणी : (1) क्रय प्रतिफल की गणना में अंश के ½ भाग के लिए नकद राशि प्राप्त होगी जो अंशों के बाजार मूल्य पर ली गई है।

(2) पूँजी संचय का शेष इस प्रकार ज्ञात किया गया है :

		Rs.
Value of assets taken over :		
(Rs. 1,20,000 + Rs. 10,000 + Rs. 30,000 + Rs. 20,000)		1,80,000
Less : Creditors		30,000
	Net Assets	1,50,000
Less : Purchase Consideration		1,16,670
	Capital Reserve	33,330
Less : Unrealised Profit written off		2,500
	Balance	30,830

(3) स्टॉक में सम्मिलित न वसूल हुआ लाभ निम्न प्रकार ज्ञात किया गया है :

	Rs.
Value of Stock	15,000

Profit included 20% on cost or $16\frac{2}{3}\%$ on selling price

Unrealised Profit : $(15,000 \times \frac{20}{120})$ = Rs. 2,500.

(4) 10,000 रु० ऋण की राशि एवं 5,000 रु० के लेनदार एवं देनदार सम्पत्तियों एवं दायित्वों दोनों में से कम कर दिये गये हैं।

(5) स्टॉक में से न वसूल हुए लाभ के 2,500 रु० कम कर दिये गये हैं।

(3) अन्तः कम्पनी विनियोग (Inter Company Investments) : कम्पनियों के एकीकरण अथवा संविलयन के समय एक कम्पनी का दूसरी कम्पनी के अंशों में विनियोग हो सकता है अथवा इन कम्पनियों द्वारा आपस में एक दूसरे के अंशों में विनियोग किया हुआ हो सकता है। अन्तः कम्पनी के विनियोग सम्बन्ध में तीन परिस्थितियाँ हो सकती हैं जिनमें व्यवहारों का समायोजन निम्न प्रकार से किया जायेगा :

(i) जब संविलियन करने वाली कम्पनी (क्रेता कम्पनी) संविलयन होने वाली कम्पनी (विक्रेता कम्पनी) में अंशों की धारक हो : इस स्थिति में क्रेता कम्पनी धारित अंशों की सीमा तक विक्रेता कम्पनी की स्वामी होती है। विक्रेता कम्पनी के व्यवसाय का अधिग्रहण करते समय क्रय प्रतिफल के निर्धारण में ऐसे धारित अंशों को ध्यान में रखना होता है।

यदि क्रय प्रतिफल शुद्ध सम्पत्ति विधि (Net Assets Method) के आधार पर निर्धारित किया जाता है तो क्रेता कम्पनी द्वारा ली जाने वाली सम्पत्तियों के मूल्य में से लिये गये दायित्वों को घटाकर शुद्ध सम्पत्तियाँ ज्ञात की जाती हैं। बाद में इस मूल्य में से क्रेता कम्पनी का हिस्सा (अंश विनियोग के अनुपात में) घटाकर शेष राशि बाह्य अंशधारियों के लिए क्रय प्रतिफल होगा।

यदि क्रय प्रतिफल शुद्ध भुगतान विधि (Net Payment Method) के आधार पर निर्धारित किया जाता है तो क्रेता कम्पनी द्वारा धारित अंशों को छोड़कर बाह्य अंशधारियों को भुगतान के लिए ही क्रय प्रतिफल ज्ञात किया जायेगा।

संविलयन होने वाली (विक्रेता) कम्पनी की पुस्तकों में लेखा : अंश पूँजी का जितना भाग संविलयन करने वाली कम्पनी द्वारा क्रय किये गये अंशों से सम्बन्धित है उस सीमा तक अंश पूँजी को रद्द करने के लिए अग्रलिखित प्रविष्टि की जायेगी :

Share Capital a/c Dr.
To Realisation a/c

सविलयन करने वाली (क्रेता) कम्पनी की पुस्तकों में लेखा : सविलयन करने वाली कम्पनी की पुस्तकों में सविलयन होने वाली कम्पनी में धारित अंशों को विनियोग के रूप में दिखाया गया होगा। सविलयन पर विक्रेता कम्पनी का समापन हो जाने से क्रेता कम्पनी द्वारा धारित अंश बेकार हो जायेंगे। अतः इन अंशों में विनियोगों को रद्द करने के लिए निम्न प्रविष्टि की जायेगी :

Goodwill or Capital Reserve a/c Dr.
To Investment in Shares of ....Ltd. a/c

Illustration 38 : The Balance Sheet of Y Ltd. as on 31st March, 1992 was as follows :

31 मार्च, 1992 को वाई लिमिटेड का चिट्ठा निम्न प्रकार था :

Balance Sheet

Liabilities	Amount	Assets	Amount
	Rs		Rs.
15,000 Equity Shares of		Goodwill	10,000
Rs 10 each fully paid	1,50,000	Fixed Assets	1,50,000
6% Debentures	50,000	Current Assets	40,000
Sundry Creditors	30,000	Profit & Loss Account	30,000
	2,30,000		2,30,000

5,000 Shares of Y Ltd. were held by Z Ltd which had paid Rs. 35,000 for them Z Ltd agreed to acquire the business of Y Ltd., valuing the shares in Y Ltd. at Rs 6 each. The purchase consideration was to be discharged as follows :

(1) $6\frac{1}{2}$% Debentures in Z Ltd. to satisfy the claims of debenture holders in Y Ltd. at a discount of 5%,

(2) Payment to outside shareholders in fully paid Equity shares of Z Ltd. at the agreed valuation of Rs. 12 per share issued at par i. e. Rs. 10 per share; and

(3) Cash to pay Rs. 1,000 expenses of liquidation.

Z Ltd. decided first to revalue shares in Y Ltd and then to record the acquisition of business. All the assets and liabilities of Y Ltd took over at book values except fixed assets which were to be reduced by Rs 30,000. Give necessary ledger accounts in the books of Y Ltd. and pass journal entries in the books of Z Ltd.

जेड लिमिटेड ने वाई लिमिटेड के 5,000 अंश ले रखे थे जिनके लिए उसने 35,000 रु० चुकाये थे। जेड लिमिटेड वाई लिमिटेड के अंशों का मूल्य 6 रु० प्रति अंश लगाते हुए वाई लिमिटेड के व्यापार का अधिग्रहण करने के लिए सहमत हुई। क्रय प्रतिफल का भुगतान निम्न प्रकार किया जाना था :

(1) वाई लिमिटेड में ऋणपत्रधारियों के दावों के 5% बट्टे पर भुगतान के लिए जेड लिमिटेड में $6\frac{1}{2}$% ऋणपत्र;

(2) बाह्य अंशधारियों को जेड लिमिटेड के पूर्ण प्रदत्त इक्विटी अंशों में 12 रु० प्रति अंश क्रय मूल्य के अनुसार सम मूल्य पर अर्थात् 10 रु० प्रति अंश निर्गमन द्वारा भुगतान करना है; तथा

(3) समापन व्ययों के लिए 1,000 रु० नकद भुगतान।

जेड लिमिटेड ने पहले वाई लिमिटेड के अंशों का पुनर्मूल्यांकन करने तथा नव व्यापार अधिग्रहण का लेखा करने का निश्चय किया। वाई लिमिटेड की चालू सम्पत्तियों एवं दायित्व पुस्तक मूल्य पर लिये गये सिवाय स्थायी सम्पत्तियों के जिन्हें 30,000 रु० से घटाना है। वाई लिमिटेड की पुस्तकों में आवश्यक खाते दीजिए तथा जेड लिमिटेड की पुस्तकों में प्रविष्टियाँ दीजिए।

Solution : Statement Showing Purchase Consideration

Number of Shares in Y Ltd.		15,000
Less : Shares already held by Z Ltd.		5,000
Number of Shares held by outsiders		10,000
Value of Shares held by outsiders @ Rs. 6		Rs. 60,000
Value of one share in Z Ltd.		Rs. 12
Number of Shares to be issued by Z Ltd.		5,000
		Rs.
(1) $6\frac{1}{2}$% Debentures for Debenture holders : 6% Debentures in Y Ltd.	Rs. 50,000	
Less : 5% Discount	Rs. 2,500	47,500
(2) Equity Shares for outsiders (5,000 Shares × Rs. 10)		50,000
(3) Cash for expenses of liquidation		1,000
Purchase Consideration		98,500

Books of Y Ltd.

Dr. Realisation Account **Cr.**

	Rs.		Rs.
To Goodwill a/c	10,000	By Sundry Creditors a/c	30,000
To Fixed Assets a/c	1,50,000	By Equity Share Capital a/c (Cancellation of $\frac{1}{3}$rd holding by Z Ltd.)	50,000
To Current Assets a/c	40,000	By Z Ltd. (Purchase Consideration)	98,500
To Cash a/c (Expenses)	1,000	By Debentureholders a/c	2,500
		By Equity Shareholders a/c (Loss on realisation)	20,000
	2,01,000		2,01,000

Equity Share Capital Account

Dr.	Rs.	Cr.	Rs.
To Realisation a/c	50,000	By Balance b/d	1,50,000
To Equity Shareholders a/c	1,00,000		
	1,50,000		1,50,000

Equity Shareholders Account

Dr.	Rs.	Cr.	Rs.
To P. & L. Account	30,000	By Equity Share Capital a/c	1,00,000
To Realisation a/c (Loss)	20,000		-
To Equity Shares in Z Ltd.	50,000		
	1,00,000		1,00,000

Debenture holders Account

Dr.	Rs.	Cr.	Rs.
To Realisation a/c	2,500	By 6% Debentures a/c	50,000
To $6\frac{1}{2}$% Debentures in Z Ltd.	47,500		
	50,000		50,000

Z Ltd.

Dr.	Rs.	Cr.	Rs.
To Realisation a/c	98,500	By $6\frac{1}{2}$% Debentures in Z Ltd.	47,500
		By Equity Shares in Z Ltd.	50,000
		By Cash a/c	1,000
	98,500		98,500

$6\frac{1}{2}$% Debentures in Z Ltd. Account

Dr	Rs.	Cr.	Rs.
To Z Ltd.	47,500	By Debenture holders a/c	47,500

Equity Shares in Z Ltd. Account

Dr.	Rs.	Cr.	Rs.
To Z Ltd.	50,000	By Equity Shareholders a/c	50,000

Journal of Z Ltd.

		Dr.	Cr.
		Rs.	Rs.
Profit & Loss a/c	Dr.	5,000	
To Investment in Shares of Y Ltd. a/c			5,000
(Investment in shares of Y Ltd. brought down to their market value)			
Fixed Assets a/c	Dr.	1,20,000	
Current Assets a/c	Dr.	40,000	
To Sundry Creditors a/c			30,000
To Liquidator of Y Ltd. a/c			98,500
To Capital Reserve a/c			31,500
(Assets and liabilities taken over)			
Liquidator of Y Ltd. a/c	Dr.	98,500	
To Equity Share Capital a/c			50,000
To 6½% Debentures a/c			47,500
To Bank a/c			1,000
(Purchase consideration discharged)			
Capital Reserve a/c	Dr.	30,000	
To Investment in Shares of Y Ltd. a/c			30,000
(Investment in shares of Y Ltd. cancelled)			

टिप्पणी : पूँजीगत संचय की गणना निम्न प्रकार की गई है :

	रु०
वाई लिमिटेड से ली गई सम्पत्तियों का कुल मूल्य (स्थायी सम्पत्तियाँ 1,20,000 रु० + चालू सम्पत्तियाँ 40,000 रु०)	1,60,000
घटाओ : विविध लेनदार	30,000
शुद्ध सम्पत्तियाँ	1,30,000
घटाओ : क्रय प्रतिफल	98,500
पूँजी संचय	31,500

(ii) जब संविलयन होने वाली कम्पनी (विक्रेता कम्पनी) संविलयन करने वाली कम्पनी (क्रेता कम्पनी) में अंशों की धारक हो : यदि विक्रेता कम्पनी ने क्रेता कम्पनी के कुछ अंश धारित कर रखे हैं तो क्रेता कम्पनी द्वारा संविलयन के समय विक्रेता कम्पनी की अन्य सम्पत्तियों के साथ ऐसे अंश क्रय नहीं किये जा सकते हैं; क्योंकि कम्पनी अधिनियम के अनुसार कोई भी कम्पनी अपने स्वयं के अंशों को क्रय नहीं कर सकती है।

इस स्थिति में क्रय प्रतिफल की गणना शुद्ध सम्पत्ति विधि से किये जाने पर विक्रेता कम्पनी द्वारा धारित क्रेता कम्पनी के अंशों का मूल्य उनके बाजार मूल्य अथवा अन्तर्निहित मूल्य

के आधार पर लगाया जाता है। क्रेता कम्पनी के अंशों का बाजार मूल्य नहीं दिया हुआ है तो उनका अन्तर्निहित मूल्य ज्ञात करके उसके आधार पर क्रय प्रतिफल ज्ञात किया जायेगा। क्रय प्रतिफल की गणना निम्न विधि से की जायेगी :

(1) सर्वप्रथम क्रेता कम्पनी की शुद्ध सम्पत्तियों के आधार पर उसके अंशों का अन्तर्निहित मूल्य (Intrinsic Value) ज्ञात किया जायेगा।

(2) विक्रेता कम्पनी द्वारा धारित क्रेता कम्पनी के अंशों का मूल्यांकन उपरोक्त अन्तर्निहित मूल्य के आधार पर ज्ञात किया जायेगा।

(3) विक्रेता कम्पनी द्वारा धारित विनियोगों का अन्तर्निहित मूल्य लेते हुए उसकी शुद्ध सम्पत्तियों का मूल्य ज्ञात किया जायेगा।

(4) विक्रेता कम्पनी की शुद्ध सम्पत्तियों को क्रेता कम्पनी के एक अंश के अन्तर्निहित मूल्य से विभाजित करके अंशों की संख्या ज्ञात की जायेगी।

(5) इन अंशों की संख्या में से उन अंशों को घटा दिया जायेगा जो पहले से ही विक्रेता कम्पनी के पास हैं।

(6) शेष रहे अंशों को निर्गमित मूल्य या अंकित मूल्य से गुणा करके नय प्रतिफल की राशि ज्ञात की जायेगी।

विक्रेता कम्पनी की पुस्तकों में लेखा . विक्रेता कम्पनी की पुस्तकों में खुले हुए विनियोग खाते को वसूली खाते में स्थानान्तरित नहीं किया जायेगा बल्कि विक्रेता कम्पनी द्वारा क्रेता कम्पनी से क्रय प्रतिफल के रूप में प्राप्त नये अंश एवं पहले से ही धारित अंशों को अपने अंशधारियों में वितरित कर दिया जायेगा। इससे उसकी पुस्तकों में खुला हुआ विनियोग खाता बन्द हो जायेगा।

क्रेता कम्पनी की पुस्तकों में लेखा क्रेता कम्पनी इन विनियोगों का नय नहीं करेगी। अतः उसकी पुस्तकों में उक्त विनियोगों के सम्बन्ध में कोई लेखा नहीं होगा। अन्य सम्पत्तियों एवं दायित्वों को क्रय करने की प्रविष्टि सामान्य नियमों के अनुसार होगी।

Illustration 3.9 : Following are the Balance Sheets of A Ltd. and B Ltd., as on **30th June, 1992 :**

30 जून 1992 को ए लिमिटेड तथा बी लिमिटेड के चिट्ठे निम्नलिखित हैं—

Balance Sheets

Liabilities	A Ltd.	B Ltd.	Assets	A Ltd.	B Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Share Capital :			Fixed Assets		
(Equity Shares of Rs.			(Other than goodwill)	8,30,000	2,50,000
100 each, *fully paid*)	6,00,000	3,00,000	Current Assets	4,00,000	2,30,000
Reserves	2,00,000	60,000	1,000 Shares in A Ltd.		1,20,000
6% Debentures	2,00,000	1,00,000	Preliminary Expenses	20,000	10,000
Creditors	2,50,000	1,50,000			
	12,50,000	6,10,000		12,50,000	5,10,000

Goodwill of A Ltd. and B Ltd. valued at Rs. 1,20,000 and Rs. 40,000 respectively. A Ltd. absorbs B Ltd. on the basis of intrinsic values of the shares.

Give journal entries in the books of the two companies.

ए लिमिटेड एवं बी लिमिटेड की ख्याति का मूल्यांकन क्रमशः 1,20,000 रु० तथा 40,000 रु० पर किया गया है। ए लिमिटेड बी लिमिटेड का अंशों के अन्तर्निहित मूल्यों के आधार पर संविलयन करती है। दोनों कम्पनियों की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियां दीजिए।

Solution :

(i) Calculation of Intrinsic Value of Shares of A Ltd.

		Rs.
Goodwill		1,20,000
Fixed Assets		8,30,000
Current Assets		4,00,000
Total Assets		13,50,000
Less : Liabilities :	Rs.	
6% Debentures	2,00,000	
Creditors	2,50,000	4,50,000
Net Assets		9,00,000

Intrinsic value per share (9,00,000 ÷ 6,000) Rs. 150

(ii) Calculation of Net Assets of B Ltd.

		Rs.
Goodwill		40,000
Fixed Assets		2,50,000
Current Assets		2,30,000
Value of shares in A Ltd. (1,000 × 150)		1,50,000
Total Assets		6,70,000
Less : Liabilities		
6% Debentures	1,00,000	
Creditors	1,50,000	2,50,000
Net Assets		4,20,000

(iii) Calculation of Purchase Consideration :

Total number of shares to be issued (Rs. 4,20,000 ÷ Rs. 150)	2,800
Less : Shares already held by Z Ltd.	1,000
New shares to be issued	1,800

Purchase consideration = (1,800 shares × Rs. 150) Rs. 2,70,000.

			Rs.	Rs.
1992 June, 30	Realisation a/c	Dr.	4,80,000	
	To Fixed Assets a/c			2,50,000
	To Current Assets a/c			2,30,000
	(Assets transferred.)			
	6% Debentures a/c	Dr.	1,00,000	
	Creditors a/c	Dr.	1,50,000	
	To Realisation a/c			2,50,000
	(Liabilities transferred)			
	A Ltd.	Dr.	2,70,000	
	To Realisation a/c			2,70,000
	(Purchase consideration due.)			
	Equity Shares in A Ltd a/c	Dr.	30,000	
	To Realisation a/c			30,000
	(Appreciation in the value of shares of A Ltd. brought into books)			
	Equity Shares in A Ltd. a/c	Dr.	2,70,000	
	To A Ltd			2,70,000
	(Purchase consideration received)			
	Equity Share Capital a/c	Dr.	3,00,000	
	Reserve a/c	Dr.	60,000	
	To Equity Shareholders a/c			3,60,000
	(Balance transferred.)			
	Equity Shareholders a/c	Dr.	10,000	
	To Preliminary Expenses a/c			10,000
	(Balance transferred)			
	Realisation a/c	Dr.	70,000	
	To Equity Shareholders a/c			70,000
	(Profit on realisation credited)			
	Equity Shareholders a/c	Dr.	4,20,000	
	To Equity Shares in A Ltd.			4,20,000
	(2,800 Equity Shares in A Ltd. distributed)			

Date	Particulars		Rs.	Rs.
1992 June, 30	Goodwill a/c	Dr.	40,000	
	Fixed Assets a/c	Dr.	2,50,000	
	Current Assets a/c	Dr.	2,30,000	
	To 6% Debentures a/c			1,00,000
	To Creditors a/c			1,50,000
	To Liquidator of B Ltd.			2,70,000
	(Assets and liabilities acquired from B Ltd. and Purchase consideration due.)			
	Liquidator of B Ltd.	Dr.	2,70,000	
	To Equity Share Capital a/c			1,80,000
	To Share Premium a/c			90,000
	(Purchase consideration discharged by allotment of 1,800 equity shares of Rs. 100 each at Rs. 150 share fully paid.)			

(iii) जब संविलयन करने वाली (क्रेता) व संविलयन होने वाली (विक्रेता) कम्पनियों ने पहले से एक दूसरे के अंश धारित कर रखे हों : जब संविलयन करने वाली तथा संविलयन होने वाली कम्पनियों ने आपस में एक दूसरे के अंशों में विनियोग कर रखा हो तो क्रय प्रतिफल के निर्धारण में कठिनाई आती है । क्योंकि दोनों कम्पनियों के अंशों का अन्तर्निहित मूल्य ज्ञात करना पड़ता है। संविलयन होने वाली कम्पनी के अंशों का अन्तर्निहित मूल्य तभी ज्ञात किया जा सकता है जबकि संविलयन करने वाली कम्पनी के अंशों का अन्तर्निहित मूल्य ज्ञात हो; इसी प्रकार संविलयन करने वाली कम्पनी के अंशों का अन्तर्निहित मूल्य तभी ज्ञात किया जा सकता है जबकि संविलयन होने वाली कम्पनी के अंशों का अन्तर्निहित मूल्य ज्ञात हो; क्योंकि दोनों कम्पनियों के पास विनियोग के रूप में एक दूसरे के अंशों का मूल्यांकन अन्तर्निहित मूल्य पर किया जाता है, ऐसी स्थिति में दोनों कम्पनियों के अंशों के अन्तर्निहित मूल्यों की गणना के लिए उनकी शुद्ध सम्पत्तियाँ युगपत समीकरण की सहायता से ज्ञात की जायेंगी।

संविलयन करने वाली कम्पनी की सम्पत्तियों का शुद्ध मूल्य ज्ञात करने के पश्चात् इसमें उसके निर्गमित अंशों की संख्या का भाग देकर अंशों के अन्तर्निहित मूल्य की गणना की जायेगी। इस प्रकार ज्ञात किये गये अंशों के अन्तर्निहित मूल्य का संविलयन होने वाली कम्पनी की सम्पत्तियों के शुद्ध मूल्य में भाग देकर संविलयन करने वाली कम्पनी द्वारा निर्गमित किये जाने वाले अंशों की संख्या ज्ञात करली जाती है। इन अंशों में से संविलयन होने वाली कम्पनी द्वारा पहले से ही धारित अंशों को घटाकर शेष निर्गमित किये जाने वाले अंशों की संख्या ज्ञात करली जाती है। इन शेष अंशों की संख्या को निर्गमित मूल्य या अंकित मूल्य से गुणा करके क्रय प्रतिफल ज्ञात कर लिया जाता है।

संविलयन करने वाली कम्पनी की पुस्तकों में लेखा : संविलयन करने वाली कम्पनी के अंशों में संविलयन होने वाली कम्पनी द्वारा किये गये विनियोग के सम्बन्ध में कोई लेखा नहीं किया जायेगा। लेकिन संविलयन होने वाली कम्पनी के अंशों में किये गये विनियोग को रद्द करने के लिए निम्न प्रविष्टि की जायेगी :

Goodwill or Capital Reserve a/c Dr.
 To Investment in Shares........Ltd. a/c

संविलयन होने वाली कम्पनी की पुस्तकों में लेखा : संविलयन करने वाली कम्पनी के अंशों में विनियोग खाते का शेष वसूली खाते में हस्तान्तरित नहीं किया जायेगा बल्कि इन अंशों को क्रय प्रतिफल के रूप में प्राप्त होने वाले नये अंशों के साथ कम्पनी के बाह्य अंशधारियों में वितरित कर दिया जायेगा। इससे विनियोग खाता बन्द हो जायेगा। संविलयन होने वाली कम्पनी के जितने अंश संविलयन करने वाली कम्पनी ने ले रखे हैं उनसे सम्बन्धित पूंजी को अंशधारियों के खाते में हस्तान्तरित न करके वसूली खाते में हस्तान्तरित कर दिया जायेगा। एकीकरण की स्थिति में एकीकृत होने वाली कम्पनियों के पारस्परिक विनियोग होने पर सर्वप्रथम शुद्ध सम्पत्तियों की गणना युगपत समीकरणों के माध्यम से संविलयन की तरह ही की जायेगी। उसके बाद प्रत्येक कम्पनी की इस प्रकार ज्ञात शुद्ध सम्पत्तियों में से अन्य कम्पनी द्वारा धारित अंशों के भाग के बराबर शुद्ध सम्पत्तियाँ कम कर दी जायेगीं और शेष बची शुद्ध सम्पत्तियों के बराबर ही क्रय प्रतिफल की राशि देय होगी।

Illustration 3.10 : The following are the Balance Sheets of A Ltd. and B Ltd. as at 30th June, 1992

30 जून, 1992 को A लिमिटेड के चिट्ठे निम्न प्रकार है।

Balance Sheet

Liabilities	A Ltd.	B Ltd.	Assets	A Ltd.	B Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Equity Shares of Rs. 10 each	2,00,000	1,00,000	Sundry Assets	9,66,000	4,80,000
General Reserve	7,14,000	3,70,000	2,000 Shares in B Ltd.	24,000	
Creditors	76,000	30,000	2,000 Shares in A Ltd.		20,000
	9,90,000	5,00,000		9,90,000	5,00,000

It was decided that A Ltd will absorb B Ltd. You are required to calculate the purchase consideration and pass Journal entries in the books of A Ltd. and. B Ltd. and prepare the Balanae Sheet of A Ltd. soon after absorption. Entries are to be made at par value.

यह निर्णय किया गया कि A लिमिटेड द्वारा B लिमिटेड का संविलयन किया जायेगा। आपको क्रय प्रतिफल की राशि ज्ञात करनी है एवं A लिमिटेड व B लिमिटेड की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए तथा संविलयन के तुरन्त बाद का A लिमिटेड का चिट्ठा बनाइये। प्रविष्टियाँ सम मूल्य पर करनी हैं।

Solution : क्रय प्रतिफल की राशि ज्ञात करने से पूर्व, A लिमिटेड व B लिमिटेड की शुद्ध सम्पत्तियों का मूल्य ज्ञात करना होगा, जिसकी गणना इस प्रकार की जायेगी :

A लिमिटेड की विनियोग के अतिरिक्त शुद्ध सम्पत्तियां ... ...

$= 9,66,000 - 76,000 = 8,90,000$ रु०

B लिमिटेड की विनियोग के अतिरिक्त शुद्ध सम्पत्तियाँ ...... -

$= 4,80,000 - 30,000 = 4,50,000$ रु०

A लिमिटेड की शुद्ध सम्पत्तियों को विनियोग सहित 'a' मान लिया जावे तथा B लिमिटेड की शुद्ध सम्पत्तियों को विनियोग सहित 'b' मान लिया जाए, तो

$a = 8,90,000 + \frac{1}{5} b$ .... (i) and $b = 4,50,000 + \frac{1}{10} a$ ... ... (ii)

प्रथम समीकरण में दूसरी समीकरण के मूल्य को प्रतिस्थापित करने पर,

$a = 8,90,000 + \frac{1}{5}(4,50,000 + \frac{1}{10}a)$

or $a = 8,90,000 + 90,000 + \frac{1}{50}a$ or $50a = 4,45,00,000 + 45,00,000 + a$

or $50a - a = 4,90,00,000$ or $a = 10,00,000$

अतः 'A' लिमिटेड की सम्पत्तियों का शुद्ध मूल्य 10,00,000 रु० होगा तथा उसके अंशों का अन्तर्निहित (Intrinsic) मूल्य होगा : 10,00,000 ÷ 20,000 अंश = 50 रु०

समीकरण (ii) में a = 10,00,000 प्रतिस्थापित करने पर :

$b = 4,50,000 + (\frac{1}{10} \times 10,00,000)$

or $b = 4,50,000 + 1,00,000 = 5,50,000$

अतः B लिमिटेड की सम्पत्तियों का शुद्ध मूल्य 5,50,000 रु० होगा ,

	रु०
क्रय प्रतिफल की गणना : B लिमिटेड की शुद्ध सम्पत्तियाँ	5,50,000
घटाइये : $\frac{1}{5}$ भाग A लिमिटेड द्वारा धारित एवं जिस पर उसी का अधिकार है	1,10,000
क्रय प्रतिफल (Purchase Consideration)	4,40,000

चूँकि A लिमिटेड के अंशों का अन्तर्निहित मूल्य 50 रु० है, अतः 3,40,000 रु० के क्रय प्रतिफल का भुगतान करने के लिए जो अंश निर्गमित किये जाने चाहिए : (4,40,000 ÷ 50) = 8,800 अंश

घटाइये : A लिमिटेड के अंश जो पहले से B लिमिटेड के पास हैं = 2,000 अंश

बाह्य अंशधारियों को देने के लिए A लिमिटेड द्वारा निर्गमित अंश 6,800 अंश

क्रय प्रतिफल की राशि = 6,800 अंश × 10 रु० = 68,000 रु०

Books of B Ltd. — Journal

Particulars		L.F.	Dr. Rs.	Cr. Rs.
Realisation a/c	Dr.		4,80,000	
To Sundry Assets a/c				4,80,000
(Assets taken over by A Ltd.)				
Sundry Creditors a/c	Dr.		30,000	
To Realisation a/c				30,000
(*Creditors taken over by A Ltd.*)				
Equity Share Capital a/c	Dr.		1,00,000	
To Equity Shareholders a/c				80,000
To Realisation a/c				20,000
(Balance transferred.)				

(Contd.)

		Rs.	Rs.
General Reserve a/c Dr. To Equity Shareholders a/c (Balance transferred)		3,70,000	3,70,000
A Ltd. Dr. To Realisation a/c (Purchase consideration due)		68,000	68,000
Equity Shares in A Ltd. a/c Dr. To A Ltd. (Purchase consideration received)		68,000	68,000
Equity Shareholders a/c Dr. To Realisation a/c (Loss on realisation transferred)		3,62,000	3,62,000
Equity Shareholders a/c Dr. To Equity Shares in A Ltd. a/c (6,800+2,000=8,800 shares of Rs. 10 each distributed to shareholders of B Ltd.)		88,000	88,000

Books of X Ltd. **Journal**

		Dr.	Cr.
		Rs.	Rs.
Sundry Assets a/c Dr. To Sundry Creditors a/c To Liquidator of B Ltd. To Capital Reserve a/c (Assets and liabilities taken over and purchase consideration due)		4,80,000	 30,000 68,000 3,82,000
Liquidator of B Ltd. a/c Dr. To Equity Share Capital a/c (Payment of purchase consideration made to Liquidator of B Ltd.)		68,000	68,000
Capital Reserve a/c Dr. To Investment in Shares of B Ltd a/c (Cancellation of investments in shares of B Ltd.)		24,000	24,000

Balance Sheet of A Ltd (After absorption)

	Rs.		Rs.
Share Capital :		Sundry Assets	14,46,000
26,800 Shares of Rs. 10 each		(Rs. 9,66,000 + 4,80,000)	
fully paid	2,68,000		
General Reserve	7,14,000		
Capital Reserve	3,58,000		
(3,82,000 – 24,000)			
Creditors (76,000 + 30,000)	1,06,000		
	14,46,000		14,46,000

Illustration 3·11 : In illustration 3·10 if the two Companies agreed to amalgamate and form a new company AB Ltd., you are required to :

1. find out the amount of purchase consideration payable to each Company;
2. prepare the Balance Sheet of the new company soon after the amalgamation; and
3. prepare a statement showing shareholdings in the new company attributable to the members of the amalgamated companies.

उदाहरण संख्या 3·10 में यदि दोनों कम्पनियाँ एकीकरण करने एवं एक नयी कम्पनी ए बी लिमिटेड बनाने को सहमत हुई हैं तो आपको :—

1. प्रत्येक कम्पनी को देय क्रय प्रतिफल की राशि ज्ञात करना है;
2. एकीकरण के तुरन्त बाद नयी कम्पनी का चिट्ठा बनाना है; तथा
3. एकीकृत कम्पनियों के सदस्यों को नयी कम्पनी के अंशों का आवंटन दिखाते हुए एक विवरण-पत्र बनाना है।

Solution : **(1) Statement Showing Purchase Consideration**

	A Ltd. (Rs.)	*B Ltd.* (Rs.)
Total Value of Net Assets	10,00,000	5,50,000
Less : $\frac{1}{10}$th Share of B Ltd.	1,00,000	—
$\frac{1}{5}$th Share of A Ltd.	—	1,10,000
Purchase Consideration for outsiders	9,00,000	4,40,000

(2) **Balance Sheet of AB Ltd. as on ....**
(After Amalgamation)

Liabilities	Amount	Assets	Amount
	Rs.		Rs.
Share Capital :		*Sandry Assets :*	14,46,000
1,34,000 Equity Shares of Rs. 10 each full paid	13,40,000	(9,66,000 + 4,80,000)	
Creditors (76,000 + 30,000)	1,06,000		
	14,46,000		14,46,000

(·) **Statement Shewing Shareholding in the New Company**

	A Ltd.	B Ltd.
Amount of Purchase Consideration (Rs.)	9,00,000	4,40,000
No. of Shares alloted by new Co. @ Rs. 10	90,000	44,000
No. of Shares held in old co.	18,000	8,000
Ratio of shares alloted to the members of the *old Company*	18,000: 90,000 1 : 5	8,000 : 44,000 2 : 11

3. विविध उदाहरण (Miscellaneous Illustrations)

Illustration 3.12 : The Balance Sheets of X Ltd. and Y Ltd as at 31st December, 1991 are given below :

31 दिसम्बर, 1991 को एक्स लिमिटेड एवं वाई लिमिटेड के चिट्ठे नीचे दिये गये हैं :

Balance Sheets

Liabilities	X Ltd.	Y Ltd.	Assets	X Ltd.	Y Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Share Capital :			Premises	1,20,000	—
Equity Shares of Rs. 100 each	4,00,000	3,60,000	Goodwill	—	1,20,000
			Sundry Debtors	80,000	1,60,000
General Reserve	75,000	—	Stock in trade	3,00,000	90,000
Profit & Loss Account	38,000	—	Bank Balance	85,000	75,000
Sundry Creditors	72,000	1,20,000	Profit & Loss a/c	—	35,000
	5,85,000	4,80,000		5,85,000	4,80,000

It is decided to amalgamate the two companies and form a new company Z Ltd to acquire the assets and liabilities of both companies on the following terms :

(a) X Ltd.—Premises to be revalued at Rs. 1,50,000, Sundry Debtors to be taken over at 90% and Stock at Rs. 3,15,000.

(b) Y Ltd.—Goodwill to be taken over at Rs. 1,60,000, Debtors to be taken at Rs. 1,50,000 and Stock at Rs. 75,000.

It was decided that the capital of Z Ltd. would consist of both Preference and Equity shares of the face value of Rs. 10 each. Preference shares would be of the order of Rs. 4,00,000 and the balance would be in Equity shares Both companies would be issued shares of both types in equal number except that the surplus capital of X Ltd. would be discharged fully in Preference shares.

You are required to : (i) Calculate the number of shares to be issued to each of the absorbed companies; (ii) Give journal entries in the books of Z Ltd.; and (iii) Prepare the Balance Sheet of Z Ltd.

दोनों कम्पनियों के एकीकरण तथा एक नयी कम्पनी जेड लिमिटेड की स्थापना का निश्चय किया गया जो कि उक्त दोनों कम्पनियों की सम्पत्तियों एवं दायित्वों को निम्नलिखित शर्तों पर खरीदेगी :

(अ) एक्स लिमिटेड : भवन को 1,50,000 रु० पर मूल्यांकित किया गया; देनदारों को 90% पर तथा स्टॉक को 3,15,000 रु० पर अधिग्रहित किया गया।

(ब) वाई लिमिटेड : ख्याति 1,60,000 रु० पर; देनदार 1,50,000 रु० पर तथा स्टॉक 75,000 रु० पर अधिग्रहित किया गया।

यह तय किया गया कि एक्स व वाई लिमिटेड की पूँजी 10 रु० वाले अधिमान और ईक्विटी अंशों में होगी। अधिमान अंश 4,00,000 रु० मूल्य के होंगे तथा शेष पूँजी ईक्विटी अंशों में होगी। दोनों कम्पनियों को दोनों प्रकार के अंश समान संख्या में निर्गमित किये जायेंगे, सिवाय एक्स लिमिटेड की पूँजी आधिक्य के जिसका भुगतान पूर्ण रूप से अधिमान अंशों में होना है। आपको : (i) सविलयन की जाने वाली प्रत्येक कम्पनी को निर्गमित किये जाने वाले अंशों की संख्या ज्ञात करनी है; (ii) जेड लिमिटेड की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियाँ देनी है; तथा (iii) जेड लिमिटेड का चिट्ठा तैयार करना है।

Solution : **Statement Showing Purchase Consideration**

	X Ltd. Rs.	Y Ltd. Rs.
Assets taken over :		
Premises	1,50,000	—
Goodwill	—	1,60,000
Sundry Debtors	72,000	1,50,000
Stock in trade	3,15,000	75,000
Bank Balance	85,000	75,000
Total Assets	6,22,000	4,60,000
Less : Sundry Creditors	72,000	1,20,000
Purchase Consideration	5,50,000	3,40,000

(i) **Calculation of Number of Shares to be issued**

	Rs.
Total Purchase Consideration = Rs. 5,50,000 + Rs. 3,40,000 =	8,90,000
Less : Preference Share Capital to be issued	4,00,000
Equity Share Capital to be issued	4,90,000

Particulars	*X Ltd.* (No. of Shares)	*Y Ltd.* (No. of Shares)
Preference Shares for surplus capital (5,50,000 – 3,40,000)	21,000	—
Preference Shares for remaining capital (40,000 – 21,000)	9,500	9,500
Total Preference Shares	30,500	9,500
Equity Shares (49,000)	24,500	24,500
Total Number of Shares of Rs. 10 each	55,000	34,000

(ii) Journal of Z Ltd.

			Rs	Rs.
	Premises a/c	Dr.	1,50,000	
	Sundry Debtors a/c	Dr	72,000	
	Stock in trade a/c	Dr.	3,15,000	
	Bank a/c	Dr.	85,000	
	To Sundry Creditors a/c			72,000
	To Liquidator of X Ltd.			5,50,000
	(Assets and liabilities taken over and purchase consideration due.)			
	Goodwill a/c	Dr.	1,60,000	
	Sundry Debtors a/c	Dr.	1,50,000	
	Stock in trade a/c	Dr.	75,000	
	Bank a/c	Dr.	75,000	
	To Sundry Creditors a/c			1,20,000
	To Liquidator of Y Ltd.			3,40,000
	(Assets and liabilities taken over and purchase consideration due.)			
	Liquidator of X Ltd.	Dr.	5,50,000	
	To Preference Share Capital a/c			2,45,000
	To Equity Share Capital a/c			3,05,000
	(Purchase consideration discharged by allotment of 30,500 preference shares and 24,500 equity Shnares of Rs. 10 each.)			

(Contd.)

—	Liquidators of Y Ltd. Dr.		3,40,000	
	To Preference Share Capital a/c			95,000
	To Equity Share Capital a/c			2,45,000
	(Purchase consideration discharged by allotment of 9,500 preference shares and 24,500 Equity shares of Rs. 10 each)			—

(iii) **Balance Sheet of Z Ltd. as at —**

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
Share Capital :		Goodwill	1,60,000
40,000 Preference Shares of Rs. 10 each fully paid	4,00,000	Premises	1,50,000
49,000 Equity Shares of Rs. 10 each fully paid	4,90,000	Sundry Debtors (72,000 + 1,50,000)	2,22,000
Sundry Creditors (72,000 + 1,20,000)	1,92,000	Stock in trade (3,15,000 + 75,000)	3,90,000
		Bank Balance (85,000 + 75,000)	1,60,000
	10,82,000		10,82,000

Illustration 3·13 : The summarised Balance Sheets of two Companies as on 31st March, 1992 are as follows :

31 मार्च, 1992 को दो कम्पनियों के संक्षिप्त चिट्ठे इस प्रकार हैं :

Balance Sheet of A Ltd.

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
Authorised Capital :		Fixed Assets at cost	1,00,000
15,000 Equity Shares of Rs. 10 each	1,50,000	Floating Assets	50,000
Issued Capital :			
12,500 Equity Shares of Rs. 10 each fully paid	1,25,000		
Profit & Loss Account	10,000		
Trade Creditors	15,000		
	1,50,000		1,50,000

Balance Sheet of B Ltd.

Liabilities	Amount	Assets	Amount
	Rs.		Rs.
Authorised Capital :		Goodwill at cost	27,000
12,500 Equity Shares of		Fixed Assets at cost	45,000
Rs. 10 each	1,25,000	Floating Assets	35,000
		Profit & Loss Account	23,000
Issued Capital :			
10,000 Equity Shares of			
Rs. 10 each fully paid	1,00,000		
Trade Creditors	30,000		
	1,30,000		1,30,000

On 1st April, 1992 A Ltd. decided to take over the assets of B Ltd. as from that date. The vendor's shareholders had agreed to accept shares in the purchasing company, the agreed basis being that such shares were worth Rs. 12 each and that the shares of B Ltd. were worth Rs. 6 each on 31st March, 1992. The necessary formalities were carried out and shares were issued by A Ltd on 1st April, 1992

Give journal entries recording the transactions in the books of the two companies and draw up Balance Sheet of A Ltd. showing the effect of the merger. Assume that the authorised capital of A Ltd. was increased to the required extent.

1 अप्रैल, 1992 को ए लिमिटेड ने उसी तिथि से बी लिमिटेड की सम्पत्तियां लेने का निश्चय किया। विक्रेता कम्पनी के अंशधारियों ने क्रेता कम्पनी के अंश लेना स्वीकार किया, तय आधार के अनुसार ये अंश 12 रु० प्रति अंश थे जबकि 31 मार्च, 1992 को बी लिमिटेड के अंश 6 रु० प्रति अंश थे। आवश्यक औपचारिकतायें पूर्ण कर ली गयी तथा 1 अप्रैल 1992 को अंश निर्गमित कर दिये गये।

दोनों कम्पनियों की पुस्तकों में व्यवहारों को दर्ज करने के लिए जर्नल प्रविष्टियां तथा एकीकरण का प्रभाव दर्शाते हुए ए लिमिटेड का चिट्ठा तैयार कीजिए। यह मानिये कि ए लिमिटेड की अधिकृत पूँजी आवश्यक सीमा तक बढ़ा दी गई थी।

Solution .

Calculation of Purchase Consideration

Value of shares in B Ltd. $(10,000 \times 6)$ Rs. 60,000. Purchase consideration equals the value of the assets taken over :

$\therefore$ Assets – Liabilities = Rs. 60,000

Assets = 60,000 + Liabilities

= 60,000 + 30,000

= Rs. 90,000

The number of shares to be issued in A Ltd. is $(90,000 \div 12)$ 7,500

Journal of B Ltd.

			Dr.	Cr.
1992			Rs	Rs.
April, 1	Realisation a/c	Dr.	1,07,000	
	To Goodwill a/c			27,000
	To Fixed Assets a/c			45,000
	To Floating Assets a/c			35,000
	(Various assets transferred.)			
	A Ltd.	Dr.	90,000	
	To Realisation a/c			90,000
	(Purchase consideration due.)			
	Equity Share Capital a/c	Dr.	1,00,000	
	To Equity Shareholders a/c			1,00,000
	(Balance transferred.)			
	Equity Shareholders a/c	Dr.	23,000	
	To Profit and Loss a/c			23,000
	(Debit balance of Profit & Loss Account transferred)			
	Equity Shares in A Ltd. a/c	Dr.	90,000	
	To A Ltd.			90,000
	(Purchase consideration received.)			
	Trade Creditors a/c	Dr.	30,000	
	To Equity Shares in A Ltd a/c			30,000
	(Trade creditors claim discharged.)			
	Equity Shareholders a/c	Dr.	17,000	
	To Realisation a/c			17,000
	(Loss on realisation transferred.)			
	Equity Shareholders a/c	Dr	60,000	
	To Equity Shares in A Ltd. a/c			60,000
	(Equity Shareholders paid off.)			

Journal of A Ltd.

Date	Particulars		Dr. Rs.	Cr. Rs.
1992 April, 1	Business Purchase a/c	Dr.	90,000	
	To Liquidator of B Ltd.			90,000
	(Purchase consideration due)			
	Goodwill a/c	Dr.	10,000	
	Fixed Assets a/c	Dr.	45,000	
	Floating Assets a/c	Dr.	35,000	
	To Business Purchase a/c			90,000
	(Various assets taken over.)			
	Liquidator of Ltd.	Dr.	90,000	
	To Equity Share Capital a/c			75,000
	To Share Premium a/c			15,000
	(Purchase consideration discharged by allotment of 7,500 equity shares of Rs. 10 each @ Rs. 12 per share)			

Balance Sheet of A Ltd as on 1st April, 1992

Liabilities	Amount	Assets	Amount
	Rs.		Rs.
Authorised Issued and Paid up Capital		Goodwill	10,000
20,000 Equity Shares of Rs 10 each fully paid up	2,00,000	Fixed Assets at cost	1,45,000
Share Premium Account	15,000	Floating Assets	85,000
Profit & Loss Account	*10,000*		
Trade Creditors	15,000		
	2,40,000		2,40,000

टिप्पणी : यह मान लिया गया है कि सम्पूर्ण अधिकृत अंशों का प्रचलन हुआ है तथा व्यापारिक लेनदारों के दायित्व के बदले ए लिमिटेड से प्राप्त अंशों में से अंश दे दिये गये हैं।

Illustration 3·14 · Following are the Balance Sheets of A Ltd. and B Ltd. as on 31st December, 1991 :

ए लिमिटेड तथा बी लिमिटेड के चिट्ठे 31 दिसम्बर, 1991 को इस प्रकार हैं :

Balance Sheets

Liabilities	A Ltd.	B Ltd.	Assets	A Ltd.	B Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Equity Share Capital (Rs. 100 each)	10,00,000	6,00,000	Sundry Assets	15,00,000	7,00,000
Reserves	2,00,000	1,10,000	2,000 Shares in A Ltd.	—	2,00,000
Creditors	3,00,000	1,90,000			
	15,00,000	9,00,000		15,00,000	9,00,000

A Ltd. absorbs B Ltd. on the basis of intrinsic value of shares. The purchase consideration is to be discharged in the form of fully paid equity shares. Entries are to be made at par only. A sum of Rs. 40,000 is owed by A Ltd. to B Ltd. Stock of A Ltd. includes Rs. 60,000 goods supplied by B Ltd. at cost plus 20%.

Give Journal entries in the books of both the companies. Also prepare Balance Sheet of A Ltd. after absorption.

A लिमिटेड द्वारा B लिमिटेड का संविलयन किया जाता है। यह अंशों के अन्तर्निहित मूल्य पर किया जाता है। क्रय मूल्य का भुगतान पूर्ण चुकता ईक्विटी अंशों के रूप में किया जाता है। प्रविष्टियाँ केवल सम मूल्य पर करनी हैं। A लिमिटेड से B लिमिटेड 40,000 रु० माँगती है। A लिमिटेड के स्टॉक में B लिमिटेड से खरीदा गया 60,000 रु० का माल शामिल है। यह माल लागत से 20% जोड़कर दिया गया था।

दोनों कम्पनियों की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए। संविलयन के पश्चात् A लिमिटेड का चिट्ठा भी दीजिए।

Solution :

Calculation of Intrinsic value of Shares of A Ltd.

	Rs.
Total Assets	15,00,000
Less : Creditors	3,00,000
Net Assets	12,00,000

$$\text{Intrinsic value per share} = \frac{\text{Net Assets}}{\text{No. of Shares}} \text{ or } \frac{12,00,000}{10,000} = \text{Rs. } 120$$

Calculation of Purchase Consideration of B Ltd. :

	Rs.	
Sundry Assets	7,00,000	
Add : Intrinsic value of shares in A Ltd.	2,40,000	
		9,40,000
Less : Creditors		1,90,000
Net Assets		7,50,000

$$\text{No. of shares to be issued by A Ltd.} = \frac{\text{Net Assets}}{\text{Intrinsic value per share of A Ltd.}}$$

$= \text{Rs. } \frac{7,50,000}{120} = 6,250$ Shares

Less : Shares already held by B Ltd.	2,000
No. of new shares to be issued	4,250

Purchase consideration = 4,250 × 100 = Rs. 4,25,000

Books of B Ltd. **Journal**

		Dr.	Cr.
		Rs.	Rs.
Realisation a/c	Dr.	7,00,000	
To Sundry Assets a/c			7,00,000
(Assets transferred to Realisation account.)			
Creditors a/c	Dr.	1,90,000	
To Realisation a/c			1,90,000
(Creditors transferred to Realisation account.)			
Equity Share Capital a/c	Dr.	6,00,000	
Reserves a/c	Dr.	1,10,000	
To Equity Shareholders a/c			7,10,000
(Balances transferred.)			
A Ltd.	Dr.	4,25,000	
To Realisation a/c			4,25,000
(Purchase consideration due.)			
Equity Shareholders a/c	Dr.	85,000	
To Realisation a/c			85,000
(Loss on realisation transferred.)			
Shares in A Ltd. a/c	Dr.	4,25,000	
To A Ltd.			4,25,000
(Purchase consideration received.)			
Equity Shareholders a/c	Dr.	6,25,000	
To Shares in A Ltd. a/c			6,25,000
(Shares in A Ltd. (2,00,000 + 4,25,000) distributed to Equity shareholders.)			

Books of of A Ltd. **Journal**

		Dr.	Cr.
		Rs.	Rs.
	Sundry Assets a/c Dr.	7,00,000	
	To Creditors a/c		1,90,000
	To Eiquidator of B Ltd.		4,25,000
	To Capital Reserve a/c (balancing figure)		85,000
	(Assets and liabilities of B Ltd. taken over and purchase consideration due.)		
	Liquidator of B Ltd. a/c Dr.	4,25,000	
	To Lquity Share Capital a/c		4,25,000
	(Purchase consideration discharged.)		
	Creditors (of A Ltd.) a/c Dr.	40,000	
	To Sundry Assets (Debtors of B Ltd.) a/c		40,000
	(Debtors included in sundry assets of B Ltd. set off with creditors)		

Balance Sheet at 31st December 1991 (After Absorption)

Liabilities	Amount Rs.	Assets	Amount Rs.
Share Capital :		Sundry Assets	
Equity Shares of Rs. 100		(15,00,000 + 7,00,000 − 40,000)	21,60,000
each fully paid	14,25,000		
(Out of which 4,250 shares of Rs. 100 each fully paid issued for consideration other than cash)			
Reserves	2,00,000		
Capital Reserves	85,000		
Creditors	*4,50,000*		
(3,00,000 + 1,90,000 − 40,000)			
	21,60,000		21,60,000

टिप्पणियाँ (Working Notes) : (1) क्रय प्रतिफल के बदले जारी किये जाने वाले अंशों की संख्या का निर्धारण 'ए' लिमिटेड के अंशों के आन्तरिक मूल्य के आधार पर किया गया है, जबकि प्रविष्टियाँ प्रश्न में दी गई सूचना के अनुसार सम मूल्य पर की गई हैं। (2) क्रेता कम्पनी 'ए' लिमिटेड के स्टॉक में 'बी' लिमिटेड द्वारा बेचे गये माल का एक भाग सम्मिलित है। इसके लिए स्टॉक संचय नहीं बनाया गया है क्योंकि ए लिमिटेड ने माल चाहे बी लिमिटेड से खरीदा हो अथवा अन्य किसी कम्पनी से, इसमें कोई अन्तर नहीं पड़ेगा क्योंकि माल ए लिमिटेड की पुस्तकों में इसके लिए जो लागत मूल्य है, पर दिखाया गया है।

इस सम्बन्ध में एक वैकल्पिक विचारधारा यह भी है कि ऐसे स्टॉक में सम्मिलित विक्रेता कम्पनी द्वारा वसूल न किये गये लाभों के लिए संचय बनाया जाये। छात्रों को परीक्षा में प्रश्नों का हल करते समय टिप्पणी दे देनी चाहिए कि किस विचारधारा का प्रयोग किया गया है।

Illustration 3.15 : You are given the Balance Sheets of G Ltd. and R Ltd. as on 30th June, 1992 :

आपको 30, जून 1992 को जी लिमिटेड और आर लिमिटेड के स्थिति विवरण दिये गये हैं।

Balance Sheets

Liabilities	G Ltd.	R Ltd.	Assets	G Ltd.	R Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Share Capital :			**Fixed Assets**	6,00,000	1,95,000
(Shares of Rs. 10 each)	5,00,000	2,00,000	Current Assets	3,00,000	1,00,000
General Reserve	3,00,000	50,000	Investments	1,00,000	60,000
Creditors	2,00,000	1,00,000			
	10,00,000	3,50,000		10,00,000	3,50,000

Both companies had acquired 1/10 of the shares in one another. R Ltd. paid Rs. 12 per share and G Ltd paid only the face value. R Ltd. supplies materials to G Ltd. at cost plus 20%. Of such material Rs. 45,000 worth was still in stock on 30th June, 1992 with G Ltd and in respect of which Rs 30,000 was still owed by G Ltd. to R Ltd. On 30th June, 1992 G Ltd absorbed R Ltd. issuing three fully paid shares for each five held in R Ltd Before acquisition it declared a dividend of 10% on its paid up capital. G Ltd. has treated shares in R Ltd. as a current asset; their value had to be adjusted on the basis of intrinsic value before recording the acquisition of R Ltd

Give journal entries in the books of both the companies, the issue of shares is to be recorded at par.

दोनों कम्पनियों ने एक दूसरी में 1/10 अंश ले रखे हैं। आर लिमिटेड ने 12 रु० प्रति अंश और जी लिमिटेड ने अंकित मूल्य चुकाया है। आर लिमिटेड ने लागत में 20% जोड़कर जी लिमिटेड को सामग्री बेची है; इस सामग्री में से 45,000 रु० मूल्य की 30 जून 1992 को जी लिमिटेड के स्टॉक में थी और इस सम्बन्ध में 30,000 रु० जी लिमिटेड द्वारा आर लिमिटेड को देने थे। 30 जून, 1992 को आर लिमिटेड में प्रति 5 अंश, के लिए 3 पूर्ण प्रदत्त अंश निर्गमित करते हुए जी लिमिटेड ने आर लिमिटेड का संविलयन किया। अधिग्रहण से पूर्व इसने अपनी प्रदत्त पूँजी पर 10% लाभांश घोषित किया। जी लिमिटेड ने आर लिमिटेड में अंशों को चालू सम्पत्ति मान रखा है। आर लिमिटेड के अधिग्रहण का लेखा करने से पूर्व इनके अंकित मूल्य को अन्तर्निहित मूल्य के आधार पर समायोजित करना है।

दोनों कम्पनियों की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए। अंशों का निर्गमन सम मूल्य पर दर्ज करना है।

Solution :

(i) दोनों कम्पनियों के अंशों का अन्तर्निहित मूल्य ज्ञात करने के लिए सर्वप्रथम पारस्परिक विनियोगों के अलावा अन्य सम्पत्तियों का शुद्ध मूल्य अग्र प्रकार से ज्ञात किया जायेगा :

Calculation of Net Assets

		G Ltd.	R Ltd.
		Rs.	Rs.
Fixed Assets		6,00,000	1,90,000
Current Assets		3,00,000	1,00,000
Investments excluding mutual holdings (Rs. 1,00,000 – Rs. 20,000)		80,000	—
Dividend receivable from G Ltd.		—	5,000
Total Assets		9,80,000	2,95,000
	Rs.		
Less : Creditors	2,00,000		1,00,000
Dividend Payable	50,000	2,50,000	—
Net Assets		7,30,000	1,95,000

माना कि जी लिमिटेड की कुल शुद्ध सम्पत्तियाँ x तथा आर लिमिटेड की कुल शुद्ध सम्पत्तियाँ y हैं।

$x = 7,30,000 + \frac{1}{10} y$ .. (i) and $y = 1,95,000 + \frac{1}{10} x$........(*ii*)

(ii) समीकरण में x का मान रखने पर

$y = 1,95,000 + \frac{1}{10} (7,30,000 + \frac{1}{10} y)$

or $y = 1,95,000 + 73,000 + \frac{1}{100} y$

or $100y = 1,95,00,000 + 73,00,000 + y$

or $99y = 2,68,00,000$ or $y = 2,70,707$

(i) समीकरण में y का मान रखने पर :

$x = 7,30,000 + \frac{1}{10} (2,70,707)$

or $x = 7,30,000 + 27,071$ or $x = 7,57,071$

अतः जी लिमिटेड की कुल शुद्ध सम्पत्तियाँ 7,57,071 रु० तथा आर लिमिटेड की कुल शुद्ध सम्पत्तियाँ 2,70,707 रु० होंगी।

Intrinsic value per share Total Net Assets ÷ No. of shares

G. Ltd. : 7,57,071 ÷ 50,000 = Rs. 15 14

R Ltd. : 2,70,707 ÷ 20,000 = Rs. 13·54

Value of 2,000 shares held in R Ltd. (2,000 × 13·54) =	**Rs. 27,071**
***Less* : Cost of acquisition (2,000 × 10)**	**Rs. 20,000**
Revenue Profit	**Rs. 7,071**

(iii) Calculation of Purchase Consideration :
Shares held by outsiders in R Ltd. 18,000 shares;
No. of shares to be issued = 18,800 × 3/5 = 10,800 shares
Purchase Consideration (10,800 × Rs. 10) = Rs. 1,08,000

(iv) Calculation of Capital Reserve :
Net Assets (Rs. 1,90,000 + Rs. 1,00,000 + Rs. 5,000 − Rs. 1,00,000 = 1,95,000

Less : Purchase Consideration 1,08,000

Capital Reserve 87,000

Journal of R Ltd.

			Dr.	Cr.
			Rs.	Rs.
1992 June, 30	Debtors (G. Ltd.) a/c	Dr.	5,000	
	To Dividend a/c			5,000
	(Dividend receivable from G Ltd.)			
	Realisation a/c	Dr.	2,95,000	
	To Fixed Assets a/c			1,90,000
	To Current Assets a/c			1,00,000
	To Debtors (G Ltd.) a/c			5,000
	(Sundry assets transferred.)			
	Creditors a/c	Dr.	1,00,000	
	To Realisation a/c			1,00,000
	(Creditors transferred)			
	Shares Capital a/c	Dr.	20,000	
	To Realisation a/c			20,000
	(Share capital held by G Ltd. transferred)			
	Share Capital a/c	Dr.	1,80,000	
	General Reserve a/c	Dr.	50,000	
	Dividend a/c	Dr.	5,000	
	To Shareholders a/c			2,35,000
	(Balances transferred.)			
	G Ltd.	Dr.	1,08,000	
	To Realisation a/c			1,08,000
	(Purchase consideration due)			

(*Contd... .... ..*)

		Rs.	Rs.
	Shares in G Ltd. a/c Dr. To G Ltd. Purchase consideration received)	1,08,000	1,08,000
	Shareholders a/c Dr. To Realisation a/c (Loss on realisation transferred)	67,000	67,000
	Shareholders a/c Dr. To Shares in G Ltd. a/c (10,800 Shares received for purchase consideration and 5,000 share held as investment distributed among the outside shareholders)	1,68,000	1,68,000

Journal of G. Ltd.

		Rs.	Rs.
	General Reserve a/c Dr. To Dividend a/c (Dividend declared)	50,000	50,000
	Investment in Shares of R Ltd. a/c Dr. To General Reserve a/c (Appreciation in the value of investments recorded)	7,071	7,071
	Fixed Assets a/c Dr. Current Assets a/c Dr. Debtors (G Ltd.) a/c Dr. To Creditors a/c To Liquidators of R Ltd. To Capital Reserve a/c (Assets and liabilities taken over.)	1,90,000 1,00,000 5,000	 1,00,000 1,08,000 87,000
	Liquidator of R Ltd. a/c Dr. To Share Capital a/c (Purchase consideration discharged by allotment of 10,800 shares @ Rs. 10 per share.)	1,08,000	1,08,000

(Contd.)

		Rs.	Rs.
Creditors (in G Ltd)	Dr.	30,000	
Dividend a/c	Dr.	5,000	
To Debtors (in R Ltd) a/c			35,000
(Mutual debts for materials supplied and amount of Dividend payable to R Ltd. cancelled)			
Capital Reserve a/c	Dr.	27,071	
To Investment in shares of R Ltd. a/c			27,071
(Investment in shares of R Ltd. cancelled)			

प्रश्न (Questions)

सैद्धान्तिक प्रश्न (Theoretical Questions)

1. What do you mean by Amalgamation and Absorption of companies ? How purchase consideration is determined for these ?

कम्पनी के एकीकरण एवं सविलयन से आप क्या समझते हैं ? इनके अन्तर्गत क्रय प्रतिफल की गणना किस प्रकार की जाती है ?

2. Narrate the objects of Amalgamation of Companies and describe the provisions contained in sections 395 and 396 of the Indian Companies Act, 1956.

कम्पनियों के एकीकरण के उद्देश्यों का वर्णन कीजिए और भारतीय कम्पनी अधिनियम, 1956 की धाराओं 395 एवं 396 के प्रावधानों की व्याख्या कीजिए।

3. Distinguish between Amalgamation and Absorption of Companies with special reference to accounting.

लेखाकन के विशिष्ट सदर्भ में कम्पनियों के एकीकरण तथा सविलयन में अन्तर बताइये।

4. How will you deal the following items in case of Absorption :

(i) Mutual Debts, (ii) Unrealised Profit,

(iii) Share held by Purchasing Company in Vendor Company;

(iv) Shares held by Vendor Company in Purchasing Company;

(v) Shares held by Purchasing Company and Vendor Company in each other;

आप सविलयन की स्थिति में निम्नलिखित मदों का व्यवहार किस प्रकार करेंगे :

(i) पारस्परिक ऋण, (ii) न वसूल हुआ लाभ;

(iii) क्रेता कम्पनी द्वारा विक्रेता कम्पनी में धारण किये गये अंश।

(iv) विक्रेता कम्पनी द्वारा क्रेता कम्पनी में धारण किये गये अंश।

(v) क्रेता कम्पनी एवं विक्रेता कम्पनी द्वारा एक दूसरे में धारण किये गये अंश।

5. Discuss and illustrate accounting treatment of the following at the time of absorption in the books of each company :

(a) When the absorbing company is a debtor of absorbed company.

(b) When the Stock of absorbed company consists of goods purchased from absorbing company, such goods being sold by absorbing company at a Profit.

प्रत्येक कम्पनी की पुस्तकों में संविलयन के समय निम्नलिखित के उदाहरण देकर लेखांकन का वर्णन कीजिए :

(अ) जब संविलयन करने वाली कम्पनी संविलयन होने वाली कम्पनी की देनदार है।

(ब) जब संविलयन करने वाली कम्पनी के स्टॉक में संविलयन करने वाली कम्पनी से क्रय किया गया माल सम्मिलित है, ऐसा माल संविलयन करने वाली कम्पनी द्वारा लाभ पर बेचा गया है।

6. What is absorption in relation to companies ? How does it differ from amalgamation ? Give objects of both.

कम्पनियों के सम्बन्ध में संविलयन किसे कहते हैं ? यह एकीकरण से किस प्रकार भिन्न है ? दोनों के उद्देश्य बताइये।

7. Define absorption What are its objects ? Explain and illustrate the method of absorption of the company.

संविलयन की परिभाषा दीजिये। इसके क्या उद्देश्य हैं ? कम्पनी संविलयन की विधि को उदाहरण सहित समझाइये।

व्यावहारिक प्रश्न (Practical Questions) :

8. The X Co. Ltd. and the Y Co. Ltd., whose business are of similar nature decided to amalgamate and a new company called the Z Co Ltd. is formed to take over their respective assets and liabilities. The following are the respective Balance Sheets :

एक्स कम्पनी लिमिटेड एवं वाई कम्पनी लिमिटेड, जिनका एक समान व्यापार है, ने जेड कम्पनी लिमिटेड को पुरानी कम्पनियों की सम्पत्तियों एवं दायित्वों को लेने के लिए बनाया। उनके स्थिति विवरण निम्न प्रकार हैं :

Balance Sheet of X Co. Ltd.

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
Share Capital :		Goodwill	30,000
7,500 Shares of Rs. 10 each		Freehold Premises	10,000
fully paid	75,000	Plant & Machinery	18,300
Sundry Creditors	3,300	Stock	16,000
Reserve Account	4,200	Sundry Debtors	7,500
Profit & Loss Account	800	Cash	1,500
	83,300		83,300

Balance Sheet of Y Co. Ltd.

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
Share Capital :		Goodwill	20,000
4,550 Shares of Rs. 10 each		Plant and Machinery	13,450
fully paid	45,500	Stock	11,550
Sundry Creditors	2,000	Sundry Debtors	6,000
Profit and Loss Account	4,500	Cash	1,000
	52,000		52,000

Assuming the assets in each case is to be worth their book values, show how the amount payable to each company is arrived at and prepare Balance Sheet of Z company after amalgamation. Also pass Journal entries in the books of Z Co. Ltd.

यह मानते हुए कि सम्पत्तियाँ पुस्तक मूल्य के बराबर हैं, यह दिखाइये कि प्रत्येक कम्पनी को कितना भुगतान मिलेगा ? एकीकरण के बाद का Z कम्पनी का चिट्ठा बनाइये। Z कम्पनी लि० की पुस्तकों में आवश्यक प्रविष्टियाँ भी कीजिए।

(Answer : Purchase consideration for X Ltd. Rs. 80,000 and for Y Ltd. Rs. 50,000 Total of Balance Sheet Rs. 1,35,300) (31)

9. Two companies, Abad Limited and Nabad Limited amalgamate and form a new company Kamyab Limited. The position of these two companies is as under :

दो कम्पनियाँ, आबाद लिमिटेड एवं नाबाद लिमिटेड एकीकृत होकर एक नई कम्पनी कामयाब लिमिटेड का निर्माण करती हैं। दोनों कम्पनियों की स्थिति निम्न प्रकार है :

Abad Ltd.

Liabilities	Amount	Assets	Amount
	Rs.		Rs.
Paid up Capital :		Goodwill	70,000
30,000 Equity Shares of Rs. 10 each	3,00,000	Stock	1,80,000
Profit and Loss Account	50,000	Debtors	2,00,000
5% Debentures	70,000		
Sundry Creditors	30,000		
	4,50,000		4,50,000

Nabad Ltd.

Liabilities	Rs	Assets	Rs.
Paid-up Capital :		Stock	80,000
20,000 Equity Shares of		Debtors	2,20,000
Rs. 10 each	2,00,000		
Profit and Loss Account	42,000		
Sundry Creditors	58,000		
	3,00,000		3,00,000

The average profit of Abad Ltd. and Nabad Ltd. have been Rs. 30,000 and Rs. 20,000 respectively. Kamyab Ltd. agree with the two companies to take over both concerns for a sum of Rs. 6,00,000 and in addition to discharge all liabilities; Rs. 1,00,000 to be paid in cash and the balance in shares at face value.

It is agreed that the Debtors of Abad Ltd. and Nabad Ltd. before being taken over by Kamyab Ltd. will be written of to the extent of 10% of their respective book figures.

The profit on conversion is to be divided between the shareholders of Abad Ltd. and Nabad Ltd. on the same proportion as to the profits previously earned by them.

Draw up Balance Sheet on the completion of the transfer in the books of Kamyab Ltd. Also show Shareholders Account and Realisation Account in the books of Abad Ltd. and Nabad Ltd.

आबाद लिमिटेड एवं नाबाद लिमिटेड के औसत लाभ क्रमशः 30,000 रु० एवं 20,000 रु० रहे हैं। कामयाब लिमिटेड की दोनों कम्पनियों के साथ यह सहमति होती है कि दोनों संस्थाओं को 6,00,000 रु० के प्रतिफल के बदले अधिग्रहित करेगी एवं इसके अतिरिक्त सभी दायित्वों का निबटारा करेगी। प्रतिफल का भुगतान 1,00,000 रु० नकद एवं शेष राशि अंकित मूल्य पर अंशों के रूप में होगा।

यह तय होता है कि आबाद लिमिटेड एवं नाबाद लिमिटेड के देनदारों को कामयाब लिमिटेड द्वारा अधिग्रहित करने से पूर्व उनके पुस्तक मूल्यों के 10 प्रतिशत की सीमा तक अपलिखित किया जायेगा।

परिवर्तन (अधिग्रहण) से होने वाले लाभों को आबाद लिमिटेड एवं नाबाद लिमिटेड के अंशधारियों के मध्य उसी अनुपात में बाँटा जायेगा जो उनके द्वारा पहले कमाये गये लाभों का अनुपात है।

कामयाब लिमिटेड की पुस्तकों में हस्तान्तरण के पश्चात् का स्थिति विवरण बनाइये। आबाद लिमिटेड तथा नाबाद लिमिटेड की पुस्तकों में अंशधारियों का खाता एवं वसूली खाता भी बनाइये।

(Answer : Purchase Consideration Abad Ltd. Rs. 3,60,000, Nabad Ltd. Rs. 2,40,000 Total of Balance Sheet of Kamyab Ltd. Rs. 7,58,000)

(3·2)

10. Amar Limited agreed to acquire the business of Kamar Limited on 31st December, 1991. The summarised Balance Sheet of Kamar Limited on that date was as under :

अमर लिमिटेड कमर लिमिटेड के व्यवसाय को 31 दिसम्बर, 1991 लेने को सहमत होती है। अमर लिमिटेड का उक्त तिथि को संक्षिप्त चिट्ठा निम्न प्रकार था :

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
		Goodwill	50,000
Share Capital in fully paid		Land, Buildings and Machinery	3,20,000
Shares of Rs. 10 each	3,00,000	Stock in Trade	84,000
General Reserve	85,000	Debtors	18,000
Profit and Loss Account	55,000	Cash and Bank Balance	28,000
6% Debentures	50,000		
Creditors	10,000		
	5,00,000		5,00,000

The consideration payable by Amar Limited was agreed as under :

(1) Cash payment equivalent to Rs. 2·50 for every share of Rs. 10 in Kamar Ltd.

(2) Issue of 45,000 Rs. 10 shares fully paid in Amar Ltd. having an agreed value of Rs. 15 per share.

(3) Issue of such an amount of fully paid 5% Debentures of Amar Ltd. at 96 per cent as is sufficient to discharge the 6% Debentures of Kamar Ltd. at a premium of 20%.

While arriving at the agreed consideration, the directors of Amar Ltd. valued Land, Buildings and Machinery at Rs. 6,00,000, the Stock-in-trade at Rs. 71,000 and the Debtors at their book-value subject to an allowance of 5% to cover doubtful debts The cost of liquidation of Kamar Ltd. was Rs. 2,500.

You are required to draft Journal entries in the books of both the Companies.

अमर लिमिटेड द्वारा देय प्रतिफल निम्न प्रकार तय किया गया :—

(1) कमर लिमिटेड में प्रत्येक 10 रु० के अंश के लिए 2.50 रु० नकद भुगतान।

(2) 10 रु० वाले पूर्ण प्रदत्त 45,000 अंश 15 रु० प्रति अंश के तय मूल्य पर निर्गमित किये जायें।

(3) कमर लिमिटेड के 6% ऋणपत्रों के 20% प्रीमियम पर भुगतान के लिए पर्याप्त मात्रा में अमर लिमिटेड के 5% पूर्ण प्रदत्त ऋणपत्र 96% मूल्य पर निर्गमित किये जायें।

क्रय प्रतिफल का निर्धारण करते समय अमर लिमिटेड के संचालकों ने भूमि, भवन एवं मशीनरी को 6,00,000 रु० पर, व्यापारिक स्टॉक को 71,000 रु० पर एवं देनदारों को उनके पुस्तक मूल्य पर 5% संदेहयुक्त ऋणों के लिए प्रावधान के आधार पर मूल्यांकित किया। कमर लिमिटेड के समापन की लागत 2,500 रु० थी।

आपको दोनों कम्पनियों की पुस्तकों में आवश्यक प्रविष्टियाँ देनी है।

Answer : Purchase Consideration Rs. 8,10,000 (3·3)

11. The Balance Sheet of X Co. Ltd. and Y Co. Ltd. as on 31st December, 1991 are as follows :

31 दिसम्बर, 1991 को एक्स कम्पनी लिमिटेड एवं वाई कम्पनी लिमिटेड के चिट्ठे निम्न प्रकार हैं—

Balance Sheet of X Co. Ltd.

Liabilities	Rs.	Assets		Rs.
Share Capital :		**Fixed Assets**		
Authorised Capital		Goodwill	80,000	
10,000 shares of Rs. 100 each	10,00,000	Others Assets	8,00,000	8,80,000
Issued Capital				
10,000 Shares of Rs. 100 each fully paid	10,00,000	**Current Assets, Loans and Advances**		9,00,000
Reserve and Surplus :				
Capital Reserve	2,00,000			
General Reserve	70,000			
Unsecured Loans :	2,00,000			
Current Liabilities and Provisions				
Sundry Creditors	3,10,000			
	17,80,000			17,80,000

Balance Sheet of Y Ltd. Co.

Liabilities	Rs.	Assets		Rs.
Share Capital :		Fixed Assets		16,00,000
Authorised Capital :		Current Assets,		
2,00,000 Shares of Rs. 10 each	20,00,000	Loans and Advances :	Rs.	
Issued Capital :		Bank	2,00,000	
80,000 Shares of Rs. 10 each fully paid	8,00,000	Others	6,60,000	8,60,000
Reserves and Surplus :				
General Reserve	8,00,000			
Secured Loans	5,00,000			
Current Liabilities and Provisions				
Sundry Creditors	3,60,000			
	24,60,000			24,60,000

It was proposed that X Co. Ltd. should be taken over by Y Co. Ltd. The following arrangement was accepted by both the Companies :—

(a) Goodwill of X Co. Ltd. is considered valueless.

(b) Arrears of depreciation in X Co. Ltd. amounted to Rs. 40,000.

(c) The holder of every two shares in X Co. Ltd. was to receive

(i) 10 shares in Y Co. Ltd. at intrinsic value, and

(ii) So much cash as is necessary to adjust the rights of Shareholders of both the Companies in accordance with the intrinsic value of the shares as per their balance sheets subject to necessary adjustment with regard to goodwill and depreciation in X Co Ltd's, Balance Sheet

You are required to :

(a) Determine the composition of purchase consideration, and

(b) Show the Balance Sheet of Y Co. Ltd after absorption.

यह प्रस्तावित किया गया कि एक्स कम्पनी लिमिटेड का अधिग्रहण वाई कम्पनी लिमिटेड द्वारा किया जायेगा। निम्नलिखित व्यवस्था दोनों कम्पनियों के द्वारा स्वीकृत की गई :—

(अ) एक्स लिमिटेड की ख्याति को मूल्यहीन माना जाये।

(ब) एक्स लिमिटेड में मूल्य ह्रास की बकाया राशि 40,000 रु० है।

(स) एक्स कम्पनी लिमिटेड में प्रत्येक 2 अंशों के धारक को (i) वाई कम्पनी लिमिटेड में 10 अंश आन्तरिक मूल्य पर, एवं (ii) पर्याप्त मात्रा में आवश्यक नकद राशि जो कि दोनों कम्पनियों के अंशधारियों के अधिकारों का चिट्ठे के अनुसार अंशों के आन्तरिक मूल्य, जो कि एक्स कम्पनी लि० की स्थिति में ख्याति एवं मूल्य ह्रास का समायोजन करने के बाद आता है, समायोजन के लिए आवश्यक है, प्राप्त करेंगे।

आपको (अ) क्रय प्रतिफल की रचना निर्धारित करनी है, एवं (ब) सविलयन के बाद का वाई कम्पनी लिमिटेड का चिट्ठा प्रदर्शित करना है।

(Answer : Purchase consideration Rs. 11,50,000 and Total of Balance Sheet Rs. 39,70,000). (3,4)

12 Ajanta Ltd agreed to acquire the business of Elora Ltd. as on 31st December, 1991 The Balance Sheet of Elora Ltd. as on that was as under :

अजन्ता लिमिटेड, ऐलोरा लिमिटेड के व्यवसाय को 31 दिसम्बर 1991 को स्थिति के अनुसार लेने को सहमत होती है। उक्त तिथि को ऐलोरा लिमिटेड का स्थिति विवरण निम्न प्रकार था :

Liabilities	Amount	Assets	Amount
	Rs.		Rs.
Paid up Capital :		Fixed Assets :	
10,000 6% Preference Shares of Rs. 10 each	1,00,000	Land and Buildings	2,00,000
20,000 Equity Shares of Rs. 10 each	2,00,000	Machineries	1,00,000
		Current Assets :	
Reserves	20,000	Stock	2,00,000
Profit and Loss Account	30,000	Debtors	50,000
7% Debentures	1,00,000	Cash at Bank	35,000
Sundry Creditors	1,50,000	Miscellaneous Expenditure :	
		Preliminary Expenses	10,000
		Debenture Discount	5,000
	6,00,000		6,00,000

The consideration payable by Ajanta Ltd. was agreed as under :

(1) The Preference shareholders of Elora Ltd. were to be allotted 8% preference shares of Rs. 1,10,000.

(2) Equity shareholders to be allotted six equity shares of Rs. 10 each issued at a premium of 10% and Rs. 3 cash against every five shares held.

(3) 7% Debenture holders of Elora Ltd. to be paid at 8% premium by 9% Debentures at 10% discount.

While arriving at the agreed consideration the directors of Ajanta Ltd. value Land and Buildings at Rs. 2,50,000, Stock Rs. 2,20,000 and Debtors at their books value subject to an allowance of 5% to cover doubtful debts. Debtors of Elora Ltd. included Rs. 10,000 due from Ajanta Ltd. The machineries were valued at book value.

It was agreed that before acquisition Elora Ltd. will pay the dividend at 10% on Equity shares. Liquidation expenses are Rs 5,000.

Draft Journal entries necessary to close the books of Elora Ltd and to record acquisition in the books of Ajanta Limited.

अजन्ता लिमिटेड द्वारा देय प्रतिफल निम्न प्रकार तय किया गया :

(1) एलोरा लिमिटेड के पूर्वाधिकार अंशधारियों को 1,10,000 रु० के 8% पूर्वाधिकार अंश आवंटित किये जायेंगे।

(2) [illegible] प्रत्येक 5 धारित अंशों के लिए 3 रु० नकद एवं 10 रु० वाले 6 ईक्विटी अंश 10% प्रीमियम पर निर्गमित किये जायेंगे।

(3) एलोरा लिमिटेड के 7% ऋणपत्रधारियों को 8% प्रीमियम पर चुकाने के लिए 9% ऋणपत्रों को 10% बट्टे पर दिया जायेगा।

[illegible] अजन्ता लिमिटेड के संचालकों द्वारा भूमि एवं भवन 2,50,000 रु० पर, स्टॉक 2,20,000 रु० पर [illegible] पुस्तक मूल्य पर सन्देहयुक्त ऋणों को पूरा करने के लिए 5% बट्टे पर मूल्यांकित किया गया। एलोरा लिमिटेड के देनदारों में 10,000 रु० अजन्ता लिमिटेड में बकाया राशि सम्मिलित है। मशीनों को [illegible] मूल्य पर मूल्यांकित किया गया।

यह भी तय किया [illegible] अधिग्रहण से पूर्व एलोरा लिमिटेड ईक्विटी अंशों पर 10% लाभांश देगी। समापन के व्यय [illegible]

[illegible] एलोरा लिमिटेड की पुस्तकें को बन्द करने एवं अजन्ता लिमिटेड की पुस्तकों में अधिग्रहण के सम्बन्ध में [illegible]

(Answer : [illegible], Purchase Consideration Rs. 4,94,000, payment [illegible] Ajanta Ltd. Rs. 16,000). (35)

13. The Balance [illegible] Ram Ltd. and Krishna Ltd. as at 31 December, 1991 were as follows :

राम लिमिटेड तथा कृष्ण लिमिटेड के 31 दिसम्बर, 1991 को चिट्ठे निम्न प्रकार थे :

Liabilities	Ram Ltd.	Krishna Ltd.	Assets	Ram Ltd.	Krishna Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Share Capital :			Fixed Assets		
Divided into Equity			(Other than Goodwill)	5,00,000	3,50,000
Shares of Rs. 10 each	6,00,000	4,00,000	Stock-in-trade	95,000	75,000
Reserves	1,50,000	1,00,000	Debtors	1,40,000	1,00,000
Profit and Loss Account	75,000	60,000	Cash at Bank	1,17,500	60,000
Sundry Creditors	37,500	30,000	Preliminary expenses	10,000	5,000
	8,62,500	5,90,000		8,62,500	5,90,000

Ram Ltd took over and absorbed Krishna Ltd. as on 1st July 1992. No Balance Sheet of Krishna Ltd was prepared on the date of take over but the following information is made available to you :

(i) In the six months ended 30th June, 1992 Krishna Ltd. made a net profit of Rs. 60,000 after providing for depreciation at 10% per annum on fixed assets.

(ii) Ram Ltd. during that period had made a net profit 1,45,000 after providing for depreciation at 10% per annum on fixed assets.

(iii) Both the companies had distributed dividends of 10% on 1st April, 1992.

(iv) Goodwill of Krishna Ltd. on the date of take over was estimated at Rs. 25,000 and it was agreed that the Stock of Krishna Ltd. would be appreciated by Rs. 15,000 on the date of take over.

(v) Ram Ltd. to issue shares to shareholders of Krishna Ltd. on the basis of the intrinsic value of the shares on the date of take-over.

Give journal entries necessary to close the books of Krishna Ltd. and draft the Balance Sheet of Ram Ltd. after absorption.

राम लिमिटेड ने 1 जुलाई, 1992 को कृष्ण लिमिटेड को अधिग्रहित कर संविलयन किया। अधिग्रहण की तिथि को कृष्ण लिमिटेड का कोई चिट्ठा तैयार नहीं किया गया था किन्तु निम्न अतिरिक्त सूचनायें आपको प्रदान की जाती है :

(i) 30 जून, 1992 को समाप्त होने वाले 6 माह की अवधि में कृष्ण लिमिटेड ने स्थायी सम्पत्तियों पर 10% वार्षिक ह्रास वसूल करने के पश्चात् 60,000 रु० का शुद्ध लाभ कमाया।

(ii) उक्त अवधि में राम लिमिटेड ने स्थायी सम्पत्तियों पर 10% वार्षिक ह्रास वसूल करने के पश्चात् 1,45,000 रु० का शुद्ध लाभ कमाया।

(iii) दोनों कम्पनियों ने अप्रैल 1, 1992 को 10% लाभांश वितरित किये।

(iv) कृष्ण लिमिटेड की ख्याति, अधिग्रहण की तिथि को, 25,000 रु० अनुमानित की गई एवं यह तय किया गया कि कृष्ण लिमिटेड का स्टॉक उक्त तिथि को 15,000 रु० से बढ़ाया जायेगा।

(v) राम लिमिटेड कृष्ण लिमिटेड के अंशधारियों को अधिग्रहण की तिथि को अंशों के आन्तरिक मूल्य के आधार पर अंश निर्गमित करेगी।

कृष्ण लिमिटेड की पुस्तकों को बन्द करने के लिए आवश्यक जर्नल प्रविष्टियां कीजिए तथा राम लिमिटेड का संविलयन के पश्चात् चिट्ठा बनाइये।

[Answer : Net Assets of Ram Ltd. Rs. 9,00,000 and Krishna Ltd. Rs. 6,15,000; Balance Sheet total after absorption Rs. 15,92,500]. (3.6)

14. P Ltd. decides to absorb R Ltd. on 1st January, 1992 on which date Balance Sheet contained the following items :

(i) Sundry debtors of P Ltd. include a debt of Rs. 25,000 due by R Ltd.

(ii) P Ltd. held 3,000 Equity shares of Rs. 100 each in R Ltd. purchased at par as investments. The intrinsic value of these shares on 1st January, 1992 was Rs. 90 per share.

(iii) Bills payable of R Ltd. include Rs. 1,000 payable to P. Ltd. Out of these, bills worth Rs. 1,200 had been discounted with the Bank.

(iv) Stock-in-trade of P Ltd. includes goods costing Rs. 5,000 purchased from R Ltd. on which the later company made a profit of Rs. 1,000.

Pass Journal entries at the time of absorption in the books of absorbing company in respect of the above items.

पी लिमिटेड ने आर लिमिटेड का 1 जनवरी, 1992 को संविलयन करने का निश्चय किया जिस दिन उनके चिट्ठे में निम्न मदें पाई जाती हैं :

(i) पी लिमिटेड के विविध देनदारों में आर लिमिटेड द्वारा देय 25,000 रु० की राशि सम्मिलित है।

(ii) पी लिमिटेड के पास आर लिमिटेड में 100 रु० वाले 3,000 ईक्विटी अंश विनियोग के रूप में है जो समसूल्य पर खरीदे गये थे। 1 जनवरी, 1992 को इन अंशों का अन्तर्निहित मूल्य 90 रु० प्रति अंश है।

(iii) आर लिमिटेड के देय बिलों में पी लिमिटेड को देय 2,000 रु० की राशि सम्मिलित है। इनमें से 1,200 रु० के बिल बैंक से भुनाये हुए हैं।

(iv) पी लिमिटेड के स्टॉक में आर लिमिटेड से खरीदा गया 5,000 रु० की लागत का माल सम्मिलित है जिस पर बाद वाली कम्पनी ने 1,000 रु० का लाभ कमाया था।

उपर्युक्त मदों के सम्बन्ध में संविलयन करने वाली कम्पनी की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिये। (3.7)

15. Following are the Balance Sheets of two companies R Ltd. and S Ltd. as at December 31, 1991 :

दो कम्पनियाँ, आर लिमिटेड एवं एस लिमिटेड, के 31 दिसम्बर 1991 को चिट्ठे अग्रलिखित हैं :

Liabilities	R Ltd	S Ltd.	Assets	R Ltd.	S Ltd.
	Rs	Rs.		Rs	Rs.
Share Capital:			3,000 Shares in R Ltd.	—	3,00,000
(Shares of Rs. 100 each)	15,00,000	9,00,000	Sundry Assets	22,50,000	10,50,000
Reserves	3,00,000	1,65,000			
Creditors	4,50,000	2,85,000			
	22,50,000	13,50,000		22,50,000	13,50,000

R Ltd. is to absorb S Ltd on the basis of intrinsic value of the shares. The purchase consideration is to be discharged in the form of fully paid shares, entries to be made at par value only. A sum of Rs. 60,000 is owed by R Ltd. to S Ltd. Also included in the stock of R Ltd. is Rs. 90,000 goods supplied by S Ltd. at cost plus 20%. Give journal entries in the books of both the companies and prepare Balance Sheet of R Ltd soon after absorption.

आर लिमिटेड द्वारा एस लिमिटेड का अंशों के आन्तरिक मूल्य के आधार संविलयन किया जाना है। क्रय प्रतिफल का भुगतान पूर्णदत्त अंशों में किया जाता है एवं प्रविष्टियाँ सममूल्य पर करनी है। 60,000 रु० की राशि आर लिमिटेड द्वारा एस लिमिटेड को देय है। आर लिमिटेड के स्टॉक में 90,000 रु० का ऐसा माल सम्मिलित है जो कि एस लिमिटेड द्वारा लागत में 20% जोड़कर बेचा गया था।

दोनों कम्पनियों की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिये एवं संविलयन के तुरन्त पश्चात् का आर लिमिटेड का चिट्ठा तैयार कीजिये।

[Answer : Purchase consideration Rs. 6,37,500, Loss on Realisation Rs. 1,27,500, Total of Balance Sheet Rs. 32,25,000 or Rs. 32,40,000]. (3 8)

16. The following are the Balance Sheets of A Ltd. and B Ltd. as on 31st March, 1992 :

31 मार्च, 1992 को ए लिमिटेड एवं बी लिमिटेड के चिट्ठे निम्न प्रकार हैं—

A Ltd.

Liabilities	Amount Rs.	Assets	Amount Rs.
Share Capital:		Fixed Assets	30,00,000
40,000 Equity Shares of Rs. 100 each	40,00,000	Investments	5,00,000
		Current Assets	65,00,000
General Reserve	30,00,000		
Current Liabilities	30,00,000		
	1,00,00,000		1,00,00,000

B Ltd.

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
			Rs.
Share Capital		Goodwill	50,000
20,000 Equity Shares of Rs. 50 each	10,00,000	Fixed Assets	3,50 000
		Current Assets	14,00,000
General Reserve	5,00,000		
Current Liabilities	1,00,000		
Provision for Tax	1,00,000		
Proposed Dividend	1,00,000		
	18,00,000		18,00,000

B Ltd. is to be absorbed by A Ltd. on the following terms :

(1) B Ltd. declared a dividend of 10% before absorption for the payment of which it is to retain sufficient amount of cash.

(2) The net worth of B Ltd. is valued at Rs. 14,50,000.

(3) The purchase consideration is satisfied by the issue of fully paid shares of Rs. 100 each in A Ltd.

Following further information is also to be take into consideration :

(a) A Ltd. holds 5,000 shares of B Ltd. at a cost of Rs. 3,00,000.

(b) The Stock of B Ltd. include items valued at Rs. 1,00,000 purchased from A Ltd. (cost to A Ltd. Rs. 75,000).

(c) The creditors of B Ltd. include Rs. 50,000 due to A Ltd.

Show Ledger accounts in the books of B Ltd. to give effect to the above and Balance Sheet of A Ltd. after completion of the absorption.

बी लिमिटेड का निम्नलिखित शर्तों के अनुसार ए लिमिटेड द्वारा संविलयन किया जाता है :

(1) संविलयन से पूर्व बी लिमिटेड 10% लाभांश घोषित करती है जिसके भुगतान के लिए उसको पर्याप्त रोकड़ राशि रखनी है।

(2) बी लिमिटेड की शुद्ध सम्पत्तियों का मूल्यांकन 14,50,000 रु० पर किया गया।

(3) क्रय प्रतिफल का निपटारा ए लिमिटेड के 100 रु० वाले पूर्ण प्रदत्त अंशों द्वारा किया गया।

निम्नलिखित अतिरिक्त सूचनाओं को भी ध्यान में रखना है :

(अ) ए लिमिटेड द्वारा बी लिमिटेड के 5,000 अंश 3,00,000 रु० की लागत पर धारित किये हुये हैं।

(ब) बी लिमिटेड के स्टॉक में ए लिमिटेड से क्रय किया हुआ 1,00,000 रु० मूल्य का माल सम्मिलित है, जिसकी ए लिमिटेड के लिए लागत 75,000 रु० थी।

(स) बी लिमिटेड के लेनदारों में 50 000 रु० की राशि ए लिमिटेड को देय भी सम्मिलित है।

उपरोक्त का प्रभाव दिखलाते हुए बी लिमिटेड की पुस्तकों में खाते प्रदर्शित कीजिए एवं संविलयन के पश्चात् का ए लिमिटेड का चिट्ठा तैयार कीजिए।

[Answer : Purchase Consideration Rs. 10,87,500, Loss on Realisation Rs. 1,62,500 Total of Balance Sheet Rs. 1,13,00,000].

(39)

17. Given below are the Balance Sheets of R Ltd. and S Ltd. as on 30th June, 1992 :

आर लिमिटेड एव एस लिमिटेड के 30 जून, 1992 को चिट्ठे नीचे दिये गये हैं :

Liabilities	R Ltd.	S. Ltd	Assets.	R Ltd	S. Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Equity Shares of Rs. 100 each fully paid up	12,00,000	6,00,000	Fixed Assets (Tangible)	16,60,000	5,00,000
General Reserve	4,00,000	1,20,000	Current Assets	8,00,000	4,60,000
6% Debentures	4,00,000	2,00 000	2,000 Shares in R Ltd.	—	2,40,000
Creditors	5,00,000	3,00,000	Preliminary Expenses	40,000	20,000
	25,00,000	12,20,000		25,00,000	12,20,000

Goodwill of R Ltd is valued at Rs. 2,40,000 and that of S Ltd. at Rs. 80,000. R Ltd. absorbs S Ltd. on the basis of the intrinsic value of the shares. Give Journal entries in the books of both companies and the balance sheet after absorption.

आर लिमिटेड की ख्याति 2,40,000 रु० पर एव एस लिमिटेड की ख्याति 80,000 रु० पर मूल्यांकित की गयी। आर लिमिटेड एस लिमिटेड का अंशों के आन्तरिक मूल्य के आधार पर संविलयन करती है। दोनों कम्पनियों की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए एव संविलयन के पश्चात् का चिट्ठा तैयार कीजिये।

[Answer : Purchase consideration Rs. 5,40,000, Profit on Realisation Rs. 80,000 and Total of Balance Sheet Rs. 35,40,000]. (3·10)

18 Following are the Balance Sheets of Goodluck Ltd. and Fairluck Ltd. as on 31st December, 1991 :

31 दिसम्बर, 1991 को गुडलक लिमिटेड और फेयरलक लिमिटेड के चिट्ठे निम्नलिखित हैं :

Balance Sheet

Liabilities	Goodluck Ltd. Rs.	Fairluck Ltd. Rs.	Assets	Goodluck Ltd. Rs.	Fairluck Ltd. Rs.
Equity Shares of Rs. 100 each	7,00,000	4,20,000	Land and Buildings	6,00,000	2,00,000
Reserves	1,40,000	77,000	Debtors	1,48,000	1,30,000
Creditors	2,10,000	1,33,000	Stock	3,00,000	1,56,000
			Cash	2,000	4,000
			Investments (1,400 equity shares of Goodluck Ltd)	—	1,40,000
	10,50,000	6,30,000		10,50,000	6,30,000

Goodluck Ltd. absorbed Fairluck Ltd. on the basis of the intrinsic value of the shares. The purchase consideration is to be discharged in the form of fully paid equity shares, entries will be made at par value only. A sum of Rs. 20,000 is owed by Goodluck Ltd. to Fairluck Ltd.

Give journal entries in the books of both the companies. Prepare the balance sheet of Goodluck Ltd. soon after the absorption.

गुडलक लिमिटेड ने फेयरलक लिमिटेड का अंशों के आन्तरिक मूल्यों के आधार पर संविलयन किया। क्रय-प्रतिफल का भुगतान पूर्ण प्रदत्त ईक्विटी अंशों में किया जाएगा एवं प्रविष्टियाँ केवल सम मूल्य पर की जायेंगी। 20,000 रुपये की एक राशि गुडलक लिमिटेड द्वारा फेयरलक लिमिटेड को देय है।

दोनों कम्पनियों की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए। संविलयन के तुरन्त बाद का गुडलक लिमिटेड का चिट्ठा बनाइये।

[Answer : Purchase consideration Rs. 2,97,500, Total of Balance Sheet Rs. 15,20,000]. (3·11)

19. Following are the Balance Sheets of Large Ltd. and Small Ltd. as on 31st Dec. 1991 :

31 दिसम्बर, 1991 को लार्ज लिमिटेड तथा स्माल लिमिटेड के चिट्ठे निम्न प्रकार हैं :

Liabilities	Large Ltd	Small Ltd	Assets	Large Ltd	Small Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Share Capital			Fixed Assets	16,00,000	8,00,000
(Shares of 100 each)	20,00,000	12,00,000	Investments		
General Reserve	2,03,000	1,60,000	2,400 Shares in Small Ltd.	3,20,000	
Creditors	3,97,000	2,40,000	2,000 Shares in Large Ltd.		2,40,000
			Current Assets	6,80,000	5,60,000
	26,00,000	16,00,000		26,00,000	16,00,000

It was decided that Large Ltd. will absorb Small Ltd. on the basis of intrinsic value of shares. You are required to calculate purchase consideration payable by Large Ltd.

What shall be the purchase consideration of both the companies if they are absorbed by a new co. Giant Ltd. ?

यह तय हुआ कि लार्ज लिमिटेड स्माल लिमिटेड का संविलयन अंशों के आन्तरिक मूल्य के आधार पर करेगी। आपको लार्ज लिमिटेड द्वारा देय क्रय प्रतिफल की गणना करनी है।

यदि दोनों कम्पनियों का संविलयन एक नई कम्पनी जाइन्ट लिमिटेड के द्वारा किया जाता है तो क्रय प्रतिफल क्या होगा ?

[Answer : Purchase consideration of Small Ltd. Rs. 7,93,495. Purchase consideration of Large Ltd. Rs. 19,35,000 and Small Ltd. Rs. 10,68,000 in case of amalgamation] (3·12)

4

समापन की स्थिति में कम्पनी के लेखे

(Accounts of Companies in Liquidation)

कम्पनी एक कृत्रिम व्यक्ति है जो विधान द्वारा अस्तित्व मे आती है एव जिसका अन्त भी विधान मे दी गई व्यवस्थाओं के अनुसार हो होता है। कम्पनी का जीवन-काल इसके सदस्यो के जीवन काल से बिल्कुल अलग होता है। कम्पनी के भले ही सारे सदस्य मर जाए किन्तु फिर भी कम्पनी का समापन नहीं हो सकता क्योंकि कम्पनी का एव उसके सदस्यों का अस्तित्व पृथक्-पृथक् होता है। कम्पनी के सदस्य या सचालक इसका समापन अपनी इच्छानुसार नहीं कर सकते। यदि कम्पनी के सचालक या सदस्य कम्पनी को समाप्त करना चाहते हैं तो उन्हें कम्पनी अधिनियम म उल्लिखित किसी भी एक विधि का सहारा लेना होगा। अत. 'समापन' (Liquidation) का आशय कम्पनी के पूर्ण विघटन से है। यह एक ऐसी कार्यवाही है जिसके द्वारा कम्पनी का व्यापार बन्द कर दिया जाता है, कम्पनी की सम्पत्तियां बेच दी जाती हैं, कम्पनी की सम्पत्तियो आदि से प्राप्त धन को लेनदारों का भुगतान करने के लिए प्रयोग किया जाता है और यदि विभिन्न प्रकार के लेनदारो को भुगतान करने के बाद कुछ रकम शेष बचती है तो उसे अन्तर्नियमो मे दी गई व्यवस्थाओ के अनुसार अशधारियो में बांट दिया जाता है। इस प्रकार कम्पनी के समापन से तात्पर्य उस प्रक्रिया से है जिसके द्वारा किसी कम्पनी का जीवन समाप्त किया जाता है।

कम्पनी के समापन की रीतियां (Modes of Winding up of Company) :

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 425 (1) के अनुसार एक कम्पनी का समापन निम्नलिखित मे से किसी एक विधि से हो सकता है—

I. अनिवार्य अथवा न्यायालय द्वारा समापन,

II ऐच्छिक समापन .

(1) सदस्यों द्वारा ऐच्छिक समापन,

(2) लेनदारो द्वारा ऐच्छिक समापन;

III न्यायालय के निरीक्षण म समापन।

I **अनिवार्य समापन अथवा न्यायालय द्वारा समापन (Compulsory Winding up or Winding up by Court) :** जब कम्पनी का समापन न्यायालय के आदेश पर होता है तो इसे न्यायालय द्वारा समापन या अनिवार्य समापन कहते हैं। न्यायालय अग्रलिखित परिस्थितियो मे समापन का आदेश दे सकता है :

(1) **विशेष प्रस्ताव पारित होने पर :** यदि कम्पनी ने अपनी सभा में इस आशय का विशेष प्रस्ताव पारित किया हो कि न्यायालय के आदेश द्वारा उसका अनिवार्य समापन करा दिया जावे तो कम्पनी के संचालक न्यायालय में इस अभिप्राय के लिए आवेदन कर सकते है। ऐसे आवेदन में समापन की आवश्यकता एवं औचित्य के कारणों का स्पष्ट उल्लेख किया जाना आवश्यक है।

(2) **वैधानिक सभा बुलाने या रिपोर्ट प्रस्तुत करने में त्रुटि :** यदि कम्पनी नियमानुसार एवं निर्धारित अवधि में वैधानिक सभा नहीं बुलाती है अथवा वैधानिक रिपोर्ट को रजिस्ट्रार के कार्यालय में प्रस्तुत नहीं करती है तो किसी सदस्य अथवा रजिस्ट्रार के द्वारा इस हेतु न्यायालय में आवेदन करने पर, न्यायालय कम्पनी के समापन का आदेश दे सकता है।

(3) **व्यापार प्रारम्भ न करना अथवा रोक देना :** यदि कोई कम्पनी (i) अपने समामेलन की तिथि से एक वर्ष के भीतर अपना व्यापार प्रारम्भ नहीं करती है; अथवा (ii) बाद में कभी पूरे एक वर्ष के लिए अपना व्यापार बन्द रखती है, तो रजिस्ट्रार के आवेदन पर न्यायालय उस कम्पनी के अनिवार्य समापन के लिए आदेश दे सकता है।

(4) **न्यूनतम सदस्य संख्या में कमी :** यदि किसी समय, एक सार्वजनिक कम्पनी की दशा में सदस्यों की संख्या सात से कम अथवा किसी निजी कम्पनी की दशा में सदस्य संख्या दो से कम रह जावे, तो न्यायालय ऐसी कम्पनी के अनिवार्य समापन का आदेश दे सकता है।

(5) **ऋणों को चुकाने में असमर्थता :** यदि कोई कम्पनी अपने ऋणों को चुकाने में असमर्थ हो तो न्यायालय उसके अनिवार्य समापन का आदेश दे सकता है। धारा 434 के अनुसार एक कम्पनी निम्नलिखित किसी भी दशा में ऋण चुकाने में असमर्थ कही जा सकती है :

(i) यदि कम्पनी के किसी ऋणदाता ने, जिसके ऋण की राशि 500 रुपय से अधिक है, कम्पनी के रजिस्टर्ड कार्यालय में कम्पनी से ऋण का भुगतान करने की मांग की हो किन्तु कम्पनी ने मांग करने के 3 सप्ताह के भीतर न तो उसका भुगतान किया हो और न कोई समझौता किया हो तो यह माना जायेगा कि कम्पनी अपने ऋणों का भुगतान करने में असमर्थ है।

(ii) यदि न्यायालय द्वारा कम्पनी के किसी ऋणदाता के पक्ष में दी गई ऋण की डिक्री का पूर्ण अथवा आंशिक रूप से भुगतान करने में कम्पनी असमर्थ रही हो।

(iii) यदि न्यायालय कम्पनी के सम्भावित एवं भावी दायित्वों को ध्यान में रखते हुए, इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि कम्पनी अपने ऋणों का भुगतान करने में असमर्थ है।

(6) **समापन उचित एवं न्याय संगत हो :** यदि न्यायालय के विचार में कम्पनी का समापन किया जाना उचित एवं न्याय संगत हो तो वह कम्पनी के अनिवार्य समापन का आदेश दे सकता है।

अनिवार्य समापन की विधि (Procedure of compulsory winding up)

कम्पनी के अनिवार्य समापन के लिए न्यायालय द्वारा जो विधि अपनाई जाती है, वह निम्नलिखित है :

(1) **कम्पनी समापन के लिए आवेदन :** कम्पनी द्वारा कम्पनी के समापन के लिए सर्वप्रथम एक आवेदन पत्र न्यायालय में प्रस्तुत करना पड़ता है जिसे—(i) स्वयं कम्पनी; अथवा (ii) लेनदार; अथवा (iii) अंशधारी; अथवा (iv) कम्पनियों का रजिस्ट्रार; अथवा (v) केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रस्तुत किया जा सकता है।

(2) **न्यायालय द्वारा याचिका पर विचार :** न्यायालय के समक्ष कम्पनी के अनिवार्य समापन के लिए जब उपरोक्त याचिका प्रस्तुत की जाती है तो उसको सुनने के पश्चात् वह उसे अस्वीकृत कर सकता है अथवा स्वीकृत कर सकता है। स्वीकृत करने पर न्यायालय याचिका की सूचना राजपत्र एवं समाचार-पत्र में देता है जिसमें सम्बन्धित व्यक्तियों को न्यायालय में उपस्थित होने के लिए आमन्त्रित किया जाता है।

(3) समापन आदेश एवं निस्तारक की नियुक्ति : याचिका की सुनवाई के पश्चात् यदि न्यायालय सन्तुष्ट हो जाता है तो कम्पनी के समापन का आदेश दे देता है। इसके पश्चात् कम्पनी के समापन के कार्यों को क्रियान्वित करने के लिए न्यायालय एक निस्तारक (Liquidator) की नियुक्ति करता है। ऐसे निस्तारक की नियुक्ति की, शर्तें एवं पारिश्रमिक भी न्यायालय निश्चित करेगा तथा-साथ ही इसकी नियुक्ति की सूचना निस्तारक एवं रजिस्ट्रार को भी देगा।

(4 स्थिति विवरण (Statement of Affairs) : जब न्यायालय सरकारी निस्तारक की नियुक्ति करता है तो संचालक, सचिव, प्रबन्धक, अथवा अधिकारी कम्पनी की सम्पत्तियों एवं दायित्वों का विवरण निर्धारित प्रारूप में आवश्यक सूचनाओं सहित सरकारी निस्तारक को उसकी नियुक्ति के 21 दिन के भीतर प्रस्तुत करेंगे।

(5) निस्तारक के अधिकार एवं प्रतिवेदन : निस्तारक अपनी नियुक्ति के पश्चात् कम्पनी की सम्पत्तियों को अपने अधिकार में ले लेता है और उनको बेचकर कम्पनी के विभिन्न लेनदारों एवं अंशधारियों को वैधानिक व्यवस्थाओं के अनुरूप भुगतान करता रहता है। समापन आदेश की तिथि के 6 महिने के भीतर अपने हिसाब का विवरण बनाकर न्यायालय को प्रस्तुत करता है।

(6) समापन पूर्ण होने का आदेश एवं रजिस्ट्रार को सूचना : निस्तारक के प्रतिवेदन की जाँच करने के पश्चात् न्यायालय समापन पूर्ण होने का आदेश प्रसारित कर देता है तथा इस आदेश की तिथि से 30 दिन के भीतर निस्तारक इस आदेश की प्रमाणित प्रतिलिपि रजिस्ट्रार के कार्यालय में भेज देता है। रजिस्ट्रार इस आदेश के आधार पर कम्पनी का नाम अभिलेखों से हटा देता है।

II. ऐच्छिक समापन (Voluntary Winding up)

ऐच्छिक समापन से आशय किसी समामेलित कम्पनी के ऐसे समापन से है, जो न्यायालय के हस्तक्षेप के बिना, कम्पनी के लेनदारों अथवा अंशधारियों द्वारा किया जाता है। ऐच्छिक समापन का मुख्य उद्देश्य लेनदारों एवं अंशधारियों को न्यायालय की शरण में गये बिना ही, आपसी मामले स्वयं, पारस्परिक समझौते द्वारा निपटा लेना है। कम्पनी अधिनियम की धारा 484 के अन्तर्गत निम्नलिखित दशाओं में कम्पनी का ऐच्छिक समापन किया जा सकता है :

(1) साधारण प्रस्ताव द्वारा : (i) जब अन्तर्नियमों में कम्पनी की निर्दिष्ट अवधि समाप्त हो गई हो तो कम्पनी की साधारण सभा में साधारण प्रस्ताव पारित करके कम्पनी का समापन किया जा सकता है; अथवा (ii) जब वह घटना घटित हो जावे जिसके घटने पर, अन्तर्नियमों के अनुसार, कम्पनी का समापन साधारण प्रस्ताव द्वारा किया जा सकता है।

(2) विशेष प्रस्ताव द्वारा : उपरोक्त कारणों के अतिरिक्त यदि अन्य किसी आधार पर कम्पनी ने ऐच्छिक समापन के लिए विशेष प्रस्ताव पारित कर लिया है तो कम्पनी का ऐच्छिक समापन हो सकता है।

ऐच्छिक समापन दो प्रकार का हो सकता है :

A सदस्यों द्वारा ऐच्छिक समापन : (Members' Voluntary Winding up)

(i शोधन क्षमता की घोषणा संचालकों द्वारा, यदि उनकी संख्या दो से अधिक है तो उनके बहुमत द्वारा एक वैधानिक घोषणा करनी आवश्यक होती है। एक शपथ-पत्र (Affidavit) द्वारा उन्हें यह घोषित करना होता है कि उन्होंने कम्पनी की दशा की पूर्ण रूप से जाँच कर ली है और इस निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि कम्पनी पर कोई ऋण नहीं है अथवा कम्पनी शोधन-क्षमता रखती है और समापन के प्रारम्भ होने की तिथि से तीन वर्ष की अवधि के भीतर अपना पूरा ऋण चुकता कर देगी। यह घोषणा 'शोधन क्षमता' की घोषणा (Declaration of Solvency) कहलाती है। इस घोषणा को समापन का प्रस्ताव पारित होने की तिथि से पूर्व ही रजिस्ट्रार के कार्यालय में प्रस्तुत कर देना चाहिए।

(ii) विशेष प्रस्ताव पास करना : शोधन-क्षमता की घोषणा रजिस्ट्रार के यहाँ फाइल कर देने के पश्चात् 5 सप्ताह के भीतर कम्पनी की साधारण सभा बुलाई जाती है जिसमें कम्पनी के सदस्यों द्वारा कम्पनी के ऐच्छिक समापन करने के लिए आवश्यक विशेष प्रस्ताव पारित किया जाता है।

(iii) निस्तारक की नियुक्ति : उपरोक्त साधारण सभा में ही एक प्रस्ताव के द्वारा कम्पनी के समापन कार्य का संचालन करने हेतु एक निस्तारक नियुक्त किया जाता है। इसकी नियुक्ति एवं पारिश्रमिक सदस्यों द्वारा पारित प्रस्ताव द्वारा ही निश्चित होती है।

(iv) संचालक आदि के अधिकारों का अन्त : निस्तारक की नियुक्ति होने के साथ ही संचालकों, प्रबन्ध संचालक तथा प्रबन्धक पद एवं समस्त अधिकारों का अन्त हो जाता है।

(v) दिवालिया की स्थिति में ऋणदाताओं की सभा : यदि निस्तारक के विचार में कम्पनी अपने समस्त ऋणों को शोधन-क्षमता की घोषणा में निर्दिष्ट अवधि के भीतर चुकाने में क्षमता नहीं रखती हो तो वह ऋण-दाताओं की सभा बुलायेगा जिसमें कम्पनी की सम्पत्ति व समस्त देनदारियों का विवरण प्रस्तुत किया जावेगा।

(vi) प्रतिवर्ष सभा बुलाना : यदि कम्पनी के समापन की प्रक्रिया एक वर्ष से अधिक समय तक चलती रहती है तो निस्तारक को प्रत्येक वर्ष की समाप्ति के पश्चात् 3 महीने की अवधि में कम्पनी की साधारण सभा बुलानी चाहिए। इस सभा में वह कम्पनी के सम्पूर्ण वर्ष का समापन लेखा तथा स्वयं के किये गये कार्यों व व्यवहारों का विवरण प्रस्तुत करेगा।

(vii) अन्तिम सभा : जब निस्तारक कम्पनी के समापन का कार्य पूरा कर लेता है तो वह सदस्यों की अन्तिम सभा बुलाता है। इस सभा में निस्तारक के द्वारा समापन-खाता प्रस्तुत किया जाता है जिसमें कम्पनी की सम्पत्तियों से प्राप्त राशि और वितरण के विवरण को स्पष्टीकरण सहित दिखाया जाता है। इस लेखे की एक प्रति सभा की तिथि से एक सप्ताह की अवधि में रजिस्ट्रार के यहाँ तथा सरकारी निस्तारक के पास भेजी जानी चाहिए। इसके पश्चात् सरकारी निस्तारक कम्पनी के समापन लेखे की जाँच करके न्यायालय को इस आशय की सूचना देगा। यही तिथि कम्पनी के समापन की तिथि होती है।

2 ऋणदाताओं द्वारा ऐच्छिक समापन (Creditors' Voluntary Winding up)

जब कम्पनी के संचालकों द्वारा ऋण-शोधन-क्षमता की घोषणा नहीं की जाती है तथा इसे रजिस्ट्रार के पास फाइल नहीं की जाती है और अंशधारी कम्पनी के समापन के लिए प्रस्ताव स्वीकार करते हैं तो ऐसा समापन, ऋणदाताओं द्वारा ऐच्छिक समापन कहलाता है। जब कम्पनी की आर्थिकस्थिति ऐसी नहीं है कि वह अपने दायित्वों का भुगतान कर सके तो यह उचित ही है कि कम्पनी का समापन कार्य ऋणदाताओं के नियन्त्रण में किया जावे ताकि उनके हितों को अधिकतम सुरक्षा प्राप्त हो सके।

समापन की विधि (Procedure of Winding up)

(i) संचालक-मण्डल की सभा बुलाना : सर्वप्रथम संचालक-मण्डल की सभा बुलाई जायेगी और यदि वह इस बात से सहमत है कि कम्पनी वित्तीय स्थिति असंतोषजनक होने के कारण वह तीन वर्षों की अवधि के भीतर अपनी समस्त देनदारियों का भुगतान करने में असमर्थ रहेगी तो वे एक प्रस्ताव पारित करेंगे कि कम्पनी का लेनदारों द्वारा ऐच्छिक समापन कर दिया जावे।

(ii) सदस्यों एवं ऋणदाताओं की सभायें बुलाना : इसके पश्चात् कम्पनी का संचालक-मण्डल दो अलग-अलग सभायें बुलाता है : (a) कम्पनी की साधारण सभा में सदस्यों द्वारा कम्पनी के ऋणदाताओं द्वारा ऐच्छिक समापन के लिए प्रस्ताव पारित करना; (b) इसके पश्चात् उसी दिन अथवा अगले दिन कम्पनी के लेनदारों की सभा बुलाना।

(iii) **स्थिति विवरण प्रस्तुत करना :** लेनदारों की सभा का सभापतित्व करने के लिए सचालक-मण्डल एक संचालक नियुक्त करेगा। इस सभा में कम्पनी की सम्पूर्ण वित्तीय स्थिति, लेनदारों की सूची एवं उनके दावों का अनुमान प्रस्तुत किया जाता है। इस सभा की सूचना एवं पारित प्रस्ताव की प्रति रजिस्ट्रार के कार्यालय में भेजना आवश्यक है।

(iv) **निस्तारक की नियुक्ति :** यदि सदस्यों एवं ऋणदाताओं ने अपनी-अपनी सभाओं में एक ही व्यक्ति को निस्तारक पद के लिए नामांकित किया है तो ऐसा व्यक्ति ही उस कम्पनी का निस्तारक होगा। यदि सदस्यों एवं ऋणदाताओं ने अलग-अलग व्यक्तियों को निस्तारक के पद के लिए नामांकित किया है तो लेनदारों द्वारा नामांकित व्यक्ति ही निस्तारक होगा। लेनदारों द्वारा नामांकित किये गये निस्तारक के स्थान पर नामांकन की तिथि से 7 दिन के भीतर कम्पनी का कोई सचालक अथवा सदस्य न्यायालय से प्रार्थना कर सकता है कि लेनदारों द्वारा नामांकित निस्तारक के स्थान पर कम्पनी द्वारा नामांकित व्यक्ति को निस्तारक नियुक्त किया जावे, लेनदारों द्वारा नामांकित निस्तारक के साथ कम्पनी द्वारा नामांकित निस्तारक को भी सयुक्त रूप से निस्तारक नियुक्त किया जावे, अथवा लेनदारों द्वारा नामांकित निस्तारक के स्थान पर सरकारी निस्तारक नियुक्त किया जावे।

(v) **निरीक्षण समिति :** (a) कम्पनी के लेनदार यदि उचित समझे तो अपनी सभा में निस्तारक के परामर्श एवं मार्ग दर्शन हेतु एक निरीक्षण-समिति नियुक्त कर सकते हैं जिसमें अधिक से अधिक 5 सदस्य हो सकते हैं। (b) कम्पनी भी अपनी साधारण सभा में इस समिति के सदस्यों के रूप में काम करने के लिए अधिक से अधिक 5 सदस्य नियुक्त कर सकती है।

(vi) **सदस्यों व ऋणदाताओं की सभा बुलाना :** कम्पनी के समापन की कार्यवाही एक वर्ष से अधिक समय तक चालू रहने पर प्रत्येक वर्ष की समाप्ति के पश्चात तीन माह की अवधि में निस्तारक द्वारा (a) सदस्यों की साधारण सभा, और (b) ऋणदाताओं की सभा का आयोजन करना चाहिए। इन सभाओं में वह वर्ष भर के समापन कार्य का विवरण प्रस्तुत करेगा।

(vii) **अन्तिम सभा बुलाना एवं कम्पनी की समाप्ति :** जब कम्पनी के समापन का कार्य समाप्त हो जाता है तो निस्तारक कम्पनी के सदस्यों एवं ऋणदाताओं की अन्तिम सभा बुलाता है और समापन का हिसाब सदस्यों के सम्मुख प्रस्तुत करता है। सभा होने के एक सप्ताह के भीतर निस्तारक समापन आदेश की एक प्रति रजिस्ट्रार को एवं सरकारी निस्तारक को भेजेगा। सरकारी निस्तारक द्वारा न्यायालय को कम्पनी के समापन की रिपोर्ट भेजने की तिथि से कम्पनी का समापन पूर्ण माना जावेगा।

III. न्यायालय के निरीक्षण में समापन (Winding up under supervision of court)

जब किसी कम्पनी का ऐच्छिक समापन न्यायालय की देख-रेख अथवा निरीक्षण में नियन्त्रित होता है, तो इसे कम्पनी का न्यायालय के निरीक्षण में समापन कहते हैं। किसी कम्पनी द्वारा ऐच्छिक समापन किये जाने का प्रस्ताव पारित किये जाने पर न्यायालय यह आदेश दे सकता है कि इस प्रकार का ऐच्छिक समापन उसके निरीक्षण में किया जावेगा यदि :

(1) ऐच्छिक समापन के लिए प्रस्ताव विधिवत् स्वीकृत नहीं किया गया हो, अथवा

(2) कम्पनी के किसी ऋणदाता अथवा सदस्य ने न्यायालय से यह आवेदन किया हो कि कम्पनी का ऐच्छिक समापन न्यायालय के निरीक्षण में किया जाये क्योंकि निस्तारक कम्पनी की सम्पत्तियाँ एकत्रित करने में लापरवाही कर रहा है तथा अल्पमत वाले सदस्यों के प्रति पक्षपात किया जा रहा है; अथवा

(3) जब न्यायालय इस बात से सन्तुष्ट हो जावे कि ऐसा किये बिना कम्पनी के ऋणदाताओं अथवा अंशदाताओं के हितों की रक्षा नहीं हो सकती।

(iii) कोई भूतपूर्व सदस्य उस राशि से अधिक के लिए दायी नहीं होगा जो सम्बन्धित अंशों पर अदत्त है;

(iv) कोई भूतपूर्व सदस्य उस समय तक दायी नहीं होगा जब तक कि न्यायालय इस बात से सन्तुष्ट नहीं हो जाय कि विद्यमान सदस्य उन अंशदानों को पूरा करने में असमर्थ हैं; और

(v) भूतपूर्व-सदस्यों का दायित्व, सदस्यता की समाप्ति के समय उनके अधिकार में रहने वाले अंशों के अनुपात में होगा।

Illustration 4·1 : Bad Luck Limited went into voluntary liquidation and the proceedings commenced on 2nd July, 1992. Certain creditors could not receive payment out of the realisation of assets and out of the contributions from the contributories of the 'A' list. The following details of share transfers are made available to you :

बैड लक लिमिटेड ऐच्छिक समापन में चली गई जिसकी कार्यवाही 2 जुलाई, 1992 से प्रारम्भ हुई। कुछ लेनदारों को सम्पत्तियों की वसूली एवं 'अ' सूची के अंशदाताओं से प्राप्त राशि से भुगतान प्राप्त नहीं हो सका। अंश हस्तान्तरण के सम्बन्ध में निम्नलिखित सूचना आपको उपलब्ध कराई जाती है :

Name of the transferor shareholder	No. of shares transferred	Date of the transferor ceasing to be a member	Creditors remaining unpaid and outstanding at the time of the transferor ceasing to be a member
(i) A	1,000	1st March, 1991	Rs. 6,000
(ii) B	1,250	15th August, 1991	Rs. 8,000
(iii) C	500	1st October, 1991	Rs. 10,750
(iv) D	2,000	1st December, 1991	Rs. 13,000
(v) E	250	1st April, 1992	Rs. 15,000

All the shares were of Rs. 10 each, on which Rs. 5 per share had been paid up. Ignoring other details like liquidator's expenses etc., you are required to work-out the liability of the individual contributories listed above.

सभी अंश 10 रु० वाले थे जिन पर 5 रु० प्रति अंश प्रदत्त थे। निस्तारक के खर्चों इत्यादि को छोड़ते हुए, उपर्युक्त सूची में दिये गए व्यक्तिगत अंशदाताओं के दायित्व की गणना कीजिए।

Solution : **Statement of Liability of B list Contributories**

Date	Creditors Outstanding	Incremental Amount	B	C	D	E
			No. of shares held			
			1,250	500	2,000	250
	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
15th Aug. 91	8,000	8,000	2,500	1,000	4,000	500
1st Oct., 91	10,750	2,750	—	500	2,000	250
1st Dec., 91	13,000	2,250	—	—	2,000	250
1st April, 92	15,000	2,000	—	—	—	2,000
Max. amount payable to creditors (A)			2,500	1,500	8,000	3,000
Amount of calls is arrear @ Rs 5/- per share (B)			6,250	2,500	10,000	1,250
Actual liability lower of (A) or (B)			2,500	1,500	8,000	1,250

Total amount paid to Creditors Rs 13,250

Working Notes :

(i) A को इस सूची में शामिल नहीं किया गया है, क्योंकि उसने अपने अंशों का हस्तान्तरण समापन की तिथि से एक वर्ष पहले ही कर दिया था, अतः वह इस सूची में सम्मिलित नहीं होगा।

(ii) विभिन्न तिथियों को 'B' सूची के अंशदाताओं के लेनदारों के भुगतान के लिए धन राशि देने सम्बन्धी दायित्व उनके अंश धारण के अनुपात में बाँटा जायेगा।

(iii) 1 अप्रैल, 1992 को 2,000 रु० के लेनदारों को केवल E से 250 रु० ही मिलेंगे क्योंकि E का अधिकतम दायित्व 1,250 रु० ही है जिसमें से 1,000 रु० तो एक दिसम्बर तक के बकाया दायित्वों के भुगतान के काम आ जायेंगे।

स्थिति विवरण
(Statement of Affairs)

जब कम्पनी का समापन न्यायालय के आदेशानुसार होता है अथवा न्यायालय द्वारा अस्थायी सरकारी निस्तारक की नियुक्ति की जाती है तब कम्पनी के संचालकों एवं प्रमुख अधिकारियों को समापन आदेश की तिथि या निस्तारक की नियुक्ति की तिथि के 21 दिन के अन्दर कम्पनी का स्थिति-विवरण बनाकर निस्तारक को देना पड़ता है। इस स्थिति विवरण में निम्नलिखित बातों का उल्लेख किया जाता है :

(i) कम्पनी की सम्पत्तियाँ जिनमें कार्यालय में रोकड़, बैंक में रोकड़ तथा विनिमय साध्य पत्रों का पृथक्-पृथक् उल्लेख किया जाता है।

(ii) ऋण और दायित्व।

(iii) लेनदारों सम्बन्धी पूर्ण विवरण अर्थात् उनके नाम, पते एवं व्यवसाय तथा उनका ऋण सुरक्षित है अथवा असुरक्षित और यदि ऋण सुरक्षित है तो कम्पनी की उनके पास क्या प्रतिभूतियाँ हैं।

(iv) कम्पनी के देनदारों के नाम, पते एवं व्यवसाय तथा उनसे कितनी रकम वसूल होने की सम्भावना है।

(v) केन्द्रीय सरकार एवं निस्तारक द्वारा माँगी गई अन्य सूचनाएँ।

यह स्थिति विवरण निर्धारित प्रारूप में तैयार किया जाता है। इसका प्रारूप अग्र प्रकार है :

Form of Statement of Affairs

Statement as to the affairs of...... Ltd., on the ......day of......19...., being the date of winding up order (or order appointing Provisional Liquidator or the date directed by the Official Liquidator as the case may be) showing assets at estimated realisable values and liabilities expected to rank :

	Estimated realisable value Rs.
Assets not specifically pledged (as per list 'A') :	
Bank Balance	
Cash in hand	
Marketable Securities	
Bills Receivable	
Trade Debtors	
Loans and Advances	
Unpaid Calls	
Stock-in-Trade	
Work-in-Progress	
Freehold Property, Land and Buildings	
Leasehold Property	
Plant and Machinery	
Furniture, Fittings, Utensils etc.	
Investments other than marketable securities	
Livestock	
Other Property viz.,	
....	
....	

Assets specifically pledged (as per list 'B')	(a) Estimated realisable values Rs.	(b) Due to secured creditors Rs.	(c) Deficiency ranking as unsecured Rs.	(d) Surplus carried to last column Rs.	
Estimated Surplus from Assets specifically pledged					....
Estimated Total Assets available for Preferential Creditors, Debentureholders secured by a floating charge, and Unsecured Creditors (carried forward)					....
Summary of Gross Assets			Rs.		
Gross realisable value of Assets specifically pledged			....	....	
Other Assets		....	....	....	
Gross Assets Total (Rs.)		....	....		

Note : All Assets specifically mortgaged, pledged or otherwise given as security should be included under this head. In the case of goods given as security, those in possession of the Company and those not in possession should be *separately* set out.

Statement of Affairs Contd.

Gross Liabilities Rs.			Rs.
	Estimated Total Assets available for Preferential Creditors, Debentureholders secured by a floating charge, and Unsecured Creditors (brought forward)		....
	Liabilities		
	(to be deducted from surplus or added to deficiency as the case may be)		
....	Secured Creditors (as per lists 'B') to the extent to which claims are estimated to be covered by Assets specifically pledged [item (a) or (b) whichever is less] (Insert in Gross Liabilities Column only)		
....	(deduct) Preferential Creditors (as per list 'C')		
	Estimated balance of assets available for debentureholders and creditors secured by a floating charge and unsecured creditors		....
	(deduct) Debentureholders and creditors secured by a floating charge (as per list 'D')		....
....	Estimated surplus/deficiency as regards Debentureholders		....
	Unsecured Creditors (as per list 'E')	Rs.	
....	Estimated unsecured balance of claims of Creditors		
....	partly secured on specific assets brought from (c)		
....	Trade Accounts	....	
....	Bills Payable	....	
....	Outstanding Expenses	....	
....	Bank Overdraft	....	
	Contingent Liabilities	....	....
....	Estimated surplus/deficiency as regards creditors, being difference between :	Rs.	
	Gross Assets and	....	
	Gross Liabilities	....	....
	Issued and Called up Capital	Rs.	
	.... Preference Shares of Rs .... each		
	Rs .... called up (as per list F)	....	
	.... Equity Shares of Rs........ each		
	Rs. .... called up as per list (G)	....	
	....	....	
	....	....	....
	Estimated Surplus/Deficiency as regards Members (as per list 'H')		....

These figures must be read subject to the following notes :

1. (a) There in no unpaid capital liable to be called up, or

(b) The nominal amount of unpaid capital liable to be called up is Rs .... estimated to produce Rs ....which is/is not charged in favour of Debentureholders [*strike out (a) or (b)*].

2. The estimates are subject to cost of winding up and to any surplus or deficiency on trading pending realisation of assets.

इस प्रकार उपरोक्त प्रारूप को देखने से यह स्पष्ट होता है कि इसमे कम्पनी की सम्पत्ति एवं दायित्वों को विभिन्न सूचियों के अन्तर्गत प्रदर्शित किया जाता है। इन सूचियों का विस्तृत विवरण इस प्रकार है :

1. सम्पत्तियाँ जो विशिष्ट रूप से गिरवी नहीं रखी हुई हैं (Assets not specifically pledged as per list A) इस शीर्षक के अन्तर्गत कम्पनी की उन सभी सम्पत्तियों को दिखाया जाता है जो कहीं भी गिरवी नहीं रखी हुई हैं। रकम के खाने में इन सम्पत्तियों के वसूली मूल्य को ही दिखाया जाता है अंश पूँजी पर बकाया माँग की राशि अगर दी हुई हो तो उसमे से जितना वसूल होने की सम्भावना है उसे इस सूची में दिखाया जायेगा।

2. सम्पत्तियाँ जो विशिष्ट रूप से गिरवी रखी हुई हैं (Assets specifically pledged as per list B) : इस शीर्षक के अन्तर्गत उन सम्पत्तियों को दिखाया जाता है जो लेनदारों के पास गिरवी रखी हुई हैं। इस शीर्षक के अन्तर्गत सम्पत्ति तथा ऋण से सम्बन्धित विवरण को रकम के चार खानों में दिखाया जाता है। पहले खाने में प्रत्येक सम्पत्ति का जो कि लेनदारों के पास गिरवी रखी हुई है, वसूली मूल्य लिखा जाता है, दूसरे में सुरक्षित लेनदारों को कुल देय बकाया राशि दिखाई जाती है। इसके पश्चात् रकम के प्रथम खाने में दर्ज राशि की तुलना द्वितीय खाने में दर्ज राशि से की जाती है। यदि प्रथम खाने में दर्ज रकम दूसरे खाने में दर्ज रकम से कम होती है तो न्यूनता की रकम को तीसरे खाने में दर्ज किया जाता है। यदि गिरवी रखी हुई सम्पत्ति का वसूली मूल्य ऋण की राशि से अधिक है तो इस राशि को चतुर्थ कॉलम में दर्ज किया जाता है। इसके पश्चात् इन चारों खानों का योग लगा दिया जाता है। तीसरे खाने का योग असुरक्षित लेनदारों की राशि को बताएगा जिसे असुरक्षित लेनदारों की सूची E में बतलाया जावेगा। चौथे खाने का योग सम्पत्तियों के दायित्वों पर आधिक्य को बतलाएगा जिसे सूची A की सम्पत्तियों के वसूली मूल्य में जोड़कर सम्पत्तियों से अनुमानित कुल वसूली मूल्य ज्ञात कर लिया जाता है।

3. पूर्वाधिकार लेनदार (Preferential creditors as per list C) : इसके अन्तर्गत उन लेनदारों को सम्मिलित किया जाता है जो सुरक्षित नहीं हैं किन्तु जिन्हें असुरक्षित लेनदारों से पहले भुगतान प्राप्त करने का अधिकार है। कम्पनी अधिनियम की धारा 530 (1) के अनुसार एक कम्पनी के समापन पर निम्नलिखित लेनदारों को पूर्वाधिकार लेनदार माना जाता है :

(i) सम्बन्धित तारीख[1] को कम्पनी द्वारा राज्य सरकार अथवा केन्द्रीय सरकार अथवा स्थानीय सत्ता को देय लगान, कर तथा महसूल व दरें। ये ऋण सम्बन्धित तारीख के 12 माह की अवधि में ही देय और भुगतान

---

1. सम्बन्धित तारीख से तात्पर्य यदि कम्पनी का ऐच्छिक समापन हुआ है तो प्रस्ताव पास करने की तारीख तथा यदि कम्पनी का अनिवार्य समापन हुआ है तो काम चलाऊ निस्तारक की नियुक्ति की तारीख अथवा समापन आदेश की तारीख, दोनों में जो पहले हो; वे होगा।

योग्य होने चाहिए। यदि कोई लगान, कर इत्यादि 12 माह की अवधि से पूर्व देय तथा भुगतान योग्य हो गये हैं तो उन्हें पूर्वाधिकार लेनदार नहीं माना जायेगा।

(ii) किसी कर्मचारी की मजदूरी अथवा वेतन (अर्जित कमीशन सहित); यह कर्मचारी कम्पनी अधिनियम की धारा 2 (30) में वर्णित कम्पनी का अधिकारी नहीं होना चाहिए। यह पारिश्रमिक सम्बन्धित तारीख से ठीक पूर्व के 12 माह की अवधि से सम्बन्धित होना चाहिए तथा इसमें से 4 माह का पारिश्रमिक या 1,000 रु० प्रति व्यक्ति अधिकतम पूर्वाधिकार माना जायेगा तथा शेष असुरक्षित लेनदारों में शामिल किया जायेगा। इसके अतिरिक्त किसी श्रमिक को औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 के अन्तर्गत देय क्षतिपूर्ति की राशि भी 1,000 रु० (प्रति व्यक्ति) की सीमा तक पूर्वाधिकार लेनदार मानी जाती है।

(iii) किसी कर्मचारी को समस्त अर्जित अवकाश का देय पारिश्रमिक। इसमें अधिकारी को सम्मिलित नहीं किया जायेगा।

(iv) यदि किसी व्यक्ति ने उक्त (ii) अथवा (iii) में वर्णित देय राशि का भुगतान करने के लिए कम्पनी को कोई धन उधार दिया है तो वह व्यक्ति कम्पनी का पूर्वाधिकार लेनदार माना जायेगा।

(v) वे सब रकमें जो कम्पनी द्वारा नियोक्ता की हैसियत से कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 के अन्तर्गत सम्बन्धित तारीख से पहले 12 माह के अन्तर्गत देय हों। यह नियम उस समय लागू नहीं होगा जबकि कम्पनी का समापन स्वेच्छा से एकीकरण या पुनर्निर्माण के लिए होता है।

(vi) कर्मचारी क्षतिपूर्ति अधिनियम, 1923 के अन्तर्गत दी जाने वाली क्षतिपूर्ति की रकम। यह नियम उस समय लागू नहीं होगा जबकि कम्पनी का समापन स्वेच्छा से एकीकरण या पुनर्निर्माण के लिए होता है।

(vii) अधिकारियों के अतिरिक्त अन्य कर्मचारियों की भविष्य निधि, पेंशन फण्ड, ग्रेच्युटी फण्ड या किसी अन्य कोष से, जो कर्मचारी के हित के लिए है, देय राशि।

(viii) कम्पनी अधिनियम की धारा 235 या 237 के अन्तर्गत कम्पनी द्वारा दिये जाने वाले अनुसंधान के खर्चे।

4. कम्पनी की सम्पत्तियों पर चल प्रभार रखने वाले ऋण-पत्र (Debentures having floating charge on the assets of the company as per list D) : सामान्यतया ऋण-पत्रों का कम्पनी की चल एवं अचल सम्पत्तियों पर चल प्रभार होता है अतः इन्हें असुरक्षित लेनदारों से पहले दिखाते हैं। यदि किसी सम्पत्ति पर इनका स्थायी प्रभार हो तो इन्हें सूची B के अन्तर्गत दिखाया जाता है।

5. असुरक्षित लेनदार (Unsecured Creditors as per list E) : पूर्वाधिकार लेनदारों एवं पूर्णतः व अंशतः सुरक्षित लेनदारों को छोड़कर सभी लेनदार इस सूची में सम्मिलित किये जायेंगे। सूची B के अन्तर्गत न्यूनता के खाते का योग भी इस सूची में लाया जायेगा।

6 पूर्वाधिकार अंश पूंजी (Preference Share Capital as per list F) : इसके अन्तर्गत याचित अंश पूंजी (called up share capital) को ही लिया जायेगा। यदि इन अंशों पर कोई calls in arrear हो तो इससे वसूल की गई राशि तो सूची A में दिखाई जाएगी एवं न वसूल हुई राशि को सूची F में से घटाकर दिखाया जायेगा। स्थिति विवरण में यदि Deficiency as regards creditors आती है तो इस पूंजी की राशि को भी न्यूनता में जोड़ दिया जायेगा और आधिक्य की स्थिति में इसे आधिक्य में से घटा दिया जायेगा।

7. ईक्विटी अंश पूंजी (Equity Share Capital as per list G) : इस सूची के अन्तर्गत याचित अंश पूंजी को उसी प्रकार दिखलाया जायेगा जैसे कि पूर्वाधिकार अंश पूंजी को दिखलाया जाता है। न्यूनता की स्थिति में इसको जोड़ दिया जायेगा और आधिक्य की स्थिति में इसको घटा दिया जायेगा।

8. न्यूनता अथवा आधिक्य Deficiency or Surplus as regards members as per list H) : इस सूची के अन्तर्गत कम्पनी के समापन पर न्यूनता या आधिक्य शामिल किया जाता है।

Illustration 4.2. The following items were contained in the balance sheet of a company under liquidation on 31st October, 1991.

31 अक्टूबर 1991 को एक कम्पनी परिसमापन प्रक्रिया मे थी जिसके चिट्ठे मे निम्न मद थे :

		Rs.
5% Debenture		26,000
Loan from Bank guaranteed by directors (which was implemented)		39,000
Sundry Trade Creditors (including Rs. 2,000 for local taxes which became due and payable in 1989)		1,17,000
Income Tax Assessment year 1989-90	Rs. 3,250	
" " 1990-91	Rs. 13,650	
" " 1991-92	Rs. 650	17,550
(Assessment for 1989-90 was completed on 30-9 90 and for 1990-91 and 1991-92 on 31-7-91)		
Employee's Salaries for one month (including Rs. 1,950 for *Managing Director*)		*5,590*

Determine the amount of Preferential Creditors

पूर्वाधिकार लेनदारों की राशि का निर्धारण कीजिए। [Raj. Univ. M. Com.]

Solution : Statement showing amount due to Preferential Creditors

Particulars	Amount
	Rs.
Income Tax Assessment year 1990-91	13,650
Income Tax Assessment year 1991-92	650
Salary due to Employees (Excluding the salary due to Managing Director)	*3,640*
Preferential Creditors	17,940

टिप्पणियाँ :

(i) स्थानीय कर के 2,000 रु० 1989 में देय हो गए थे। यह अवधि कम्पनी की समापन तिथि 31 अक्टूबर, 1991 के 12 माह पूर्व पड़ती है, अतः यह कर पूर्वाधिकार लेनदार नहीं माना गया है।

(ii) 1989-90 कर निर्धारण वर्ष के लिए आयकर की राशि के 3,250 रु० असुरक्षित लेनदार माने जायेंगे, पूर्वाधिकार लेनदार नहीं, क्योंकि *यह राशि 30-9-90 को देय हो गई थी जो तिथि समापन की तिथि के* 12 माह पूर्व पड़ती है।

(iii) प्रबन्ध सचालक को देय वेतन कम्पनी अधिनियम की धारा 530 (1) के अन्तर्गत पूर्वाधिकार लेनदार नहीं माना गया है।

Illustration 4.3 : The following information is extracted from the book of Bad Luck *Limited on December 31, 1991* on which date a winding up order was made :

निम्नलिखित सूचना बैड लक लिमिटेड की पुस्तकों से 31 दिसम्बर, 1991 को ली गई है जिस तिथि को समापन का आदेश पारित हुआ :

		Rs.
Equity share capital, 20,000 shares of Rs. 10 each		2,00,000
6% Preference share capital, 3,000 shares of Rs. 100 each		3,00,000
Calls in arrears on equity shares (estimated to produce Rs. 2,000)		4,000
5% First Mortgage Debentures, secured by a floating charge on the whole of the assets of the company		2,00,000
Creditors fully secured (value of shares in Y Ltd. Rs. 40,000)		35,000
Creditors partly secured (value of shares in Y Ltd. Rs. 20,000)		40,000
Preferential Creditors		7,500
Unsecured Creditors		2,70,000
Bank Overdraft, secured by a second charge on the whole of the assets of the company		20,000
Cash in hand		2,200
Book Debts ;	Rs.	
Good	37,000	
Doubtful (estimated to produce 37½%)	8,000	
Bad	4,500	
		49,500
Stock in Trade (estimated to produce to Rs. 60,000)		72,000
Freehold Land & Buildings (estimated to produce Rs. 1,95,000)		2,10,000
Plant & Machinery (estimated to produce Rs. 53,000)		60,000
Fixtures & Fittings (estimated to produce Rs. 8,000)		12,000

Prepare a Statement of Affairs : (a) as regards creditors; and (b) as regards contributories.

स्थिति विवरण : (a) ऋणदाताओं के सम्बन्ध में; एवं (b) अंशदाताओं के सम्बन्ध में तैयार कीजिए।

Solution :

Statement of Affairs of Bad Luck Ltd.
as at 31st December, 1991

Assets	Estimated Realisable Value Rs.
Assets not specifically pledged as per list A	
Cash in hand	2,200
Trade Debtors	40,000
Unpaid Calls	2,000
Stock in Trade	60,000
Freehold Land & Buildings	1,95,000
Plant & Machinery	53,000
Fixtures & Fittings	8,000
	3,60,200
Assets specifically pledged as per List B	

	Estimated realisable value (a)	Due to secured creditors (b)	Deficiency ranking as Unsecured (c)	Surplus carried to last column (d)
	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
Shares in X Ltd.	40,000	35,000	—	5,000
Shares in Y Ltd.	20,000	40,000	20,000	—
	60,000	75,000	20,000	5,000

Estimated surplus from assets specifically pledged	5,000
Estimated total assets available for preferential creditors, debentureholders and bank overdraft secured by a floating charge on assets and unsecured creditors carried forward	3,65,200

Summary of Gross Assets

Gross realisable value of assets :	Rs.
Specifically Pledged	60,000
Others	3,60,200
Gross Assets	4,20,200

Gross Liabilities Rs.	Liabilities		Rs.
	Estimated total assets available for preferential creditors, debenture-holders and bank overdraft secured by a floating charge on assets and unsecured creditors brought forward		3,65,200
55,000	Secured creditors (as per List B) to the extent to which claims are estimated to be covered by assets specifically pledged		
7,500	Preferential creditors as per List C		7,500
	Estimated balance of assets available for debentureholders and bank overdraft secured by a floating charge and unsecured creditors		3,57,700
2,00,000	Debentureholders secured by a first floating charge as per List D		2,00,000
			1,57,700
20,000	Bank overdraft secured by a second floating charge as per List E		20,000
	Estimated surplus as regards debentureholders and Bank overdraft		1,37,700
	Unsecured creditors as per List E		
	Estimated unsecured balance of claims of creditors partly secured on specific assets	Rs. 20,000	
2,90,000	Others	Rs. 2,70,000	2,90,000
5,72,500			
	Estimated deficiency as regards creditors being the difference between gross liabilities and gross assets		1,52,300
	Gross Assets	Rs. 4,20,200	
	Gross Liabilities	Rs. 5,72,500	
	Issued and called up capital :		
	3,000 6% Preference shares of Rs. 100 each fully paid as par List F		3,00,000
	20,000 Equity shares of Rs. 10 each fully called up as per List G	2,00,000	
	Less : Irrecoverable unpaid calls	2,000	
			1,98,000
	Estimated deficiency as regards members as per List H		6,50,300

न्यूनता अथवा आधिक्य खाते का प्रारूप (Form of Deficiency or Surplus Account)

स्थिति विवरण में List H के अन्तर्गत दी गई न्यूनता अथवा आधिक्य का विवरण इस खाते द्वारा दिया जाता है। इसे विवरण (Statement) के रूप में तैयार किया जाता है, खाते के रूप में नहीं। इस खाते में पहले उन मदों को लिखा जाता है जो न्यूनता बढ़ाते अथवा आधिक्य में कमी करते हैं तत्पश्चात् उन मदों को लिखा जाता है, जो न्यूनता में कमी लाते हैं अथवा आधिक्य को बढ़ाते हैं। इनका अन्तर ही Deficiency/Surplus होगा जो कि स्थिति विवरण में प्रदर्शित List H के अनुसार Deficiency/Surplus के बराबर होना चाहिए। इसका प्रारूप इस प्रकार है :

List 'H'—Deficiency/Surplus Account

The period covered by this account must commence on a date not less than 3 years before the date of the winding-up order (or the order appointing Provisional Liquidator, or the date directed by the Official Liquidator) or, if the company has not been incorporated for the whole of that period, the date of formation of the company, unless the Official Liquidator otherwise agrees.

Items contributing to deficiency (or Reducing Surplus) : Rs.

1. Excess (if any) of Capital and Liabilities over assets on the .... 19......... as shown by Balance Sheet (copy annexed),
2. Net dividends and bonuses declared during the period .. ..19 .... to the date of the statement.
3. Net trading losses (after charging items shown in note-below) for the same period.
4. *Losses other than trading losses written off or for which provision* has been made in the books during the same period (give particulars or annex schedule).
5. Estimated losses now written off or for which provision has been made for the purpose of preparing the statement (give particulars or annex schedule).
6. Other items contributing to Deficiency or reducing Surplus.

Items reducing deficiency (or contributing to surplus : Rs.

7. Excess (if any) of assets over capital and liabilities on the .... 19 .... as shown in the Balance Sheet (copy annexed)
8. Net trading profits (after charging items shown in note below) for the period from the ....19......... .. to the date of statement.
9. *Profit and income other than trading profit during the same period* (give particulars or annex schedule)
10. Other items reducing Deficiency or contributing to Surplus.

Deficiency/Surplus as shown by Statement of Affairs

Note as to Net Trading Profits and Losses : Rs.

Particulars are to be inserted here (so far as applicable) of the items mentioned below, which are to be taken into account in arriving at the amount of net trading profits or losses shown *in this account* :

Provision for depreciation, renewals, or diminution in value of fixed assets

Charges for Indian Income-tax and other Indian taxation on profits

Interest on debentures and other fixed loans, payments to directors made by the Company and required by law to be disclosed in the accounts

Exceptional or non recurring expenditure :

Less : Exceptional or non-recurring receipts :

Balance, being other trading profits or losses

Net trading profits or losses as shown in Deficiency or Surplus Account above ... ...

Signature : Dated........19........

Illustration 4.4 : X Company Ltd. went into compulsory liquidation on 31st March, 1991. Following information were received on this date from the books of the company :

एक्स कम्पनी लि. का 31 मार्च 1991 को अनिवार्य रूप से समापन हो गया। इस तिथि को कम्पनी की पुस्तकों से निम्नांकित सूचनायें प्राप्त हुई :

	Rs.
Equity Share Capital :	
3,000 Shares of Rs. 100 each Rs. 80 paid up	2,40,000
5% Preference Share Capital :	
2,000 Shares of Rs. 100 each fully paid but on 100 shares Rs. 25 were not paid. It is estimated that Rs. 1,000 will be recovered on these shares	2,00,000
6% First mortgage debentures having a floating charge on all the assets of the company	3,00,000
Fully secured creditors which have first charge on Land and Buildings	60,000
Partly secured creditors which have second charge on Land and Buildings to the extent of Rs. 50,000	50,000
Preferential Creditors	5,000
Unsecured Trade Creditors (in addition to Pref. Creditors)	1,20,000
Bank Overdraft	75,000
Liability on Bills discounted Rs. 10,000 estimated liability	4,500
(Bills Receivable (out of which one bill of Rs. 5,000 is bad)	15,000
Books Debts—Good	1,25,000
Bad	21,000

Stock (estimated to realise Rs. 1,50,000)	1,20,000
Machinery lodged with the Bank as security for overdraft (estimated realisable value of Machine Rs. 1,10,000)	1,50,000
Land and Buildings (estimated realiable value Rs. 1,00,000)	1,30,000
Cash in hand	6,000

Prepare a statement of affairs and deficiency account.

स्थिति विवरण तथा न्यूनता खाता बनाइए ।

Solution : **Statement of Affairs of X Co. Ltd.**

(on 31st March, 1991)

	(a) Estimated realisable value	(b) Due to secured creditors	(c) Deficiency ranking as unsecured	(d) *Surplus* carried to last column	Estimated Realisable Value
Assets not specifically pledged as per List A :					Rs.
Cash in hand					6,000
Bills Receivable					*10,000*
Debtors					1,25,000
Stock-in-trade					1,50,000
Unpaid calls (amount receivable)					1,000
					2,92,000
Assets specifically pledged as per List B	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	
Land & Buildings (1,00,000—30,000)	70,000	60,000	—	10,000	
Land & Buildings	30,000	50,000	20,000	—	
Machinery	1,10,000	75,000	—	35,000	
	2,10,000	1,85,000	20,000	45,000	
Estimated surplus from Assets specifically pledged					45,000
Estimated total assets available for preferential creditors, Debentureholders secured by a floating charge and unsecured creditors carried forward					3,37,000
Summary of Gross assets :				Rs.	
Gross Realisable value of Assets specifically Pledged				2,10,000	
Other Assets				2,92,000	
				5,02,000	

List 'H'–Deficiency Account

	Items contributing to Deficiency		**Rs.**
1.	Excess of Capital and Liabilities over assets on 31st March, 1991 (as shown by Balance Sheet)		4,80,500[1]
2.	Net Dividend and Bonus declared during the period		NIL
3.	Net Trading losses for the same period		NIL
4.	Losses other than trading losses written off or for which provision has been made in the books during the same period		NIL
5.	Estimated losses now written off for which provision has been made for the purpose of preparing the statement :	Rs.	
	Bills Receivable	5,000	
	Book Debts	21,000	
	Machinery	40,000	
	Land and Buildings	30,000	
	Bills Discounted	4,500	
		1,00,500	1,00,500
6.	Other items contributing to deficiency		NIL
		(A)	5,81,000
	Items reducing Deficiency		
7.	Excess of Assets over Capital		NIL
8.	Net Trading profits for the period		NIL
9.	Profits other than trading profits : Profit on realisation of stock		30,000
10.	Other items reducing deficiency		NIL
		(B)	30,000
	Deficiency as shown by the statement of Affairs [(A) - (B)]		5,51,000

1. [Rs. 2,40,000 + 2,00,000 − 2,500 + 3,00,000 + 60,000 + 50,000 + 5,000 + 1,20,000 + 75,000]
− [15,000 + 1,25,000 + 21,000 + 1,20,000 + 1,50,000 + 1,30,000 + 6,000]
= Rs. 4,80,500

Illustration 4.5 : The following information is obtained with regard to the assets and liabilities of M Ltd. as on 30th June, 1991 on which date a winding up order has been issued against it :

निम्नलिखित सूचना 30 जून, 1991 को एम लिमिटेड की सम्पत्तियों एवं दायित्वों के सम्बन्ध में प्राप्त की गई है जिस तिथि को इसके विरुद्ध समापन आदेश निर्गमित किया गया है :

	Rs.
Freehold Premises (book value Rs. 4,50,000) valued at	3,75,000
First Mortgage of Freehold Premises	3,00,000
Second Mortgage of Freehold Premises	1,12,500
8% Debentures carrying a floating charge on the undertaking, Interest due on 1st September and 1st April, and paid on due dates	1,50,000
Managing Director's emoluments (6 months)	22,500
Staff Salary unpaid (one month)	16,050
Trade Debtors—Good	31,500
Doubtful (Estimated to realise 50%)	12,900
Bad	72,750
Plant and Machinery (Book value Rs. 2,47,500) Estimated to realise	1,74,000
Bank Overdraft	58,125
Cash in hand	825
Stock (at cost Rs. 50,850) Estimated to realise	33,900
Issued Capital : Equity shares of Rs. 10 each, fully called up	1,50,000
Calls in arrears, Rs. 3,000; estimated to realise	1,500
Unsecured Creditors	2,96,250
Contingent Liabilities in respect of a claim for damages Rs. 37,500 – Estimated to be settled for	18,000
Income-tax liability : For 30–6–1989	5,250
For 30–6–1990	1,275
For 30–6–1991	2,700

The Reserves of the company on 1-7-1990 amounted to Rs. 7,500.

You are required to prepare : (i) Statement of Affairs (ii) Deficiency Account.

1-7-1990 को कम्पनी के संचय 7,500 रु० के थे।

आपको (i) स्थिति विवरण (ii) न्यूनता खाता तैयार करना है।

Solution :

Statement of Affairs of M Ltd.
on 30th June, 1991

	Estimated Realisable value
	Rs.
Assets not specifically pledged as per List A :	
Cash in hand	825
Trade Debtors	37,950
Unpaid Calls (recovery)	1,500
Stock	33,900
Plant & Machinery	1,74,000

Assets specifically pledged as per List B	(a) Estimated realisable value	(b) Due to secured creditors	(c) Deficiency ranking as unsecured	(d) Surplus carried to last column
	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
Freehold Premises (first mortgage)	3,00,000	3,00,000	—	—
Freehold Premises (second mortgage)	75,000	1,12,500	37,500	
	3,75,000	4,12,500	37,500	—

	Rs.	Estimated Realisable value Rs.
Estimated total assets available for Preferential Creditors, Debentureholders secured by a floating charge and unsecured creditors carried forward		2,48,175
Summary of Gross Assets	Rs.	
Assets specifically pledged	3,75,000	
Other Assets	2,48,175	
Gross Assets	6,23,175	

Gross Liabilities Rs.	Liabilities		Rs.
	Estimated total assets available for Preferential Creditors, Debentureholders secured by a floating charge and Unsecured creditors brought forward		2,48,175
3,75,000	Secured Creditors as per List B to the extent claims are covered by assets specifically pledged		—
20,025	Preferential creditors as per List C		20,025
	Estimated balance of assets available for Debentureholders having a floating charge and unsecured creditors		2,28,150
1,53,000	Debentureholders secured by floating charge as per List D		1,53,000
	Estimated surplus as regards debentureholders		75,150
	Unsecured creditors as per List E :	Rs.	
37,500	Unsecured balance of claims of partly secured creditors	37,500	
2,96,250	Trade creditors	2,96,250	
27,750	Outstanding expenses and taxes	27,750	
58,125	Bank Overdraft	58,125	
18,000	Contingent liability for claim for damages	18,000	
			4,37,625
9,85,650	Estimated deficiency as regards creditors, being the difference between	Rs.	
	Gross Assets	6,23,175	
	and Gross Liabilities	9,85,650	
			3,62,475
	Issued and Called up Capital :		
	Preference Share Capital as per List F		
	15,000 Equity shares of Rs. 10 each fully called up (as per List G)	Rs. 1,50,000	
	Less : Irrecoverable calls	1,500	
			1,48,500
	Estimated deficiency as regards members as per List H		5,10,975

List H – Deficiency Account

		Rs.
Items contributing to deficiency		
Net Trading Losses		2,55,825
Estimated losses now written off for which no provision has been made :	Rs.	
On Freehold Premises	75,000	
,, Trade Debtors	79,200	
,, Plant and Machinery	73,500	
,, Stock	16,950	
,, Claim for damages	18,000	2,62,650
Items reducing deficiency		5,18,475
Excess of Assets over Capital and Liabilities as on 1st July, 1990 (reserves)		7,500
Deficiency as shown in the Statement of Affairs		5,10,975

Working Notes :

(i) Preferential Creditors . Income-tax Rs. 1,275 and Rs 2,700 for 30th June, 1990 and 1991 treated as due and payable within 12 months of winding up Rs. 3,975

Staff Salary Rs. 16,050 — Rs. 20,025

(ii) Calculation of Net Trading Losses by preparing Balance Sheet

	Rs.		Rs.
Capital (net)	1,47,000	Freehold Premises	4,50,000
Reserve	7,500	Plant and Machinery	2,47,500
First Mortgage Loan	3,00,000	Sundry Debtors	1,17,150
Second Mortgage Loan	1,12,500	Stock	50,850
8% Debentures	1,50,000	Cash	825
Interest for 3 months (April, 1991 to June, 1991)	3,000	Profit & Loss Account (balancing figure)	2,55,825
Sundry creditors (including managerial remuneration and salaries)	3,34,800		
Bank Overdraft	58,125		
Provision for Taxation	9,225		
	11,22,150		11,22,150

निस्तारक का अन्तिम हिसाब का विवरण

(Liquidator's Final Statement of Account)

जैसाकि पूर्व में बताया जा चुका है कि एक कम्पनी का समापन न्यायालय द्वारा किया जा सकता है या ऐच्छिक समापन किया जा सकता है। दोनों ही परिस्थितियों में निस्तारक की नियुक्ति की जाती है। समापन आदेश के बाद वह कम्पनी का सर्वोच्च अधिकारी होता है। समापन का आदेश जारी होने के बाद वह कम्पनी की समस्त सम्पत्तियों को अपने कब्जे में ले लेता है एवं उनको बेचकर कम्पनी के ऋणों व पूँजी का भुगतान करता है।

यदि कम्पनी का समापन न्यायालय द्वारा किया गया है तो उसकी नियुक्ति भी न्यायालय द्वारा ही की जाती है। निस्तारक का यह कर्त्तव्य है कि वह अपने प्राप्ति तथा भुगतानों का पूर्ण विवरण रखे तथा प्रत्येक छः माह के अन्त में अपने हिसाब का विवरण बनाकर न्यायालय में प्रस्तुत करे। जब कम्पनी की समस्त सम्पत्तियाँ वसूल हो जाती हैं और उनसे दायित्वों का भुगतान कर दिया जाता है तो निस्तारक न्यायालय को अन्तिम हिसाब का विवरण बनाकर प्रस्तुत करता है। इसे "निस्तारक का अन्तिम हिसाब का विवरण" (Liquidator's Final Statement of Account) कहा जाता है।

यदि कम्पनी का ऐच्छिक समापन किया जा रहा है तो उसकी नियुक्ति अंशधारियों द्वारा की जाती है अतः वह अपने हिसाब का अन्तिम विवरण बनाकर कम्पनी को प्रस्तुत करता है जिसमें सम्पत्तियों से प्राप्ति व दायित्वों के भुगतान का विवरण लिखा जाता है।

निस्तारक द्वारा दोनों ही परिस्थितियों में प्रस्तुत किये जाने वाले 'अन्तिम हिसाब के विवरण' का प्रारूप निम्न प्रकार है :

Form No. 156

(See Rule 329)

Companies Act, 1956

*Strike out what does not apply

+Here state whether the winding up is a members' or creditors' voluntary winding-up or a winding-up under the supervision of the Court If under the supervision of the Court, mention the number of the petition in which the order was made and the date of the order.

Liquidator's Statement of Account of the Winding-up

(Members'/Creditors' Voluntary winding up)

1. Name of the company ... .Ltd.
2. Nature of proceeding :
3. Date of commencement of the winding-up :
4. Name and address of the Liquidator :

Statement showing how the winding-up has been conducted and the property of the company has been disposed of from ....19 .... (commencement of winding-up to ....19 (close of winding-up.)

Receipts	Estimate Value Rs. P.	Value realised Rs. P.	Payments	Rs. P.	Payment Rs. P.
Assets :			Legal charges		
Cash at Bank ...			Liquidators' remuneration		
Cash in hand ...			Where applicable :		
Marketable Securities...			% on Rs.... .. realised		
Bills Receivable			% on Rs .. distributed		
Trade Debtors			Total		
Loans and Advances			(By whom fixed .)		
Stock in Trade			Auctioneer's an valuers'		
Work in Progress			charges		
Freehold Property ...			Costs of possession and		
Leasehold Property			maintenance of estate		
Plant and Machinery			Cost of notices in Gazette		
Furniture, Fitting,			and newspapers		
Utensils, etc. ...			Incidental outlay (establi-		
Patents, Trade			shment charges and		
Marks, etc.			other expences of		
Inve tments other			liquidation)		
than Marketable			Total costs and charges		
Securities			(i) Debentureholders :		
Surplus from			Payment of Rs ..		
Securities			*Debenture per Rs ..*		
Unpaid Calls at			Payment of Rs.... ..		
commencement of			Per debenture Rs......		
winding up ...					
			Payment of Rs......		
Amount received			per debenture Rs		
from calls on con-					
tributories made in			(ii) Creditors :		
the winding-up .			..........†Preferential		
			....†Unsecured :		
Receipts as per Trading			*Dividend (S) ......P.*		
Account ..			in the rupees on Rs.		
Other Property viz ...			(The estimated of		
....			the amount expected		
			to rank for dividend		
....			was Rs .....)		
Total			(iii) Returns to contribu-		
Less :			tories :		
Payments to redeem			... ... P. per rupee ...†		
securities			share		
Costs of execution ..			.. ... P. per rupee ...†		
Payments as per			share		
Trading Account			...... P. per rupee ...†		
—			Share Add balance		

+State the number : Preferential creditors need not be separately shown if all creditors have paid in full.

†State nominal value and class of share.

(1) The following assets estimated to be of the value of Rs .. ..have proved to be unrealisable :
(Give details of the assets which have proved to be unrealisable).

(2) Amount paid into the Companies Liquidation Account in respect of :

(a) Unclaimed dividends payable to creditors in the winding-up Rs....... ....

(b) Other unclaimed distributions in the winding-up Rs ....

(c) Moneys held by the company in trust in respect of dividend or other sum due before the commencement of the winding up to any person as a member of the company Rs.................

(3) Add here any remarks the Liquidator thinks desirable : (Sd.)

Dated this ....day of ....19 Liquidator

I declare that the above statement is true and contains a full and accurate account of the winding up from the commencement to the close of the winding-up.

Dated this..................day of....................19 (Sd.)
Liquidator

निस्तारक के लेखा विवरण में दी जाने वाली सूचनाओं का स्पष्टीकरण
(Clarification of the Information given in the Liquidator's Statement of Account) :

उपरोक्त प्रारूप को देखने से यह स्पष्ट होता है कि निस्तारक के लेखा विवरण में मुख्यतः निम्नांकित सूचनायें दी जाती हैं : (a) उसके द्वारा वसूल की हुई राशियाँ (Amounts realised by him); (b) विभिन्न दायित्वों का भुगतान (Payment of various liabilities); एवं (c) आधिक्य का वितरण (Distribution of Surplus) । इनमें से प्रत्येक का विस्तृत विवरण इस प्रकार है :

(a) निस्तारक द्वारा वसूल की हुई राशियाँ : निस्तारक कम्पनी के समापन के समय निम्नांकित तरीकों से राशियाँ प्राप्त या वसूल कर सकता है :

1. सम्पत्तियों को बेचने से वसूली : निस्तारक कम्पनी की सम्पत्तियाँ जो कहीं गिरवी नहीं रखी हुई है, को विक्रय करके धनराशि वसूल करता है। इसके अतिरिक्त कम्पनी का रोकड़ एवं बैंक शेष भी अपने कब्जे में लेता है। सम्पत्तियों से प्राप्त राशि एवं रोकड़ व बैंक शेष की राशि को विवरण में बायीं तरफ जो कि प्राप्ति पक्ष है, पर लिखता है।

2. सुरक्षित लेनदारों के पास सम्पत्ति से वसूली : सुरक्षित लेनदार वे होते हैं जिनके पास कम्पनी की सम्पत्तियाँ ऋण की गारण्टी के रूप में गिरवी रखी रहती हैं। कम्पनी के समापन की दशा में इन लेनदारों को गिरवी रखी हुई सम्पत्ति को बेचने का अधिकार होता है। वे अपने ऋण की राशि के बराबर रकम को रोक कर शेष रा

कम्पनी को लौटा देते हैं। इस प्रकार निस्तारक के विवरण में इस प्राप्त राशि को अलग से प्राप्ति पक्ष की ओर दिखाया जाता है। कभी-कभी ऐसी गिरवी रखी हुई सम्पत्ति को लेनदार निस्तारक को ही विक्रय करने का अधिकार सौंप देते हैं। ऐसी दशा में भी निस्तारक आधिक्य राशि को ही अपने विवरण में दिखाएगा। अतः सुरक्षित लेनदारों को किये गये भुगतान की राशि को विवरण में दिखाने की आवश्यकता नहीं है।

3 अदत्त याचना राशि की प्राप्ति : यदि किसी अंशधारी ने कम्पनी के द्वारा अंशों पर मांगी गई राशि का भुगतान नहीं किया है तो समापन की दशा में निस्तारक को ऐसी राशि वसूल करने का अधिकार होता है। वसूल की हुई राशि को लेखा विवरण में प्राप्ति पक्ष पर बताया जाता है।

4 कम्पनी के अंशदाताओं (Contributories) से वसूली : यदि कम्पनी के अंश अंशतः प्रदत्त है और लेनदारों को भुगतान करने के लिए कम्पनी की सम्पत्तियां अपर्याप्त हैं तो निस्तारक कम्पनी के अंशदाताओं से अदत्त राशि को वसूल कर सकता है। वह अयाचित राशि पहले 'अ' सूची के अंशदाताओं से प्राप्त करेगा और यदि कुछ 'अ' सूची के अंशदाता इस राशि का भुगतान कर सकने में असमर्थ हैं तो वह 'ब' सूची के अंशदाताओं से यह राशि वसूल करेगा। इस प्रकार वसूल की गई राशि को निस्तारक के विवरण में प्राप्ति पक्ष की ओर दिखाया जाता है।

5. दोषी सचालकों एवं अन्य अधिकारियों से राशि वसूल करना : यदि कम्पनी के किसी सचालक या अधिकारी ने कम्पनी के साथ कोई दुराचरण एवं कपट इत्यादि किया है और न्यायालय ने उससे इसके लिए दण्डित किया है तो इनसे निस्तारक जुर्माने इत्यादि की राशि भी वसूल करेगा। इसे भी इस लेखा विवरण में प्राप्ति पक्ष में दिखाया जायेगा।

(b) विभिन्न दायित्वों का भुगतान : निस्तारक द्वारा प्राप्त की गई राशियों को वह कम्पनी के विभिन्न लेनदारों एवं अंशधारियों को भुगतान करने में काम लेता है। ये भुगतान निश्चित क्रम में किये जाते हैं और इन्हें वह अपने विवरण में दायीं तरफ भुगतानों के अन्तर्गत दिखाता है, भुगतान करने का क्रम इस प्रकार होगा :

1. कानूनी व्यय Legal Expenses) : यदि कम्पनी को अपने समापन की अवधि में अन्य कम्पनी पर कोई दावा करना पड़ता है या अपने ऊपर किये गये दावे से अपना बचाव करना होता है, तो इस सम्बन्ध में जो कानूनी व्यय किये जाते हैं इन्हें कानूनी व्यय कहते हैं। इन व्ययों का भुगतान निस्तारक को सबसे पहले करना पड़ता है अतः इसे भुगतान पक्ष पर सबसे पहले दिखाया जाता है।

2 निस्तारक का पारिश्रमिक (Liquidator's Remuneration) : कानूनी व्ययों का भुगतान करने के पश्चात् निस्तारक अपना पारिश्रमिक प्राप्त करता है। निस्तारक को पारिश्रमिक के रूप में सामान्यतया कमीशन दो प्रकार से दिया जाता है : प्रथम, सम्पत्तियों की वसूली की रकम के प्रतिशत के रूप में; और द्वितीय, असुरक्षित लेनदारों को भुगतान की गई या ईक्विटी अंशधारियों को भुगतान की गई रकम पर प्रतिशत के रूप में। इनका विस्तृत विवरण इस प्रकार है :

(i) सम्पत्तियों की वसूली की रकम पर कमीशन (Commission on the assets realised) : निस्तारक द्वारा सम्पत्तियों से वसूल की गई राशि पर दी गई प्रतिशत के आधार पर यह कमीशन निकाला जाता है। जैसा कि हमने प्राप्ति पक्ष में देखा कि निस्तारक सुरक्षित लेनदारों से आधिक्य की राशि भी प्राप्त करता है तो इस आधिक्य की राशि को भी कमीशन की गणना में सम्मिलित किया जाये या नहीं। इसके सम्बन्ध में अधिकांश लेखकों का यही मत है कि, जब तक इसके सम्बन्ध में प्रश्न में अन्यथा कुछ न दिया गया हो, इसे भी कमीशन की गणना में सम्मिलित कर लेना चाहिए। कभी-कभी सुरक्षित लेनदारों द्वारा भी अपने पास गिरवी रखी सम्पत्ति को निस्तारक को वसूल करने के लिए दे दिया जाता है। ऐसी दशा में वसूल की गई समस्त राशि को कमीशन की गणना में सम्मिलित कर लिया जाएगा। इसी प्रकार यह प्रश्न उत्पन्न होता है कि निस्तारक को समापन की तिथि को कम्पनी के पास नकद एवं बैंक शेष की राशि पर भी कमीशन दिया जाये या नहीं। सामान्यतया इसे कमीशन

की गणना में सम्मिलित नहीं करना चाहिए यदि कमीशन 'सम्पत्तियों की वसूली' (Assets realised) पर दिया जाना है। किन्तु यदि प्रश्न में कमीशन 'धन राशि की वसूली' (Amount realised) पर दिया हुआ है तो इसे कमीशन की गणना के लिए सम्मिलित कर लिया जाना चाहिए।

(ii) अरक्षित लेनदारों को भुगतान की गई रकम पर कमीशन (Commission on the amount paid to Unsecured Creditors) : निस्तारक द्वारा अरक्षित लेनदारों को भुगतान की गई राशि पर कमीशन दी गई प्रतिशत के आधार पर निकाला जाता है। इस सम्बन्ध में विचारणीय प्रश्न यह है कि क्या पूर्वाधिकार लेनदारों को भुगतान की गई राशि को भी इस कमीशन की गणना में सम्मिलित किया जाए? इस सम्बन्ध में विभिन्न विद्वान एक मत नहीं हैं। कुछ विद्वान इसे अरक्षित लेनदारों में शामिल करते हैं एवं कुछ नहीं। किन्तु अधिकांश विद्वानों की यही राय है कि चूँकि पूर्वाधिकार लेनदार भी मूलतः अरक्षित लेनदार ही होते हैं अतः इन्हें कमीशन की गणना में अरक्षित लेनदारों में शामिल किया जाना चाहिए जब तक कि प्रश्न में इस सम्बन्ध में कुछ अन्यथा नहीं दिया गया हो।

यदि निस्तारक के पास अरक्षित लेनदारों को भुगतान करने के लिए पर्याप्त राशि है तो उस समय कमीशन की गणना करना एक सरल कार्य है। किन्तु कमीशन की गणना में जटिलता तब उत्पन्न होती है जबकि अरक्षित लेनदारों को पूर्ण भुगतान करने के लिए निस्तारक के पास पर्याप्त रकम न हो। ऐसी परिस्थिति में निस्तारक के पास प्राप्त कुल रकम में से कानूनी व्यय, निस्तारक को वसूल की गई राशि पर देय कमीशन, समापन व्यय, पूर्वाधिकार लेनदारों को भुगतान तथा ऋण-पत्र-धारियों को भुगतान की रकम घटाकर शेष राशि ज्ञात कर लेनी चाहिए। इस राशि में अरक्षित लेनदारों को भुगतान की जाने वाली राशि एवं इस पर देय कमीशन की राशि सम्मिलित होगी।

इस स्थिति में कमीशन निकालने के लिए निम्न सूत्र का प्रयोग किया जायेगा :

$$\text{Commission} = \frac{\begin{array}{c}\text{Amount left for unsecured}\\ \text{creditors and commission there on} \times \text{Rate of Commission}\end{array}}{100 + \text{Rate of Commission}}$$

इस प्रकार ज्ञात की गई कमीशन की राशि को निस्तारक के पारिश्रमिक में सम्मिलित करके दिखाया जायेगा और शेष रही रकम को अरक्षित लेनदारों को भुगतान के रूप में दिखाया जायेगा। गणना की यही विधि उस समय भी ध्यान में रखनी है जबकि कमीशन की गणना ईक्विटी अंशधारियों को दी गई रकम पर करनी हो।

3. समापन व्यय (Liquidation Expenses) : निस्तारक के पारिश्रमिक के बाद समापन व्ययों का भुगतान करना पड़ता है। समापन के व्यय सामान्यतया सम्पत्तियों की वसूली से सम्बन्धित होते हैं।

4. पूर्वाधिकार लेनदार (Preferential Creditors) : ऐसे लेनदार जो अरक्षित हैं किन्तु जिन्हें कम्पनी अधिनियम की धारा 530 (1) भुगतान के अन्तर्गत पूर्वाधिकार दिया गया है, को ऋण-पत्र-धारियों एवं अन्य सुरक्षित लेनदारों से पहले भुगतान किया जाता है। यदि सभी अरक्षित लेनदारों का भुगतान करने के लिए निस्तारक के पास पर्याप्त राशि है तो इन्हें अरक्षित लेनदारों में सम्मिलित करके भी भुगतान किया जा सकता है।

5. चल प्रभार रखने वाले लेनदार (Creditors having floating charge) : इसके अन्तर्गत सामान्यतया ऋणपत्र-धारियों को सम्मिलित किया जाता है। इनको पूर्वाधिकार लेनदारों के बाद किन्तु अरक्षित लेनदारों के पहले भुगतान किया जाता है। यदि इन पर कोई ब्याज का बकाया हो तो उसका भी भुगतान इसके साथ ही किया जाता है यदि कम्पनी के समस्त लेनदारों को लौटाने के लिए पर्याप्त राशि है अर्थात् वह शोधक्षम

(Solvent) कम्पनी है तो ब्याज की राशि भुगतान की तिथि तक दी जाती है और यदि शोधक्षम्य नहीं है अर्थात् उसके समस्त लेनदारों का भुगतान नहीं किया जा सकता तो समापन की तिथि तक का ही ब्याज चुकाया जाता है।

6 असुरक्षित लेनदार (Unsecured Creditors) : ऋणपत्र-धारियों को भुगतान करने के पश्चात् असुरक्षित लेनदारों को भुगतान किया जाता है। यदि इनको भुगतान करने के लिए कम्पनी के पास पर्याप्त राशि नहीं बचती तो इन्हें आनुपातिक रूप से भुगतान किया जाता है।

7. पूर्वाधिकार अंश पूँजी एवं लाभांश (Preference Share Capital and Dividend) : असुरक्षित लेनदारों को भुगतान करने के पश्चात् पूर्वाधिकार अंश पूँजी का भुगतान किया जाता है। यदि पूर्वाधिकार अंशों पर लाभांश भी घोषित कर दिया गया है तो लाभांश की राशि का भुगतान असुरक्षित लेनदारों के बाद किया जायेगा। यदि पूर्वाधिकार अंश संचयी (Cumulative) हैं और इन पर लाभांश घोषित नहीं किया गया है तो समापन की तारीख तक का लाभांश भी अन्तर्नियमों की व्यवस्थाओं के अनुसार दिया जा सकता है यदि अन्तर्नियमों में यह व्यवस्था है कि इन अंशों पर लाभांश ईक्विटी अंश पूँजी से पहले दिया जायेगा तो इसका भुगतान ईक्विटी अंश पूँजी से पहले किया जायेगा, और यदि अन्तर्नियमों में कुछ भी नहीं दे रखा है तो इसका भुगतान ईक्विटी अंश पूँजी की वापसी के पश्चात् यदि कोई राशि शेष रहे तो उसमें से किया जायेगा। यदि पूर्वाधिकार अंश असंचयी (Non cumulative) हों तो इन पर कोई लाभांश नहीं दिया जायेगा। प्रश्न में जब तक असंचयी नहीं दिया हुआ हो तब तक इन्हें संचयी ही माना जाना चाहिए और उसी के अनुसार व्यवहार किया जाना चाहिए।

8. ईक्विटी अंश पूँजी (Equity Share Capital) : पूर्वाधिकार अंश पूँजी के भुगतान के पश्चात् यदि कोई राशि शेष रहे तो उसका भुगतान ईक्विटी अंशधारियों को आनुपातिक रूप से किया जाता है। किन्तु यदि ईक्विटी अंश अलग-अलग प्रदत्त मूल्य के हो तो पहले भुगतान उनको किया जायेगा जिनका प्रदत्त मूल्य ज्यादा है। यदि कुछ अंशधारी ऐसे हैं जिन्होंने कम्पनी को अग्रिम माँग राशि (Calls in Advance) दे रखी है तो उन्हें सर्वप्रथम चुकाया जायेगा। जब सभी अंश बराबर के प्रदत्त मूल्य के हो जायेंगे तो सभी को आनुपातिक रूप से लौटाया जायेगा।

9 आधिक्य (Surplus) : यदि ईक्विटी अंश पूँजी की पूरी राशि का भुगतान करने के पश्चात् कुछ राशि और शेष रह जावे तो उसका विभाजन अन्तर्नियमों की व्यवस्थाओं के अनुसार ही किया जायेगा। यदि पूर्वाधिकार अंश प्रभागी भागी (Participating) हैं तो इन्हें भी इस आधिक्य में हिस्सा मिलेगा और शेष ईक्विटी अंशधारियों को मिलेगा। यदि इसके सम्बन्ध में अन्तर्नियमों की कोई व्यवस्था नहीं दे रखी है तो समस्त आधिक्य की राशि ईक्विटी अंशधारियों को ही चुकाई जायेगी।

इस प्रकार निस्तारक भुगतान वहीं तक करेगा जहाँ तक उसके पास राशि उपलब्ध है। यदि असुरक्षित लेनदारों को भी पूरा भुगतान नहीं किया जा सकता तो अंश पूँजी को इस विवरण में नहीं लिखा जायेगा।

Illustration 4.6 : A company went into voluntary liquidation on 31st March, 1992, when the following Balance Sheet was prepared :

31 मार्च, 1992 को एक कम्पनी का ऐच्छिक समापन हुआ जबकि अग्रलिखित चिट्ठा बनाया गया :

	Rs.		Rs.
Issued Capital :		Goodwill	30,000
14,520 Equity Shares of Rs. 10		Leasehold Property	25,000
each fully paid	1,45,200	Plant and Machinery	37,400
Unsecured Creditor	27,160	Stock	58,500
Partly Secured Creditors	79,180	Sundry Debtors	46,220
Preferential Creditors	4,000	Cash	500
Bank Overdraft (unsecured)	1,160	Profit and Loss Account	59,080
	2,56,700		2,56,700

The Liquidator realised the assets as follows :

निस्तारक ने सम्पत्तियाँ निम्न प्रकार वसूल कीं:

	Rs.
Leasehold property which was used in the first instance to pay the partly secured creditors pro-rata	18,000
Plant and Machinery	25,000
Stock	31,000
Sundry Debtors	43,500

The expenses of liquidation amount to Rs. 500 and the liquidator's remuneration was agreed at 2½% on the amount realised including cash and 2% on the amount paid to unsecured creditors.

समापन व्यय 500 रु०, निस्तारक का पारिश्रमिक रोकड़ सहित वसूल की गई राशि पर 2½% और असुरक्षित लेनदारों को भुगतान की गई राशि पर 2% ।

Prepare the liquidator's Final Account.

निस्तारक का अन्तिम खाता बनाइये ।

Solution : Liquidator's Final Statement of Account

		Rs.			Rs.
Realisation of Assets	Rs.		Liquidator's Remuneration :	Rs.	
Cash	500		2½% on Rs. 1,18,000	2,950	
Plant & Machinery	25,000		2% on Rs. 4,000	80	
Sundry Debtors	43,500		2% on Rs. 89,500	1,790	
Stock	31,000				4,820
		1,00,000	Liquidation Expenses		500
			Preferential Creditors		4,000
			Unsecured Creditors		89,500
			Equity Shareholders (14,520 shares @ Rs. 0·081 per share approximately		1,180
		1,00,000			1,00,000

(Working Notes) :

टिप्पणियाँ : (1) यह मान लिया गया है कि अंशतः सुरक्षित लेनदारों की प्रतिभूतियों को भी निस्तारक ने ही वसूल किया है।

(2) पूर्वाधिकार लेनदार भी चूंकि असुरक्षित लेनदार ही होते हैं अतः निस्तारक के पारिश्रमिक की गणना में इन्हें भी सम्मिलित कर लिया है।

Illustration 47 : M Ltd went into liquidation on 31st December, 1991. Its capital is divided in 25,000 shares of Rs. 100 each. Its assets and liabilities on this date were as follows :

31 दिसम्बर, 1991 को एम लि० का समापन हुआ। कम्पनी की पूंजी 100 रु० वाले 25,000 अंशों में विभाजित थी। इस तिथि को इसके सम्पत्ति एवं दायित्व इस प्रकार थे :

Cash in hand Rs 1,500; Realised : from Stock Rs. 45,000, from Book Debts Rs. 75,000, from Furniture Rs. 2,000, Investments with bank for overdraft Rs. 7,500.

Unsecured Creditors Rs 80,000, Preferential Creditors Rs 8,000, Bank Overdraft Rs. 6,000, 6% Debentures having a floating charge and on which interest has been paid on 30th June, 1991, Rs 65,000

Bank, after deducting its amount from investments of Rs. 7,500, gave the surplus to the liquidator, Debentures were paid on 30th June, 1992 with interest Remuneration of liquidator : 3% on net amount realised (excluding the amount given to secured creditors but including cash in hand); 2% on the amount paid to unsecured creditors (excluding preferential creditors) Cost of liquidation was Rs. 1,500. Prepare liquidator's final statement of account and find out the amount paid to unsecured creditors.

बैंक ने विनियोग की प्राप्ति 7,500 रु० में से अपनी राशि काटने के बाद शेष राशि निस्तारक को दे दी। ऋणपत्रों का भुगतान समापन की तिथि तक के ब्याज सहित 30 जून, 1991 को कर दिया गया। निस्तारक का पारिश्रमिक प्राप्त हुई शुद्ध राशि (प्रतिभूतियों की आय में से सुरक्षित लेनदारों को दी हुई राशि को छोड़कर लेकिन हस्तस्थ रोकड़ को शामिल कर) पर 3% की दर से एवं पूर्वाधिकार लेनदारों को छोड़कर शेष असुरक्षित लेनदारों को दी जाने वाली राशि पर 2% से निकाला गया। समापन की लागत 1,500 रु० थी। निस्तारक का अन्तिम लेखा विवरण तैयार कीजिए तथा असुरक्षित लेनदारों को भुगतान की जाने वाली राशि ज्ञात कीजिए।

Solution . Liquidator's Final Statement of Account

		Rs.			Rs.
Assets Realised :	Rs.		Liquidator's Remuneration :		
Cash	1,500			Rs.	
Stock	45,000		3% on Rs. 1,25,000	3,750	
Book Debts	75,000		2% on Rs. 43,966	878	
Furniture	2,000			———	4,628
	———	1,23,500	Liquidation Expenses		1,500
Surplus Realised from Bank		1,500	Preferential Creditors		8,000
			Debentures having a floating charge	65,000	
			Interest for 6 months	1,950	
				———	66,950
			Unsecured Creditors (@ 55 paise in a rupee approximately)		43,922
		1,25,000			1,25,000

टिप्पणी (Working Notes) :

अरक्षित लेनदारों पर निस्तारक के पारिश्रमिक की गणना :

$$\text{सूत्र : } \frac{\text{अरक्षित लेनदारों के लिए शेष रही राशि (पारिश्रमिक सहित)} \times \text{दर}}{100 + \text{दर}}$$

शेष रही सम्पत्तियाँ = 1,25,000 रु० − 80,200 रु० = 44,800 रु०

$$\frac{\text{Rs. } 44{,}800 \times \text{[redacted]}}{102} = \text{Rs. } 878$$

Illustration 4[redacted] : A company went into voluntary liquidation on 1st July, 1992. Its position on this date was as follows :

1 जुलाई, 1992 को एक कम्पनी ऐच्छिक समापन में चली गई। इस तिथि को इसकी स्थिति इस प्रकार थी :

	Rs.
20,000 Preference Shares of Rs. 10 each fully paid	2,00,000
10,000 Equity Shares of Rs. 10 each fully paid	1,00,000
20,000 Equity Shares of Rs. 10 each Rs. 5 per share paid up	1,00,000
40,000 Equity Shares of Rs 10 each Rs 3 per share paid up	1,20,000
Bank Loan (Raw materials as security)	76,000
Unsecured Creditors	2,03,600
Preferential Creditors	2,400

Cash Rs. 12,000; Stock of raw materials Rs. 1,00,000, Other stock Rs. 3,00,000; Other assets Rs. 2,90,000 :

Realisations were as under.

(वसूली इस प्रकार हुई) :

Raw materials realised by bank Rs. 60,000; Other stock Rs. 1,60,000; Other assets Rs. 40,000

Remuneration of liquidator Rs. 2,000 and 3% on the amount of those assets realised by him. Other cost and Expenses Rs. 22,000; Equity shareholders have equal rights for refund of capital Calls were made as follows :

निस्तारक का पारिश्रमिक 2,000 रु० तथा उसके द्वारा वसूल की हुई सम्पत्तियों की राशियों पर 3% है। अन्य लागत एवं व्यय 22,000 रु०; पूँजी भुगतान के लिए सभी ईक्विटी अंशों का समान अधिकार है। याचना इस प्रकार की गई :

20,000 shares Rs. 3 per share.

40,000 shares Rs. 5 per share. All these calls were duly paid off. Prepare liquidator's final statement of account. Preference shares have priority for refund of capital.

सभी माँगें वसूल हो गई। निस्तारक का अन्तिम लेखा विवरण तैयार कीजिए। पूर्वाधिकार अंशों को पूँजी वापसी का पूर्वाधिकार है।

Solution : ***Liquidator's Final Statement of Account***

		Rs.			Rs.
Cash		12,000	Liquidator's Remuneration :	Rs.	
Assets realised :	Rs.		Fixed	2,000	
Other Stocks	1,60,000		3% on Rs. 2,00,000	6,000	
Other Assets	40,000				8,000
		2,00,000	Liquidation Cost		22,000
Calls received :			Preferential Creditors		2,400
20,000 Equity share @			Unsecured Creditors		2,19,600
Rs. 3 per share		60,000	Preference Shareholders		2,00,000
40,000 Equity shares @			Equity Shareholders		
Rs. 5 per share		2,00,000	(Rs. 2 per share to 10,000 fully paid shares)		20,000
		4,72,000			4,72,000

Illustration 4·9 : S Limited company, which has a paid up share capital of Rs. 2,50,000 and a loss of Rs. 3,00,000 standing in its Balance Sheet, went into voluntary liquidation on 31st March, 1992. The following are the particulars of its assets and liabilities as on that date :

एस लिमिटेड कम्पनी जिसकी प्रदत्त अंश पूँजी एवं हानि इसके चिट्ठे में क्रमशः 2,50,000 रु० एवं 3,00,000 रु० है। 31 मार्च, 1992 को ऐच्छिक समापन में चली गई। इस तिथि को इसकी सम्पत्ति एवं दायित्वों के निम्नलिखित विवरण हैं :

Machinery, Stock and Debtors (which realised their book values) Rs. 1,97,500; Cash Rs. 2,500; Creditors Rs. 1,00,000; 6% Debentures having a floating charge Rs. 1,25,000 and *interest accrued thereon for 6 months.*

The debentures were paid off with interest on 30th September, 1992 on which date a first and final dividend was also paid to creditors. Creditors for Rs. 12,500 were preferential and rest unsecured. The cost of liquidation amounted to Rs. 1,250. The liquidator is entitled to 3% of amount realised from sale of assets and 2% of the amount distributed to the unsecured creditors by way of his own remuneration. Prepare the Liquidator's Final Statement of Account.

30 सितम्बर, 1992 को ऋणपत्रों का ब्याज सहित भुगतान कर दिया और उसी तारीख को लेनदारों को भी प्रथम एवं अन्तिम लाभांश दे दिया। लेनदारों में 12,500 रु० के पूर्वाधिकारी थे एवं शेष असुरक्षित थे। समापन की लागत 1,250 रु० आई। निस्तारक सम्पत्तियों की बिक्री से वसूल की गई राशि पर 3% तथा असुरक्षित लेनदारों को वितरित की गई राशि पर 2% पारिश्रमिक का अधिकारी है। निस्तारक का अन्तिम लेखा विवरण तैयार कीजिए।

Solution :

Liquidator's Final Statement of Account

	Rs.			Rs.
Cash in hand	2,500	Liquidator's Remuneration :	Rs.	
Machinery, Stock and Debtors realised	1,97,500	3% on Rs. 1,97,500	5,925	
		2% on Rs. 50,564	1,011	
				6,936
		Liquidation Expenses		1,250
		Preferential Creditors		12,500
		Debentures	1,25,000	
		Interest outstanding for 6 months	3,750	
				1,28,750
		Unsecured Creditors @ 58 paise in a rupee approximately		50,564
	2,00,000			2,00,000

Working Notes :

(i) ऋणपत्रों पर बकाया ब्याज का भुगतान समापन की तिथि तक का ही दिया जायेगा, वास्तविक भुगतान की तिथि तक का नहीं क्योंकि असुरक्षित लेनदारों को पूरा भुगतान करने लिए राशि उपलब्ध नहीं है :

(ii) निस्तारक को देय असुरक्षित लेनदारों पर पारिश्रमिक की गणना इस प्रकार की गई है :
असुरक्षित लेनदारों एवं पारिश्रमिक का भुगतान करने के लिए उपलब्ध राशि
(Rs. 2,00,000) − (5,925 + 1,250 + 12,500 + 1,28,750) = Rs. 51,575

पारिश्रमिक Rs $51,575 \times \frac{2}{102}$ = Rs. 1,011

Illustration 4·10 : On 31st March 1992, the date of liquidation of a company its Balance Sheet was as follows :

एक कम्पनी का चिट्ठा 31 मार्च, 1992 को इस प्रकार था जबकि उसका समापन हुआ :

	Rs.		Rs.
Share Capital :		Buildings	4,00,000
3,000 7% Preference Shares of *Rs. 100 each*	*3,00,000*	Machine	1,60,000
6,000 Equity Shares of Rs. 10 each Rs. 8 paid up	48,000	*Stock*	*4,00,000*
3,000 Equity Shares of Rs. 10 each Rs. 7 paid up	21,000	Debtors	6,40,000
6% Debentures of Rs. 100 each	12,00,000	Cash	51,000
Outstanding Interest on Debentures	72,000		
Creditors	8,000		
Bills Payable	2,000		
	16,51,000		16,51,000

Realised on assets : Buildings Rs. 3,50,000; Machines Rs. 2,00,000; Debtors Rs. 6,00,000; Stock Rs. 4,61,000, Liquidation expenses *Rs. 2,000*. Remuneration of liquidator : ½% on realisation of assets including cash and 1% on the amount paid to unsecured cred tors. Creditors shown in the balance sheet include Rs. 2,000 preferential Interest on debentures is to be paid only upto 31st May, 1992. Dividend on preference shares is in arrears for 1 year and it has to be paid before equity share capital Legal charges were Rs. 1,000. Prepare liquidator's final statement of account.

सम्पत्तियों पर वसूली : भवन 3,50,000 रु०; मशीन 2,00,000 रु०; देनदार 6,00,000 रु०; स्टॉक 4,61,000 रु०; समापन व्यय 2,000 रु० । निस्तारक का पारिश्रमिक : सम्पत्तियों की वसूली (रोकड़ सहित) पर ½%, और असुरक्षित लेनदारों को चुकाई गई राशि पर 1%, देना है । 2,000 रु० के पूर्वाधिकार लेनदार हैं जिन्हें लेनदारों के साथ चिट्ठे में दिखाया गया है । ऋणपत्रों पर ब्याज 31 मई, 1992 तक ही देना है । पूर्वाधिकार अंशों पर लाभांश 1 वर्ष के लिए अवशिष्ट है एवं इसका भुगतान ईक्विटी अंश पूँजी से पहले करना है । कानूनी व्यय 1,000 रु० थे । निस्तारक का अन्तिम लेखा विवरण तैयार कीजिए ।

Solution : **Liquidator's Final Statement of Account**

		Rs.			Rs.
Cash		51,000	Legal Charges		1,000
Assets realised :	Rs.		Liquidator's Remuneration :		
Buildings	3,50,000			Rs	
Machines	2,00,000		½% on Rs 16,62,000	8,310	
Debtors	6,00,000				
Stock	4,61,000		1% on Rs. 10,000	100	
		16,11,000			8,410
			Liquidation Expenses		2,000
			Preferential Creditors		2,000
				Rs.	
			Debentures	12,00,000	
			Interest outstanding upto 31st May, 1987		
				84,000	
					12,84,000
			Unsecured Creditors		8,000
			Preference Shareholders		3,00,000
			Pref. Share Dividend		21,000
			Equity Shareholders (Re. 1 per share on 6,000 shares)		6,000
			Equity Shareholders (Rs. 3·29 per share on 9,000 shares)		29,590
		16,62,000			16,62,000

Illustration 4.11 : B Limited went into voluntary liquidation. The details regarding liquidation are as follows :

बी लिमिटेड ऐच्छिक समापन में चली गई। समापन के सम्बन्ध में विवरण इस प्रकार है :

Share Capital (अंश पूँजी)

1. 4,000 8% Preference Shares of Rs. 100 each (fully paid-up)
2. Class : A 4,000 Equity Shares of Rs. 100 each (Rs 75 paid-up)
3. Class : B 3,200 Equity Shares of Rs. 100 each (Rs. 60 paid-up)
4. Class : C 28,000 Equity Shares of Rs. 10 each (Rs. 5 paid-up)

Assets including machinery realised Rs 8,40,000. Liquidation expenses including remuneration of liquidator amounted to Rs. 30,000. The company has borrowed a loan of Rs. 1,00,000 from Patil Brothers against the mortgage of machinery (which realised Rs 1,61,000). In the books of the company salaries of eight clerks for four months at a rate of Rs. 300 per month and salaries of eight peons for three months at a rate of Rs 150 per month, are outstanding In addition to this, the company's books show the creditors worth Rs. 1,74,800. Prepare liquidator's statement of receipt and payments.

मशीन सहित सम्पत्तियों से 8,40,000 रु० वसूल हुए। समापन व्यय निस्तारक के पारिश्रमिक सहित 30,000 रु० के हुए। कम्पनी ने पाटिल ब्रदर्स से मशीन को बन्धक रखकर (जिससे 1,61,000 रु० वसूल हुए) 1,00,000 रु० का ऋण लिया था कम्पनी की पुस्तकों में 8 लिपिकों का वेतन 4 महिनों के लिए 300 रु० प्रतिमाह के हिसाब से और 8 चपरासियों का वेतन 3 महिनों के लिए 150 रु० प्रति माह के हिसाब से देना बाकी है। इसके अतिरिक्त कम्पनी की पुस्तकें 1,74,800 रु० के लेनदार बताती हैं। निस्तारक की प्राप्तियाँ एवं भुगतान का विवरण तैयार कीजिए।

Solution : **Liquidator's Final Statement of Account**

	Rs.		Rs.
Assets realised	6,79,000	Expenses of Liquidation	30,000
Surplus from secured creditors	61,000	Preferential Creditors	11,600
Proceeds of calls at 10 paise per share on class 'C' shares	2,800	Unsecured Creditors	1,76,400
		Preference Shareholders	4,00,000
		Return of Rs. 24 per share on 'A' class shares	96,000
		Return of Rs. 9 per share on 'B' class shares	28,800
	7,42,800		7,42,800

Working Notes :

(i) पूर्वाधिकार लेनदारों की गणना :

	Rs.
Salary of Clerks For 5 persons at Rs 1,200 each restricted to Rs 1,600 each	8,000
Salary of 8 peons at Rs 450 each	3,600
Total	11,600

The remaining will be unsecured (Rs 9,600 – Rs 8,000) = Rs. 1,600.

(ii) इक्विटी अंशधारियों में पूँजी का वितरण :

चूँकि अंशों का प्रदत्त मूल्य एवं प्रदत्त पूँजी अलग अलग है इसलिए हमें सर्वप्रथम यह ज्ञात करना पड़ेगा कि इक्विटी अंशधारियों के लिए कितना आधिक्य उपलब्ध है और कितनी न्यूनता इनको वहन करनी पड़ेगी :

Calculation of Surplus :	Rs.	Rs.
Assets Realised		8,40,000
Less : Liquidation Expenses	30,000	
Preferential Creditors	11,600	
Unsecured Creditors	1,76,400	
Secured Creditors	1,00,000	
Preference Shareholders	4,00,000	
		7,18,000
Balance being surplus available to Equity Shareholders		1,22,000

Calculation of deficiency	
Equity share capital to be returned :	Rs.
4,000 shares at Rs. 75 per share	3,00,000
3,200 shares at Rs 60 per share	1,92,000
28,000 shares at Rs 5 per share	1,40,000
	6,32,000
Less : Surplus Available	1,22,000
Total Deficiency	5,10,000

$$\text{Percentage of Deficiency} = \frac{\text{Total deficiency}}{\text{Nominal value of shares}} \times 100$$

$$\frac{\text{Rs. } 5,10,000}{\text{Rs } 10,00,000} \times 100 = 51\%$$

Adjustment of rights of contributories :

	'A' shares Rs.	'B' shares Rs.	'C' shares Rs.
Paid up amount	75	60	5·00
Less : Loss to be suffered at 51% of the *nominal value*	51	51	5·10
Net amount returnable (+) or receivable (–)	24	9	– 0·10

ऋणपत्र-धारियों के लिए प्रापक की नियुक्ति

(Appointment of Receiver for Debentureholders)

Rs. 1,600, Liquidator's remuneration is Rs. 1,000; Liquidator received Rs. 19,000 from the sale of remaining property; Legal expenses in liquidation Rs. 200; and Machinery realised Rs. 50,000

ऋणपत्रधारियों का कम्पनी की सभी सम्पत्तियों पर चल प्रभार है। एक 'प्रापक' की नियुक्ति ऋणपत्रधारियों द्वारा की गई है। कम्पनी का ऐच्छिक समापन हुआ और एक निस्तारक की भी नियुक्ति की गई है। आप 'प्रापक का प्राप्ति एवं भुगतान का विवरण' तथा 'निस्तारक का अन्तिम लेखा विवरण' निम्नांकित सूचनाओं को ध्यान में रखते हुए बनाइये :

बन्धक वाले ऋण के लिए मशीन बन्धक रखी गई है। 1,60,000 रु० की सम्पत्तियाँ प्रापक के सुपुर्द की गई हैं उसने इन पर 1,56,000 रु० प्राप्त किये। उसका पारिश्रमिक 800 रु० और उसकी लागत 400 रु० है। समापन व्यय 1,600 रु० एवं निस्तारक का पारिश्रमिक 1,000 रु० है। शेष सम्पत्तियों की बिक्री से निस्तारक को 19,000 रु० प्राप्त हुए। समापन में कानूनी व्यय 200 रु० एवं मशीन पर 50,000 रु० प्राप्त हुए।

Solution :

Receiver's Statement of Account

	Rs.		Rs.
Realisation of Assets	1,56,000	Receiver's Remuneration	800
		Receiver's Cost	400
		Preferential Payment (Income-tax)	4,000
		5% Debentures	1,00,000
		Balance transferred to Liquidator	50,800
	1,56,000		1,56,000

Liquidator's Final Statement

	Rs.		Rs.
Surplus from Receiver	50,800	Legal Expenses	200
Surplus from Mortgaged Asset	30,000	Liquidator's Remuneration	1,000
Realisation from Remaining Assets	19,000	Cost of Liquidation	1,600
		Unsecured Creditors	14,000
		Preference Shareholders	80,000
		Equity Shareholders @ 58 paisa per share approximately	3,000
	99,800		99,800

Illustration 4.13 : B Limited went into voluntary liquidation on 31st December, 1991. The balance in its books on that day were :

31 दिसम्बर, 1991 को वी लिमिटेड ने स्वेच्छा से समापन प्रारम्भ किया। उस दिन पुस्तकों में निम्न शेष थे :

	Rs.
5,000 10% Preference Shares of Rs. 100 each fully paid	5,00,000
5,000 Equity Shares of Rs. 100 each Rs. 90 paid	4,50,000
5,000 Equity Shares of Rs. 100 each Rs. 80 paid	4,00,000
12% Mortgage loan on building	1,00,000
6% Debentures (secured by floating charge)	2,00,000
Preferential Creditors	50,000
Trade Creditors	3,00,000
	20,00,000
Building	2,00,000
Machinery	6,00,000
Stock	3,00,000
Sundry Debtors	4,00,000
Loans	60,000
Cash at Bank	40,000
Preliminary Expenses	30,000
Profit & Loss A/c	3,70,000
	20,00,000

Interest on 12% mortgage loan and 6% debentures has been paid upto 31st December, 1991. The liquidator is entitled to a commission of 3% on actual cash realised by him excepting Cash at Bank and 2% on amounts distributed among Equity Shareholders. The dividend on preference shares was in arrears for two years. The arrears are payable automatically on liquidation. The assets realised by the liquidator as follows :

Building [illegible] over book value, Machinery 20% less, Stock 5% less and Sundry Debtors 10% less than the book values. Loans were wholly bad. The expenses of liquidation amounted to Rs. 13,250.

Building was sold by the liquidator.

Assuming the payment was made on 31st March, 1992 prepare liquidator's final statement of account.

12% बंधक ऋण एवं 6% ऋणपत्रों पर ब्याज का भुगतान 31 दिसम्बर, 1991 तक किया गया है। निस्तारक को वास्तविक वसूल की गई राशि, पर बैंक में रोकड़ को छोड़कर, 3% कमीशन मिलता है और 2% कमीशन उस राशि पर मिलता है जो समता अंशधारियों पर बांटी जाती है। अधिमान अंशों पर लाभांश दो वर्षों का बकाया है समापन पर बकाया लाभांश स्वतः ही भुगतान करना है।

निस्तारक द्वारा सम्पत्तियों से अग्रांकित वसूली की गई :

भवन से, पुस्तक मूल्य से 50% अधिक मशीनरी पर 20% कम रहतिया पर 5% कम तथा विविध देनदारों से पुस्तक मूल्यों से 10% कम। ऋण पूर्णरूप से डूबत रहे। समापन व्यय 13,250 रु० हुये।

भवन निस्तारक द्वारा बेच दिया गया।

यह मानते हुये कि भुगतान 31 मार्च, 1992 को कर दिये गये, निस्तारक का अन्तिम विवरण खाता बनाइये।

Solution :

Liquidator's Final Statement of Account

		Rs.			Rs.
Cash at Bank		40,000	Liquidator's Remuneration :		
Assets realised :	Rs.			Rs.	
Machinery	4,80,000		3% on Rs. 14,25,000	42,750	
Stock	2,85,000		2% on Rs. 1,50,000	3,000	
Debtors	3,60,000				45,750
		11,25,000	Liquidation Expenses		13,250
			Preferential Creditors		50,000
Sale of Building	3,00,000		Debentures	2,00,000	
Less : Paid for mortgage			Interest for 3 months	3,000	
loan with 3 months'					2,03,000
Interest	1,03,000		Unsecured Creditors		3,00,000
		1,97,000	Preference Shareholders		5,00,000
			Preference Dividend		1,00,000
			Equity Shareholders :		
			@ Rs. 10 on 5,000 shares		50,000
			@ Rs. 10 on 19,000 shares		1,00,000
		13,62,000			13,62,000

Working Notes :

इक्विटी अंशधारियों को भुगतान की गई राशि पर निस्तारक के पारिश्रमिक की गणना इस प्रकार की गई है :

इक्विटी अंशधारियों एवं कमीशन के लिए रही शेष राशि = Rs. 1,53,000; पारिश्रमिक की दर 2%

पारिश्रमिक = Rs. $1,53,000 \times \frac{2}{102}$ = Rs. 3,000

Illustration 4·14 : T Ltd. was placed in voluntary liquidation on 31st December, 1991, when its Balance Sheet was as follows :

टी लि. 31 दिसम्बर, 1991 को समापन में चली गई जबकि इसका चिट्ठा इस प्रकार था :

	Rs.		Rs.
Issued Share Capital :		Freehold Factory	5,80,000
50,000 Equity shares of Rs. 10 each fully paid less calls in arrear amounting to Rs. 25,000	4,75,000	Plant and Machinery	2,89,000
		Motor	57,500
		Stock	1,86,000
		Debtors	74,000
		P & L A/c	2,14,000
6,000 5% Cumulative preference shares of Rs. 100 each fully paid	6,00,000		
Share Premium A/c	50,000		
5% Debentures A/c	1,00,000		
Interest on Debentures	2,500		
Bank Overdraft	58,000		
Creditors	1,15,000		
	14,00,500		14,00,500

The preference dividends are in arrears from 1988 onwards.

(पूर्वाधिकार अंशों पर लाभांश 1988 से बकाया है)

It is provided in the company's articles that on liquidation, out of the surplus assets remaining after payment of liquidation costs and outside liabilities, there shall be paid, firstly all arrears of preference dividend, secondly the amount paid up on the preference shares together with a premium thereon of Rs. 10 per share, and thirdly any balance then remaining shall be paid to the equity shareholders.

The Bank overdraft was guaranted by the directors who were called upon by the Bank to discharge their liability under the guarantee. The directors paid the amount to the Bank.

The liquidator realised the assets as follows :

Freehold factory Rs. 7,00,000; Plant and Machinery Rs. 2,40,000; Motor Rs. 59,000; Stock Rs. 1,50,000; Debtors Rs. 60,000; Calls in arrears Rs. 25,000.

Creditors were paid less discount of 5%. The debentures and accrued interest were repaid on 31st March, 1992. Liquidation costs were Rs. 3,820 and the liquidator's remuneration was 2% on the amounts realised. Prepare the liquidator's statement of account.

कम्पनी के अन्तर्नियमों में यह व्यवस्था है कि समापन पर, समापन के व्ययों एवं बाहरी दायित्वों के भुगतान के पश्चात् शेष रहे सम्पत्तियों के आधिक्य में से सर्वप्रथम पूर्वाधिकार अंशों पर लाभांश की बकाया, उसके बाद पूर्वाधिकार पूँजी की राशि 10 रु० प्रति अंश प्रीमियम सहित और इसके पश्चात् जो शेष बचेगा वह ईक्विटी अंशधारियों को दिया जाएगा।

बैंक अधिविकर्ष की संचालकों ने गारण्टी दी थी जिन्हें बैंक ने गारण्टी के दायित्व को पूरा करने के लिए कहा। संचालकों ने बैंक को भुगतान कर दिया।

निस्तारक ने सम्पत्तियों से वसूली इस प्रकार की :

स्वकीय कारखाना 7,00,000 रु०; प्लांट एवं मशीन 2,40,000 रु०; मोटर 59,000 रु०; स्टॉक 1,50,000 रु०; देनदार 60,000 रु०; बकाया माँगें 25,000 रु०।

लेनदारों को 5% बट्टा काटकर भुगतान किया। ऋणपत्र एवं बकाया ब्याज 31 मार्च, 1992 को चुकाये गये। समापन लागत 3,820 रु० थी और निस्तारक का पारिश्रमिक वसूल की गई राशि पर 2% था। निस्तारक का हिसाब या विवरण तैयार कीजिए।

Solution :

Liquidator's Final Statement of Account
for the period ending 31st March, 1992

	Rs.			Rs.
Assets realised :		Liquidators Remuneration :		
Debtors	60,000	@ 2% on Rs 12,34,000		24,680
Calls in arrears	25,000	Liquidation cost		3,820
Stock	1,50,000	Debenture holders having a		
Freehold property	7,00,000	floating charge .		
Plant and Machinery	2,40,000	Principal	1,00,000	
Motor	59,000	Interest up to 31st		
		March, 1992	3,750	1,03,750
		Unsecured Creditors :		
		Directors	58,000	
		Others	1,09,250	
				1,67,250
		Preference Shareholders .		
		Share Capital with		
		Premium	6,60,000	
		Arrears of Dividend	1,20,000	
				7,80,000
		Equity Shareholders		1,54,500
	12,34,000			12,34,000

Working Notes :

		Rs.
(i)	Amount payable to Sundry creditors	1,15,000
	Less : discount @ 5%	5,750
		1,09,250
(ii)	Amount payable to debentureholders	
	Principal amount	1,00,000
	Interest upto 31st March	3,750
	$\left(2{,}500 + 1{,}00{,}000 \times \frac{5}{100} \times \frac{3}{12}\right)$	1,03,750

Illustration 4.15 : Prakash Processors Ltd. went into voluntary liquidation on 31st, December, 1991 when their Balance Sheet stood as follows :

प्रकाश प्रोसेसर्स लि० 31 दिसम्बर, 1991 को ऐच्छिक समापन में चली गई जबकि उनका चिट्ठा निम्न-प्रकार था :

Liabilities	
Issued and Subscribed Capital :	
5,000 10% Cumulative Preference shares of Rs. 100 each fully paid up	5,00,000
2,500 Equity shares of Rs. 100 each, Rs. 75 paid up	1,87,500
7,500 Equity shares of Rs. 100 each, Rs. 60 paid up	4,50,000
15% Debentures secured by a floating charge	2,50,000
Creditors	3,18,750
Interest outstanding on debentures	37,500
	17,43,750

Assets	Rs.
Land and Buildings	2,50,000
Machinery and Plant	6,25,000
Patents	1,00,000
Stock	1,37,500
Sandry Debtors	2,75,000
Cash at Bank	75,000
Profit and Loss A/c	2,81,250
	17,43,750

Preference dividends were in arrears for 2 years and the creditors included preferential creditors of Rs. 38,000.

The Assets realised as follows : Land and Buildings Rs. 3,00,000; Machinery and Plant Rs. 5,00,000; Patents Rs. 75,000; *Stock Rs. 1,50,000; Sundry Debtors* Rs. 2,00,000.

The expenses of liquidation amounted to Rs. 27,250. The liquidators is entitled to a commission of 3% on assets realised except cash. Assuming the final payments including those on debentures is made on 30th June, 1992, preference shareholders have a right of dividend at the time liquidation show the liquidator's final statement of account.

दो वर्षों से पूर्वाधिकार लाभांश बकाया था और लेनदारों में पूर्वाधिकार लेनदार 38,000 रु० के सम्मिलित थे।

सम्पत्तियों से वसूली इस प्रकार हुई : भूमि एवं भवन 3,00,000 रु०; मशीन एवं प्लाण्ट 5,00,000 रु०; पेटेण्ट्स 75,000 रु०; स्टॉक 1,50,000 रु०; विविध देनदार 2,00,000 रु०।

समापन व्यय 27,250 रु० के हुए। निस्तारक रोकड़ को छोड़कर वसूल की गई सम्पत्तियों पर 3% कमीशन का अधिकारी है। यह मानते हुए कि ऋणपत्रधारियों सहित सभी भुगतान 30 जून, 1992 को हो गए। पूर्वाधिकार अंशधारियों को समापन की दशा में लाभांश पाने का अधिकार है। निस्तारक का अन्तिम लेखा विवरण तैयार कीजिये।

Solution : **Liquidator's Final Statement of Account**

Receipts		Rs.	Payments		Rs.
Assets realised			Liquidation expenses		27,250
Bank		75,000	Liquidators' remuneration		
Other assets :			(3% on Rs. 12,25,000)		36,750
Land and Buildings	3,00,000		Debentureholders		
Machinery & Plants	5,00,000		Debentures	2,50,000	
Patents	75,000		Interest accrued	37,500	
Stock	1,50,000		Interest for 6 months	18,750	
Sundry Debtors	2,00,000				3,06,250
		12,25,000	Preferential Creditors		38,000
Calls on equity shares			Unsecured Creditors		2,80,750
(7,500 × Rs. 2·65)		19,875	Preference Shareholders :		
			Pref. Capital	5,00,000	
			Arrears of dividends	1,00,000	
					6,00,000
					12,89,000
			Equity Shareholders		
			(Rs 12·35 each on		
			2,500 shares)		30,875
		13,19,875			13,19,875

Working Notes :

(1) Liquidator's remuneration @ 3% on amount realised :

$$\text{Rs. } 12{,}25{,}000 \times \frac{3}{100} = \text{Rs. } 36{,}750$$

(2) As the company is solvent interest on debentures will have to be paid for the period 1-1-1992 to 30-6-1992 :

$$2,50,000 \times \frac{15}{100} \times \frac{1}{2} = \text{Rs. } 18,750$$

	Rs.
(3) Total Equity paid up Capital	6,37,500
Less : Balance available after payment to Unsecured Creditors and Preference Shares (13,00,000 – 12,89,000)	11,000
Loss to be borne by 10,000 Equity Shareholders	6,26,500

Loss per share Rs 6,26,500 ÷ 10,000 = Rs. 62·65

Hence, amount of call on Rs. 60 paid shares	Rs.	2·65
Refund to Rs. 75 paid up shares	Rs.	12·35

अभ्यासार्थ प्रश्न

सैद्धान्तिक प्रश्न (Theoretical Questions)

1. What is liquidation of companies ? What are the various modes of winding up of a company ?

कम्पनियों का समापन क्या है ? एक कम्पनी के समापन के विभिन्न प्रकार क्या हैं ?

2. What is meant by winding up, contributories and preferential payments ? How should a liquidator make disbursements ?

समापन, अंशदायी और अधिमानी भुगतानों का अर्थ समझाइये। एक परिसमापक को संवितरण किस प्रकार से करना चाहिए ?

3. How are the liabilities of 'B list contributories' determined ? Illustrate by taking a suitable example.

'बी सूची के अंशदायों' के दायित्व किस प्रकार निर्धारित किये जाते हैं ? एक उपयुक्त उदाहरण लेकर स्पष्ट कीजिये।

4. Explain clearly what is meant by preferential creditors ?

स्पष्ट रूप से समझाइये कि पूर्वाधिकार लेनदारों से क्या आशय होता है ?

5. What is Statement of Affairs ? When is it prepared ? Give a specimen form of this statement and explain it.

स्थिति विवरण क्या होता है ? यह कब तैयार किया जाता है ? इस विवरण का एक नमूना तैयार कीजिये और उसकी व्याख्या कीजिये।

6. What do you understand by 'Liquidator's Statement of Account'? When is it prepared and how?

'निस्तारक के लेखा विवरण' से क्या आशय है? वह कब और कैसे तैयार किया जाता है?

व्यावहारिक प्रश्न Practical Questions) :

7. The liquidation of X Ltd. commenced on 1st July, 1992 and the assets were insufficient to pay the creditor Unpaid amounts could not be realised from 'A' list contributories. Prepare a statement of liability of 'B' list contributories from the details given below:

एक्स लि० का समापन 1 जुलाई, 1992 को आरम्भ हुआ और कम्पनी की सम्पत्तियां लेनदारों को चुकाने के लिए अपर्याप्त थी। 'अ' सूची धनदाताओं से अदत्त राशियां वसूल नहीं हो सकीं। नीचे दिये गये विवरणों से 'ब' सूची के धनदाताओं के दायित्वों का विवरण तैयार कीजिए :

Shareholders	No of shares transferred	Date of transfer	Debts outstanding on the date of transfer Rs.
Ram	500	15 6 1991	10,000
Shyam	900	15 9 1991	12,000
Madan	600	15 11 1991	15,000
Sunder	300	15 3 1992	18,750

All the shares were of Rs 25 each of which Rs 15 was paid up

सभी अंश 25 रु० प्रत्येक के थे जिसमें से 15 रु० प्रदत्त थे।

Answer : Liability of Shyam Rs 6,000, Madan Rs 6,000 and Sunder Rs. 3,000

(4 1)

8 The following particulars were extracted from the books of Going Company Ltd. on 31st March, 1992 on which date a winding up order was made

निम्नलिखित विवरण 31 मार्च 1992 को, जिस तिथि पर समापन का आदेश दिया गया, गोईंग कम्पनी लि० की पुस्तकों से लिये गये हैं

	Rs.		Rs
Equity share capital : 20,000 shares of Rs. 10 each Rs. 5 called up	1,00,000	Rates and taxes	2,000
Calls in arrear (Rs. 6,000) estimated to produce	5,000	Wages and salaries	4,000
6% Preference share capital : 20,000 shares of Rs. 10 each fully called up and paid up	2,00,000	Bills payable	90,000
5% Debentures secured by first floating charge	1,50,000	Creditors	80,000
Bank overdraft secured by second floating charge	15,000	Bills receivable in hand	12,000
Fully secured creditors (secured on investments)	30,000	Debtors—Good	13,000
Partly secured creditors (secured on investments)	20,000	Doubtful (estimated to produce 50%)	7,000
Investments (with fully secured creditors Rs 40,000) estimated to realise	35,000	Bad	6,000
Investments (with partly secured creditors Rs. 25,000) estimated to realise	10,000	Bills discounted Rs. 30,000, likely to rank	10,000
		Contingent liability Rs. 15,000, likely to be paid	7,000
		Land and Building (estimated to produce Rs. 1,00,000)	1,40,000
		Stock in trade (estimated to produce Rs. 40,000)	60,000
		Machinery estimated to produce	2,000
		Cash in hand and at bank	200

You are required to prepare a statement of affairs and deficiency account. No journal entry for rent payable Rs. 2,500 was made so far.

आपको स्थिति विवरण एवं न्यूनता खाता तैयार करना है। 2,500 रु० के देय किराये के सम्बन्ध में कोई जर्नल प्रविष्टि नहीं की गई।

Answer : Deficiency as regards members Rs. 4,88,800, (4·2)

9. On January 31, 1992 a compulsory order for winding up was made against X Company Limited, the following particulars being disclosed :

31 जनवरी, 1992 को एक्स कम्पनी लिमिटेड के विरुद्ध अनिवार्य समापन का आदेश पारित हुआ, निम्नलिखित तथ्य प्रकट हुए :

	Book value	(Estimated to produce)
	Rs.	Rs.
Cash in hand	100	100
Debtors	4,000	3,600
Land and Buildings	60,000	48,000
Furniture and Fixtured	20,000	20,000
Unsecured Creditors	20,000	

	Rs.
(a) Calls in arrears on preference shares are estimated to produce	10,000
(b) Mortgage Debentures are secured by a floating charge on all the assets of the company.	
(c) (i) Fully secured creditors have a first charge on Land and Buildings	1,10,000
(ii) Partly secured creditors have a second charge on Land and Buildings to the extent of Rs. 30,000	65,000
(iii) Preferential Creditors	20,000
(d) Bills discounted Rs. 20,000. Liabilities on them is estimated to rank	5,000
(e) Bills Receivable considered to be bad	10,000
(f) Book Debts—Good	2,20,000
(g) Stock is estimated to produce	1,10,000
(h) Machinery, mortgaged to the Bank against the overdraft, is estimated to produce	70,000
(i) Land and Buildings are estimated to produce	2,40,000

You are required to make out Statement of Affairs as regards creditors and contributories and also a Deficiency Account.

एक स्थिति विवरण-पत्र ऋणदाताओं के सम्बन्ध में और दूसरा धनदाताओं (contributories) के सम्बन्ध में बनाइये और न्यूनता खाता भी बनाइये :

Answer : Deficiency as regards members Rs. 4,75,000. (4·4)

11. Balance Sheet of Good Luck Ltd. as at 31st December, 1991 is as below :

31 दिसम्बर, 1991 को गुड लक लि० का चिट्ठा निम्न प्रकार है :

Liabilities	Amount	Assets	Amount
	Rs.		Rs.
Share Capital :		Land and Buildings	1,00,000
20,000 6% Preference Shares of Rs. 10 each fully paid	2,00,000	Machinery	2,50,000
2,000 Equity Shares of Rs. 100 each Rs. 75 paid	1,50,000	Patents	40,000
3,000 Equity Shares of Rs. 100 each Rs. 60 paid	1,80,000	Stock	1,25,000
5% Debentures having a floating charge on all assets	1,00,000	Sundry Debtors	1,15,000
Interest outstanding	5,000	Cash at Bank	30,000
Creditors	1,45,000	P. & L. A/c	1,20,000
	7,80,000		7,80,000

The company went into liquidation on above date. The preference dividends were in arrears for two years. Creditors include a loan for Rs. 50,000 on the mortgage of Land and Building

The assets were realised as follows :

Land and Building Rs. 1,20,000, Machinery Rs 1,00,000, Patents Rs. 30,000, Stock Rs. 1,00,000, Sundry Debtors Rs. 90,000.

The expenses of liquidation amounted to Rs. 10,000, Preferential creditors amount to Rs. 15,000.

The liquidator made necessary call on partly paid up equity shares.

Prepare the Liquidator's Statement of Account.

उपर्युक्त तिथि को कम्पनी समापन में चली गई। पूर्वाधिकार लाभांश दो वर्षों के बकाया हैं। लेनदारों में 50,000 रु० का भूमि एवं भवन पर बन्धक ऋण सम्मिलित है।

सम्पत्तियाँ इस प्रकार वसूल की गईं :

भूमि एवं भवन 1,20,000 रु०, मशीन 1,00,000 रु०, पेटेण्ट 30,000 रु०, स्टॉक 1,00,000 रु०, विविध देनदार 90,000 रु०।

समापन व्यय 10,000 रु० के हुए, पूर्वाधिकार लेनदारों की राशि 15,000 रु० है।

निस्तारक ने अंशतः प्रदत्त ईक्विटी अंशों पर आवश्यक राशि माँग ली।

निस्तारक का लेखा विवरण तैयार कीजिए।

Answer . Calls made on 3,000 equity shares @ Rs. 15 each and payment made to 5,000 equity shares @ Rs. 11 00 per share (4 5)

12. X Ltd. went into voluntary liquidation on 31st December, 1991. The balances in its books on that day were

एक्स लिमिटेड 31 दिसम्बर, 1991 को ऐच्छिक समापन में चली गई। उसकी पुस्तकों में उस दिन निम्नलिखित शेष थे :

	Rs.		Rs
Share Capital		Land & Buildings	2,50,000
4,000 6% Preference Shares of		Plant & Machinery	5,50,000
Rs. 100 each	4,00,000	Stock	1,20,000
3,000 Equity Shares of Rs. 100		Sundry Debtors	2,50,000
each, Rs. 80 paid	2,40,000	Loans	10,000
5,000 Equity Shares of Rs. 100		Cash at Bank	50,000
each, Rs. 70 paid	3,50,000	Profit & Loss Account	2,50,000
5% Debentures secured by a		Preliminary Expenses	20,000
floating charge	2,00,000		
Interest on Debentures	10,000		
Creditors	3,00,000		
	15,00,000		15,00,000

The liquidator is entitled to a commission of 3% on actual cash realised by him excepting Cash at Bank and 2% on amounts distributed among equity shareholders. Creditors include Preferential Creditors Rs 40,000 and a loan of Rs. 1,00,000 secured on mortgage of Land and Buildings. Land and Buildings were sold by the creditor and the liquidator realised surplus money from him. The preference share dividend were in arrears for two years. The arrears are payable automatically on liquidation. The assets realised as follows

Land and Buildings 20 over book value; Stock 5% over book value; Plant and Machinery and debtors 10% less than the book value; Loans are wholly bad. The expenses of liquidation amounted to Rs 18,480.

Assuming the payment was made on 31st March, 1992, prepare Liquidator's Final Statement of Account.

निस्तारक को उसके द्वारा वसूल की गई वास्तविक राशि (बैंक में रोकड़ को छोड़कर) पर 3 प्रतिशत तथा इक्विटी अंशधारियों में वितरित की गई राशि पर 2% कमीशन प्राप्त करने का अधिकार है। लेनदारों में पूर्वाधिकार लेनदार 40,000 रु० तथा भूमि एवं भवन पर सुरक्षित ऋण 1,00,000 रु० सम्मिलित है। भूमि एवं भवन लेनदार द्वारा बेची गई तथा निस्तारक ने उससे आधिक्य को वसूल किया। पूर्वाधिकार अंश लाभांश गत दो वर्षों से बकाया थे। समापन पर इस बकाया राशि का स्वतः भुगतान होना है। सम्पत्तियों से निम्नलिखित धन राशि वसूल हुई

भूमि एवं भवन पुस्तक मूल्य से 20 प्रतिशत अधिक; पुस्तक मूल्य से 5 प्रतिशत अधिक; प्लान्ट और मशीनरी तथा देनदार—पुस्तक मूल्य से 10 प्रतिशत कम; ऋण पूर्णरूपेण अप्राप्य है। समापन के व्यय 18,480 रु० थे।

यह मानते हुए कि भुगतान 31 मार्च, 1992 को किया गया है, निस्तारक के अन्तिम हिसाब का विवरण बनाइए।

Answer Equity Shareholders receive Rs. 1,82,000 in all. (4·6)

13 On December 31, 1991, Hind Ltd. went into voluntary liquidation and on examination the liquidator found that its position was as under :

31 दिसम्बर, 1991 को हिन्द लि० ऐच्छिक समापन में चली गई और निस्तारक ने जाँच के बाद पाया कि इसकी स्थिति इस प्रकार थी :

Assets :	Rs.
Book Debts	2,00,000
Stock	2,50,000
Plant	2,00,000
Goodwill	3,00,000
	9,50,000

Less : Liabilities :	Rs.		
Bank Overdraft	3,00,000		
Unsecured Creditors	1,48,000		
Preferential Creditors	2,000		
			4,50,000
		Surplus	5,00,000
Shareholders' Capital :			
Preference Shares :			
1,000 of Rs. 100 each fully paid			1,00,000
Equity Shares :			
2,000 of Rs. 100 each fully paid			2,00,000
2,000 of Rs 100 each, Rs 75 per share paid up			1,50,000
			4,50,000

The assets realised the following amounts :
(सम्पत्तियों से निम्नलिखित राशियाँ वसूल हुईं) :
Book Debts Rs. 1,80,000; Stock Rs. 2,05,000; Plant Rs 1,60,000 and Liquidation Expenses and Remuneration Rs 5,000.

Shri Bhola Shanker holding 1,000 partly paid equity shares was adjudged as insolvent and nothing can be expected from him. The liquidator made necessary calls to settle the amounts. Prepare Liquidator's Final Statement of Receipts and Payments.

श्री भोला शंकर को जिसके पास 1,000 अंशतः प्रदत्त ईक्विटी अंश थे दिवालिया घोषित किया गया और उससे कुछ भी वसूल होने की प्रत्याशा नहीं है।

निस्तारक ने दायित्वों का निपटारा करने के लिए आवश्यक माँग की।

निस्तारक के प्राप्ति एवं भुगतान का अन्तिम विवरण तैयार कीजिये।

Answer Calls made on 1,000 shares @ Rs 20 each and payment made to 2,000 shares @ Rs. 5 each. (4 7)

14. The following is the Balance Sheet of M/s Unfortunate Limited as on 31st December 1991 :

31 दिसम्बर, 1991 को मैसर्स अनफार्चुनेट लिमिटेड का चिट्ठा अग्रलिखित है :

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
Share Capital :		Land and Buildings	2,00,000
Authorised and Subscribed		*Plant and Machinery*	5,00,000
4,000 6% Preference Shares		Patents	80,000
of Rs. 100 each	4,00,000	Stock at cost	1,10,000
2,000 Equity Shares of Rs. 100		Sundry Debtors	2,20,000
each, Rs. 75 paid up	1,50,000	Cash at Bank	60,000
6,000 Equity Shares of Rs. 100		Profit and Loss *A/c*	2,40,000
each, Rs. 60 paid up	3,60,000		
5% Debentures (having a floating *charge on all the assets*)	2,00,000		
Interest outstanding on debentures (also secured as above)	10,000		
Creditors	2,90,000		
	14,10,000		14,10,000

On that date, the company went *into liquidation.* The dividends on preference shares were in arrear for two years. The arrears are payable on liquidation as per the articles of the company. Creditors include a loan of Rs. 1,00,000 on mortgage of Land and Buildings. The assets realised are as under :

इस तिथि को कम्पनी समापन में चली गई। पूर्वाधिकार अंशों पर दो वर्षों के लाभांश बकाया हैं। कम्पनी के अन्तर्नियमों के अनुसार समापन पर बकाया का भुगतान करना है। लेनदारों में भूमि एवं भवन के बन्धक पर 1,00,000 रु० का ऋण सम्मिलित है वसूल की गई सम्पत्तियाँ इस प्रकार हैं :

	Rs.
Land and Buildings	2,40,000
Plant and Machinery	4,00,000
Patents	60,000
Stock	1,20,000
Sundry Debtors	1,60,000

The expenses of liquidation amounted to Rs. 21,800. The liquidator in entitled a commission of 3% on all assets realised (except Cash at Bank) and a commission of 2% on amounts distributed among unsecured creditors. Preferential creditors amount to Rs. 30,000. *All payments were made on 30-6-1992.*

समापन व्यय 21,800 रु० के हुए। निस्तारक वसूल की गई सम्पत्तियों (बैंक में रोकड़ को छोड़कर) पर 3% एवं असुरक्षित लेनदारों में वितरित की गई राशि पर 2% कमीशन पाने का अधिकारी है। पूर्वाधिकार लेनदार 30,000 रु० के हैं। सभी भुगतान 30 जून, 1992 को कर दिये गये।

Prepare the Liquidator's *Statement of Account.*

निस्तारक का लेखा विवरण तैयार कीजिए।

Answer : Liquidator's remuneration Rs. 33,200; Refund to 2,000 Equity Shares @ Rs. 15·25 per share and 6,000 Equity Shares @ Rs. 0·25 per share. (4.8)

15. The Hindustan Ltd. went into voluntary liquidation on 31st December, 1991, with undermentioned assets and liabilities The capital of the company consisted of 1,000 shares of Rs 500 each fully paid :

31 दिसम्बर, 1991 को हिन्दुस्तान लि० का निम्नलिखित सम्पत्तियों एवं दायित्वों के साथ समापन हुआ। कम्पनी की अंश पूंजी पूर्ण प्रदत्त 500 रु० वाले 1,000 अंशों में विभाजित थी :

Assets	Rs.
Cash in hand	750
Stock-in-trade which realised	29,600
Book debts which realised	49,200
Furniture which realised	1,050
Investment lodged with bankers against overdraft which were sold by bankers	4,900
Liabilities	
Unsecured Creditors	53,775
Preferential Creditors	5,295
Bank Overdraft	4,000
5% Debentures, secured by a floating charge on the undertaking, Interest on which was paid on 30th June, 1991	44,000

The excess amount realised by the sale proceeds of investments were remmitted by the bankers to the liquidator The debentures were paid off on 30th June, 1992 together with interest to date of winding up and a first and final dividend distributed to the creditors The liquidator's remuneration is to be calculated at the rate of 3% on the net amount realised i e excluding the amount paid to the secured creditors out of the proceeds of his security, and 2% on the amount distributed to the unsecured creditors. The expenses of winding up amount to Rs. 1,014 75 Prepare the liquidator's final statement of account showing the rate and the amount of the final dividend payable to the unsecured *creditors.*

बैंक ने विनियोगों के बेचने से अधिशेष राशि को निस्तारक को लौटा दी। 30 जून, 1987 को ऋण-पत्रों का भुगतान किया गया तथा उन पर समापन की तिथि तक का ब्याज दिया गया। उसी तारीख को लेनदारों को भी प्रथम तथा अन्तिम लाभांश दिया गया। निस्तारक के पारिश्रमिक की गणना शुद्ध वसूली मूल्य (रोकड़ को सम्मिलित करते हुए परन्तु प्रतिभूति में से सुरक्षित लेनदारों को भुगतान की गई राशि को छोड़ते हुए) पर 3% कमीशन तथा अरक्षित लेनदारों को वितरित की गई राशि पर 2% कमीशन के हिसाब से करनी है। समापन के व्यय 1,014 75 रु० थे। निस्तारक के अन्तिम हिसाब का विवरण, लेनदारों को अन्तिम लाभांश के रूप दी हुई राशि तथा दर को व्यक्त करते हुए बनाइए।

Answer : Liquidator's Remuneration (including preferential creditors) Rs. 3,090 90 and final payment to Unsecured Creditors Rs 26,999 35. (4 9)

16. The Breakfast Food Ltd., went into voluntary liquidation on 31st December, 1991 The balances in its books on 31-12-1991 are as under .

31 दिसम्बर, 1991 को ब्रेकफास्ट फूड्स लिमिटेड ऐच्छिक समापन में चली गई। इसकी पुस्तकों में 31 दिसम्बर, 1991 को शेष इस प्रकार हैं :

	Rs.		Rs.
Share Capital :		Land and Buildings	2,50,000
Authorised and Subscribed :		Machinery and Plant	6,25,000
5,000 6% Cumulative Preference Shares of Rs. 100 each fully paid	5,00,000	Patents	1,00,000
		Stock	1,37,500
		Sundry Debtors	2,75,000
2,500 Equity Shares of Rs. 100 each, Rs. 75 paid	1,87,500	Cash at Bank	75,000
		Profit & Loss A/c	3,00,000
7,500 Equity Shares of Rs. 100 each Rs. 60 paid	4,50,000		
5% Mortgage Debentures	2,50,000		
Interest Outstanding	12,500		
Creditors	3 62,500		
	17,62,500		17,62,500

The liquidator is entitled to a commission of 3% on all assets realised except cash and 2% on amounts distributed among unsecured creditors other than preferential creditors.

Creditors include preferential creditors Rs. 37,500 and loan for Rs. 1,25,000 secured by a mortgage on land and buildings. The preference dividends were in arrears for two years and it will be paid before the payment made to Equity shareholders. The assets realised as follows :

निस्तारक नकद को छोड़कर वसूल की गई समस्त सम्पत्तियों पर 3%, तथा पूर्वाधिकार लेनदारों को छोड़कर सभी असुरक्षित लेनदारों में वितरित की गई राशि पर 2% कमीशन पाने के लिए अधिकृत है।

लेनदारों में 37,500 के पूर्वाधिकार लेनदार तथा 1,25,000 का भूमि एवं भवन के बन्धक पर सुरक्षित ऋण सम्मिलित है, दो वर्षों के पूर्वाधिकार लाभांश बकाया है एवं इसका भुगतान ईक्विटी अंशधारियों से पहले करना है। सम्पत्तियाँ इस प्रकार वसूल की गई :

Land and Buildings Rs 3,00,000; Machinery and Plant Rs. 5,00,000; *Patents* Rs. 75,000; Stock Rs. 1,50,000 and Sundry Debtors Rs. 2,00,000.

The expenses of liquidation amounted to Rs. 27,250. Prepare the Liquidator's Final Statement of Account.

समापन पर व्यय 27,250 हुए। निस्तारक का अन्तिम लेखा विवरण तैयार कीजिए।

Answer : Payment made to equity shareholders Rs. 15 per share on 2,500 shares Re. 0·95 on 10,000 shares. (4 10)

17. On 31st December, 1991, Z Ltd. went into voluntary liquidation. Its Balance Sheet as on date that was as under :

31 दिसम्बर, 1991 को जैड लि० ऐच्छिक समापन में चली गई। उक्त तिथि को इसका चिट्ठा इस प्रकार था :

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
Share Capital:		Goodwill	2,50,000
2,000 6% Cumulative Preference		Buildings	2,80,000
shares of Rs. 100 each	2,00,000	Machinery	3,55,000
1,000 7% Non cumulative		Stock	4,85,000
Preference shares of Rs. 100		Sundry Debtors	3,62,000
each	1,00,000	Cash in hand	3,000
5,000 Equity Shares of Rs. 80		Profit & Loss A/c	4,85,000
each fully paid	4,00,000		
12,500 Equity shares of Rs. 80 each, Rs. 40 per share called and paid up	5,00,000		
	12,00,000		
Sundry Creditors	9,95,000		
Bank Overdraft (having a floating charge on the assets)	25,000		
	22,20,000		22,20,000

Note : (a) Dividends on cumulative preference shares are two years in arrear and dividends on non-cumulative preference shares are four years in arrear.

(b) Sundry Creditors include :

(i) Outstanding income-tax demanded but not paid Rs. 2,50,000, (ii) Municipal rates Rs. 4,000, (iii) Wages of factory workers Rs. 10,000, (iv) Loans fully secured by mortgage on Buildings Rs. 2,00,000.

नोट : (a) सचयी पूर्वाधिकार अंशो पर लाभाश दो वर्षों से बकाया है जबकि गैर-सचयी पूर्वाधिकार अंशो पर लाभाश चार वर्षों से बकाया है। (b) विविध लेनदारो में सम्मिलित है : (i) प्रदत्त आय-कर मांगा गया लेकिन चुकाया नही गया 2,50,000 रु० (ii) म्युनिसिपल दरें 4,000 रु० (iii) कारखाना कर्मचारी की मजदूरी 10,000 रु० (iv) भवन के बन्धक पर पूर्ण सुरक्षित ऋण 2,00,000 रु०।

The liquidator realised the assets as follows :

निस्तारक ने सम्पत्तियो से वसूली निम्न प्रकार की :

	Rs.
Buildings	2,25,000
Machinery	1,00,000
Stock	3,00,000
Sundry Debtors	3,00,000

The liquidator by way of his own remuneration, is entitled to 3% of the amount realised from the sale of assets and 2% of the amount distributed to the unsecured creditors. Liquidation expenses amounted to Rs. 5,000.

निस्तारक अपने पारिश्रमिक के रूप [redacted] सम्पत्तियों के विक्रय से वसूल की गई राशि पर 3% तथा असुरक्षित लेनदारों को बाँटी गई राशि पर 2% से पारिश्रमिक पाने का अधिकारी है। समापन व्यय 5,000 रु० के थे।

Prepare the liquidator's final statement of account showing the distribution.

वितरण बताते हुए निस्तारक का अन्तिम लेखा विवरण तैयार कीजिए।

Answer : Calls made on 12,500 equity shares @ Rs. 40 each and paid 17,500 equity shares @ Rs. 3·38 each. (4·11)

18. A Ltd got into financial difficulties and on 31st march 1992 a receiver was appointed by the debentureholders under the terms of the agreement which provided a floating charge.

A resolution for voluntary winding up was passed on April 30, 1992 when a liquidator was appointed.

The following is a summary of the company's position as on 31-3-1992 :

ए लिमिटेड को वित्तीय कठिनाइयाँ आ गई और ऋणपत्रधारियों द्वारा शर्तानुसार, 31 मार्च 1992 को प्रापक नियुक्त किया गया। ऋणपत्रधारियों को सम्पत्तियों पर चल प्रभार था।

30 अप्रैल, 1992 को ऐच्छिक समापन के लिए प्रस्ताव पारित किया गया और उसी तारीख को निस्तारक की नियुक्ति भी की गई।

31 मार्च, 1992 को कम्पनी की आर्थिक स्थिति निम्न प्रकार थी :

Balance Sheet

		Rs.		Rs.
200 6% Preference Shares of Rs. 100 each fully paid		20,000	Fixed Assets	77,500
1,00,000 Equity Shares of Re. 1 each, 0.80 paise Rs. called up	80,000		Stock	61,230
Less : Calls in arrears 20 paise per share on 5,000 shares	1,000	79,000	Debtors	21,365
Capital Reserve		8,000	Profit & Loss A/c	59,225
5% Debentures	20,000			
Interest Accrued	375	20,375		
Bank Loan @ $5\frac{1}{2}\%$ p. a. (Collaterally secured by depositing debentures worth Rs. 10,000 ranking equally with the above)		8,800		
Creditors		83,145		
		2,19,320		2,19,320

Creditors comprised as follows : (लेनदारों में निम्नलिखित सम्मिलित थे) :

	Rs.		Rs.
1. Local Taxes	148	6. Loan by a director to enable salaries for the month of March, 1992 to be paid	2,600
2. Sales Tax	130	7. Remaining Creditors	75,567
3. Managing Director's Remuneration	1,200		83,145
4. Director's Fees	3,000		
5. Income Tax	500		

The Receiver collected Rs. 12,490 from debtors and sold some of the stock for Rs. 30,792. His expenses and remuneration amounted to Rs 2,800 On June 30, 1992 he made all his obligatory payments and transferred the balance to the liquidator.

The liquidator realised Rs. 42,886 from the fixed assets and Rs. 28,339 from the remaining stock and collected the rest of the book debts in full.

He made a final call The call was paid in full by all the shareholders except one who owed Rs. 1,000 for calls in arrear because he could not be traced.

The liquidator made his distribution on August 31, 1992. His expenses amounted to Rs 305 His remuneration was fixed at a sum equal to 2% on the amount realised by him and 1% on the amount what so ever distributed by him.

The Company's articles provided that the preference shareholders, together with any arrears of dividend to the date of winding up, should rank in priority to the equity *shareholders. No dividend on preference shares has been paid since July 1, 1990.*

You are required to prepare :

(i) Receiver's Receipts and Payments Account, and

(ii) Liquidator's Final Statement of Account

प्रापक (Receiver) ने लेनदारों से 12,490 रु० तथा आंशिक स्टॉक की बिक्री से 30,792 रु० एकत्रित किए। उसका व्यय तथा पारिश्रमिक 2,800 रु० हुआ। 30 जून, 1992 को उसने समस्त आवश्यक भुगतान कर दिए और शेष धन राशि को निस्तारक को हस्तान्तरित कर दिया।

निस्तारक ने स्थायी सम्पत्तियों से 42,886 रु० शेष स्टॉक की बिक्री से 28,339 रु० तथा शेष देनदारों से समस्त धन वसूल किया। उसने अंशों पर अन्तिम माँग की जो पूर्ण प्राप्त हो गई, केवल उस अंशधारी से कोई रकम प्राप्त न हो सकी जिसकी तरफ 1,000 रु० की बकाया माँगें थीं क्योंकि उसका कहीं पता ही न लग सका।

निस्तारक ने 31 अगस्त, 1992 को धन राशि का वितरण किया। उसका व्यय 305 रु० हुआ। पारिश्रमिक वसूल किए हुए धन पर 2% और वितरित (जो भी) किए गए धन पर 1% की दर से निश्चित हुआ था।

कम्पनी के नियमों में यह प्रावधान था कि पूर्वाधिकार अंशों को उनके *लाभांश की बकाया सहित (उसका* समापन की तारीख तक का) इक्विटी अंशधारियों के पूर्व भुगतान किया जायेगा। 1 जुलाई, 1990 से पूर्वाधिकार अंशों पर कोई लाभांश नहीं दिया गया था।

आपको निम्नलिखित तैयार करना है :

(i) प्रापक का एक प्राप्ति तथा भुगतान खाता, तथा

(ii) निस्तारक का अन्तिम लेखा विवरण।

Answer : Liquidator's Remuneration Rs. 3,016 and Refund of Capital Rs. 1,370.)

Note— *Calls realised by him will be included in amount realised.* *(4 12)*

19. A Limited Company which has a paid up share capital of Rs. 5,00,000 and a loss of Rs. 2,57,000 standing in its Balance Sheet went into voluntary liquidation on 31st March, 1992. The following are the particulars of its assets and liabilities as on that date :

31 मार्च, 1992 को एक सीमित कम्पनी जिसके चिट्ठे में पूर्णदत्त अंश पूँजी 5,00,000 रु० तथा हानि 2,57,000 रु० थी, ऐच्छिक समापन में गई। उस तिथि पर उसकी सम्पत्तियों व दायित्वों का विवरण निम्न प्रकार था :

Machinery, Stock and Debtors (which realised their book value) Rs. 3,95,000; Cash Rs. 5,000; Creditors Rs. 2,00,000; 6% Debentures carrying a floating charge Rs. 2,50,000 and interest accrued thereon for six months.

The Debentures were paid of with interest upto 30th September, 1992 on which date the first and final dividend was also paid to the creditors. Creditors for Rs. 25,000 were preferential and the rest unsecured. The cost of liquidation amounted to Rs. 2,500. The liquidator is entitled to 3% on the amount realised including cash in hand and 2% on the amount distributed to the unsecured creditors by way of his own remuneration.

ऋणपत्रों का 30 सितम्बर, 1992 तक ब्याज सहित भुगतान कर दिया गया। उसी तिथि को लेनदारों को भी प्रथम व अन्तिम लाभांश का भुगतान किया गया। 25,000 रु० के लेनदार पूर्वाधिकार थे तथा शेष असुरक्षित थे। समापन व्यय 2,500 रु० थे। निस्तारक को रोकड़ सहित वसूल की गई राशि पर 3% तथा असुरक्षित लेनदारों को वितरित की गई राशि पर 2% पारिश्रमिक के रूप में प्राप्त करने का अधिकार है।

Prepare the Liquidator's Final Statement of Account.

निस्तारक के अन्तिम हिसाब का विवरण बनाइये।

Answer : Liquidator's Remuneration Rs. 14,363 and Final payment made to Unsecured Creditor Rs. 93,137. (4·13)

5

ख्याति का मूल्यांकन
(Valuation of Goodwill)

ख्याति की अवधारणा (Concept of Goodwill)

किसी भी व्यवसाय का प्रारम्भ करने में व्यवसायी को अनेक प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। फिर भी यह आवश्यक नहीं है कि व्यवसाय लाभदायकता पूर्ण तरीके से ही चले। इसके अतिरिक्त व्यवसाय के समापन की दशा में पूंजी नष्ट होने का भी भय रहता है। अतः किसी चालू व्यवसाय को खरीदने में किसी प्रकार की जोखिम भी नहीं रहती एवं क्रेता को व्यवसाय प्रारम्भ करने में आने वाली कठिनाइयों का सामना भी नहीं करना पड़ता है। जिस प्रकार एक मोटरकार को चालू करने और उसे गति प्रदान करने में चालक को कई प्रकार की प्रारम्भिक क्रियाएँ करनी पड़ती हैं उसी प्रकार एक व्यवसाय को स्थापित करने एवं उसे अच्छी हालत में लाने [illegible] लिए व्यवसायी को अनेक कार्य करने पड़ते हैं। यदि कार एक बार गति पकड़ लेती है एवं रास्ते में रुकावटें नहीं हैं तो उस चालक की जगह दूसरा व्यक्ति ले लेता है तो भी उसे अब कार को चालू रखने एवं संचालन में उतनी कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ेगा जितना कि पहले वाले चालक को उसे प्रारम्भ करने एवं गति प्रदान करने में करना पड़ा था। ठीक उसी प्रकार एक चालू व्यवसाय को यदि दूसरा व्यक्ति क्रय कर लेता है तो उसे उन कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ेगा जिनका सामना व्यापार के विक्रेता ने पूर्व में किया था। अतः व्यापार के स्वामित्व हस्तान्तरण की दशा में विक्रेता-क्रेता से उन कठिनाइयों के लिए, जो उसने प्रारम्भ में उठाई हैं, कुछ राशि की माँग करता है जिसे ख्याति, पगड़ी, प्रीमियम आदि की संज्ञा दी जाती है।

पुराने व्यवसाय की अपेक्षा नये व्यवसाय में ग्राहकों की संख्या कम होती है और बिक्री कम होने के कारण लाभ की मात्रा भी कम होती है। परन्तु व्यवसायी अपनी ईमानदारी और व्यवहार-कुशलता से कुछ ही समय में प्रसिद्धि अवश्य प्राप्त कर लेता है जिससे उसके ग्राहक स्थायी बन जाते हैं। परिणामस्वरूप व्यवसाय की विक्रय राशि में निरन्तर वृद्धि होती है और व्यापार की ऐसी स्थिति आ जाती है कि उसे अपने स्थायी ग्राहकों को बिक्री करने के लिए विशेष प्रयत्न नहीं करना पड़ता है। अतः जैसे-जैसे व्यवसाय की प्रसिद्धि होगी वैसे-वैसे व्यवसाय की बिक्री बढ़ेगी और अपेक्षाकृत लाभ की मात्रा भी बढ़ेगी। इस प्रकार व्यवसाय की प्रसिद्धि ही उसकी ख्याति में परिवर्तित हो जायेगी और वह संस्था उसी प्रकार के व्यापार में संलग्न अन्य संस्थाओं की अपेक्षा अधिक लाभ कमायेगी और ग्राहकों द्वारा अधिक पसन्द की जायेगी।

ख्याति एक ऐसी सम्पत्ति है जिसे देखा नहीं जा सकता, महसूस किया जा सकता है और इसका कोई रूप भी नहीं होता है। अतः इसे अमूर्त (Intangible) सम्पत्ति कहा जाता है। इसका वर्णन करना आसान है किन्तु इसे परिभाषित करना कठिन है। इसको विभिन्न व्यक्तियों ने विभिन्न रूपों में देखा एवं महसूस किया है एवं उसी प्रकार से परिभाषित भी किया है। कुछ प्रमुख विद्वानों द्वारा भी दी गई ख्याति की परिभाषायें अग्र प्रकार हैं—

लॉर्ड एल्डन के अनुसार, "ख्याति इस सम्भावना से अधिक कुछ नहीं है कि पुराने ग्राहक पुराने स्थान पर ही लौटेंगे।"[1]

लॉर्ड मैक्नाटन ने कमिश्नर ऑफ इनलैण्ड रेवन्यूज बनाम मूलर (Commissioner of Inland Revenues Vs. Muller) नामक वाद में निर्णय देते समय स्वयं ही प्रश्न किया कि ख्याति क्या है? फिर स्वयं ने ही जवाब देते हुए कहा कि, "ख्याति एक ऐसी वस्तु है जिसका वर्णन करना सरल है, किन्तु इसको परिभाषा देना कठिन है। यह व्यवसाय के अच्छे नाम, प्रतिष्ठा और सम्बन्धों से मिलने वाला लाभ है। यह वह आकर्षण-शक्ति है जो ग्राहकों को व्यापारिक संस्था से वस्तु क्रय करने हेतु लाती है। यह एक ऐसी वस्तु है जो पुराने जमे हुए व्यापार को नये व्यवसाय से पृथक् करती है।"" " ख्याति बहुत से तत्वों से मिलकर बनती है, इसके स्वरूप विभिन्न व्यापारों में व एक ही व्यापार में विभिन्न होते हैं।"[2]

उपरोक्त दोनों ही परिभाषाओं में जो व्याख्याएँ द्वारा दी गई हैं, ख्याति को ग्राहकों से सम्बद्ध किया गया है। लॉर्ड एल्डन ने ख्याति को ग्राहकों को पुराने स्थान पर बार-बार लौटने की सम्भावना के रूप में देखा है तो लॉर्ड मैकनाटन ने ख्याति को ग्राहक को बार-बार आकर्षित करने वाली आकर्षण-शक्ति के रूप में परिभाषित किया है। इस प्रकार इन्होंने ख्याति को ग्राहकों तक ही सीमित कर दिया है।

स्पाइसर एवं पेगलर के शब्दों में, "ख्याति उसे कहते हैं जो व्यवसाय की प्रतिष्ठा, सम्बन्ध और उसे प्राप्त अन्य लाभों से उत्पन्न होती है जिसके कारण व्यवसाय अपनी शुद्ध मूर्त सम्पत्तियों में विनियोजित पूँजी पर सामान्य अपेक्षित लाभ से अधिक कमाता है।"[3]

प्रो. डिक्सी के मतानुसार "जब एक व्यक्ति ख्याति के लिए कुछ राशि देता है तो वह राशि इसलिए देता है कि ऐसा करने से वह इतनी अधिक आय प्राप्त करेगा जितनी कि वह बिना इसके प्राप्त नहीं कर सकता।"[4]

जॉनसन के अनुसार, "ख्याति एक सम्पत्ति या व्यवसाय का वह अमूर्त भाग है जिसकी सम्पत्ति ऐसी सम्पत्तियों या व्यवसाय से परोक्ष रूप में सम्बन्धित घटकों के कारण उत्पन्न नहीं होती है। उदाहरणार्थ, ख्याति

---

1. "Goodwill is notoing more than the probability that the old customers will resort to the old place." —Lord Eldon.

2. "Goodwill is a thing very easy to describe, very difficult to define. It is the benefit and advantage of the good name, reputation and connection of a business. It is the attractive force which brings in customers. It is the one thing which distinguishes an old established business from a new business at its first start....... Goodwill is composed of a variety of elements. It differs in its composition in different trades and different businesses to the same trade."

—Lord Macnaghten in Commissioner of Inland Revenues Vs. Muller, 1901.

3. "Goodwill may be said to be that element arising from the reputation, connection, or other advantages possessed by a business which enables it to earn greater profits than the return normally to be expected on the capital represented by net tangible assets employed in the business." —Spicer and Pegler

4. "When a man pays for goodwill, he pays for someting which places him in the position of being able to earn money than he would be able to do by his own unaided efforts." —Prof. Dicksee

की उत्पत्ति व्यवसाय की उत्तम प्रतिष्ठा के कारण या सामान्य लाभ से अधिक लाभार्जन-क्षमता के कारण हो सकती है।"[1]

मोरिसे ने ख्याति को परिभाषित करते हुए कहा है कि, "ख्याति एक संस्था के आशातीत अधिलाभों का वर्तमान मूल्य है।"[2]

प्रो. शुक्ला एवं प्रो. ग्रेवाल ने अपनी पुस्तक में ख्याति को परिभाषित करते हुए लिखा है कि, 'ख्याति एक व्यापार-गृह की यश व कीर्ति का वह मूल्य है जिसका निर्धारण उसी प्रकार के अन्य व्यापार-गृहों द्वारा अर्जित लाभों के सामान्य स्तर से अधिक लाभ कमाने की आशा में किया जाता है।"[3]

इस प्रकार उपरोक्त परिभाषाओं में लेखाशास्त्र के विद्वानों ने ख्याति को एक ऐसी सम्पत्ति के रूप में परिभाषित किया है जिसकी सहायता से व्यवसाय सामान्य लाभों से अधिक लाभ कमाने में सक्षम होता है। अतः लेखाविदों के दृष्टिकोण से ख्याति का आशय उस लाभ के वर्तमान मूल्य से है जिसे भविष्य में उसी प्रकार के व्यवसायों के सामान्य लाभ के अतिरिक्त प्राप्त किये जाने की सम्भावना हो। व्यवसाय के द्वारा सामान्य लाभों से अधिक लाभ केवल इसी कारण से कमाये जाते हैं कि उस व्यवसाय में ख्याति के रूप में कोई अदृश्य सम्पत्ति कार्य कर रही है। अतः इस सम्पत्ति का विक्रय मूल्य भी होना चाहिए। लेखाशास्त्र में ख्याति की परिभाषा को उतना महत्व नहीं दिया जाता जितना कि उसकी विद्यमानता को। लेखाशास्त्री किसी व्यवसाय में ख्याति की विद्यमानता की दो लक्षणों के आधार पर जाँच करते हैं :

(i) क्या वह व्यवसाय सामान्य लाभों से अधिक लाभ कमा रहा है ?

(ii) क्या उस व्यवसाय को बेचने की स्थिति में उसमें विनियोजित पूँजी से अधिक मूल्य प्राप्त होने की सम्भावना है ? यदि इन दोनों ही प्रश्नों का उत्तर हाँ में है तो इसका तात्पर्य है कि व्यवसाय में ख्याति के नाम की कोई सम्पत्ति विद्यमान है जिसके कारण व्यवसाय अधिलाभ (Super Profit) अर्जित कर रहा है और क्रेता व्यवसाय में लगी हुई शुद्ध सम्पत्तियों (Net Assets) के मूल्य से ज्यादा मूल्य प्रतिफल देने को तैयार है।

ख्याति की प्रकृति (Nature of Goodwill)

(1) यद्यपि ख्याति व्यवसाय के स्वामी द्वारा बुद्धि, व्यक्तित्व व ईमानदारी आदि के कारण मूल्यवान बनाई जाती है, फिर भी उसे व्यवसाय की पुस्तकों में सम्पत्ति के रूप में कम ही दिखाया जाता है, जब तक कि उसे खरीदा न गया हो।

(2) *ख्याति 'अमूर्त सम्पत्ति वर्ग' से सम्बन्धित होती है। अन्य सम्पत्तियों की तुलना में,* इस सम्पत्ति की यह विशेषता है कि इसमें प्रयोग से टूट-फूट (Wear and Tear) नहीं होती है। अतः अन्य सम्पत्तियों की भाँति यह ह्रासित भी नहीं होती है। यह अदृश्य है, प्रयोगहीन नहीं होती है और व्यवसाय संचालन के दौरान यह पूर्णतया समाप्त नहीं होती है। इसलिए इसके पुनर्स्थापन की समस्या भी उत्पन्न नहीं होती है।

---

1. "Goodwill is a nebulous term for that part of the value of an asset or business arising from factors not directly associated with the assets or business as such. For instance, Goodwill may arise from the good reputation of the business or the fact that it is making profits above the average due to some particular advantage."
—Johnson

2. "Goodwill is the present value of a firm's anticipated 'excess' earnings."
—Morrissey

3. "Goodwill may be defined as the value of the reputation of a business house in respect of profits expected in future over and above the normal level of profits earned by undertaking belonging to the same class of business."—*Shukla* and Grewal

(3) यद्यपि ख्याति के मूल्य में प्रयोग में आने से ह्रास नहीं होता है किन्तु इसमें उच्चावचन (Fluctuations) होते रहते हैं। जिन व्यवसायों में सामान्य से अधिक लाभ होता है वहाँ पर ख्याति सदैव अदृश्य सम्पत्ति के रूप में विद्यमान रहती है, जबकि लाभ में कमी आने के साथ-साथ इसका मूल्य भी गिरता चला जाता है। अतः ख्याति व्यवसाय का 'सुख का साथी' (Fair Weather Friend) है। जिस प्रकार एक व्यक्ति के सुख के क्षणों में उसके कई व्यक्ति मित्र बन जाते हैं और दुःख के दिनों में सब उससे कतराने लगते हैं उसी प्रकार एक व्यवसाय जब अधिलाभ (Super Profit) कमा रहा होता है तो ख्याति के रूप में अदृश्य सम्पत्ति व्यवसाय में विद्यमान रहती है और लाभों में कमी आने पर या हानि होने पर ख्याति के रूप में कोई सम्पत्ति व्यवसाय में विद्यमान नहीं रहती है। अतः यदि यह पुस्तकों में विद्यमान है तो इसे जितना जल्दी हो सके अपलिखित कर देना चाहिए।

ख्याति को प्रभावित करने वाले घटक (Factors affecting Goodwill)

जैसाकि पहले बताया जा चुका है कि ख्याति व्यवसाय की अधिलाभ अर्जन करने की क्षमता का द्योतक है अतः ऐसे घटक जो लाभों को कमाने में सहायता पहुँचाते हैं वरन् भी ख्याति को प्रभावित करते हैं। ये घटक इस प्रकार हैं :

(i) **व्यवसाय की स्थिति** (Location of the business) : यदि व्यवसाय की स्थापना एक अनुकूल एक प्रमुख स्थान पर की गई है तो इससे ख्याति के मूल्य में वृद्धि होती है। व्यवसाय की बाजार में स्थिति ही प्रमुख रूप से ग्राहकों को आकर्षित करने में सहायता करती है। इस प्रकार, व्यवसाय की अनुकूल स्थिति उसकी ख्याति में वृद्धि करती है।

(ii) **समय घटक** (Time factor) : ख्याति के मूल्य को प्रभावित करने वाले घटकों में दूसरा घटक है कि एक व्यवसाय कितने समय से बाजार में स्थापित है। उदाहरणार्थ, यदि व्यवसाय एक ही स्थान पर स्थापित है तो अन्य बातें समान रहने पर वह व्यवसाय ग्राहकों द्वारा अच्छी तरह जाना जायेगा जो पहले स्थापित हुआ है और उसकी ख्याति का मूल्य अधिक होगा।

(iii) **व्यवसाय की प्रकृति** (Nature of business) : यदि व्यवसाय उन वस्तुओं का व्यापार करता है जो नित्य उपयोग की है एवं जिनकी माँग स्थायी है तो उसमें लाभ भी स्थिर रहेंगे, अतः ऐसे व्यवसाय की ख्याति का मूल्य अधिक होगा। यदि व्यवसायी ऐसी वस्तुओं का व्यापार करता है जिसमें ग्राहकों की रुचि एवं फैशन में परिवर्तन होता रहता है तो ऐसे व्यवसाय के लाभ भी अनिश्चित होंगे और ख्याति का मूल्य भी कम होगा। इसी प्रकार यदि व्यवसाय एकाधिकार स्वभाव का है तो ख्याति का मूल्य अधिक होगा।

(iv) **जोखिम की मात्रा** (Amount of risk) : यदि व्यवसाय में जोखिम अधिक होगी तो ख्याति का मूल्य कम होगा और जोखिम कम होगी तो ख्याति का मूल्य अधिक होगा।

(v) **ग्राहकों का रुख** (Tendency of customers) : जिस व्यवसाय के प्रति ग्राहकों का रुख अनुकूल है तो ख्याति का मूल्य अधिक होगा।

(vi) **आवश्यक पूँजी** (Capital required) : जिस व्यवसाय में तुलनात्मक रूप से कम पूँजी की आवश्यकता होगी उसके अधिक क्रेता होंगे। अतः इससे ख्याति का मूल्य बढ़ जायेगा। दूसरी तरफ, ऐसे व्यवसाय को जिसमें अधिक पूँजी की आवश्यकता पड़ती है कम ही व्यक्ति क्रय करना चाहेगा। इस प्रकार क्रेताओं में प्रतिस्पर्धा का अभाव ख्याति के मूल्य में कमी कर देगा।

(vii) **प्रबन्ध की कुशलता** (Efficiency of management) : कुशल प्रबन्ध व्यवसाय के लाभों को नियोजित उत्पादन एवं वितरण के द्वारा वृद्धि करने में सहायता करता है जिसके परिणामस्वरूप ख्याति का मूल्य बढ़ता है। इसलिए ख्याति का मूल्यांकन करने से पहले इस तथ्य को भी भली प्रकार से देख लेना चाहिए कि भविष्य में ऐसे कुशल प्रबन्ध की सेवाएँ उपलब्ध होती रहेंगी।

(viii) प्रतिस्पर्धा की सम्भावना (Possibility of competition) : भविष्य में सम्भावित प्रतिस्पर्धा या तो स्वयं विक्रेता के द्वारा या अन्य पक्षकारों द्वारा, ख्याति के मूल्य को कम कर देती है।

(ix) मुद्रा बाजार की स्थिति (Condition of money market) : मुद्रा बाजार की परिस्थितियाँ व्यवसाय के अनुकूल हैं तो ऐसे व्यवसाय की ख्याति का मूल्य अधिक होगा।

(x) औद्योगिक शान्ति (Industrial peace) : यदि देश में औद्योगिक शान्ति है तो ख्याति का मूल्य बढ़ जायेगा।

(xi) सरकारी दृष्टिकोण (Government's attitude) : किसी विशिष्ट व्यापार या उद्योग में सरकारी प्रोत्साहन की नीति उस व्यापार या उद्योग में सभी संस्थाओं की ख्याति बढ़ा देती है। इसी प्रकार, किसी व्यवसाय या उद्योग के प्रति सरकार का संदिग्ध दृष्टिकोण उस व्यवसाय में सभी संस्थाओं की ख्याति में कमी कर देता है।

(xii) लाभ की प्रवृत्ति (Tendency of profit) : यदि व्यवसाय के लाभों की प्रवृत्ति वृद्धि की ओर है तो ख्याति की राशि अधिक होगी। लाभों के घटने की प्रवृत्ति ख्याति के मूल्य में कमी कर देती है।

(xiii) विज्ञापन आन्दोलन (Advertisement campaign) – निरन्तर विज्ञापन आन्दोलन करके भी ख्याति का मूल्य बढ़ाया जा सकता है।

ख्याति के मूल्यांकन की आवश्यकता (Need for Valuation of Goodwill)

ख्याति के मूल्यांकन की आवश्यकता संगठन के स्वरूप पर निर्भर करती है। लेकिन सामान्यतः व्यवसाय को बेचने पर ख्याति का मूल्य प्राप्त किया जा सकता है। कोई भी व्यक्ति व्यवसाय की ख्याति (फर्म का नाम, व उसकी विशिष्ट सुविधाएँ) बेचकर व्यवसाय को चालू नहीं रख सकता है। इसी प्रकार कोई भी व्यक्ति ख्याति को इस शर्त पर नहीं खरीद सकेगा कि पुरानी फर्म व्यवसाय को चालू रखेगी। साधारणतया निम्न दशाओं में संगठन के विभिन्न स्वरूपों के लिए ख्याति का मूल्यांकन आवश्यक होता है :

1 एकाकी व्यापार की दशा में (In case of Sole Trader)—

(i) जब व्यापार बेचा जा रहा हो;

(ii) जब एकाकी व्यापारी किसी दूसरे व्यक्ति को साझेदार बना रहा हो; तथा

(iii) आवश्यक क्रय के अन्तर्गत सरकार द्वारा या स्थानीय सत्ता द्वारा व्यापार-भवन को प्राप्त किया जा रहा हो।

2. साझेदारी फर्म की दशा में (In the case of Partnership Firm)—

(i) जब फर्म में नये साझेदार का आगमन हो रहा हो;

(ii) जब कोई साझेदार फर्म से अवकाश ग्रहण कर रहा हो;

(iii) जब किसी साझेदार की मृत्यु हो गई हो,

(iv) जब साझेदारों के लाभ-हानि अनुपात में परिवर्तन किया जा रहा हो;

(v) जब फर्म या व्यवसाय को बेचा जा रहा हो; तथा

(vi) जब दो या दो से अधिक फर्मों का एकीकरण किया जा रहा हो या फर्म का कम्पनी में परिवर्तन किया जा रहा हो।

3 कम्पनी की दशा में (In the case of Company)—

(i) जब कम्पनी द्वारा अपना व्यवसाय विक्रय किया जा रहा हो;

(ii) जब कम्पनियों का एकीकरण या संविलयन हो रहा हो;

(iii) जब पूर्वकाल में ख्याति की राशि को अपलिखित कर दिया गया हो और अब उसे पुनः उचित मूल्य पर पुस्तकों में लाया जा रहा हो,

(iv) जब अंशों का किसी विशेष उद्देश्य के लिए मूल्यांकन किया जा रहा हो;

(v) कम्पनी पर नियन्त्रण स्थापित करने हेतु बड़ी संख्या में अंशों को खरीदना एवं बेचना हो; तथा

(vi) सरकार अथवा अर्द्ध-सरकारी संस्था द्वारा अनिवार्य रूप से कम्पनी का व्यवसाय क्रय किया जाये।

ख्याति के मूल्यांकन के आधार

(Basis of Valuation of Goodwill)

जैसा कि पीछे वर्णन किया जा चुका है कि लेखांकन में ख्याति का मूल्य व्यवसाय के द्वारा अर्जित लाभों पर निर्भर करता है। ये लाभ औसत लाभ भी हो सकते है और अधिलाभ भी। एक क्रेता विक्रेता को ख्याति के रूप में किसी राशि का इसलिए भुगतान करता है कि वह भविष्य में भी एक निश्चित राशि लाभों के रूप में अर्जित करता रहेगा। अतः ख्याति के मूल्यांकन में सर्वप्रथम निम्नलिखित लाभों की गणना की जाती है जिनके आधार पर ख्याति के मूल्य का निर्धारण किया जाता है :

(1) प्रत्याशित लाभ (Expected Profit) या वास्तविक औसत लाभ या अधिलाभ (Super profit) इनमें से प्रत्येक की गणना विधि निम्न प्रकार है :

1. वास्तविक औसत लाभ ज्ञात करना (Calculation of Actual Average Profit)—**अब यह** एक प्रमाणित सत्य है कि ख्याति के मूल्यांकन में लाभ एक महत्वपूर्ण घटक है। प्रत्येक विनियोक्ता अपने धन का विनियोजन आय कमाने के लिए ही करता है और लाभ की मात्रा ही निश्चित करती है कि किसी सम्पत्ति या व्यवसाय में कितना धन विनियोजित किया जाए। एक क्रेता व्यवसाय के विक्रेता को ख्याति की रकम इसलिए देता है कि जितने लाभ विक्रेता इस समय कमा रहा है उतने ही लाभ भविष्य में क्रेता को भी होते रहेंगे। अतः ख्याति का मूल्यांकन करते समय भूतकालीन लाभ की मात्रा को ही नहीं अपितु भावी लाभ की मात्रा का भी ध्यान में रखना चाहिए। वास्तविक औसत लाभ वे लाभ होते हैं जो भविष्य में क्रेता को भी होते रहेंगे। इसलिए इन्हें 'भविष्य में कायम रहने योग्य लाभ' (Future maintainable profits) भी कहा जाता है। इसकी एकाकी व्यापार तथा फर्म की स्थिति में गणना निम्न प्रकार की जाती है :

(i) सर्वप्रथम व्यवसाय के पिछले 3 से 5 वर्षों के शुद्ध लाभों को लेकर उनका औसत ज्ञात करना चाहिए। 3 या 5 वर्षों के लाभों का औसत लेने की इसलिए आवश्यकता पड़ती है कि केवल एक वर्ष का लाभ भावी लाभ के अनुमान के लिए पर्याप्त आधार नहीं हो सकता है क्योंकि एक वर्ष का लाभ-हानि खाता लाभ के उच्चावचन को प्रदर्शित नहीं कर सकता है। इसी प्रकार कई वर्षों का लाभ भी सही अनुमान प्रदान नहीं कर सकता क्योंकि अधिक वर्षों की अवधि के बीच सामान्य परिस्थितियाँ बदल जाती हैं। अतः पिछले 3 से 5 वर्षों के शुद्ध लाभों का ही औसत लेना चाहिए।

(ii) यहाँ पर शुद्ध लाभ से तात्पर्य सभी व्ययों के खर्चे एवं कर के लिए आयोजन घटाने के बाद शेष बची राशि से है। यदि किसी वर्ष के लाभ में से कोई असाधारण हानि या व्यय (Abnormal Loss or Expenses) घटे हुए हैं तो उन्हें उस वर्ष के लाभ में वापस जोड़ देना चाहिए। इसी प्रकार यदि किसी वर्ष के लाभ में कोई असाधारण लाभ या आय (Abnormal Gain or Income) सम्मिलित है तो उसे उस वर्ष के लाभ में से घटा देना चाहिए। इसका कारण यह है कि शुद्ध लाभ में केवल वे ही लाभ सम्मिलित होने चाहिए जो व्यापार की सामान्य संचालन क्रियाओं से सम्बन्धित हैं।

(iii) यदि व्यवसाय के चिट्ठे में विनियोग भी दे रखे हैं तो हमें यह देखना होगा कि ये विनियोग व्यापारिक विनियोग (Trade Investments) हैं या गैर-व्यापारिक विनियोग (Non-trade Investments)। व्यापारिक विनियोग किसी व्यापारिक उद्देश्य के लिए किये जाते हैं अतः इन्हें व्यवसाय में विनियोजित सम्पत्ति ही मानना चाहिए। जबकि गैर व्यापारिक विनियोगों का उद्देश्य फालतू कोषों का थोड़े समय के लिए उपयोग करना होता है अतः ये व्यवसाय के बाहर किये गये विनियोग कहलाते हैं, इसलिए इनकी आय को शुद्ध लाभ में सम्मिलित नहीं करना चाहिए। यदि विनियोगों से आय पूरी अवधि में ही समान रही है तो इस आय को औसत लाभ में से

भी घटाया जा सकता है। चिट्ठे मे विनियोग के आगे व्यापारिक विनियोग (Trade Investment) नही लिखा हुआ हो या अतिरिक्त सूचना मे नही दे रखा हो तब इसे गैर-व्यापारिक विनियोग ही मानना चाहिए।

(iv) यदि पिछले 3 से 5 वर्षों के लाभो मे घटने या बढाने की कोई निश्चित प्रवृत्ति दृष्टिगोचर होती है, जैसे लाभो मे निरन्तर वृद्धि का क्रम या निरन्तर कमी का क्रम दिया हुआ है, तो सामान्य औसत की जगह भारित औसत (Weighted Average) ज्ञात करनी चाहिए। इसके लिए प्रथम वर्ष के लाभ को 1 व आगे के लाभो को क्रमशः 2, 3, 4 एव 5 इस प्रकार भार प्रदान करना चाहिए। इससे प्रारम्भ के लाभों को कम महत्त्व व उसके बाद के लाभो को अधिक महत्त्व प्रदान किया जाता है। सामान्य औसत तो उसी दशा मे लेना चाहिए जबकि लाभों मे कोई निश्चित प्रवृत्ति दृष्टिगोचर नही होती हो।

उपरोक्त समायोजनो के करने के पश्चात् गत 3 से 5 वर्षों के लाभो का साधारण औसत या भारित औसत, जैसी भी परिस्थिति हो ज्ञात किया जाता है। इसके पश्चात् इस औसत लाभ मे से भविष्य से सम्बन्धित निम्नलिखित मे जो आवश्यक हो, समायोजन करके वास्तविक औसत लाभ (Actual Average Profits) ज्ञात किया जाता है।

(i) **व्यापार के स्वामी या साझेदारों को पारिश्रमिक** *(Remuneration to Owner or Partners)*—यदि व्यापार का स्वामी स्वय प्रबन्ध करता है तो इसके पारिश्रमिक को औसत लाभ मे से घटाया जाना चाहिए। ऐसा उस समय उचित है जबकि 'स्वामी' की सेवाओं के पारिश्रमिक का कोई भी लेखा पुस्तको मे न किया गया हो। उचित पारिश्रमिक का निर्धारण व्यवसायी की योग्यता, कार्यक्षमता एव उसके द्वारा व्यापार की देखभाल व प्रबन्ध मे बिताये गये समय इत्यादि को देखकर किया जाना चाहिए। यह पारिश्रमिक औसत लाभ मे से इसलिए घटा देना चाहिए कि यदि व्यापारी स्वय देखभाल न करके अपने जैसे किसी योग्य व्यक्ति को कर्मचारी के रूप मे नियुक्त करता है तो व्यापार को उतने पारिश्रमिक का भुगतान करना पडता। इसी प्रकार यदि फर्म मे साझेदार फर्म के सचालन मे सक्रिय रूप से हिस्सा लेते हैं तो उनका भी उचित पारिश्रमिक औसत लाभो मे से घटा देना चाहिए।

यदि प्रश्न मे दे रखा हो कि विक्रेता व्यापार का सचालन किसी कर्मचारी की सहायता से करता था और अब क्रेता को उस कर्मचारी की सेवाओं की आवश्यकता नही पड़ेगी तो ऐसी स्थिति मे कर्मचारी को दी जाने वाली राशि को औसत लाभ मे वापस जोड दिया जाता है। लेकिन अब क्रेता का उचित पारिश्रमिक औसत लाभ मे से घटाया जायेगा।

(ii) **ऐसे व्यय जो भविष्य मे नहीं होंगे** (Expenses that will not occur in future) : ऐसा कोई व्यय जो अब तक विक्रेता को तो करना पड रहा था किन्तु क्रेता को नही करना पड़ेगा या कम करना पड़ेगा तो ऐसे व्यय की राशि या कमी की राशि को औसत लाभ मे जोड देना चाहिए। जैसे अब तक तो व्यापार किराये की दुकान मे चल रहा था किन्तु अब क्रेता अपनी दुकान मे चलायेगा तो उसे किराये की राशि नही देनी पड़ेगी अतः ऐसी राशि से क्रेता के लाभ बढ जायेंगे।

(iii) **ऐसे व्यय जो भविष्य में उत्पन्न होंगे** (Expenses that will occur in future) : ऐसे व्यय की राशि जो अब तक विक्रेता को तो खर्च नही करनी पड रही थी किन्तु अब क्रेता को करनी पड़ेगी तो इसे औसत मे से घटा देना चाहिए। जैसे दुकान का मालिक विक्रेता है किन्तु अब क्रेता को उसका किराया देना पड़ेगा अतः इसे औसत लाभ मे घटाया जायेगा।

(iv) **ऐसी आय जो भविष्य में उत्पन्न होगी** (Income that will arise in future) : यदि प्रश्न मे कोई ऐसी आय दे रखी है जो अब तक तो नही प्राप्त हो रही थी किन्तु आगे क्रेता को प्राप्त होगी तो ऐसी आय की राशि को औसत लाभ मे जोड देना चाहिए।

(v) **ऐसी आय जो भविष्य में उत्पन्न नहीं होगी** (Income that will not arise in future) : ऐसी कोई आय जो अब तक विक्रेता को तो प्राप्त हो रही थी किन्तु क्रेता को प्राप्त नही होगी तो ऐसी आय की राशि को औसत लाभ मे से घटा देना चाहिए।

उपर्युक्त समायोजनों को करने के पश्चात् जो औसत लाभ की राशि ज्ञात होगी वह वास्तविक औसत लाभों की राशि होगी जो भविष्य में क्रेता को प्रतिवर्ष प्राप्त होती रहेगी।

2 *अधिलाभ ज्ञात करना* (Calculation of Super Profits) : सामान्यतया क्रेता-विक्रेता को व्यवसाय का क्रय करते समय ख्याति की राशि इसलिए देना चाहता है कि वह व्यवसाय का अधिलाभ अर्जित कर रहा होता है। व्यवसाय के वास्तविक औसत लाभों का सामान्य लाभों पर आधिक्य ही अधिलाभ (Super Profits) कहलाता है। सूत्र रूप में इसे इस प्रकार अभिव्यक्त किया जा सकता है :—

Super Profit = Actual Average Profit – Normal Profit

वास्तविक औसत लाभों की गणना विधि पहले समझाई जा चुकी है। सामान्य लाभ की गणना निम्न सूत्र द्वारा की जा सकती है :—

$$\text{Normal Profit} = \text{Average Capital Employed} \times \frac{\text{Normal Rate of Return}}{100}$$

***औसत विनियोजित पूँजी की गणना* (Calculation of Average Capital Employed)**

(i) सभी स्थायी सम्पत्तियों को उनके चालू मूल्य पर लेना चाहिए। चालू मूल्य से तात्पर्य बाजार मूल्य या प्रतिस्थापन मूल्य से है। यदि प्रश्न में बाजार मूल्य नहीं दिया हुआ हो तो अपलिखित मूल्य (Written down value) पर लेना चाहिए।

(ii) चालू सम्पत्तियों को उन पर बनाये गये आयोजन की राशि घटाकर शेष राशि पर लिया जाता है। जैसे देनदारों पर संदिग्ध आयोजन की राशि या स्टॉक पर हानि के लिए आयोजन की राशि, देनदारों व स्टॉक में से घटाई जाती है।

(iii) अमूर्त सम्पत्तियों को उनके वसूली मूल्य पर लिया जाता है। यदि चिट्ठे में ख्याति की रकम दी हुई हो और वह खरीदी हुई (Goodwill at cost) हो तो इसे सम्पत्तियों में शामिल करेंगे अन्यथा इसे छोड़ दिया जायेगा। कृत्रिम सम्पत्तियाँ (*Fictitious Assets*) को छोड़ दिया जायेगा।

(iv) विनियोग यदि व्यापारिक विनियोग (Trade investments) हैं तो इन्हें सम्पत्तियों में शामिल किया जायेगा अन्यथा इन्हें छोड़ दिया जायेगा क्योंकि इनसे केवल स्थिर आय ही प्राप्त होती है।

(v) उपर्युक्त सम्पत्तियों के योग में से सभी बाहरी ऋणों एवं दायित्वों को घटा दिया जायेगा। इसके घटाने के बाद जो राशि बचेगी वह 'वर्ष के अन्त में विनियोजित पूँजी' (Capital employed *at the end of year*) कहलायेगी। इसे सूत्र के रूप में निम्न प्रकार से व्यक्त किया जा सकता है —

Capital Employed = Total Assets as per above – Outside Liabilities

(vi) वर्ष के अन्त में विनियोजित पूँजी ज्ञात करने के पश्चात् ऐसी पूँजी ज्ञात की जायेगी जो वर्ष भर समान रूप से व्यवसाय में प्रयुक्त की गई है, क्योंकि व्यवसाय द्वारा इसी पूँजी पर लाभ कमाये जाते हैं। यदि वर्ष के प्रारम्भ की विनियोजित पूँजी (Capital Employed at the beginning of year) ज्ञात हो तो अन्त की और प्रारम्भ की विनियोजित पूँजी का औसत ही "औसत विनियोजित पूँजी" (*Average Capital employed*) होगी जो व्यवसाय में सामान्य रूप से वर्ष भर विनियोजित रहेगी। किन्तु, सामान्यतया वर्ष के प्रारम्भ की पूँजी प्रश्न में नहीं दी जाती है, अत: वर्ष के अन्त में विनियोजित पूँजी में से चालू वर्ष के लाभ का आधा भाग घटाकर औसत विनियोजित पूँजी की राशि ज्ञात की जाती है क्योंकि प्रारम्भ की पूँजी की तुलना में अन्त की पूँजी में जो वृद्धि होती है वह चालू वर्ष में अर्जित लाभों के कारण ही होती है। इसे सूत्र में इस प्रकार व्यक्त किया जा सकता है :

$$\text{Average Capital Employed} = \text{Closing Capital Employed} - \tfrac{1}{2} \text{ of Current Year's Profit}$$

सामान्य प्रत्याय की दर (Normal Rate of Return) : ख्याति के मूल्यांकन मे विनियोक्ताओं की आशंसा (Expectation of Investor) का महत्त्वपूर्ण स्थान होता है। विनियोक्ताओं के इस आशंसित लाभ की दर को 'प्रत्याय की सामान्य दर' (Normal Rate of Return) कहते हैं। यह प्रत्येक प्रकार के व्यापार या उद्योग के लिए अलग-अलग भी हो सकती है इसी प्रकार यह बाजार में प्रचलित चालू ब्याज की दर भी हो सकती है। सामान्यतया यह दर प्रश्न मे दी जाती है। किन्तु, यदि यह प्रश्न मे नही दी हुई हो तो इसे मान (assume) लेना चाहिये।

Illustration 5·1 : A purchased business from B on 30th June 1992. Profits earned by B for the preceeding years ending on 31st December each year were–1987 Rs. 78,000; 1988 Rs. 76,000; 1989 Rs. 82,000; 1990 Rs. 78,000; and 1991 Rs. 80,000.

It was ascertained that profits of 1989 included a non-recurring item of Rs. 3,000 and profit of 1991 was reduced by Rs. 4,000 due to an extra-ordinary loss on account of theft. The properstıes were not insured and it was thought prudent to insure the business in future. The premium was estimated at Rs. 2,400 per annum. A, at the time of purchasing business was employed with Shyam Bros. and was getting Rs. 1,000 p. m. He intends to replace the manager of the business who at present is getting Rs. 700 p. m. The average capital employed in the business is Rs. 5,50,000 and the normal rate of return is 10% p. a. You are required to calculate the amount of actual average profit and super profit.

ए ने बी से 30 जून, 1992 को उसका व्यापार खरीदा। 31 दिसम्बर को समाप्त होने वाले पूर्व के वर्षों मे बी के द्वारा अर्जित लाभ 1987 मे 78,000 रु०; 1988 मे 76,000 रु०; 1989 मे 82,000 रु०; 1990 मे 78,000 रु०; एवं 1991 मे 80,000 रु० थे।

यह ज्ञात हुआ कि 1989 वर्ष के लाभो मे 3,000 रु० के एक गैर-आवर्ती मद मे आय सम्मिलित थी और 1991 के लाभो मे चोरी से असाधारण हानि 4,000 रु० की कमी हुई थी। सम्पत्तियों का बीमा नहीं करा रखा था किन्तु भविष्य में व्यवसाय का बीमा करवाने के लिए सोचा गया। प्रीमियम की राशि 2,400 रु० प्रति वर्ष के हिसाब से अनुमानित की गई। व्यवसाय के क्रय के समय 'ए' श्याम ब्रदर्स के यहाँ 1,000 रु० प्रति माह पर नौकरी कर रहा था। वह व्यवसाय के प्रबन्धक को हटाने की सोच रहा है जो वर्तमान मे 700 रु० प्रति माह प्राप्त कर रहा है। व्यवसाय में औसत विनियोजित पूँजी 5,50,000 रु० है और सामान्य प्रत्याय की दर 10 प्रतिशत वार्षिक है। आपको वास्तविक औसत लाभों एवं अधिलाभो की राशि की गणना करनी है।

Solution : Calculation of Actual Average Profit :

		Rs.	Rs.
	Profits earned for 1987		78,000
	Profits earned for 1988		76,000
	Profits earned for 1989	82,000	
Less :	Non-recurring Profit	3,000	79,000
	Profits earned for 1990		78,000
	Profits earned for 1991	80,000	
Add :	Extra-ordinary Loss	4,000	84,000
	Total Profit,		3,95,000

Average Profit (Rs. 3,95,000 ÷ 5)		79,000
Add : Expenses not to be paid in future :		
Salary of manager no longer required		8,400
		87,400
Less : Expenses to be paid in future :	Rs.	
Insurance Premium	2,400	
Fair remuneration to A for his active supervision of the business	12,000	14,400
Actual Average Profit		73,000

Calculation of Super Profit :	Rs.
Actual Average Profit	73,000
Less : Normal Profit $\left(\text{Rs. } 5{,}50{,}000 \times \frac{10}{100}\right)$	55,000
Super Profit	18,000

Illustration 5·2 : From the following Balance Sheet you are required to calculate average capital employed :

निम्नलिखित चिट्ठे से औसत विनियोजित पूंजी की गणना करनी है :

Balance Sheet

Liabilities		Rs.	Assets	Rs.
Capital		3,00,000	Goodwill	20,000
Reserve (including profit of current year Rs. 40,000)		60,000	Land & Buildings	70,000
Workmen Compensation Fund		85,000	Plant	1,20,000
Depreciation Fund :			Current Assets	3,00,000
Land & Building	20,000		Investments	90,000
Plant	30,000	50,000	Investments for replacement of Plant	20,000
			Preliminary Expenses	5,000
Loan		70,000		
Creditors		60,000		
		6,25,000		6,25,000

Market value of Land and Buildings is Rs. 90,000 and that of Plant is Rs 70,000. Investments, other than those for replacement of Plant, may be treated as non-business investments.

भूमि एवं भवन का बाजार मूल्य 90,000 रु० एवं प्लान्ट का 70,000 रु० है। प्लान्ट को पुनर्स्थापित करने के लिए किये गये विनियोग के अलावा दूसरे विनियोग गैर-व्यापारिक विनियोग हैं।

Solution : Calculation of Average Capital Employed :

		Rs.
Land and Buildings (Market value)		90,000
Plant (Market value)		70,000
Investments for the replacement of plant		20,000
Current Assets		3,00,000
		4,80,000
Less : Loan	Rs. 70,000	
Creditors	Rs. 60,000	1,30,000
Capital Employed		3,50,000
Less : 1/2 of current year's profit		20,000
Average Capital Employed		3,30,000

ख्याति के मूल्यांकन की विधियां
(Methods of Valuation of Goodwill)

ख्याति के मूल्यांकन के लिए पहले उपर्युक्त वर्णित वास्तविक औसत लाभों एवं अधिलाभों की गणना कर लेनी चाहिए। तत्पश्चात् निम्नलिखित विधियों में से उस व्यवसाय के लिए जो भी प्रचलित विधि हो उसका प्रयोग करते हुए ख्याति का मूल्यांकन कर लेना चाहिए।

1. वर्षों की क्रय विधि (Years' Purchase Method) : इस विधि के अन्तर्गत यह मानकर ख्याति का मूल्यांकन किया जाता है कि क्रेता को वास्तविक औसत लाभ या अधिलाभ आगे भी व्यवसाय के जीवन-काल में होते रहेंगे। अत. कुछ वर्षों के वास्तविक औसत लाभों या अधिलाभों की राशि क्रेता द्वारा अभी विक्रेता को ख्याति के रूप में दे दी जाये। इन लाभों की वसूली क्रेता द्वारा आगे के वर्षों में कर ली जायेगी। अब यहाँ यह प्रश्न उत्पन्न होता है कि कितने वर्षों के लाभों का क्रय मूल्य ख्याति का मूल्य माना जाये। यदि वास्तविक औसत लाभों को आधार बनाया जाये तो 2 या 3 वर्षों का क्रय मूल्य काम में लेना उचित होगा एवं यदि अधिलाभों को आधार बनाया जाये तो 4 या 5 वर्षों का क्रय मूल्य काम में लेना उचित होगा। यदि प्रश्न में वर्षों की संख्या दे रखी है तो उतने वर्षों से जिन लाभों के बारे में कहा जाये उन्हें गुणा करके ख्याति का मूल्य ज्ञात किया जा सकता है। इसे सूत्र रूप में निम्न प्रकार व्यक्त किया जा सकता है।

Value of Goodwill = Actual Average Profit × No. of Years (2 or 3)

or Super Profit × Number of Years (4 or 5)

Illustration 5·3 : Ram is desirous of selling his business to Shyam The former has earned an average profit in the past of Rs. 75,000 per annum. It is considered that such average profit fairly represents the profit likely to be earned in the future, except that : (i) Chemist's fees Rs 5,000, charged against such profits will not be payable by Shyam, as he is himself an able chemist and can work as such; and (ii) Rent Rs. 10,000 per annum which has been paid by Ram will not be a charge in future, since Shyam owns his premises for business purposes worth Rs. 1,00,000.

At present Shyam is employed and earning Rs. 800 p.m. After purchase of business he will have to resign. The value of net tangible assets of the business at the proposed date of the sale was Rs. 7,00,000 and it was considered that a reasonable return on capital invested for the type of business in question was 8%. Calculate the value of goodwill to be paid by Shyam if paid on the basis of (i) 2 years' purchase of actual average profit; and (ii) 5 years' purchase of super profit.

राम अपना व्यवसाय श्याम को बेचने का इच्छुक है। राम ने पिछले वर्षों में 75,000 रु० वार्षिक के हिसाब से औसत लाभ कमाया है। यह तय किया गया है कि ये औसत लाभ उचित है और भविष्य में अर्जित किये जाते रहेंगे, सिवाय इसके कि—(i) कैमिस्ट की फीस 5,000 रु० जो कि इन लाभों में से चार्ज की गई है श्याम को नहीं देनी पड़ेगी, क्योंकि वह स्वयं एक योग्य कैमिस्ट है और वह इस रूप में कार्य कर सकता है; और (ii) राम द्वारा किराया 10,000 रु० वार्षिक की दर से चुकाया गया है जो भविष्य में नहीं चुकाना पड़ेगा क्योंकि श्याम के पास व्यवसाय के लिए स्वयं का 1,00,000 रु० मूल्य का भवन है।

वर्तमान में श्याम नौकरी कर रहा है और 800 रु० प्रति माह कमा रहा है। वह व्यापार करने के पश्चात् उसे यह नौकरी छोड़नी पड़ेगी। प्रस्तावित विक्रय की तिथि को व्यवसाय की शुद्ध मूर्त सम्पत्तियों का मूल्य 7,00,000 रु० था और यह तय किया गया कि इस प्रकार के व्यवसाय के लिए विनियोजित पूँजी पर 8 प्रतिशत की दर एक उचित प्रत्याय की दर है। श्याम द्वारा चुकाये जाने वाले ख्याति के मूल्य की गणना कीजिए, यदि—(i) वास्तविक औसत लाभों के 2 वर्षों के क्रय; एवं (ii) अधिलाभों के 5 वर्षों के क्रय के आधार पर चुकाया जाये।

Solution :

Calculation of Actual Average Profit

		Rs.
	Average Profits of the Vendor	75,000
Add :	Chemist's fees no longer required	5,000
	Rent of premises not required	10,000
		90,000
Less :	Fair Remuneration to the owner (Shyam)	9,600
	Actual Average Profit	80,400

Value of Net Tangible Assets = Rs. 7,00,000 + Rs. 1,00,000
= Rs. 8,00,000

Calculation of Super Profit

		Rs.
	Actual Average Profits	80,400
Less :	Normal Profits (Rs. 8,00,000 × 8/100)	64,000
	Super Profits	16,400

Value of Goodwill (a) on the basis of 2 years' purchase of Actual Average Profit
= 80,400 × 2 = Rs. 1,60,800

(b) on the basis of 5 years' purchase of Super Profit = Rs. 16,400 × 5 = Rs. 82,000

Illustration 5.4 : A and B are equal partners in a business. They invite offers of the purchase of their business. The highest price offered is Rs. 5,00,000. They ask you to advise whether this is a fair price and to suggest the basis of an alternative offer which in your opinion would be equitable. The following information is supplied to you :

ए और बी एक व्यवसाय में बराबर के साझेदार हैं। वे अपने व्यवसाय को क्रय करने के लिए प्रस्ताव आमन्त्रित करते हैं ? अधिकतम प्रस्तावित मूल्य 5,00,000 रु० है। वे आपसे सलाह मांगते हैं कि क्या यह उचित मूल्य है और आपको सुझाव देना है कि आपकी राय में वैकल्पिक प्रस्ताव के लिए किसी न्यायोचित आधार पर मूल्य क्या होगा ? निम्नलिखित सूचना आपको दी गई है :

Balance Sheet

		Rs.		Rs.
Creditors	Rs.	1,00,000	Cash & Bank Balance	65,000
Capital :			Trade Investments	30,000
A	3,00,000		Sundry Debtors	2,45,000
B	2,00,000		Stock	2,00,000
		5,00,000	Machinery	20,000
			Buildings	40,000
		6,00,000		6,00,000

All the assets are worth their book value except machinery and buildings, which on a recent valuation are worth Rs. 35,000 and Rs. 85,000 respectively. The net profits after tax for last 5 years' are—Rs. 70,500; Rs. 72,000; Rs. 75,000; Rs. 80,000; and Rs. 83,000 respectively. The fair remuneration of partners can be charged @ Rs. 600 p. m. The published market price of a share in the company doing similar business is three times of its paid up value on the basis of 30% dividend.

मशीन एवं भवन को छोड़कर जिनका वर्तमान में मूल्यांकन क्रमशः 35,000 रु० एवं 85,000 रु० किया है, सभी सम्पत्तियों का पुस्तक मूल्य ही उचित मूल्य है। कर के पश्चात् शुद्ध लाभ गत 5 वर्षों के क्रमशः 70,500; 72,000 रु०; 75,000 रु०; 80,000 रु०; एवं 83,000 रु० के हैं। साझेदारों का उचित पारिश्रमिक 600 रु० प्रति माह की दर से चार्ज करना है। उसी प्रकार का व्यवसाय करने वाली कम्पनी के अंश का प्रकाशित बाजार मूल्य 30 प्रतिशत लाभांश की दर के आधार पर प्रदत्त मूल्य का तिगुना है।

Solution : Calculation of Actual Average Profit

Year	Net Profit after tax Rs.	Weights	Profits × Weights Rs.
1	70,500	1	70,500
2	72,000	2	1,44,000
3	75,000	3	2,25,000
4	80,000	4	3,20,000
5	83,000	5	4,15,000
		15	11,74,500

$$\text{Weighted Average of Profit} = \text{Rs. } \frac{11,74,500}{15} = \text{Rs. } 78,300$$

	Rs.
Actual Average Profit = Weighted Average Profit, i.e.	78,300
Less : Fair Remuneration to Partners	7,200
Actual Average Profit	71,100

Calculation of Average Capital Employed	Rs.
Cash & Bank Balance	65,000
Trade Investments	30,000
Sundry Debtors	2,45,000
Stock	2,00,000
Machinery	35,000
Buildings	85,000
	6,60,000
Less : Creditors	1,00,000
Capital Employed	5,60,000
Less : 1/2 of Current Year's Profit (Rs. 83,000 × 1/2)	41,500
Average Capital Employed	5,18,500

Calculation of Normal Rate of Return

$$\text{Normal Rate of Return} = \frac{\text{Dividend per Share}}{\text{Market Value per Share}} \times 100 = \frac{30}{300} \times 100 \text{ or } 10\%$$

Calculation of Super Profit	Rs.
Actual Average Profit	71,100
Less : Normal Profit $\left(\text{Rs. } 5,18,500 \times \frac{10}{100}\right)$	51,850
Super Profit	19,250

Value of Goodwill, say, at 5 years' purchase of super profit :
Rs. 19,250 × 5 = Rs. 96,250

The total value of business is Rs. 5,60,000 + Rs. 96,250 = Rs. 6,56,250. The offer of Rs. 5,00,000 is very inequitable. A fair offer would be for Rs. 6,56,250 approx.

नोट : व्यवसाय के सही मूल्य की गणना के लिए ख्याति की राशि विनियोजित पूँजी में ही जोड़ी गई है क्योंकि यही राशि वर्ष के अन्त में व्यवसाय में विनियोजित है।

2. पूँजीकरण विधि (Capitalisation Method)—इस विधि के अन्तर्गत व्यवसाय द्वारा अर्जित लाभों का पूँजीकरण करके ख्याति का मूल्य ज्ञात किया जाता है, अतः इसे पूँजीकरण विधि कहा जाता है।

लाभो के पूँजीकरण से तात्पर्य है कि लाभ की अमुक राशि यदि सामान्य प्रत्याय की दर से कमाई जाती तो कितनी पूँजी की आवश्यकता होती। इस पूँजी के आधार पर ही ख्याति का मूल्यांकन किया जाता है। इस विधि के अन्तर्गत ख्याति का मूल्यांकन दोनो ही आधारो, वास्तविक औसत लाभ एवं अधिलाभ, पर किया जा सकता है। दोनो से ही *ख्याति का मूल्यांकन करने पर ख्याति का मूल्य समान होगा।*

वास्तविक औसत लाभो के आधार पर यदि ख्याति का मूल्य ज्ञात किया जाता है तो निम्न सूत्र का प्रयोग किया जायेगा :

Value of Goodwill = Value of Business – Capital Employed

$$\text{जबकि, Value of Business} = \frac{\text{Actual Average Profit}}{\text{Normal Rate of Return}} \times 100$$

इस प्रकार जब वास्तविक औसत लाभों के आधार पर ख्याति के मूल्य की गणना करेंगे तो सर्वप्रथम वास्तविक औसत लाभो का सामान्य प्रत्याय की दर से पूँजीकरण करके यह ज्ञात करेंगे कि व्यवसाय का मूल्य क्या है या व्यवसाय में कितनी पूँजी की सामान्यतया आवश्यकता होगी। इस मूल्य की तुलना व्यवसाय में *वास्तविक विनियोजित पूँजी से करेंगे। यदि वास्तविक विनियोजित पूँजी व्यवसाय के मूल्य से कम है* तो इसका तात्पर्य है कि व्यवसाय का मूल्य ख्याति के कारण से ही अधिक है। यही अन्तर ख्याति का मूल्य होगा।

अधिलाभों के आधार पर यदि ख्याति का मूल्य ज्ञात किया जाता है तो अधिलाभो की राशि को ही सामान्य प्रत्याय की दर से पूँजीकृत करके ख्याति का मूल्य ज्ञात किया जाता है। इस अध्याय के प्रारम्भ में ही हमने पढ़ा है कि लेखांकन में ख्याति की विद्यमानता ही *तब मानी जाती है जबकि वह व्यवसाय अधिलाभ अर्जित कर रहा हो। अत. ये अधिलाभ ख्याति के कारण ही अर्जित किये जाते हैं इसलिए अधिलाभो के पूँजीकरण के* आधार पर यह ज्ञात किया जाता है कि व्यवसाय मे ख्याति के रूप में कितने मूल्य की सम्पत्ति कार्यरत है।

$$\text{सूत्र रूप में, Value of Goodwill} = \frac{\text{Super Profit}}{\text{Normal Rate}} \times 100$$

Illustration 5·5 : From the following information, calculate the value of goodwill on the basis of capitalisation method :

(i) Average capital employed Rs. 7,00,000.

(ii) Net trading profits for the last three years were :
Rs 1,10,000, Rs, 1,05,000; and Rs. 1,15,000.

(iii) Normal rate of return on capital employed in the same type of business is 10%.

(iv) Fair remuneration to the owner for his services is Rs. 10,000 per annum.

(v) Total assets Rs. 8,00,000 and current liabilities Rs. 50,000

निम्नलिखित सूचनाओं से ख्याति का मूल्य पूँजीकरण विधि के आधार पर ज्ञात कीजिए :

(i) औसत विनियोजित पूँजी 7,00,000 रु०।

(ii) गत तीन वर्षों के शुद्ध व्यापारिक लाभ 1,10,000 रु०; 1,05,000 रु०; एवं 1,15,000 रु० थे।

(iii) उसी प्रकार के व्यवसाय में विनियोजित पूँजी पर सामान्य प्रत्याय की दर 10 प्रतिशत है।

(iv) व्यवसाय के स्वामी का उसकी सेवाओं के लिए उचित पारिश्रमिक 10,000 रु० वार्षिक है।

(v) कुल सम्पत्तियाँ 8,00,000 रु० एवं चालू दायित्व 50,000 रु०।

Solution :

	Rs.
Average profit = (Rs. 1,10,000 + Rs. 1,05,000 + Rs. 1,15,000) ÷ 3 =	1,10,000
Less : Fair remuneration to owner	10,000
Actual Average Profit	1,00,000
Less : Normal Profits (10% of Rs. 7,00,000)	70,000
Super Profit	30,000

Calculation of the value of Goodwill :

(i) On the basis of Actual Average Profit :

$$\text{Value of Business} = \frac{\text{Actual Average Profit}}{\text{Normal Rate of Return}} \times 100 = 1{,}00{,}000 \times \frac{100}{10} \text{Rs. } 10{,}00{,}000$$

Value of Goodwill = Value of Business – Average Capital Employed
Rs. 10,00,000 – Rs. 7,00,000 = Rs. 3,00,000.

(ii) On the basis of Super Profit :

$$\text{Value of Goodwill} = \frac{\text{Super Profit} \times 100}{\text{Normal Rate of Return}} = 30{,}000 \times \frac{100}{10} = \text{Rs. } 3{,}00{,}000$$

इस प्रकार उपर्युक्त हल से यह स्पष्ट है कि ख्याति का मूल्यांकन पूँजीकरण विधि से दोनों ही आधारों पर किया जाय तो ख्याति का मूल्यांकन एक समान ही होगा।

3. वार्षिकी विधि (Annuity Method) : ख्याति के मूल्यांकन की उपर्युक्त दोनों ही विधियों में रुपये के वर्तमान मूल्य को ध्यान में नहीं रखा जाता है। ख्याति के मूल्य का भुगतान तो व्यवसाय क्रय करते समय ही क्रेता को करना पड़ता है जिसकी वसूली वह अगले वर्षों में अधिलाभों से करता है। वर्षों की क्रय विधि में यदि ख्याति का मूल्यांकन अधिलाभों के 5 वर्षों के क्रय के आधार पर किया जाता है तो यह मानकर किया जाता है कि क्रेता ख्याति के मूल्य का भुगतान तो क्रय के समय ही कर देगा किन्तु इसकी वसूली अगले 5 वर्षों तक करता रहेगा। किन्तु इस तथ्य को यदि ध्यान से देखा जाये तो यह प्रकट होगा कि ख्याति की राशि का आज भुगतान किया जाये तो इसमें विक्रेता को तो फायदा हो गया क्योंकि अगले 5 वर्षों में वह इसका वैकल्पिक उपयोग करके और अधिक राशि अर्जित कर लेगा, जबकि क्रेता को नुकसान हो गया क्योंकि उसे इस राशि पर पाँच वर्षों तक ब्याज का और नुकसान होगा और वास्तव में वह इसकी वसूली 5 वर्षों से अधिक की अवधि में कर पायेगा।

अतः ख्याति के मूल्यांकन की सर्वाधिक उपयुक्त विधि वार्षिकी विधि है जिसमें ख्याति का मूल्यांकन अधिलाभों को आधार बनाकर एवं रुपये के वर्तमान मूल्य को ध्यान में रखकर किया जाता है। वर्तमान मूल्य की अवधारणा को इस प्रकार समझा जा सकता है : मान लीजिए, हम ब्याज एक वर्ष के लिए 10% ब्याज की दर से 100 रु० विनियोजित करना चाहते हैं तो एक वर्ष पश्चात् यह राशि 110 रु० हो जायेगी। इसका तात्पर्य

यह हुआ कि एक वर्ष पश्चात् प्राप्त होने वाले 110 रु० का आज वर्तमान मूल्य 100 रु० है। इस प्रकार यह अवधि जितनी लम्बी होती चली जायगी रुपये का वर्तमान मूल्य उतना ही कम होता चला जावेगा। रुपये का वर्तमान मूल्य वार्षिकी सारणी (Annuity Table) द्वारा ज्ञात किया जाता है। इसके लिए निम्न सूत्र का प्रयोग भी किया जा सकता :

$$\text{P. V of Rc. } 1 = \frac{1 - \left(\frac{100}{100+r}\right)^n}{\frac{r}{100}}$$

जबकि P. V. का अर्थ Present Value; r का अर्थ Rate of Interest; n का अर्थ Number of years है

उदाहरणार्थ : एक व्यवसाय के अधिलाभ 10,000 रु० हैं। ख्याति की गणना 4 वर्षों के क्रय के आधार पर वार्षिकी विधि से करनी है। ब्याज की दर 10 प्रतिशत वार्षिक है और 1 रु० का 10% ब्याज दर के आधार पर 4 वर्षों के लिए वर्तमान मूल्य 3·170 रु० है तो ख्याति का मूल्य 10,000 रु० × 3·170 रु० = 31,700 रु० होगा। इस प्रकार वर्षों की क्रय विधि के आधार पर यदि ख्याति का मूल्यांकन किया जाये तो क्रेता को 40,000 रु० का भुगतान करेगा जिससे न तो विक्रेता को अतिरिक्त फायदा होगा और न क्रेता को नुकसान।

Illustration 5·6 : From the following information, compute the value of goodwill as per annuity method :

निम्न सूचनाओं से ख्याति का मूल्यांकन वार्षिकी पद्धति के आधार पर ज्ञात कीजिये :

Average capital employed Rs. 5,00,000; Normal rate of profit 10%. Profits for 1989 Rs. 70,000; 1990 Rs. 61,000; and 1991 Rs. 85,000.

Profits for 1990 have been arrived at after writing off abnormal loss of Rs. 5,000 and profits for 1991 includes a non-recurring income of Rs. 11,000. Goodwill is to be calculated on the basis of annuity of 3 years' purchase of super profit. The present value of annuity of Re. 1 for 3 years at 10% is Rs. 2·4868.

1990 वर्ष के लाभ की गणना 5,000 रु० की असाधारण हानि को अपलिखित करने के बाद की गई है और 1991 के लाभों मे 11,000 रु० की अनावर्ती आय सम्मिलित है। ख्याति की गणना अधिलाभों के 3 वर्षों के क्रय की वार्षिक वृत्ति के आधार पर की जाती है। 1 रु० का वर्तमान वार्षिकी मूल्य 3 वर्ष के लिए 10% दर पर 2·4868 रु० है।

Solution : **Calculation of Actual Average Profit**

	Rs.	Rs.
Profit for 1989		70,000
Profit for 1990	61,000	
Add : Abnormal Loss	5,000	66,000
Profit for 1991	85,000	
Non-recurring Income	11,000	74,000
Total Profit		2,10,000

Average Profit or Actual Average Profit (Rs. 2,10,000 ÷ 3)	70,000
Calculation of Super Profit = Actual Average Profit – Normal Profit = Rs. 70,000 – (10% of Rs. 5,00,000) =	20,000

Value of Goodwill = Super Profits × Annuity of Re. 1
= Rs. 20,000 × 2·4868 = Rs. 49,736

Illustration 5·7 : From the following particulars, calculate the value of goodwill by the annuity method based at 12% on three years' purchase of super profits :

Average capital employed Rs. 12,00,000: Net trading profit for the past three years (1989, 1990 and 1991) Rs. 2,15,000; Rs. 1,76,000 and Rs. 2,28,000; Abnormal expenses in the year 1990 Rs. 5,000 and Non-recurring income in the year 1991 Rs. 3,000; Fair remuneration to partners in the firm—Rs. 24,000 per annum; Normal Rate of return 12 percent.

निम्नलिखित विवरणों से वार्षिक वृत्ति विधि द्वारा ख्याति का मूल्य ज्ञात कीजिए। वार्षिक वृत्ति अधि-लाभों के तीन वर्षों के क्रय पर 12% की दर पर आधारित है :

औसत प्रयुक्त पूँजी 12,00,000 रु०; गत तीन वर्षों (1989, 1990 व 1991) के शुद्ध व्यापारिक लाभ 2,15,000 रु०; 1,76,000 रु० तथा 2,28,000 रु०; 1990 वर्ष में असाधारण व्यय 5,000 रु० तथा 1991 में 3,000 रु० की अनावर्ती आय; फर्म के साझेदारों का उचित पारिश्रमिक 24,000 रु० वार्षिक सामान्य प्रत्याय की दर 12 प्रतिशत।

Solution : Calculation of Super Profit :

	Rs.	Rs.
Net Profits for 1989		2,15,000
Net Profits for 1990	1,76,000	
Add : Abnormal expenses	5,000	1,81,000
Net Profits for 1991	2,28,000	
Less : Non-recurring Income	3,000	2,25,000
Total *Profits for 3 years*		6,21,000
Average Profit (Rs. 6,21,000 ÷ 3)		2,07,000
Less : Fair Remuneration to Partners		24,000
Actual Average Profit		1,83,0000
Less : Normal Profit (12% of Rs. 12,00,000)		1,44,00
Super Profits		39,000

Calculation of Present Value of Re. 1 :

$$P.\ V. = \frac{1-\left(\frac{100}{100+r}\right)^n}{\frac{r}{100}} = \frac{1-\left(\frac{100}{100+12}\right)^3}{\frac{12}{100}} \text{ अथवा } \frac{1-\left(\frac{25}{28}\right)^3}{\frac{3}{25}}$$

$$\text{अथवा } \frac{1-\cdot712}{\frac{3}{25}} \text{ अथवा } \frac{\cdot288}{\frac{3}{25}} \text{ अथवा } \frac{\cdot288}{1}\times\frac{25}{3} = \text{Rs. } 2\cdot40$$

Value of Goodwill = Super Profit × P. V. or Rs. 39,000 × 2·40 = Rs. 93,600

Illustration 5·8 : The following information relates to the business of a partnership firm :

(a) Average capital employed in the business Rs. 7,20,000.

(b) Net trading profits of the firm for the past three years were Rs. 1,07,600; Rs. 90,700; and Rs. 1,12,500.

(c) Reasonable return expected in the same type of business is 10%.

(d) Fair remuneration to the partners for their services Rs. 12,000 per annum.

Calculate the value of Goodwill :

(i) On the basis of five years' purchases of annual average super profits;

(ii) On the basis of capitalising the annual average super profits at the reasonable return of 10%; and

(iii) On the basis of an annuity of supper profits, taking the present value of annuity of one rupee for five years' at 10% interest being Rs. 3·78.

Comment [redacted] to which method (out of the above) is most appropriate and why ?

निम्नलिखित सूचना एक साझेदारी व्यवसाय से सम्बन्धित है :

(a) व्यापार में लगी हुई औसत पूँजी 7,20,000 रु० ।

(b) गत तीन वर्षों के फर्म के शुद्ध व्यापारिक लाभ : 1,07,600 रु०; 90,700 रु०; तथा 1,12,500 रु० ।

(c) इसी प्रकार के व्यापार में लाभ की उचित दर 10 प्रतिशत ।

(d) साझेदारों की सेवाओं के लिए उचित पारिश्रमिक 12,000 रु० वार्षिक ।

ख्याति के मूल्य की गणना कीजिए :

(i) वार्षिक औसत अधिलाभों के पांच गुने के आधार पर;

(ii) वार्षिक औसत अधिलाभों के 10% की उचित दर पर पूँजीकरण करने के आधार पर; तथा

(iii) अधिलाभों के वार्षिक वृत्ति के आधार पर: 10% ब्याज की दर पांच वर्षों के लिए 1 रु० की वार्षिक वृत्ति का वर्तमान मूल्य 3·78 रु० माना जाये ।

उपरोक्त विधियों में से कौनसी विधि सर्वाधिक उपयुक्त है और क्यों ?

Solution : Calculation of Super Profit :

	Rs.
Profits for 3 years (Rs. 1,07,600 + Rs. 90,700 + Rs. 1,12,500)	3,10,800
Average Profits (3,10,800 ÷ 3)	1,03,600
Less : Fair Remuneration to Partners	12,000
Actual Average Profit	91,600
Less : Normal Profits (10% of Rs. 7,20,000)	72,000
Super Profits	19,600

Valuation of Goodwill :

(i) On the basis of 5 years' purchase of annual average super profit :
Value of Goodwill = Rs. 19,600 × 5 = Rs. 98,000

(ii) On the basis of capitalisation of super profit :

$$\text{Value of Goodwill} = \text{Rs. } 19{,}600 \times \frac{100}{10} = \text{Rs. } 1{,}96{,}000$$

(iii) On the basis of annuity of super profit :
Value of Goodwill = Rs. 19,600 × 3·78 = Rs. 74,088.

उपरोक्त में से अधिलाभों की वार्षिक वृत्ति विधि सर्वाधिक उपयुक्त है क्योंकि इसमें रुपये के वर्तमान मूल्य को ध्यान में रखकर एवं ब्याज के तत्व को सम्मिलित करते हुए ख्याति का मूल्यांकन किया जाता है। यही मूल्य सर्वाधिक उचित मूल्य है।

कम्पनी की स्थिति में ख्याति का मूल्यांकन
(Valuation of Goodwill in the Case of Company)

कम्पनी के चिट्ठे में एकाकी व्यापारी व फर्म की तुलना में कुछ विशिष्ट मदें होती हैं। ख्याति का मूल्यांकन करते समय इन मदों का समायोजन करना पड़ता है। इन मदों में मुख्य रूप से ऋण-पत्र, अधिमान अंश पूँजी एवं अधिमान अंशों पर लाभांश प्रमुख हैं। ईक्विटी अंश पूँजी स्वामियों की पूँजी की तरह ही होती है, अतः इसके सम्बन्ध में कोई समायोजन नहीं करना पड़ता है।

1. वास्तविक औसत लाभों की गणना (Calculation of Actual Average Profits)—यदि अधिमान अंश अनावशिष्ट भागी (Non-participating) है तो इन पर दिये गये लाभांश की राशि को औसत लाभों में से घटाया जायेगा। यदि चिट्ठे में केवल अधिमान अंश पूँजी लिखी हुई हो तो इसे अनावशिष्ट भागी (Non-participating) ही मानना चाहिए। ऋण-पत्रों पर ब्याज की राशि को तो शुद्ध लाभों की गणना करते समय ही घटा दिया जाता है। इसी प्रकार प्रबन्धकों एवं संचालकों का पारिश्रमिक भी लाभों में से पहले ही घटा दिया जाता है, अतः यहाँ स्वामियों का पारिश्रमिक अलग से नहीं घटाया जाता।

संक्षेप में, वास्तविक औसत लाभों की गणना इस प्रकार की जा सकती है :

	Rs.
Net Profits or Average Profit before tax	....
Less : Income from non-trade investments	....
	....

Less : Taxes	......
	......
Less : Preference Share Dividend (on Non-Participating Preference Shares)	......
Actual Average Profit	......

2. औसत विनियोजित पूंजी की गणना (Calculation of Average Capital Employed) : विनियोजित पूंजी की गणना करते समय ऋण-पत्रों को सम्पत्तियों में से घटा दिया जाता है। इसी प्रकार यदि अधिमान अंश अनाधिकृत भागी (Non-participating) हो तो उन्हें भी सम्पत्तियों के मूल्य में से घटा देना चाहिए।

Illustration 5·9 : The Balance Sheet of Bharat Manufacturing Company Ltd. discloses the following financial position as on 31st March, 1991 :

31 मार्च, 1991 को भारत मैन्युफैक्चरिंग कम्पनी लिमिटेड का चिट्ठा निम्नलिखित वित्तीय स्थिति को दर्शाता है :

Balance Sheet

	Rs.		Rs.
Paid up Capital :		Goodwill at cost	30,000
3,000 Equity Shares of Rs. 100 each fully paid	3,00,000	Land and Buildings	1,75,000
Capital Reserve	60,000	Plant and Machinery	90,000
Sundry Creditors	71,000	Stock	1,15,000
Provision for Taxation	55,000	Book Debts	95,000
Profit and Loss Account	26,000	Cash at Bank	7,000
	5,12,000		5,12,000

You are asked to calculate the average capital employed and value the goodwill of the company on 3 years' purchase of the super profit on the basis of following information :

(a) The reasonable return on capital invested in the class of business done by the company is 10%.

(b) Adequate provision has been made in accounts for income-tax and depreciation.

(c) The rate of tax may be taken at 50%.

आपको निम्नलिखित सूचनाओं के आधार पर कम्पनी की औसत विनियोजित पूंजी एवं ख्याति के मूल्य की गणना अधिलाभों के 3 वर्षों के क्रय के आधार पर करनी है :

(a) कम्पनी द्वारा किये जा रहे व्यवसाय में विनियोजित पूंजी पर उचित प्रत्याय की दर 10% है।

(b) आय-कर एवं ह्रास के लिए खातों में पर्याप्त प्रावधान कर लिया है।

(c) कर की दर 50% मानी जा सकती है।

Solution : Calculation of Average Capital Employed :

	Rs.	Rs.
Book Value of Assets		5,12,000
Less : Sundry Creditors	71,000	
Provision for Taxation	55,000	1,26,000
		3,86,000
Less : $\frac{1}{2}$ of the current years' profit		27,500
Average Capital Employed		3,58,500
Profit for the year (Equivalent to provision for taxation)		55,000
Less : Normal Profit (10% on Rs. 3,58,500)		35,850
Super Profit		19,150

Value of Goodwill = Rs. 19,150 × 3 = Rs. 57,450.

Miscellaneous Illustrations

Illustration 5·10 : The following is the Balance Sheet of X Ltd. as on 31st December 1991 :

31 दिसम्बर, 1991 को एक्स लिमिटेड का चिट्ठा निम्न प्रकार है :

Balance Sheet

		Rs.		Rs.
Share Capital			Goodwill	2,79,000
3,750 5% Non-participating			Land and Buildings	1,50,000
Preference Shares of Rs. 100			Plant and Machinery	11,25,000
each		3,75,000	Motors Vehicles at cost	15,000
7,500 Equity Shares of Rs. 100			(Purchased on 1st July, 1990)	
each		7,50,000	Stock	4,61,250
Reserves (including provision for			Books Debts	1,50,000
tax Rs. 1,12,500)		7,50,000	Investments (to provide for	
5% Debentures		3,75,000	replacement of Plant and	
Secured Loans		75,000	Machinery)	6,00,000
Sundry Creditors		1,12,500	Cash and Bank Balances	72,000
P. & L. Account :			*Discount on Debentures*	4,500
Last years balance	12,000		Underwriting Commission	5,250
Profit for the year				
(after tax)	4,12,500	4,24,500		
		28,62,000		28,62,000

You are informed that : (i) The market value of Land and Buildings is Rs. 4,50,000 and that of Plant and Machinery is Rs. 9,00,000; (ii) market value of

Investments is Rs. 5,62,500: (iii) book debts are bad to the extent of 10%; (iv) market value of Stock is Rs. 4,83,750; (v) in a similar company the market value of equity shares of the same par value is Rs. 250 per share and average dividend declared for the previous five years is 25%; and (vi) Rate of depreciation on Motor Vehicle may be taken at 20% p a on straight line method.

Find out the value of Goodwill by annuity of three years.

आपको सूचित किया जाता है कि : (i) भूमि एवं भवन का बाजार मूल्य 4,50,000 रु० प्लान्ट एवं मशीन का 9,00,000 रु० है; (ii) विनियोगों का बाजार मूल्य 5,62,500 रु० है, (iii) पुस्तक ऋण 10 प्रतिशत की सीमा तक डूबत हैं; (iv) स्टॉक का बाजार मूल्य 4,83,750 रु० है; (v) इसी प्रकार की एक अन्य कम्पनी में उसी अंकित मूल्य के ईक्विटी अंशों का बाजार मूल्य 250 रु० प्रति अंश है तथा उस कम्पनी में गत पाँच वर्षों के लिए घोषित औसत लाभांश 25 प्रतिशत है; एवं (vi) मोटर गाड़ी पर ह्रास की दर स्थायी किस्त विधि से 20% प्रति वर्ष ली जा सकती है।

ख्याति का मूल्य तीन वर्षों की वार्षिकी द्वारा ज्ञात कीजिये।

Solution : Calculation of Actual Profit :

		Rs.
Profit for 1991 (as given)		4,12,500
Less : Depreciation on Motor Vehicles	Rs.	
(20% on straight line basis for the current year)	3,000	
Bad Debts at 10% on Debtors	15,000	
Preference Share Dividend	18,750	36,750
Actual Profit Available to Equity Shareholders		3,75,750

Calculation of Average Capital Employed :

Land and Buildings		4,50,000
Plant and Machinery		9,00,000
Motor Vehicles (Book value less depreciation for $1\frac{1}{2}$ years @ 20% on straight line method)		10,500
Stock		4,83,750
Book Debts (Rs. 1,50,000 − Rs. 15,000)		1,35,000
Investments (being trade investments)		5,62,500
Cash and Bank Balances		72,000
	Total Assets	26,13,750
Less : Liabilities and Provisions	Rs.	
5% Debentures	3,75,000	
Secured Loans	75,000	
Sundry Creditors	1,12,500	
Provision for Taxation	1,12,500	6,75,000

	Net Assets	19,38,750
Less : Preference Share Capital		3,75,000
	Capital Employed	15,63,750
Less : ½ of Current Year's Profit (Rs. 4,12,500 – 18,750)		1,96,875
	Average Capital Employed	13,66,875

Calculation of Super Profit

Actual Profit available to Equity Shareholders		3,75,750
Less : Normal Profit $\left(\text{Average Capital Employed} \times \frac{\text{Normal Rate}}{100}\right)$		1,36,688
	Super Profit	2,39,062

Where Normal Rate of Return $= \frac{\text{Rs. } 25}{\text{Rs. } 250} \times 100 = 10\%$

Value of Goodwill = Super Profit × P. V. of Re. 1 for 3 years @ 10%.
Rs. 2,39,062 × 2·4868 = Rs. 5,94,499 or say Rs. 5,94,500.

Illustration 5·11 : From the following information supplied to you, ascertain the *value of goodwill of A Ltd. which is carrying on business as retail trader, under 3 years'* purchase of Super Profit method :

आपको दी गई निम्नलिखित सूचना से 'A' लि० की ख्याति का मूल्यांकन अधिलाभों के 3 वर्षों की क्रय विधि के आधार पर कीजिए जो फुटकर व्यापारी के रूप में अपना व्यवसाय चला रही है :

Balance Sheet as on 31st March, 1989

	Rs.		Rs.
Paid up Capital :		Goodwill	50,000
5,000 Shares of Rs. 100 each		Land and Buildings at cost	2,20,000
fully paid	5,00,000	Plant and Machinery	2,00,000
Bank Overdraft	1,16,700	Stock in Trade	3,00,000
Sundry creditors	1,81,000	Book debts less Provision	
Provision for Taxation	39,000	for bad debts	1,80,000
P & L Appropriation A/c	1,13,300		
	9,50,000		9,50,000

The company commenced operations in 1970 with a paid up capital of Rs. 5,00,000 Profits for recent years (after tax) have been as follows :

कम्पनी ने 1970 में अपना व्यवसाय 5,00,000 रु० की प्रदत्त पूँजी से प्रारम्भ किया। हाल ही के वर्षों में लाभ (कर के पश्चात्) इस प्रकार रहे हैं :

Year ended 31st March (31 मार्च को समाप्त वर्ष) :

1988 Rs. 40,000 (Loss); 1989 Rs. 88,000; 1990 Rs. 1,03,000; 1991 Rs. 1,16,000; 1992 Rs. 1,30,000.

The loss in 1988 occurred due to prolonged strike. The income tax paid for has been at the average rate of 40% but it is likely to be 50% from onwards. Dividend were distributed at the rate of 10% on the paid up capital in 1989 and 1990 and at the rate of 15% in 1991 and 1992. The market price of shares is ruling at Rs. 125 at the end of the year ended 31st March, 1992. Profit till 1992 have been ascertained after debiting Rs. 40,000 as remuneration to the Managing Director. The government has approved a remuneration of Rs 60,000 with effect from 1st April, 1992. The company has been able to secure a contract for supply of materials at advantageous price. The advantage has been valued at Rs. 40,000 per annum for the next 5 years.

1988 में हानि लम्बी अवधि तक चली हड़ताल के कारण हुई। अब तक आयकर 40% की औसत दर से चुकाया गया किन्तु अब इसके 50% होने की सम्भावना है। 1989 एवं 1990 में लाभांश 10% की दर से वितरित किया गया एवं 1991 एवं 1992 में यह दर 15% थी। 31 मार्च, 1992 को समाप्त हुए वर्ष के अन्त में अंशों का प्रचलित बाजार मूल्य 125 रु० है। 1992 तक के लाभ प्रबन्ध संचालक का 40,000 रु० पारिश्रमिक घटाने के बाद आये हैं। 1 अप्रैल, 1992 से सरकार ने 60,000 रु० का पारिश्रमिक स्वीकृत किया है। कम्पनी लाभदायक मूल्यों पर माल की पूर्ति के अनुबन्ध को प्राप्त करने में सफल हो गई। इस लाभ को अगले 5 वर्षों के लिए 40,000 रु० प्रति वर्ष के हिसाब से मूल्यांकित किया गया है।

Solution : **Valuation of Goodwill of A Ltd.**

	(i) Capital Employed :		Rs.
	Land and Buildings (at cost)		2,20,000
	Plant and Machinery		2,00,000
	Stock in Trade		3,00,000
	Sundry Debtors		1,80,000
			9,00,000
Less :	Sundry Liabilities	Rs.	
	Bank Overdraft	1,16,700	
	Sundry Creditors	1,81,000	
	Provision for Taxation	39,000	3,36,700
		Capital Employed	5,63,300
Less :	$\frac{1}{2}$ of Current Year's Profit (1,30,000 – Dividend Rs. 75,000)		27,500
		Average Capital Employed	5,35,800

(ii) Normal Rate of Return Average Dividend for the last 4 years : $12\frac{1}{2}\%$

Market price of share on 31st March, 1992 is Rs. 125

$$\text{Normal Rate of Return } \frac{12.5}{125} \times 100 = 10\%$$

Note : It may be more appropriate to relate Normal Rate of Return to the dividend paid in the last two years since price is related to dividend expected in future and for that, the most recent experience is relevant.

In that case the normal rate of return will be = (15 × 100)/125 = 12%

(iii) Future Maintainable Profit (Weighted Average)

Year	Profit Rs.	Weights	Product Rs.
1988–89	88,000	1	88,000
1989–90	1,03,000	2	2,06,000
1990–91	1,16,000	3	3,48,000
1991–92	1,30,000	4	5,20,000
		10	11,62,000

			Rs.
	Average Annual Profit after tax 11,62,000 ÷ 10		1,16,200
	Average Annual Profit before tax $1,16,200 \times \frac{100}{60}$		1,93,667
	Adjustments :		
	(i) Increase in Remuneration	– 20,000	
	(ii) Savings in Cost of Materials	+ 40,000	20,000
			2,13,667
Less :	Taxation @ 50%		1,06,833
	Future Maintainable Profit		1,06,834
	(iv) Super Profit		
	(i) Average Maintainable Profit		1,06,834
Less :	Normal Profit (12% of Rs. 5,35,800)		64,296
	Super Profit		42,538

(v) Value of Goodwill = Super Profit × 3 or Rs. 42,533 × 3 = Rs. 1,27,614

टिप्पणी : (1) सामान्य प्रत्याय दर की गणना अंशों के बाजार मूल्य पर किया जाना अधिक उपयुक्त होता है अतः इस प्रश्न के हल में अंशों के बाजार मूल्य को ही सामान्य प्रत्याय की गणना के काम में लिया गया है।

(2) 1988 वर्ष की असामान्य हानि को औसत लाभों की गणना में शामिल नहीं किया जायेगा।

Illustration 5·12 : G Ltd. is to be absorbed by D Ltd. They agree to value goodwill attaching to G Ltd. on the basis of 3 years' purchase of the average annual super-profit, the net profits being averaged over 5 years, with due regard to necessary adjustments, if any. Profits of G Ltd. (before income tax @ 55% on income) for the last 5 years are :

जी लि० का सविलयन डी लि० के द्वारा किया जाना है। वे जी लि० की ख्याति का औसत वार्षिक अधिलाभों के 3 वर्षों के क्रय के आधार पर, जिसके लिए 5 वर्षों के शुद्ध लाभों का औसत लेकर आवश्यक समायोजन यदि हों तो, करके मूल्यांकन करने के लिए सहमत हैं। जी लि० के लाभ (आय पर 55% आयकर के पूर्व) गत 5 वर्षों के लिए निम्नलिखित हैं :

1987 Rs. 50,000, 1988 Rs. 65,000; 1989 Rs. 45,000; 1990 Rs. 55,000; 1991 Rs. 75,000;

Three directors of G. Ltd. will be appointed to the Board of D. Ltd. on absorption; and it is considered that their service are worth Rs. 5,000 each p. a. which have never been charged against profits on G Ltd. The average capital employed during the period is Rs. 1,80,000 and the expected normal return from the particular type of business carried on by G Ltd. is 10% p. a. Calculate the value of Goodwill of G Ltd.

सविलयन के पश्चात् जी लि० के तीन संचालक डी लि० के बोर्ड में नियुक्त किये जायेंगे और यह तय किया जाता है कि उनकी प्रत्येक की सेवाओं का मूल्य 5,000 रु० वार्षिक होगा जो जी लि० में कभी चार्ज नहीं किया गया। इस अवधि में विनियोजित पूँजी 1,80,000 रु० है और जी लि० द्वारा जिस प्रकार का व्यवसाय किया जा रहा है उसकी आशान्वित सामान्य दर 10% है। जी लि० की ख्याति के मूल्य की गणना कीजिए।

Solution :

	Rs.
Profit for the past 5 years	
(Rs. 50,000 + Rs. 65,000 + Rs. 45,000 + Rs. 55,000 + Rs. 75,000)	2,90,000
Average Profit (2,90,000 ÷ 5)	58,000
Less : Director's Fees (Rs. 5,000 × 3)	15,000
	43,000
Less : Income tax at 55%	23,650
Actual Average Profit	19,350
Less : Normal Profit (10% of Rs. 1,80,000)	18,000
Super Profit	1,350

Value of Goodwill = Rs. 1,350 × 3 = Rs. 4,050.

Illustration 5·13 : The following data are available about a company for the last five years :

एक कम्पनी के सम्बन्ध में गत पांच वर्षों के लिए अग्रलिखित आंकड़े उपलब्ध हैं :

Years	Profit before Managerial Remuneration and Tax.	Depreciation,	Managerial Remuneration
		Rs.	Rs.
1987		1,80,000	16,000
1988		1,70,000	12,000
1989		1,50,000	12,000
1990		1,90,000	12,000
1991		2,00,000	18,000

The following further information is also given :

(a) Depreciation may be taken at 10% on the fixed assets of Rs. 10,00,000.

(b) the Preference Share Capital of the company consists of 10% Rs. 2,00,000 shares;

(c) The corporate tax rate is 50%.

Calculate the value of goodwill on the basis of 3 years' purchase of the average profits for equity share holders.

निम्नलिखित अतिरिक्त सूचना और दी गई है :

(अ) 10,00,000 रु० की स्थायी सम्पत्तियों पर 10% ह्रास लगाना है।

(ब) कम्पनी की अधिमान अंश पूंजी 10% 2,00,000 रु० के अंशों में है।

(स) निगम कर की दर 50% है।

समता अंश धारियों के लिए उपलब्ध औसत लाभ के तीन वर्षों के क्रय के आधार पर ख्याति की गणना कीजिये।

Solution :

Statement Showing Future Maintainable Profits

	1987 Rs.	1988 Rs.	1989 Rs.	1990 Rs.	1991 Rs.
Profit (as given)	1,80,000	1,70,000	1,50,000	1,90,000	2,00,000
Less : Depreciation	1,00,000	1,00,000	1,00,000	1,00,000	1,00,000
	80,000	70,000	50,000	90,000	1,00,000
Less : Managerial Remuneration	16,000	12,000	12,000	12,000	18,000
	64,000	58,000	38,000	78,000	82,000
Less : Income Tax (50%)	32,000	29,000	19,000	39,000	41,000
	32,000	29,000	19,000	39,000	41,000

$$\text{Average Future Maintainable Profit} = \frac{32{,}000 + 29{,}000 + 19{,}000 + 39{,}000 + 41{,}000}{5}$$

$$= \frac{1,60,000}{5}$$

= Rs. 32,000

Less : Preference Share Dividend = Rs. 20,000

Profit available for equity share holders = *Rs. 12,000*

Value of goodwill = Rs. 12,000 × 3 = Rs. 36,000

प्रश्नावली प्रश्न

सैद्धान्तिक प्रश्न (Theoretical Questions)

1. Describe the concept of goodwill and explain the various methods of its valuation.

ख्याति की अवधारणा का वर्णन कीजिये तथा उसके मूल्यांकन की विभिन्न रीतियों को समझाइए।

2. Define goodwill stating the factors upon which it depends and methods which may be used in its valuation.

ख्याति की परिभाषा दीजिए और बताइये कि यह किन तथ्यों पर निर्भर करती है एवं इसके मूल्यांकन में प्रयुक्त रीतियों की व्याख्या कीजिए।

3. Discuss the concept and nature of Goodwill. How is it treated in accounts ?

ख्याति की अवधारणा तथा प्रकृति की व्याख्या कीजिए। इसका अभिलेखों में किस प्रकार से व्यवहार किया जाता है ?

4. "Goodwill is the present value of expected future income in excess of a normal return on the investment in tangible assets." Explain the various methods of finding the present value referred to in this definition. Point out the limitations of their applicability in practice.

"मूर्त परिसम्पत्तियों में किये गये निवेशों पर सामान्य प्रत्याय से भविष्य में अपेक्षित आय के आधिक्य का वर्तमान मूल्य ही ख्याति है।" इस परिभाषा में उल्लेखित वर्तमान मूल्य ज्ञात करने की विभिन्न रीतियाँ समझाइये। व्यवहार में उनके अनुप्रयोग की परिसीमाओं को इंगित कीजिये।

5. What is meant by goodwill ? What factors generally affect the goodwill of a business ? Discuss the different methods of valuing goodwill.

ख्याति से क्या तात्पर्य है ? एक व्यापार की ख्याति को सामान्यतया कौन से घटक प्रभावित करते हैं ? ख्याति के मूल्यांकन की विभिन्न रीतियों का वर्णन कीजिए।

6. "There are two bases of valuation of goodwill (a) expected future profit, (b) super profit, although second is derived from the first." State clearly as how these two bases are determined ?

"ख्याति के मूल्यांकन के दो आधार (अ) आशान्वित भावी लाभ तथा (ब) अधिलाभ हैं, यद्यपि दूसरा पहले से ही प्राप्त होता है।" स्पष्टतः बताइए कि इन दोनों का निर्धारण किस प्रकार किया जाता है ?

7. What are the factors to be taken into consideration for the purpose of ascertaining the value of goodwill ?

ख्याति के मूल्य का निर्धारण करते समय किन-किन तत्वों को ध्यान में रखना आवश्यक होता है ?

8. Explain the purchase of super profit method of valuing goodwill. What factors should be taken into consideration in the determination of various components and in valuing goodwill according to this method ?

ख्याति के मूल्यांकन की अधिलाभ क्रय रीति का वर्णन कीजिए। इस रीति से ख्याति का मूल्यांकन करने में प्रयुक्त घटकों के निर्धारण में किन कारणों को ध्यान में रखना चाहिए।

व्यावहारिक प्रश्न (Practical Questions) :

9. A and B are partners sharing profits and losses equally. It has been agreed that if a partner retires, the other partner should be desireous to carry on the business shall pay to the retiring partner the amount of goodwill to be valued on the basis of 4 years' purchase of the super profits. The balance sheet of the firm as at 31st December, 1991 was as follows :

ए व बी साझेदार है जो लाभ हानि बराबर के अनुपात में बांटते हैं। यह तय हुआ कि अगर एक साझेदार अवकाश ग्रहण करता है और दूसरा साझेदार व्यापार को चलाना चाहता है तो वह अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार को ख्याति की राशि देगा जिसका मूल्यांकन अधिलाभों के 4 वर्षों के क्रय आधार पर किया जाएगा। 31 दिसम्बर, 1991 को फर्म का चिट्ठा इस प्रकार था :

Balance Sheet

	Rs.		Rs.
Creditors	9,000	Cash in hand	13,000
A's Capital	22,000	Book Debts	10,000
B's Capital	17,000	Closing Stock	6,000
		Buildings	19,000
	48,000		48,000

B retires on 1st January, 1992 and A decides to carry on the business. The profits for the last 3 years were Rs. 13,500, Rs. 14,500 and Rs. 14,000 respectively. For the purpose of dissolution, building has been revalued at Rs. 25,000. Partners did not draw any salary. Assume that normal remuneration is Rs. 6,000 per annum and normal rate of return on capital is 12%. Show the computation of the value of goodwill.

1 जनवरी, 1992 को B अवकाश ग्रहण करता है और A व्यापार चलाने का निर्णय करता है। पिछले तीन वर्षों के लाभ क्रमशः 13,500 रु०, 14,500 रु० एवं 14,000 रु० थे। समापन के लिए भवन का पुनर्मूल्यांकन 25,000 रु० पर किया गया। साझेदारों ने कोई वेतन नहीं लिया। सामान्य पारिश्रमिक 6,000 रु० वार्षिक एवं पूँजी पर 12% सामान्य प्रत्याय दर मानिये। ख्याति का मूल्यांकन कीजिए।

Answer : Average Capital Employed Rs. 38,000, Value of Goodwill Rs. 13,760. (5·1)

10. Balance Sheet of Mr. Ravi as on 31st December, 1991 was as follows :

31 दिसम्बर, 1991 को रवि का चिट्ठा इस प्रकार था :—

Balance Sheet

	Rs		Rs.
Capital	5,00,000	Land and Building	3,60,000
Creditors	1,60,000	Machinery	2,20,000
Bills Payable	40,000	Furniture and Fixtures	4,000
		Stock	16,000
		Cash	1,00,000
	7,00,000		7,00,000

The profit of the business for the last five years ending 31st December, 1991 are : I year Rs. 80,000; II year Rs. 84,000, III year Rs. 90,000; IV year Rs. 1,00,000; and V year Rs. 1,06,000. The assets were revalued as under : Land and Building Rs. 3,88,000; Machinery Rs 36,000 and Furniture Rs. 2,000. No remuneration was charged by Mr Ravi though he was actively engaged in business. Fair remuneration may be assumed at Rs 12,000 per annum, and normal rate of return may be taken for such type of business at 10%.

Find out the value of goodwill by capitalisation method.

31 दिसम्बर, 1991 को समाप्त हुए गत 5 वर्षों के व्यापार के लाभ हैं : प्रथम वर्ष 80,000 रु०, द्वितीय वर्ष 84,000 रु०, तृतीय वर्ष 90,000 रु०, चतुर्थ वर्ष 1,00,000 रु०, एवं पंचम वर्ष 1,06,000 रु०।

सम्पत्तियाँ इस प्रकार पुनर्मूल्यांकित की गईं : भूमि एवं भवन 3,88,000 रु०; मशीन 36,000 रु०, एवं फर्नीचर 2,000 रु०। रवि द्वारा कोई पारिश्रमिक नहीं लिया गया यद्यपि वह सक्रिय रूप से व्यवसाय में लगा हुआ था। उचित पारिश्रमिक 12,000 रु० वार्षिक माना जा सकता है एवं इस प्रकार के व्यवसाय के लिए सामान्य प्रत्याय की दर 10% ली जा सकती है। पूँजीकरण विधि से ख्याति के मूल्य की गणना कीजिए।

Answer : Weighted Average of Profits Rs. 96,533; Average Capital Employed Rs. 2,89,000 and value of Goodwill Rs. 5,56,330. (5·2)

11. From the following information, compute the value of goodwill by annuity method .

Average Capital Employed Rs 4,00,000. *Normal Rate of Profit 10%. Profits for* 1989 Rs 62,000; 1990 Rs. 59,000, 1991 Rs 66,000. Profit for 1990 have been arrived at after writing off abnormal loss of Rs. 2,000 and profits for 1991 include non-recurring income of Rs. 3,000. Goodwill is to be calculated on the basis of annuity of 3 years' purchase of super profits.

निम्न सूचनाओं के आधार पर ख्याति का मूल्यांकन वार्षिक वृत्ति रीति के आधार पर कीजिए—

औसत नियोजित पूँजी 4,00,000 रु०; सामान्य लाभ की दर 10%; लाभ 1989 62,000 रु०, 1990 59,000 रु०, 1991 66,000 रु०। 1990 वर्ष के लाभ की गणना 2,000 रु० की असाधारण हानि को अपलिखित करने के पश्चात् की है तथा 1991 वर्ष के लाभों में 3,000 रु० की अनावर्तक आय सम्मिलित है। ख्याति की गणना अधिलाभों के तीन वर्षों के क्रय की वार्षिक वृत्ति के आधार पर करनी है।

Answer : Value of goodwill Rs. 54,714 based on the annuity value of Re. 1 for 3 years = Rs. 2·487. (5·3)

12. The following is the Balance Sheet of Mohan as on 30th June, 1992 :
30 जून, 1992 को मोहन का चिट्ठा निम्नलिखित है :

Balance Sheet

	Rs.	Rs.		Rs.
Capital	1,64,000		Land and Buildings	36,000
Add : Profit for the year	43,000	2,07,000	Plant	55,000
			Investments	30,000
General Reserve		41,000	Stock	27,000
Creditors		38,000	Debtors	19,000
			Bank	1,19,000
		2,86,000		2,86,000

The net profits (after tax) for last three years were : 1990 Rs. 32,000; 1991 Rs. 37,000 and 1992 Rs 43,000. These amounts of profit include income from investments Rs. 2,000 each year You are required to value the goodwill of the above business at three years' purchase of the super profits taking into account the fact that the normal rate of return on capital employed in such type of business is 10%.

विगत 3 वर्षों के शुद्ध लाभ (कर के पश्चात्) इस प्रकार थे : 1990–32,000 रु०, 1991–37,000 रु० तथा 1992–43,000 रु०, लाभ की इन राशियों में 2,000 रु० प्रतिवर्ष विनियोगों से प्राप्त सम्मिलित है। आपको अधिलाभों के 3 वर्षों के क्रय के आधार पर उपर्युक्त व्यापार की ख्याति का मूल्यांकन इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए करना है कि इसी प्रकार के व्यापार में विनियोजित पूँजी पर प्रत्याय की सामान्य दर 10% है।

Answer : Weighted Average of Profits Rs. 37,167, Normal Profits Rs. 19,750 and Value of Goodwill Rs. 52,251. (5.4)

13. The average net profit is (before adjustment) Rs. 3,10,000. It includes Rs. 3,000 as income on non-trading investments, the cost of which is Rs. 75,000. Expenses amounting to Rs. 4,500 p. a. are likely to be discontinued in future. The burden of annual taxation is 50% and fair return is considered to be 8%. The average capital employed (including investments) is Rs. 19,75,000. Assuming 5 years' purchase of super profits, find out the value of goodwill.

औसत शुद्ध लाभ (समायोजन से पहले) 3,10,000 रु० है। इसमें 3,000 रु० की गैर-व्यापारिक विनियोगों की आय सम्मिलित है, जिनकी लागत 75,000 रु० है। 4,500 रु० के वार्षिक व्ययों को भविष्य में समाप्त होने की सम्भावना है। वार्षिक कर भार 50% है और उचित प्रत्याय की दर 8% ठीक मानी जा सकती है। औसत विनियोजित पूँजी (विनियोगों को सम्मिलित करते हुए) 19,75,000 रु० है।

अधिलाभों के 5 वर्षों के क्रय के आधार पर ख्याति का मूल्यांकन कीजिए।

Answer : Actual Average Profit Rs. 1,55,750; Average Capital Employed excluding investments Rs. 19,00,000 and value of goodwill Rs. 18,750 (5.5)

14. The following is the Balance Sheet of a firm as at 31st December, 1991 :
एक फर्म का 31 दिसम्बर, 1991 को निम्नलिखित चिट्ठा है :

Balance Sheet

		Rs.		Rs.
Capital (including current year's profit)			Goodwill	2,000
			Machinery	36,000
A	77,000		Furniture	1,000
B	48,000		Stock	29,400
		1,25,000	Debtors	25,700
Creditors		15,000	Cash	45,900
		1,40,000		1,40,000

It is proposed to convert the firm into a limited company. For the purpose of acquisition of the business by company, the assets are revalued as follows :

Machinery Rs. 34,000; Furniture Rs. 900; Stock Rs. 29,000 and Debtors Rs. 24,900. *It is ascertained that the profits, before charging anything for interest on capital* and remuneration for proprietor's services, over the immediately preceding five years are : Rs 25,400; Rs. 26,400; Rs. 26,600; Rs. 27,000; and Rs. 26,800 (current year), Included in these profits are casual items, averaging Rs. 200, but from the nature of the business, casual items are found to arise every year, and the promotors agree that Rs. 160 should be allowed as profits from this source Similar concerns earn 10% per annum on their equity shares, and the partners, who would be the directors of the company, are to be remunerated as to A Rs. 4,000 and B Rs. 6,000.

Calculate goodwill by capitalising super profits. Assume the current year's average capital employed as the effective capital for normal return. Ignore tax.

फर्म को सीमित कम्पनी मे परिवर्तित करना प्रस्तावित किया जाता है। कम्पनी द्वारा व्यवसाय क्रय करने के उद्देश्य से, सम्पत्तियाँ इस प्रकार मूल्यांकित की गई : मशीन 34,000 रु०, फर्नीचर 900 रु०, स्टॉक 29,000 रु० और देनदार 24,900 रु०। यह पता चलता है कि तुरन्त पूर्व के 5 वर्षों के लाभ पूंजी पर ब्याज एवं स्वामियों का पारिश्रमिक चार्ज करने से पूर्व 25,400 रु०, 26,400 रु०, 26,600 रु०, 27,000 रु० एवं 26,800 रु० (चालू वर्ष का) हैं। इन लाभो में औसत रूप से 200 रु० की आकस्मिक मद सम्मिलित है लेकिन व्यापार की प्रकृति के कारण आकस्मिक मद प्रति वर्ष उदय होते हैं, और प्रवर्तक इस बात के लिए सहमत हैं कि इस स्रोत से 160 रु० लाभों के रूप में स्वीकृत किया जाना चाहिए। इसी प्रकार की संस्थाएँ अपने ईक्विटी अंशों पर 10 प्रतिशत वार्षिक की दर से कमाती है और साझेदार, जो कम्पनी के संचालक होंगे, A को 4,000 रु० एवं B को 6,000 रु० की दर से पारिश्रमिक दिया जाता है।

अधिलाभो को पूंजीकृत करते हुए ख्याति के मूल्य की गणना कीजिए। सामान्य प्रत्याय के लिए चालू वर्ष की औसत विनियोजित पूंजी को प्रभावी पूंजी मानिये। कर का ध्यान नहीं रखना है।

Answer : Average Capital Employed Rs. 1,06,300, Value of Goodwill Rs. 57,700 5.6

15. The Balance Sheet of X Ltd as on 31st March, 1992 is as follows :

31 मार्च 1992 को एक्स लिमिटेड का चिट्ठा अग्र प्रकार है :

Balance Sheet

	Rs.		Rs.
8% Preference shares of Rs. 100 each	1,00,000	Goodwill	20,000
2,000 Equity shares of Rs. 100 each	2,00,000	Fixed Assets	3,60,000
Reserve & Surplus	1,80,000	Investments (5% Govt. Loan)	40,000
8% Debentures	1,00,000	Current Assets	2,00,000
Creditors	50,000	Preliminary Expenses	20,000
Provision for Taxation	20,000	Discount on Debentures	10,000
	6,50,000		6,50,000

The average profit of the company (after deducting interest on debentures and taxes) is Rs 62,000. The market value of the machinery included in fixed assets is Rs. 10,000 more than the book value. Expected rate of return is 10%.

Evaluate the goodwill of the company at 5 times of the super profits.

कम्पनी का औसत लाभ (ऋण-पत्रों पर ब्याज एवं कर घटाने के पश्चात्) 62,000 रु० है। स्थायी सम्पत्तियों में सम्मिलित मशीन का बाजार मूल्य पुस्तक मूल्य से 10,000 रु० अधिक है। आशान्वित प्रत्याय की दर 10% है।

कम्पनी की ख्याति का मूल्यांकन अधिलाभों के 5 गुने के आधार पर कीजिए।

Answer : Average Capital Employed Rs. 2,74,000; Actual Average Profits Rs. 52,000, Value of Goodwill Rs. 1,23,000. (5.7)

16. Mohan has invested a sum of Rs. 3,00,000 in his own business which is a very profitable one. The annual profit earned from his business is Rs. 60,000 which includes a sum of Rs. 10,000 received as compensation for acquisition of a part of his business premises. The money could have been invested in deposits for a period of 5 years and over at 10% interest and himself could earn Rs. 7,200 per annum in alternative employment.

Considering 2% as fair compensation for the risk involved in the business, calculate the value of goodwill of his own business on capitalisation of super profit at the normal rate of return.

मोहन ने एक बहुत ही लाभदायक व्यवसाय में 3,00,000 रु० का विनियोग किया है। उसके व्यवसाय द्वारा अर्जित वार्षिक लाभ 60,000 रु० है जिसमें 10,000 रु० की एक ऐसी राशि सम्मिलित है जो उसके व्यवसाय के भवन के अधिग्रहण करने पर क्षतिपूर्ति के रूप में प्राप्त हुई है। इस धन का विनियोग 5 वर्षीय जमा के रूप में 10 प्रतिशत ब्याज पर किया जा सकता है और वह स्वयं वैकल्पिक रोजगार में 7,200 रु० वार्षिक कमा सकता है।

व्यवसाय में सम्मिलित जोखिम के लिए 2% उचित क्षतिपूर्ति मानते हुए उसके व्यवसाय की ख्याति का मूल्यांकन अधिलाभों को, सामान्य प्रत्याय की दर के आधार पर पूँजीकृत करते हुए कीजिए।

Answer : Value of Goodwill Rs. 56,667. (5.8)

17. P. Ltd. proposed to purchase the business carried on by Shri Chandu. Goodwill for this purpose is agreed to be valued at three year's purchase of the weighted average profits of the past four years. The appropriate weights to be used are : 1988–1, 1989–2, 1990–3, 1991–4. The profits for these year : 1988 Rs. 20,200: 1989 Rs. 24,800; 1990 Rs 20,000; and 1991 Rs. 30,000.

On scrutiny of accounts the following matters are revealed : (a) On 1st September 1991 a major repair was made in respect of the plant incurring Rs. 6,000 which amount was charged to revenue. The said sum is agreed to be capitalised for goodwill calculation subject to adjustment of depreciation at 10% p. a. on reducing balance method, (b) The closing stock for the year 1989 was over-valued by Rs. 2,400; and (c) To cover management cost an annual charge of Rs 4,800 should be made for the purpose of goodwill valuation. Compute thr value of goodwill of the business.

श्री चन्दू के द्वारा सचालित व्यापार को पी लि. ने खरीदने का प्रस्ताव किया। इस उद्देश्य के लिए ख्याति का मूल्यांकन पिछले चार वर्षों के लाभो के भारित औसत के तीन वर्षों के क्रय के आधार पर करने को सहमत होते हैं। प्रयोग में लिये जाने वाले उपर्युक्त भार हैं : 1988–1, 1989–2, 1990–3, 1991–4। इन वर्षों के लाभ हैं; 1988–20,200 रु०; 1989–24,800 रु०; 1990–20,000 रु०; और 1991–30,000 रु०।

लेखो की जाँच करने पर निम्नलिखित तथ्यों का पता लगता है। (a) 1 सितम्बर, 1990 को प्लाट के सम्बन्ध में 6,000 रु० की महत्त्वपूर्ण मरम्मत कराई जिसे रेवन्यू से चार्ज किया गया। उक्त राशि को ख्याति के मूल्यांकन के लिए पूँजीकृत करने एवं इस पर 10% वार्षिक की दर से घटती हुई पद्धति के आधार पर मूल्य ह्रास का समायोजन करने को सहमत हो जाते हैं, (b) 1989 वर्ष में अन्तिम स्टॉक का मूल्यांकन 2,400 रु० से अधिक किया गया था, एवं (c) प्रबन्ध व्यय के लिए 4,800 रु० का वार्षिक प्रावधान ख्याति के मूल्यांकन के लिए किया जाना है। व्यवसाय की ख्याति के मूल्य की गणना कीजिए।

Answer : Actual Profits for 1988 Rs. 15,400; 1989 Rs. 17,600; 1990 Rs. 23,400; 1991 Rs. 24,620 Value of goodwill Rs. 65,784. (59)

संकेत : (i) 1989 के शुद्ध लाभ स्टॉक के अधिमूल्यांकन के कारण 2,400 रु० से कम करने हैं जबकि 1990 के शुद्ध लाभ 2,400 रु० से बढ़ाने हैं। आगे यह मान लिया है कि स्टॉक का मूल्यांकन सही किया गया है। (ii) 1990 में सयंत्र पर 4 माह का मूल्य ह्रास 200 रु० घटाया जायेगा जबकि 1991 में मूल्य ह्रास 580 रु० घटाया जायेगा।

18. The Balance Sheet of a Private Ltd. Co. as on 31st December, 1991 was as follows :

31 दिसम्बर, 1991 को एक प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी का चिट्ठा इस प्रकार था :

Balance Sheet

	Rs.		Rs.
2,000 Equity shares of Rs. 100 each	2,00,000	Land and Buildings	1,68,000
		Plant and Machinery	1,20,000
Profit and Loss Account	40,000	Furniture and Fittings	10,000
Debentures	30,000	5% Govt. Bonds	40,000
Trade Creditors	40,000	Stock	4,000
Provision for taxation	18,000	Book Debts	12,000
Proposed dividend	30,000	Cash	4,000
	3,58,000		3,58,000

The net profits of the company after tax were as follows :
(कर के पश्चात् शुद्ध लाभ इस प्रकार थे) 1987 Rs. 34,000; 1988 Rs. 38,000 ; 1989 Rs. 36,000; 1990 Rs. 40,000; 1991 Rs. 38,000.

On 31st December, 1991 Land and Buildings was valued at Rs. 1,90,000; Plant and Machinery at Rs. 1,42,000, and Furniture & Fittings at Rs. 8,000. 10% represents a fair rate of *return on investment in the company. Find out the* value *of goodwill* based on super profits with as many methods as you can taking 5 years' purchase. Which value of goodwill is fair in your opinion and why ?

31 दिसम्बर, 1991 को भूमि एवं भवन 1,90,000 रु० पर; प्लांट एवं मशीन 1,42,000 रु० पर; एवं फर्नीचर व फिटिंग्स 8,000 रु० पर पुनर्मूल्यांकित किये गये। कम्पनी में विनियोग पर प्रत्याय की दर 10% उचित है। अधिलाभों के आधार पर 5 वर्षों के क्रय को लेते हुए जितनी विधियों से आप ख्याति का मूल्य ज्ञात कर सकते हैं, कीजिए। आपकी राय में ख्याति का उचित मूल्यांकन कौन-सा है और क्यों ?

Answer : Actual Average Profits Rs. 35,200; Average Capital Employed Rs. 2,23,000; value of goodwill as per ; (i) Year's Purchase Method Rs. 64,500; (ii) Capitalisation Method Rs. 1,29,000, and (iii) Annuity Method Rs. 48,762 taking the value of Re. 1 for 5 years @ 10% Rs. 3·78. The fair value of the goodwill Rs. 48,762. (5·10)

6

अंशों का मूल्यांकन
(Valuation of Shares)

कम्पनी की पूँजी जिन छोटे-छोटे निश्चित मूल्य के भागो में विभाजित होती है उन्हें अंश कहते हैं। ये अंश दो प्रकार के होते हैं : (i) पूर्वाधिकार अंश; तथा (ii) सामान्य अंश अर्थात् ईक्विटी अंश। पूर्वाधिकार अंशों को दो प्रकार के पूर्वाधिकार प्राप्त होते हैं : (i) ईक्विटी अंशधारियों से पूर्व लाभांश प्राप्त करने का पूर्वाधिकार; तथा (ii) समापन की दशा में ईक्विटी अंशधारियो से पहले पूँजी वापस प्राप्त करने का पूर्वाधिकार। सामान्य अंशों अर्थात् ईक्विटी अंशो पर लाभांश पूर्वाधिकार अंशो को लाभांश देने के बाद यदि लाभ शेष रहते हैं तो ही मिलता है। इसी प्रकार कम्पनी के समापन की दशा में ईक्विटी अंशों को कोई राशि तभी मिलती है जबकि पूर्वाधिकार अंशों को पूँजी वापस करने के पश्चात् शेष रहती है। पूर्वाधिकार अंशों पर लाभांश की दर पूर्व *निर्धारित होती है* और उन्हें इसी दर से लाभांश दिया जाता है चाहे कम्पनी को कितने ही अधिक लाभ हों। इसी प्रकार समापन की दशा में इन अंशो पर प्रदत्त राशि ही वापस प्राप्त होगी, भले ही कम्पनी के पास कितनी ही अधिक राशि क्यो न उपलब्ध हो। किन्तु यदि ये अंश अवशिष्ट भागी (Participating) हैं तो इन्हें सामान्य अंशो के साथ लाभो एवं सम्पत्तियों में और हिस्सा प्राप्त करने का अधिकार होता है। इस प्रकार के स्वामित्व का प्रतिनिधित्व ईक्विटी अंशधारियों द्वारा किया जाता है। जब कम्पनी अधिक लाभ कमाती है तो ईक्विटी अंशधारियो को अधिक दर से लाभांश मिलता है और यदि लाभ की राशि कम होती है तो इन्हें कम दर से लाभांश मिलता है। अतः इन अंशों के मूल्य में परिवर्तन होता रहता है। सामान्यतया पूर्वाधिकार अंशो का मूल्य स्थिर ही रहता है क्योंकि कम्पनी की अर्जित लाभ की दर का प्रभाव इन अंशो के मूल्य पर नहीं पड़ता है। अतः सामान्यतया ईक्विटी अंशों का ही मूल्यांकन किया जाता है। अंशों के मूल्यांकन से तात्पर्य अंशो के ऐसे मूल्य-निर्धारण से होता है, जिस पर उन्हें क्रय किया जा सकता है या विक्रय किया जा सकता है या व्यावसायिक स्थिति में हुए परिवर्तन को मापा जा सकता है।

मूल्यांकन के दृष्टिकोण से अंश दो प्रकार के होते हैं : (i) वे अंश, जो किसी अंश बाजार अर्थात् स्टॉक एक्सचेंज (Stock Exchange) में सूचियत (Listed) हैं, इस प्रकार के अंशो को उद्धृत अंश (*Quoted shares*) कहते हैं। इस प्रकार के अंशो का मूल्य, अन्य वस्तुओं की तरह, अंश बाजार में प्रकाशित होता रहता है। सामान्यतः इस प्रकार के अंशों का मूल्य माँग एवं पूर्ति की शक्तियों द्वारा अंश बाजार में स्वयमेव निर्धारित होता रहता है और प्रतिदिन प्रमुख समाचार पत्रो में प्रकाशित होता रहता है। (ii) वे अंश जिनका सूचियन (Listing) किसी स्टॉक एक्सचेंज में नहीं होता है। इस प्रकार के अंश अनुद्धृत अंश (Unquoted shares) कहलाते हैं। सामान्यतया सार्वजनिक कम्पनियों (Public Limited Companies) के अंश उद्धृत होते हैं और निजी कम्पनियों (Private Limited Companies) के अंश अनुद्धृत ही होते हैं।

अंशों के मूल्यांकन की आवश्यकता (Necessity of Valuation of Shares)

जैसा कि पहले बताया जा चुका है कि अंश बाजार में उद्धृत अंशों का मूल्य प्रतिदिन प्रमुख समाचार पत्रों में प्रकाशित होता रहता है और साधारण लेन-देन के लिए अंश बाजार में घोषित मूल्य को उचित मूल्य माना जा सकता है किन्तु अंश बाजार में उद्धृत मूल्य सदैव ही उचित व सही नहीं हो सकता है क्योंकि इस मूल्य पर कम्पनी की क्रियाओं के अलावा अन्य बाह्य कारणों का अधिक प्रभाव पड़ सकता है। इसके अतिरिक्त सभी कम्पनियों के अंश उद्धृत नहीं होते हैं। अतः जब ऐसे अंशों का हस्तान्तरण होता है तो इस प्रकार के अंशों का मूल्यांकन आवश्यक हो जाता है। इसके अलावा भी कई ऐसी परिस्थितियाँ हैं जब अंशों का मूल्यांकन आवश्यक हो जाता है। सामान्यतया निम्न दशाओं में अंशों का मूल्यांकन आवश्यक हो जाता है :—

1. **कम्पनी के आन्तरिक पुनर्निर्माण पर (On the Internal Reconstruction of the Company)**—जब कम्पनी का वित्तीय कठिनाई के कारण या अन्य किसी कारण से आन्तरिक पुनर्निर्माण होता है और ऐसी दशा में कोई अंशधारी योजना से सहमत नहीं हो तो न्यायालय के आदेशानुसार उसके द्वारा धारित अंशों के मूल्य का भुगतान करने के लिए मूल्यांकन की आवश्यकता पड़ती है।

2. **कम्पनी के बाह्य पुनर्निर्माण पर (On the External Reconstruction of the Company)**—जब कम्पनी का वित्तीय कठिनाई के कारण या अन्य किसी कारण से समापन करके नई कम्पनी की स्थापना की जा रही हो तो पुरानी कम्पनी के अंशों के मूल्यांकन करने की आवश्यकता पड़ती है जिसके आधार पर नई कम्पनी क्रय प्रतिफल का निर्धारण करती है।

3. **कम्पनियों के एकीकरण पर (On Amalgamation of the Companies)**—एकीकरण के अन्तर्गत दो या अधिक कम्पनियाँ मिलकर एक नई कम्पनी की स्थापना करती हैं। अतः प्रत्येक कम्पनी को देय-क्रय प्रतिफल के निर्धारण के लिए उनके अंशों का मूल्य ज्ञात करने की आवश्यकता पड़ती है ताकि नई कम्पनी द्वारा उसी के अनुसार नये अंशों का निर्गमन किया जा सके।

4. **कम्पनियों के संविलयन पर (On Absorption of the Companies)**—संविलयन के अन्तर्गत विद्यमान बड़ी कम्पनी द्वारा दूसरी छोटी कम्पनी को क्रय करके अपने में मिला लिया जाता है। इसके लिए दोनों ही कम्पनियों के अंशों के मूल्य निर्धारण की आवश्यकता पड़ती है जिसके आधार पर क्रय प्रतिफल का भुगतान किया जाता है।

5. **अंशों के परिवर्तन पर (On Conversion of Shares)**—कभी-कभी एक प्रकार के अंशों का परिवर्तन दूसरे प्रकार के अंशों में भी किया जाता है। ऐसी परिस्थिति में दोनों प्रकार के अंशों का मूल्यांकन करना पड़ता है।

6. **अंशों के हस्तान्तरण पर (On Transfer of Shares)**—एक निजी कम्पनी के अंशों का स्कन्ध विनिमय बाजार में क्रय/विक्रय नहीं होता है क्योंकि ऐसी कम्पनी के अंशों के हस्तान्तरण पर प्रतिबन्ध होता है। अतः निजी कम्पनी द्वारा अपना व्यवसाय बेचने पर अंशों के मूल्यांकन की आवश्यकता पड़ती है।

7. **अंशधारी द्वारा अपने अंशों का वास्तविक मूल्य ज्ञात करने पर (On appraisal of the shares by the Shareholder)** जब एक निजी कम्पनी के अंशों का धारक अपने अंशों का वास्तविक मूल्य जानना चाहता है तो वह भी अपने अंशों का मूल्यांकन करा सकता है। इसके अतिरिक्त किसी सार्वजनिक कम्पनी के अंशों का स्कन्ध विनिमय बाजार में क्रय-विक्रय न होने पर भी उनका मूल्यांकन कराया जा सकता है।

8. **अंशों की जमानत पर ऋण प्राप्त करना (For taking Loan on shares security)**—जब वित्तीय संस्थाएँ अथवा बैंक किसी अंशधारी को उसके अंशों की जमानत पर ऋण देते हैं तो उनका मूल्यांकन करते हैं। इसके अलावा जब कोई कम्पनी ऋण या अग्रिम लेते समय 'प्रतिभूति' मार्जिन के रूप में अपने अंश ऋण

या अग्रिम देने वाली संस्था के पास रखती है तो उन अंशो का मूल्यांकन करना आवश्यक होता है क्योकि अंशो के मूल्य के आधार पर ही 'प्रतिभूति मार्जिन' का मूल्यांकन किया जाता है।

9. वित्त या विनियोग प्रन्यास कम्पनी की सम्पत्तियो के मूल्यांकन पर (On Valuation of assets of finance or investment trust company)—वित्त या विनियोग प्रन्यास कम्पनियो द्वारा अपने विनियोगो का वास्तविक मूल्य ज्ञात करने के लिए सम्पत्तियो के मूल्यो मे हुए परिवर्तनो के आधार पर अशो के मूल्यो मे परिवर्तन को मापने के लिए उनका मूल्याकन किया जाता है।

10. धनकर निर्धारण के लिए (For determination of Wealth tax)—धनकर के निर्धारण के लिए भी करदाता द्वारा धारित अशो के मूल्याकन की आवश्यकता पड़ती है।

अंशों के मूल्य को प्रभावित करने वाले घटक
(Factors affecting the Value of Shares)

अंशो के मूल्य को प्रभावित करने वाले प्रमुख घटक निम्नलिखित हैं :

1. कम्पनी की लाभार्जन शक्ति अर्थात् भविष्य मे लाभ कमाने की क्षमता;
2. कम्पनी के अशो की सम्पत्तियो द्वारा सुरक्षा;
3. कम्पनी के व्यवसाय की प्रकृति;
4. सामान्य आर्थिक दशायें, जैसे नये प्रतिद्वन्द्वी की सम्भावना, सामग्री व श्रम-पूर्ति की सीमितता तथा यातायात सम्बन्धी बाधायें;
5. अशों की माँग व पूर्ति,
6. अनुद्धृत अशो के लिए स्वतन्त्र बाजार की कमी;
7. राजनीतिक, वित्तीय व अन्य घटक, जैसे राष्ट्रीयकरण का भय आदि; तथा
8. अश बाजार मे सटोरियो द्वारा कृत्रिम मांग उत्पन्न करना या कृत्रिम पूर्ति बढ़ा देना।

अंशों के विभिन्न मूल्य (Different Values of Shares)

व्यवहार मे अशो के कई मूल्य प्रचलित हैं। अशो का मूल्याकन करने से पूर्व इन विभिन्न मूल्यो का अर्थ समझ लेना उचित ही होगा। अशो के ये विभिन्न मूल्य निम्नलिखित हो सकते हैं :

(1) सम मूल्य या अंकित मूल्य (Par value or Face Value) : कम्पनी के पार्षद सीमानियम मे पूँजी वाक्य मे अश पूँजी के प्रत्येक अंश का जो मूल्य अंकित रहता है उसे ही सम मूल्य या अंकित मूल्य कहते हैं। कम्पनी का अश इसी मूल्य से जाना जाता है जैसे 10 रु० वाला अश अथवा 100 रु० वाला अश। कम्पनी की पुस्तकों मे अश पूँजी का लेखा इसी मूल्य पर किया जाता है।

(2) पुस्तक मूल्य (Book value) : कम्पनी के अशो के सम मूल्य के आधार पर उसकी वर्तमान पूँजी का ज्ञान नहीं होता। कम्पनी की वर्तमान पूँजी के अन्तर्गत अंश पूँजी एव संचय एवं आधिक्य (Reserve and Surplus) को सम्मिलित किया जाता है। अतः एक अश का पुस्तक मूल्य इस प्रकार होगा—

$$\text{Book value per share} = \frac{\text{Share Capital} + \text{Reserve \& Surplus}}{\text{No. of Shares}}$$

इसकी गणना सम्पत्ति पक्ष से भी की जा सकती है। जब शुद्ध सम्पत्तियों को पुस्तक मूल्य पर लेकर उसमे अशो की संख्या का भाग दे दिया जाये तो यह अश का पुस्तक मूल्य कहलायेगा।

इस प्रकार का मूल्य केवल उसी दशा में ज्ञात किया जाता है जब अशधारी का उद्देश्य अपने द्वारा धारित अशो का एक निश्चित तिथि को पुस्तक मूल्य ज्ञात करना हो।

(3) लागत मूल्य (Cost Price)—अश के लागत मूल्य का आशय उस मूल्य से है जो एक अंशधारी को

एक अंश का धारक बनने के लिए व्यय करना पड़ता है। इसमें अंश का बाजार मूल्य और दलाली के व्यय भी सम्मिलित रहते हैं।

(4) आन्तरिक मूल्य (Intrinsic value)—कम्पनी के अंशों का आन्तरिक मूल्य सम्पत्तियों के बाजार मूल्य के आधार पर ज्ञात किया जाता है। सम्पत्तियों के बाजार मूल्य में से बाह्य दायित्वों को घटाकर अंशों की संख्या का भाग देकर एक अंश का आन्तरिक मूल्य ज्ञात किया जाता है। इसका विस्तृत विवेचन इसी अध्याय में आगे किया गया है।

(5) बाजार मूल्य (Market value) किसी कम्पनी के अंशों के बाजार मूल्य का आशय उस मूल्य से है जिस मूल्य पर उनका क्रय विक्रय किया जाता है। यह मूल्य अंश बाजार में उनकी माँग एवं पूर्ति के सन्तुलन से निर्धारित होता है। अंशों पर घोषित किये जाने वाले लाभांश एवं अन्य अनेक कारणों से अंशों का मूल्य घटता-बढ़ता रहा है।

(6) उचित मूल्य (Fair value)—अंशों के आन्तरिक मूल्य व प्रतिफल मूल्य (Yield value) के औसत को उचित मूल्य कहते हैं। यह कम्पनी के अंशों के मूल्य का सही प्रतिनिधित्व करता है।

अंशों के मूल्यांकन की विधियाँ
(Methods of Valuation of Shares)

सामान्यतया विनियोक्ता किसी भी कम्पनी के अंशों में विनियोग करने से पूर्व दो बातों पर विचार करता है : (i) क्या कम्पनी में उसका विनियोग सुरक्षित रहेगा ? तथा (ii) क्या उसको एक निश्चित दर से विनियोग पर आय प्राप्त होती रहेगी ? इन्हीं दोनों प्रश्नों का उत्तर पाने के लिए वह कम्पनी के अंशों का मूल्यांकन करना चाहता है एवं उसके पश्चात् वह निश्चय करता है कि उसे कम्पनी के अंशों में विनियोग करना चाहिए या नहीं। उपर्युक्त दोनों प्रश्नों का जवाब प्राप्त करने के लिए अंशों के मूल्यांकन की निम्नलिखित विधियों का प्रयोग किया जाता है :

1. सम्पत्ति मूल्यांकन विधि या शुद्ध सम्पत्ति विधि (Assets Valuation Method or Net Assets Method) : यद्यपि एक विनियोजक विनियोजन से प्राप्त होने वाले सम्भावित प्रत्याय के बारे में चिंतित रहता है किन्तु फिर भी वह इस बात का हमेशा ध्यान रखता है कि उसका विनियोग कम्पनी की सम्पत्तियों द्वारा सुरक्षित है अथवा नहीं। कुछ विनियोक्ता जो कि स्वभाव से जोखिम उठाना पसन्द नहीं करते वे अपनी विनियोजित राशि की सुरक्षा को अधिक महत्त्व देते हैं और प्रत्याय को कम। वे प्रत्याय की दर कम होने पर भी विनियोजन का निर्णय लेंगे यदि प्रति अंश सम्पत्तियाँ अधिक हैं। अतः ऐसे विनियोजकों के लिए अंशों का मूल्यांकन सम्पत्ति मूल्यांकन विधि के आधार पर किया जाता है।

सम्पत्ति मूल्यांकन विधि के अन्तर्गत यह ज्ञात किया जाता है कि कम्पनी के प्रत्येक अंश के पीछे कम्पनी के पास कितनी सम्पत्ति है। इसी कारण इस विधि को Assets Backing Method भी कहते हैं। इस विधि के आधार पर अंश का जो मूल्य ज्ञात किया जाता है उसे अंश का आन्तरिक मूल्य (Intrinsic Value of Share) कहा जाता है। इस विधि में यह देखा जाता है कि सम्पत्तियों के मूल्य में से सभी बाह्य दायित्वों को घटाने के पश्चात् अंशधारियों के लिए कितनी 'शुद्ध सम्पत्तियाँ' शेष रहेंगी। अतः इस आधार पर इस विधि को 'शुद्ध सम्पत्ति विधि' (Net Assets Method) कहा जाता है।

शुद्ध सम्पत्ति विधि के अनुसार अंश का मूल्य ज्ञात करने के लिए निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाती है :

(i) सर्वप्रथम स्थायी सम्पत्तियों का पुनर्मूल्यांकन चलते हुए व्यापार के आधार पर किया जायेगा क्योंकि सम्पत्तियों का चिट्ठे में दिया गया मूल्य उनका सही प्रतिनिधित्व नहीं करता है। यदि प्रश्न में स्थायी सम्पत्तियों का बाजार मूल्य या वसूली मूल्य नहीं दे रखा हो तो उन्हें अपलिखित मूल्य पर लिया जायेगा।

(ii) अमूर्त सम्पत्तियों जैसे पेटेन्ट, ट्रेडमार्क आदि को सम्पत्तियों की गणना में तभी सम्मिलित किया जाना चाहिए जबकि इनका वसूली मूल्य दे रखा हो। किन्तु ख्याति को सम्पत्तियों की गणना में अवश्य सम्मिलित करना चाहिए।[1] यदि प्रश्न में ख्याति का मूल्य नहीं दे रखा हो तो किसी उचित आधार पर इसका मूल्यांकन कर लेना चाहिए।

(iii) कम्पनी के सभी प्रकार के विनियोगों एवं चल सम्पत्तियों को उनके चालू मूल्यों पर लिया जायेगा। चल सम्पत्तियों पर सम्भावित हानियों तथा डूबत एवं संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान की राशि को घटा देना चाहिए।

(iv) अंशों के मूल्यांकन में कृत्रिम सम्पत्तियों (Fictitious Assets) जैसे प्रारम्भिक व्यय, अंशों एवं ऋणपत्रों के निर्गमन पर बट्टा, स्थगित आयगत व्यय, लाभ-हानि खाते का डेबिट शेष इत्यादि को छोड़ देना चाहिए।

(v) उपरोक्त सम्मिलित की जाने वाली सम्पत्तियों के योग में से सभी बाह्य दायित्वों एवं प्रायोजनों को घटाया जाता है।

दायित्वों में सभी देय ऋणों, भविष्य में करों के लिए देय रकमों, संचयी पूर्वाधिकार अंशों पर बकाया लाभांश सहित विवादास्पद दायित्व को भी सम्मिलित कर लेना चाहिए। इस प्रकार शेष रही राशि शुद्ध सम्पत्तियाँ (Net Assets) कहलायेंगी। इसे अग्र प्रकार से व्यक्त किया जा सकता है :

Value of Net Assets = Total Realisable Value of Assets – Total Outside Liabilities.

शुद्ध सम्पत्तियों के मूल्य की गणना की विधि को विवरण के रूप में इस प्रकार से स्पष्ट किया जा सकता है :

Statement Showing the Value of Net Assets

Estimated Realisable Value or Market Value

Assets	Rs.
Goodwill	
Patents and Trade marks	....
Land & Buildings	....
Plant & Machinery	...
Furniture & Fixtures	....
Investments	...
Stock	...
Debtors	....
Bills Receivable	....
Cash and Bank	...
Estimated Value of Total Assets	...

1. C. W. T. Vs. K. N. Khanna (1971) 81 ITR

Less : Outside Liabilities :	Rs.	
Debentures	....	
Creditors	....	
Outstanding Expenses	....	
Bills Payable	....	
Provision for Taxation	....	
Other Liabilities	....	....
Value of Net Assets		....

शुद्ध सम्पत्तियों के मूल्य की गणना दायित्व पक्ष के आधार पर भी निम्न प्रकार से की जा सकती है :

Value of Net Assets = Share Capital + Reserve and Surplus + Profit on Revaluation – (Fictitious Assets + Loss on Revaluation)

प्रति अंश मूल्य की गणना करना (Calculation of value per share)

(i) जब कम्पनी की पूंजी संरचना में केवल इक्विटी अंश ही हों : यदि कम्पनी की अंश पूंजी केवल इक्विटी अंशों में ही विभक्त है और प्रत्येक इक्विटी अंश का प्रदत्त मूल्य एक समान है तो प्रति अंश मूल्य की गणना इस प्रकार की जाएगी :

$$\text{Value per Equity Share} = \frac{\text{Value of Net Assets}}{\text{No. of Equity Shares issued by the Company}}$$

जब उपरोक्त समस्त गणनायें सम्पत्तियों के वसूली मूल्य के आधार पर की जाती हैं तो इस प्रकार अंश का जो मूल्य ज्ञात होता है उसे आन्तरिक मूल्य कहा जाता है एवं सम्पत्तियों के पुस्तक मूल्य के आधार पर जो मूल्य ज्ञात किया जाता है उसे अंश का पुस्तक मूल्य कहा जाता है।

Illustration 61 : Goodwill Ltd. has agreed to sell its undertaking to a larger industrial corporation and you are asked to value the shares by the net assets method. The balance sheet [redacted] at 31st December, 1991 was as follows :

गुडविल लि० अपने व्यवसाय को एक बड़े औद्योगिक कॉरपोरेशन को बेचने के लिए सहमत हो गई है और आपको शुद्ध सम्पत्ति विधि के आधार पर अंशों का मूल्य ज्ञात करने के लिए कहा गया है। 31 दिसम्बर, 1991 को चिट्ठा अग्र प्रकार था :

Balance Sheet

	Rs.		Rs.
Shareholders Funds :		**Intangible Assets :**	
10 000 shares of Rs. 100 each		Goodwill (Rs 3,20,000)	50,000
fully paid	10,00,000	**Fixed Assets :**	
General Reserve	4,00,000	Factory Buildings (Rs. 6,00,000)	4,40,000
Profit and Loss Account	2,30,000	Plant & Machinery at W.D.V.	
Long term Liabilities :		(Rs. 8,50,000)	6,50,000
6% Debentures	2,00,000	**Current Assets :**	
Current Liabilities .		Stock and Work in Progress in	
Bills Payable	20,000	hand (Rs. 8,00,000)	6,60,000
Creditors	80,000	Debtors (all good)	1,40,000
Provision for Taxation	2,00,000	Bank	1,80,000
		Fictitious Assets :	
		Preliminary Expenses	10,000
	21,30,000		21,30,000

The values placed in brackets are the realisable value of assets.

कोष्ठकों में दिये गये मूल्य सम्पत्तियों के वसूली मूल्य हैं।

Solution :

Statement Showing the Value of Net Assets (on the basis of true values)

Assets	Rs.	Rs.
Goodwill	3,20,000	
Factory Buildings	6,00,000	
Plant & Machinery	8,50,000	
Stock and Work in Progress in hand	8,00,000	
Debtors	1,40,000	
Bank	1,80,000	
Less **Outside Liabilities :**		28,90,000
6% Debentures	2,00,000	
Bills Payable	20,000	
Creditors	80,000	
Provision for Taxation	2,00,000	5,00,000
Value of Net Assets		23,90,000

$$\text{Intrinsic Value per Share} = \frac{\text{Value of Net Assets}}{\text{No. of Shares}} = \frac{23,90,000}{10,000} \text{ or Rs. } 239$$

यदि अंशों का मूल्य सम्पत्तियों के पुस्तक मूल्य के आधार पर ज्ञात किया जाये तो इसकी गणना इस प्रकार होगी :

Calculation of Book Value of Net Assets

	Rs.
Total Book Value of Assets	21,30,000
Less : Preliminary Expenses	10,000
	21,20,000
Less : Outside Liabilities	5,00,000
Book Value of Net Assets	16,20,000

$$\text{Book value per share} = \frac{\text{Rs. } 16,20,000}{10,000} = \text{Rs. } 162$$

उस स्थिति में जबकि कम्पनी के निर्गमित इक्विटी अंश अलग-अलग प्रदत्त मूल्य के हों तो उपर्युक्त प्रकार से सीधे ही अंशों की संख्या का शुद्ध सम्पत्तियों के मूल्य में भाग देकर एक अंश का मूल्य ज्ञात नहीं किया जाएगा। इसके लिए सर्वप्रथम शुद्ध सम्पत्तियों को अलग-अलग प्रदत्त मूल्य वाले इक्विटी अंशों के वर्गों में उनके प्रदत्त मूल्य के अनुपात में बाँटा जाएगा। इसके पश्चात् इस प्रकार ज्ञात की गई आनुपातिक शुद्ध सम्पत्ति के मूल्य को सम्बन्धित वर्ग के इक्विटी अंशों की संख्या से भाग देकर प्रति अंश मूल्य ज्ञात कर लिया जाएगा।

Illustration 6·2 : From the following data, compute the intrinsic value of each category of equity shares of A Ltd. :

निम्नलिखित समंकों से ए लि० के इक्विटी अंशों की प्रत्येक श्रेणी का आन्तरिक मूल्य ज्ञात कीजिए :

Shareholders' Fund :

2,000 'A' Equity Shares of Rs. 100 each, fully paid up.

2,000 'B' Equity shares of Rs. 100 each, Rs. 80 paid up.

2,000 'C' Equity shares of Rs. 100 each, Rs. 40 paid up.

Retained earnings Rs. 2,30,000.

Solution : प्रश्न में दी गई सूचना के अभाव में शुद्ध सम्पत्तियों का मूल्य अंशधारियों के कोष के बराबर ही माना जाएगा।

Calculation of Net Assets

	Rs
Paid up value of 'A' Equity shares	2,000 × 100 = 2,00,000
Paid up value of 'B' Equity shares	2,000 × 80 = 1,60,000
Paid up value of 'C' Equity shares	2,000 × 50 = 1,00,000
Retained Earnings	2,30,000
Value of Net Assets	6,90,000

अलग-अलग वर्गों की प्रदत्त पूँजी का अनुपात

Rs. 2,00,000 : Rs. 1,60,000 : Rs. 1,00,000 or 10 : 8 : 5

प्रदत्त पूँजी के अनुपात में शुद्ध सम्पत्तियों का विभाजन :

For 'A' Category = Rs. 6,90,000 × 10/23 = Rs. 3,00,000

Value per share = Rs. 3,00,000/2,000 = Rs. 150

For 'B' Category = Rs. 6,90,000 × 8/23 = Rs. 2,40,000

Value per share = Rs. 2,40,000/2,000 = Rs. 120

For 'C' Category = Rs. 6,90,000 × 5/23 = Rs. 1,50,000

Value per share = Rs. 1,50,000/2,000 = Rs. 75

(ii) जब कम्पनी की पूँजी संरचना में पूर्वाधिकार अंश भी हों : यदि कम्पनी की पूँजी संरचना में ईक्विटी एवं पूर्वाधिकार, दोनों ही प्रकार के अंश हों तो ऐसी स्थिति में ईक्विटी अंशों का मूल्य ज्ञात करने की प्रक्रिया भिन्न होगी। किसी कम्पनी की स्थिति में सर्वप्रथम उसके अन्तर्नियमों में पूर्वाधिकार अंशों को प्रदत्त विशेषाधिकारों का अध्ययन किया जाएगा। इसके पश्चात् उनके अधिकारों के आधार पर अंशों का मूल्यांकन निम्न में से किसी एक रूप में किया जा सकता है :

(a) यदि पूर्वाधिकार अंशों को अन्तर्नियमों के अनुसार पूँजी व लाभांश दोनों के सम्बन्ध में ही पूर्वाधिकार हो चाहे इन पर देय लाभांश की दर प्रत्याय की सामान्य दर (Normal Rate of Return) के बराबर हो या अलग हो तो एक ईक्विटी अंश का मूल्य इस प्रकार ज्ञात किया जायेगा :

$$\text{Value per Equity Share} = \frac{\text{Net Assets} - (\text{Preference Share Capital} + \text{Arrears of Dividend})}{\text{No. of Equity Shares}}$$

(b) यदि पूर्वाधिकार अंशों को अन्तर्नियमों के अनुसार केवल पूँजी के सम्बन्ध में ही पूर्वाधिकार हो, लाभांश के सम्बन्ध में नहीं, तो अंशों का मूल्यांकन इस प्रकार होगा :

$$\text{Value per Equity Share} = \frac{\text{Net Assets} \quad \text{Preference Share Capital}}{\text{No. of Equity Shares}}$$

(c) यदि पूर्वाधिकार अंशों को अन्तर्नियमों के अनुसार कोई पूर्वाधिकार नहीं हो, तो दोनों ही प्रकार के अंशों का मूल्य इस प्रकार ज्ञात किया जायेगा :

$$\text{Value per Share} = \frac{\text{Net Assets}}{\text{No. of Equity Shares} + \text{No. of Preference Shares}}$$

(d) यदि पूर्वाधिकार अंशों को अन्तर्नियमों के अनुसार केवल लाभांश के सम्बन्ध में ही पूर्वाधिकार हो, पूँजी के सम्बन्ध में नहीं, तो अंशों का मूल्य इस प्रकार ज्ञात किया जायेगा :

$$\text{Value per Equity Share} = \frac{\text{Net Assets} - \text{Arrears of Pref. Dividend}}{\text{No. of Equity Shares} + \text{No. of Pref. Shares}}$$

$$\text{Value per Pref. Share} = \text{Value of Equity Share} + \frac{\text{Arrear of Pref. Dividend}}{\text{No. of Pref. Shares}}$$

यह सूत्र उस दशा में काम में लिया जायेगा जबकि ईक्विटी अंशों व पूर्वाधिकार अंशों का अंकित मूल्य समान हो। यदि अंकित मूल्य दोनों के अलग-अलग हो तो सर्वप्रथम शुद्ध सम्पत्तियों को अंशों के प्रदत्त मूल्य के अनुपात में बाटा जायेगा। इसके पश्चात् प्रत्येक वर्ग के अंशों के लिए ज्ञात की गई आनुपातिक शुद्ध सम्पत्तियों के मूल्य में सम्बन्धित वर्ग के अंशों की संख्या का भाग देकर प्रति अंश मूल्य ज्ञात कर लिया जायेगा।

Illustration 6·3 : The following is the Balance Sheet of a private co. as at 31st March, 1992 :

एक प्राइवेट कम्पनी का चिट्ठा 31 मार्च, 1992 को अग्र प्रकार है :

Balance Sheet

	Rs.		Rs.
Share Capital :		Sundry Assets	10,96,000
2,000 6% Preference shares of Rs. 100 each	2,00,000	Discount on Debentures	4,000
6,000 Equity shares of Rs. 100 each	6,00,000	Preliminary Expenses	10,000
General Reserve	20,000	Profit and Loss Account	70,000
Debenture Sinking Fund	40,000		
5% Debentures	1,00,000		
Depreciation Fund	30,000		
Sundry Creditors	1,90,000		
	11,80,000		11,80,000

The realisable value of sundry assets is Rs. 12,00,000 and the market value of goodwill is Rs. 50,000. Dividends on preference shares are in arrear for two years. Compute the value of shares if :

(i) Preference shares are preferential as to capital and *arrears of dividend;*

(ii) Preference shares are preferential as to capital but arrears of dividend are not payable;

(iii) Preference shares do not carry priority of capital but arrears of dividend are payable; and

(iv) Neither preference share enjoy priority of capital nor the articles permit payment of arrears of dividend.

विभिन्न सम्पत्तियों का वसूली मूल्य 12,00,000 रु० है और ख्याति का बाजार मूल्य 50,000 रु० है। पूर्वाधिकार अंशों पर दो वर्षों से लाभांश बकाया है। अंशों का मूल्य ज्ञात कीजिए यदि :

(i) पूर्वाधिकार अंशों को पूँजी और लाभांश के बकाया का पूर्वाधिकार हो;

(ii) पूर्वाधिकार अंशों को पूँजी का पूर्वाधिकार हो लेकिन लाभांश का बकाया भुगतान योग्य नहीं हो;

(iii) पूर्वाधिकार अंशों को पूँजी का पूर्वाधिकार न हो लेकिन लाभांश का बकाया भुगतान योग्य हो; और

(iv) पूर्वाधिकार अंशों को न तो पूँजी का पूर्वाधिकार है और न ही अन्तर्नियम लाभांश के बकाया के भुगतान की अनुमति देते हैं।

Solution : Calculation of Net Assets

		Rs.	Rs.
	Sundry Assets (Realisable value)		12,00,000
	Goodwill		50,000
			12,50,000
Less :	Debentures	1,00,000	
	Sundry Creditors	1,90,000	2,90,000
	Value of Net Assets		9,60,000

Value of Shares if :

(i) **Preference shares are preferential as to capital and arrears of dividend :**

$$\text{Value per Equity Share} = \frac{\text{Net Assets} - (\text{Pref Capital} + \text{Arrears of Dividend})}{\text{No. of Equity Shares}}$$

$$= \frac{\text{Rs. } 9{,}60{,}000 - (\text{Rs. } 2{,}00{,}000 - \text{Rs. } 24{,}000)}{6{,}000} = \text{Rs. } 122.67$$

$$\text{Value per Preference Share} = \frac{\text{Rs. } 2{,}24{,}000}{2{,}000} = \text{Rs. } 112$$

(ii) **Preference shares are preferential as to capital only :**

$$\text{Value per Equity Share} = \frac{\text{Net Assets} - \text{Preference Share Capital}}{\text{No. of Equity Shares}}$$

$$= \frac{\text{Rs. } 9{,}60{,}000 - 2{,}00{,}000}{6{,}000} = \text{Rs. } 126.67$$

Value per Preference Share = Rs 100

(iii) Preference shares are preferential only for arrears of dividend :

$$\text{Value per Equity Share} = \frac{\text{Net Assets} - \text{Arrears of Dividend}}{\text{No. of Equity Shares} + \text{No. of Pref. Shares}}$$

$$= \frac{\text{Rs. } 9{,}60{,}000 - \text{Rs. } 24{,}000}{6{,}000 + 2{,}000} = \text{Rs } 117$$

$$\text{Value per Preference Share} = \text{Value per Equity Share} + \frac{\text{Arrears of Dividend}}{\text{No. of Preference Shares}}$$

$$\text{Rs. } 117 + \frac{\text{Rs. } 24{,}000}{2{,}000} = \text{Rs } 129$$

(iv) **Preference shares have no preference :**

$$\text{Value per share (Equity \& Preference)} = \frac{\text{Net Assets}}{\text{No of Equity Shares} + \text{No. of Pref. Shares}}$$

$$= \frac{\text{Rs. } 9{,}60{,}000}{6{,}000 + 2{,}000} = \text{Rs. } 120$$

Illustration 6·4 : Given below is the Balance Sheet of a Private Limited Company :

एक प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी का चिट्ठा इस प्रकार है :

Balance Sheet

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
3,000 8% Preference shares of Rs. 100 each fully paid	3,00,000	Plant and Machinery	4,50,000
6,000 Equity shares of Rs. 100 each fully paid	6,00,000	Investments	7,50,000
General Reserve	4,50,000	Stock	10,50,000
Profit and Loss a/c	1,20,000	Debtors	6,30,000
7% Debentures	9,00,000	Cash at Bank	2,02,500
Creditors	6,75,000	Preliminary Expenses	37,500
Provision for Depreciation	75,000		
	31,20,000		31,20,000

Current value of plant and machinery is Rs. 4,00,000. Market value of investments is Rs. 7,05,000. Goodwill is to be valued at two years' purchase of the super profits. The last five years' profits were Rs. 2,40,000; Rs. 1,55,000; Rs. 2,10,000; Rs. 2,25,000; and Rs. 2,25,000. The average capital employed was Rs. 15,00,000 and normal yield 10%. Dividends on preference shares are in arrears for the last two years. Find the value of an equity share by the assets valuation method.

संयत्र और मशीनरी का वर्तमान मूल्य 4,00,000 रु० है। विनियोगों का बाजार मूल्य 7,05,000 रु० है। ख्याति का मूल्य अधिलाभों के दो गुने के बराबर लेना है। पिछले पांच वर्षों के लाभ क्रमशः 2,40,000 रु० 1,55,000 रु०; 2,10,000 रु०; 2,25,000 रु०; और 2,25,000 रु० हैं। औसत विनियोजित पूंजी 15,00,000 रु० और सामान्य प्रत्याय की दर 10% थी। अधिमान अंशों पर पिछले दो वर्षों से लाभांश बकाया है। सम्पत्तियों के मूल्यांकन की रीति से कम्पनी के इक्विटी अंश का मूल्य ज्ञात कीजिए।

Solution : **Calculation of Value of Goodwill**

	Rs.
Average Profit (Rs. 2,40,000 + Rs. 1,55,000 + Rs. 2,10,000 + *Rs. 2,25,000 + Rs. 2,25,000) ÷ 5 =*	2,11,000
Less : Normal Profit (10% of Rs. 15,00,000)	1,50,000
Super Profits	61,000

Value of Goodwill = Rs. 61,000 × 2 = Rs. 1,22,000

Calculation of Net Assets :

		Rs.
Goodwill		1,22,000
Plant and Machinery		4,00,000
Investments		7,05,000
Stock		10,50,000
Debtors		6,30,000
Cash at Bank		2,02,500
		31,09,500
Less : 7% Debentures	9,00,000	
Creditors	6,75,000	15,75,000
		15,34,500

Value per Equity Share

$$= \frac{\text{Net Assets} - (\text{Pref. Share Capital} + \text{Arrears of Dividends})}{\text{No. of Equity Shares}}$$

Value per Equity Share =

$$\frac{\text{Rs. } 15{,}34{,}500 - (\text{Rs. } 3{,}00{,}000 + \text{Rs. } 48{,}000)}{6{,}000} = \text{Rs. } 197{\cdot}75$$

टिप्पणी : यह मान लिया गया है कि पिछले 5 वर्षों के लाभ कर घटाने के पश्चात् हैं। प्रश्न में दी गई औसत विनियोजित पूँजी की राशि को देखने से ऐसा लगता है कि पूर्वाधिकार अंश पूँजी को भी विनियोजित पूँजी का भाग माना गया है, अतः ख्याति की गणना करते समय इसके लाभांश को औसत लाभों में से नहीं घटाया गया है। (ii) पूर्वाधिकार अंश पर लाभांश की दर (8%) का सामान्य प्रत्याय की दर (10%) से कम होने का ईक्विटी अंशों के मूल्यांकन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि इससे पूर्वाधिकार अंशों का शुद्ध सम्पत्तियों में हिस्सा अप्रभावित रहता है।

2. प्रतिफल मूल्यांकन विधि (Yield Valuation Method) : सम्पत्ति मूल्यांकन विधि में हमने देखा कि जो विनियोजक जोखिम नहीं उठाना पसन्द करते वे अंशों का मूल्य प्रति अंश सम्पत्ति (Per share assets backing) के आधार पर निर्धारित करना चाहते हैं। किन्तु जो विनियोजक जोखिम उठा सकते हैं वे सुरक्षा के बजाय आय को अधिक महत्व देते हैं और वे अंशों का मूल्यांकन आय के आधार पर करते हैं। इसके अतिरिक्त अंशों का आन्तरिक मूल्य इस मान्यता के आधार पर ज्ञात किया जाता है कि यदि कम्पनी का समापन हो जाए तो कम्पनी से प्रति अंश कितनी सम्पत्ति प्राप्त होगी। जबकि प्रतिफल मूल्यांकन विधि में अंश का मूल्य इस मान्यता पर आधारित होता है कि कम्पनी निरन्तर चलती रहेगी। अतः यह अंश मूल्यांकन की आशावादी विधि है इसलिए सम्पत्ति मूल्यांकन विधि से अधिक अच्छी है। सामान्यतया कोई भी विनियोजक कम्पनी में अंश खरीदते समय इस बात के लिए अधिक चिंतित रहता है कि उसको कम्पनी से कितनी आय प्राप्त होगी न कि इसलिए कि कम्पनी के समापन पर उसको कितनी राशि वापस प्राप्त होगी। अतः प्रतिफल मूल्यांकन विधि आशावादी के साथ-साथ यथार्थवादी भी है। प्रतिफल मूल्यांकन विधि में अंशों का मूल्यांकन उन पर प्राप्त या प्राप्य आय के आधार पर किया जाता है एवं इस विधि से जिस मूल्य की गणना की जाती है उसे अंश का प्रतिफल मूल्य कहा जाता है। इस विधि का प्रयोग करते समय सामान्यतः निम्नलिखित में से किसी एक को आधार मानकर अंशों का मूल्यांकन किया जा सकता है :

(i) लाभांश दर के आधार पर (On the basis of Dividend Rate) : जो विनियोजक अल्पकाल के लिए अंशों में विनियोजन करना चाहते हैं वे अंशों का मूल्य उन पर भविष्य में प्राप्त होने वाली लाभांश की दर के आधार पर देना चाहते हैं। इस आधार पर अंशों का मूल्यांकन इस प्रकार किया जाएगा :

$$\text{Value per share or Yield value per share} = \frac{\text{Rate of dividend}}{\text{Normal Rate of Return}} \times \text{Paid up value of share}$$

यदि प्रश्न में लाभांश की दर कई वर्षों की दी हुई है तो उसका औसत निकालकर उपरोक्त सूत्र में लाभांश की दर के स्थान पर रखना चाहिए। सामान्य प्रत्याय की दर उसी प्रकार निर्धारित की जाती है जिस प्रकार ख्याति के मूल्यांकन में निर्धारित की जाती है, किन्तु यहाँ पर कुछ तथ्यों के सम्बन्ध में और समायोजन करना पड़ता है जो इस प्रकार है :

(a) अंशों के हस्तान्तरण पर प्रतिबन्ध : अंशों के हस्तान्तरण पर जितना अधिक प्रतिबन्ध होगा उतनी ही अंशों की अयोग्यता होगी और इस अयोग्यता की क्षतिपूर्ति करने के लिए सामान्य प्रत्याय दर में वृद्धि (सामान्यतः ½%) कर दी जाएगी।

(b यदि अंश अंशतः प्रदत्त हो तो सामान्य प्रत्याय की दर में ½% की वृद्धि कर दी जाएगी।

(c) यदि लाभांश की दर में उद्योग की सामान्य लाभांश की दर की अपेक्षा अधिक उतार-चढ़ाव हैं तो सामान्य प्रत्याय की दर में ½% की वृद्धि कर दी जाएगी तथा यदि लाभांश की दर में स्थिरता हो तो सामान्य प्रत्याय की दर में ½% की दर से कमी कर दी जाएगी।

(d) यदि प्रति अंश के पीछे सम्पत्ति (Assets backing) कम है तो विनियोग की सुरक्षा कम होगी, अतः सामान्य प्रत्याय की दर में ½% से 1% की वृद्धि की जाएगी एवं विनियोग की सुरक्षा अधिक होगी तो प्रत्याय की दर में कमी कर दी जाएगी।

(e) यदि कम्पनी द्वारा लाभों का पुनर्विनियोजन (Ploughing back of profits) अधिक किया जाता है अर्थात् कम लाभ लाभांश के रूप में वितरित किये जाते हैं तो सामान्य प्रत्याय की दर में कमी कर दी जाएगी एवं अधिक लाभांश वितरित करने पर अर्थात् लाभों का पुनर्विनियोजन कम करने पर सामान्य प्रत्याय की दर में वृद्धि कर दी जाएगी।

Illustration 6.5 : Compute the value of shares in the following cases :
निम्नलिखित परिस्थितियों में अंशों के मूल्य की गणना कीजिए :

	A Ltd.	B Ltd.
Annual Net Profit (after tax)	Rs. 1,00,000	Rs. 1,00,000
Share capital-paid-up (Equity shares of Rs. 10 each)	Rs. 4,00,000	Rs. 4,00,000
Ploughing back rate	20%	50%
Normal Rate of Return	10%	10%

Comment on the results. (परिणामों पर समीक्षा कीजिये)।

Solution : **Calculation of Value of Shares**

	A Ltd. Rs.	B Ltd. Rs.
Annual Net Profit (after tax)	1,00,000	1,00,000
Less : Ploughing back of profits	20,000	50,000
Remaining profit (available for dividend)	80,000	50,000
Rate of dividend : A. Ltd : $\frac{80,000}{4,00,000} \times 100$	= 20%	—
B. Ltd. : $\frac{50,000}{4,00,000} \times 100$	—	12·5%

Valuation of Shares on the basis of dividend yield method :

$$\frac{\text{Rate of Dividend}}{\text{Normal Rate of Return}} \times \frac{\text{Paid up value of a share}}{1} = \frac{20}{10} \times \frac{10}{1};\ \frac{12.50}{10} \times \frac{10}{1}$$

$$= \text{Rs. } 20 \qquad = \text{Rs. } 12.50$$

लाभांश की दर के आधार पर अंशों का मूल्यांकन करने पर A Ltd. के अंश का मूल्य B Ltd. के अंश के मूल्य से अधिक है क्योंकि B Ltd. में लाभों के पुनर्विनियोजन की दर A Ltd. से अधिक है। वास्तव में देखा जाये तो B Ltd. का प्रबन्ध A Ltd की तुलना में अधिक वित्तीय बुद्धिमता (Financial prudence) का प्रयोग कर रहा है किन्तु फिर भी इसके अंश का बाजार मूल्य A Ltd. की तुलना में कम है। यही इस विधि का सबसे प्रमुख दोष है।

(II) अंश पूँजी पर आशान्वित प्रत्याय की दर के आधार पर (On the basis of Expected Rate of Return on Share Capital)—सामान्यतया कम्पनियाँ अपने सभी लाभों को लाभांश के रूप में नहीं बांटती हैं। अतः लाभांश की दर के आधार पर अंशों के मूल्यांकन का प्रमुख दोष यह है कि यदि दो कम्पनियों की पूँजी संरचना एक जैसी हो और दोनों ही समान दर से लाभ कमा रही हों किन्तु एक कम्पनी दूसरी कम्पनी की तुलना में अधिक लाभांश दे रही है तो उसके अंशों का बाजार मूल्य दूसरी कम्पनी की तुलना में अधिक होगा। दूसरे शब्दों में, जो कम्पनी अपने लाभों को आन्तरिक स्थिति सुदृढ़ करने के लिए रोक रही है उसके अंशों का बाजार मूल्य कम होगा, जबकि जो कम्पनी अपने अधिकांश लाभों को लाभांश के रूप में बाँट रही है उसके अंशों का बाजार मूल्य अधिक होगा। अतः इस दोष को दूर करने के लिए अंशों का बाजार मूल्य उन पर अर्जित आय के आधार पर ज्ञात किया जाता है। इसमें यह माना जाता है कि अंशों का मूल्यांकन इन पर उपलब्ध लाभों के आधार पर किया जाना चाहिए न कि लाभांश के रूप में बाँटे गये लाभों के आधार पर। प्रति अंश मूल्य की गणना इस प्रकार की जाएगी :—

$$\text{Value per Equity Share} = \frac{\text{Expected Rate of Return}}{\text{Normal Rate of Return}} \times \text{Paid up Amount per Share}$$

Expected Rate of Return की गणना इस प्रकार की जायेगी :

$$\text{Expected Rate of Return} = \frac{\text{Profit available for Equity Dividend}}{\text{Paid up Equity Share Capital}} \times 100$$

वैकल्पिक रूप से अंश के मूल्य की गणना इस प्रकार भी की जा सकती है :

$$\text{Value per Equity Share} = \frac{\text{Capitalised value of profit}}{\text{No. of Equity Shares}}$$

$$\text{Capitalised value of Profits} = \frac{\text{Profits available to Equity Dividend}}{\text{Normal Rate of Return}} \times 100$$

लाभांश के लिए उपलब्ध लाभों की गणना करते समय शुद्ध लाभों में से करों के लिए भुगतान या आयोजन, सामान्य संचय में हस्तान्तरण की उचित राशि तथा पूर्वाधिकार लाभांश की राशि को घटा देना चाहिए।

सामान्यतया पूर्वाधिकार अंशों का मूल्यांकन तो लाभांश की दर के आधार पर ही किया जाता है क्योंकि इन्हें तो निश्चित दर से ही लाभांश प्राप्त करने का अधिकार होता है। किन्तु यदि पूर्वाधिकार अंश अवशिष्ट

भागी (Participating) हों तो इनका भी मूल्यांकन उपलब्ध लाभों के आधार पर किया जा सकता है। यदि प्रश्न में एक से अधिक वर्षों के लाभ दे रखे हों तो उनका औसत लेकर आगे की गणनाएँ करनी चाहिए।

Illustration **6.6** : From the following information relating to a company, calculate the value of its equity share :

एक कम्पनी से सम्बन्धित निम्नलिखित सूचना से इसके ईक्विटी अंश का मूल्य ज्ञात कीजिए :

	Rs.
5,000 Equity shares of Rs. 100 each, Rs. 80 paid up	4,00,000
8% Preference share capital	2,00,000
Annual transfer to General Reserve	20%
Rate of Tax	50%
Expected Profits before tax	2,00,000
Normal Rate of Return	12%

Solution :

(i) *Calculation of Profits available for Equity Shareholders*

	Rs.
Expected Profits before tax	2,00,000
Less : Tax at 50%	1,00,000
Profits after tax	1,00,000
Less : Transfer to General Reserve at 20%	20,000
	80,000
Less : Preference Dividend @ 8% on Rs. 2,00,000	16,000
Profits available for Equity Shareholders	*64,000*

(ii) Calculation of Expected Rate of Return :

$$\text{Expected Rate of Return} = \frac{\text{Profits available for Equity Dividend}}{\text{Paid up Equity Share Capital}} \times 100$$

$$= \frac{\text{Rs. } 64,000}{\text{Rs. } 4,00,000} \times 100 = 16\%$$

(iii) Calculation of Value per Equity Share :

$$\text{Value per Equity Share} = \frac{\text{Expected Rate of Return}}{\text{Normal Rate of Return}} \times \text{Paid-up Value per Share}$$

$$= \frac{16}{12} \times 80 = \text{Rs. } 106{\cdot}67$$

Illustration 6.7 : Two companies X Ltd. and Y Ltd. are found to be exactly similar as to assets, reserves and liabilities except that their capital structure are

different. The share capital of X Ltd. is Rs. 22,00,000 divided into 20,000 7% Preference shares of Rs. 100 each and 2,000 Equity shares of Rs. 100 each. The share capital of Y Ltd. is also Rs. 22,00,000 divided into 2,000 7% Preference shares of Rs. 100 each and 20,000 Equity shares of Rs. 100 each. The fair rate of yield in respect of the equity shares of this type of company is estimated at 10%. The profits of both the companies for 1990 and 1991 are found to be Rs 2,50,000 and Rs. 3,50,000 respectively.

Calculate the value of the equity shares of each of these two companies on the basis of this information only

दो कम्पनियों एक्स लि० एवं वाई लि० सम्पत्तियों, अंशों एवं दायित्वों में बिल्कुल एक जैसी हैं, केवल उनकी पूंजी संरचना अलग है। एक्स लि० की अंश पूंजी 22,00,000 रु० है जो 100 रु० वाले 20,000 7% पूर्वाधिकार अंशों एवं 100 रु० वाले 2,000 ईक्विटी अंशों में विभाजित है। वाई लि० की अंश पूंजी भी 22,00,000 रु० है जो 100 रु० वाले 2,000 7% पूर्वाधिकार अंशों एवं 100 रु० वाले 20,000 ईक्विटी अंशो में विभाजित है। इस प्रकार की कम्पनी के ईक्विटी अंशों पर उचित की प्रत्याय दर 10% अनुमानित की जाती है। दोनों कम्पनियों के लिए 1990 एवं 1991 वर्ष के लिए लाभ क्रमशः 2,50,000 एवं 3,50,000 रु० हैं।

केवल इस सूचना के आधार पर दोनों कम्पनियों के ईक्विटी अंशों के मूल्य की गणना कीजिए।

Solution :

Calculation of Profits Available for Equity Shareholders

Profits for 2 years Rs. 2,50,000 and Rs. 3,50,000

	X Ltd. Rs.	Y. Ltd. Rs.
Average Profits (Rs 2,50,000 + Rs. 3,50,000) ÷ 2	3,00,000	3,00,000
Less : Preference Dividend @ 7%	1,40,000	14,000
Profits for Equity Shares	1,60,000	2,86,000

(ii) Calculation of Expected Rate of Return :

$$\text{Expected Rate of Return} = \frac{\text{Profits for Equity Shares}}{\text{Paid up Equity Share Capital}} \times 100$$

For X Ltd. $\frac{\text{Rs. } 1,60,000}{\text{Rs. } 2,00,000} \times 100 = 80\%$; for Y Ltd. $= \frac{\text{Rs. } 2,86,000}{\text{Rs. } 20,00,000} \times 100 = 14{\cdot}3\%$

(iii) Calculation of Value per Equity Share :

$$\text{Value per Equity Share} = \frac{\text{Expected Rate of Return}}{\text{Normal Rate of Return}} \times \text{Paid-up Value per Share}$$

For X Ltd. $\frac{80}{10} \times 100 = \text{Rs. } 800$, for Y Ltd. $\frac{14{\cdot}3}{10} \times 100 = \text{Rs. } 143$

Illustration 6·8 : The capital of Baba Ltd. consists 1,000 6% Preference shares of Rs. 100 each and 4,000 Equity shares of Rs. 100 each fully paid. The company's normal profit after providing for taxation and reserve is Rs. 75,000. The normal return expected on Preference shares is 8% and on Equity shares 10%. The Preference shares are entitled to participate in the profits to the extent of 4% after the payment of an equity dividend of 10%. The balance of profits available for equities. Work out the value of each Preference and Equity share of the company.

बाबा लिमिटेड की पूँजी 100 रु० वाले 1,000 6% पूर्वाधिकार अंशों में तथा 100 रु० वाले 4,000 ईक्विटी अंशों में है। सभी अंश पूर्णदत्त हैं। कम्पनी का साधारण लाभ कर तथा संचय का प्रबन्ध करने के पश्चात् 75,000 रु० है। पूर्वाधिकार अंशों पर 8% तथा ईक्विटी अंशों पर 10% आय की आशा की जाती है। पूर्वाधिकार अंशों को, ईक्विटी अंशों पर 10% लाभांश देने के पश्चात् लाभ में से 4% और मिलता है। शेष लाभ ईक्विटी अंशों के लिए है। प्रत्येक पूर्वाधिकार अंश तथा ईक्विटी अंश के मूल्य की गणना कीजिए।

Solution :

	Rs	Rs.
Profits available for Preference Shares and Equity Shares		75,000
Less : Preference Share Dividend @ 6%	6,000	
Less : Equity Share Dividend @ 10%	40,000	46,000
		29,000
Less : Further 4% Dividend to Preference Shares		4,000
Balance of Profits available to Equity Shares		25,000

Valuation of Preference Shares :

$$\text{Value per Pref. Share} = \frac{\text{Rate of Dividend}}{\text{Normal Rate of Return}} \times \text{Paid up value per Share}$$

$$\text{Rate of Dividend} = \frac{\text{Profits available for dividend}}{\text{Preference Share Capital}} \times 100 = \frac{10,000}{1,00,000} \times 100 = 10\%$$

$$\text{Value per Preference Share} = \frac{10}{8} \times 100 = \text{Rs. } 125$$

Valuation of Equity Shares :

Profits available for dividend = (Rs. 40,000 + Rs. 25,000) = Rs. 65,000

$$\text{Rate of dividend} = \frac{65,000}{4,00,000} \times 100 = \text{Rs. } 16{\cdot}25\%$$

$$\text{Value per Equity Shares} = \frac{16{\cdot}25}{10} \times 100 = \text{Rs. } 162{\cdot}50$$

वैकल्पिक विधि से हल :

Valuation of Preference Shares :

Profits available for Preference Shares = Rs. 10,000

Capitalised value = (10,000 × 100 ÷ 8) = Rs. 1,25,000

Value per Pref. Share = Rs. 1,25,000 ÷ 1,000 = Rs. 125

Valuation of Equity Shares :

Profits available for Equity Shares = Rs. 65,000

Capitalised Value = (Rs 65,000 × 100) ÷ 10 = Rs. 6,50,000

Value per Equity Share = Rs. 6,50,000 ÷ 4,000 = Rs. 162 50

(iii) उपार्जन क्षमता के आधार पर (On the basis of Earning Capacity) : जब थोड़े समय के लिए एवं थोड़ी मात्रा में अंशों में विनियोग करना हो तो अंशों का मूल्यांकन लाभांश की दर के आधार पर या अंशों पर प्रत्याशित प्रत्याय की दर के आधार पर किया जा सकता है। परन्तु जब कोई व्यक्ति किसी कम्पनी के अधिकांश अंश कम्पनी पर नियन्त्रण स्थापित करने के उद्देश्य से दीर्घकाल के लिए क्रय करना चाहता है तो अंशों का मूल्यांकन कम्पनी की उपार्जन क्षमता के आधार पर किया जाता है। जैसा कि हम जानते हैं कि कम्पनियों द्वारा अर्जित समस्त लाभ लाभांश के रूप में नहीं बाटे जाते अपितु कम्पनी की आन्तरिक स्थिति को सुदृढ़ बनाने के लिए कुछ लाभ प्रतिवर्ष रोक लिये जाते हैं। किन्तु ये एकत्रित लाभ कम्पनियों द्वारा आगे चलकर बोनस के रूप में या अन्य किसी रूप में अंशधारियों को ही वापस लौटा दिये जाते हैं। अतः अंशों का मूल्यांकन कम्पनी की लाभार्जन क्षमता के आधार पर ही करना चाहिए क्योंकि कम्पनी की लाभार्जन क्षमता का अंशों के मूल्य पर दीर्घकाल में अवश्य ही प्रभाव पड़ता है। उपार्जन क्षमता के आधार पर अंश के मूल्य की गणना इस प्रकार की जाएगी :

$$\text{Value per share} = \frac{\text{Actual Rate of Earnings}}{\text{Normal Rate of Earnings}} \times \text{Paid up value per share}$$

$$\text{Actual Rate of Earnings} = \frac{\text{Profit earned}}{\text{Net Capital Employed}} \times 100$$

उपर्युक्त सूत्र में दी गई मदों की गणना की विधि इस प्रकार है :

(a) अर्जित लाभ (Profit Earned)—अर्जित लाभ से तात्पर्य 'ब्याज घटाने से पूर्व किन्तु कर घटाने के बाद' (Profit before Interest but after Tax) की लाभों की राशि से है। अतः यदि लाभ कर, संचयों में हस्तान्तरण तथा पूर्वाधिकार अंश लाभांश घटाने के बाद के दे रखे हैं तो संचयों में हस्तान्तरण, पूर्वाधिकार अंश लाभांश तथा ऋण पत्रों एवं दीर्घकालीन ऋणों पर देय ब्याज की राशि को पुनः लाभों में जोड़ दिया जाएगा। ये लाभ कम्पनी की लाभार्जन क्षमता को बताते हैं; अतः लाभों में यदि गैर-संचालन क्रियाओं से आय जैसे गैर व्यापारिक विनियोगों पर आय की राशि सम्मिलित है तो उसे घटा देना चाहिए तथा कोई गैर संचालन या अनावर्ती व्यय घटा हुआ है तो उसे वापस जोड़ देना चाहिए। यदि प्रश्न में कई वर्षों के लाभ दे रखे हों, तो उनका औसत निकाल लेना चाहिए।

(b) शुद्ध विनियोजित पूँजी (Net Capital Employed) : शुद्ध विनियोजित पूँजी से तात्पर्य ऐसी पूँजी से है जिसका विनियोजन कम्पनी में दीर्घकाल के लिए किया गया है। इसके अन्तर्गत इक्विटी अंश पूँजी, पूर्वाधिकार अंश पूँजी, संचय एव आधिक्य, ऋण पत्र एव दीर्घकालीन ऋण सम्मिलित किये जाते हैं। यदि सम्पत्तियों के बाजार मूल्य भी प्रश्न में दिये हुए हों तो इनकी गणना सम्पत्ति पक्ष से करनी चाहिए एवं सम्पत्तियों को उनके

बाजार मूल्य पर लेना चाहिए। यदि विनियोग गैर व्यापारिक हों तो उन्हें सम्पत्तियों में सम्मिलित नहीं किया जाना चाहिए। चालू सम्पत्तियों को उन पर प्रायोजन की राशि घटाकर लेना चाहिए तथा कृत्रिम सम्पत्तियों को छोड़ देना चाहिए। यदि अमूर्त सम्पत्तियों का वसूली मूल्य दे रखा हो तो उन्हें भी ले लेना चाहिए। यदि प्रश्न में ख्याति के मूल्यांकन के बारे में कह रखा हो तो उसका भी मूल्यांकन करके सम्पत्तियों में शामिल किया जाना चाहिए। इसके पश्चात् सम्पत्तियों के मूल्य में से चालू दायित्वों एवं प्रायोजनों को घटाकर शुद्ध विनियोजित पूँजी ज्ञात की जाती है।

उपार्जन क्षमता के आधार पर केवल ईक्विटी अंशों का ही मूल्यांकन किया जाता है। पूर्वाधिकार अंशों का मूल्यांकन तो सामान्यतया लाभांश की दर के आधार पर ही किया जाता है। व्यवहार में विनियोजित पूँजी की गणना में कठिनाई के कारण ईक्विटी अंशों का मूल्यांकन उन पर उपार्जित प्रत्याय की दर के आधार पर ही किया जाता है जिसमें केवल ईक्विटी अंशों के लिए उपलब्ध लाभ एवं ईक्विटी अंश पूँजी की ही आवश्यकता पड़ती है।

(c) सामान्य प्रत्याय की दर (Normal Rate of Return) : यदि प्रश्न में इसी प्रकार का व्यवसाय करने वाली कम्पनी द्वारा ईक्विटी अंशों पर दिये गये लाभांश की दर दी हुई है तो उसे यहाँ काम में लिया जा सकता है। अन्यथा उचित बाजार दर जो प्रश्न में दी गई हो, काम में ली जा सकती है।

Illustration 6·9 : On 31st December, 1991 the position of R. Ltd. was as follows :

31 दिसम्बर, 1991 को आर लिमिटेड की स्थिति निम्नवत् थी :

Balance Sheet

	Rs.		Rs.
Share Capital :		Buildings at cost	**60,000**
4,000 Equity Shares of Rs. 100 each fully paid up	4,00,000	Furniture	5,000
Reserve Fund :	1,00,000	Stock in trade (market value)	4,00,000
Depreciation Fund :		Investments in 5% Govt. Securities (at cost)	3,00,000
Buildings	15,000	Book Debts	3,00,000
Investments	30,000	Cash at Bank	35,000
6% Debentures	1,00,000		
Creditors	45,000		
Provision for Doubtful Debts	10,000		
Profit & Loss a/c (including Rs. 3,15,000 profit before tax for 1991)	4,00,000		
	11,00,000		11,00,000

The Buildings are worth now Rs. 1,10,000. Public companies doing similar business show a profit earning capacity of 12% on capital employed in the business. The real value of goodwill may be taken at Rs. 2,00,000.

You are required to calculate the yield value of shares of the company.

भवन का मूल्य अब 1,10,000 रु० है। इसी प्रकार का व्यवसाय करने वाली सार्वजनिक कम्पनियों की लाभार्जन क्षमता उनमें विनियोजित पूँजी का 12% है। ख्याति का वास्तविक मूल्य 2,00,000 रु० लिया जा सकता है। कम्पनी के अंशों के प्रतिफल मूल्य की गणना कीजिये।

Solution : (i) Calculation of Profit Earned

	Rs.
Profit for the year	3,15,000
Less : Income from Investments	15,000
	3,00,000
Less : Income tax (say 50%)	1,50,000
Profit after Tax	1,50,000
Add : Debenture Interest	6,000
Profit Earned	1,56,000

(ii) Calculation of Capital Employed :

	Rs.		Rs.	Rs.
Goodwill	2,00,000	Total Assets		10,50,000
Buildings	1,10,000	*Less* : Creditors	45,000	
Furniture	5,000	Provision for		
Stock in Trade	4,00,000	Doubtful Debts	10,000	55,000
Book Debts	3,00,000			
Cash at Bank	35,000			
Total Assets	10,50,000	*Capital Employed*		9,95,000

(iii) Calculation of Actual Rate of Earnings :

$$\text{Actual Rate of Earnings} = \frac{\text{Profit Earned}}{\text{Capital Employed}} \times 100 = \frac{\text{Rs. } 1,56,000}{\text{Rs. } 9,95,000} \times 100$$

$$= 15.68\%$$

(iv) Calculation of value per share

$$\text{Value per share} = \frac{\text{Actual Rate of Earnings}}{\text{Normal Rate of Return}} \times \text{Paid up value per share}$$

$$= \frac{15.68}{12} \times 100 = \text{Rs. } 130.67$$

अंशों के उचित मूल्य की गणना (Calculation of Fair Value of Shares) : सम्पत्ति मूल्यांकन विधि के आधार पर अंश का जो मूल्य ज्ञात किया जाता है उसे अंश का आन्तरिक मूल्य कहा जाता है एवं प्रतिफल मूल्यांकन विधि के आधार पर अंश का जो मूल्य ज्ञात किया जाता है उसे अंश का प्रतिफल मूल्य कहा जाता है। किन्तु प्रश्न में सामान्यतया अंश का उचित मूल्य पूछा जाता है। अंश के उचित मूल्य से अभिप्राय आन्तरिक मूल्य एवं प्रतिफल मूल्य के औसत से है। इसे सूत्र रूप में इस प्रकार लिखा जा सकता है :

$$\text{Fair Value per Share} = \frac{\text{Intrinsic Value per Share} + \text{Yield Value per Share}}{2}$$

इस प्रकार उचित मूल्य की गणना करने के लिए सर्वप्रथम अंश का आन्तरिक मूल्य एवं प्रतिफल मूल्य ज्ञात किया जायेगा।

Illustration 6·10 : The Balance Sheet of **P. Ltd.** disclosed the following information **on 31st December, 1991 :**

पी लिमिटेड का चिट्ठा 31 दिसम्बर, 1991 को निम्न सूचना प्रकट करता है :

Balance Sheet

		Rs.			Rs.
5,000 Equity Shares of			Building		2,00,000
Rs. 100 each fully paid		5,00,000	Plant & Machinery		5,00,000
Reserve Fund		2,00,000	Furniture		40,000
Profit & Loss Account			Stock (At market value)	Rs.	2,50,000
Balance on 1-1-91	50,000		Debtors	5,00,000	
Profit for 1991	2,00,000		*Less* : Provision	20,000	
(After provision for tax)		2,50,000			4,80,000
Provision for Tax @ 50% out					
of current year's profits)		2,00,000	Cash and Bank Balance		20,000
Creditors		3,50,000	*Preliminary Expenses*		*10,000*
		15,00,000			15,00,000

You are given the following information : (a) Company's prospects for the year 1992 are equally good; (b) Market values of the assets of the Company are : Building Rs. 4,30,000; Plant & Machinery Rs. 4,50,000; Furniture Rs. 30,000 and Debtors Rs. 4,70,000; (c) Other companies doing similar business show a profit of 10% on market value of shares; (d) Profit before tax for the last 3 years have shown an increase of Rs. 70,000 annually, (e) Goodwill may be valued at 2 years' purchase of super profits (on the basis of simple average).

You are required to fix the fair value of shares on the basis of Intrinsic value and earning capacity methods.

आपको निम्नलिखित सूचनाएँ प्रदान की गई हैं ; (अ) कम्पनी को 1992 वर्ष में लाभ की आशा समान रूप से अच्छी है; (ब) कम्पनी की सम्पत्तियों का बाजार मूल्य है : भवन 4,30,000 रु०; देनदार 4,70,000 रु०; मशीनरी 4,50,000 रु०; और फर्नीचर 30,000 रु० ; (स) इसी प्रकार का व्यापार करने वाली कम्पनियाँ अपने अंशों के बाजार मूल्य पर 10 प्रतिशत लाभ की योग्यता प्रदर्शित करती हैं; (द) गत तीन वर्षों के कर के पूर्व लाभ 70,000 रु० वार्षिक वृद्धि प्रदर्शित करते हैं; (य) ख्याति का मूल्यांकन अधिलाभों के दो वर्षों के क्रय के आधार पर किया जाये (सामान्य औसत के आधार पर)।

आपको अंशों का उचित मूल्य आन्तरिक मूल्य एवं उपार्जन क्षमता विधियों के आधार पर निर्धारित करना है।

Solution : Calculation of Average Capital Employed :

Building + Plant & Machinery + Furniture + Debtors + Stock and Bank Balance	
= Rs. 4,30,000 + 4,50,000 + 30,000 + 2,70,000 + 2,50,000 + 20,000 =	16,50,000
Less : Provision for Income Tax and Creditors Rs. 2,00,000 + 3,50,000 =	5,50,000
Capital Employed	11,00,000
Less : $\frac{1}{2}$ of Current years profit	1,00,000
Average Capital Employed	10,00,000

(ii) Calculation of Super Profit :	Rs.
Net Profits before Tax for 1991	4,00,000
Net Profits before Tax for 1990 (Rs. 4,00,000 − Rs. 70,000)	3,30,000
Net Profits before Tax for 1986 (Rs 3,30,000 − Rs. 70,000)	2,60,000
Total Profits for 3 Years	9,90,000
Average Profits before Income Tax	3,30,000
Less : Income tax (50%)	1,65,000
Average Profit after Tax	1,65,000
Less : Normal Profit (10% of Rs. 10,00,000)	1,00,000
Super Profit	65,000

(iii) Value of Goodwill = Rs. 65,000 × 2 — Rs. 1,30,000

Calculation of Net Assets :

Goodwill + Buildings + Plant & Machinery + Furniture + Stock + Debtors + Cash & Bank.
= Rs. 1,30,000 + 4,30,000 + 4,50,000 + 30,000 + 2,50,000 + 4,70,000 + 20,000
= Rs. 17,80,000

Less : Provision for Income Tax & Creditors Rs. 2,00,000 + 3,50,000	5,50,000
Net Assets	12,30,000

(v) Intrinsic value per share $= \dfrac{\text{Net Assets}}{\text{No. of Equity Shares}} = \dfrac{\text{Rs. } 12{,}30{,}000}{5{,}000} = \text{Rs. } 246$

(vi) **Calculation of Yield Value per Share**

$$\text{Value per share} = \frac{\text{Actual Rate of Earnings}}{\text{Normal Rate of Return}} \times \text{Paid up value per share}$$

$$\text{Actual Rate of Earnings} = \frac{\text{Profit Earned}}{\text{Capital Employed (Net Asset)}} \times 100$$

$$= \frac{\text{Rs. } 1{,}65{,}000}{\text{Rs. } 12{,}30{,}000} \times 100 = 13{\cdot}41\%$$

$$\text{Value per share} = \frac{13{\cdot}41}{10} \times 100 = \text{Rs. } 134{\cdot}10$$

(vii) **Calculation of Fair value per share :**

$$\text{Fair value per share} = \frac{\text{Intrinsic Value} + \text{Yield Value}}{2} = \frac{\text{Rs. } 246 + \text{Rs. } 134{\cdot}10}{2}$$

$$= \text{Rs. } 190{\cdot}05$$

बोनस अंशों के निर्गमन की दशा में अंशों का मूल्यांकन
(Value of Shares in case of Issue of Bonus Shares)

जब बोनस अंशों का विद्यमान अंशधारियों को निर्गमन किया जाता है तो अंशों की पूर्ति में वृद्धि हो जाती है और उन अंशों का बाजार मूल्य पूर्ति के नियम के अनुसार गिर जाता है। इसके अतिरिक्त बोनस अंशों के निर्गमन से कम्पनी की शुद्ध सम्पत्तियों में भी कोई वृद्धि नही होती। अतः अंशों का आन्तरिक मूल्य भी कम हो जाता है। बोनस अंशों के निर्गमन के पश्चात् अंशों का मूल्यांकन इस प्रकार किया जाता है :—

$$\text{Value per share} = \frac{\text{Net Assets (Existing Equity Fund)}}{\text{No. of Shares (Including Bonus Shares)}}$$

Illustration 6·11 : The capital of S Ltd. is Rs. 10,00,000 divided into 10,000 equity shares of Rs. 100 each. On 31st December, 1991 its reserve is Rs. 5,00,000, out of this the company issues one bonus share for 4 equity shares held. Find out the value of shares : (i) before the issue of bonus shares; and (ii) after the issue of bonus shares.

एस लिमिटेड की पूँजी 10,00,000 रु० है जो 100 रु० वाले 10,000 ईक्विटी अंशों में विभाजित है। 31 दिसम्बर, 1991 को इसके संचय 5,00,000 रु० के हैं, इसमें से कम्पनी 4 ईक्विटी अंशों के धारकों को एक बोनस अंश निर्गमित करती है। अंशों का मूल्य ज्ञात कीजिए: (i) बोनस अंशों का निर्गमन करने से पूर्व; एवं (ii) बोनस अंशों का निर्गमन करने के पश्चात्।

Solution : (i) Valuation of Shares Before Issue of Bonus Shares:

	Rs.
Equity Shares Capital	10,00,000
Reserves	5,00,000
Net Assets	15,00,000

$$\text{Value per Share} = \frac{\text{Rs. } 15{,}00{,}000}{10{,}000} = \text{Rs. } 150$$

(ii) Valuation of shares after Issue of Bonus Shares :	Rs.
Equity Share Capital	12,50,000
Reserves (Rs. 5,00,000 – Rs. 2,50,000)	2,50,000
Value per Share = $\frac{\text{Rs. } 15,00,000}{12,500}$ = Rs. 120	15,00,000

अधिकारों का मूल्यांकन
(Valuation of Rights)

भारतीय कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 81 में यह प्रावधान है कि किसी अंशों द्वारा सीमित सार्वजनिक कम्पनी की स्थापना की तिथि के पश्चात् 2 वर्षों के बाद अथवा अंशों के प्रथम आवंटन से 1 वर्ष के बाद, दोनों में से जो पहले हो, यदि वह अपनी निर्गमित पूँजी में नये अंशों के आवंटन द्वारा वृद्धि करने का प्रस्ताव पारित करती है तो विद्यमान ईक्विटी अंशधारियों को यह अधिकार होता है कि वे इन नये निर्गमित किये जाने वाले अंशों को क्रय कर सकते हैं। कम्पनी सर्वप्रथम ये नये अंश एक निश्चित अनुपात में इन्हें ही प्रस्तावित करती है। इन नये अंशों को प्राप्त करने के प्रथम अधिकार को ही 'पूर्व क्रय अधिकार' (Rights of Pre-emption) कहते हैं और कम्पनी द्वारा किये जाने वाले ऐसे अंशों के निर्गमन को 'अधिकार निर्गमन' (Rights Issue) कहते हैं।

कम्पनी अधिनियम की धारा 82 के अनुसार, यदि अन्तर्नियमों में कोई विपरीत प्रावधान न हो तो कम्पनी का अंशधारी इस अधिकार को अन्य व्यक्ति के पक्ष में हस्तान्तरित भी कर सकता है। इसके अतिरिक्त वह अपने द्वारा धारित अंशों को बेच सकता है किन्तु अधिकार को अपने पास सुरक्षित रख सकता है। जब कम्पनी द्वारा अधिकार निर्गमन की घोषणा की जाती है तो कम्पनी के अंशों का मूल्य इस अधिकार के कारण बढ़ जाता है। अतः यदि अंशों का हस्तान्तरण 'अधिकार रहित' (Ex-right) किया जाये तो कितना मूल्य लिया जाये और 'अधिकार सहित' (Cum-right) किया जाये तो मूल्य उद्धरण में सम्मिलित अधिकार का मूल्य क्या होगा? अधिकार का मूल्य तभी होता है, जबकि अंशों का बाजार मूल्य अधिक हो और कम्पनी अपने विद्यमान अंशधारियों को कम मूल्य पर निर्गमन कर रही हो। अधिकार का मूल्यांकन इस प्रकार किया जाएगा :

$$\text{Value of Right} = \frac{\text{No. of Right Shares}}{\text{No. of Existing Shares} + \text{No. of Right Shares}} \times (\text{Market Price} - \text{Issue Price})$$

Illustration 6·12 : X Ltd. increases its share capital by issue 1 of new share at Rs. 120 for every two shares held The market price of its existing share is Rs. 150 cum right. Find out the value of rights included in market price of the share.

एक्स लि० अपने विद्यमान प्रत्येक 2 अंशों के लिए 120 रु० के मूल्य वाले 1 नये अंश का निर्गमन करके अपनी अंश पूँजी में वृद्धि करती है। इसके विद्यमान अंशों का अधिकार सहित बाजार मूल्य 150 रु० प्रति अंश है। अंशों के बाजार मूल्य में सम्मिलित 'अधिकारों' का मूल्य ज्ञात कीजिए।

Solution :

$$\text{Value of Rights} = \frac{\text{No. of Right Shares}}{\text{No. of Existing Shares} + \text{No. of Right Shares}} \times (\text{M. P.} - \text{I. P.})$$

$$= \frac{1}{2+1} \times (\text{Rs. } 150 - \text{Rs. } 120) \text{ or } \frac{1}{3} \times 30 = \text{Rs. } 10$$

Illustration 6·13 : Paid up capital of S Ltd. is Rs. 3,00,000 divided into 3,000 shares of Rs. 100 each. Dividend free of tax has been declared @ Rs. 20 per share for the last year. The company makes a new issue of 1,000 shares to the existing share

holders @ 1 new share for 3 shares held but the price of new share was fixed at Rs. 220. After the announcement of this offer and declaration of dividend, the price of the old share becomes Rs. 300 cum-dividend, cum-right. Find out the value of rights included in the market price.

एक लि० की प्रदत्त पूंजी 3,00,000 रु० की है जो 100 रु० वाले 3,000 अंशों में विभाजित है। पिछले वर्ष के लिए कर रहित लाभांश 20 रु० प्रति अंश की दर से घोषित किया गया है। कम्पनी विद्यमान 3 अंशों के धारकों को 1 नया अंश देने के लिए 1,000 नये अंशों का निर्गमन करती है लेकिन नये अंश का मूल्य 220 रु० निर्धारित किया गया है। इस प्रस्ताव की सूचना तथा लाभांश की घोषणा के बाद पुराने अंशों का 'लाभांश-सहित, अधिकार-सहित' मूल्य 300 रु० हो जाता है। बाजार मूल्य में सम्मिलित 'अधिकारों' का मूल्यांकन कीजिए।

Solution :

	Rs.
Market Price of the old share (cum-dividend, cum-right)	300
Less : Dividend included in it	20
Market Price cum-right	280

$$\text{Value of Rights} = \frac{\text{No. of Right Shares}}{\text{No. of Existing Shares} + \text{No. of Right Shares}} \times (\text{Market Price} - \text{Issue Price})$$

$$= \frac{1}{1+3} \times (280 - 220) \text{ or } \frac{60}{4} = \text{Rs. } 15$$

Miscellaneous Illustrations

Illustration 6·14 : The following is the Balance Sheet of a company as on 31st December, 1991 (31 दिसम्बर, 1991 को एक कम्पनी का चिट्ठा निम्नलिखित है) :

Balance Sheet

	Rs.		Rs.
Share Capital :		Buildings	5,00,000
8,000 shares of Rs. 100 each	8,00,000	Plant and Machinery	6,00,000
General Reserve	1,00,000	Stock	2,00,000
Profit and Loss A/c	2,60,000	Debtors	5,00,000
Workmens' Provident Fund	1,50,000	Cash at Bank	2,00,000
Provision for Taxation	2,00,000		
Sundry Creditors	4,90,000		
	20,00,000		20,00,000

Buildings have been valued at Rs. 9,00,000 and Plant & Machinery at Rs. 7,00,000. Rs. 1,00,000 of the bebts are bad. The market value of the Stock is Rs. 2,50,000. Goodwill may be taken to be worth Rs. 6,00,000. The profits before tax of the company have been as follows :

1989 Rs. 6,50,000; 1990 Rs. 6,00,000; and 1991 Rs. 7,00,000.

It is the company's practice to transfer 25% of the profit to general reserve every year. Similar companies give a yield of 15% on the market value of their shares. Find out the fair value of shares.

भवन का 9,00,000 रु० एवं प्लांट एवं मशीन का 7,00,000 रु० पर मूल्यांकन किया गया है। देनदारों में 1,00,000 रु० डूबत है। स्टॉक का बाजार मूल्य 2,50,000 रु० है। ख्याति का मूल्य 6,00,000 रु० लिया जा सकता है। कम्पनी के कर से पूर्व लाभ इस प्रकार हैं :

1989 – 6,50,000 रु०; 1990 – 6,00,000 रु०; एवं 1991 – 7,00,000 रु०।

कम्पनी की परम्परानुसार लाभ का 25% प्रति वर्ष सामान्य संचय में हस्तान्तरित किया जाता है। इसी प्रकार की अन्य कम्पनियाँ अपने अंशों के बाजार मूल्य पर 15% आय देती हैं। अंशों का उचित मूल्य ज्ञात कीजिए।

Solution : (i) Calculation of Net Assets :

	Rs.	Rs.
Goodwill	6,00,000	
Buildings	9,00,000	
Plant and Machinery	7,00,000	
Stock	2,50,000	
Debtors (Rs. 5,00,000 – Rs. 1,00,000)	4,00,000	
Cash at Bank	2,00,000	
		30,50,000
Less : Workmens' Provident Fund	1,50,000	
Provision for Taxation	2,00,000	
Sundry Creditors	4,90,000	
		8,40,000
Net Assets		22,10,000

(ii) Intrinsic value of share $= \frac{\text{Net Assets}}{\text{No. of Equity Shares}} = \frac{22,10,000}{8,000} = \text{Rs. } 276{\cdot}25$

(iii) Calculation of Expected Rate of Return on Equity Shares :

	Rs.
Profits for 3 years (Rs. 6,50,000 + Rs. 6,00,000 + Rs. 7,00,000)	19,50,000
Average Profits	6,50,000
Less : Income Tax (say 50%)	3,25,000
Profits after tax	3,25,000
Less : Transfer to General Reserve (25%)	81,250
Profits Available for Equity Shares	2,43,750

Expected Rate of Return $= \frac{\text{Profits Available}}{\text{Equity Share Capital}} \times 100 = \frac{2,43,750}{8,00,000} \times 100 = 30{\cdot}47\%$

(iv) Yield value per share = $\frac{\text{Expected Rate of Return}}{\text{Normal Rate of Return}} \times$ Paid up value per share

$$= \frac{30 \cdot 47}{15} \times 100 = \text{Rs. } 203 \cdot 13$$

(v) Fair value per share = (Intrinsic value + Yield value)½
= (Rs. 276·25 + Rs. 203·13)½ = Rs. 239·69

Illustration 6 15 : M. Ltd. belongs to an industry in which equity shares sell at par on the basis of 10% yield provided the net tangible assets of the company are 200% of the paid up capital and provided the total distribution of profits does not exceed 40% of the profits. The dividend rate fluctuates from year to year in the industry. The Balance Sheet of M Ltd. stood as follows on 31st December, 1991 :

एम लि० एक ऐसे उद्योग में संलग्न है जिसमें ईक्विटी अंश 10% आय के आधार पर सम-मूल्य पर बिकते हैं, बशर्ते कि कम्पनी की शुद्ध मूर्त सम्पत्तियाँ प्रदत्त ईक्विटी अंश पूँजी के 200% के बराबर हो तथा लाभों का वितरण लाभों के 40% से अधिक न हो। उस उद्योग में लाभांश की दर में वर्ष, प्रति वर्ष उतार-चढ़ाव होते रहते हैं। 31 दिसम्बर, 1991 को एम लि० का चिट्ठा इस प्रकार है :

Balance Sheet

	Rs		Rs.
Share Capital (Shares of Rs. 100 each) :		Goodwill at cost	2,00,000
		Fixed Assets	32,00,000
7% Preference Shares, fully paid	12,00,000	Trade Investments	3,00,000
Equity Shares, Rs. 80 paid	16,00,000	Current Assets	12,60,000
Revenue Reserves	8,00,000	Preliminary Expenses	40,000
6% Debentures	8,00,000		
Current Liabilities and Provisions	6,00,000		
	50,00,000		50,00,000

The company has been earning on the average Rs. 10,00,000 as profit after debenture interest but before taxation which may be taken @ 50%. The rate of dividend on equity shares has been maintained at 12% in the past years and is expected to be maintained in future.

The fixed assets may be taken to be worth Rs. 34,40,000. Determine the fair value of the equity shares of the company.

कम्पनी ऋण-पत्रों पर ब्याज देने के पश्चात् परन्तु कर, जो 50% की दर से मान लिया जाये, के घटाने के पूर्व औसतन 10,00,000 रु० के लाभ अर्जित करती है। पिछले वर्षों में ईक्विटी अंशों पर लाभांश की दर को 12 प्रतिशत बनाये रखा गया है और भविष्य में भी इस दर को बनाये रखने की आशा है।

स्थायी सम्पत्तियों को 34,40,000 रु० के मूल्य का माना जाये। कम्पनी के ईक्विटी अंशों का उचित मूल्य ज्ञात कीजिए।

Solution : (i) Calculation of Net Assets

	Rs.	Rs.
Goodwill	2,00,000	
Fixed Assets	34,40,000	
Trade Investments	3,00,000	
Current Assets	12,60,000	52,00,000
Less : 7% Preference Share Capital	12,00,000	
6% Debentures	8,00,000	
Current Liabilities & Provisions	6,00,000	26,00,000
Net Assets		26,00,000

(ii) Intrinsic value per share $= \frac{\text{Net Assets}}{\text{No. of Equity shares}} = \frac{26,00,000}{20,000} =$ Rs. 130

(iii) Net Tangible Assets backing for Equity Shares :

Ratio of Net Tangible Assets to Equity Capital

Net Assets	Rs. 26,00,000
Less : Goodwill	Rs. 2,00,000
Net Tangible Assets	24,00,000

$= \frac{\text{Rs. } 24,00,000}{\text{Rs. } 16,00,000} \times 100 = 150\%$

(iv) Ratio of Profit Distributed to Profit Earned :

(a) Profit as given	Rs. 10,00,000
Less : Income Tax @ 50%	Rs. 5,00,000
Profit Earned	Rs. 5,00,000

	Rs.
(b) Profit Distributed : Preference Dividend @ 7% on Rs. 12,00,000	84,000
Equity Dividend @ 12% on Rs. 16,00,000	1,92,000
Profit Distributed	2,76,000

Ratio of (b) to (a) $= \frac{\text{Rs. } 2,76,000}{\text{Rs. } 5,00,000} \times 100 = 55{\cdot}2\%$

(v) Adjustment in Expected Yield :

	Percentage
The yield as given	10

Add : (a) For lower asset backing in case of M Ltd. as compared to the industry 150% against 200%	$\frac{3}{4}$
(b) For higher proportion of profit distributed—55·2% compared to 40% for the industry	$\frac{1}{4}$
(c) For shares being partly paid up	$\frac{1}{2}$
	$11\frac{1}{2}$
Less : For stability in dividend in M. Ltd. as compared to fluctuating dividend in the industry	$\frac{1}{2}$
Expected appropriate yield for the equity shares in M Ltd.	11

(vi) Calculation of Actual Rate of Return : (a) Profit Earned

	Rs.
Profit after Tax	5,00,000
Add : Debenture Interest	48,000
Profit Earned	5,48,000

(b) Capital Employed :

Goodwill + Fixed Assets + Trade Investments + Current Assets − Current Liabilities & Provisions

= Rs. 2,00,000 + 34,40,000 + 3,00,000 + 12,60,000 − 6,00,000

= Rs. 52,00,000 − 6,00,000 = Rs. 46,00,000 (Capital Employed)

$$\text{Actual Rate of Return} = \frac{\text{Profit Earned}}{\text{Capital Employed}} \times 100 = \frac{5,48,000}{46,00,000} \times 100 = 11{\cdot}91\%$$

(vii) Calculation of Yield Value of Equity Share :

$$\text{Yield value per Equity Share} = \frac{\text{Actual Rate of Return}}{\text{Normal Rate of Return}} \times \text{Paid up value per share}$$

$$= \frac{11{\cdot}91}{11} \times \text{Rs. } 80 = \text{Rs. } 86{\cdot}62$$

(viii) Calculation of Fair Value per Equity Share :

$$\text{Fair value per share} = \frac{\text{Intrinsic Value} + \text{Yield Value}}{2} \text{ or } \frac{130 + 86{\cdot}62}{2}$$

$$= \text{Rs. } 108{\cdot}31$$

Illustration 6·16 : Shri Jami intends to invest Rs. 33,000 in Equity shares of a Limited Company and seeks your advice as to the maximum number of shares he can

expect to acquire based on a fair value of the shares to be determined by you. The following information is available :

Issued and paid up capital :		Rs.
6% Preference Shares of Rs. 10 each	Rs. 5,50,000	
Equity Shares of Rs. 10 each	Rs. 3,50,000	9,00,000

Average net profit of the business is Rs. 75,000. Expected normal yield is 8% in case of such equity shares. It is observed that the net assets after revaluation are worth Rs. 70,000 more than the amounts at which they are stated in the books. Goodwill is to be calculated at 5 years' purchases of the super profits, if any.

श्री जामी एक सीमित कम्पनी के ईक्विटी अंशो में 33,000 रु० विनियोजित करना चाहते हैं एवं आपसे सलाह मांगते हैं कि आपके द्वारा निर्धारित अंशो के उचित मूल्य के आधार पर वह कितने अधिकतम अंश खरीदने की आशा कर सकते हैं। निम्नलिखित सूचना उपलब्ध है :

निर्गमित एवं प्रदत्त पूंजी :	रु०	रु०
6% 100 रुपये वाले पूर्वाधिकार अंश	5,50,000	
10 रु० वाले ईक्विटी अंश	3,50,000	9,00,000

व्यवसाय के औसत शुद्ध लाभ 75,000 रु० हैं। ऐसे ईक्विटी अंशो की दशा में आशान्वित सामान्य प्रत्याय की दर 8% है। यह पाया गया है कि शुद्ध सम्पत्तियों का मूल्य पुनर्मूल्यांकन के बाद पुस्तक मूल्य से 70,000 रु० अधिक है। ख्याति की गणना अधिलाभों (यदि कोई हों) के 5 वर्षों के क्रय के आधार पर करनी है।

Solution :

Calculation of :

(i) Capital Employed

Equity Share Capital	3,50,000
Add : Increase in Net Assets	70,000
Capital Employed	4,20,000

(ii) Super Profits

	Rs.
Average Profit	75,000
Less : Pref. Dividend	33,000
Profit Available for Equity Shares	42,000
Less : Normal Profit 8% on Rs. 4,20,000	33,600
Super Profit	8,400

(iii) Value of goodwill = Rs 8,400 × 5 = Rs. 42,000

(iv) Calculation of Intrinsic Value of Equity Share :

Net Assets available for Equity shares

(Rs. 4,20,000 + Rs. 42,000) = Rs. 4,62,000

$$\text{Value per Equity share} = \frac{\text{Rs. } 4,62,000}{35,000} = \text{Rs. } 13{\cdot}20$$

(v) Calculation of Yield Value of Equity Share :

$$\text{Expected Rate of Return} = \frac{\text{Profits available for Equity Shares}}{\text{Equity Share Capital}} \times 100$$

$$= \frac{42,000}{3,50,000} \times 100 = 12\%$$

$$\text{Value per Equity share} = \frac{\text{Expected Rate of Return}}{\text{Normal Rate of Return}} \times \textit{Paid up value per Share}$$

$$= \frac{12}{8} \times 10 \text{ Rs. } 15$$

(vi) Fair Value per Equity Share :

$$\frac{\text{Intrinsic Value} + \text{Yield Value}}{2} = \frac{13.20 + 15}{2} = \text{Rs. } 14.10$$

Number of Equity shares that may be purchased on the fair value of shares

$$= \frac{\text{Rs. } 33,000}{\text{Rs. } 14.10} = 2,340 \text{ (approx.) shares.}$$

अभ्यासार्थ प्रश्न

सैद्धान्तिक प्रश्न (Theoretical Questions) :

1. What are the various methods of valuation of shares ? Describe and illustrate the assets valuation method. When is this method more suitable ?

अंशों के मूल्यांकन की विभिन्न विधियाँ कौनसी हैं ? सम्पत्ति मूल्यांकन विधि का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए। यह विधि कब अधिक उपयुक्त मानी जाती है ?

2. Describe and illustrate the yield valuation method of valuing shares.

अंशों के मूल्यांकन की प्रतिफल मूल्यांकन विधि का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

3. What is meant by valuation of shares ? Discuss the various methods of valuation of shares.

अंशों के मूल्यांकन से क्या आशय है ? अंशों के मूल्यांकन की विभिन्न विधियों का वर्णन कीजिए।

4. What is meant by the 'Fair Value' of shares ? How is it determined ?

अंशों के 'उचित मूल्य' से क्या अभिप्राय है ? इसका निर्धारण किस प्रकार किया जाता है ?

5. What is meant by intrinsic value and market value of shares and how are they determined ?

अंशों के आन्तरिक मूल्य व बाजार मूल्य से क्या आशय होता है और उनका निर्धारण किस प्रकार होता है ?

6. What is meant by 'Normal Rate of Return' ? How will you determine such rate and for what purposes can it be used ?

'सामान्य प्रत्याय दर' से क्या आशय है ? आप इस दर का निर्धारण किस प्रकार करेंगे तथा इसका उपयोग किन उद्देश्यों के लिये किया जा सकता है ?

7. Write short notes on the following :

(निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए) :

(i) Valuation of bonus shares (बोनस अंशों का मूल्यांकन)

(ii) Valuation of Rights (अधिकारों का मूल्यांकन)

व्यावहारिक प्रश्न (Practical Questions) :

8. The Balance Sheet of A Ltd. as on 31st December, 1991 is as follows :

31 दिसम्बर, 1991 को A Ltd. का चिट्ठा अग्र प्रकार है :

Balance Sheet

	Rs.		Rs.
Share Capital :		Buildings	6,00,000
80,000 shares of Rs. 10 each	8,00,000	Machinery	1,60,000
Profit and Loss A/c	1,80,000	Debtors	4,00,000
Creditors	1,20,000	Stock	1,00,000
Provision for Tax	60,000	Cash	40,000
Proposed Dividend	1,40,000		
	13,00,000		13,00,000

Buildings and Machinery were respectively valued at Rs. 6,20,000 and Rs. 1,70,000. The net profits after tax were : 1987 Rs. 1,40,000; 1988 Rs. 1,50,000; 1989 Rs. 1,60,000, 1990 Rs. 1,80,000 and 1991 Rs. 1,70,000. The fair return in industry in which the company is engaged may be taken at 8%. Find out the intrinsic value of share after taking into consideration the value of goodwill based on 3 years' purchase of the super profits.

भवन एवं मशीन का मूल्यांकन क्रमशः 6,20,000 रु० एवं 1,70,000 रु० पर किया गया। कर के पश्चात् शुद्ध लाभ थे : 1987 – 1,40,000 रु०, 1988—1,50,000 रु० 1989—1,60,000 रु०, 1990—1,80,000 रु०, और 1991– 1,70,000 रु०। कम्पनी जिस उद्योग में लगी हुई है उसमे उचित प्रत्याय 8% ली जा सकती है। ख्याति का मूल्य अधिलाभों के 3 वर्षों के क्रय के आधार पर लेते हुए अंश का आन्तरिक मूल्य ज्ञात कीजिए।

Ans. Average Cap. employed Rs. 9,25,000, Super Profit Rs. 86,000 Goodwill Rs. 2,58,000, Intrinsic value per share Rs. 15.85. (6·1)

9. You are given the following Balance Sheet of R Ltd. as on 31st March, 1992
आपको 31 मार्च 1992 को आर लि० का निम्नलिखित चिट्ठा दिया गया है ;

Balance Sheet

	Rs.		Rs.
Share Capital :		Goodwill	4,50,000
3,000 8% Preference shares of		Plant and Machinery	7,50,000
Rs. 100 each	3,00,000	Stock	10,50,000
6,000 Equity shares of Rs. 100 each	6,00,000	Debtors	6,30,000
Debentures	9,00,000	Cash at Bank	2,02,500
General Reserve	4,50,000		
Creditors	6,75,000		
Profit and Loss a/c	1,57,500		
	30,82,500		30,82,500

The realisable value of Plant & Machinery on the date of Balance Sheet was Rs. 8,00,000 and the real value of the goodwill was Rs. 4,00,000. The normal rate of return is estimated to be 10%. Find out the intrinsic value per share.

चिट्ठे की तिथि को प्लाण्ट व मशीन का वसूली मूल्य 8,00,000 रु० था व ख्याति का वास्तविक मूल्य 4,00,000 रु० था। प्रत्याय की सामान्य दर 10% अनुमानित की जाती है। प्रति अंश आन्तरिक मूल्य ज्ञात कीजिए।

Ans *Value per Equity share Rs. 197·25 and Value per Preference share Rs. 108.)* (6·2)

10. The following is the Balance Sheet of S Ltd. as at 31st December, 1991.

31 दिसम्बर, 1991 को एस० लि० का चिट्ठा निम्नलिखित है :

Balance Sheet

	Rs.		Rs.
Share Capital :		Fixed Assets	1,53,000
3,000 6% Preference shares of Rs. 10 each	30,000	Preliminary Expenses	9,000
9,000 Equity shares of Rs. 10 each	90,000	Discount on Debentures	3,000
General Reserve	6,000	Profit and Loss Account	18,000
Debenture Redemption Fund	9,000		
7% Debentures	15,000		
Depreciation Fund	3,000		
Creditors	30,000		
	1,83,000		1,83,000

Assets are worth their book value. Dividends on the preference shares are two years in arrears Debenture interest is owing for one year. Show the valuation of shares : (a) when preference shares have priority for repayment of capital only; (b) when preference shares have no priority for repayment of capital and dividend; (c) when preference shares have priority as to payment of capital and arrears of dividend; and (d) when preference shares have no priority for capital but for arrears of dividend.

सम्पत्तियों का पुस्तक मूल्य उचित है। पूर्वाधिकार अंशों पर दो वर्षों से लाभांश बकाया है। ऋण-पत्रों पर एक वर्ष का ब्याज देय है। अंशों का मूल्यांकन कीजिए : (a) जब पूर्वाधिकार अंशों को केवल पूँजी, वापसी के सम्बन्ध में ही प्राथमिकता हो; (b) जब पूर्वाधिकार अंशों को पूँजी की वापसी एवं लाभांश के सम्बन्ध में कोई प्राथमिकता नहीं हो; (c) जब पूर्वाधिकार अंशों के पूँजी की वापसी एवं लाभांश के बकाया के सम्बन्ध में प्राथमिकता हो; और (d) जब पूर्वाधिकार अंशों को लाभांश के बकाया के सम्बन्ध में प्राथमिकता हो किन्तु पूँजी वापसी के सम्बन्ध में नहीं।

Ans. (*a*) *Rs. 8·22*; (*b*) *Rs. 8·66*; (*c*) *Rs. 7·82*; (*d*) *Rs. 8·36* (6·3)

11. Following is the Balance Sheet of Shyam Ltd. as on 31st December, 1991;

31 दिसम्बर, 1991 को श्याम लिमिटेड का चिट्ठा इस प्रकार है :

Balance Sheet

	Rs.		Rs.
Share Capital :		Fixed Assets	4,84,000
3,000 Equity shares of Rs. 100		Investments	2,85,000
each	3,00,000	Stock	3,64,000
Reserve Fund	53,000	Cash at Bank	4,27,000
Employees Profit Sharing Fund	32,000		
Employees Provident Fund	7,500		
Workmen Compensation Fund	36,500		
Depreciation Fund	65,000		
Provision for Tax	16,500		
Creditors	5,44,000		
Profit & Loss A/c	5,05,500		
	15,60,000		15,60,000

Calculate the intrinsic value of shares. (अंशों के आन्तरिक मूल्यों की गणना कीजिए)

Ans. : Intrinsic value per share Rs. 298·33 (6·4)

12. India Limited has issued 10,000 Equity shares of Rs. 100 each, Rs. 90 paid and 1,500 10% Preference shares of Rs. 100 each fully paid. The company, has a practice of transferring 20% of the profit to General Reserve every year. The annual average profits of the company are Rs. 6,00,000 before tax and the rate of tax is 50%. Normal rate of return on Equity shares is 15% Find out the value of Equity share.

इण्डिया लिमिटेड ने 100 रु० वाले 10,000 समता अंश प्रत्येक पर 90 रु० प्रदत्त एवं 100 रु० वाले पूर्णदत्त 1,500 10% पूर्वाधिकार अंश निर्गमित किये हुये हैं। कम्पनी की प्रथा के अनुसार लाभ का 20 प्रतिशत सामान्य संचय में प्रतिवर्ष हस्तान्तरण किया जाता है। कर से पूर्व कम्पनी के औसत वार्षिक लाभ 6,00,000 रु० हैं और कर की दर 50 प्रतिशत है। समता अंशों का मूल्य ज्ञात कीजिए। समता अंशों पर सामान्य प्रत्याय दर 15% है।

Ans. Value per Equity Share Rs. 150 (5·5)

13. On 31st December, 1991 the Balance Sheet of Y Ltd. was as follows :

31 दिसम्बर, 1991 को वाई लिमिटेड का चिट्ठा इस प्रकार था।

Balance Sheet

	Rs.		Rs.
Share Capital :		Land & Buildings	4,40,000
10,000 Equity shares of Rs. 100		Plant & Machinery	1,90,000
each fully paid	10,00,000	Stock	6,00,000
Reserve & Surplus	2,06,000	Debtors	3,00,000
Bank Overdraft	40,000	Cash at Bank	1,10,000
Creditors	1,54,000		
Provision for Taxation	90,000		
Proposed Dividend	1,50,000		
	16,40,000		16,40,000

Land and Buildings were valued at Rs. 5,00,000 and Plant and Machinery at Rs 3,00,000. In view of the nature of business, it is considered that 10% is a reasonable return on capital employed. The net profits after tax were : 1987 Rs. 1,70,000; 1988 Rs. 1,92,000; 1989 Rs. 1,80,000; 1990 Rs. 2,00,000; and 1991 Rs. 1,90,000.

Find out the intrinsic value of share after taking into account the revised values of fixed assets and valuation of goodwill based on 3 years' purchase of the super profit.

भूमि तथा भवन 5,00,000 रु० पर एवं प्लाण्ट तथा मशीन 3,00,000 रु० पर मूल्यांकित किये गये। व्यापार की प्रकृति को देखते हुए यह तय किया गया कि विनियोजित पूँजी पर उचित प्रत्याय 10% है। कर के पश्चात् शुद्ध लाभ थे : 1987—1,70,000 रु०; 1988—1,92,000 रु०; 1989—1,80,000 रु०; 1990 2,00,000 रु०; एव 1991—1,90,000 रु०।

स्थायी सम्पत्तियों को परिवर्तित मूल्यों पर तथा ख्याति के मूल्यांकन को अधिलाभों के 3 वर्षों के क्रय पर आधारित है यह ध्यान रखते हुए कम्पनी के एक अंश का आन्तरिक मूल्य ज्ञात कीजिए।

Ans. *Average Capital Employed Rs. 12,81,000; Super Profit Rs. 58,300 and Value per Share Rs. 155·09.* (6.6)

14. The paid up share capital of Sohan Ltd. consists of 1,000 5% preference shares of Rs. 100 each and 20,000 equity shares of Rs. 10 each. In addition to a fixed dividend of 5% the preference shareholders are also entitled to participate in the profit upto 4% after payment of a dividend of 10% on the equity shares. Any surplus profits being available to equity shareholders.

The annual averge profits of the company are Rs. 50,000 after providing for depreciation and taxation and it is considered necessary to transfer Rs. 3,000 - per annum - to reserve fund. The normal return expected on preference shares is 8% and that on equity shares is 10%.

You are required to work out the value of each preference share and equity share in the Sohan Ltd.

सोहन लि० की प्रदत्त अंश पूँजी 100 रु० वाले 1,000 5% पूर्वाधिकार अंशों तथा 10 रु० वाले 20,000 ईक्विटी अंशों से निर्मित है। 5% स्थायी लाभांश दर के अतिरिक्त, पूर्वाधिकार अंशधारियों को लाभ में से ईक्विटी अंशों पर 10% लाभांश का भुगतान करने के पश्चात् 4% तक अतिरिक्त लाभांश प्राप्त करने का अधिकार होगा। इसके पश्चात् शेष लाभ ईक्विटी अंशधारियों को मिलेगा।

मूल्य-ह्रास तथा कर के लिए प्रावधान करने के पश्चात् कम्पनी के औसत लाभ 50,000 रु० है और 3,000 रु० वार्षिक संचय कोष में हस्तांतरित करना आवश्यक समझा गया है। पूर्वाधिकार अंशों पर आशयित सामान्य प्रत्याय 8% तथा ईक्विटी अंशों पर 10% है। आपको कम्पनी के पूर्वाधिकार अंश तथा ईक्विटी अंश के मूल्य की गणना करनी है।

Ans. *Value per Preference share Rs. 112·50 and Value per Equity share Rs. 19·00.* (6.7)

15. From the following Balance Sheet and additional information find out the fair value of shares of a company ;

अग्रलिखित चिट्ठे एवं अतिरिक्त सूचना से कम्पनी के अंशों का उचित मूल्य ज्ञात कीजिए ;

Balance Sheet

	Rs.		Rs.
Share Capital :		Goodwill	20,000
2,000 shares of Rs. 100 each	2,00,000	Buildings	80,000
Reserve & Surplus	10,000	Machinery	80,000
Bank Loan	20,000	Stock	44,000
Creditors	40,000	Debtors	24,000
		Cash at Bank	20,000
		Preliminary Expenses	2,000
	2,70,000		2,70,000

Buildings and Machinery are worth Rs. 76,000 and Rs. 74,000 respectively. Rate of dividends for the last three years = 12%, 18 and 15%. Normal yield of similar type of shares is 12%. Goodwill is worth Rs. 25,000.

भवन एवं मशीन का मूल्य क्रमशः 76,000 रु० एवं 74,000 रु० हैं। पिछले तीन वर्षों के लाभांश की दर 12%, 18% एवं 15% है। इसी प्रकार के अंशों पर सामान्य प्रत्याय की दर 12% है। ख्याति का मूल्य 25,000 रु० है।

Ans. Intrinsic value Rs. 101·50; Yield value Rs. 125 per share, Fair value per share Rs. 113·25 **(68)**

16. The Balance Sheet of S Ltd. as at 31 December, 1991 was as follows :
एस० लिमिटेड का 31 दिसम्बर, 1991 को निम्नलिखित चिट्ठा था;

Balance Sheet

	Rs.		Rs.
Issued and Subscribed Capital :		Goodwill	80,000
80,000 Shares of Rs. 10 each	8,00,000	Fixed Assets	10,00,000
Reserve	1,80,000	Current Assets	4,00,000
Profit & Loss A/c	40,000		
4% Debentures	2,00,000		
Creditors	2,60,000		
	14,80,000		14,80,000

Goodwill was valued at Rs. 1,00,000 and Fixed Assets at Rs. 11,00,000. The net profit for the three years were : 1989 Rs 1,03,200; 1990 Rs. 1,04,000; and 1991 *Rs. 1,03,300. 20% of the net profits are transferred to Reserve, this proportion is reasonable for the industry.* Fair investment return may be taken at 12%. Compute the value of the shares as per (i) Net Assets Method; and (ii) Yield Method.

ख्याति का मूल्यांकन 1,00,000 रु० पर तथा स्थायी सम्पत्तियों का मूल्यांकन 11,00,000 रु० पर किया गया। तीन वर्ष के शुद्ध लाभ इस प्रकार थे : 1989 के 1,03,200 रु०, 1990 के 1,04,000 रु० तथा 1991 के 1,03,300 रु०। शुद्ध लाभों का 20% संचय में स्थानान्तरित किया जाता है; यह अनुपात उद्योग के लिए उचित है। विनियोग पर उचित आय 12% ली जा सकती है। अंशों का मूल्यांकन (i) शुद्ध सम्पत्ति विधि, तथा (ii) आय विधि से ज्ञात कीजिये।

Ans. Value of share *(i) Net asset method Rs.* 14·25 (ii) Yield method Rs. 8·63.
(6 9)

Note : Net profits have been assumed after tax.

17. *The* Balance Sheet of *AB Ltd.* as on 31st December, 1991 was [redacted] follows :

31 दिसम्बर, 1991 को ए बी लिमिटेड का चिट्ठा इस प्रकार था :

Balance Sheet

		Rs.		Rs.
Share Capital :			Machinery	1,00,000
10,000 Equity shares of Rs 100 each fully paid up		10,00,000	Investment in 3% Govt. Securities	4,00,000
Profit & Loss A/c			Stock in Trade	4,00,000
1st Jan. 1991	60,000		Debtors	5,00,000
for 1991	5,40,000		Cash at Bank	2,00,000
		6,00,000	Preliminary Expenses	90,000
Depreciation Fund :				
Machinery	8,000			
Investments	12,000			
		20,000		
Reserve for Bad-debts		20,000		
Creditors		50,000		
		16,90,000		16,90,000

Machinery is now worth Rs. 2,00,000. Profits for the past three years have shown an increase of Rs. 20,000 annually. Public companies doing similar business show profit earning capacity of 15% on the market value of their shares. Assume the tax rate at 50% and the value of goodwill is to be calculated on the basis of 3 years' purchases of super profits taking simple average of profits. Find out the fair value of shares.

अब मशीन का मूल्य 2,00,000 रु० है। पिछले तीन वर्षं के लाभों ने प्रति वर्ष 20,000 रु० की वृद्धि दिखलाई है। इसी प्रकार का व्यवसाय करने वाली सार्वजनिक कम्पनियां अपने अंशों के बाजार मूल्य पर *15% लाभार्जन क्षमता व्यक्त करती हैं। कर की दर 50% मानते हुए एवं ख्याति के मूल्य की गणना लाभों का सामान्य औसत लेते हुए अधिलाभों के 3 वर्षों के क्रय के आधार पर करती है। अंशों का उचित मूल्य ज्ञात* कीजिए।

Ans. : Average Capital Employed Rs. 9,60,000; Super Profits Rs. 1,10,000; Intrinsic value per share Rs. 194·80; Yield value per share on the basis of expected rate of return on equity shares Rs. 173·33 and fair value per share Rs. 184.07. **(6 10)**

नोट – औसत विनियोजित पूंजी की गणना करते समय लाभ में से कर को नहीं घटाया गया है क्योंकि कर के लिये न तो प्रायोजन किया गया है, और न ही चुकाया गया है, अतः सम्पूर्ण लाभ विनियोजित पूंजी में सम्मिलित हैं।

18. Given below is the Balance Sheet of Mohan Ltd. as on 30th June, 1992. You are required to ascertain the intrinsic value as well as the market value of the shares :

30 जून, 1992 को मोहन लि० का चिट्ठा आगे दिया गया है। आपको अंशों का आन्तरिक मूल्य तथा बाजार मूल्य ज्ञात करना है :

Balance Sheet

		Rs.		Rs.
Issued Capital :			Goodwill at cost	85,000
75,000 Shares of Rs. 10 each		7,50,000	Building at cost	3,25,000
Workmen Provident Fund		15,000	Furniture at cost	5,000
Reserve fund		75,000	Stock	8,50,000
Provision for bad debts :		25,000	Investment in Govt. Securities	3,20,000
Depreciation Fund	Rs.		Sundry Debtors	3,35,000
Buildings	50,000		Cash at Bank	51,000
Furniture	1,000			
		51,000		
Investment Fluctuation fund		62,000		
Sundry Creditors		78,000		
Profit and Loss a/c				
Balance	1,25,000			
Profit for the year	7,90,000	9,15,000		
		19,71,000		19,71,000

The Company is expected to maintain its profit earning capacity for the next year. The average annual yield of Companies in similar line of trade is 20 percent on market value of their shares. The goodwill of the Company is worth four times the amount shown in the books. The other assets are worth the values stated in the balance sheet less respective provisions and reserves created against them. The net income received from investments during the year ended 30th June, 1992 was Rs. 13,000.

यह आशा की जाती है कि कम्पनी अगले वर्ष भी अपनी लाभार्जन क्षमता बनाये रखेगी। इसी प्रकार का व्यापार करने वाली कम्पनियों की वार्षिक औसत आय उनके अंशों के बाजार मूल्य पर 20% है। कम्पनी की ख्याति का मूल्य पुस्तकों में दिखलाये गये मूल्य के चार गुने के बराबर है। अन्य सम्पत्तियों के मूल्य चिट्ठे में बतलाए गए मूल्य में से उनके लिए निर्मित सम्बन्धित आयोजनों एवं संचयों को घटाने के पश्चात् शेष रहे मूल्य के बराबर हैं। 30 जून, 1992 को समाप्त होने वाले वर्ष के दौरान विनियोगों पर 13,000 रु० शुद्ध आय प्राप्त हुई।

Ans Intrinsic value per share Rs. 26·60 and Market value per share on the basis of Actual Rate of Earning (22·37%) Rs. 11·18. (6·11)

19. On 31st December, 1991 the Balance Sheet of Union Ltd. disclosed the following position :

31 दिसम्बर, 1991 को यूनियन लिमिटेड के चिट्ठे द्वारा अग्र स्थिति प्रकट की गई :

Balance Sheet

	Rs.		Rs.
Share Capital :		Fixed Assets	5,00,000
40,000 shares of Rs. 10 each	4,00,000	Current Assets	2,00,000
Reserves	90,000	Goodwill at Cost	40,000
Profit & Loss Account	20,000		
5% Debentures	1,00,000		
Current Liabilities	1,30,000		
	7,40,000		7,40,000

On 31st December, 1991, the fixed assets were independently valued at Rs 5,50,000 and the goodwill at Rs. 50,000. The net profits after tax of the last three years were : 1989 Rs. 51,600; 1990 Rs. 52,000 and 1991 Rs. 51,650, of which 20% has been transferred to reserves. The fair return in industry may be taken at 10%. Compute the value of Company's shares by (a) the yield method, and (b) the assets method.

31 दिसम्बर, 1991 को स्थायी सम्पत्तियों का स्वतन्त्र रूप से 5,50,000 रु० पर मूल्यांकन किया गया तथा ख्याति का मूल्यांकन 50,000 रु० हुआ । तीन वर्षों के कर के पश्चात् शुद्ध लाभ इस प्रकार थे : 1989 में 51,600 रु०, 1990 में 52,000 रु० तथा 1991 में 51,650 रु० जिसमें से 20% संचय में स्थानान्तरित कर दिया गया था । उस उद्योग में जिसमें यह कम्पनी कार्य कर रही है, उचित प्रत्याय की दर 10% ली जाती है । कम्पनी के अंशों का (a) प्रतिफल विधि द्वारा तथा (b) सम्पत्ति विधि द्वारा, मूल्यांकन कीजिए ।

Ans. Market value per share on the basis of Expected Rate of Return Rs. 10·35 and Intrinsic value per share Rs. 14·25. (6·12)

20. A Company with 12,000 equity shares of Rs. 10 each fully paid and with Rs. 60,000 Reserves, issue one bonus share for 3 Equity shares held. Find out the value of share before and after the issue of bonus shares.

10 रु० वाले 12,000 पूर्णदत्त समता अंश और 60,000 रु० के संचय वाली कम्पनी ने 3 समता अंश वाले धारक को 1 बोनस अंश जारी किया । बोनस अंश जारी करने के पहले व बाद की स्थितियों में अंश का मूल्यांकन कीजिये ।

Ans. Value per share before the issue of bonus shares Rs. 15 and after issue of bonus shares Rs. 11·25 (6·13)

21. Z Ltd. increases its share capital by issue of 2 new shares for every three shares held which are offered at Rs 150 each while the nominal value is Rs. 100. The company has declared a cash dividend of Rs. 20 per share for the last year. On the declaration of a dividend and announcement of the offer of new shares, the old shares are quoted at Rs. 210 'cum-dividend' 'cum-right'. Find out the value of 'right' included in the market quotations.

जैड लि० अपने विद्यमान प्रत्येक 3 अंशों के लिए 2 नये अंशों का निर्गमन करके अपनी अंश पूँजी में वृद्धि करती है जिन्हें 150 रु० प्रति अंश मूल्य पर प्रस्तावित किया जाता है, जबकि अंकित मूल्य 100 रु० है । कम्पनी ने पिछले वर्ष के लिए प्रति अंश 20 रु० नकद लाभांश घोषित किया है । लाभांश की घोषणा तथा नये अंशों के प्रस्ताव की सूचना देने पर, पुराने अंश 'लाभांश-सहित' 'अधिकार-सहित' 210 रु० प्रति अंश मूल्य पर उद्धृत किये जाते हैं । बाजार-उद्धरण में सम्मिलित 'अधिकारों' का मूल्य ज्ञात कीजिए ।

Ans. Value of right Rs. 16 (6·14)

7

द्वि-खाता पद्धति

(Double Account System)

अब तक हमने पढा कि व्यावसायिक सस्थाएँ वर्ष के अन्त में अपनी लाभ-हानि की स्थिति जानने के लिए व्यापारिक एवं लाभ-हानि खाता तैयार करती है तथा आर्थिक स्थिति ज्ञात करने के लिए चिट्ठा तैयार करती हैं। इसे हम इकहरा खाता पद्धति (Single Account System) की संज्ञा दे सकते हैं क्योंकि इसमें केवल एक ही चिट्ठा तैयार किया जाता है। किन्तु जनोपयोगी संस्थाएँ (Public utility concerns) जैसे, बिजली आपूर्ति सस्थाएँ, रेलवे कम्पनी, जल प्रदाय कम्पनी, गैस कम्पनी, जहाज कम्पनी, आदि जिनकी कि स्थापना विशेष अधिनियमों के अन्तर्गत होती है, अपने अन्तिम खातो को द्वि-खाता पद्धति (Double Account System) के अनुसार प्रस्तुत करती हैं।

द्वि-खाता पद्धति का प्रारम्भ इंगलैण्ड से हुआ। वहाँ सर्वप्रथम 1868 के रेलवे कम्पनी अधिनियम के प्रावधानों द्वारा इसे *प्रयोग करना अनिवार्य किया गया। इसके पश्चात् 1871 में गैस कम्पनियों में व 1882 में* बिजली कम्पनियों में इसे अनिवार्य कर दिया गया। द्वि-खाता पद्धति के अनुसार ही जनोपयोगी सस्थाएँ अपने अन्तिम खाते बनाती हैं। इस प्रकार द्वि-खाता पद्धति जनोपयोगी संस्थाओं द्वारा अन्तिम खाते बनाने एवं प्रस्तुत करने की एक प्रणाली है। ऐसा समझना भूल होगा कि द्वि-खाता पद्धति लेखा करने की कोई पद्धति और दोहरा लेखा प्रणाली (Double Entry System) की स्थानापन्न (Substitute) है। दोहरा लेखा प्रणाली तो लेन-देनो को दर्ज करने, खतौनी करने एवं तलपट बनाने की एक विधि है। अतः जनोपयोगी सस्थाओं द्वारा भी दोहरा लेखा प्रणाली के सिद्धान्तों के अनुसार ही प्रारम्भिक लेखे तैयार किये जाते हैं एवं उनकी खतौनी एवं तलपट तैयार किया जाता है। इस प्रकार दोहरा लेखा प्रणाली सभी प्रकार की संस्थाओं द्वारा अपनाई जाती है। किन्तु जनोपयोगी सस्थाओं एवं अन्य व्यावसायिक सस्थाओं द्वारा प्रस्तुत अन्तिम खातों के अन्तर होता है। सामान्य व्यावसायिक सस्थाएँ जिस विधि से अपने अन्तिम खाते प्रस्तुत करती हैं उसे इकहरा खाता पद्धति कहा जा सकता है एवं जनोपयोगी सस्थाएँ जिस विधि से अपने अन्तिम खाते प्रस्तुत करती हैं उसे द्वि-खाता पद्धति कहा जाता है।

जनोपयोगी सस्थाओं को इनके द्वारा प्रदत्त सेवाओं के सम्बन्ध में एकाधिकार होता है तथा इन संस्थाओं में जनता का पैसा विनियोजित होता है। अतः इन सस्थाओं द्वारा अपने अन्तिम लेखों का प्रस्तुतीकरण इस प्रकार से किया जाना चाहिए कि एक सामान्य आदमी भी, जिसको कि लेखाकन का ज्ञान नहीं हो, इन लेखों को देखकर इनकी स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त कर सके। इसके अतिरिक्त इन संस्थाओं का प्रमुख उद्देश्य लाभ कमाना नहीं होता बल्कि जनता की सेवा करना होता है; अतः इन सस्थाओं द्वारा लाभ-हानि खाते के स्थान पर रेवेन्यू खाता (Revenue Account) बनाया जाता है। इस प्रकार जनोपयोगी सस्थाओं द्वारा द्वि-खाता पद्धति को अपने अन्तिम खाते प्रस्तुत करने के लिए अपनाये जाने के अग्रलिखित उद्देश्य हैं—

(i) इस पद्धति को अपनाये जाने का प्रमुख उद्देश्य यह जानना है कि जनता से प्राप्त पूँजी के कितने भाग का प्रयोग स्थायी सम्पत्तियों को खरीदने में किया गया और कितने भाग का प्रयोग कार्यशील पूँजी के रूप में किया गया है। यह जानने का मुख्य कारण यह है कि जनोपयोगी संस्थाओं को स्थायी सम्पत्तियां क्रय करने में बहुत बड़ी रकम व्यय करनी पड़ती है। अतः इनके द्वारा पूँजीगत प्राप्तियों एवं पूँजीगत व्ययों का विवरण अलग से प्रस्तुत किया जाता है।

(ii) इस पद्धति को अपनाये जाने का दूसरा उद्देश्य स्थायी सम्पत्तियों की सुरक्षा बनाये रखना है। इसके लिए यह आवश्यक है कि उनकी मरम्मत, नवीनीकरण एवं रख-रखाव चालू राजस्व (Current revenues) में से किया जावे न कि स्थायी पूँजीगत प्राप्तियों में से। स्थायी सम्पत्तियों की सुरक्षा इसलिए भी आवश्यक है कि इन संस्थाओं का सर्वाधिक कोष इन सम्पत्तियों में विनियोजित रहता है तथा ये संस्थाएँ जनता की निरन्तर सेवा करने का उत्तरदायित्व अपने ऊपर लेती हैं।

(iii) द्वि-खाता पद्धति के द्वारा इन संस्थाओं के अन्तिम खातों का प्रस्तुतीकरण करने से एक सामान्य व्यक्ति भी इनकी आर्थिक स्थिति की जानकारी आसानी से कर सकता है।

(iv) इन सबके अतिरिक्त इन संस्थाओं की स्थापना संसद के विशेष अधिनियम द्वारा होती है अतः अधिनियम के प्रावधानों द्वारा ही इस पद्धति का उपयोग अनिवार्य कर दिया जाता है।

द्वि-खाता पद्धति की विशेषताएँ (Features of Double Account System)

1. वे संस्थाएँ जो कि अपने अन्तिम खाते इस पद्धति से प्रस्तुत करती हैं उन्हें बहुत अधिक मात्रा में स्थायी पूँजी की आवश्यकता होती है। यह पूँजी स्थायी सम्पत्तियों में स्थायी रूप से विनियोजित की जाती है और सामान्यतया, इसे व्यवसाय से वापस नहीं निकाला जा सकता है। इस पूँजी का अधिकतम भाग जनता से प्राप्त किया जाता है इसलिए ऐसी संस्था का यह नैतिक दायित्व होता है कि वह जनता को स्थायी पूँजी के साधनों के बारे में एवं उनके स्थायी सम्पत्तियों में विनियोग के बारे में पूर्ण जानकारी प्रदान करे। इसके अतिरिक्त चालू सम्पत्तियों एवं चालू दायित्वों के बारे में अलग से सूचना प्रदान करे। इसके लिए चिट्ठे को दो भागों में विभाजित किया जाता है—(i) पूँजी खाते पर प्राप्तियों एवं व्ययों का विवरण या पूँजी खाता (Statement of Receipts and Expenditure on Capital Account); एवं (ii) सामान्य चिट्ठा (General Balance Sheet)। पूँजी खाते के शेष को सामान्य चिट्ठे में ले जाया जाता है। इसी विशेषता के कारण इस पद्धति को द्वि-खाता पद्धति' कहते हैं। यहाँ इस बात पर विशेष ध्यान देना चाहिये कि लेखांकन दोहरा लेखा विधि के अनुसार ही किया जाता है।

2. इस पद्धति में लाभ-हानि खाते के स्थान पर रेवेन्यू खाता एवं लाभ-हानि नियोजन खाते के स्थान पर शुद्ध रेवेन्यू खाता बनाया जाता है।

3. मूल्य-ह्रास को स्थायी सम्पत्तियों में से घटाकर नहीं दिखाया जाता है। स्थायी सम्पत्तियाँ मूल लागत पर ही दिखाई जाती है। मूल्य-ह्रास के लिए अलग से संचय बनाया जाता है जिसे सामान्य चिट्ठे में दायित्व पक्ष में दिखाया जाता है।

4. सामान्य संचय शोधन कोष, मूल्य-ह्रास कोष, शुद्ध रेवेन्यू खाते का शेष तथा अन्य आयगत संचय सामान्य चिट्ठे के दायित्व पक्ष में दिखाये जाते हैं।

5. दीर्घकालीन ऋण एवं ऋण-पत्र पूँजी की तरह माने जाते हैं एवं पूँजी खाते में दिखाये जाते हैं। इसीलिए ऋणों एवं ऋण-पत्रों पर ब्याज को शुद्ध रेवेन्यू खाते के डेबिट में लाभों के नियोजन के रूप में लिया जाता है।

6. अंशों एवं ऋणपत्रों के निर्गमन पर प्रीमियम एवं बट्टे को पूँजीगत मदों की तरह स्थायी रूप से पूँजी खाते में रखा जाता है।

7. स्थायी सम्पत्तियों के पुनर्स्थापन पर किये गये व्यय का आयगत एवं पूँजीगत व्यय के रूप में विभाजन किया जाता है। आयगत व्यय को रेवेन्यू खाते में पूँजीगत व्यय को सम्पत्ति के खाते में जोड़कर लिखा जाता है।

8. पूँजी खाता स्थायी सम्पत्तियों पर व्यय की गई कुल राशि को बताता है भले ही वह सम्पत्ति उस तिथि को अस्तित्व में हो अथवा नहीं।

द्वि-खाता पद्धति के अन्तर्गत अन्तिम खाते
(Final Accounts under Double Account System)

द्वि-खाता पद्धति के अन्तर्गत जनोपयोगी संस्थाओं द्वारा वार्षिक खाते बनाते समय निम्नलिखित खाते एवं विवरण तैयार किये जाते हैं—

1. रेवेन्यू खाता (Revenue Account)—जिस प्रकार व्यावसायिक संस्थाओं द्वारा आय एवं व्ययों के विवरण के रूप में लाभ-हानि खाता बनाया जाता है उसी प्रकार जनोपयोगी संस्थाओं द्वारा आय एवं व्यय के विवरण के रूप में रेवेन्यू खाता बनाया जाता है। इस खाते में आय एवं व्यय की उन्ही मदों को दिखाया जाता है। जिनका सम्बन्ध व्यवसाय के संचालन से होता है। उदाहरण के लिए एक विद्युत आपूर्ति कम्पनी की संचालन की आयो में विद्युत के विक्रय से, मीटर किराये से, कनेक्शन फीस से, मरम्मत से, कनेक्शन के हस्तान्तरण आदि से आय सम्मिलित की जाती है; जबकि व्ययों में विद्युत उत्पादन के समस्त व्यय, वितरण व्यय, ग्राहकों की सेवा सम्बन्धी व्यय, सामान्य संस्थापन व्यय एवं प्रबन्ध व प्रशासन सम्बन्धी व्यय सम्मिलित किये जाते हैं। व्ययों को डेबिट पक्ष में व आयो को क्रेडिट पक्ष में दिखलाया जाता है। इस प्रकार रेवेन्यू खाते में गैर संचालन की आयो एवं व्ययों को नहीं दिखलाया जाता है। इस खाते में क्रेडिट शेष होने पर 'आधिक्य' (Surplus) कहलायेगा जिसे शुद्ध रेवेन्यू खाते के क्रेडिट पक्ष में हस्तान्तरित किया जायेगा तथा डेबिट शेष होने पर 'न्यूनता' (Deficit) कहलायेगा जिसे शुद्ध रेवेन्यू खाते [redacted] डेबिट पक्ष में हस्तान्तरित किया जायेगा। चूँकि व्यवहार में अलग अलग जनोपयोगी संस्थाओं की आय व व्यय की मदें भिन्न-भिन्न होती हैं अतः उन सभी के लिए रेवेन्यू खाते का मद सहित प्रारूप नहीं दिया जा सकता।

शुद्ध रेवेन्यू खाता (Net Revenue Account)—एक जनोपयोगी संस्था द्वारा रेवेन्यू खाता बनाने के बाद शुद्ध रेवेन्यू खाता तैयार किया जाता है और कुछ मदों को छोड़कर यह लाभ-हानि नियोजन खाते की तरह ही होता है। इस खाते में सर्वप्रथम पिछले वर्ष से लाया गया शेष दिखाया जाता है। तत्पश्चात् रेवेन्यू खाते का शेष लिखा जाता है। इसके पश्चात् डेबिट पक्ष में गैर संचालन के व्यय एवं क्रेडिट पक्ष में गैर संचालन की आय दिखाई जाती है। गैर संचालन के व्ययो में ऋण-पत्रों एवं ऋणों पर देय ब्याज, आयकर, बकाया ह्रास, अमूर्त एवं कृत्रिम सम्पत्तियों को अपलिखित करना आदि सम्मिलित किया जाता है, जबकि गैर संचालन आयों में प्रतिभूतियों पर अर्जित व प्राप्त ब्याज एवं अन्य गैर संचालन की प्राप्तियाँ शामिल की जाती हैं। इसके पश्चात् इस खाते में विभिन्न नियोजनों, जैसे संचयों में हस्तान्तरण व लाभांश की मदों को डेबिट पक्ष में लिखा जाता है। शुद्ध रेवेन्यू खाते के शेष को सामान्य चिट्ठे (General Balance Sheet) में लिखा जाता है यदि इस खाते का डेबिट शेष होता है तो इसे सामान्य चिट्ठे म सम्पत्ति पक्ष में लिखा जाता है और क्रेडिट शेष होता है तो उसे दायित्व पक्ष में लिखा जाता है। इस प्रकार व्यापारिक संस्थाओं द्वारा तैयार किये गये लाभ-हानि नियोजन खाते एवं जनोपयोगी संस्थाओं द्वारा तैयार किये गये शुद्ध रेवेन्यू खाते में मुख्य अन्तर यही है कि गैर संचालन की आय एवं व्ययों को शुद्ध रेवेन्यू खाते में लिखा जाता है, जबकि इन्हें लाभ-हानि नियोजन खाते में न लिखकर लाभ-हानि खाते में ही लिखा जाता है। शुद्ध रेवेन्यू खाते का प्रारूप अग्र प्रकार है :

Net Revenue Account

Corresponding figures of Previous year	Particulars	Amount	Corresponding figures of Previous year	Particulars	Amount
	1. To Balance of Loss b/f from last year (if any)			1. By Balance of Profit b/f from last year	
	2. To Net Operating deficit as per Revenue Account (if any)			2. By Net Operating Surplus as per Revenue Account	
	3. To Appropriations (Applicable to Local Authority Licence only) (a) Interest on Loan Capital (b) Instalment of redemption of Loan Capital (c) General Rates			3. By Interest on Securities and Investments	
	4. To Taxes on Incomes & Profits paid			4. By Other Receipts (non operating, e.g. rents less outgoings not otherwise provided, Transfer fees etc. to be specified).	
	5. To Instalment written down in respect of intangible assets			5. By Balance of Loss (if any) c/f	
	6. To Instalment of Contribution towards arrears of Depreciation				
	7. To Contribution towards Contingency Reserve				
	8. To Appropriation to Tariff and Dividends Control Reserve				
	9. To Appropriation to Consumers Rebate Reserve				
	10. To Other Special Appropriations as permitted by State Govt.				
	11. To Appropriation towards Interest paid and accrued and Dividends paid and payable (a) Interest on Debentures				

(Contd.)

	(b) Interest on Other Secured Loans (c) Interest on Unsecured Loans, Advances, Deposits, Bank Overdrafts etc. (d) Dividends on Preference share Capital (e) Dividends on Equity Share Capital To Balance of Profit c/f		

3. पूँजी खाते में प्राप्तियों एवं भुगतान का विवरण (Statement of Receipts and Expenditure on Capital Account)—सामान्य व्यावसायिक संस्थाओं द्वारा अपनी सम्पत्ति एवं दायित्वों के लिए एक ही चिट्ठा तैयार किया जाता है; जबकि जनोपयोगी संस्थाओं द्वारा चिट्ठे को दो भागों के अन्तर्गत बनाया जाता है। चिट्ठे के प्रथम भाग में स्थायी सम्पत्तियों एवं स्थायी दायित्वों को दिखाया जाता है और इसे 'पूँजी खाते पर प्राप्तियों एवं व्ययों का विवरण' या पूँजी खाता कहा जाता है। इस विवरण में दो पक्ष होते हैं : बायें हाथ वाला पक्ष पूँजीगत व्ययों का एवं दायें हाथ वाला पक्ष पूँजीगत प्राप्तियों का। पूँजीगत व्यय पक्ष में अमूर्त सम्पत्तियों प्रारम्भिक व्ययों तथा संस्था की स्थायी सम्पत्तियों को दिखाया जाता है जबकि पूँजीगत प्राप्ति पक्ष में अंश पूँजी, पूँजीगत संचयों, अंश प्रीमियम, ऋण-पत्रों एवं स्थायी ऋणों को दिखाया जाता है। प्रत्येक पक्ष में रकम के तीन तीन खाने बनाये जाते हैं। पहले खाने में पिछले वर्ष का शेष, दूसरे खाने में चालू वर्ष में क्रय की गई सम्पत्ति या प्राप्त की गई राशि तथा तीसरे खाने में दोनों का योग लिखा जाता है। स्थायी सम्पत्तियों को उनकी मूल लागत पर लिखा जाता है। मूल्य ह्रास की रकम को रेवेन्यू खाते में लिखकर मूल्य ह्रास कोष में हस्तान्तरित कर दिया जाता है, जिसे सामान्य चिट्ठे के दायित्व पक्ष में दिखाया जाता है। इस विवरण के शेष को सामान्य चिट्ठे में ले जाया जाता है। यदि पूँजीगत व्यय पक्ष का योग आय पक्ष से अधिक होता है तो शेष राशि को सामान्य चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में दिखाया जाता है और पूँजीगत आय पक्ष का योग व्यय पक्ष के योग से ज्यादा होने पर शेष को सामान्य चिट्ठे के दायित्व पक्ष में दिखाया जाता है। प्रत्येक प्रकार की जनोपयोगी संस्था की स्थायी सम्पत्तियाँ अलग-अलग प्रकार की होती हैं। अत: प्रत्येक प्रकार की संस्थाओं के पूँजी खाते में मदें अलग-अलग होंगी। इसमें जो विभिन्न खाने होते हैं उनका प्रारूप निम्नलिखित होते है।

For the year ending ... ...

Capital Expenditure	Exp. upto the end of prev. year	Exp. during the year	Total expenditure	Capital Receipts	Receipts upto end of prev. year	Receipts during the year	Total receipts
	Rs.	Rs	Rs.	Rs	Rs.	Rs.	Rs.

4. सामान्य चिट्ठा (General Balance Sheet)—जनोपयोगी संस्थाओं द्वारा बनाये जाने वाले चिट्ठे का दूसरा भाग सामान्य चिट्ठा होता है। इसमें स्थायी सम्पत्तियों एवं स्थायी पूँजी, पूँजीगत संचय एवं स्थायी दायित्वों के अलावा अन्य चल सम्पत्तियाँ एवं चल दायित्व दिखाये जाते हैं। इसके अतिरिक्त दायित्व पक्ष में सभी आयगत संचय, प्रावधान, शुद्ध रेवेन्यू खाते का क्रेडिट शेष आदि दिखाये जाते हैं। पूँजी खाते का शेष भी सामान्य चिट्ठे में ही लिखा जाता है। अन्त में सामान्य चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष व दायित्व पक्ष का योग बराबर होना चाहिए।

Illustration 71 : From the following particulars relating to the Maharastra Water Supply Company Ltd. prepare the Statement of Receipts and Expenditure on Capital Account and General Balance Sheet as on 31st March, 1992 :

महाराष्ट्र वाटर सप्लाई कम्पनी लि० से सम्बन्धित निम्नलिखित विवरणों से पूँजी खाते पर प्राप्तियों एवं व्ययों का विवरण तथा 31 मार्च, 1992 को सामान्य चिट्ठा बनाइये :

Authorised Capital Rs. 8,00,000, Subscribed Capital Rs 5,20,000; 5% Debentures Rs. 80,000; Trade Creditors Rs 32,000, Reserve Fund Rs. 30,000; Trade Debtors Rs. 76,000, Cash in Hand and at Bank Rs 70,000; Reserve Fund Investment Rs. 30,000; Stock Rs. 48,000.

Expenditure upto March, 31, 1991 : Land Rs. 24,000; Mains Rs. 2,70,000; Machinery Rs 80,000 and Buildings Rs. 26,000 *The expenditure during the year ended March* 31, 1992 was Rs 50,000, Rs. 50,000 and Rs 20,000 on the last three items and a Depreciation Fund of Rs. 50,000 had been created. Rs. 32,000 has been the credit balance of the Net Revenue Account.

31 मार्च, 1991 तक के व्यय इस प्रकार थे : भूमि 24,000 रु०, मेन्स 2,70,000; मशीनरी 80,000 रु० तथा भवन 26,000 रु०। 31 मार्च, 1992 को समाप्त हुए वर्ष के दौरान 50,000 रु०, 50,000 रु० और 20,000 रु० अन्तिम तीन मदों पर खर्च किये गये और 50,000 रु० का ह्रास कोष बनाया गया। शुद्ध रेवेन्यू खाते का शेष 32,000 रु० था।

Solution :

Statement of Receipts and Expenditure on Capital Account

For the year ending 31st March, 1992

Expenditure	Expended upto 31st March 1991	Expended during the year	Total Expenditure	Receipts	Receipts up to 31st March 1991	Receipts during the year	Total Receipts
	Rs.	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.	Rs.
Land	24,000	—	24,000	Subscribed Capital	5,20,000	—	5,20,000
Mains	2,70,000	50,000	3,20,000	5% Debentures	80,000	—	80,000
Machinery	80,000	50,000	1,30,000				
Buildings	26,000	20,000	46,000				
Balance Carried to General Balance Sheet			80,000				
	4,00,000	1,20,000	6,00,000	Total Receipts	6,00,000	—	6,00,000

General Balance Sheet

as on 31st March, 1992

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
Balance of Statement of Receipts and Expenditure on Capital Account	80,000	Trade Debtors	76,000
Trade Creditors	32,000	Cash in hand and at Bank	70,000
Reserve Fund	30,000	Reserve Fund Investment	30,000
Depreciation Fund	50,000	Stock	48,000
Net Revenue Account	32,000		
	2,24,000		2,24,000

Illustration 7·2 : Draw up from the following figures Revenue Account, Net Revenue Account and General Balance Sheet of the Eastern Railway Co. on the 31st March, 1992 :

निम्नलिखित शेषों से ईस्टर्न रेलवे कम्पनी का 31 मार्च, 1992 को रेवेन्यू खाता, शुद्ध रेवेन्यू खाता एवं सामान्य चिट्ठा बनाइए :

	Rs.		Rs.
Maintenance of Ways	70,330	Compensation (Accident and Losses)	4,390
Locomotive Power	99,090	Debts due to other Companies	5,690
Passengers carried	1,84,180	Stock Guarantee Dividend	26,020
Parcels carried	40,780	Sundry Outstanding Accounts	1,19,940
Rates and Taxes	20,560	Invested in Consols	5,020
Rent Charges paid	5,330	General Stores in hand	1,06,530
Mails carried	6,690	Cash at Bank	1,10,380
Merchandise carried	1,36,510	General Interest received	800
Minerals carried	1,43,480	Fire Insurance Fund	17,160
Traffic Expenses	92,350	Traffic Account due to the Company	72,690
Rent paid on Leased line	20,620	Excess of Capital Receipts over Capital Expenditure	34,320
Carriage and Wagon Repairs	25,800		
Interest on Debentures	42,170		
Credit balance brought from last year's Net Revenue Account	5,760		
Forged Transfer Fund	5,970		

Solution :

The Eastern Railways Co.

Revenue Account

For the year ended 31st March, 1992

	Rs.		Rs.
To Maintenance of Ways	70,330	By Passenger Traffic	1,84,180
To Locomotive Power	99,090	By Minerals	1,43,480
To Traffic Expenses	92,350	By Merchandise	1,36,510
To Rent charges paid	5,330	By Parcels	40,780
To Rates and Taxes	20,560	By Mails	6,690
To Rent paid on leased line	20,620		
To Carriage and Wagon Repairs	25,800		
To Compensation (Accidents and Losses)	4,390		
To Surplus carried to Net Revenue Account	1,73,170		
	5,11,640		5,11,640

Net Revenue Account

	Rs.		Rs.
To Interest on Debentures	42,170	By Balance from last year b/f	5,760
To Stock Guarantee Dividend	26,020	By Surplus of Revenue A/c b/f	1,73,170
To Balance transferred to General Balance Sheet	1,11,540	*By General Interest*	800
	1,79,730		1,79,730

General Balance Sheet

as on 31st March, 1992

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
Excess of Capital Receipts over Capital Expenditure	34,320	Cash at Bank	1,10,380
Debts due to other Companies	5,690	Investment in Consols	5,020
Sundry Outstanding Accounts	1,19,940	General Stores in hand	1,06,530
Forged Transfer Fund	5,970	Traffic Accounts due to the Company	72,690
Fire Insurance Fund	17,160		
Net Revenue Account	1,11,540		
	2,94,620		2,94,620

Illustration 7·3 : The following are the balances on 31st March, 1992 in the books of India Water Supply Company Ltd. :

इण्डिया वाटर सप्लाई कम्पनी लि० की पुस्तकों में 31 मार्च, 1992 को निम्नलिखित शेष थे :

	Dr. Rs.	Cr. Rs.
Land on March 31, 1991	1,20,000	
Land expended during 1992	4,000	
Machinery on March 31, 1991	4,80,000	
Machinery expended during 1992	4,000	
Mains, including cost of laying, on March 31, 1991	1,60,000	
Mains, expended during 1992	40,800	
Equity Share Capital		4,39,200
Debentures		1,60,000
Sundry Creditors		800
Depreciation Fund		2,00,000
Sundry Debtors for Water Rents	32,000	
Other Debtors	400	
Cash	4,000	
Maintenance of Pumping Station	28,000	
Water Distribution cost	4,000	
Rent, Rates and Taxes	4,000	
Management Expenses	9,600	
Depreciation	16,000	
Sale of Water		1,04,000
Rent of Meter		4,000
Interest on Debentures	8,000	
Interim Dividend	16,000	
Balance of Net Revenue A/c on March 31, 1991		22,800
	9,30,800	9,30,800

From the above Trial Balance prepare Revenue Account, Net Revenue Account, Statement of Receipts and Expenditure on Capital Account and General Balance Sheet.

उपरोक्त तलपट से रेवेन्यू खाता, शुद्ध रेवेन्यू खाता, पूँजी खाते पर प्राप्तियों एवं व्ययों का विवरण एवं सामान्य चिट्ठा तैयार कीजिए।

Solution :

Books of India Water Supply Company Ltd.

Revenue Account

For the year ended 21st March, 1992

	Rs.		Rs.
To Maintenance of Pumping Station	28,000	By Sale of Water	1,04,000
To Water Distribution cost	4,000	By Rent of Meters	4,000
To Rent, Rates and Taxes	4,000		
To Management Expenses	9,600		
To Depreciation	16,000		
To Surplus carried to Net Revenue A/c	46,400		
	1,08,000		1,08,000

Net Revenue Account

For the year ended 31st March, 1992

	Rs.		Rs.
To Interest on Debentures	8,000	By Balance b/f from last year	22,800
To Interim Dividend	16,000	By Surplus from Revenue A/c	46,400
To Balance carried to General Balance Sheet	45,200		
	69,200		69,200

Statement of Receipts and Expenditure on Capital Account

For the year ended 31st March, 1992

Expenditure	Upto the end of Previous year	Expended during the year	Total Expenditure	Receipts	Upto the end of Previous year	Receipts during the year	Total Receipts
	Rs.	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.	Rs.
Land	1,20,000	4,000	1,24,000	Equity Share Capital	4,39,200	—	4,39,200
Machinery	4,80,000	4,000	4,84,000	Debentures	1,60,000	—	1,60,000
Mains	1,60,000	40,800	2,00,800	Balance carried to General Balance Sheet			2,09,600
	7,60,000	48,800	8,08,800		5,99,200	—	8,08,800

General Balance Sheet
as on 31st March, 1992

Liabilities	Rs	Assets	Rs.
Sundry Creditors	800	Balance of Capital Account	2,09,600
Depreciation Fund	2,00,000	Sundry Debtors for Water Rents	32,000
Net Revenue A/c	45,200	Other Debtors	400
		Cash	4,000
	2,46,000		2,46,000

Illustration 7 4 : The trial balance of Damodar Valley Water Company Ltd. as on 31st March, 1992 is as follows :

दामोदर वैली वाटर कम्पनी लि० का 31 मार्च, 1992 को तलपट निम्न प्रकार है :

Trial Balance

	Rs.		Rs.
Land	1,30,000	Water Rents	7,33,350
Works	51,16,500	General Rates	18,580
Mains and Service Pipes	5,96,000	Transfer Fees	120
Meters	52,500	Unclaimed Dividends	1,000
Preliminary Expenses	1,00,000	Net Revenue Account	50,000
Sundry Debtors	2,400	Equity Shares Capital	30,00,000
Debtors for Water Rents	62,100	7% Preference Share Capital	10,00,000
Stores in hand	1,29,500	5% Debentures	10,00,000
Investments	12,500	Premium on Shares	0,00,000
Cash in hand	3,000	Sundry Creditors	42,050
Cash at Bank	1,67,650	Reserve Fund	12,900
Salaries	30,000		
Printing Expenses	2,500		
Incidental Expenses	1,850		
Maintenance of Pumping Stations	1,17,750		
Repairs to Mains	18,750		
Directors' Fees	20,000		
Auditors' Fees	2,500		
Rates and Taxes	12,500		
Interest on Debentures	50,000		
Interim Dividend	2,10,000		
	68,58,000		68,58,000

You are required to prepare—(i) Revenue Account; (ii) Net Revenue Account; (iii) Statement showing Receipts and Expenditure on Capital Account; and (iv) General

Balance Sheet. The Reserve Fund is to be raised to Rs. 25,000. The preference share dividend @ 8% is recommended by the directors.

आपको तैयार करना है– (i) रेवेन्यू खाता; (ii) शुद्ध रेवेन्यू खाता; (iii) पूँजी खाते पर प्राप्तियों एवं व्ययों का विवरण; तथा (iv) सामान्य चिट्ठा। संचय कोष को 25,000 रु० तक बढ़ाना है। संचालकों ने पूर्वाधिकार अंश लाभांश (8% की दर से) की सिफारिश की है।

Solution :

Damodar Valley Water Company Ltd.

Revenue Account for the year ending 31st March, 1992

	Rs.		Rs.
To Salaries	30,000	By Water Rents	7,33,350
To Printing Expenses	2,500	By General Rates	18,580
To Incidental Expenses	1,850		
To Maintenance of Pumping Stations	1,17,750		
To Repairs to Mains	18,750		
To Directors' Fees	20,500		
To Auditors' Fees	2,000		
To Rates and Taxes	12,500		
To Surplus Carried to Net Revenue Account	5,46,080		
	7,51,930		7,51,930

Net Revenue Account

for the year ending 31st March, 1992

	Rs.		Rs.
To Interest on Debentures	50,000	By Balance b/f from previous year	50,000
To Interim Dividend	2,10,000	By Surplus of Revenue A/c b/f	5,46,080
To Reserve Fund	12,100	By Transfer Fees	120
To Proposed Pref Share Dividend	70,000		
To Proposed Equity Share Div.	2,40,000		
To Balance Carried to General Balance Sheet	14,100		
	5,96,200		5,96,200

Statement Showing Receipts and Expenditure on Capital Account for the year ending 31st March, 1992

Expenditure	Expenditure up to the end of Previous year	Expenditure during the year	Total Expenditure	Receipts	Receipts upto the end of *Previous* year	Receipts during the year	Total Receipts
	Rs.	Rs.	Rs		Rs.	Rs.	Rs.
Land	1,50,000	—	1,50,000	Equity Share Capital	30,00,000	—	30,00,00
Works	51,16,500	—	51,16,500	Pref. Share Capital	10,00,000	—	10,00,00
Mains and Service Pipes	5,96,000	—	5,96,000	Debentures	10,00,000	—	10,00,00
Meters	52,500	—	52,500	Share Premium	10,00,000	—	10,00,00
Preliminary Expenses	1,00,000	—	1,00,000	Balance Carried to General Balance Sheet	15,000	—	15,00
	60,15,000	—	60,15,000		60,15,000	—	60,15,00

General Balance Sheet as on 31st March, 1992

	Rs.		Rs.
Unclaimed Dividends	1,000	Balance as per Statement of *Receipts and Expenditure on* Capital Account	15,00
Net Revenue Account	14,100	Sundry Debtors	2,40
Sundry Creditors	42,050	Debtors for Water Rents	62,10
Reserve Fund	25,000	Stores in hand	1,29,50
Proposed Pref. Share Dividend	70,000	Investments	12,50
Proposed Equity Share Dividend	2,40,000	Cash in hand	3,00
		Cash at Bank	1,67,65
	3,92,150		3,92,15

विद्युत आपूर्ति कम्पनियों के अन्तिम खाते
(Final Accounts of Electricity Supply Companies)

1948 से पूर्व विद्युत आपूर्ति कम्पनियाँ भी अपने अन्तिम खाते द्वि-खाता पद्धति से ही प्रस्तुत करती थीं, किन्तु 1948 में भारत में बिजली आपूर्ति अधिनियम (Electricity Supply Act, 1948) बन जाने के पश्चात् उनके लिए अन्तिम लेखों के प्रारूप एवं प्रस्तुतीकरण की विधि अधिनियम द्वारा निर्धारित कर दी गई है। अतः विद्युत आपूर्ति कम्पनियों के अन्तिम लेखे उसी निर्धारित प्रारूप में प्रस्तुत किये जाते हैं।* विद्युत आपूर्ति से सम्बन्धित वैधानिक प्रावधान इस अधिनियम की अनुसूची VI में दिये हुए हैं। इस अनुसूची के लेखांकन से सम्बन्धित कुछ प्रमुख प्रावधान इस प्रकार हैं :—

मूल्य ह्रास (Depreciation) : 1 अप्रैल, 1979 तक विद्युत आपूर्ति कम्पनियों के लिए मूल्य ह्रास की दो विधियाँ मान्यता प्राप्त थीं। पहली विधि मिश्रित ब्याज विधि (Compound Interest Method) तथा दूसरी विधि सीधी रेखा विधि (Straight Line Method) थी। किन्तु 1 अप्रैल, 1979 के बाद केवल सीधी रेखा पद्धति (Straight Line Method) को ही स्वीकृत किया गया है। इस विधि में मूल्य ह्रास सम्पत्ति की मूल लागत (Original Cost) पर अपलिखित किया जाता है और सम्पत्ति के जीवन काल में उसकी लागत का अधिकतम 90 प्रतिशत भाग मूल्य ह्रास के रूप में अपलिखित किया जा सकता है। केन्द्रीय सरकार को विभिन्न सम्पत्तियों का जीवन काल निर्धारित करने का अधिकार दिया गया है।

यदि किसी सम्पत्ति की मूल लागत को अपलिखित करके 10 प्रतिशत तक लाया जा चुका है तो आगे उस पर और मूल्य ह्रास अपलिखित नहीं किया जाता चाहे वह सम्पत्ति आगे उपयोग में ही क्यों न आ रही हो। यदि सम्पत्ति को अप्रचलन या अन्य किसी कारण से उपयोग से हटा दिया जाता है तो उस पर मूल्य ह्रास अपलिखित नहीं किया जाता है। उस सम्पत्ति को बेचने पर जो हानि या लाभ होता है उसे आकस्मिकताओं के लिए कोष (Contingencies Reserve) में हस्तान्तरित कर दिया जाता है। इस प्रकार उस सम्पत्ति खाते को बन्द कर दिया जाता है।

उचित प्रत्याय (Reasonable Return) : विद्युत आपूर्ति कम्पनियाँ एकाधिकार कम्पनियाँ होती हैं किन्तु इनका उद्देश्य लाभ कमाना न होकर सेवा प्रदान करना होता है अतः विधान इनको बहुत अधिक लाभ कमाने से रोकता है। इस उद्देश्य के लिए 'उचित प्रत्याय' की मात्रा निश्चित कर दी गई है। उचित प्रत्याय के अन्तर्गत निम्नलिखित मदों के योग को सम्मिलित किया जाता है :—

(1) पूँजी आधार (Capital base) पर प्रमाप दर, जो कि रिजर्व बैंक दर 10% (11 जुलाई, 1981 से लागू है) + 2%, अर्थात् 12% से निकाली गई रकम;

(2) आकस्मिक कोष (Contingency Reserve) में से किये गये विनियोगों को छोड़कर शेष विनियोगों से प्राप्त आय;

(3) विद्युत मण्डल द्वारा दिये गये ऋणों पर ½% के बराबर राशि;

(4) विकास संचय (Development Reserve) के शेष के ½% के बराबर राशि; तथा

(5) ऋणपत्र निर्गमन से प्राप्त राशि के ½% के बराबर राशि।

पूँजी आधार (Capital Base) से तात्पर्य विनियोजित पूँजी से होता है जिसे सेवा प्रदान करने में प्रयुक्त किया जाता है। पूँजी आधार की गणना निम्नलिखित ढंग से की जाती है :—

(i) व्यवसाय में प्रयुक्त स्थायी सम्पत्तियों की मूल लागत जिसमें से ग्राहकों द्वारा दिये गये अंशदान की राशि को घटाया जायेगा;

(ii) अमूर्त सम्पत्तियों की लागत;

(iii) निर्माणाधीन कार्य (Work-in Progress) की मूल लागत;

(iv) आकस्मिक कोष (Contingency Reserve) में से अनिवार्य रूप से किये गये विनियोगों की राशि; तथा

(v) प्रत्येक माह के अन्त में रखी गई सामग्री (Stores), माल (Materials), आपूर्तियाँ (Supplies), नकद और बैंक शेषों के मासिक औसत।

उपर्युक्त पाँचों मदों के योग में से निम्नलिखित मदों के योग को घटाया जायेगा :—

(i) कम्पनी की पुस्तकों में स्थायी सम्पत्तियों पर अपलिखित की गई मूल्य ह्रास की राशि तथा अमूर्त सम्पत्तियों की अपलिखित की गई राशि;

(ii) विद्युत मण्डल द्वारा प्रदत्त ऋण की राशि;

(iii) ऋण-पत्र;

(iv) ग्राहकों की नकद में रखी गई सुरक्षित जमा राशि (Security Deposit);

(v) प्रशुल्क और लाभांश नियन्त्रण संचय में जमा राशि;

(vi) विकास संचय (Development Reserve) के लिए अलग रखी गई राशि; तथा

(vii) लाइसेंस धारकों के खातों में ग्राहकों को वितरित करने के लिए आगे ले जाया जाने वाला शेष

स्पष्ट लाभ (*Clear Profit*) :

एक विद्युत आपूर्ति कम्पनी के स्पष्ट लाभ से तात्पर्य कुल आय (Total Income) में से कुल व्यय (Total Expenditure) तथा विशिष्ट नियोजनों (Specific Appropriations) को घटाने के पश्चात् शेष रही राशि से है। अधिनियम में आय, व्यय व नियोजनों को परिभाषित किया हुआ है। इन्हें निम्नलिखित प्रारूप से भली प्रकार समझा जा सकता है :—

	Rs.	Rs.
Income derived from		
1. Receipts from sale of energy less discount		....
2. *Rental of meters, etc.*		....
3. Sales and repair of lamps		....
4. Rent		....
5. Transfer fees		....
6. *Interest from investments, fixed and call* deposits and bank balances		....
7. Other taxable receipts		....
Less : Expenditure incurred on		
1. *Generation and purchase of energy*	....	
2. *Distribution and sale of energy*	....	
3. Rents, rates and taxes	....	
4. Interest on loans	....	
5. Interest on security deposits	...	
6. Bad debts	...	
7. Audit fees	...	
8. Management	....	
9. Depreciation	....	

	Rs.	Rs.
10. Other admissible expenses for tax purposes	....	
11. Contributions to P.F., Gratuity, etc.	....	
12. Bonus to employees	....	
Less : Special appropriations		
1. Past losses	....	
2. Taxes on income and profit	....	
3. Amounts written off from intangibles	....	
4. Contributions to contingency reserve	....	
5. Contributions towards arrears of depreciation	....	
6. Contributions to development reserve	....	
7. Other special appropriations permitted by the State Government	....	....
Clear Profit		....

आधिक्य का बंटवारा (Disposal of Surplus) :

यदि कम्पनी के स्पष्ट लाभ (Clear Profit) उचित प्रत्याय (Reasonable Return) से अधिक है तो इस आधिक्य (Surplus) का प्रयोग निम्न प्रकार किया जाता है—

(i) इस आधिक्य का ⅓, जो उचित प्रत्याय के 5 प्रतिशत से अधिक न हो, भाग का वितरण कम्पनी की इच्छा पर रहेगा;

(ii) शेष का ½ प्रशुल्क और लाभांश नियन्त्रण संचय (Tariffs and Dividend Control Reserve) में हस्तान्तरित किया जाता है; तथा

(iii) शेष राशि को उपभोक्ताओं में दर को कम करके अथवा विशेष छूट देकर विभाजित किया जायेगा।

एक विद्युत कम्पनी को अपनी विद्युत की बिक्री दरें इस प्रकार से समायोजित करनी चाहिए कि स्पष्ट लाभ का उचित प्रत्याय पर आधिक्य किसी वर्ष में उचित प्रत्याय के 20% से अधिक नहीं हो।

Illustration 7.5 : Kota Electricity Ltd. earned a clear profit Rs. 24,70,000 during the year ended 31st March, 1992 after debenture interest @ 9% on Rs. 5,00,000. With the help of the figures given below, show the disposal of the profits :

कोटा इलैक्ट्रिसिटी लिमिटेड ने 31 मार्च, 1992 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए 5,00,000 रु० के 9% ऋणपत्रों पर ब्याज चुकाने के पश्चात् 24,70,000 रु० का लाभ कमाया। नीचे दिये गये तथ्यों की सहायता से लाभों का बंटवारा दिखाइए :

	Rs.
Original cost of Fixed Assets	2,00,00,000
Preliminary Expenses	10,00,000
Monthly average of Current assets	50,00,000
Reserve Fund (represented by 6% Government securities)	20,00,000

Contingencies Reserve Fund Investments	5,00,000
Loan from Electricity Board	30,00,000
Total Depreciation written off to date	40,00,000
Tariff and Dividends Control Reserve	1,00,000
Security deposits received from customers	4,00,000

Solution : **Calculation of Capital Base**

	Rs.	Rs.
Original Cost of Fixed Assets		2,00,00,000
Preliminary Expenses		*10,00,000*
Monthly average of Current Assets		50,00,000
Contingencies Reserve Fund Investments		5,00,000
		2,65,00,000
Less : Depreciation on Fixed Assets	40,00,000	
Loan from Electricity Board	30,00,000	
Debentures	5,00,000	
Security Deposits received from Customers	4,00,000	
Tariff and Dividend Control Reserve	1,00,000	
		80,00,000
Capital Base		1,85,00,000

Calculation of Reasonable Return

	Rs.
12% of Capital Base Rs. 1,85,00,000	22,20,000
Income from Reserve Fund Investments	1,20,000
½% on Loan from Electricity Board	15,000
½% on Debentures	2,500
Reasonable Return	23,57,500

Surplus = Clear Profit − Reasonable Return
= Rs. 24,70,000 − Rs. 23,57,500 = Rs. 1,12,500

Disposal of Surplus

	Rs.
⅓ for the company being less than 5% of Reasonable Return	37,500
½ of the balance to be credited to Tariffs and Dividend Control Reserve	37,500
Balance to be distributed to Customers	37,500
Total	1,12,500

आकस्मिक कोष (Contingency Reserve) : विद्युत आपूर्ति कम्पनी की आय में से या विद्यमान संचय में से एक संचय का निर्माण किया जाता है जिसे आकस्मिक कोष कहा जाता है। कम्पनी प्रत्येक वर्ष की आय में से स्थायी सम्पत्तियों की मूल लागत के $\frac{1}{4}\%$ से $\frac{1}{2}\%$ तक की राशि इस संचय में उस समय तक हस्तान्तरित करती रहेगी जब तक इस संचय की राशि स्थायी सम्पत्तियों की मूल लागत के 5% के बराबर न हो जाये। इस प्रकार के संचय की राशि का विनियोग प्रन्यासी प्रतिभूतियों में किया जायेगा। स्थायी सम्पत्तियों के विक्रय पर लाभ या हानि, प्लान्ट अथवा कारखाने को हटाने अथवा पुनर्स्थापन के खर्चे, दुर्घटना, हड़ताल या प्राकृतिक कारणों से उत्पन्न हानियाँ आदि को इस कोष से पूरा किया जा सकता है। इसी प्रकार किसी क्षतिपूर्ति के सम्बन्ध में वैधानिक उत्तरदायित्व को भी इसी संचय से पूरा किया जा सकता है यदि उस क्षतिपूर्ति के लिए पहले से ही कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

सामान्य संचय (General Reserve)—बिजली आपूर्ति अधिनियम की धारा 67 के अनुसार सामान्य संचय का भी निर्माण करना होता है। इस प्रकार का प्रावधान ब्याज व ह्रास काटने के बाद ही किया जाता है। किसी भी वर्ष में इस संचय से किया गया हस्तान्तरण स्थायी सम्पत्तियों की मूल लागत के $\frac{1}{2}\%$ से अधिक नहीं हो सकता बशर्ते कि इस खाते का शेष स्थायी सम्पत्तियों की मूल लागत के 8% से अधिक न हो। यह प्रावधान केवल विद्युत मण्डलों पर ही लागू होता है लेकिन विद्युत आपूर्ति कम्पनियों पर इसके निर्माण के सम्बन्ध में कोई प्रतिबन्ध नहीं है।

प्रशुल्क और लाभांश नियन्त्रण संचय (Tariffs and Dividend Control Reserve)—जैसा कि ऊपर स्पष्ट किया जा चुका है कि इस संचय का निर्माण आधिक्य (Surplus) के $\frac{1}{2}$ भाग के हस्तान्तरण के द्वारा किया जाता है। यदि किसी वर्ष स्पष्ट लाभों की राशि उचित आय से कम होती है तो इस संचय का उपयोग किया जा सकता है।

अन्तिम खाते (Final Accounts) : भारतीय विद्युत आपूर्ति कम्पनियाँ अपने वार्षिक खाते अन्य कम्पनियों की तरह भारतीय कम्पनी अधिनियम 1956 में निर्धारित प्रारूप में भी तैयार कर सकती हैं किन्तु भारतीय विद्युत नियम, 1956 (Indian Electricity Rules, 1956) के अनुसार ये कम्पनियाँ राज्य सरकार को अपने अन्तिम खाते नियम 26 के अनुच्छेद IV तथा V में दिये गये प्रारूपों के अनुसार तैयार कर निर्धारित तिथि पर प्रस्तुत करेंगी। इनके अन्तिम खाते तैयार करने की तिथि 31 मार्च है। इन प्रारूपों के नाम इस प्रकार हैं :—

Form No.	Contents
(i)	Statement of Share and Loan Capital
(ii)	Statement of Capital Expenditure
(iiA)	Statement showing written Down costs of Fixed Assets retired
(iii)	Statement of Operating Revenue
(iv)	Statement of Operating Expenses
(v)	Statement of Provision for Depreciation
(vi)	Statement of Contingency Reserve
(vii)	Statement of Tariffs and Dividend Control Reserve
(viii)	Statement of Consumer's Rebate Reserve
(ix)	Statement of Special Appropriations permitted by State Government
(x)	Statement of Net Revenue and Appropriation Account
(xi)	General Balance Sheet

उपर्युक्त में से प्रारूप संख्या I और II द्वि-खाता पद्धति के अन्तर्गत निर्मित पूँजी खाते के अंग हैं। प्रारूप संख्या III एवं IV रेवेन्यू खाते के अंग हैं। प्रारूप X शुद्ध रेवेन्यू खाते (Net Revenue Account) के समान है और प्रारूप XI सामान्य चिट्ठा है। अतः विद्यार्थियों के समझने के दृष्टिकोण से इन्हीं प्रारूपों का नमूना यहाँ दिया जा रहा है।

ANNEXURE V

Name of Undertaking ....Year of Operation..................

I. Statement of Share and Loan Capital

For the year ended 31 March 19 .. ..

Description of Capital	Balance at the beginning of the year	Receipts during the year	Reduced during the year	Balance at the end of the year	Remarks
A. Share Capital :					
(To be shown in detail as to types of capital)					
Total Paid up Capital					
B. Capital Reserve :					
Share Premium a/c					
Share forfeiture a/c					
Other items					
Total Capital Reserves					
C. Loan Capital :					
Loan from Board					
Loan from approved financial institutions					
Debentures					
Other secured loans					
Unsecured loans and advances					
Total Loan Capital					
D. Other Capital :					
Contribution from consumers for service line and public lighting					
Special items to be specified					
Total Other Capital					
Total Capital (A+B+C+D)					

II. Statement of Capital Expenditure
for the year ended 31st March 19........

Particulars	Balance at the beginning of the year	Additions during the year	Retirement during the year	Balance at the end of the year	Remarks
A. Intangible Assets					
B. Hydraulic Power Plant					
C. Steam Power Plant					
D. Internal Combustion Power Plant					
E. Transmission Plant (High or Extra Voltage)					
F. Distribution Plant High Voltage					
G. Distribution Plant (Low and Medium Voltage)					
H. Public Lighting					
G. General Equipment					
Total Capital Assets					

III. Statement of Operating Revenue
for the year ending 31st March 19........

Particular of Revenue	Corresponding amount for the previous year account	Amount for the year of account	Remarks
A. Net Revenue by Sale of Electricity *for Cash and Credit :*			
1. Domestic or residential :			
(a) Lights and Fans			
(b) *Heating and small power*			
2. Commercial :			
(a) Lights and Fans			
(b) Heating and small power			
3. Industrial :			
(a) Low and Medium Voltage			
(b) High Voltage			

Contd

Contd ....

4. Public lighting			
5. Public water works and serving pumping			
6. Irr gation			
7. Traction			
8. Supplies in Bulk to distributing licensse,			
B. Miscellaneous Revenue from Consumers :			
1. Rentals from :			
(a) Meters			
(b) Electric meters, fitting appliances and other apparatus hired to consumers			
2. Service connection fees			
3. Public lighting maintenance			
C. Other Revenue :			
1. Sale of Stores			
2 Repair of lamps and other apparatus			
3. Commission for the collection of electricity duty			
4. Other miscellaneous items			
Total Operating Revenue			
Deduct Total operating expenses as per statement IV	—	—	—
Net surplus or deficit carried to net revenue and appropriation account statement X			

IV. Statement of Operating Expenses

For the year ended 31st March, 19........

Particulars of Expenses	Corresponding amount for the previous year of account	Amount for the year of account	Remarks
A. Hydraulic Power Generation :			
(a) Operation			
(b) Maintenance			
(c) Depreciation			
B. Steam Power Generation :			
(a) Operation			
(b) Maintenance			
(c) Depreciation			
C. Internal Cumbustion Power Generation :			
(a) Operation			
(b) Maintenance			
(c) Depreciation			
D. Power Purchased			
E. Transmission			
(a) Operation and Maintenance			
(b) Depreciation			
F. Distribution (High Voltage)			
(a) Operation and Maintenance			
(b) Depreciation			
G. Distribution (Medium and Low Voltage)			
(a) Operation and Maintenance			
(b) Depreciation			
H. Public Lighting :			
(a) Operation and Maintenance			
(b) Depreciation			
I. Consumer servicing, Meter Reading, Billing connection, Accounting, Sales promotion etc.			
J. Rates and Taxes			
K. General Establishment Charges			
L. Other Charges			
M. Management Expenses			
Total operating expenses transferred to statement (III)			

X. Statement of Net Revenue and Appropriation Accounts

For the year ended 31st March, 19........

Corresponding figure for the previous year	Particulars	Amount	Corresponding figure for the previous year	Particulars	Amount
	1. To Balance of loss b/f from last account 2. To Net operating deficit as per statement III 3. To Appropriations (local authority licensees only) (a) Interest on loan capital. (b) Instalment of redemption of loan capital (c) General rate. 4. To Taxes on income and profit paid. 5. To Instalment of written down for intangible assets. 6. To Contributions towards arrears of depreciation 7. To Contribution towards contingency reserves. 8. To Appropriations towards development reserves. 9. To Appropriations of traiffs & dividend reserves. 10. To Appropriations to consumers' rebate reserves. 11. To Other special appropriations permitted by state government. 12. To Appropriations towards interest paid, and accrued dividends paid and payable : (a) Interest on debentures. (b) Interest on other loans. (c) Interest on unsecured loans, advances, etc. (d) Dividends on pref. share capital. (e) Dividends on equity capital. To Balance of profit carried over.			1. Balance of profit brought forward from last account. 2. By Net operating surplus as per statement III. 3. By Interest on securities and investment. 4. By Other receipt (to be specified.) 5. By Balance of loss carried over.	

XI GENERAL BALANCE SHEET AS ON 31ST MARCH, 19 ......

Corresponding figures of previous year Rs.	*Particulars*	*Amount* Rs.	*Corresponding figures of previous year* Rs.	*Particulars*	*Amount* Rs.
1.	2.	3.	4.	5.	6.
	1. Capital raised and appro priated—*vide* Statement I or I-A.			1. Capital amount expended on Works in use–Statement II. *Less*—Accumulated provi sions for depreciation—Statement V. *Net Block*	
	Reserves and Surplus			2 Balance of written down cost of obsolete, inadequate, etc., assets—Statement II-A.	
	2. Non-statutory Reserve.			*Current Assets*	
	3. Contingencies Reserve Fund as per Statement VI			3 Capital works in progress.	
	4. Tariffs & Dividends Control Reserve as per Statement VII.			4. Stores and materials in hand— (a) Fuel—Coal and/or oil etc. at cost. (b) General Stores [illegible] or below cost.	
	5. Consumers' Rebate Reserve as per Statement VIII.			5. Debtors for amounts paid in advance on account of contracts.	
	6. Special appropriations (as permitted by the State Govt.) reserve as per Statement IX.			6. Sundry debtors for electricity supplied.	

1	2	3	4	5	6
	7. Balance of Net Revenue and Appropriations Account as per Statement X.			7. Other debtors (as per schedule attached).	
	Current Liabilities and Provisions			8. Accounts receivable (to be specified).	
	8. Balances due on construction of Plant, Machinery, etc.			9 Investments in statutory securities at cost. (*a*) Contingencies Reserve *Fund investment* (Market value on closing date). (*b*) Depreciation Reserve Fund investment. (Market value on closing date).	
	9. *Creditors on open accounts* (as per schedule attached).			(*c*) Other investments. (Market value on closing date).	
	10. Consumers' security deposits.			10. Special deposits. (*a*) In respect of taxation. (*b*) Others (to be specified)	
	11. Accounts payable (to be specified).				
	12. Temporary accomodations, Bank overdraft and other finances.			11. Balance at Bank : (*a*) Deposit Account. (*b*) Current account and at Call.	
	13. Other accrued liabilities (to be specified).			12. Cash in hand. *Debit Balances*	
	14. Contingent liabilities and outstanding commitments, if any, to be stated on the face of this balance sheet.			13. Net Revenue and Appropriations Account Balance at debit thereof—Statement X. 14. Deferred payments.	

द्वि-खाता पद्धति के अन्तर्गत स्थायी सम्पत्तियों के पुनर्स्थापन का व्यवहार

(Treatment of Replacement of Fixed Assets under Double Account System)

सामान्य व्यावसायिक संस्थाओं द्वारा जब कोई सम्पत्ति पुनर्स्थापित की जाती है तो पुरानी सम्पत्ति के शेष रहे अपलिखित मूल्य को लाभ-हानि खाते में हस्तान्तरित कर दिया जाता है। इससे पुरानी सम्पत्ति का खाता बन्द हो जाता है और जब सम्पत्ति खरीदी जाती है तो उसका खाता अलग से खोला जाता है। द्वि-खाता पद्धति के अन्तर्गत जब कोई सम्पत्ति अप्रचलन या अन्य किसी कारण से प्रयोग से हटा दी जाती है तो ऐसी हानि को अपलिखित करने की कोई आवश्यकता नहीं है। सम्पत्ति मूल लागत पर पुस्तकों में निरन्तर बनी रहती है। एक बार किसी भी सम्पत्ति को एक निश्चित मूल्य पर पूँजी खाते पर प्राप्तियों एवं व्ययों के विवरण में लिख देने के बाद, इसके मूल्य में कमी नहीं की जा सकती है। किन्तु सम्पत्ति में वृद्धि या पुनर्स्थापन के कारण इसके मूल्य में वृद्धि की जा सकती है। इस प्रकार जब किसी सम्पत्ति को पुनर्स्थापित किया जाता है तो द्वि-खाता पद्धति के अन्तर्गत प्रतिस्थापन लागत का खातों में व्यवहार एक विशेष ढंग से किया जायेगा।

द्वि-खाता पद्धति के अन्तर्गत सम्पत्ति के पुनर्स्थापन किये जाने पर पुनर्स्थापन लागत को दो भागों में बाँटा जाता है : (i) चालू लागत (Current Cost) एवं (ii) पूँजी लागत (Capital Cost)। चालू लागत से तात्पर्य यह है कि पुरानी सम्पत्ति को आज उसी रूप में बनाया जाता तो उसकी अनुमानित लागत क्या होती ? इस लागत को आयगत व्यय मानकर रेवेन्यू खाते से चार्ज कर लिया जाता है। सम्पत्ति की प्रतिस्थापना लागत एवं अनुमानित या चालू लागत का अन्तर पूँजी लागत है जिसे सम्पत्ति खाते में सम्पत्ति की मूल लागत में जोड़कर लिया जाता है। सम्पत्ति की अनुमानित लागत ज्ञात करने के लिए उस सम्पत्ति के मूल्य सूचकांक (Price Index) का प्रयोग किया जाता है। इसे निम्न उदाहरण की सहायता से समझा जा सकता है।

Illustration 7.6 : A power house originally built in 1970 for Rs. 6,00,000 is to be replaced by a new one. The total cost of construction is Rs. 21,00,000. It is estimated that the construction cost has gone up by 150% meantime. Find out the amount to be charged to revenue and capital.

एक पॉवर हाउस 1970 में मूल रूप से 6,00,000 रु० में बनाया गया था जिसे पुनर्स्थापित किया जाना है। नये निर्माण की कुल लागत 21 00,000 रु० है। यह अनुमान लगाया जाता है कि तब से निर्माण की लागत 150% से बढ़ गई है। रेवेन्यू और पूँजी मे चार्ज की जाने वाली राशि की गणना कीजिए।

(i) Estimated cost of replacement of the original Power House

	Rs.
Original Cost	6,00,000
Add : Increase by 150%	9,00,000
Revenue Charge or Current Cost	15,00,000

(ii) Capital Cost of Power House

	Rs.
Total Cost of Replacement	21,00,000
Less : Charge to Revenue	15,00,000
Capital Charge	6,00,000

यदि प्रश्न में सम्पत्ति की लागत के तत्त्व—सामग्री, श्रम व उपरिव्यय अलग-अलग दे रखे हों तो सर्वप्रथम पुरानी सम्पत्ति की मूल लागत को लागत के विभिन्न तत्त्वों के बीच बाँट देना चाहिए। सामान्यतः प्रश्न से इन सभी तत्त्वों का अनुपात दिया हुआ होता है। इसके पश्चात् प्रत्येक लागत तत्त्व की राशि में सम्बन्धित मूल्य निर्देशांकों की सहायता से वृद्धि की राशि को जोड़ देना चाहिए। इस प्रकार प्रत्येक तत्त्व का चालू मूल्य ज्ञात हो जाएगा। तत्पश्चात् सभी तत्त्वों की चालू लागत को जोड़ देना चाहिए। यही सम्पत्ति की चालू लागत या रेवेन्यू चार्ज होगा जिसे नई सम्पत्ति की लागत में से घटा देने तो पूँजीगत लागत या पूँजीगत चार्ज ज्ञात हो जाएगा।

Illustration 7.7 : The original cost of installation of a power house was Rs. 6,00,000. The ratio of materials, labour and overheads was 6 : 3 : 1. It is estimated that price of materials have gone up by 20% and wages by 30%. The overheads are estimated to maintain same ratio with wages as before. The power house is replaced with Rs. 9,00,000. Find out the current cost of replacement and capital cost.

एक पॉवर हाउस की स्थापना की मूल लागत 6,00,000 रु० थी। सामग्री, श्रम एवं उपरिव्यय का अनुपात 6 : 3 : 1 का था। यह अनुमानित किया जाता है कि सामग्री की लागत 20% से एवं श्रम की लागत 30% से बढ़ गई है। उपरिव्ययों का श्रम से वही अनुपात बने रहने की सम्भावना है जैसा पहले था। पॉवर हाउस 9,00,000 रु० की लागत से पुनर्स्थापित किया गया है। पुनर्स्थापना की वर्तमान लागत एवं पूँजी लागत ज्ञात कीजिए।

Solution : सर्वप्रथम पॉवर हाउस की मूल लागत को लागत के विभिन्न तत्त्वों में बाँटा जाएगा :

Materials $\frac{6}{10} \times$ Rs. 6,00,000 = Rs. 3,60,000; Wages $\frac{3}{10} \times$ Rs. 6,00,000 = Rs. 1,80,000;

Overheads $\frac{1}{10} \times$ Rs. 6,00,000 = Rs. 60,000

पुनर्स्थापन की वर्तमान लागत की गणना :

	Original Cost Rs.	Increase Rs.	Current Cost Rs.
Materials	3,60,000	20%	4,32,000
Wages	1,80,000	30%	2,34,000
Overheads	60,000	($\frac{1}{3}$ of wages)	78,000
		Current Cost	7,44,000

पूँजीगत लागत की गणना :	Rs.
Cost of New Power House	9,00,000
Less : Current Cost	7,44,000
Capital Cost or Cost of Improvement	1,56,000

सम्पत्ति को पुनर्स्थापित किये जाने पर पुरानी सम्पत्ति की किसी सामग्री को भी प्रयुक्त किया जा सकता है अथवा सामग्री को बेचा जा सकता है। अतः पुरानी सामग्री के विक्रय से प्राप्त या प्रयुक्त सामग्री की लागत से

चालू लागत (Current cost) को कम कर देना चाहिए तथा शेष राशि को ही रेवेन्यू खाते में हस्तान्तरित करना चाहिए। पुनर्स्थापना के अतिरिक्त यदि किसी स्थायी सम्पत्ति को बढ़ाने के लिए या सम्वर्द्धन करने के लिए कोई व्यय किया जाता है तो उसे पूरा का पूरा पूँजी व्यय मानते हैं और उसे सम्पत्ति की लागत में जोड़कर पूँजी खाते में दिखाया जाता है। इसके अतिरिक्त इस सम्बन्ध में एक विशेष बात और ध्यान देने की है कि यदि सम्पत्ति के पुनर्स्थापन से उसकी क्षमता में वृद्धि हो जाती है तो क्षमता में जितनी वृद्धि हुई है उसकी राशि तो पूँजीगत मानी जाएगी और शेष राशि को आयगत एवं पूँजीगत में बाँटा जाएगा। उदाहरणार्थ, एक पॉवर हाउस को मूल रूप से 4,00,000 रु० से बनाया गया था। अब उसे 16,00,000 रु० में पुनर्स्थापित किया गया किन्तु अब उसकी क्षमता पुराने से दुगुनी है। अतः इसमें आधा व्यय अर्थात् 8 लाख रु० तो पूँजीगत माना जाएगा तथा शेष 8 लाख रु० का विभाजन आयगत एवं पूँजीगत में किया जाएगा :

पुनर्स्थापन सम्बन्धी व्यवहारों के सम्बन्ध में जर्नल प्रविष्टियाँ (Journal Entries regarding Replacement) : नई सम्पत्ति की लागत का आयगत एवं पूँजीगत व्यय में बँटवारा कर लेने के पश्चात् पुनर्स्थापन के सम्बन्ध में निम्नलिखित जर्नल प्रविष्टियाँ की जायेंगी :

(i) नई सम्पत्ति पर व्यय की गई राशि से—

Works a/c Dr. (पूँजीगत व्यय की राशि से)
Replacement a/c Dr. (आयगत व्यय की राशि से)
 To Bank a/c (वास्तविक खर्च की गई राशि से)
(Cost incurred in replacement of assets.)

(ii) पुरानी सम्पत्ति की किसी सामग्री को नकद बेचने पर—

Bank a/c Dr.
 To Replacement a/c
(Amount received from sale of old materials credited to Replacement a/c.)

(iii) पुरानी सामग्री को नई सम्पत्ति के निर्माण कार्य में प्रयुक्त करने पर—

Works a/c Dr. (प्रयुक्त सामग्री की राशि से)
 To Replacement a/c
(Old materials used in replacement of assets debited to Works a/c)

(iv) पुनर्स्थापन खाते (Replacement a/c) के शेष को हस्तान्तरित करने पर—

Revenue a/c Dr.
 To Replacement a/c
(Balance transferred.)

(v) यदि पूरी राशि सम्वर्द्धन (Extension) में ही व्यय की जाय—

Works a/c Dr.
 To Bank a/c
(Cost incurred in extension of assets.)

Illustration 78 : A Gas Company rebuilds its works at a cost of Rs. 15,00,000. The works which had originally cost Rs. 6,00,000, is completely replaced. In making the new works, old material of Rs. 50,000 was re-used and some old materials was sold for Rs. 20,000. The cost of material, labour and overheads is respectively 100%, 50% and 25% higher now than when the old works were built. The original ratio of materials, labour and overhead may be taken as 6 : 3 : 1 respectively. Pass necessary journal entries.

एक गैस कम्पनी अपने कारखाने का 15,00,000 रु० पर पुनर्निर्माण कराती है। कारखाने को जिसकी मूल लागत 6,00,000 रु० थी, पूर्णरूप से पुनर्स्थापित किया गया। नये कारखाने को बनाने मे 50,000 रु० की पुरानी सामग्री प्रयुक्त की गई तथा कुछ पुरानी सामग्री को 20,000 रु० मे बेचा गया। सामग्री, श्रम एवं उपरिव्ययों मे उस समय की तुलना में जबकि पुराना कारखाना बनाया गया था, क्रमशः 100 प्रतिशत, 50 प्रतिशत एवं 25 प्रतिशत की वृद्धि हो गई है। सामग्री, श्रम एवं उपरिव्ययों का मूल अनुपात क्रमशः 6 : 3 : 1 लिया जा सकता है। आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए।

Solution :

Calculation of Current Cost

	Rs.	Rs.
Material Cost :		
Original Material Cost : 6,00,000 × 6/10	3,60,000	
Add : Increase by 100%	3,60,000	7,20,000
Labour Cost :		
Original Labour Cost : 6,00,000 × 3/10	1,80,000	
Add : Increase by 50%	90,000	2,70,000
Overhead Cost :		
Original Overhead Cost : 6,00,000 × 1/10	60,000	
Add : Increase by 25%	15,000	75,000
Current Cost or Charge to Revenue		10,65,000

Calculation of Capital Cost

	Rs.
Cost of Construction of Works	15,00,000
Less : Charge to Revenue	10,65,000
Capital Cost	4,35,000

Journal

		Rs.	Rs.
Works a/c	Dr.	3,85,000	
Replacement a/c	Dr.	10,65,000	
To Bank a/c			14,50,000
(Revenue charge debited to Replacement a/c and the balance spent on reconstruction in cash debited to Works a/c.)			
Works a/c	Dr.	50,000	
To Replacement a/c			50,000
(Old material re-used in the reconstruction of works.)			
Bank a/c	Dr.	20,000	
To Replacement a/c			20,000
(Amount realised from the sale of old materials.)			
Revenue a/c	Dr.	9,95,000	
To Replacement a/c			9,95,000
(Balance of Replacement a/c transferred.)			

Illustration 7·9 : The Rajasthan Gas Company *re-builds* and *re-equips* a part of their works at a cost of Rs. 90,000 while the original cost of the works was Rs. 40,000. The capacity of the new works is double than that of the old. Rs. 2,000 was received from sale of old materials and old materials of Rs. 1,000 have been used in the reconstruction and included in the cost of Rs. 90,000 mentioned above. The cost of construction is 10% higher now than when the old works were built. Give the Journal entries for recording the above transactions in the books of the company.

राजस्थान गैस कम्पनी ने अपने कारखाने के एक भाग को 90,000 रु० की लागत पर पुनः बनाया एवं सुसज्जित किया जबकि इस भाग की मूल लागत 40,000 रु० थी। इस नये भाग की कार्य क्षमता पुराने भाग से दुगुनी हो गई। 2 000 रु० पुरानी सामग्री की बिक्री से प्राप्त हुए और 1,000 रु० मूल्य की पुरानी सामग्री पुनः निर्माण में प्रयुक्त की गई जो 90,000 रु० की उपर्युक्त वर्णित लागत में सम्मिलित है। निर्माण की लागत उस समय से जब पुराना कारखाना बनाया गया था, अब 10% अधिक हो गई है। कम्पनी की पुस्तकों में उपर्युक्त व्यवहारों का लेखा करने के लिए आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए।

Solution : प्रश्न में यह दिया गया है कि नये कारखाने की कार्यक्षमता पुराने कारखाने से दुगुनी हो गई है। अतः पुनर्निर्माण पर हुए व्यय का आधा अर्थात् $90{,}000 \times \frac{1}{2} = 45{,}000$ रु० तो पूर्णतया पूँजीगत व्यय हो गया। शेष 45,000 रु० का विभाजन आयगत एवं पूँजीगत व्यय में करना है।

Calculation of Current Cost

	Rs.
Original Cost of Works	40,000
Add : 10% Increase in Construction Cost	4,000
Current Cost or Charge to Revenue	44,000

Calculation of Total Capital Cost

	Rs.
Cost of Construction of New Works ($\frac{1}{2}$)	45,000
Less : Current Cost	44,000
	1,000
Add : $\frac{1}{2}$ Cost of construction to be capitalised	45,000
Total Capital Cost	46,000

Cash Cost of Replacement (Rs. 90,000 – 1,000) = Rs. 89,000.

Journal Entries

		Rs.	Rs.
Replacement a/c	Dr.	44,000	
Works a/c	Dr.	45,000	
To Bank a/c			89,000
(Revenue charge of construction debited to Replacement a/c and the balance spent in cash debited to Works a/c.)			
Works a/c	Dr.	1,000	
To Replacement a/c			1,000
(Old material re-used in the construction of new Works)			
Bank a/c	Dr.	2,000	2,000
To Replacement a/c			
(Old material sold.)			
Revenue a/c	Dr.	41,000	
To Replacement a/c			41,000
(Balance of Replacement a/c transferred.)			

Illustration 7·10 : Delhi Electric Supply Company re-built and re-equipped their works at a cost of Rs. 8,00,000. The original cost of the old works was Rs. 5,00,000.

The cost of labour and materials is 10% and 20% higher respectively than the old works were built. The proportion of labour to materials in the works then was 3 : 2. Rs. 40,000 is realised by the sale of old materials and old materials of the value of Rs. 20,000 are used in the construction and is not included in the cost of Rs. 8,00,000 mentioned above.

Give Journal entries and apportion the expenditure between capital and revenue.

देहली इलैक्ट्रिक सप्लाई कम्पनी ने अपने कारखाने को 8,00,000 रु० मे पुन: बनवाया एव सुसज्जित किया। पुराने कारखाने की मूल लागत 5,00,000 रु० थी। जिस समय पुराना कारखाना बना था तब से अब श्रम एवं सामग्री की लागत मे क्रमश: 10% एवं 20% की वृद्धि हो गई है। श्रम एव सामग्री का अनुपात तब 3 : 2 था। पुरानी सामग्री के विक्रय से 40,000 रु० वसूल हुए तथा 20,000 रु० के मूल्य की पुरानी सामग्री निर्माण में काम मे ली गई और यह राशि उपर्युक्त वर्णित 8,00,000 रु० की लागत में सम्मिलित नही है।

कम्पनी की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिये तथा व्यय का पूँजीगत एवं आयगत में विभाजन कीजिए।

Solution

Total Cost of New Works	Rs.
Cash expenditure in construction	8,00,000
Add : Old material used in construction	20,000
Total Cost	8,20,000

Calculation of Current Cost

		Rs.	Rs.
	Material Cost :		
	Original Cost : Rs. 5,00,000 × 2/5	2,00,000	
Add :	Increase by 20%	40,000	
			2,40,000
	Labour Cost :		
	Original Cost : Rs. 5,00,000 × 3/5	3,00,000	
Add :	Increase by 10%	30,000	
			3,30,000
	Current Cost		5,70,000

Calculation of Capital Cost

		Rs.
	Total Cost of Works	8,20,000
Less :	Current Cost	5,70,000
	Capital Cost	2,50,000

Journal Entries

Particulars			Rs.	Rs.
Replacement a/c	Dr.		5,70,000	
Works a/c	Dr.		2,30,000	
To Bank a/c				8,00,000
(Current cost debited to Replacement a/c and the balance spent in cash debited to Works a/c.)				
Works a/c	Dr.		20,000	
To Replacement a/c				20,000
(Old material re-used in the costruction of new works.)				
Bank a/c	Dr.		40,000	
To Replacement a/c				40,000
(Old material sold.)				
Revenue a/c	Dr.		5,10,000	
To Replacement a/c				5,10,000
(Balance transferred.)				

Miscellaneous Illustrations

Illustration 7·11 : The Bombay Municipal Corporation having received many complaints regarding the insufficient supply of water decided to replace some of the existing mains by mains of larger size. The cost of existing mains which are to be replaced, was

Rs. 10,00,000 at the time they were laid. The cost of materials and wages has increased in the meantime by 50% in aggregate. It is estimated that laying of larger mains would cost Rs. 30,00,000 and the old mains would realise Rs. 2,50,000 As the capital expenditure is to be met by means of a loan and revenue expenditure is to be provided for out of revenue, it is necessary to allocate the cost of Rs. 30,00,000 between capital and revenue expenditure. You are required to make the allocation and give Mains and *Replacement Accounts.*

पानी की अपर्याप्त पूर्ति के सम्बन्ध में कई शिकायतें प्राप्त होने पर बॉम्बे म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन ने कुछ वर्तमान मुख्य नलों का बड़े आकार के मुख्य नलों से प्रतिस्थापन करने का निर्णय लिया। जिन वर्तमान मुख्य नलों का प्रतिस्थापन किया जाना था उनको लगाते समय 10,00,000 रु० लागत आई थी। तब से कुल मिलाकर सामग्री और मजदूरी की लागत में 50% की वृद्धि हो गई है। अनुमान है कि नये बड़े मुख्य नलों को लगाने की लागत 30,00,000 रु० होगी और पुराने मुख्य नलों से 2,50,000 रु० वसूल होंगे। क्योंकि पूँजीगत व्यय एक ऋण लेकर करना है और आगम व्यय का प्रावधान आमदनी से करना है, यह आवश्यक है कि 30,00,000 रु० की लागत का आबटन पूँजीगत और आगम व्यय में किया जाय। आप यह आबटन कीजिए तथा मुख्य नल और प्रतिस्थापना खाते बनाइये।

Solution : **Calculation of Current Cost**

	Rs.
Original cost of Mains	10,00,000
Add : 50% Increase in cost	5,00,000
Current Cost	15,00,000

Capital Cost = Total Cost – Current Cost
= Rs. 30,00,000 – Rs. 15,00,000 = Rs. 15,00,000

Dr **Mains Account** Cr.

	Rs.		Rs.
To Balance b/d	10,00,000	By Balance c/d	25,00,000
To Bank a/c	15,00,000		
	25,00,000		25,00,000

Replacement Account

	Rs.		Rs.
To Bank a/c	15,00,000	By Bank a/c	2,50,000
		By Revenue a/c	12,50,000
	15,00,000		15,00,000

Illustration 7.12 : A water supply concern had to replace a quarter of the Mains and lay an auxiliary main for the remaining length in order to augment supplies of water to a locality. The total cost of the original Main was Rs. 4,00,000. *The auxiliary Main costs* Rs. 4,50,000 and the Main costs Rs. 1,75,000. It is estimated that the cost of laying a main has gone up by 30%. Part of the old Main realised Rs. 15,000. Pass journal entries to record the above and show the total amount capitalised and written off.

एक जलपूर्ति कम्पनी को पानी लाने वाले प्रमुख पाइपों (Mains) का एक चौथाई भाग बदलना था और कुछ सहायक नई लाइनें एक बस्ती में पानी की पूर्ति बढ़ाने के लिए डालनी थी। पुरानी प्रमुख पाइप लाइनों की लागत 4,00,000 रु० थी। सहायक पाइप लाइनों की लागत 4,50,000 रु० तथा नई प्रमुख लाइनों की लागत 1,75,000 रु० आई। ऐसा अनुमान है कि प्रमुख पाइप लाइनों को डालने की लागत 30% बढ़ गई। पुरानी पाइप लाइन के टुकड़े बेचने से 15,000 रु० प्राप्त हुए। उपरोक्त की जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिये तथा अपलिखित की गई तथा पूँजीकृत की गई कुल राशि बतलाइये।

Solution : सहायक लाइनों पर किये गये व्यय की पूरी राशि 4,50,000 रु० पूँजीगत व्यय होगा। प्रतिस्थापित की गई लाइनों की लागत के लिए पूँजीगत एवं आयगत व्यय की गणना की जायेगी।

Calculation of Current Cost

	Rs.
Cost of Old Mains to be replaced (Rs. 4,00,000 × ¼)	1,00,000
Add : 30% Increase	30,000
Current Cost	1,30,000

Calculation of Capital Cost

	Rs.
Cost of Replacement of Old Mains	1,75,000
Less : Current Cost	1,30,000
	45,000
Add : Cost of Auxiliary Mains	4,50,000
Total Capital Cost	4,95,000

Journal Entries

Particulars		Rs.	Rs.
Replacement a/c	Dr.	1,30,000	
Mains a/c	Dr.	4,95,000	
To Bank a/c			6,25,000
(Current cost debited to Replacement a/c and the balance spent in cash debited to Mains a/c.)			
Bank a/c	Dr.	15,000	
To Replacement a/c			15,000
(Old material sold.)			
Revenue a/c	Dr.	1,15,000	
To Replacement a/c			1,15,000
(Balance transferred.)			

Illustration 7.13 : The following balances are extracted from the Books of Account of General Electric Supply Company Ltd. for the year ended 31st March, 1992 :—

जनरल इलेक्ट्रिक सप्लाई कम्पनी लि० की लेखा पुस्तकों से 31 मार्च, 1992 को समाप्त हुए वर्ष के लिए अग्रलिखित विवरण उद्धृत किये गये हैं :—

Debit Balances

		Rs.
Licence		9,000
Land (addition during the year Rs. 10,000)		2,10,000
Buildings		12,18,000
Plant & Machinery		2,04,000
Transformer sub-station		83,70,000
Mains overhead underground (addition during the year Rs. 17,70,000)		2,84,25,000
House Service Connection (addition during the year Rs 2,25,000)		32,10,000
Furniture and Fixtures (addition during the year Rs. 21,000)		3,30,000
Motor Lorries (addition during the year Rs. 50,000)		3,15,000
Investment of Contingency Reserves (in Government Securities)		4,80,000
Purchase of Energy		62,25,000
Salaries and Wages		12,00,000
Repairs and Maintenance :	Rs.	
Buildings	22,500	
Plant and Machinery	7,500	
Transformers	90,000	
Mains & Services	5,10,000	
Lorries	18,000	
		6,48,000
Establishment Expenses		19,95,000
Rent, Rates & Taxes		76,500
Conveyance and Travelling		60,000
Audit Fees		22,500
General Expenses		1,50,000
Electricity Duty		10,50,000
Directors Fees and Allowances		25,500
Interest on Fixed Loans		3,52,500
Interest on Consumers' Security deposits		1,20,000
Current Assets		33,00,000
Work-in-Progress		19,20,000
Sundry Debtors		40,50,000
Cash and Bank Balance		21,00,000
Loans and Advances		10,50,000
Total		6,71,16,000

Credit Balances

	Rs.
Share Capital :	
7,50,000 Equity Shares of Rs. 10 each	75,00,000
3,00,000 7% Preference Shares of Rs. 10 each	30,00,000
Reserve for Rebate to Customers	2,11,500
Contingency Reserve	4,80,000
Tariff and Dividend Control Reserve	2,10,000
Development Reserve	9,18,000
Accumulated Depreciation	2,40,00,000
Balance of Net Revenue Account brought forward from previous year	22,500
Loan from State Government (secured by charge on Fixed Assets)	49,50,000
Loan from State Electricity Board	5,70,000
Sundry Creditors	25,74,000
Consumers, Security Deposits	48,00,000
Unclaimed Dividends	2,25,000
Sale of Energy	1,74,75,000
Rentals of Meters	1,05,000
Maintenance on Public Lamps	22,500
Hire on Machinery and Goods	37,500
Interest on Bank Accounts	15,000
Total	6,71,16,000

The following adjustments have to be made :

	Rs.
(1) Depreciation for the year	17,25,000
(2) Provision for Taxation	22,80,000
(3) Transfer to Contingency Reserve	2,25,000
(4) Transfer to Development Reserve	1,20,000

You are required to prepare Capital Account, Revenue Account, Net Revenue Account and General Balance Sheet of the General Electric Supply Company Ltd. under the Double Account System.

आपको जनरल इलेक्ट्रिक सप्लाई कम्पनी लि० की पुस्तकों में द्वि खाता पद्धति के अनुसार पूँजी खाता, रेवेन्यू खाता शुद्ध रेवेन्यू खाता एवं सामान्य चिट्ठा तैयार करना है।

Solution :

General Electric Supply Company
Statement of Receipts and Expenditure on Capital Account
for the year ended 31st March, 1992

Expenditure	Expenditure upto 31-3-1991	Expenditure during the year	Total	Receipts	Receipts upto 31-3-1991	Receipts during the year	Total
	Rs.	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.	Rs.
Licence	9,000	—	9,000	Share			
Land	2,00,000	10,000	2,10,000	Capital :			
Buildings	12,18,000	—	12,18,000	Equity	75,00,000	—	75 00,000
Machinery	2,04,000	—	2,04,000	Preference	30,00,000	—	30,00,000
Mains	2,66,55,000	17,70,000	2,84,25,000	Loan : State			
Transformers	83,70,000	—	83,70,000	Government	49,50,000	—	49,50,000
House				Electricity			
Service				Board	5,70,000	—	5,70,000
Connections	29,85,000	2,25,000	32,10,000				
							1,60,20,000
Furniture &							
Fixtures	3,09,000	21,000	3,30,000	Balance			
Motor Lorries	2,65,000	50,000	3,15,000	carried to			
				General Bal-			
				ance Sheet			2,62,71,000
	4,02,15,000	20,76,000	4,22,91,000		1,60,20,000	—	4,22,91,000

Revenue Account
for the year ended 31st March, 1992

		Rs.		Rs.
To Purchase of Energy		62,25,000	By Sale of Electricity	1,74,75,000
To Distribution of Energy :	Rs.		By Rent of Meters	1,05,000
Salaries and Wages	12,00,000		By Maintenance of Public Lamps	22,500
Repairs and Maintenance	6,48,000	18,48,000	By Hire on Machinery and Goods	37,500
To General Establishment Expenses :				
Establishment Expenses	19,95,000			
Rent, Rates and Taxes	76,500			
Conveyance and Travelling	60,000			
Audit Fees	22,500			
General Expenses	1,50,000			
Electricity Duty	10,50,000	33,54,000		
To Other Charges : Depreciation		17,25,000		—
To Management Expenses : Directors Fees and Allowances		25,500		
To Surplus carried to Net Revenue A/c		44,62,500		
		1,76,40,000		1,76,40,000

Net Revenue Account
for the year ended 31st March, 1992

	Rs.		Rs.
To Transfer to Development Reserve	1,20,000	By Balance b/f from previous year	22,500
To Provision for Taxation	22,80,000	By Balance brought from Revenue Account	44,62,500
To Interest on Security Deposit	1,20,000	By Interest on Bank Account	15,000
To Interest on Fixed Loan	3,52,500		
To Transfer to Contingency Reserve	2,25,000		
To Balance c/f to General Balance Sheet	14,02,500		
	45,00,000		45,00,000

General Balance Sheet
as at 31st March, 1992

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
Contingency Reserve (4,80,000 + 2,25,000)	7,05,000	Balance as per Statement of Receipts and Expenditure on Capital A/c	2,62,71,000
Tariff and Dividend Control Reserve	2,10,000	Investment in Government Securities out of Contingency Reserve Fund	4,80,000
Reserve for Rebate to Customers	2,11,500	Current Assets	33,00,000
Development Reserve (9,18,000 + 1,20,000)	10,38,000	Work-in-Progress	19,20,000
Depreciation Fund (2,40,00,000 + 17,25,000)	2,57,25,000	Sundry Debtors	40,50,000
Net Revenue A/c	14,02,500	Cash and Bank Balance	21,00,000
Sundry Creditors	25,74,000	Loans & Advances	10,50,000
Consumers Security Deposit	48,00,000		
Unclaimed Dividend	2,25,000		
Provision for Taxation	22,80,000		
	3,91,71,000		3,91,71,000

द्वि-खाता पद्धति तथा इकहरा खाता पद्धति में अन्तर

(Difference between Double Account System and Single Account System)

द्वि-खाता पद्धति और इकहरा खाता पद्धति मे अन्तर करने के उद्देश्य से अन्तिम खाते तैयार करने की सामान्यतया प्रचलित पद्धति को इकहरा खाता पद्धति कहते हैं। अन्तिम खाते तैयार करने की इन दोनों पद्धतियो मे प्रमुख अन्तर निम्नलिखित हैं :

द्वि-खाता पद्धति	इकहरा खाता पद्धति
1. द्वि-खाता पद्धति का उद्गम एव विकास इंगलैण्ड में हुआ है।	इस पद्धति का जन्म इटली मे हुआ है।
2. इसको जनोपयोगी संस्थाओं द्वारा अपने अन्तिम खाते प्रस्तुत करने के लिए अपनाया जाता है।	इसे सामान्य व्यापारिक संस्थाओं द्वारा अन्तिम खाते प्रस्तुत करने के काम मे लिया जाता है।
3 द्वि-खाता पद्धति के चिट्ठे को दो भागो में बनाया जाता है।	इसमे केवल एक ही चिट्ठा बनाया जाता है।
4 इस पद्धति के अन्तर्गत लाभ हानि ज्ञात करने एव उसका नियोजन करने के लिए रेवेन्यू खाता एव शुद्ध रेवेन्यू खाता बनाया जाता है।	इस पद्धति के अन्तर्गत लाभ हानि खाता एव लाभ-हानि नियोजन खाता बनाया जाता है।
5. इस पद्धति मे स्थायी सम्पत्तियों को उनकी मूल लागत पर ही दिखाया जाता है।	इस पद्धति मे सम्पत्तियों को प्राय: अपलिखित मूल्य पर दिखाया जाता है।
6 इस पद्धति मे जब किसी स्थायी सम्पत्ति का पुनर्स्थापन करते हैं तो उस सम्पत्ति का खाता बन्द नहीं किया जाता अपितु पुनर्स्थापन पर किये गये व्ययों को आयगत एव पूंजीगत में विभाजन करके आयगत व्ययों को रेवेन्यू खाते मे एव पूंजीगत व्ययो को सम्पत्ति खाते में लिखा जाता है।	इस पद्धति मे जब किसी स्थायी सम्पत्ति का पुनर्स्थापन किया जाता है तो उस सम्पत्ति के खाते को बन्द कर दिया जाता है एव नई सम्पत्ति का खाता खोला जाता है।

द्वि-खाता पद्धति के लाभ
(Advantages of Double Account System)

1. इस पद्धति का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इसमें इस बात का स्पष्ट उल्लेख किया जाता है कि जनता से कितनी पूंजी प्राप्त की गई है और उसके कितने भाग का प्रयोग स्थायी सम्पत्तियाँ क्रय करने में किया गया है। इसको एक सामान्य व्यक्ति भी आसानी से समझ सकता है तथा इससे स्थायी एवं कार्यशील पूंजी का ज्ञान आसानी से हो जाता है। जनोपयोगी संस्थाओं में स्थायी एवं कार्यशील पूंजी का पृथक-पृथक विस्तृत ज्ञान होना आवश्यक है।

2. इस पद्धति में संस्था के सभी पूंजीगत लाभ संस्था में ही रहते हैं अर्थात् किसी भी रूप में उनका वितरण नहीं किया जा सकता।

3. मूल्य-ह्रास कोष इन संस्थाओं द्वारा अनिवार्य रूप से बनाया जाता है और इस कोष का उपयोग प्रतिभूतियाँ क्रय करने में किया जाता है। इससे सम्पत्ति का प्रतिस्थापन संस्था के साधनों को प्रभावित किये बिना आसानी से हो जाता है।

4. रेवेन्यू खाते में पूर्णतया संचालन से सम्बन्धित आय एवं संचालन से सम्बन्धित व्यय लिये जाते हैं। अतः संस्था की संचालन कुशलता की जानकारी आसानी से हो जाती है।

5. जनोपयोगी संस्थाएं जिन्हें सरकार द्वारा एकाधिकार के अधिकार प्रदान किये गये हैं, खातों को निर्धारित प्रारूप में प्रस्तुत करने से सरकार को इस बात की जानकारी हो जाती है कि संस्थाएं जनता को उचित लागत पर सर्वाधिक कुशल सेवायें प्रदान कर रही है या नहीं।

द्वि-खाता पद्धति की आलोचनाएं
(Criticisms of Double Account System)

जनोपयोगी संस्थाओं द्वारा द्वि-खाता पद्धति को अपनाने से कई प्रकार के लाभ है किन्तु फिर भी इसकी निम्नलिखित आधारों पर आलोचना की जाती है :

1. इस विधि के अन्तर्गत सभी स्थायी सम्पत्तियों को उनकी मूल लागत पर ही दिखाया जाता है। अतः इससे संस्था की सही आर्थिक स्थिति की जानकारी नहीं हो सकती। इस आलोचना के प्रत्युत्तर में कहा जा सकता है कि यद्यपि स्थायी सम्पत्तियों को तो लागत पर ही दिखाया जाता है किन्तु सम्पत्तियों के अप्रचलन एवं टूट-फूट की जोखिम के लिए अलग से ह्रास कोष (Depreciation Fund) बनाया जाता है एवं इसे सामान्य चिट्ठे में दायित्व पक्ष की तरफ दिखाया जाता है।

2. इस पद्धति में यद्यपि स्थायी सम्पत्तियों से सभी वर्षों में एक समान लाभ प्राप्त किया जाता है किन्तु मरम्मत एवं नवीनीकरण का खर्चा उसी वर्ष रेवेन्यू खाते से चार्ज किया जाता है जिस वर्ष वह खर्चा हुआ है। प्रारम्भ के वर्षों में यह खर्चा कम हो सकता है और बाद के वर्षों में बहुत अधिक। अतः प्रत्येक वर्ष का शेष गलत होगा क्योंकि विभिन्न वर्षों में रेवेन्यू खाते में मरम्मत एवं नवीनीकरण का भार पृथक-पृथक पड़ेगा। इस आलोचना के निवारण हेतु अब कुछ संस्थायें एक मरम्मत एवं नवीनीकरण संचय (Repairs and Renewals Reserve) बनाने लग गई हैं ताकि सभी वर्षों पर मरम्मत का समान भार पड़े।

3. हमेशा ही सम्पत्ति के पुनर्स्थापन पर आयगत एवं पूंजीगत व्यय की गणना करना सरल नहीं है क्योंकि नई सम्पत्ति पुरानी से अधिक विकसित एवं अच्छी हो सकती है।

4. इस विधि में बहुत कम जीवन-काल वाली सम्पत्तियों को भी पूंजी खाते में दिखाया जाता है। ये सम्पत्तियाँ तब भी पूंजी खाते में रहती हैं जबकि उनका उपयोग समाप्त हो चुका होता है।

5. यह पद्धति जन साधारण की समझ से बाहर है क्योंकि इसकी कार्य विधि कठिन है।

अभ्यासार्थ प्रश्न

सैद्धान्तिक प्रश्न (Theoretical Questions)

1. Describe the double account system and comment on its usefulness and applicability

द्वि-खाता पद्धति का वर्णन कीजिए और इसकी उपयोगिता तथा प्रयोज्यता की विवेचना कीजिए।

2. What are the special features of Double Account System ? Name the concerns where it is applicable ?

दोहरा खाता विधि के विशेष लक्षण क्या है ? यह विधि जहाँ काम मे आ सकती हैं, उन संस्थाओं के नाम बताइये।

3. What is the difference between Double Account System and Single Account System ? How is the replacement of fixed assets treated in account books under the Double Account System ?

द्वि-खाता प्रणाली तथा इकहरा खाता प्रणाली में क्या अन्तर है ? स्थायी सम्पत्तियो के पुनर्स्थापन का द्वि-खाता प्रणाली के अन्तर्गत लेखा पुस्तकों मे किस प्रकार व्यवहार किया जाता है ?

4. Describe Double Account System clearly and explain its objects.

द्वि-खाता पद्धति का स्पष्ट रूप से वर्णन कीजिए और इसके उद्देश्य समझाइये।

व्यावहारिक प्रश्न (Practical Questions) :

5. The following balances are extracted from the books of Northern Railway Company after completion of the Revenue Account for the year ended 31st March, 1992. You are required to prepare the Receipts and Expenditure on Capital Account and the General Balance Sheet.

निम्नलिखित शेष 31 मार्च, 1992 को नार्दर्न रेलवे कम्पनी की पुस्तकों से रेवेन्यू खाता तैयार करने के पश्चात् लिये गये है। आपको पूँजीगत प्राप्तियों व व्ययो का विवरण तथा सामान्य चिट्ठा तैयार करना है :

	Dr. Rs.	Cr. Rs.
Equity Shares		10,00,000
6% Preference Shares		6,00,000
$7\frac{1}{2}$% Debentures		4,00,000
Lines open for traffic	17,04,000	
Lines in the caurse of construction	10,000	
Lines Leased	40,000	
Working Stock (Engines, Carriages etc.)	2,60,000	
Lines jointly owned	1,00,000	
Freehold Land	25,000	
Premium on Shares		55,000
Cash at Bank	10,000	
General Stores and Stock	25,000	

Net Revenue A/c		32,000
Traffic Accounts due to the company	20,000	
Due from other Companies	5,000	
Sundry outstanding accounts	7,000	
Due to other Companies		4,000
Sundry Creditors		30,000
Fire Insurance Fund		5,000
General Reserve		65,000
Superannuation Fund		15,000
	22,06,000	22,06,000

During the year there was an issue of 6% Preference Shares of Rs 1,50,000 at par and this was fully subscribed. Equity shares of Rs. 2,00,000 were also issued at a premium of 10%. Expenditure on lines open for traffic Rs. 40,000 and lines in the course of construction Rs. 3,000 were made. Construction to lines jointly owned amounted to Rs. 20,000.

वर्ष के दौरान 1,50,000 रु० के 6% पूर्वाधिकार अंशों का निर्गमन किया गया जिसका पूर्ण अभिदान हुआ। 2,00,000 रु० के समता अंश भी 10% प्रीमियम पर निर्गमित किए गए। यातायात के लिए खुली लाइनों पर 40,000 रु० तथा निर्माणाधीन लाइनों पर 3,000 रु० व्यय किए गए। संयुक्त स्वामित्व की लाइनों के निर्माण पर 20,000 रु० व्यय किए गए।

Answer : Surplus of Capital Expenditure Rs. 84,000; Total of General Balance Sheet Rs. 1,51,000. (7·1)

6. From the following balances as on March 31, 1989, appearing in the ledger of the Gujarat Light and Power Co. Ltd., you are required to prepare : (a) revenue account, (b) net revenue account, (c) capital account and (d) general balance sheet.

31 मार्च, 1992 को खाताबही में दिये गये निम्न शेषों से गुजरात लाइट एण्ड पॉवर कम्पनी लि० का (a) रेवेन्यू खाता (b) शुद्ध रेवेन्यू खाता (c) पूँजी खाता, एवं (d) सामान्य चिट्ठा, तैयार कीजिए।

	Rs		Rs.
Equity Shares	54,900	Stores on hand	700
Debentures	20,000	Cash	300
Lands on 31-3-1991	15,000	Cost of Generating Electricity	3,000
Lands purchased during 1992	500	Cost of Distributing Electricity	600
Machinery on 31-3-1991	60,000	Rent, Rates and Tax	400
Machinery purchased during 1992	500	Management Expenses	1,200
		Depreciation	2,000
Mains including cost of laying on 31-3-1991	20,000	Sale of Current	13,200
		Rent of Meters	300
Spent on mains during 1992	5,100	Interest on Debentures	1,000
Sundry Creditors	100	Dividends	2,000
Depreciatiation Fund	25,000	Balance on Net Revenue Account, 31-3-1991	2,850
Sundry debtors for current supplied	4,000		
Other debtors	50		

Answer : Surplus from Revenue A/c 6,300; Balance of Net Revenue A/c Rs. 6,150, Excess of Assets Rs. 26,200 and Total of General Balance Sheet Rs. 31,250. (7·2)

7. The following balances appeared in the books of Madras Electric Supply Corporation Ltd. as on 31st March, 1992 :

31 मार्च, 1992 को मद्रास इलेक्ट्रिक सप्लाई कारपोरेशन की पुस्तकों में निम्नलिखित शेष दिये हुए हैं :

	Dr. Rs.	Cr. Rs.
Equity Shares		6,00,000
Debentures		2,00,000
Land on 31st March, 1991	1,50,000	
Land purchased during the year	60,000	
Mains including cost of laying to 31st March, 1991	1,60,000	
Mains expended during the year	76,000	
Machinery on 31st March, 1991	5,50,000	
Machinery purchased during the year	66,000	
Sundry Creditors		1,000
Depreciation Fund Account		2,50,000
Sundry Debtors for Current supplied	40,000	
Other Book Debts	500	
Stores on hand	6,000	
Cash in hand	4,000	
Cost of Generation of Electricity	30,000	
Cost of Distribution of Electricity	9,000	
Sales of Current		1,50,000
Meter Rent		5,000
Rent, Rates and Taxes	12,000	
Establishment Expenses	21,000	
Interest on Debentures	10,000	
Interim Dividend	20,000	
Depreciation	20,000	
Net Revenue Account Balance on 31st March, 1991		28,500
	12,34,500	12,34,500

From the above balances prepare Revenue Account, Net Revenue Account, Capital Account and General Balance Sheet

उपरोक्त शेषों से रेवेन्यू खाता, शुद्ध रेवेन्यू खाता, पूँजी खाता एवं सामान्य चिट्ठा तैयार कीजिए।

Answer : Surplus from Revenue a/c Rs 63,000; Balance of Net Revenue a/c Rs. 61,500. Excess of Expenditure over Receipts on Capital a/c Rs. Rs. 2,62,000, General Balance Sheet Total Rs. 3,12,500. (7·3)

8. Prepare Revenue Account, Net Revenue Account, Statement of Receipts and Expenditure on Capital Account and General Balance Sheet from the following trial balance of The Superhit Electric Lighting Co. Ltd. as on 31st March, 1992 :

दि सुपरहिट इलेक्ट्रिक लाइटिंग कम्पनी लि० के 31 मार्च, 1992 के निम्नलिखित तलपट से रेवेन्यू खाता, शुद्ध रेवेन्यू खाता, पूँजी खाते पर प्राप्तियों एवं व्ययों का विवरण तथा सामान्य चिट्ठा तैयार कीजिए :

	Dr. Rs.	Cr. Rs.
Share Capital :		
Nominal 10,000 Shares of		
Rs 100 each		
Subscribed 5,000 Shares		
@ Rs 50 each		
6% Debentures		2,50,000
Depreciation Fund		1,50,000
Calls in arrear		10,000
Freehold Land	10,000	
Building	93,000	
Machinery at Station	50,000	
Mains	1,00,000	
Transformers, etc.	80,000	
Meters	20,000	
Electric Instruments	15,000	
Office Furniture	27,500	
Coal and Fuel	2,500	
Oil, Waste, Engine-room Stores	19,000	
Coal, Oil, Waste, etc. in Stock	7,500	
Wages	1,000	
Repairs and Replacements	30,000	
Rates and Taxes	5,000	
Salaries of Secretary, Manager etc.	3,000	
Directors' Fees	15,000	
Stationery, Printing and Advertising	10,000	
Law and Incidental Expenses	6,000	
Sale by Meter	3,000	
Sale by Contract		87,500
Meter Rents		50,000
Sundry Creditors		3,000
Sundry Debtors		10,000
Cash in hand and at Bank	45,000	
Contingency Reserve	33,000	
		15,000
	5,75,500	5,75,500

A call of Rs. 10 per share was payable on 30th September, 1991 and arrears are subject to interest at 5% p a Provide depreciation on Buildings $2\frac{1}{2}$%. Machinery $7\frac{1}{2}$%, Mains 5%, Transformers etc. 10%, Meters 15% and Electrical Instruments 10%. Depreciation on addition is to be charged for 6 months. Transfer to Contingency Reserve @ $\frac{1}{2}$% of the cost of fixed assets.

10. रु० प्रति अंश की दर से अंश मांग 30 सितम्बर, 1991 को देय थी तथा बकाया राशि पर 5 प्रतिशत प्रति वर्ष ब्याज लगाया जायेगा। भवन पर $2\frac{1}{2}$ प्रतिशत, मशीनरी पर $7\frac{1}{2}$ प्रतिशत, मेन्स पर 5 प्रतिशत, ट्रान्सफॉर्मर्स आदि पर 10 प्रतिशत, मीटर पर 15 प्रतिशत और विद्युत उपकरणों पर 15 प्रतिशत की दर से ह्रास का प्रावधान कीजिए। वर्ष के दौरान वृद्धि पर ह्रास 6 माह के लिए चार्ज करना है। स्थायी सम्पत्तियों की लागत का $\frac{1}{2}$ प्रतिशत सम्भाव्यता संचय में स्थानान्तरित कीजिए।

The balances on 31st March, 1991 were as follow :

31 मार्च, 1991 को शेष प्रकार थे :

Share Capital Rs. 2,00,000; 6% Debentures Rs. 1,50,000; Depreciation Fund Rs. 10,000, Freehold Land Rs. 93,000; Buildings Rs. 40,000; Machinery at Station Rs. 60,000; Mains Rs. 50,000; Transformers, etc. Rs. 10,000; Meters Rs. 5,000; Electrical Instruments Rs. 19,000 and Office Furniture Rs. 2,500.

Ans. : Surplus from Revenue a/c Rs 26,300; Balance of Net Revenue a/c *Rs. 15,610; Excess of Receipts over Expenditure on Capital a/c Rs. 2,000;* General Balance Sheet Rs. 79,250. (7·4)

9. The following Trial Balance is extracted from the books of Surat Electricity Company Ltd. for the year ending 31st March, 1992 :

निम्नलिखित तलपट 31 मार्च 1992 को समाप्त हुए वर्ष के लिए सूरत इलेक्ट्रिसिटी कम्पनी लि० की पुस्तकों से लिया गया है :

	Dr. Rs.	Cr. Rs.
Share Capital :		
Equity Shares of Rs. 100 each		6,00,000
Equity Shares of Rs. 100 each issued during the year		1,00,000
Preliminary Expenses	10,000	
Buildings	87,500	
Buildings, additions during the year	60,000	
Plant	1,50,000	
Plant additions during the year	50,000	
Mains	1,82,000	
Mains extension during the year	55,000	
Transformer	25,000	
Meters	9'000	
Meters purchased during the year	3,000	
General Stores	1,000	

	Dr. Rs.	Cr. Rs.
Sale of energy for ligting		70,000
Sale of energy for power		50,000
Meter Rent		2,000
Reconnection and disconnection fees		1,000
Fuel consumed	14,000	
Oil, Waste and Engine room stores	3,000	
Salaries of Engineers, Supervisors and Officers	6,000	
Power house Salaries and Wages	3,000	
Distribution and Street Lighting Wages	1,500	
Repair and Maintenance	2,000	
Rents Paid	600	
Directors' Fees	600	
Management Expenses	4,800	
Auditor's Fees	500	
Dividend Paid	24,000	
Revenue Account—balance b/f		10,000
Depreciation Fund		40,000
Income-tax paid	20,000	
Stock of stores	40,000	
Sundry Debtors	18,500	
Creditors		7,500
Investments at cost, including depreciation fund investments	59,000	
Interest accrued on Investments	3,000	
Fixed deposits with Banks	50,000	
Cash in hand and at Bank	4,000	
Interest on investments and on fixed deposits (including Rs. 2,000 on depreciation fund investments)		7,000
	8,87,500	8,87,500

You are required to prepare the Capital Account, Revenue Account, Net Revenue Account and General Balance Sheet of the Company from the above Trial Balance after transferring a sum of Rs. 5,000 to Reserve Fund from the surplus brought forward and after providing for depreciation on Buildings Rs. 2,000; on Plant Rs. 10,000 and on Mains Rs. 12,000.

आपको उपर्युक्त तलपट से 5,000 रु० की राशि रिजर्व फण्ड में हस्तान्तरित करने के बाद तथा मूल्य ह्रास के लिए भवन पर 2,000 रु०, प्लाट पर 10,000 रु० तथा मेन्स पर 12,000 रु० का प्रायोजन करने के पश्चात् कम्पनी का पूँजी खाता, शुद्ध रेवेन्यू खाता एवं सामान्य चिट्ठा तैयार करना है।

Ans : Surplus from Revenue a/c Rs. 63,000, Balance of Net Revenue a/c R. 31,000, Excess of Receipts over Expenditure on Capital a/c Rs. 68,500. Total of B/s Rs. 1,76,000. (7·5)

10. The Delhi Electric Company Ltd. rebuilt and re-equipped a part of their power-house at a cost of Rs. 80,00,000. The part of the old power-house thus had superseded cost originally Rs. 50,00,000 but if erected at the present time would cost 20% more. Rs 6,00,000 is realised from the old materials and Rs. 3,00,000 worth of old materials are used in the reconstruction and are included in the cost of Rs. 80,00,000 mentioned above. Give necessary entries for recording the above transactions in the books of the company, indicating the allocations between capital and revenue.

देहली इलेक्ट्रिक कम्पनी ने अपने पॉवर हाउस के एक भाग को 80,00,000 रु० में पुनः बनवाया एवं सुसज्जित किया। पुराने पॉवर हाउस के इस भाग की मूल लागत 50,00,000 रु० थी लेकिन यदि इसे वर्तमान में स्थापित किया जाता तो यह 20% अधिक होती। पुरानी सामग्री के विक्रय से 6,00,000 रु० वसूल हुए एवं 3,00,000 रु० की पुरानी सामग्री इसके पुनर्निर्माण में प्रयुक्त की गई जो उपरोक्त 80,00,000 रु० में सम्मिलित है। उपर्युक्त सौदों को दर्ज करने के लिए कम्पनी की पुस्तकों में आयगत एवं पूँजीगत का विभाजन करते हुए आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिये।

Ans. . Charge to Revenue Rs 51,00,000, Capital Cost Rs. 20,00,000. (7.6)

11. A Railway Station was built in 1947 at a cost of Rs. 3,00,000. It was replaced in 1991 by a new railway station at a cost of Rs 16,00,000. Since 1947 prices of materials have risen to 250% and the labour rates have trebled The proportion of materials and labour in the old station was 2 : 3. Old materials valued at Rs. 25,000 are used in the construction of the new station and included in the cost of Rs. 16,00,000. Rs 42,000 is realised by the sale of old materials.

Give journal entries for recording the above transactions.

एक रेल्वे स्टेशन 1947 में 3,00,000 रु० की लागत से बनवाया गया था। इसे 1991 में 16,00,000 रु० की लागत के एक नये रेल्वे स्टेशन से पुनर्स्थापित किया गया। 1947 से सामग्री का मूल्य 250% हो गया है और श्रम दरें तिगुनी हो गई हैं। पुराने स्टेशन में सामग्री एवं श्रम का अनुपात 2 : 3 था। 25,000 रु० मूल्य की पुरानी सामग्री नये स्टेशन के निर्माण में काम में ली गई है तो 16,00,000 रु० की लागत में सम्मिलित है। पुरानी सामग्री के विक्रय में 42,000 रु० वसूल हुए।

उपर्युक्त लेनदेनों को दर्ज करने के लिए जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए।

Ans. : *Charge to Revenue Rs. 7,73,000; To be capitalised Rs. 7,60,000.* (7.6)

12 A Gas Company rebuilds its works at the cost of Rs. 3,30,000. The works which had originally cost Rs. 1,30,000 is completely replaced. In making the new works old material of Rs. 4,600 was re-used and some old material was sold for Rs. 8,400. The cost of labour and material is respectively 15% and 12½% higher now than when the old works were built. The ratio of material and labour in the works is 7 : 3.

You are required to make necessary calculations and give Journal Entries How will this item appear in the Statement of Receipts and Expenditure on Capital Account of the Gas Company.

एक गैस कम्पनी अपने कारखाने का 3,30,000 रु० पर पुनर्निर्माण कराती है। कारखाने को, जिसकी मूल लागत 1,30,000 रु० थी, पूर्णरूप से पुनर्स्थापित किया गया। नये कारखाने को बनाने में 4,600 रु० की पुरानी सामग्री प्रयुक्त की गई तथा कुछ पुरानी सामग्री को 8,400 रु० में बेचा गया। श्रम तथा सामग्री की लागत में, उस समय की तुलना में जबकि पुराना कारखाना बनाया गया था, क्रमशः 15% व 12½% की वृद्धि हो गई है। कारखाने में सामग्री और श्रम का भुगतान क्रमशः 7 : 3 है।

आपको आवश्यक परिगणनायें करनी हैं तथा जर्नल प्रविष्टियाँ देनी हैं। यह मद गैस कम्पनी के पूँजी खाते पर प्राप्तियों व व्ययों के विवरण पत्र में किस प्रकार दिखाई जावेगी ?

Ans. : Capital Cost Rs. 1,82,775 and transferred to Revenue Account Rs. 1,34,225. (77)

13. A Water Supply Company had to replace a quater of the mains and lay an auxiliary main for the remaining length in order to augment supplies of water to a locality. The total cost of the original mains was Rs. 8,00,000. The auxiliary main cost Rs. 9,00,000 and the new main cost Rs. 3,50,000. It is estimated that the cost of laying a main has gone up by 30%. Parts of the old main realised Rs. 15,000.

Pass Journal entries to record the above and show the total amount capitalised and written off. Also prepare the Mains Account.

एक जल आपूर्ति कम्पनी को पानी लाने वाले प्रमुख पाइपों (Mains) का चौथाई भाग बदलना था और कुछ सहायक नई लाइनें एक बस्ती में पानी की उपलब्धि बढ़ाने के लिए डालनी थी। पुरानी प्रमुख पाइप लाइनों की कुल लागत 8,00,000 रु० थी। सहायक पाइप लाइनों की लागत 9,00,000 रु० तथा नई प्रमुख लाइनों की लागत 3,50,000 रु० आई। ऐसा अनुमान है कि पाइप लाइनों को डालने की लागत 30% बढ़ गई है। पुरानी प्रमुख पाइप लाइन के टुकड़े बेचने से 15,000 रु० प्राप्त हुए।

उपरोक्त की जर्नल प्रविष्टयाँ दीजिये तथा अपलिखित की गई तथा पूँजीकृत की गई कुल राशि बतलाइये। पाइप लाइनों (Water Mains) का खाता भी बनाइये।

Ans. : Capital Cost Rs. 9,90,000 and Current Cost transferred to Revenue Account Rs. 2,45,000. (78)

8

स्कन्ध का मूल्यांकन
(Valuation of Inventory)

चालू सम्पत्तियो मे स्कन्ध या इन्वेंन्ट्री अत्यन्त महत्त्वपूर्ण सम्पत्ति है। प्रायः सकल कार्यशील पूंजी का लगभग 50 प्रतिशत भाग का प्रतिनिधित्व स्कन्ध या इन्वेंन्ट्री द्वारा किया जाता है। व्यवसाय की विभिन्न सम्पत्तियों मे इन्वेंन्ट्री के प्रमुख योगदान को दृष्टिगत रखते हुए लेखापालो ने इसके सही मूल्यांकन के औचित्य पर प्रकाश डाला है। इस सम्पत्ति का सही मूल्याकन एक व्यवसाय की स्थिति तथा उसकी लाभ अर्जन क्षमता का सही एव उचित रूप से दिग्दर्शन कराता है। इस सम्पत्ति की महत्ता को ध्यान मे रखते हुए इसका सही मूल्याकन करना निम्न कारणो से आवश्यक हैं :

(1) चालू सम्पत्तियों (Current assets) मे इन्वेंन्ट्री का प्रायः सर्वाधिक मूल्य होता है ;

(2) इस सम्पत्ति का मूल्याकन बिक्री की लागत (Cost of goods sold) को प्रभावित करता है ;

(3) इन्वेंन्ट्री या स्कन्ध के सम्बन्ध मे छल कपट व चोरी की अधिक सम्भावनाएँ रहती है ;

(4) इनके मूल्याकन की विभिन्न रीतियाँ मान्यता प्राप्त हैं ;

(5) इन्वेंन्ट्री या स्कन्ध का मूल्याकन व्यवसाय की अन्य सम्पत्तियो की तुलना मे अधिक कठिन कार्य है; तथा

(6) इन्वेंन्ट्री के मूल्यों मे तीव्र गति से परिवर्तन इसके मूल्याकन की विभिन्न रीतियों की अपर्याप्तता को इंगित करते हैं।

स्कन्ध या इन्वेंन्ट्री के घटक (Components of Inventory) : स्कन्ध का आशय ऐसे समस्त माल से है जो किसी कम्पनी या फर्म द्वारा व्यवसाय के सामान्य संचालन हेतु अपने पास रखा जाता है। व्यापारिक संस्थाओं के सदर्भ मे, जिनका कार्य वस्तुओ को तैयार माल के रूप मे क्रय-विक्रय करना है, इसका अभिप्राय विक्रय के लिए उपलब्ध माल या वस्तुओं से होता है जबकि निर्माणी संस्थाओं के लिए इसका क्षेत्र विस्तृत होता है तथा स्कन्ध या इन्वेंन्ट्री के अन्तर्गत निम्न को सम्मिलित किया जाता है :

(i) कच्ची सामग्री (Raw Materials);

(ii) निर्माणाधीन अथवा अर्द्ध निर्मित माल (Work in process or semi-finished goods);

(iii) निर्मित या तैयार माल (Finished goods);

(iv) स्टोर्स एव फुटकर औजार का भण्डार (Stock of stores and spares parts)।

कच्ची सामग्री से आशय ऐसी वस्तुओ से है जो प्रत्यक्ष रूप से निर्मित माल मे विद्यमान होती है अर्थात् इनका प्रयोग वस्तु के निर्माण हेतु किया जाता है। **अर्द्ध निर्मित माल** से आशय ऐसे माल से है जिस पर कुछ निर्माणी

क्रियाएँ सम्पन्न हो गई हैं, किन्तु अभी तक वह पूर्ण निर्मित माल के रूप में परिवर्तित नहीं हुई है। निर्मित माल से तात्पर्य इस प्रकार के माल से है जिन पर समस्त उत्पादन क्रियाएँ पूर्ण हो चुकी हैं तथा अब वह माल बिक्री योग्य (Saleable) है। स्टोर्स से आशय इस प्रकार की वस्तुओं से होता है जो उत्पादन में अप्रत्यक्ष रूप से प्रयुक्त होती हैं, यथा कोयला, ईंधन, रसायन, छोटे पुर्जे, पेच, बोल्ट, नट, तेल व ग्रीस आदि।

स्कन्ध या इन्वेन्ट्री के मूल्यांकन की रीतियाँ
(Methods of Valuation of Inventory)

स्कन्ध के मूल्यांकन की अनेक रीतियाँ हैं। कम्पनी अधिनियम 1956 में स्कन्ध के मूल्यांकन हेतु किसी विशिष्ट रीति का अनुमोदन नहीं किया है। अनुसूची VI में मात्र इतना कहा गया है कि स्कन्ध या इन्वेन्ट्री के मूल्यांकन की रीति का उल्लेख किया जाना चाहिए। मूल्यांकन की कौनसी रीति अपनाई जाये, इस विषय में कम्पनी अधिनियम, 1956 सर्वथा मौन है।

स्कन्ध के मूल्यांकन हेतु सर्वप्रथम उसकी मात्रा या परिमाण ज्ञात करते हैं। इसे ज्ञात करने हेतु प्रायः निम्न रीतियों का प्रयोग किया जाता है :—

(1) कालान्तर या सामयिक गणना रीति (Periodic Stock-taking System);

(2) निरन्तर गणना रीति (Perpetual Stock-taking System)।

कालान्तर गणना विधि के अन्तर्गत माल की गणना एक निश्चित अवधि के पश्चात् की जाती है। अतः इस पद्धति के अन्तर्गत माल की गणना की तिथि को ही स्कन्ध की स्थिति ज्ञात हो सकती है। 'निरन्तर गणना विधि' के अन्तर्गत स्कन्ध की प्रत्येक मद के लिए नियमित हिसाब रखा जाता है। इसमें प्रत्येक मद की प्राप्ति तथा निर्गमन के लिए पूर्ण विवरण रखा जाता है। इन दोनों विवरणों के आधार पर व्यवसाय में शेष रहे स्कन्ध की स्थिति का निरन्तर ज्ञान होता रहता है। ऐसे व्यवसायों में जहाँ स्कन्ध के अधिक नियन्त्रण की आवश्यकता है, निरन्तर गणना रीति अधिक उपयुक्त रहती है।

माल के परिमाण या मात्रा की गणना के पश्चात् उसका मूल्यांकन करना पड़ता है। इन्वेन्ट्री के प्रत्येक घटक के मूल्यांकन हेतु अलग-अलग पद्धति अपनाई जाती है, जिसका विस्तृत विवरण निम्न प्रकार है :—

कच्ची सामग्री का मूल्यांकन
(Valuation of Raw Materials)

जैसा कि पूर्व में लिखा जा चुका है कि कच्ची सामग्री उत्पादन में प्रयुक्त करने के उद्देश्य से क्रय की जाती है बेचने के उद्देश्य से नहीं। वर्ष के अन्त में जो कच्ची सामग्री शेष रह जाती है, उसके मूल्यांकन के सम्बन्ध में दो विचार धाराएँ प्रचलित हैं। एक विचारधारा के अनुसार कच्ची सामग्री का मूल्यांकन लागत मूल्य या बाजार मूल्य, जो भी दोनों में कम हो, पर किया जाना चाहिए। दूसरी विचारधारा के अनुसार, जो अधिक उपयुक्त है, कच्ची सामग्री का मूल्यांकन लागत मूल्य पर ही करना चाहिए। इस विचारधारा के अनुयायी यह तर्क प्रस्तुत करते हैं कि कच्ची सामग्री बेचने हेतु नहीं खरीदी जाती है इसलिए कच्ची सामग्री के मूल्यों में अस्थायी परिवर्तनों को ध्यान में नहीं रखना चाहिए। परन्तु यदि कच्ची सामग्री के मूल्यों में स्थायी रूप से गिरावट आई है तो इस विचारधारा के अनुसार भी ऐसी स्थिति में कच्ची सामग्री का मूल्यांकन बाजार मूल्य पर करना चाहिए। यदि कच्ची सामग्री का बाजार मूल्य स्थायी रूप से बढ़ गया है तो भी कच्ची सामग्री का मूल्यांकन लागत मूल्य पर ही किया जाना चाहिए।

एक व्यवसाय में लागत मूल्य का अर्थ भी अति भ्रामक है। किसी भी उत्पादन संस्थान में यह आवश्यक नहीं है कि कच्ची सामग्री एक बार में ही क्रय की जाय। व्यवसाय की आवश्यकतानुसार कच्ची सामग्री बार-बार

क्रय की जाती है। अतः लागत मूल्य-स्थिर न रह कर प्रत्येक क्रय के साथ परिवर्तित होता रहता है। स्कन्ध का लागत मूल्य ज्ञात करने के लिए अनेक स्वीकृत रीतियां हैं, जो निम्न प्रकार से हैं :—

(i) प्रथम आगमन, प्रथम निर्गमन रीति (First in, First out Method or FIFO Method)

(ii) अन्तिम आगमन, प्रथम निर्गमन रीति (Last in, First out Method or LIFO Method)

(iii) भारित औसत रीति (Weighted Average Method)

प्रथम आगमन, प्रथम निर्गमन रीति (FIFO Method) : यह रीति इस मान्यता पर आधारित है कि जो सामग्री पहले प्राप्त हुई है उसे ही पहले निर्गमित किया गया है। अतः जो सामग्री शेष रह गई है, उसका मूल्यांकन अन्तिम मूल्यों पर किया जावेगा। यह रीति अत्यन्त सरल है। इसका सबसे बडा लाभ यह है कि चूंकि स्कन्ध का मूल्य अन्तिम मूल्यो पर आंका जाता है अतः यह मूल्य प्रतिस्थापित मूल्य के अधिक समीप रहता है।

इस रीति के अन्तर्गत चाहे माल-भण्डार की भौतिक गणना कालान्तर पद्धति के अन्तर्गत की जाय अथवा निरन्तर पद्धति के अन्तर्गत की जाये, इन्वेंन्ट्री का मूल्यांकन दोनो ही स्थितियो मे एक समान रहता है।

अन्तिम आगमन, प्रथम निर्गमन इन्वेंन्ट्री रीति (LIFO Method) : इस रीति के अन्तर्गत सबसे अन्त मे जो सामग्री प्राप्त होती है, वह उपकार्यों को सबसे पहले निर्गमित की हुई मानी जाती है। इसका सबसे बड़ा लाभ यह है कि निर्मित वस्तु के लागत मूल्य मे वर्तमान मूल्य सम्मिलित किया जाता है जिससे निर्मित वस्तु का लागत मूल्य बाजार मूल्य के निकटतम रहता है। व्यवसाय मे जो सामग्री शेष रह जाती है, उसका मूल्यांकन प्रारम्भिक क्रयों की लागत के आधार पर किया जाता है। अतः चिठ्ठे में जो सामग्री का मूल्य प्रदर्शित किया जाता है, वह अत्यन्त पुराना होता है।

भारित औसत रीति (Weighted Average Method) : इस रीति के अन्तर्गत क्रय की गई सामग्री के कुल मूल्य में क्रय की गई सामग्री की कुल मात्रा का भाग दे दिया जाता है तथा इस प्रकार जो भागफल प्राप्त होता है, वह सामग्री का भारित औसत प्रति इकाई मूल्य होता है।

यदि स्कन्ध का शेष कालान्तर पद्धति (Periodic Method) द्वारा ज्ञात किया गया है तो स्कन्ध मे जितनी इकाइयां हैं, उन्हे भारित औसत मूल्य से गुणा कर देना चाहिए। जो गुणनफल प्राप्त होगा वह स्कन्ध का भारित औसत रीति द्वारा ज्ञात लागत मूल्य होगा।

यदि व्यवसाय मे सामग्री के आगमन तथा निर्गमन के लिए सामग्री खाता बही रखी गई है जिसमें स्कन्ध का शेष निरन्तर ज्ञात होता रहता है तो किसी अमुक तिथि को स्कन्ध के मूल्यांकन के लिए अलग से कोई प्रक्रिया अपनाने की आवश्यकता नही पड़ती है। सामग्री खाता बही द्वारा स्कन्ध का जो मूल्य प्रदर्शित किया जाता है, वही अमुक तिथि पर शेष रहे स्कन्ध का मूल्य होता है।

कालान्तर रीति (Periodic Method) के अन्तर्गत सामग्री का मूल्यांकन

Illustration 8.1 : The details of receipts of a particular commodity in X Ltd. are as follows :

एक्स लिमिटेड की किसी एक सामग्री की प्राप्तियो के विवरण निम्न प्रकार हैं :

1992

Jan. 1	Opening stock	400 Units @ Rs. 7 per Unit
Jan 8	Purchases	2,200 Units @ Rs. 8 per Unit
Jan. 23	Purchases	600 Units @ Rs. 9 per Unit
Jan. 30	Purchases	800 Units @ Rs. 10 per Unit

On 31st January, 1992 the physical checking of the whole stock revealed that 1,800 units are in stock. You are required to calculate the value of the stock under (i) FIFO method, (ii) LIFO method, and (iii) Weighted Average method.

31 जनवरी, 1992 को माल की भौतिक गणना से पता चला कि स्टॉक में 1,800 इकाइयां शेष हैं। आपको (i) प्रथम आगमन प्रथम निर्गमन रीति, (ii) अंतिम आगमन प्रथम निर्गमन रीति तथा (iii) भारित औसत रीति के अन्तर्गत स्कन्ध का मूल्य ज्ञात करना है।

Solution :

(i) Valuation of Inventory on First in First out Basis :

(Periodic Method)

		Rs.
Jan. 30 (Last Purchase)	800 Units × Rs. 10 per Unit	8,000
Jan. 23 (Next to Last Purchase)	600 Units × Rs. 9 per Unit	5,400
Jan. 8 (2nd Next to Last Purchase)	400 Units × Rs. 8 per Unit	3,200
Total	1,800 Units	16,600

(ii) Valuation of Inventory on Last in, First out Basis :

(Periodic Method)

	Quantity	Rate	Amount
		Rs.	Rs.
Jan. 1—Opening Inventory	400	7	2,800
Jan. 8—First Purchase after Opening Inventory	1,400	8	11,200
	1,800		14,000

(iii) Valuation of Inventory on Weighted Average Basis :

(Periodic Method)

Calculation of weighted average price per unit

Date of Purchase	No. of Units	Cost per Unit	Total Cost
		Rs.	Rs.
Jan. 1	400	7	2,800
Jan. [illegible]	2,200	8	17,600
Jan. 23	600	9	5,400
Jan. 30	800	10	8,000
Total	4,000		33,800

Weighted average Price = Rs. 33,800 ÷ 4,000 = Rs. 8·45 per unit
Cost Price of 1,800 units = 1,800 × Rs. 8·45 = Rs. 15,210.

Illustration 8·2 : The details of receipts and issues of a particular commodity in X Ltd. are as follows :

एक्स लिमिटेड की किसी एक सामग्री की प्राप्ति एवं निर्गमन का विवरण निम्न प्रकार है :

1992	Receipts	
Jan. 1	Opening Stock	400 units @ Rs. 7 Per Unit
Jan. [illegible]	Purchases	2,200 units @ Rs. 8 Per Unit
Jan 23	Purchases	600 units @ Rs. 9 Per Unit
Jan 30	Purchases	800 units @ Rs. 10 Per Unit

Issues—Jan. 6—200 units; Jan. 9—800 units, Jan 27—1,200 units.

You are required to calculate the value of the stock on 31st January according to (i) FIFO Method, (ii) LIFO Method, and (iii) Weighted Average Method if the Company keeps continuous record for receipt and issue of materials.

आपको (i) FIFO रीति, (ii) LIFO रीति, तथा (iii) भारित औसत रीति के आधार पर 31 जनवरी को शेष रही इकाइयों का मूल्य ज्ञात करना है, यह मानते हुए कि कम्पनी इकाइयों की प्राप्ति तथा निर्गमन के लिए नियमित हिसाब रखती है।

Solution :

(I) Valuation of Inventory on First in, First out basis

(Perpetual Method)

Stores Ledger Account

Date	Receipts				Issues				Balance		
	G. R. or M. R. No.	Quantity No. or Units	Rate	Amount	Req. No.	Quantity No. of Units	Rate	Amount	Qauntity	Rate	Amount
1992			Rs.	Rs.			Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Jan. 1	—	400	7	2,800	—		—	—	400	7	2,800
Jan. 6	—	—	—	—	—	200	7	1,400	200	7	1,400
									200	7	19,000
Jan. 8	—	2,200	8	17,600	—	—	—	—	2,200	8	
Jan. 9	—	—	—	—	—	200	7	6,200	1,600	8	12,800
						600	8		1,600	8	18,200
Jan. 23	—	600	9	5,400	—	—	—	—	600	9	
									400	8	8,600
Jan. 27	—	—	—	—	—	1,200	8	9,600	600	9	
									400	8	
									600	9	16,600
Jan. 30	—	800	10	8,000	—	—	—	—	800	10	

जनवरी 31, 1992 को जो कच्चा माल शेष रह गया है, उसका प्रथम आगम, प्रथम निर्गमन रीति के अनुसार, लागत मूल्य 16,600 रु० है।

टिप्पणियाँ : (i) जब सामग्री का हिसाब 'निरन्तर विधि' पर रखा जाता है तो व्यवसाय में शेष सामग्री के मूल्यांकन के लिए अलग से विवरण-पत्र तैयार करने की आवश्यकता नहीं है : व्यवसाय में जो सामग्री बही-खाता (Stores Ledger Account) रखा जाता है, उससे व्यवसाय में शेष रही कच्ची सामग्री का मूल्य ज्ञात किया जा सकता है।

(ii) Valuation of Inventory on Last in First out basis

(Perpetual Method)

Stores Ledger Account

Date	Receipts				Issues				Balance		
	G. R. or M.R. No.	No. of Units	Rate	Amount	Req. No.	No. of Units	Rate	Amount	No. of Units	Rate	Amount
1992			Rs.	Rs.			Rs.	Rs.		Rs.	Rs
Jan. 1	—	400	7	2,800	—	—	—	—	400	7	2,800
Jan. 6	—	—	—	—	—	200	7	1,400	200	7	1,400
Jan. 8	—	2,200	8	17,600	—	—	—	—	200 2,200	7 8	19,000
Jan. 9	—	—	—	—	—	800	8	6,400	200 1,400	7 8	12,600
Jan. 23	—	600	9	5,400	—	—	—	—	200 1,400 600	7 8 9	18,000
Jan. 27	—	—	—	—	—	600 600	9 8	10,200	200 800	7 8	7,800
Jan. 30	—	800	10	8,000	—	—	—	—	200 800 800	7 8 10	15,800

(iii) Valuation of Inventory on Weighted Average basis

(Perpetual Method)

Stores Ledger Account

Date	Receipts				Issues				Balance		
	G. R. or M.R. No.	No. of Units	Rate	Amount	Req. No.	No. of Units	Rate	Amount	No. of Units	Rate	Amount
			Rs.	Rs.			Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
1992 Jan. 1	—	400	7	2,800	—	—	—	—	400	7·00	2,800
Jan. 6	—	—	—	—	—	200	7	1,400	200	7·00	1,400
Jan. 8	—	2,200	8	17,600	—	—	—	—	2,400	7·92	19,000
Jan. 9	—	—	—	—	—	800	7·92	6,336	1,600	7·92	12,664
Jan. 23	—	600	9	5,400	—	—	—	—	2,200	8·21	18,064
Jan. 27	—	—	—	—	—	1,200	8·21	9,852	1,000	8·21	8,212
Jan. 30	—	800	10	8,000	—	—	—	—	1,800	9·01	16,212

विभिन्न रीतियों के अनुसार लागत मूल्य पर किये गए मूल्यांकन का तुलनात्मक अध्ययन : एक्स लिमिटेड के भण्डार में जो 1,800 इकाइयां शेष रही है, उनका विभिन्न रीतियों के अन्तर्गत मूल्यांकन निम्न प्रकार रहा है—

Basis of Valuation	Periodic System	Perpetual System
	Rs.	Rs.
First in, First out Method	16,600	16,600
Last in, First out Method	14,000	15,800
Weighted Average Method	15,210	16,212

उपरोक्त तालिका के अध्ययन से निम्नलिखित निष्कर्ष प्राप्त होते हैं—

(i) स्कन्ध की एक निश्चित मात्रा का मूल्यांकन विभिन्न रीतियों के अन्तर्गत विभिन्न राशियों पर किया गया है।

(ii) एक मात्रा के लिए विभिन्न रीतियों द्वारा प्राप्त किये गये लागत मूल्यों में बहुत अन्तर है।

(iii) 'प्रथम आगमन तथा प्रथम निर्गमन रीति' (First in, First out method) को छोड़कर अन्य रीतियों के अन्तर्गत माल के मूल्यांकन की वही रीति अपनाने पर भी स्टॉक की गणना कालान्तर पद्धति एवं निरन्तर पद्धति के अनुसार करने से अलग-अलग निष्कर्ष निकलते हैं।

(iv) भारित औसत रीति से ज्ञात किया गया माल का लागत मूल्य 'प्रथम आगमन प्रथम निर्गमन रीति' से ज्ञात किए गए लागत मूल्य और 'अन्तिम आगमन प्रथम निर्गमन रीति' से ज्ञात किए गए लागत मूल्य के लगभग मध्य पड़ता है।

(v) 'प्रथम आगमन प्रथम निर्गमन रीति' द्वारा माल का जो मूल्यांकन किया जाता है, बढ़ते हुए कीमत स्तर के समय वह सर्वाधिक होता है और बाजार मूल्य के सन्निकट रहता है।

(vi) 'अन्तिम आगमन प्रथम निर्गमन रीति' के अन्तर्गत, बढ़ते हुए कीमत स्तर के समय माल का मूल्यांकन न्यूनतम रहता है और वह बहुत पुराने मूल्यों को व्यक्त करता है।

आधार शेष माल पद्धति (Base Stock Method : यह रीति इस सिद्धान्त पर आधारित है कि प्रत्येक औद्योगिक संस्था को कच्चे माल की न्यूनतम स्तर (Minimum Stock Level) तक की मात्रा सदैव रखनी पड़ती है। चूँकि इस न्यूनतम माल की भौतिक रूप से सदैव उपस्थिति व्यवसाय में आवश्यक है, अतः लेखापाल सामग्री की इस मात्रा के व्यय को स्थायी सम्पत्तियों पर व्यय के समान समझते हैं और जिस प्रकार स्थायी सम्पत्तियों का मूल्यांकन उनके लागत मूल्य पर ही किया जाता है, और बाजार मूल्य का कोई ध्यान नहीं दिया जाता, उसी प्रकार इस न्यूनतम मात्रा के माल के लिए जो प्रारम्भ में ही व्यय कर लिया गया है, स्थाई सम्पत्तियों के समान मूल्यांकन किया जाता है। अर्थात् इस मात्रा के माल के लिए बाजार मूल्य को ध्यान में नहीं रखा जाता है। व्यवसाय में प्रयुक्त तिथि को जब स्कन्ध की गणना की जाती है तो इस न्यूनतम मात्रा से आधिक्य की राशि क माल के लिए स्टॉक के मूल्यांकन की वे ही रीतियाँ अपनाई जाती हैं जिन्हें ऊपर समझाया गया है। इस प्रकार आधार शेष माल रीति में स्कन्ध का मूल्यांकन दो रीतियों से होता है—प्रथम न्यूनतम स्कन्ध का मूल्यांकन स्थायी सम्पत्तियों के समान तथा शेष स्कन्ध का मूल्यांकन चालू सम्पत्तियों के समान।

यहाँ इस बात को स्पष्ट कर देना उचित होगा कि यह रीति लोकप्रिय नहीं है तथा आयकर अधिनियम के अन्तर्गत भी मान्य नहीं है।

Illustration 8·3 : B Ltd started its business on 1st January, 1992 and purchased on that date 200 units of a commodity at Rs. 1,000. It wants to treat it a base stock. The company purchased 1,000 units on 15 March, 1992 at Rs. 5 50 per unit, 3,000 units on 16th June, 1992 at Rs 5·57 per unit and 4,000 units on 15th October, 1992 at Rs 5 60 per unit On account of rationing introduced by the government in the month of December, the per unit price of this commodity has fallen to Rs. 4·50. 500 units are in stock on 31st December, 1992. You are required to calculate the value of inventory if the company adopts Base Stock method for valuation of its inventory.

बी लिमिटेड ने 1 जनवरी, 1992 से अपना व्यवसाय प्रारम्भ किया। उसने एक सामग्री की 200 इकाइयां 1,000 रु० में खरीदी। कम्पनी इतनी सामग्री को आधार स्टॉक के रूप में व्यवहार करना चाहती है। कम्पनी ने मार्च 15, 1992 को 1,000 इकाइयां 5 50 रु० प्रति इकाई पर, 15 जून, 1992 को 3,000

इकाईयां 5.75 रु० प्रति इकाई पर, 15 अक्टूबर, 1992 को 4,000 इकाईयां 5.60 रु० प्रति इकाई पर खरीदी। दिसम्बर माह में इस सामग्री पर सरकार द्वारा नियन्त्रण स्थापित करने के कारण प्रति इकाई मूल्य 4·50 रु० गिर गया है। 31 दिसम्बर, 1992 को 500 इकाईयां स्टॉक में शेष हैं। आपको स्कन्ध के मूल्य की 'आधार शेष माल रीति' पर गणना करनी है।

Solution : 31 दिसम्बर, 1992 को व्यवसाय में 500 इकाईयां शेष है। इनमें से 200 इकाईयों का मूल्यांकन स्थायी सम्पत्ति के समान किया जाएगा तथा शेष 300 इकाईयों का मूल्यांकन लागत मूल्य, जो भी दोनों में से कम है, उस पर किया जायेगा।

Statement Showing Valuation of Inventory (Base Stock Method)

No. of Units	Bases of Valuation	Amount Rs.
200	Cost Price	1,000
300	Cost on FIFO Method or Market Price whichever is lower i.e. lower of (i) 300 units × Rs. 5·60 = Rs. 1,680 (ii) 300 units × Rs. 4·50 = Rs. 1,350	1,350
500	Valution of Inventory	2,350

भारतीय चार्टर्ड अकाउण्टेंट संस्थान द्वारा जारी किये गये 'लेखा प्रमाप सं.-2' में कच्ची सामग्री के स्कन्ध के मूल्यांकन के लिए FIFO, LIFO एवं औसत लागत विधि को मान्यता प्रदान की है। आधार शेष माल पद्धति का प्रयोग अपवादजनक परिस्थितियों में ही करने को कहा गया है। इस लेखा प्रमाप का विस्तृत विवरण इस पुस्तक के अध्याय 11 में दिया गया है।

अर्द्ध-निर्मित माल (Work in Progress) का मूल्यांकन

अर्द्ध-निर्मित माल के मूल्यांकन के सम्बन्ध में भी अनेक विचारधाराएँ हैं, परन्तु उनमें से दो विचारधाराएँ प्रमुख है। उनमें से एक विचारधारा के अनुसार अर्द्ध-निर्मित माल का मूल्यांकन मूल लागत (Prime Cost) पर किया जाना चाहिए तथा इसमे उपरिव्यय नहीं जोड़े जाने चाहिए। यह विचारधारा संकुचित दृष्टिकोण पर आधारित है। दूसरी विचारधारा के अनुसार मूल लागत के अतिरिक्त कारखाना उपरिव्ययों का अनुपातिक भाग भी लागत मूल्य में जोड़ना चाहिए। दूसरा दृष्टिकोण अधिक यथार्थवादी लगता है क्योंकि अर्द्ध-निर्मित माल ऐसी अवस्था में होता है जिसको उस अवस्था में लाने के लिए कुछ कारखाना उपरिव्यय अवश्य करने पड़ते हैं।

Illustration 8.4 : From the following data, calculate the value of 'work in progress' as on 31st December, 1992 :

निम्नलिखित आंकड़ों से 31 दिसम्बर, 1992 को अर्द्ध-निर्मित माल के मूल्य की गणना कीजिए :

Raw Material consumed	Rs. 20,000
Direct Labour Cost	Rs. 30,000
Direct Expenses	Rs. 5,000

Factory overhead @ 80 per cent of direct labour cost and office overhead @ 15% to works cost are charged in respect of finished goods. 4,000 units were manufactured as finished stock during the year and 1,000 units are still incomplete. It ■ the practice to charge factory overhead @ 40% on direct labour cost for the valuation purpose of incomplete units.

निर्मित माल के लिए प्रत्यक्ष श्रम लागत का 80 प्रतिशत कारखाना उपरिव्यय के रूप मे तथा कारखाना लागत का 15 प्रतिशत कार्यालय उपरिव्यय के रूप मे चार्ज किए जाते हैं। वर्ष मे 4,000 इकाईया तैयार माल के रूप मे निर्मित की गई हैं और 1,000 इकाईया अपूर्ण हैं। अपूर्ण इकाईयों के मूल्यांकन हेतु प्रत्यक्ष श्रम लागत का 40 प्रतिशत कारखाना उपरिव्यय के रूप मे चार्ज किया जाता हैं।

Solution :

Valuation of Work-in-progress as at 31st December 1992

Work-i ı-progress 1,000 units

	Rs
Cost of Raw Material Consumed Rs. (20,000 × 1,000) ÷ 5,000	4,000
Direct Labour Cost Rs. (30,000 × 1,0)0) ÷ 5,000	6,000
Direct Expenses Rs. (5,000 × 1,000) ÷ 5,000	1,000
Prime Cost	11,000
Add Factory Overhead 40% on Direct Labour Cost	2,400
Value of work-in-progress	13,400

टिप्पणी : यद्यं-निर्मित माल का मूल्यांकन करने के लिए कार्यालय उपरिव्यय नही जोड़े जाते हैं।

तैयार माल का मूल्यांकन (Valuation of Finished Goods)

तैयार माल के मूल्यांकन हेतु सर्वप्रथम स्कन्ध की गणना करनी पड़ती है। जिन सस्थाओ में तैयार माल के निर्माण/क्रय एव विक्रय के लिए नियमित हिसाब रखा जाता है, उन सस्थाओ मे भी लेखों द्वारा प्रदर्शित स्कन्ध की सत्यता की जानकारी हेतु भौतिक जाच द्वारा वास्तविक स्टॉक की गणना की जाती है। इस प्रकार जो स्टॉक आता है, उसका उचित रीति द्वारा मूल्यांकन कर लिया जाता है।

माल की वास्तविक भौतिक गणना (Actual Stock Taking) : माल की गणना करते समय माल की विभिन्न किस्मों के लिए विभिन्न सूचिया बना ली जाती हैं।

(i) सूची बनाते समय माल को गिनने, तौलने अथवा मापने मे सावधानी रखनी चाहिए।

(ii) ऐसा माल जिस पर व्यवसाय का स्वामित्व है तथा अन्य व्यक्तियो के पास रखा हुआ है, उसे स्कन्ध मे सम्मिलित करना चाहिए। चालानो पर भेजे गए माल, स्वीकृति पर माल आदि इस प्रकार के माल की श्रेणी मे आते हैं।

(iii) इस प्रकार का माल जिस पर व्यवसायी का स्वामित्व नहीं है परन्तु उसके पास रखा हुआ है, उसे स्कन्ध मे सम्मिलित नही करना चाहिए।

(iv) स्थायी सम्पत्तियों को माल सूचियों मे सम्मिलित नहीं करना चाहिए।

(v) स्कन्ध मे ऐसे समस्त माल को सम्मिलित कर लेना चाहिए जिसका स्वामित्व व्यवसायी को प्राप्त हो गया है, चाहे उसे उसका अधिकार मिला है अथवा नहीं। उदाहरणार्थ, यदि एक व्यवसायी ने माल खरीदा है और वह माल मार्ग में है और उस माल से सम्बन्धित स्वामित्व व्यवसायी को हस्तान्तरण हो चुका है तो व्यवसायी को इस माल को स्कन्ध में सम्मिलित करना चाहिए।

(vi) ऐसा माल जो विक्रय कर दिया गया है तथा जिसका स्वामित्व क्रेता को हस्तान्तरित हो गया है, उस माल को माल स्कन्ध मे सम्मिलित नहीं करना चाहिए, चाहे वह माल गोदाम में ही रखा हुआ है।

(vii) एक व्यवसाय में तो माल पर स्वामित्व के प्राप्त होने एवं हस्तांतरण सम्बन्धी तथ्यों की जानकारी व्यवसाय में एकत्रित सूचनाओं के आधार पर की जा सकती है। परन्तु बहुधा प्रश्न पत्रों में भाषा इतनी संदिग्ध रहती है कि स्वामित्व के प्राप्त होने एवं हस्तान्तरण सम्बन्धी तथ्यों का ज्ञान नहीं हो सकता है। ऐसी स्थिति में सम्बन्धित अवधि की क्रय एवं विक्रय के निर्धारण के निम्नलिखित नियम हैं :

(अ) यदि कोई माल खरीदा गया है और वह खरीदे जाने वाली अवधि में ही प्राप्त हो गया है तो वह खरीद उस अवधि की खरीद मानी जायेगी;

(ब) यदि कोई माल एक अवधि में क्रय किया गया है परन्तु वह उससे आगे आने वाली अवधि में प्राप्त होता है तो वह क्रय आगे आने वाली अवधि की मानी जायेगी;

(स) यदि माल एक अवधि में विक्रय किया गया है तथा उसी अवधि में प्रेषित कर दिया गया है तो वह उस अवधि की बिक्री मानी जायेगी;

(द) यदि माल एक अवधि मे विक्रय किया गया है परन्तु उसका प्रेषण आगे आने वाली अवधि में किया जाता है तो वह बिक्री आगे आने वाली अवधि की मानी जायेगी।

अन्तिम स्टॉक का मूल्य ज्ञात करना :

एक उत्पादक संस्था अथवा तैयार माल के क्रय-विक्रय करने वाले एक व्यवसायी, दोनों, की स्थिति में तैयार माल का मूल्यांकन लागत अथवा बाजार मूल्य, दोनों में जो कम हो, उसी मूल्य पर करना चाहिए। तैयार माल में जब एक ही प्रकार की वस्तु सम्मिलित होती है तो उसके लागत मूल्य या बाजार मूल्य, दोनों में से कम मूल्य को ज्ञात करने में दुविधा नहीं होती है; परन्तु जब तैयार माल में एक से अधिक प्रकार की वस्तुएं सम्मिलित होती हैं तो इन भिन्न-भिन्न वस्तुओं में किसी का बाजार मूल्य कम होता है तो किसी का लागत मूल्य कम होता [redacted]। ऐसी स्थिति में इन वस्तुओं का मूल्यांकन निम्न दो रीतियों में से किसी एक द्वारा किया जा सकता है :

(ii) सामूहिक रीति (Global Method) : इस रीति के अन्तर्गत भिन्न-भिन्न प्रकार की वस्तुओं का सामूहिक लागत मूल्य व सामूहिक बाजार मूल्य ज्ञात कर लिया जाता है और दोनों मूल्यों में से जो कम मूल्य होता है, वही तैयार माल का मूल्य माना जाता है।

(ii) छटांव व चुनाव रीति (Pick and Choose Method) : इस रीति के अन्तर्गत प्रत्येक किस्म की वस्तु का लागत मूल्य अथवा बाजार मूल्य अलग-अलग ज्ञात किया जाता है और इन दोनों में से जो कम मूल्य है, वह उस वस्तु का मूल्यांकन माना जाता है। इस आधार पर व्यवसाय की भिन्न-भिन्न वस्तुओं के सम्मुख उसका मूल्य (लागत मूल्य या बाजार मूल्य जो भी कम हो) लिख दिया जाता है। तत्पश्चात् भिन्न-भिन्न वस्तुओं के ज्ञात किए गए मूल्यों का योग ज्ञात कर लिया जाता है। इस रीति के अनुसार वह योग ही तैयार माल का मूल्यांकन माना जाता है।

Illustration 85 : The stock-taking by a trader gives you the following information :
एक व्यवसायी की स्टॉक गणना निम्नलिखित सूचनाएं प्रस्तुत करती है :

Articles	No. of units	Cost Price (per unit)	Market Price (per unit)
J	200	100	110
K	300	40	38
L	600	30	26
M	1,000	20	22
N	800	20	18

Calculate the value of inventory according to (i) 'Global Method' and (ii) 'Pick and Choose Method'.

इन्वेंट्री का मूल्यांकन (i) सामूहिक रीति तथा (iii) 'छटांव व चुनाव रीति' से ज्ञात कीजिए :

Solution :

(i) Valuation of Inventory (Global Method) :

Articles	No. of units	Cost price of total units	Market price of total units
		Rs.	Rs.
J	200	20,000	22,000
K	300	12,000	11,400
L	600	18,000	15,600
M	1,000	20,000	22,000
N	800	16,000	14,400
Total	2,900	86,000	85,400

सामूहिक रीति के अनुसार अन्तिम स्टॉक का मूल्य 85,400 रु० होगा।

(ii) Valuation of Inventory (Pick and Choose Method) :

Articles	No. of units	Cost price of total units	Market price of total units	Lower of cost or market price of total units
		Rs.	Rs.	Rs.
J	200	20,000	22,000	20,000
K	300	12,000	11,400	11,400
L	600	18,000	15,600	15,600
M	1,000	20,000	22,000	20,000
N	800	16,000	14,400	14,400
Total	2,900	86,000	85 400	81,400

छटाव तथा चुनाव रीति (Pick and Choose Method) के अनुसार स्टॉक का मूल्य 81,400 रु० होगा।

अन्तिम स्टॉक की गणना वित्तीय वर्ष की अन्तिम तिथि से पूर्व अथवा बाद की तिथि को करना

अन्तिम खातों में वित्तीय वर्ष के अन्तिम दिन का स्कन्ध सम्मिलित किया जाता है, परन्तु कभी-कभी व्यावसायिक कठिनाइयों के कारण वित्तीय वर्ष के अन्तिम दिन स्कन्ध की गणना करना सम्भव नहीं होता है। यह गणना या तो वित्तीय वर्ष के पूर्व सम्पन्न की जाती है या इसके बाद की किसी अन्य तिथि को सम्पन्न की जाती है। ऐसी अवस्था में वित्तीय वर्ष की अन्तिम तिथि को स्कन्ध की स्थिति ज्ञात करने हेतु आवश्यक समायोजन करने पड़ते हैं। यह समायोजन निम्न प्रकार किया जाता है :

1. स्कन्ध की गणना अन्तिम तिथि से पूर्व अन्य किसी तिथि को करना : यदि स्कन्ध की गणना वित्तीय वर्ष की अन्तिम तिथि से पूर्व किसी अन्य तिथि को करली गई है तो इस की गणना करने की तिथि से वित्तीय वर्ष की अन्तिम तिथि तक के क्रय, विक्रय, क्रय वापसी तथा विक्रय वापसी के लिए निम्न प्रकार समायोजन करने होंगे :

(अ) जिस तिथि को स्कन्ध की गणना की गई है, उसे आधार मान लेना चाहिए;

(ब) स्कन्ध की गणना की तिथि से वित्तीय वर्ष की अन्तिम तिथि तक की क्रय ज्ञात करनी चाहिए और उसको आधार में जोड़ देना चाहिए;

(स) गणना की तिथि से वर्ष की अन्तिम तिथि तक की गई क्रय वापसी को आधार में से घटा देना चाहिए;

(द) गणना की तिथि से वर्ष की अन्तिम तिथि तक की बिक्री ज्ञात करनी चाहिए। इस बिक्री का क्रय

(iii) In June, 1992 goods were sent to a customer on sale or return basis. The sale price was Rs. 2,100. The goods were still returnable by the customer on 30th June, 1992. It was recorded as sale on 9th July, 1992.

(iv) Goods purchased and received by the trader on 10th July, 1992 amounted to Rs. 550.

The trader makes a gross profit of $33\frac{1}{3}\%$ on sales.

व्यापारी अपनी बिक्री पर $33\frac{1}{3}$ प्रतिशत का सकल लाभ अर्जित करता है। (R. U. M. Com.)

Solution :

Statement Showing Value of Closing Stock
on 30th June, 1992

	Rs.
Value of Closing Stock on 7th July, 1992	20,500
Less : Purchases being made between 1st and 7th July, 1992	500
	20,000
Add . Cost of goods sold between 1st to 7th July, 1992 $= \frac{200}{3} \times \frac{1}{100} \times \frac{3,000}{1}$	2,000
	22,000
Add : Cost of goods sold on sale or return basis $= \frac{200}{3} \times \frac{1}{100} \times \frac{2,100}{1}$	1,400
Value of Stock on 30th June, 1992	23,400

Illustration 87 : X Ltd. makes up its accounts to 31st December each year. The company was unable to take stock by physical inventory till 14th January, 1992, on which date the stock at cost was valued at Rs. 1,85,000. It was therefore necessary to estimate the value of stock in hand on 31st December, 1991.

You ascertain the following facts regarding the period from 1st January to 14th January, 1992 :

(a) Purchases totalled Rs. 48,000 and included : (i) Rs. 5,000 in respect of goods received in December 1991; (ii) Rs. 6,000 in respect of goods received on 19th January, 1992; and (iii) Rs. 2,000 in respect of goods received but returned to suppliers on 7th January, 1992 for which no credit note has been received or passed through the books.

(b) Sales totalled Rs. 60,000 and included : Rs. 1,500 in respect of goods which left the warehouse on 28th December, 1991; (iii) Rs. 2,800 in respect of goods which were not despatched until 16th January, 1992; (iii) Rs. 750 in respect of goods invoiced and despatched on 10th January, 1992 but returned by the customers on 12th January, 1992 for which no credit note had been passed but which were in fact included in the stock taken on 14th January, 1992.

(c) Other returns to suppliers totalled Rs. 1,400 and other returns by customers were Rs. 450.

(d) The rate of gross profit was 25% on the selling price with the exception of an isolated purchase on 7th January, *1992 of 100 similar articles which had cost Rs. 11,000.* Of these articles, 50 were sold on 7th January, 1992 for Rs. 6,500 and the remainder had been included at cost in the stock taken on 14th January, 1992.

Prepare a statement showing the estimated value of stock held on 31st December, 1991, at cost.

एक्स लिमिटेड अपने खाते प्रति वर्ष 31 दिसम्बर को तैयार करते है। कम्पनी अपने स्टॉक की भौतिक गणना 14 जनवरी, 1992 तक करने मे असमर्थ रही और इस दिन स्कन्ध को लागत पर 1,85,000 रु० मूल्यांकन किया गया। अतः 31 दिसम्बर, 1991 को स्टॉक के मूल्य का अनुमान लगाना आवश्यक था।

1 जनवरी से 14 जनवरी 1992 तक की अवधि से सम्बन्धित निम्नलिखित तथ्य आपको ज्ञात होते हैं :

(अ) क्रय कुल 48,000 रु० की हुई और इसमें ये सम्मिलित थे : (i) दिसम्बर, 1991 में प्राप्त माल के सम्बन्ध में 5,000 रु०; (ii) 19 जनवरी, 1992 को प्राप्त माल के सम्बन्ध मे 6,000 रु०; तथा (iii) 2,000 रु० का माल जो प्राप्त हो प्राप्त हो गया है किन्तु विक्रेताओं को 7 जनवरी, 1992 को लौटाया गया तथा जिसके लिए कोई जमा की चिट्ठी प्राप्त नही हुई है अथवा पुस्तकों मे दर्ज नही की गई है।

(ब) विक्री कुल 60,000 रु० की हुई तथा इसमें ये सम्मिलित थे : (i) उस माल के सम्बन्ध में 1,500 रु० जो कि 28 दिसम्बर, 1991 को गोदाम से बाहर जा चुका था; (ii) उस माल के सम्बन्ध में 2,800 रु० जो कि 16 जनवरी 1992 तक प्रेषित नही किया गया था; (iii) उस माल के सम्बन्ध में 750 रु० जो कि 10 जनवरी, 1992 को प्रेषित किया जा चुका था व जिसका बीजक बन गया था परन्तु उक्त माल ग्राहक द्वारा 12 जनवरी, 1992 को लौटा दिया गया तथा जिसके लिए कोई जमा की चिट्ठी दर्ज नही की गई। यह माल वास्तव में 14 जनवरी, 1992 को स्टॉक की गणना में सम्मिलित कर लिया गया था।

(स) विक्रेताओं को माल की अन्य वापसियां 1,400 रु० की तथा ग्राहकों द्वारा माल की अन्य वापसियां 450 रु० की थी।

(द) सकल लाभ की दर विक्रय मूल्य पर 25 प्रतिशत थी, एक अकेले क्रय को छोड़कर जिसमे 7 जनवरी, 1992 को 100 इकाइयां 11,000 रु० के लागत मूल्य पर खरीदी गई थी। इन इकाइयो में से 50 इकाइयां 7 जनवरी, 1992 को 6,500 रु० मे बेची गई और शेष इकाइयां 14 जनवरी, 1992 को स्टॉक गणना में लागत मूल्य पर सम्मिलित की गई।

31 दिसम्बर, 1991 को स्कन्ध को लागत पर अनुमानित मूल्य दिखाते हुए विवरण पत्र तैयार कीजिए।

(Adapted C.A. Final)

Solution :

स्टॉक 31 दिसम्बर, 1991 के बजाय 14 जनवरी, 1992 को लिया गया है। अतः 31 दिसम्बर को

स्टॉक का मूल्य ज्ञात करने के लिए 1 जनवरी से 14 जनवरी तक क्रय किये गये माल की राशि घटा दी जायेगी क्योंकि यह माल उस स्टॉक मे सम्मिलित नहीं होना चाहिए। साथ ही इस अवधि मे जो माल बेचा गया है, उसका लागत मूल्य ज्ञात किया जावेगा और उस लागत मूल्य को स्टॉक के मूल्य मे जोड़ दिया जावेगा।

प्रस्तुत प्रश्न मे 1 जनवरी से 14 जनवरी की जो खरीद दी गई है, वह इस अवधि से ही सम्बन्धित नही है। इसमे बहुत सी ऐसी खरीद जो इस अवधि से सम्बन्धित नही है, सम्मिलित है अतः सम्बन्धित अवधि की क्रय ज्ञात करने के लिए आवश्यक समायोजन करने पड़ेंगे। इसी प्रकार 1 जनवरी से 14 जनवरी तक की बिक्री मे भी आवश्यक समायोजन करने होगे।

1 जनवरी से 14 जनवरी 1992 तक की क्रय ज्ञात करना :

		Rs.	Rs.
	Purchases as given		48,000
Less :	Goods received before 1-1-92	5,000	
	Goods received after 14-1-92	6,500	
	Goods returned but not entered in the books	2,000	
	Goods returned and entered in the books	1,400	14,400
	Adjusted Purchases		33,600

1 जनवरी से 14 जनवरी, 1992 तक की बिक्री ज्ञात करना :

		Rs.	Rs.
	Sales (from 1-1-92 to 14-1-92 as given)		60,000
Less :	Goods despatched before 1-1-1992	1,500	
	Goods despatched after 14-1-92	2,800	
	Goods returned but not enterd in the books	750	
	Goods returned by customers and entered in the books	450	5,500
	Adjusted Sales		54,500
Less :	Sales which do not carry normal rate of gross profit		6,500
	Adjusted Sales which carry normal rate of gross profit		48,000

1 जनवरी, से 14 जनवरी 1992 की अवधि में की गई बिक्री का लागत मूल्य निम्न प्रकार ज्ञात किया गया है—

	Rs.
Rate of Gross Profit—25% on sales	
Cost of sales of goods carrying normal rate of profit Rs $(48{,}000 \times 75/100)$	36,000
Cost Price of 50 items—sold on special rate—Rs. 11,000 ÷ 2	5,500
Cost Price of total sales	41,500

Calculation of Closing Stock on 31st December, 1991	Rs.
Closing Stock on 14th January, 1992	1,85,000
Add : Cost of adjusted total sales made between 1st January to 14th January, 1992	41,500
	2,26,500
Less : Purchases made between 1st January to 14th January, 1992	33,600
Value of Closing Stock on 31st December, 1991	1,92,900

अन्तिम स्कन्ध का मूल्य सकल लाभ रीति (Gross Profit Method) द्वारा ज्ञात करना :

इस रीति के अन्तर्गत स्कन्ध की गणना करके उसका मूल्यांकन नहीं करना पड़ता है। सर्वप्रथम बिक्री योग्य माल का लागत मूल्य ज्ञात कर लिया जाता है, उसमें से बेचे गये माल का लागत मूल्य घटा दिया जाता है, जो राशि शेष रहती है, वही स्कन्ध का अनुमानित लागत मूल्य है। यह रीति अत्यन्त सरल है, परन्तु स्कन्ध के सही मूल्यांकन के लिए उसी अवस्था में प्रयोग में लाई जा सकती है जबकि व्यवसायी माल के लागत मूल्य पर या बिक्री मूल्य पर एक निश्चित अनुपात से लाभ वसूल करता है। बहुत से विभागीय भण्डार अपने विभिन्न भण्डारों के माल की गणना के लिए इस रीति का प्रयोग करते हैं। यदि माल अग्नि से जल जाता है या अन्य किसी प्राकृतिक प्रकोप से नष्ट हो जाता है तो नष्ट हुए माल का मूल्यांकन इस रीति द्वारा किया जा सकता है।

कभी-कभी प्रश्न पत्रों में लाभ की दर नहीं दी रहती है, परन्तु लाभ की दर ज्ञात करने के लिए पर्याप्त सामग्री दी हुई रहती है। ऐसी स्थिति में गत वर्ष का व्यापारिक खाता (Trading Account) बनाकर लाभ ज्ञात करना चाहिए। तत्पश्चात् उन लाभों की बिक्री पर प्रतिशत ज्ञात करना चाहिए। नष्ट हुए माल का मूल्यांकन करते समय इस प्रकार से ज्ञात किए गए लाभ को आधार बनाया जा सकता है।

Illustration 8·8 : Delight Stores supplies you the following data. Calculate the value of inventory as on 31st March, 1992.

डिलाइट स्टोर्स आपको निम्न समंक प्रस्तुत करते हैं। आपको 31 मार्च, 1992 को उनकी इन्वेंट्री का मूल्यांकन करना है :

	Rs.		Rs.
Opening Stock at Cost	3,00,000	Sales	20,05,000
Purchases	15,01,000	Sales Returns	5,000
Purchases Returns	1,000	Average rate of G. P. on net sales for past years	25%

Solution :

Memorandum Trading Account
for the year ended 31st March, 1992

	Rs	Rs		Rs.	Rs.
To Stock		3,00,000	By Sales	20,05,000	
To Purchases	15 01,000		*Less* : Returns	5,000	20,00,000
Less : Returns	1,000	15,00,000			
			By Closing Stock		
To Gross Profit (25% on Sales)		5,00,000	(*Balancing figure*)		3,00,000
		23,00,000			23,00,000

Illustration 8.9 : A fire occured in the premises of B Ltd. on 30th June, 1992. All stocks were destroyed except to the extent of Rs. 10,000. From the information given below, calculate the value of Stok burnt by fire on 30th June, 1992 :

30 जून, 1992 को बी लिमिटेड के भवन में आग लग गई। इसमें 10,000 रु० के स्टॉक को छोड़कर समस्त स्टॉक जल गया। निम्नलिखित सूचनाओं के आधार पर 30 जून, 1992 को आग से जल गये स्टॉक का लागत मूल्य ज्ञात कीजिए :

	Rs.
Stock on 1st January, 1991	90,000
Purchases less returns during 1991	10,00,000
Sales less returns during 1991	15,00,000
Stock on 31st December, 1991	1,80,000
Purchases Less returns from 1st January, 1992 to 30th June, 1992	7,00,000
Sales less returns from 1st Jan. 1992 to 30th June, 1992	10,00,000

It was the practice of the company to value stock at cost less 10 per cent.

कम्पनी की यह प्रथा थी कि स्टॉक का मूल्यांकन लागत मूल्य से 10 प्रतिशत कम मूल्य पर किया जाए।

(R. U. B Com. Hons. Pt. II)

Solution : चूंकि सकल लाभ की दर नहीं दी हुई है, अतः सर्वप्रथम वित्तीय वर्ष 1991 का व्यापार खाता (Trading Account) बनाकर बिक्री पर सकल लाभ की दर ज्ञात की गई है, जो निम्न प्रकार है :

Trading Account
for the year ending 31st December, 1991

	Rs.		Rs.
To Stock	1,00,000	By Sales less returns	15,00,000
To Purchase, less returns	10,00,000	By Closing Stock	2,00,000
To Gross Profit	6,00,000		
	17,00,000		17,00,000

बिक्री पर सकल लाभ की दर :

$$= \frac{\text{लाभ}}{\text{बिक्री}} \times 100 \text{ या } \frac{6,00,000}{15,00,000} \times 100 = 40\%$$

Memorandum Trading Account
for the half year ending 30th June, 1992

	Rs.		Rs.
To Opening Stock	2,00,000	By Sales less returns	10,00,000
To Purchases less returns	7,00,000	By Closing Stock	
To Gross Profit (40% on Sales)	4,00,000	*(Balancing figure)*	3,00,000
	13,00,000		13,00,000

30 जून, 1992 को जो माल जल गया है उसका मूल्य है = 3,00,000 रु० – 10,000 रु० अर्थात् 2,90,000 रु० ।

Illustration 8.10 : On 15th June, 1992, the premises of D. Ram were destroyed by fire but sufficient records were saved from which the following particulars were ascertained :

15 जून, 1992 को डी० राम का भवन अग्नि से नष्ट हो गया परन्तु पर्याप्त अभिलेख शेष रह गये जिनसे निम्नलिखित विवरण प्राप्त होते हैं :

	Rs.
Stock at Cost, 1st January, 1991	73,500
Stock at Cost, 31st December, 1991	79,600
Purchases less returns, for the year ended 31st December, 1991	3,98,000
Sales less returns, for the year ended 31st December, 1991	4,87,000
Purchases less returns, 1st January to 15th June, 1992	1 62,000
Sales less returns, 1st January 1992 to 15th June, 1992	2,31,200

In valuing stock for Balance Sheet at 31st December, 1991 Rs. 2,000 had been written off for certain stock which was of a poor selling line, having costed Rs 6,900. A portion of these goods was sold in March 1992 at a loss of Rs. 250 on the original cost of Rs. 3,45 0. The remainder of this stock was now estimated to be worth the original cost. Subject to the above exception, gross profit had remained at uniform rate throughout.

The stock salvaged was Rs. 5,800. Calculate the value of stock destroyed by fire.

31 दिसम्बर, 1991 को चिट्ठे के लिए स्टॉक का मूल्यांकन करते समय 2,300 रु० एक निश्चित प्रकार के माल में से अपलिखित किये गए जो बिकने योग्य नहीं था तथा जिसका लागत मूल्य 6,900 रु० था। इस माल का एक भाग मार्च, 1992 में 3,450 रु० की मूल लागत पर 250 रु० की हानि पर विक्रय किया गया। इस माल का शेष भाग अब मूल लागत के बराबर स्वीकृत किया गया। उपरोक्त अपवादों को छोड़कर, सकल लाभ लगातार एक समान दर पर रहा है। शेष बचा हुआ माल 5,800 रु० का था।

अग्नि से नष्ट हुए माल का मूल्य ज्ञात कीजिए। (R. U. I Year T. D C.)

Solution :

Trading Account
for the year ending 31st December, 1991

	Rs			Rs.
To Opening Stock	73,500	By Sales less returns		4,87,000
To Purchases less returns	3,98,000	By Closing Stock as per	Rs.	
To Gross Profit	97,400	valution	79,600	
		Add : Amount		
		written off	2,300	81,900
	5,68,900			5,68,900

बिक्री पर सकल लाभ की दर निम्न प्रकार ज्ञात की गई है $= \frac{97,400 \times 100}{4,87,000} = 20\%$

Memorandum Trading Account upto 15th June, 1992

Particulars	Normal items	Abnormal items	Total	Particulars	Normal items	Abnormal items	Total
	Rs.	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.	Rs.
To Opening Stock	75,000	6,900	81,900	*By Sales*	*2,28,000*	*3,200*	*2,31,200*
To Purchases	1,62,000	—	1,62,000	By Loss	—	250	250
To Gross Profit : 20% on Rs. 2,28,000	45,600	—	45,600	By Closing Stock (Balancing Figure)	54,600	3,450	58,050
	2,82,600	6,900	2,89,500		2,82.600	6,900	2,89,500

	रु०	
15 जून, 1992 को स्टॉक का मूल्य	58,050	= 52,250
घटाइए बचा हुआ माल	5,800	अग्नि द्वारा नष्ट माल

स्टोर्स एवं फुटकर औजारों का मूल्यांकन
(Valuation of Stores and Spare Parts)

यदि स्टोर्स एवं फुटकर औजारों की राशि अत्यन्त न्यून है तो इस शीर्षक पर हुए समस्त व्यय को उस वर्ष का व्यय माना जा सकता है, जिस वर्ष में स्टोर्स एवं फुटकर औजार क्रय किये गये हैं। परन्तु यदि वर्ष के अन्त में इनका शेष पर्याप्त मात्रा में रहता है तो इनका भी मूल्यांकन किया जायेगा। स्टोर्स एवं फुटकर औजारों के मूल्यांकन के लिए पुनर्मूल्यांकन विधि अपनाई जाती है।

अभ्यासार्थ प्रश्न

सैद्धान्तिक प्रश्न(Theoretical Questions)

1. "Inventories at the date of balance-sheet are valued at cost price or at market price, whichever is less" comment. Discuss the concept of 'Cost Price' and 'Market Price' relating to different kinds of inventories.

"चिट्ठे की तिथि को स्कन्ध का मूल्यांकन लागत मूल्य अथवा बाजार मूल्य, जो भी कम हो, पर किया जाता है।" आलोचना कीजिए। स्कन्ध की विभिन्न किस्मों के सम्बन्ध में 'लागत मूल्य' तथा 'बाजार मूल्य' की अवधारणा का वर्णन कीजिए। (Raj. Univ. M. Com.)

2. (a) What considerations should be borne in mind while selecting a suitable method of valuing inventories?

स्कन्ध के मूल्यांकन की उपयुक्त रीति का चयन करते समय किन बातों पर विचार करना चाहिए?

(b) Critically examine 'the lesser of the cost or the market price' principle of valuing inventories.

स्कन्ध के मूल्यांकन के 'लागत और बाजार मूल्य में जो भी कम हो' सिद्धान्त की तर्कपूर्ण विवेचना कीजिए। (Raj. Univ. M. Com.)

3. Discuss, in brief, the method of valuation of the following :—
निम्न लिखित के मूल्यांकन की रीतियों का संक्षेप में, वर्णन कीजिए—

(i) Raw material at the end of the year;
वर्ष के अन्त में कच्चा माल;

(ii) Work-in-process at the end of the year; and
वर्ष के अन्त में अर्द्ध-निर्मित माल; तथा

(iii) Finished goods at the end of the year.
वर्ष के अन्त में निर्मित माल।

(Raj. Univ. M. Com.)

4. Discuss the procedure of valuation of closing stock of *finished goods*.
निर्मित माल के अन्तिम स्टॉक के मूल्यांकन की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।

5. Critically examine the existing practices with regard to inventory valuation in relation to the determination of business income.

व्यापारिक आय के निर्धारण के सम्बन्ध में स्कन्ध के मूल्यांकन से सम्बन्धित वर्तमान रीतियों की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।

6. "Inventory Valuation is an area where ample scope remains for legalised manoeuvring of profits." Discuss.

"स्कन्ध मूल्यांकन एक ऐसा क्षेत्र है जहाँ कानूनी तौर पर लाभ को ऊँचा-नीचा करने का पर्याप्त अवसर प्राप्त होता है।" चर्चा कीजिए।

व्यावहारिक प्रश्न (Practical Questions)

7. From the following information, calculate the value of closing stock of raw materials under (i) FIFO, (ii) LIFO, and (iii) Weighted Average Methods.

निम्नलिखित सूचना से कच्ची सामग्री के अन्तिम स्टॉक का मूल्य, (i) FIFO, (ii) LIFO, तथा (iii) भारित औसत विधियों के अन्तर्गत ज्ञात कीजिए।

Opening stock on Jan. 1, 1992—2,000 Units @ Rs. 10 per unit.

The purchases were made as follows :

Months	Purchases in Units	Cost per Unit Rs.
January, 1992	8,000	10·00
February, 1992	20,000	12·00
March, 1992	1,00,000	12·50
April, 1992	40,000	13·00

On 30th April, 1992—20,000 units were in Stock.

Answer : (i) Rs. 2,60,000; (ii) Rs. 2,20,000; and (iii) Weighted average per unit-Rs. 12·41; value of closing stock Rs. 2,48,200. (8 1)

8. (a) *Explain Perpetual Inventory System and mention its advantages.*

सामग्री की निरन्तर गणना पद्धति को समझाइये तथा उसके लाभ बतलाइये।

(b) From the following particulars for the month of November, 1992 find out the cost of Inventory at close under Perpetual Inventory System. Use LIFO method, for pricing issue of materials.

निम्नलिखित विवरणों से 1992 वर्ष के नवम्बर माह के लिए निरन्तर इन्वेन्ट्री पद्धति के अन्तर्गत इस माह के अन्त में इन्वेन्ट्री की लागत ज्ञात कीजिए। निर्गमित सामग्री के मूल्यांकन हेतु LIFO (अन्त में प्राप्त, प्रथम निर्गमन) रीति का प्रयोग करना है :

Date 1992		Particulars	Quantity (in kg.)	Rate per kg.
Nov.	1	*Inventory (Opening)*	30	4
"	5	Purchase of Material	80	6
"	12	Issue of Material	50	
"	17	Purchase of Material	40	7
"	22	*Issue of Material*	80	
"	28	Purchase of Material	35	10
"	29	Issue of Material	10	

(Raj Univ. M Com)

Answer. : Rs. 330 (8·2)

9. The following details regarding receipt and issue of materials are available to you. Find out the value of closing stock of materials under (i) FIFO Method, (ii) LIFO Method, and (iii) Weighted Average method, if perpetual inventory system is adopted.

सामग्री के प्राप्ति तथा निर्गमन से सम्बन्धित विवरण आपको उपलब्ध हैं। यदि 'निरन्तर इन्वेंट्री पद्धति अपनाई जाती है तो सामग्री के अन्तिम स्टॉक का (i) FIFO रीति, (ii) LIFO रीति, तथा (iii) भारित औसत रीति से, मूल्य ज्ञात कीजिए :—

Date	Receipts of *Materials*		Date	Issue of Materials
1992			1992	
Jan. 1	Opening Stock 400 Units	@ Rs. 10 per Unit	Jan. 7	200 Units
Jan. 5	Receipt—300 Units	@ Rs. 11 per Unit	Jan. 12	100 Units
Jan. 18	Receipt – 200 Units	@ Rs. 12 per Unit	Jan. 20	200 Units
Jan. 25	Receipt—400 Units	@ Rs. 13 per Unit	Jan. 24	200 Units
			Jan. 28	100 Units
			Jan. 30	300 Units

(Raj. Univ. II Yr. T.D.C.)

Answer : Value of closing stock of materials: FIFO Method Rs. 2,600; LIFO Method Rs. 2,000; Weighted Average Rs. 2,463·50. (8·3)

10. In a manufacturing concern, raw materials to the extent of 4,000 tonnes at Rs. 500 per tonne, have been issued. Three types of articles (1,000 units each) are to be manufactured consuming materials in the proportion of 4 : 3 : 1 respectivly. A wastage of 5 percent is allowed. The wages for three types of articles are respectively Rs. 6,00,000 Rs. 4,00,000 and Rs. 1,80,000. Factory overhead is taken to be at 70 percent of wages and office overhead at 20 percent of works cost. 10 units of each type of articles are in manufacturing process. It is the practice of the concern to apportion factory overheads at 30 percent of wages to the stock in manufacturing process. Out of finished articles, 800 units of first type, 850 units of second type and 900 units of third type are sold. There is no opening stock.

Find out the value of the closing stock in manufacturing process and that of finished goods for different types of articles.

एक उत्पादक सस्था में, 4,000 टन कच्ची सामग्री, 500 रु० प्रति टन की दर पर निर्गमित की गई है। *तीन प्रकार की वस्तुयें (प्रत्येक की 1,000 इकाइयाँ) निर्मित की जानी हैं, जिनमें सामग्री* क्रमश: 4 : 3 : 1 के अनुपातमें प्रयुक्त की गयी है। 5% क्षय का अनुमान है। तीनों प्रकार की वस्तुओं की मजदूरी क्रमश. 6,00,000 रु०; 4,00,000 रु० तथा 1,80,000 रु० है। कारखाना उपरिव्यय मजदूरी का 70% तथा कार्यालय उपरिव्यय कारखाना लागत का 20% लगाया जाता है। प्रत्येक प्रकार की वस्तु की 10 इकाइयाँ उत्पादन प्रक्रिया में अर्द्ध निर्मित है। *संस्था का यह नियम है कि उत्पादन प्रक्रिया में अर्द्धनिर्मित माल के स्टॉक के सम्बन्ध में कारखाना* उपरिव्यय, मजदूरी के 30% की दर पर, लगाया जाता है। निर्मित वस्तुओं में से प्रथम किस्म की 800 इकाइयाँ, द्वितीय किस्म की 850 इकाइयाँ तथा तृतीय किस्मकी 900 इकाइयाँ विक्रय की गई हैं। इन वस्तुओं का कोई प्रारम्भिक स्टॉक नहीं है।

प्रत्येक प्रकार की वस्तुओं के अर्द्धनिर्मित माल के स्टॉक तथा निर्मित माल के स्टॉक के मूल्य की परिगणना कीजिए।

Answer : Value of closing stock of finished goods I Rs. 4,49,160; II Rs. 2,33,940 III Rs. 58,698. Value of closing stock of work in-progress I Rs. 17,300, II Rs. 12,325, III Rs. 4,715. (8·4)

11. A business prepares accounts annually to 30th June and stock taking takes place in the following week-end In the year 1992 stock-taking took place on 3rd July and the value of stock in the premises on that date was valued at Rs. 1,59,190. You ascertain the following facts :

(i) Goods outwards are entered in the Sales Book as on the day of despatch.

(ii) Goods inwards are entered in the Purchases Book as on the date of the invoice.

(iii) Sales during the period from 1st July to 3rd July as shown by the sales book amounted to Rs. 1,960.

(iv) Purchases during the same period as shown by the Purchases book amounted to Rs. 1,510, but of these goods to the value of Rs. 540 were not received until after 3rd July, 1992.

(v) Goods invoiced during June, 1992 and not received until 30th June, 1992 totalled Rs. 1,600. Of these, goods to the value of Rs. 1,310, were actually received during the period 1st July to 3rd July, and the balance after 3rd July.

(vi) The average ratio of the gross profit to turnover is 28 percent.

(vii) In June, goods were sent to a customer on sale or return basis. The sale price was Rs. 20,000. The goods are still returnable by the customer on 30th June, 1992.

You are required to ascertain the value of the stock as at 30th June, 1992.

एक व्यवसायी अपने वार्षिक खाते 30 जून को तैयार करता है तथा स्टॉक की गणना अगले सप्ताह के अन्त तक चलती रहती है। 1992 वर्ष मे स्टॉक की गणना 3 जुलाई को की गई और उस दिन गोदाम मे स्टॉक का मूल्य 159,190 रु० आका गया था। आपको निम्नलिखित तथ्य ज्ञात हैं:

(i) बाहर गया माल प्रेषण के दिन विक्रय-बही मे दर्ज किया जाता है।

(ii) प्राप्त माल बीजक की तिथि को क्रय-बही मे दर्ज किया जाता है।

(iii) 1 जुलाई से 3 जुलाई तक की अवधि के दौरान विक्रय-बही द्वारा प्रदर्शित बिक्री 1,960 रु० थी,

(iv) उसी अवधि के दौरान क्रय-बही द्वारा प्रदर्शित क्रय 1,510 रु० के थे, किन्तु इस माल मे से 540 रु० मूल्य का माल 3 जुलाई, 1992 तक प्राप्त नही हुआ था।

(v) जून, 1992 मे बीजक पर भेजा गया और 30 जून, तक प्राप्त न होने वाला माल 1,600 रु० का था। इसमें से 1,310 रु० के मूल्य का माल 1 जुलाई से 3 जुलाई, 1992 की अवधि के दौरान वास्तव मे प्राप्त हुआ था तथा शेष माल 3 जुलाई, 1992 के पश्चात् प्राप्त हुआ था।

(vi) बिक्री पर सकल लाभ का औसत 28 प्रतिशत था।

(vii) जून मे, बिक्री या वापसी पर एक ग्राहक को माल भेजा गया था। इस माल का विक्रय मूल्य 20,000 रु० था। माल अभी भी 30 जून, 1992 को वापसी योग्य है।

आपको 30 जून, 1992 को स्टॉक का मूल्य ज्ञात करना है। (R.U. M Com.)

Answer : Rs. 1,74,321·20. (8·5)

12. On 25th May, 1991 a fire occurred on the premises of a firm. The books of the firm and stock of the value of Rs. 1,595 were saved. Stock on 31st March, 1991 was valued at Rs. 5,500. Sales, Purchases and Wages from 1st April, to the date of fire amounted to Rs 16,252, Rs. 9,700 and Rs. 1,975 respectively. Prepare a statement in support of a claim for the Loss of Stock. From other sources, the following information could be gathered :

25 मई, 1991 को एक फर्म के भवन में आग लग गई। कम्पनी की पुस्तकें तथा 1,595 रु० मूल्य के स्टॉक को बचा लिया गया। 31 मार्च, 1991 को स्टॉक का मूल्य 5,500 रु० था। 1 अप्रैल 1991 से आग की तिथि तक विक्रय, क्रय तथा मजदूरी क्रमशः 16,252 रु०, 9,700 रु० तथा 1,975 रु० के थे। स्टॉक की हानि के दावे के सम्बन्ध मे विवरण तैयार कीजिए। अन्य स्रोतों से निम्न सूचना एकत्रित की जा सकी थी :

Accounting year ending March 31 :	1988	1989	1990	1991
Sales (Rs.)	25,000	30,000	40,000	50,000
Gross Profit (Rs.)	5,000	7,500	10,000	15,000

Answer : Closing stock Rs. 4,986, Claim Rs. 3,391. *(8·6)*

13. A fire broke out on 10th October, 1992 in the premises of Adarsh Ltd. All the stock was burnt out. Find out the value of Stock from the following figures :

10 अक्टूबर, 1992 को आदर्श लि० की दुकान में आग गई, समस्त स्टॉक नष्ट हो गया। निम्नलिखित आँकड़ों से स्टॉक की राशि की गणना कीजिए :

	Rs.
Stock of Goods on 1st Jan., 1991	20,000
Purchases less returns during, 1991	80,000
Sales less returns during 1991	1,00,000
Closing stock on 31st December, 1991	22,500
Purchases upto the date of fire during 1992	90,000
Sales upto the date of fire during 1992	1,20,000

When the stock was valued on 31st December, 1991 the value of defective goods worth Rs. 7,500, was written off by Rs. 2,500. 1/3rd portion of this defective goods was sold out at a loss of Rs. 500 in March, 1992. At present, the remaining balance of defective goods is valued at 90% of its original value. Except these damaged goods, the rate of gross profit was maintained.

31 दिसम्बर, 1991 को जब स्टॉक का मूल्यांकन किया गया तो दूषित माल 7,500 रु० का था, जिसके 2,500 रु० अपलिखित कर दिये गये थे। दूषित माल का ⅓ भाग 500 की हानि पर मार्च, 1992 में बेच दिया गया। अब शेष दूषित माल को वास्तविक लागत के 90% पर मूल्यांकित किया गया है। इस दूषित माल के अतिरिक्त सकल लाभ की दर को बनाये (Maintained) रखा गया था।

Answer : Rate of G.P. 25% Closing stock Rs. 19,000+5,000 = Rs. 24,000. (8·7)

9

सामान्य बीमा कम्पनियों के लेखे

(Accounts of General Insurance Companies)

बीमा एक विशिष्ट व्यवसाय है जिसके अन्तर्गत क्षतिपूर्ति का अनुबन्ध किया जाता है। इसमें बीमाकर्ता (Insurer) एक निश्चित प्रतिफल के बदले बीमित (Insured) को निर्धारित कारणों से हुई हानि की पूर्ति करने का समझौता करता है। बीमा व्यवसाय में हानि की क्षतिपूर्ति करने का वचन देने वाला पक्ष बीमाकर्ता कहलाता है, जिस पक्षकार की जोखिम को बीमाकर्ता अपने ऊपर लेता है बीमित कहलाता है तथा जिस राशि के लिए बीमा किया जाता है वह बीमित राशि कहलाती है। बीमा सम्बन्धी अनुबन्ध की शर्तें जिस प्रपत्र में दी जाती हैं उसे बीमा पॉलिसी कहते हैं तथा बीमित द्वारा बीमाकर्ता को दिया जाने वाला प्रतिफल प्रीमियम कहलाता है।

बीमा अनुबन्ध जोखिम को व्यवसायियों तथा व्यावसायिक संस्थाओं के कन्धों पर से उठाकर उन लोगों के कन्धों पर डाल देता है जिनका व्यवसाय ही इन जोखिमों को उठाना है। बीमा व्यक्ति के जीवन, सम्पत्ति, माल, जहाज, आदि का करवाया जा सकता है। बीमा व्यवसाय दो प्रकार का होता है—

(1) जीवन बीमा व्यवसाय (Life Insurance Business)

(2) सामान्य बीमा व्यवसाय (General Insurance Business)

1. जीवन बीमा व्यवसाय (Life Insurance Business) :

भारत में जीवन बीमा व्यवसाय का 19 जनवरी, 1956 को राष्ट्रीयकरण कर लिया गया था। यह 1 सितम्बर, 1956 से भारत सरकार के अधीन कार्यरत भारतीय जीवन बीमा निगम (Life Insurance Corporation of India) द्वारा चलाया जा रहा है। जीवन बीमा के अन्तर्गत भारतीय जीवन बीमा निगम पॉलिसी के धारक को एक *निश्चित आयु पर पहुंचने अथवा मृत्यु होने पर जो भी पहले हो एक निश्चित राशि* चुकाने की गारन्टी देती है। इसमें पॉलिसी के धारक को सुरक्षा एवं विनियोग दोनों का लाभ मिलता है। जीवन बीमा निगम अपनी लेखा पुस्तकें भारतीय जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 के प्रावधानों के अनुसार रखता है और उन्हीं के अनुसार अपने वार्षिक खाते तैयार करता है। इस अध्याय में सामान्य बीमा व्यवसाय से सम्बन्धित लेखों का ही वर्णन किया जा रहा है।

2. सामान्य बीमा व्यवसाय (General Insurance Business) :

सामान्य बीमा व्यवसाय का आशय अग्नि बीमा, सामुद्रिक बीमा, सामाजिक बीमा, दुर्घटना बीमा, मजदूरों के हर्जाने का बीमा, मोटर-कार बीमा, तृतीय पक्ष बीमा, आदि से है। इसके अन्तर्गत बीमा कम्पनी एक निश्चित

प्रीमियम के बदले बीमित को किसी दुर्घटना के घटित होने से होने वाली हानि की क्षतिपूर्ति करने का वचन देती है। सामान्य बीमा व्यवसाय में लगी कम्पनियों पर भारतीय बीमा कम्पनी अधिनियम, 1938 (Indian Insurance Companies Act, 1938) लागू होता है तथा इसी की व्यवस्थाओं के अनुसार इस व्यवसाय में लगी कम्पनियां अपने लेखे तैयार करती हैं।

सामान्य बीमा कम्पनियों के लेखे दोहरा-लेखा पद्धति के अनुसार रखे जाते हैं। बीमा कम्पनियों द्वारा सामान्यतया बहुत सी सहायक पुस्तकें एवं स्मरणार्थ पुस्तकें रखी जाती हैं। इनमें से प्रमुख पुस्तकें निम्नांकित है—

1. सहायक पुस्तकें (Subsidiary Books) :

(i) प्रीमियम प्राप्ति पुस्तक (Premium Receipt Book);
(ii) दावा रोकड़ पुस्तक (Claims Cash Book);
(iii) एजेन्सी तथा शाखा रोकड़ पुस्तक (Agency and Branch Cash Book);
(iv) फुटकर रोकड़ पुस्तक (Petty Cash Book);
(v) सामान्य रोकड़ पुस्तक (General Cash Book);
(vi) बैंक रोकड़ पुस्तक (Bank Cash Book);
(vii) ब्याज, लाभांश तथा किराया प्राप्ति खाता-बही
(Interest, Dividends and Rent Receipt Ledger);
(viii) कमीशन प्राप्ति खाता-बही (Commission Receipt Ledger);
(ix) कमीशन भुगतान खाता-बही (Commission Payment Ledger);
(x) पॉलिसी ऋण खाता-बही (Policy Loan Ledger);
(xi) सामान्य ऋण खाता-बही (Generd Loan Ledger);
(xii) विनियोग खाता-बही (Investment Ledger);
(xiii) जर्नल (Journal) इत्यादि।

2. स्मरणार्थ पुस्तकें (Memorandum Books):

(i) प्रस्ताव रजिस्टर (Register of Proposals);
(ii) पॉलिसी रजिस्टर (Register of Policies);
(iii) दावा रजिस्टर (Register of Claims);
(iv) एजेन्टों का रजिस्टर (Register of Agents);
(v) पुनर्बीमा रजिस्टर (Reinsurance Register) आदि।

सामान्य बीमा कम्पनी की रोकड़ बही (Cash Book तथा सामान्य खाता-बही (General Ledger) प्रमुख पुस्तकें होती हैं। सहायक बहियों के आधार पर इनमें लेखे किये जाते हैं। सामान्य खाता-बही में अन्य खातों के साथ-साथ सहायक पुस्तकों को नियन्त्रित करने के लिए योग खाते भी खोले जाते हैं।

सामान्य बीमा कम्पनियों के अन्तिम खाते (Final Accounts of General Insurance Companies) :

सामान्य बीमा व्यवसाय करने वाली प्रत्येक कम्पनी लेखा वर्ष की समाप्ति पर प्रति वर्ष अपने व्यवसाय के सम्बन्ध में निम्नलिखित अन्तिम खाते तैयार करती है—

1. रेवेन्यू खाता (Revenue Account);
2. लाभ हानि खाता (Profit and Loss Account);
3. लाभ-हानि नियोजन खाता (Appropriation Account);
4. चिट्ठा (Balance Sheet)।

ये लेखे निर्धारित प्रारूप में तैयार किये जाते हैं। इनका विवरण इस प्रकार है—

रेवेन्यू खाता (Revenue Account)

सामान्यतया बीमा कम्पनियाँ एक से अधिक प्रकार के बीमा व्यवसाय करती है जैसे-अग्नि बीमा, सामुद्रिक बीमा, दुर्घटना बीमा आदि। प्रत्येक प्रकार के बीमा व्यवसाय के लिए पृथक रेवेन्यू खाता बनाया जाता है। रेवेन्यू खाते में उस व्यवसाय विशेष से सम्बन्धित आय व व्यय दर्ज किये जाते हैं। आय की समस्त मदे इस खाते के क्रेडिट पक्ष मे तथा व्यय की समस्त मदें डेबिट पक्ष मे लिखी जाती है। इस खाते का क्रेडिट शेष लाभ तथा डेबिट शेष हानि व्यक्त करता है, जिसे लाभ-हानि खाते में हस्तान्तरित कर दिया जाता है। रेवेन्यू खाता भारतीय बीमा कम्पनी अधिनियम, 1938 की तृतीय अनुसूची के भाग 2 मे निर्धारित प्रारूप (Form 'F') तथा उस तालिका के भाग 1 मे दिये गये नियमों के अनुसार तैयार किया जाता है। इसका नमूना इस प्रकार है :

FORM 'F'

Fire (or Marine or Miscellaneous) Revenue Account

for the year ended 31st December ....

	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
1. Claims under Policies less Reinsurances : Paid during the year Add : Total estimated liability in respect of outstanding claims at the end of the year whether due or intimated Less : Outstanding at the end of the previous year			1 Balance of Account at the beginning of the year Reserve for Unexpired Risks Additional Reserve		
2. Commission on Direct Business Commission on Reinsurances Accepted			2. Premiums less Reinsurances		
3. Expenses of Management			3. Interest, Dividends and Rents : Gross Less Income-tax thereon		
4. Bad Debts			4. Other sums (to be specified) : e. g., Commission on Reinsurance ceded, Double Income-Tax Refund, etc		
5. Foreign Taxes			5. Loss transferred to Profit and Loss Account		
6. Other Expenditure (to be specified), e. g , Depreciation					
7. Profit transferred to Profit and Loss Account					
8 Balance of Account at the end of the year as shown in the Balance Sheet : Reserve for Unexpired Risks being % of the pre-					

Contd.......

mium income of the year					
Additional Reserve					
Total Rs.				Total Rs.	
9. Claims paid to Claimants in India			6.	Premiums derived from business effected in India	
10. Claims paid to Claimants outside India			7.	Premium derived from business effected outside India	

As required by Section-40C (2) of the Insurance Act, 1938, we certify that, to the best of our knowledge and belief, all expenses of management whereever incurred, whether directly or indirectly in respect of fire (or Marine or Miscellaneous) insurance business have been fully debited in the Fire (Marine or Miscellaneous) Insurance Revenue Account as expenses.

.... Chairman

....	....	....
Chartered Accountants	General Manager	.... Directors
		....

Note :—(i) The Previous year's figures must be given for all the items.

(ii) The words "To" and "By" are not used in the above revenue account.

रेवेन्यू खाते की महत्वपूर्ण मदों का स्पष्टीकरण (Explanation of Important Items of Revenue Account) :

बीमा व्यवसाय की प्रकृति निर्माणी, व्यापारिक या बैंकिंग व्यवसाय की प्रकृति से पृथक होती है इसी कारण आय व व्यय की मदें भी अन्य व्यवसायों से भिन्न होती हैं। रेवेन्यू खाते में दिखाई जाने वाली प्रमुख मदों का स्पष्टीकरण इस प्रकार है :

(1) दावे (Claims) : यह रेवेन्यू खाते की एक महत्वपूर्ण मद है जिसे इसके डेबिट पक्ष में दिखाया जाता है। जब बीमा कराने वाले को बीमा पॉलिसी में वर्णित किसी कारण से क्षति होती है तो बीमा कम्पनी का क्षतिपूर्ति का दायित्व उत्पन्न हो जाता है। बीमित व्यक्ति क्षतिपूर्ति के लिए बीमा कम्पनी को अपना दावा पेश करता है। बीमा कम्पनी उसकी जाँच कराती है तथा दावा सही पाये जाने पर अपनी स्वीकृति प्रदान कर देती है। स्वीकृति के बाद दावों की रकम का भुगतान कर दिया जाता है। दावों के अन्तर्गत भुगतान किये गये दावों के साथ-साथ ऐसे दावों को भी सम्मिलित किया जाता है जिनको स्वीकार किया जा चुका है लेकिन भुगतान नहीं किया गया है तथा जिनकी सूचना मिल चुकी है, किन्तु अभी तक स्वीकार नहीं किया गया है। किसी विशेष मामले में जोखिम अधिक होने पर बीमा कम्पनी ने किसी अन्य बीमा कम्पनी से पुनर्बीमा करवा रखा है और पुनर्बीमा होने के कारण दावे की रकम का कुछ भाग बीमा कम्पनी को अन्य बीमा कम्पनी से वसूल होता है तो उसे दावे की कुल राशि में से घटा देना चाहिए। यदि वर्ष के प्रारम्भ में दावों की कोई बकाया राशि हो तो उसको दावे के भुगतान की राशि में से घटा देना चाहिए एवं वर्ष के अन्त में बकाया राशि को जोड़ देना चाहिए। दावों के निपटारे के सम्बन्ध में समस्त प्रत्यक्ष खर्चों को भी दावे की राशि में सम्मिलित कर लिया जाता है। इस प्रकार प्रत्येक वर्ष से सम्बन्धित दावों की शुद्ध राशि ही रेवेन्यू खाते में डेबिट की जावेगी।

Illustration 9·1 . From the followins details you are required to calculate the loss on account of claims to be shown in the Revenue Account of a Insurance Company for the year ending *31st Merch, 1991.*

निम्नलिखित विवरणो से आपको 31 मार्च, 1992 को समाप्त हुए वर्ष के लिए एक बीमा कम्पनी के रेवेन्यू खाते मे दिखाने के लिए दावो के कारण हानि की राशि की गणना करनी है।

Claims intimated	Claims admitted	Claims paid	Amount Rs.
1991	1991	1992	60,000
1992	1992	1993	40,000
1990	1991	1991	20,000
1990	1991	1992	48,000
1992	1993	1993	32,000
1992	1992	1992	4,08,000

Claims on account of reinsurance were Rs. 1,00,000.

पुनर्बीमा के कारण दावे 1,00,000 रु० के थे।

Solution : **Calculation of Loss on Account of Claims**

	Rs.
Total claims paid in 1992 (Rs. 4,08,000 + Rs. 48,000 + Rs. 60,000)	5,16,000
Less : Re-insurance claims	1,00,000
	4,16,000
Less : Outstanding in the beginning i.e., intimated in 1991 or earlier whether accepted in 1991 or 1992 (Rs. 60,000 + Rs. 48,000)	1,08,000
	3,08,000
Add : Outstanding at the end i.e., intimated in 1992 whether accepted 1992 or in 1993 (Rs. 40,000 + Rs. 32,000)	72,000
Claims to be shown in Revenue Account	3,80,000

(2) कमीशन (Commision) : बीमा व्यवसाय मे कमीशन बीमा कम्पनी द्वारा दिया भी जाता है और लिया भी जाता है। यह प्रत्यक्ष बीमा व्यवसाय पर तथा पुनर्बीमा के सम्बन्ध मे हो सकता है। कमीशन खर्च एवं आय दोनो की मद हो सकती है। खर्च के रूप मे यह Commission on Direct business तथा Commission on Reinsurance accepted होता है। इन दोनो मदो को रेवेन्यू खाते के डेबिट पक्ष मे अलग-अलग दिखाया जाता है। आय के रूप मे यह Commission on Reinsurance Ceded होता है जिसे रेवेन्यू खाते के क्रेडिट पक्ष मे लिखा जाता है। यदि पॉलिसी बीमा एजेन्टों के माध्यम से प्रभावित हुई है तो उन पर अग्नि तथा सामुद्रिक बीमा व्यवसाय के सम्बन्ध में प्रीमियम का अधिकतम 5% तथा विविध व्यवसाय के सम्बन्ध मे प्रीमियम का अधिकतम 10% कमीशन दिया जा सकता। पॉलिसी एक प्रधान एजेन्ट द्वारा प्रभावित होने पर अग्नि तथा सामुद्रिक बीमा व्यवसाय के सम्बन्ध मे प्रीमियम का अधिकतम 20% तथा विविध व्यवसाय मे प्रीमियम का अधिकतम 15% कमीशन दिया जा सकता है। कमीशन की इस राशि मे से सम्बन्धित पॉलिसी पर एक बीमा एजेन्ट को देय राशि कम कर दी जाती है।

(3) प्रीमियम (Premium) : प्रीमियम बीमा कम्पनी को क्षतिपूर्ति सम्बन्धी जोखिम उठाने के बदले अनुबन्ध की शर्तों के अनुसार मिलने वाला प्रतिफल है। यह बीमा कम्पनी की आय का एक प्रमुख स्रोत होता है। इसे रेवेन्यू खाते के क्रेडिट पक्ष में अलग से दिखाया जाता है। लेखा वर्ष के प्रारम्भ में प्रीमियम की बकाया राशि को प्राप्त प्रीमियम की राशि में से कम कर दिया जायेगा तथा वर्ष के अन्त में प्रीमियम के सम्बन्ध में कोई राशि प्राप्त नहीं हुई है तो उसे जोड़ दिया जायेगा। यदि बीमा कम्पनी ने किसी बीमा कम्पनी से पुनर्बीमा करवा रखा है तो पुनर्बीमा के सम्बन्ध में देय प्रीमियम की राशि को घटा दिया जाता है। इस प्रकार प्रीमियम की शुद्ध आय की राशि को ही रेवेन्यू खाते के खाता खाने में दिखाया जाता है।

(4) ब्याज, लाभांश तथा किराया (Interest, Dividends and Rents) : यह बीमा कम्पनी की आय का दूसरा प्रमुख स्रोत है। इसके अन्तर्गत बीमा कम्पनी को अपने विनियोगों पर मिलने वाला ब्याज तथा लाभांश एवं मकान सम्पत्ति से होने वाली किराये की आय सम्मिलित की जाती है। आय की इस मद को सकल राशि में से आयकर काटा गया है तो आयकर की राशि घटाने के पश्चात् शेष शुद्ध राशि को ही रेवेन्यू खाते के क्रेडिट पक्ष में रकम के खाने में दिखाया जाता है।

(5) असमाप्त जोखिमों के लिए संचय (Reserve for Unexpired Risks) : सामान्य बीमा व्यवसाय में जोखिम की अवधि निश्चित होती है। इस अवधि में निर्धारित कारणों से बीमित को क्षति होती है तो बीमा कम्पनी को ऐसी क्षति की पूर्ति करनी होती है। बीमा कम्पनी बीमित से प्रीमियम अग्रिम रूप में वसूल करती है और पॉलिसी के निर्गमन की तिथि से एक वर्ष के अन्दर होने वाली क्षति की पूर्ति करने का उत्तरदायित्व लेती है। पॉलिसी निर्गमन करने का कार्य वर्ष भर चलता रहता है तथा लेखा वर्ष की समाप्ति पर कुछ पॉलिसियाँ ऐसी भी हो सकती हैं जिनकी जोखिम अगले वर्ष किसी समय समाप्त होगी। इन असमाप्त जोखिमों के लिए चालू वर्ष के रेवेन्यू खाते में से संचय का निर्माण किया जाता है। इसे 'असमाप्त जोखिमों के लिए संचय' (Reserve for Unexpired Risks) कहते हैं। रेवेन्यू खाते में प्रतिवर्ष कितनी रकम संचय के रूप में रखी जाये, इसके लिए सामान्य बीमा कौंसिल की प्रबन्ध समिति समय-समय पर निर्णय करती रहती है। इस समिति के निर्णयानुसार इस संचय की राशि सामुद्रिक बीमा व्यवसाय में शुद्ध प्रीमियम की राशि का 100% तथा अग्नि एवं अन्य अन्य बीमा व्यवसायों में शुद्ध प्रीमियम की राशि का 50% होनी चाहिए। यदि बीमा कम्पनी चाहे तो उक्त न्यूनतम संचय के अलावा अतिरिक्त संचय (Additional Reserve) भी रख सकती है।

'असमाप्त जोखिम के लिए संचय' के प्रारम्भिक शेष को रेवेन्यू खाते के क्रेडिट पक्ष में सबसे पहले दिखाया जाता है। वर्ष के अन्त में शुद्ध प्रीमियम के निश्चित प्रतिशत के आधार पर ज्ञात की गयी राशि रेवेन्यू खाते के डेबिट पक्ष में अंतिम मद के रूप में दिखलायी जाती है। इस राशि को चिट्ठे में दायित्व पक्ष की ओर दिखाया जायेगा। रेवेन्यू खाते एवं चिट्ठे में अतिरिक्त संचय का व्यवहार भी इसी प्रकार किया जायेगा।

(6 अन्य मदें (Other Items) : रेवेन्यू खाते में दिखलायी जाने वाली अन्य आय व व्यय की मदें दैनिक व्यापारिक गतिविधियों से सम्बन्धित होती हैं जिनके स्पष्टीकरण की आवश्यकता नहीं समझी गई है। अन्य मदों में प्रबन्ध के खर्चे, डूबत ऋण, विदेशी कर, ह्रास, आदि आते हैं।

आय व व्यय की समस्त मदों तथा असमाप्त जोखिम के लिए संचय के प्रारम्भिक शेष व अन्तिम शेष को रेवेन्यू खाते में दिखाने के पश्चात् दोनों पक्षों का जो अन्तर होता है वह बीमा कम्पनी के व्यवसाय विशेष का लाभ अथवा हानि को दर्शाता है। रेवेन्यू खाते के क्रेडिट पक्ष का योग अधिक होने पर लाभ तथा डेबिट पक्ष का योग अधिक होने पर हानि होती है जिसे लाभ-हानि खाते में हस्तान्तरित कर दिया जाता है। रेवेन्यू खाते में सूचना के तौर पर प्रीमियम एवं दावों की राशियों को दो भागों में विभाजित करके दिखाना चाहिए। प्रथम भारत में किये गये व्यवसाय से सम्बन्धित प्रीमियम व दावों की राशियाँ तथा द्वितीय भारत के बाहर व्यवसाय से प्रीमियम एवं दावों की राशियाँ।

Illustration 92: The following balances appeared in the books of Hindustan Insurance Company Ltd. in respect of Fire Insurance as on 31st March, 1992 :

31 मार्च, 1992 को हिन्दुस्तान इन्श्योरेन्स कम्पनी लिमिटेड की पुस्तकों में अग्नि बीमा के सम्बन्ध में निम्नलिखित शेष थे :

	Rs.
Reserve for Unexpired Risk on 31st March, 1991	2,00,000
Additional Reserve on 31st March, 1991	40,000
Claims paid	3,00,000
Estimated liability in respect of outstanding claims :	
On 31st March, 1991	15,000
On 31st March, 1992	25,000
Expenses of Management	80,000
Premium Received	5,00,000
Reinsurance Premiums	50,000
Reinsurance Recoveries	17,500
Interest and Dividends	30,000
Income-tax on Interest and Dividends	5,000
Profit on sale of Investments	2,500
Commission paid	60,000
Commission on Reinsurance ceded	7,500

Prepare Revenue Account for the year ended 31st March, 1992 after taking the following information into consideration :

(i) Provide for unexpired risk at 50% of net premiums.

(ii) Additional Reserve is to be increased by 5% of the net premiums.

(iii) Expenses of Management include Rs. 12,500 legal expenses incurred in connection with claims.

निम्नांकित सूचनाओं को ध्यान में रखकर 31 मार्च, 1992 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए रेवेन्यू खाता बनाइये :

(i) शुद्ध प्रीमियम पर 50% असमाप्त जोखिम के लिए संचय बनाइये।

(ii) अतिरिक्त संचय को शुद्ध प्रीमियम के 5% से बढ़ाना है।

(iii) प्रबन्ध व्यय में दावों के सम्बन्ध में किये गये कानूनी व्यय 12,500 रु० शामिल है।

Solution :

Fire Insurance Revenue Account
for the year ended 31st March, 1992

Particulars	Rs.	Amount	Particulars	Rs.	Amount
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Claims paid during the year	3,00,000		Balance of Account at the beginning of the year :		
Add : Legal Expenses	12,500		Reserve for Unexpired Risks	2,00,000	
	3,12,500		Additional Reserve	40,000	2,40,000
Less : Reinsurance recoveries	17,500		Premiums	5,00,000	
	2,95,000		*Less* : Reinsurances	50,000	4,50,000
Add : Outstanding at the end of the year	25,000		Interest and Dividends	30,000	
	3,20,000		*Less* : Income-tax	5,000	25,000
Less : Outstanding at the end of the last year	15,000	3,05,000	Commission on Reinsurance ceded		7,500
Commission		60,000	Profit on sale of Investments		2,500
Expenses of Management	80,000				
Less : Legal Expenses	12,500	67,500			
Profit transferred to Profit and Loss a/c		5,000			
Balance of Account at the end of the year as shown in the Balance Sheet :					
Reserve for Unexpired Risks @ 50% of Rs. 4,50,000	2,25,000				
Additional Reserve (Rs. 40,000+5% of Rs. 4,50,000)	62,500	2,87,500			
		7,25,000			7,25,000
Claims paid to claimants :			Premiums derived from business effected :		
(i) In India		2,00,000	(i) In India		3,00,000
(ii) Outside India		1,05,000	(ii) Outside India		1,50,000

Illustration 9 13 : From the following balances as at March 31, 1992 in the books of General Insurance Co. Ltd., prepare a Revenue Account in respect of Fire Insurance business carried on by them :

31 मार्च, 1992 को दिये गये निम्नलिखित शेषों से जनरल इन्श्योरेन्स कम्पनी लि. की पुस्तकों में उनके द्वारा संचालित अग्नि बीमा व्यवसाय के सम्बन्ध में रेवेन्यू खाता तैयार कीजिए :

	Rs.
Claims paid	4,80,000
Claims outstanding on April 1, 1991	40,000
Claims intimated and accepted, but not paid on March 31, 1992	70,000
Premium received	12,00,000
Reinsurance Premium paid	1,20,000
Commission	2,00,000
Commission on reinsurance ceded	8,000
Commission on reinsurance accepted	4,000
Expenses of Management	3,02,000
Provision for unexpired risk on April 1, 1991	5,00,00
Additional provision for unexpired risk on April 1, 1991	20,00
Reinsurance recoveries of claims	8,00
Medical expenses regarding claims	5,00
Loss on sale of Motor Car	3,50
Bad debts	2,50
Refund of Double Taxation	4,50
Interest and Dividends	8,00
Income-tax deducted thereon	1,50
Legal expenses regarding claims	4,00
Profit on sale of investments	3,50
Rent of staff quarters deducted from salaries	2,40
Depreciation of Furniture	4,60

You are required to provide for additional reserve for unexpired risk at 1 percer of the net premium in addition to the 50% of the net premium received.

आपको असमाप्त जोखिमों के लिए अतिरिक्त संचय शुद्ध प्रीमियम का 1 प्रतिशत शुद्ध प्रीमियम के 50% के अतिरिक्त और लगाना है। (Adapted C. A. Inte

Solution :

General Insurance Co. Limited
Fire Insurance Revenue Account
for the year ended 31st March, 1992

	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Claims paid during the year	4,80,000		Balance of Account at the beginning of the year :		
Add : Medical expenses regarding claims	5,000		Reserve for Unexpired Risk	5,00,000	
Legal expenses regarding claims	4,000		Additional Reserve	20,000	5,20,000
	4,89,000		Premium received	12,00,000	
Less : Reinsurance recoveries	8,000		*Less* : Reinsurance premium	1,20,000	10,80,000
	4,81,000		Interest and Dividends	8,000	
Add : Outstanding at the end of the year	70,000		*Less* : Income tax deducted	1,500	6,500
	5,51,000		Rent of staff quarters		2,400
Less : Outstanding at the end of previous year	40,000	5,11,000	Commission on reinsurance ceded		8,000
			Profit on sale of Investments		3,500
Commission on Direct Business	2,00,000				
Reinsurance accepted	4,000	2,04,000			
Expenses of Management		3,02,000			
Bad debts		2,500			
Loss on sale of Motor Car		3,500			
Depreciation on Furniture		4,600			
Profit transferred to Profit and Loss A/c		42,000			
Balance of Account at the end of the year :					
Reserve for Unexpired Risks being 50% of the net premium income	5,40,000				
Additional Reserve 1%	10,800	5,50,800			
		16,20,400			16,20,400

Illustration 94: The following balances are extracted from the books of Hindustan Marine Insurance Co. Limited :

निम्नलिखित शेष हिन्दुस्तान मैरिन इन्श्योरेन्स कम्पनी लिमिटेड की पुस्तकों से लिए गये हैं :

	As at 31st March, 1991	As at 31st March, 1992
	Rs.	Rs,
Premium less reinsurance	4,50,000	5,00,000
Commission on direct business	22,500	30,000
Commission on reinsurance accepted	17,500	25,000
Commission on reinsurance ceded	42,000	24,000
Claims (less reinsurance) paid during the year	76,250	1,42,250
Depreciation on Furniture, Car, etc.	12,750	15,750
Audit fees	10,000	10,000
Salaries to staff	1,25,000	1,35,000
Printing, Postage & Stationery	46,500	57,500
Legal charges	5,000	4,000
Bad debts	750	22,200
Miscellaneous expenses	15,500	22,500

Additional information are as follows :

(a) Total amounts of estimated liability in respect of outstanding claims as on 31st March, 1990 Rs. 34,250; 31st March, 1991 Rs. 44,750 and 31st March, 1992 Rs. 55,550

(b) Reserve for unexpired risks as on 31st March, 1990 was Rs. 3,20,000 and additional reserve as on the said date was Rs. 32,000.

(c) Reserve for unexpired risks was to be provided for at 100% and additional reserve at 10% of the net premium income for the year ending 31st March, 1991 and 1992

(d) Prepare Marine Revenue Accounts from the above details

अतिरिक्त सूचनाएं इस प्रकार हैं :

(a) बकाया दावों के सम्बन्ध में कुल अनुमानित दायित्व की राशियां 31 दिसम्बर, 1989 को 34,250 रु., 31 मार्च, 1991 को 44,750 रु. एवं 31 मार्च, 1992 को 55,550 रु हैं।

(b) असमाप्त जोखिमों के लिए संचय 31 मार्च, 1990 को 3,20,000 रु. था एवं अतिरिक्त संचय इस तिथि का 32,000 रु था।

(c) असमाप्त जोखिमों के लिए संचय एवं अतिरिक्त संचय का 31 मार्च, 1991 एवं 1992 को शुद्ध प्रीमियम की आय का क्रमशः 100% एवं 10% प्रावधान करना है।

(d) उपर्युक्त विवरणों से सामुद्रिक रेवेन्यू खाते बनाइए।

Marine Revenue Account

for the year ending 31st March, 1992

	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Claims paid during the year less reinsurances	1,42,250		Balance of Account at the beginning of the year :		--
Add : Outstanding at the end of the year	55,550		Reserve for unexpired risks	4,50,000	
	1,97,800		Additional reserve	45,000	4,95,000
Less : Outstanding at the end of the previous year	44,750	1,53,050	Premium less re-insurance		5,00,000
Commission on direct business		30,000	Commission on re-insurance ceded		24,000
Commission on reinsurance accepted		25,000	Loss transferred to Profit & Loss Account		6,000
Depreciation		15,750			
Audit Fees		10,000			
Salaries to staff		1,35,000			
Printing postage and stationery		57,500			
Legal charges		4,000			
Bad debts		22,200			
Miscellaneous expenses		22,500			
Balance of Account at the end of the year :					
Reserve for unexpired risks (100%)	5,00,000				
Additional reserve (10%)	50,000	5,50,000			
		10,25,000			10,25,000

लाभ-हानि खाता (Profit and loss Account) : लाभ-हानि खाते में सर्वप्रथम रेवेन्यू खाते का शेष हस्तान्तरित किया जाता है। इसके अतिरिक्त इस खाते में आय-व्यय अथवा लाभ-हानि की उन मदों को लिखा जाता है जो किसी बीमा व्यवसाय विशेष से सम्बन्धित नहीं हैं लेकिन उस बीमा कम्पनी से सम्बन्ध रखती हैं। बीमा कम्पनी के समस्त व्यवसायों के सम्बन्ध में केवल एक ही लाभ-हानि खाता बनाया जाता है। सामान्य बीमा व्यवसाय करने वाली कम्पनियों को अपना लाभ-हानि खाता भारतीय बीमा कम्पनी अधिनियम 1938 की द्वितीय सूची के नियमों एवं निर्धारित प्रारूप (Form 'B') में तैयार करना पड़ता है। इसका नमूना अग्र प्रकार है :

FORM B

Form of Profit and Loss Account

Profit and Loss Account of. ....for the year ended........ ... 19........

	Rs.		Rs.
Indian Central Taxes on the Insurer's Profits not applicable to any particular Fund or Account		Interest, Dividends and Rent not applicable to any particular Fund or Account *Less—Income tax thereon*	
Expenses of Management not applicable to any particular Fund or Account.		Profit on realisation of Investments not credited to *Reserves or any particular* Fund or Account.	
Loss on Realisation of Investments not charged to Reserves or any particular Fund or Account.		Appreciation of Investments not credited to Reserves or any particular Fund or Account.	
Depreciation of Investments not charged to Reserves or any particular Fund or Account		Profit transferred from Revenue Accounts (details to be given)	
Loss transferred from Revenue Accounts (details to be given).		Transfer Fees	
Other Expenditure to be specified		Other incomes to be specified	
Balance for the year carried to Appropriation Account		Balance being loss for the year carried to Appropriation Account	

लाभ-हानि नियोजन खाता (Profit and loss Appropriation Account) : यह खाता बीमा कम्पनी के द्वारा अर्जित किये गये लाभों के नियोजनों को दर्शाता है। सर्वप्रथम इस खाते में पिछले वर्ष के शेष को दिखाया जाता है। इसके बाद लाभ-हानि खाते से हस्तान्तरित शेष की राशि लिखी जाती है। इसके डेबिट पक्ष में संचयों अथवा कोषों में हस्तान्तरण प्रस्तावित लाभांश आदि को दिखाया जाता है तथा इस खाते के शेष को चिट्ठे में हस्तान्तरित किया जाता है। लाभ-हानि नियोजन खाता भारतीय बीमा कम्पनी अधिनियम, 1938 द्वारा निर्धारित प्रारूप सी (Form 'C') में तैयार किया जाता है जिसका प्रारूप अग्र प्रकार है :

FORM C

Form of Profit and Loss Appropriation Account

Profit and Loss Appropriation Account of .... for the year ended 19 .. ....

	Rs.		Rs.
Balance being loss brought forward from last year Balance being loss for the year brought from profit and loss account (as in Form B) Dividends paid during the year on account of the current year (to be specified and if "free of tax" to be so stated) Transfers to any particular funds or accounts (details to be given Balance at end of the year as shown in the balance sheet		Balance brought forward from last year *Less*—Dividends since paid in respect of last year (to be specified and if "free of tax" to be so stated) Balance of the year brought from profit and loss account (as in Form B) Balance being loss at end of the year as shown in the balance sheet	

Illustration 9 5 : The following balances are extracted from the books of United Insurance Co. Ltd. as on 31-3-1992.

निम्नलिखित शेष 31-3-1991 को युनाइटेड इन्श्योरेन्स कम्पनी लिमिटेड की पुस्तकों से लिए गये हैं :

	Rs.
Commission on Re-insurance Ceded :	
Fire Insurance	30,000
Commission on Direct business :	
Fire Insurance	1,20,000
Marine Insurance	1,00,000
Depreciation on Assets	70,000
Loss on Realisation of Investments	60,000
Share Transfer Fees	1,500
Difference in Exchange (Cr.)	700
Bad Debts recovered	2,500
Miscellaneous Receipts	10,000
Profit and Loss Appropriation Account (Cr.)	1,20,000
Claims paid : Fire Insurance	2,00,000
Marine Insurance	1,74,000
Premiums less Reinsurance received during the year :	

Fire Insurance	7,48,000
Marine Insurance	5,94,000
Audit Fee	26,000
Directors Remuneration	72,000
Interest and Dividends on Investments	1,26,000
Reserve for Unexpired Risks as on 1-4-1991 :	
Fire Insurance	4,20,000
Marine Insurance	4,80,000
Additional Reserves as on 1-4-1991 :	
Fire Insurance	1,20,000
Marine Insurance	20,000
Claims outstanding as on 1-4-1991 :	
Fire Insurance	48,000
Marine Insurance	22,000
Premiums outstanding as on 1-4-1991 :	
Fire Insurance	52,000
Marine Insurance	34,000
Expenses of Management :	
Fire Insurance	1,72,000
Marine Insurance	1,36,000

Following further information is also given :

(1) Premiums outstanding as on 31-3-1992 : Fire Rs. 66,000 and Marine Rs. 30,000.

(2) Claims out tanding as on 31-3-1992 : Fire Rs. 92,000 and Marine Rs 34,000. Out of the above a fire claim amounting to Rs. 22,000 was covered by re-insurance.

(3) Reserve for Unexpired Risks is to be maintained at : 50% of premium less re-insurance for Fire and at 100% of premium less re-insurance for Marine.

(4) Additional Reserve for Fire is to be maintained at 20% of net premium,

(5) Interest accrued on Investments Rs. 21,000.

(6) Transfer Rs. 1,60,000 to General Reserve.

(7) Directors recommended Rs. 2,00,000 dividend for the current year.

Prepare Revenue Account, Profit and Loss Account and Profit & Loss Appropriation A/c for the year ended 31-3-1992.

आगे निम्नलिखित सूचना भी दी गई है :

(1) 31-3-1992 को प्रीमियम का बकाया : अग्नि 66,000 रु० और सामुद्रिक 30,000 रु० ।

(2) 31-3-1992 को बकाया दावे : अग्नि 92,000 रु० एवं सामुद्रिक 34,000 रु० । इसमें से एक 22,000 रु० का अग्नि बीमा दावा पुनर्बीमा द्वारा सुरक्षित था ।

(3) असमाप्त जोखिम के लिए सचय बनाना है : अग्नि बीमा के लिए पुनर्बीमा प्रीमियम को घटाकर प्रीमियम का 50% तथा सामुद्रिक बीमा के लिए पुनर्बीमा प्रीमियम को घटाकर प्रीमियम का 100%।

(4) अग्नि बीमा के लिए अतिरिक्त सचय शुद्ध प्रीमियम का 20% बनाना है।

(5) विनियोगों पर अर्जित ब्याज 21,000 रु० है।

(6) 1,60,000 रु० सामान्य सचय में हस्तान्तरित कीजिए।

(7) सचालकों ने चालू वर्ष के लिए 2,00,000 रु० के लाभांश की सिफारिश की है।

31-3-1992 को समाप्त हुए वर्ष के लिए रेवेन्यू खाता, लाभ-हानि खाता तथा लाभ-हानि नियोजन खाता बनाइये।

Solution :

United Insurance Co. Ltd.

Fire Insurance Revenue Account

for the year ended 31st March, 1992

	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Claims paid less re-insurance	2,00,000		Balance of Account at the beginning of the year :		
Add : Outstanding Claims at the end of the year (Rs. 92,000 - Rs. 22,000)	70,000		Reserve for Unexpired Risks	4,20,000	
	2,70,000		Additional Reserve	1,70,000	5,40,000
Less : Outstanding at the end of the last year	48,000	2,22,000	Premiums less re-insurances received	7,48,000	
Commission on Direct business		1,20,000	*Add* : Accrued at the end of the year	66,000	
Expenses of Management		1,72,000		8,14,000	
Profit transferred to Profit and Loss Account		2,84,600	*Less* : Accrued at the beginning of the year	52,000	7,62,000
Balance of Account at the end of the year :			Commission on re-insurance ceded		30,000
Reserve for Unexpired Risks 50% of	Rs. 3,81,000				
Additional Reserve 20% of Rs. 7,62,000	1,52,400	5,33,000			
		13,32,000			13,32,000
Claims paid to claimants :			Premiums derived from business effected :		
(i) in India		1,70,000	(i) in India		6,00,000
(ii) Outside India		52,000	(ii) Outside India		1,62,000

Marine Insurance Revenue Account

for the year ended 31st March, 1992

	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Claims paid less reinsurances	1,74,000		Balance of Account at the beginning of the year :		
Add : Outstanding at the end of the year	34,000		Reserve for Unexpired Risks.	4,80,000	
	2,08,000		Additional Reserve	20,000	5,00,000
Less : Outstanding at the beginning of the year	22,000	1,86,000	Premiums less re-insurances received	5,94,000	
Commission on direct business		1,00,000	*Add* : Accrued at the end of the year	30,000	
Expenses of Management		1,36,000		6,24,000	
Profit transferred to Profit and Loss Account		58,000	*Less* : Accrued at the beginning of the year	34,000	5,90,000
Balance of Account at the end of the year :					
Reserve for unexpired Risks 100% of	Rs. 5,90,000				
Additional Reserve	20,000	6,10,000			
		10,90,000			10,90,000
Claims paid to claimants :			Premiums derived from business effected :		
(i) In India		1,06,000	(i) In India		4,00,000
(ii) Outside India		80,000	(ii) Outside India		1,90,000

Profit and Loss Account
for the year ended 31st March,, 1992

	Rs.			Rs.
Directors Remuneration	72,000	Profit transferred from :	Rs.	
Audit Fees	26,000	Fire Revenue A/c	2,84,600	
Loss on realisation of Investment	60,000	Marine Revenue A/c	58,000	3,42,600
Depreciation on Assets	70,000			
Balance of the profit carried to P. & L. Appropriation A/c	2,76,300	Interest and Dividends on Investment		1,47,000
		Add : Accrued Interest	1,26,000	
		Share Transfer Fees	21,000	1,500
		Other Incomes :		
		Difference in Exchange		700
		Bad Debts Recovered		2,500
		Miscellaneous Receipts		10,000
	5,04,300			5,04,300

Profit and Loss Appropriation Account
for the year ended 31st March, 1992

	Rs		Rs.
Proposed Dividends	2,00,000	Balance b/d	1,20,000
Transfer to General Reserve	1,60,000	Balance brought from P. & L. Account	2,76,000
Balance at the end of the year as shown in the Balance Sheet	36,000		
	3,96,000		3,96,000

चिट्ठा (Balance Sheet) : बीमा कम्पनियो द्वारा अपने समस्त बीमा व्यवसायो की सम्पत्तियों एव दायित्वों के लिए केवल एक ही चिट्ठा बनाया जाता है। यह चिट्ठा भारतीय बीमा कम्पनी अधिनियम 1938 द्वारा निर्धारित प्रारूप (Form 'A') मे तैयार किया जाता है। इसका प्रारूप इस प्रकार है :

From 'A'
From of Balance Sheet
Balance Sheet............ ...19.......

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
1. Shareholders Capital (with details) 2. Reserve or Contingency A/c (i) Invesment Reserve Account		1. Loans : (i) On Mortgages of property (ii) On Security of Municipal and other public	

(ii) Profit and Loss Appropriation Account

3. Balances of Funds and Accounts
   - (i) Fire Insurance Business Account
   - (ii) Marine Insurance Business Account
   - (iii) Miscellaneous Insurance Business Accounts
   - (iv) Other Accounts, if any to be specified
   - (v) Pension or superannuation Account
   - (vi) Debenture Stock
4. Loans and Advances
   - (i) Bills payable
   - (ii) Estimated Liability in respect of outstanding claims whether due or intimated
   - (iii) Outstanding Dividends
   - (iv) Amounts due to other persons or bodies carrying on Insurance Business
   - (v) Sundry Creditors including Outstanding expenses & Taxes
   - (vi) Other Liabilities
5. Contingent Liabilities to be specified

Total

rates
   - (iii) On Stocks and Shares
   - (iv) On personal security
   - (v) To Subsidiary Companies
   - (vi) Reversions and Life Interests Purchased
2. Investments
   - (i) Deposit with the Reserve Bank of India
   - (ii) Government Securities
   - (iii) Municipal Securities
   - (iv) Bonds, Debentures, Stocks and other Securities whereon interest is guaranteed by the Government
   - (v) Railway Securities
   - (vi) Securities of incorporated Companies
   - (vii) Holdings in Subsidiary Companies
   - (viii) House Property
   - (ix) Freehold and Leasehold ground rents and rent charges
3. Agent's Balances
4. Outstanding Premiums
5. Interest, Dividends and Rents outstanding
6. Interest, Dividends and Rents accruing but not due
7. Amounts due from other persons or bodies carrying on Insurance Business
8. Sundry Debtors
9. Bills Receivable
10. Cash
   - (i) At Bankers on Deposit Account
   - (ii) At Bankers on Current Account and in hand
   - (iii) At call and short notice
11. Other Accounts (to be specified)

Total

Illustration 9 6 : The following balances as on 31st March, 1992 have been extracted from the books of New Insurance Co. Ltd. which carries on only fire insurance bus mess :

31 मार्च, 1992 को निम्नलिखित शेष न्यू इन्श्योरेन्स कम्पनी लिमिटेड की पुस्तकों से लिए गये हैं जो केवल अग्नि बीमा व्यवसाय करती हैं :

	Rs.		Rs.
Claims less reinsurances	1,50,000	Income tax on interest, dividends etc.	6,250
Reserve for unexpired Risks on 31-3-91	1,25,000	Cash in hand	5,200
		Cash at Bank	2,10,250
Additional Reserve on 31-3-91	37,500	Investments (at cost)	2,75,000
Premiums less reinsurances	2,25,000	Sundry Debtors	35,000
Commission on :		Sundry Creditors	25,000
Direct business	17,500	Investment Reserve	27,500
Reinsurance accepted	7,500	Agents balances	50,500
Re-insurance ceded	10,000	P. & L. Appropriation A/c on 1-4-1991 (Cr.)	40,000
Claims outstanding on 31-3-92	27,500		
Bad Debts	550	Amounts due from other Insurers	1,00,000
Expenses of Management	44,750	Amount due to other Insurers	45,000
Share Capital (Shares of Rs. 10 each)	2,50,000	Interest dividends and rents	12,500
General Reserve	75,000		

Prepare Revenue Account, Profit and Loss Account, Profit and Loss Appropriations Account and Balance Sheet after taking following further information into consotsideration :

(a) Claims outstanding on 1-4-91 were Rs. 30,000.

(b) Provision for Taxation is tobe made @ 60%.

(c) The market value of the investments is Rs. 2,50,000.

निम्नलिखित अतिरिक्त सूचनाओं को ध्यान मे रखते हुए रेवेन्यू खाता, लाभ-हानि खाता, लाभ-हानि नियोजन खाता तथा चिट्ठा बनाइये :

(अ) 1-4-91 को बकाया दावे 30,000 रु० के थे।

(ब) 60 प्रतिशत की दर से आयकर के लिए आयोजन करना है।

(स) विनियोगों का बाजार मूल्य 2,50,000 रु० है।

Solution :

New Insurance Co. Ltd.
Fire Insurance Revenue Account
for the year ended 31st March, 1992

	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Claims less reinsurances paid during the year	1,50,000		Balance of Account at the beginning of the year :		
Add : Outstanding at the end of the year	27,500		Reserve for Unexpired Risks	12,500	
	1,77,500		Additional Reserve	37,500	1,62,500
Less : Outstanding at the beginning of the year	30,000	1,47,500	Premium less reinsurances		2,25,000
Commission on :			Interest Dividends and Rents	12,500	
Direct business	17,500		*Less* : Income tax	6,250	6,250
Reinsurance accepted	7,500	25,000	Commission on reinsurance ceded		10,000
Expenses of Management		44,750	Profit on Revaluation of Investments		2,500
Bad Debts		550			
Provision for Taxation		19,070			
Profit transferred to Profit & Loss Account		19,380			
Balance of Account at the end of the year :					
Reserve for Unexpired Risks being 50% of net premium	1,12,500				
Additional Reserve	37,500	1,50,000			
		4,06,250			4,06,250

Profit and Loss Account
for the year ended 31st March, 1992

	Rs.		Rs.
Balance Carried to Profit and Loss Appropriation A/c	19,380	Profit transferred from Fire Insurance Revenue A/c	19,380

Profit and Loss Appropriation Accout
for the year ended 31st March, 1992

	Rs.		Rs.
Balance at the end of the year as shown in the Balance Sheet	59,380	Balance b/d	40,000
		Balance brought From P &L A/c	19,380
	59,380		59,380

Balance Sheet
as on 31st March, 1992

Liabilities	Amount	Assets	Amount
	Rs.		Rs.
1 Shareholders Capital		1. Loans	NIL
Sub.cribed and paid up Capital :		2. Investments (at cost)	2,75,000
25,000 Equity Shares of Rs. 10 each	2,50,000	3 Agents Balances	50,500
		4. Outstanding Premium	NIL
2 Reserve or Contingency A/c		5. Interest, Dividends and Rents outstanding	NIL
(i) Investment Reserve (Rs. 27,500 - Rs. 2,500)	25,000	6. Interest, Dividends and Rent accruing but not due	NIL
(ii) General Reserve	75,000		
(iii) P. & L. Appropriation A/c	59,380	7. Amounts due from other Insurers	1,00,000
3. Balance of Funds and Accounts			
Fire Insurance Account	1,50,000	8 Sundry Debtors	35,000
4 Loans and Advances		9. Bills Receivable	NIL
(i) Estimated Liability in respect of outstanding claims	27,500	10. Cash	
		(i) At Bank	2,10,250
(ii) Amount due to other Insurers	45,000	(ii) In hand	5,200
		11. Other Accounts	NIL
(iii) Sundry Creditors	25,000		
(iv) Provision for Taxation	19,070		
5. Contingent Liabilities NIL			
	6,75,950		6,75,950

टिप्पणी Working Notes .

(i) विनियोगों मे वृद्धि की राशि निम्न प्रकार ज्ञात की गई है :

विनियोगों का बाजार मूल्य = 2,50,000 रु०

घटाइये : विनियोगो की शुद्ध लागत

(Rs. 2,75,000 – 27,500 रु०) = 2,47,500 रु०

= 2,500 रु०

(ii) विनियोगों में वृद्धि को छोड़ते हुए तथा सकल ब्याज की राशि को सम्मिलित करते हुए कर से पूर्व लाभ 42,200 रु० है। इस पर 60 प्रतिशत की दर से कर की राशि 25,320 रु० हुई जिसमें से ब्याज लाभांश आदि पर कर की राशि 6,250 रु० घटाकर शेष 19,070 रु० का आयकर के लिए आयोजन करना होगा।

Illustration 97 : From the following information, prepare final accounts of the Marine Insurance Co. Ltd. as at 31st March, 1992 :

निम्नलिखित सूचनाओं से 31 मार्च, 1992 को मेरिन इन्श्योरेन्स कम्पनी लिमिटेड के अन्तिम खाते तैयार कीजिए :

Reserve for unexpired Risks (1-4-91) Rs. 7,44,900; Additional Reserve (1-4-91) Rs. 74,490, Premium less reinsurances Rs. 10,80,000, Miscellaneous Receipts Rs. 11,100, Claims outstanding (1-4-91) Rs. 2,40,000, claims paid Rs. 7,05,000, commission Rs. 52,500, Expenses of management Rs. 81,000, General Reserve Rs. 1,29,000, Share Capital Rs. 7,50,000, Investments Rs. 11,10,000, Audit fess Rs. 15,000, Directors' sitting fees Rs. 5,100, Interest on Investments Rs. 1,59,000, Income tax deducted on interest Rs. 37,200, Depreciation Rs. 7,500, General charges Rs. 18,000, outstanding premium Rs. 63,000, Deposit with Controller of Insurance Rs. 7,50,000, Furniture and Fittings Rs. 78,000, Amounts due by Agents Rs. 31,500, Cash in Deposit Account Rs. 3,00,000, Amonnts due to Re-insurers Rs. 1,20,000, Outstanding dividends on Investments Rs. 18,000, Sundry Creditors Rs. 36,000, Cash at Bank Rs. 24,000, Sundry Debtors Rs. 48,690.

Outstanding claims due and intimated as on 31-3-92 Rs. 90,000. Dividend at 8% has been proposed by the Directors out of current profits. Transfer 30% of current profits to General Reserve. Share Capital consists of equity shares of Rs. 100 each on which Rs. 50 per share has been called and paid-up.

31–3–92 को बकाया एवं सूचित किये गये दावों की राशि 90,000 रु० थी। चालू वर्ष के लाभों में से संचालकों द्वारा 8% से लाभांश प्रस्तावित किया गया। चालू वर्ष के लाभों का 30% सामान्य संचय में हस्तान्तरित कीजिए। अंश पूँजी के अन्तर्गत 100 रु० वाले समता अंश हैं जिन पर 50 रु० प्रति अंश माँगा एवं चुकाया जा चुका है।

Solution :

Marine Insurance Co. Ltd.
Revenue Account
for the year ended 31st March, 1992

		Rs.			Rs.
Claims less re-insurances paid during the year	Rs. 7,05,000		Balance of Account at the beginning of the year :	Rs.	
Add : Outstanding claims at the end of the year	90,000		Reserve for unexpired Risks	7,44,900	
	7,95,000		Additional Reserve	74,490	8,19,390
Less . Outstanding at the end of the previous year	2,40,000	5,55,000	Premiums less re-insurances		10,80,000
Commission		52,500	Interest Dividends and Rents	1,59,000	
Expenses of Management		81,000	*Less* : Income tax	37,200	1,21,800
Audit fees		15,000	Miscellaneous Receipts		11,100
Directors' sitting fees		5,100			
Depreciation		7,500			
General Charges		18,000			
Profit transferred to Profit and Loss A/c		1,10,190			
Balance of Account at the end of the year as shown in the Balance Sheet :					
Resrve for unexpieed Risks being 100% of premium	10,80,000				
Additional Reserve being 10% of premium	1,08,000	11,88,000			
		20,32,290			20,32,290

Profit and Loss Appropriation Account
for the year ended 31st March, 1992

	Rs.		Rs.
Transfer to General Reserve	33,057	Net Profit as per Revenue Account	1,10,190
Proposed Dividend	60,000		
Balance c/d	17,133		
	1,10,190		1,10,190

Balance Sheet
as on 31st March, 1992

Liabilities	Amount Rs.	Assets	Amount Rs.
Share Capital :		Loans	NIL
Issued and Subscribed :		**Investments :**	
15,000 Equity Shares of Rs. 100		Deposit with Controller of	
each Rs. 50 called & paid-up	7,50,000	Insurance	7,50,000
Reserve or Contingency A/cs :		Other Investments	11,10,000
General Reserve		Agents Balances	31,500
(1,29,000 + 33,057)	1,62,057	Outstanding premiums	63,000
P. & L. Appropriation A/c	17,133	Interest Dividends and Rent	
Balance of Funds & Accounts :		Outstanding	18,000
Marine Insurance Account	11,88,000	Sundry Debtors	48,690
Loans and Advances :		**Cash :**	
Estimated liability in respect of		At Bankers on Deposit A/c	3,00,000
outstanding claims	90 000	Cash at Bank	24,000
Amounts due to Re-insures	1,20,000	**Other Assets :**	
Sundry Creditors	36,000	Furniture & Fittings	78,000
Proposed Dividends	60,000		
	24,23,190		24,23,190

Illustration 98 : The following Figures are extracted from the books of Z Insurance Company Ltd as at 31st March, 1992 :

निम्नलिखित तथ्य 31 मार्च, 1992 को जेड इन्श्योरेन्स कम्पनी की पुस्तकों से लिये गये हैं :

Dr.	Rs.	Cr.	Rs.
Expenses of Management :		Reserve for Unexpired Risks :	
Fire	38,600	Fire	65,100
Marine	17,200	Marine	1,22,000
Claims paid :		Premium less re-insurance :	
Fire	56,000	Fire	1,65,300
Marine	53,700	Marine	1,11,800
Commission :		Additional Reserves :	
Fire	34,800	Fire	71,400
Marine	24,700	Marine	7,500
Income tax on interest	2,900	Claims outstanding at the	
Directors' fee and Travelling Expenses	5,800	Commencement	
Depreciation on Furniture	400	Fire	1,900

Contd ....

Contd. .. ....

Contribution to Staff Provident Fund	1,500	Marine	100
Securitis deposited with Reserve		Interest on Investments	25,700
Bank of India	12,59,100	Miscellaneous Receipts	100
Co-operative Land Mortgage		Share Capital—1,40,000 Shares	
Bank Debentures	2,93,500	of Rs. 10 each	14,00,000
Interest Accur d	3,600	General Reserve	1,27,800
State Govt. Loans	1,52,000	Staff Security Deposit	7,200
National Saving Certificates	90,000	Staff Provident Fund	7,000
Shares in Companies	40,000	Sundry Creditors	1,60,000
Premiums outstanding :		Contingency Reserve	20,000
Fire	70,000	Investment Fluctuaion Reserve	14,000
Marine	59,600		
Sundry Debtors	19,300		
Fixed D.pos t (Staff Security)	7,200		
Fixed Deposit (Emp. P. F.			
Investments)	7,000		
Cash and Bank Balances	65,400		
Furniture less Depreciation	3,200		
Library Books	1,000		
	23,06,900		23,06,900

Additional information :

(1) Estimated liability in respect of claims outstanding at the close of the year was as under :

Fire Rs. 2,600; Marine Rs. 9,400.

(2) You are required to make the following provisions :

(a) Rs 10,000 for survey expenses for marine insurance claims,

(b) Rs. 20,000 for Provision for Taxation.

(3) Provide in case of fire Insurance, for Additional Reserve for unexpired risks at 10% of the net premium in addition to the opening balance.

(4) In respect of Fire Insurance a reinsurance premium paid Rs. 30,000, a claim of Rs. 10,000 recovered by reinsurance and commission at 5% on reinsurance ceded have still to be accounted for.

(5) Market value of the Investments is Rs. 18,25,500.

(6) Reserve for unexpired risk should be 50% of the premiums less reinsurance in case of Fire Bussiness and 100% of the premium less reinsurance in Marine Business

You are required to prepare Revenue Accounts and Profit and Loss Account for the year ended 31st March,, 1992 and the Balance Sheet as on that date.

अतिरिक्त सूचनायें :

(1) वर्ष के अन्त में बकाया दावों सम्बन्धी अनुमानित दायित्व निम्न प्रकार था : अग्नि 2,600 रु०; सामुद्रिक 9,400 रु०।

(2) आपको निम्नांकित प्रावधान करने हैं :

(अ) सामुद्रिक बीमा दावों के सर्वेक्षण व्ययों के लिए 10,000 रु०।

(ब) आयकर आयोजन हेतु 20,000 रु०।

(3) अग्नि बीमा के लिए प्रारम्भिक शेष के अतिरिक्त शुद्ध प्रीमियम का 10% असमाप्त जोखिम के लिए अतिरिक्त संचय हेतु प्रावधान करना है।

(4) अग्नि बीमा के सम्बन्ध में 30,000 रु० पुनर्बीमा प्रीमियम चुकाया गया है, एक दावे के 10,000 रु० पुनर्बीमा के तहत वसूल किये गये हैं तथा पुनर्बीमा पर 5% कमीशन का लेखा करना है।

(5) विनियोगों का बाजार मूल्य 18,25,500 रु० है।

(6) असमाप्त जोखिम के लिए अग्नि व्यवसाय में पुनर्बीमा प्रीमियम घटाने के पश्चात् प्रीमियम का 50% तथा सामुद्रिक व्यवसाय में पुनर्बीमा प्रीमियम घटाने के पश्चात् प्रीमियम का 100% संचय करना है।

आपको 31 मार्च, 1992 को समाप्त वर्ष के लिए रेवेन्यू खाता तथा लाभ-हानि खाता और इसी तिथि को चिट्ठा तैयार करना है।

Solution :

Z Insurance Co. Ltd
Fire Insurance Revenue Account
for the year ended 31st March, 1992

	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Claims less reinsurance paid during the year	56,000		Balance of Account at the beginning of the year :		
Less : Reinsurance recoveries	10,000		Reserve for Unexpired Risk	65,100	
	46,000		Additional Reserve	71,400	1,36,500
Add : Claims outstanding at the end of the year	2,600		Premium less reinsurance :		
	48,600		Premium Received	1,65,300	
Less : Claims outstanding at the beginning of the year	1,900	46,700	*Less* : Re-insurance Premium	30,000	1,35,300
Commission		34,800	Commission on reinsurance ceded 5% of Rs. 30,000		1,500
Expenses of Management		38,600			
Profit transferred to Profit Loss Account		620			
Balance of Account at the end of the year as shown in the Balance Sheet :					
Reserve for unexpired Risks	67,650				
Additional Reserve	84,930	1,52,580			
		2,73,300			2,73,300

Marine Insurance Revenue Account
for the year ended 31st March, 1992

	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Claims less reinsurances paid during the year	53,700		Balance of Account at the beginning of the year :		
Add : Claims outstanding at the end of the year	9,400		Reserve for Unexpired Risk	1,22,000	
			Additional Reserve	7,500	
					1,29,500
	63,100		Premiums less reinsurance		1,11,800
Less : Claims outstanding at the end of the last year	100				
		63,000			
Provision for Survey Expenses		10,000			
Commission		24,700			
Expenses of Management		17,200			
Profit transferred to Profit and Loss Account		7,100			
Balance of Account at the end of the year as shown in the Balance Sheet :					
Reserve for Unexpired Risk	1,11,800				
Additional Reserve	7,500				
		1,19,300			
		2,41,300			2,41,300

Profit and Loss Account
for the year ended 31st March, 1992

	Rs.		Rs.	Rs.
Provision for Taxation	20,000	Interest Dividends and Rents	25,700	
Director's fees and Travelling Expenses	5,800	*Less* : Income tax	2,900	
				22,800
Contribution to Staff Provident Fund	1,500	Net Profit as per Revenue A/cs :		
Depreciation on Furniture	400	Fire	620	
Balance being profit carried to Balance Sheet	2,920	Marine	7,100	
				7,720
		Miscellaneous Receipts		100
	30,620			30,620

Balance Sheet
as on 31st March, 1992

Liabilities		Amount	Assets		Amount
		Rs.			Rs.
Share Capital :			Loans		NIL
Issued, Subscribed and Called up :			Investments (at cost) :		
1,40,000 shares of Rs. 10 each		14,00,000	Market value Rs. 18,25,500		
Reserve or Contingency Account :			Security Deposits with Reserve Bank of India		12,59,100
General Reserve		1,27,800	National Savings Certificate		90,000
Investment Fluctuation Reserve		14,000	State Govt. Securities		1,52,000
Contingency Reserve		20,000	Co-op. Land Mortgage Bank Debentures		2,93,500
Profit and Loss Account		2,920	Shares in Companies		40,000
Balance of Funds & Accounts :			Agents Balances		NIL
Fire Insurance Account		1,52,580	Outstanding Premiums :		
Marine Insurance Account		1,19,300	Fire	Rs. 70,400	
Loans and Advances :			Marine	Rs. 59,600	1,30,000
Staff Security Deposit		7,200	Interest Dividends & Rent acuring but not due		3,600
Staff Provident Fund		7,000	Amount due from other Insurers		11,500
Due to other insurers		30,000	Sundry Debtors		19,300
Outstanding claims :			Fixed Deposits :		
Fire	Rs. 2,600		Staff Securities	Rs. 7,200	
Marine	Rs. 9,400	12,000	P.F. Investments	Rs. 7,000	14,200
Sundry Creditors		1,60,000	Cash and Bank Balances		65,400
Outstanding Sundry Expenses		10,000	Other Accounts :		
Provision for Taxation		20,000	Furniture less Depreciation		3,200
			Library Books		1,000
		20,82,800			20,82,800

Illustration 9.9 : From the following Trial Balance of Bharat General Insurance Company Ltd. prepare final accounts for the year ended 31st March, 1992 :

भारत जनरल इन्श्योरेन्स कम्पनी लिमिटेड के निम्नलिखित तलपट से 31 मार्च, 1992 को समाप्त वर्ष के लिए अन्तिम खाते तैयार कीजिए :

	Dr. Rs.	Cr. Rs.
Share Capital : 1,00,000 Shares of Rs. 10 each		10,00,000
Funds as at 1-4-91 :		
Fire Insurance		3,40,400
Marine Insurance		2,90,400
Accident Insurance		80,200
General Reserve		4,00,000
Profit and Loss Account		60,000
Claims paid :		
Fire Insurance	1,80,000	
Marine Insurance	1,30,200	
Accident Insurance	30,400	
Commission paid :		
Fire Insurance	90,300	
Marine Insurance	42,400	
Accident Insurance	20,200	
Expenses of Management :		
Fire Insurance	1,90,400	
Marine Insurance	42,200	
Accident Insurance	23,300	
Premium less Reinsurance :		
Fire Insurance		4,10,200
Marine Insurance		1,54,400
Accident Insurance		1,00,400
Claims outstanding on 1-4-91 :		
Fire Insurance		6,400
Marine Insurance		12,200
Accident Insurance		2,300
Interest on Investments		78,400
Miscellaneous Receipts : Marine		900
Audit Fees	5,000	
Income tax on interest from Investments	18,400	
Depreciation	6,400	
Directors' Fees	5,000	
General Charges	6,000	
Outstanding Premia	1,60,800	
Deposit with Reserve Bank in G.P. Notes	4,20,000	
Indian Government Securities	10,20,000	
Mortgages in India	60,000	

(Contd.)

Contd.

	Dr. Rs.	Cr. Rs.
Debentures of Companies in India	2,14,000	
Preference Shares of Companies in India	70,000	
Furniture and Fittings	40,400	
Amount due by Agents	15,600	
Interest outstanding	12,000	
Interest accruing but not due	14,000	
Loss on Realisation of Investments	4,800	
Sundry Debtors	16,000	
Cash in Deposit Account	50,000	
Cash in Current Account	90,000	
Outstanding Dividends		4,200
Amount due to Reinsurance		36,600
Cash in hand	5,200	
Sundry Creditors		6,000
	29,83,000	29,83,000

Outstanding claims at the end : Fire Rs. 10,000, Marine Rs. 7,200 and Accident Rs. 2,400. 10% Dividend is proposed and Rs. 50,000 is transferred to General Reserve.

वर्ष के अन्त में बकाया दावे : अग्नि 10,000 रु०, सामुद्रिक 7,200 रु० तथा दुर्घटना 2,400 रु०। 10% लाभांश प्रस्तावित है तथा सामान्य संचय में 50,000 रु० हस्तान्तरित करने है।

Solution :

Bharat General Insurance Co. Ltd.

Revenue Account

for the year ended 31st March, 1992

	Fire	Marine	Accident		Fire	Marine	Accident
	Rs.	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.	Rs
Claims less re-insurances paid during the year	18,0,000	1,30,200	30,400	Balance of Account at the beginning of the year :			
Add : Outstanding at the end of the year	10,000	7,200	2,400	Reserve for Unexpired Risks	3,40,400	2,90,400	80,200
	1,90,000	1,37,400	32,800	Premium less re-insurances	4,10,200	1,54,400	1,00,400
Less : Outstanding at the previous year	6,400	12,200	2,300	*Miscellaneous Receipts*	—	900	—
	1,83,600	1,25,200	30,500				
Commissions	90,300	42,400	20,200				
Expenses of Management	1,90,400	42,200	23,300				
Profit transferrred to Profit & Loss Account	81,200	81,500	56,400				
Balance of Account at the end of the year : Reserve for Unexpired Risks	2,05,100	1,54,400	50,200				
	7,50,600	4,45,700	1,80,600		7,50,600	4,45,700	1,80,600

Profit and Loss Account

for the year ended 31st March, 1992

	Rs.			Rs.
Audit Fees	5,000	Interest on Investments		
Depreciation	6,400		Rs. 78 400	
Directors' Fees	5,000	*Less* : Income tax	Rs. 18,400	60,000
General Charges	6,000			
Loss on Investments	4,800	Profit transferred from		
Balance tran ferred to Profit and		Revenue A/cs :		
Loss Appropriation A/c	2,51,900	Fire Insurance	Rs. 81,200	
		Marine Insurance	Rs. 81,500	
		Accident Insurance	Rs. 56,400	2,19,100
	2,79,100			2,79,100

Profit and Loss Appropriation Account

for the year ended 31st March,, 1992

	Rs.		Rs.
Transfer to General Reserve	50,000	Balance brought farward	60,000
Proposed Dividend	1,00,000	Balance brought from Profit and	
Balance at the end of the year as shown in the Balance sheet	1,61,900	Loss Account	2,51,900
	3,11,900		3,11,900

टिप्पणी : वर्ष के अन्त में असमाप्त जोखिम के लिए संचय अग्नि व दुर्घटना बीमा में शुद्ध प्रीमियम का 50% तथा सामुद्रिक बीमा में शुद्ध प्रीमियम का 100% किया गया है।

Balance Sheet

as at 31st March, 1992

Liabilities		Amount	Assets		Amount
		Rs.			Rs.
Shareholders Capital :			**Loans :**		
Issued and subscribed :			Mortgage in India		60,000
1,00,000 shares of Rs. 10 each fully paid		10,00,000	**Investments (at cost) :**	Rs.	
Reserve or Contingency Accounts :	Rs.		Deposit with Reserve Bank in G.P. Notes	4,20,000	
General Reserve (4,00,000+50 000)	4,50,000		Indian Government Securities	10,20,000	
Profit & Loss Appropriation A/c	1,61,900	6,11,900	Debentures of Companies in India	2,14,000	
			Preference Shares of Companies in India	70,000	17,24,000
Balances of Funds & Accounts :					
Fire Insurance Fund	2,05,100		**Agents Balances**		15,600
Marine Insurance Fund	1,54,400		**Outstanding Premium**		1,60,800
			Interest Accruing but not due		14,000
			Interest outstanding		12,000
Accident Insurance Fund	50,200	4,09,700	**Sundry Debtors**		16,000
			Cash :	Rs.	
Loans and Advances :			Cash in Deposit A/c	50,000	
Estimated Liability in respect of outstanding claims	19,600		Cash in Current A/c	90,000	
			Cash in hand	5,200	1,45,200
Outstanding Dividends	4,200		**Other Accounts :**		
			Furniture & Fittings		40,400
Amount due to Re-insurances	36,600				
Sundry Creditors	6,000				
Proposed Dividends	1,00,000	1,66,400			
		21,88,000			21,88,000

Illustration 9.10 : The International Insurance Co. Ltd. has been transacting only Fire and Miscellaneous Insurance business. From the following Trial Balance of the Company as at 31st March, 1992 you are required to draw up the Fire and Miscellaneous Revenue Accounts, Profit and Loss Account, and Profit and Loss Appropriation Account for the year ended 31st March, 1992 and also the Balance Sheet as on that date ;

इन्टरनेशनल इन्श्योरेन्स कम्पनी लि० केवल अग्नि और विविध बीमा व्यवसाय कर रही है। 31 मार्च, 1992 को कम्पनी के निम्नलिखित तलपट से आपको अग्नि और विविध बीमा व्यवसाय के रेवेन्यू खाते, लाभ-हानि खाता, लाभ-हानि नियोजन खाता एवं उसी तिथि को चिट्ठा बनाना है :

	Dr. balances	Cr. balances
	Rs.	Rs
Share Capital :		
15,000 Equity Shares of Rs. 100 each		15,00,000
Premiums (direct)		
Fire		15,00,000
Miscellaneous		10,00,000
Profit and loss Account		
Credit balance at commencement		1,00,000
Reinsurance accepted :		
Fire		6,00,000
Miscellaneous		4,00,000
Reinsurance ceded :		
Fire	5,50,000	
Miscellaneous	4,25,000	
Claims during the year less reinsurance		
Fire	4,28,500	
Miscellaneous	6,25,800	
Outstanding Claims at the beginning of the year :		
Fire		1,10,500
Miscellaneous		2,05,900
Reserve for Unexpired Risk at commencement :		
Fire		5,22,450
Miscellaneous		4,25,500
Commission on direct premiums :		
Fire	2,25,000	
Miscellaneous	1,50,000	
Expenses of Management :		
Fire	3,25,000	
Miscellaneous	4,20,500	
General Expense (not relating to either department)	50,000	
Deposits with the Reserve Bank of India (3½% 1992 loan of face value of Rs. 3,50,000)	3,00,000	
Other Investments (in Govt. Securities, Shares etc.)	13,50,000	
Interest and dividend received		50,500
Dividend on Eq. share cap paid for the year 1991	75,000	
Tax deducted at source on Interest and Dividends	15,150	
Buildings	11,00,000	

Contd.......

	Rs.	Rs.
Amount due from other persons or bodies carrying on Insurance business	2,09,600	
Amount due to other persons or bodies carrying on Insurance business		1,50,750
Furniture, Fixtures and Equipments	75,850	
Sundry Creditors		10,500
Cash and Bank Balances	2,50,700	
	65,76,100	65,76,100

You are required to take the following further information into consideration :

(1) Fire direct premiums amounting to Rs. 50,000 and conmmission thereon @ 15% were outstanding.

(2) Outstanding claims at the end of the year : Fire Rs. 75,850, Miscellaneous Rs. 1,08,900.

(3) Half year's interest on 4% National Plan Bonds of the face value of Rs. 1,00,000 which was *due on* 31-12-1991 *was not collected.* Adjustments for this as well as for total interest accured but not due Rs. 10,000 is to be made.

(4) Reserve for Unexpired Risks at close to be maintained at 50% of the net premium income.

(5) Provision for taxation is to be made at 50% of the profit.

आपको निम्नलिखित सूचनायें और ध्यान में रखनी हैं :

(1) अग्नि प्रत्यक्ष प्रीमियम 50,000 रु० एवं उस पर 15% की दर से कमीशन प्रदत्त है।

(2) वर्ष के अन्त में बकाया दावे : अग्नि 75,850 रु०; विविध 1,08,900 रु०।

(3) 4% नेशनल प्लान बॉण्ड्स पर जिनका अंकित मूल्य 1,00,000 रु० था, 6 माह का ब्याज जो 31-12-1991 को देय था प्राप्त नहीं किया। इसके लिए एवं कुल उपार्जित ब्याज के लिए जो कि 10,000 रु० का है, समायोजन करना है।

(4) वर्ष के अन्त में असमाप्त जोखिम के लिए संचय शुद्ध प्रीमियम आय का 50% बनाना है।

(5) कर के लिए आयोजन लाभ का 50% बनाना है।

Solution :

The International Insurance Company Ltd.
Fire Insurance Revenue Account
for the year ending 31st March, 1992

		Rs.			Rs.
Claims paid during the year less reinsurance	4,28,500		Reserve for unexpired risk at the beginning of the year		5,22,450
Add : Outstanding claims at the end of the year	75,850		Premiums : Direct	15,00,000	
	5,04,350		*Add* : Outstanding	50,000	
Less : Outstanding in the beginning of the year	1,10,500	3,93,850		15,50,000	
Commission on Direct business : Paid during the year	2,25,000		*Add* : Reinsurance Accepted	6,00,000	
Add : Outstanding at the end of the year	7,500	2,32,500		21,50,000	
Expenses of Management		3,25,000	*Less* : Reinsurance ceded	5,50,000	16,00,000
Profit transferred to P. & L A/c		3,71,100			
Reserve for Unexpired Risk (50% of the Premium Income)		8,00,000			
		21,22,450			21,22,450

Miscellaneous Insurance Revenue Account
for the year ending 31st March, 1992

	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Claims paid during the year less reinsurance	6,25,800		Reserve for unexpired risk at the beginning of the year		4,25,500
Add : Outstanding claims at the end of the year	1,80,900		Premiums : Direct	10,00,000	
			Add : Premiums on reinsurance accepted	4,00,000	
	8,06,700			14,00,000	
Less : Outstanding at the beginning of the year	2,05,900		*Less* : Premium on reinsurance ceded	4,25,000	
		6,00,800			9,75,000
Commission on Direct Business		1,50,000	Loss carried to P & L A/c		2,58,300
Expenses of Management		4,20,500			
Reserve for unexpi ed risk (50% of the premium income)		4,87,500			
		16,58,800			16,58,800

Profit and Loss Account
for the year ending 31st March, 1992

	Rs.		Rs.	Rs.
Expenses of Management	50,000	Interest and Dividend received	50,000	
Loss transferred from Miscellaneous Revenue A/c	2,58,300	*Add* : Outstanding	2,000	
Provision for Taxation	55,075	" Accrued	10,000	
Balance transferred to P & L. Approp iation A/c	55,075		62,500	
		Less : Income-tax	15,150	
				47,350
		Profit from Fire Insurance Revenue A/c		3,71,100
	4,18,450			4,18,450

Profit and Loss Appropriation Account

for the year ending 31st March, 1992

	Rs.		Rs.	Rs.
Balance c/d	80,075	Balance b/d	1,00,000	
		Less : Equity Dividend for 1991 paid	75,000	
				25,000
		Profit b/d from P & L A/c		55,075
	80,075			80,075

Balance Sheet

as on 31st March, 1992

Liabilities		Amount	Assets	Amount
		Rs.		Rs.
Share Capital :			Deposits with Reserve Bank of India 3½% 1992 loan of the face value of Rs. 3,50,000	3,00,000
15,000 Equity Shares of Rs. 100 each ully paid		15,00,000	Other Investments (in Govt. Sec., Shares & Bonds)	13,50,000
P & L A/c Balance		80,075	Outstandings Premiums (Fire)	50,000
Fire Revenue A/c balance		8,00,000	Outstanding Interest	2,000
Miscellaneous Revenue A/c balance		4,87,500	Accrued Interest	10,000
Outstanding Claims	Rs.		Amount due from other persons or bodies carrying on Insurance Business	2,09,600
Fire	75,850		Cash and Bank balance	2,50,700
Miscellaneous	1,80,900		Buildings	1,00,000
		2,56,750	Furniture, Fixtures, and Equipment	75,850
Amount due to other persons or bodies carrying on Insurance Business		1,50,750		
	Rs.			
Sundry Creditors	10,500			
Outstanding Commission	7,500			
		18,000		
Provision for Taxation		55,075		
		33,48,150		33,48,150

अभ्यासार्थ प्रश्न

सैद्धान्तिक प्रश्न (Theoretical Questions)

1. How is profit or loss determined in Fire Insurance business ? Explain in detail.

अग्नि बीमा व्यवसाय में लाभ या हानि का निर्धारण किस प्रकार किया जाता है ? विस्तार से समझाइये ।

2. Prepare (with imaginary figures) Revenue Accounts of Fire and Marine Departments of a General Insurance Company.

एक सामान्य बीमा कम्पनी के अग्नि एवं सामुद्रिक विभागों के (काल्पनिक समंकों की सहायता से) रेवेन्यू खाते तैयार कीजिए।

3. What important points should be kept in mind in preparing the annual accounts of General Insurance Companies ?

सामान्य बीमा कम्पनियों के वार्षिक खाते तैयार करते समय कौन-सी महत्त्वपूर्ण बातों का ध्यान रखना चाहिए ?

4. What provision should be made by a Fire Insurance Company in regard to '*Unexpired risk*' at the end of each financial period ?

प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अन्त में एक अग्नि बीमा कम्पनी द्वारा 'असमाप्त हुई जोखिमों' के सम्बन्ध में क्या प्रावधान करना चाहिए ?

5. Write short notes on (संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिये) :

(i) Claims (दावे)।

(ii) Reinsurance (पुनर्बीमा)।

(iii) Unexpired Risk (असमाप्त जोखिम)।

(iv) Commission on Reinsurances (पुनर्बीमा पर कमीशन)।

(v) Premium on Reinsurances (पुनर्बीमा पर प्रीमियम)।

व्यावहारिक प्रश्न (Practical Questions)

6. From the following information, prepare revenue account of a Fire Insurance Company for the year ending *31st March, 1992* :

निम्नलिखित सूचना से एक अग्नि बीमा कम्पनी का 31 मार्च, 1992 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए रेवेन्यू खाता तैयार कीजिए :

	Rs.		Rs.
Fire fund on 1-4-1991	6,00,000	Claims outstanding on 1-4-1991	20,000
Premiums received	4,50,000	Claims outstanding on 31-3-92	24,000
Premiums due but not received	30,000	Claims recovered under reinsurance	18,000
Premiums paid for re-insurance	10,000	Commission to agents	42,000
Interest, dividends and rent (gross)	70,000	Expenses of Management	84,000
Income tax deducted therefrom	8,000	Rent prepaid for office building	1,000
Profit on sale of investments	7,000	Loss on sale of office machines	2,000
Sundry Incomes	2,000	Commission on reinsurance accepted	3,000
Claims paid during the year	3,80,000		

Keep a reserve for unexpired risk equal to 50% of the premiums and additional reserve of Rs 80,000.

असमाप्त जोखिम के लिए प्रीमियम का 50% कोष और 80,000 रु० अतिरिक्त कोष बनाना है।

Answer : Profit in Revenue Account Rs. 3,29,000. (9·1)

7. From the following particulars you are required to prepare Fire Revenue Account for the year ending 31st March, 1992 :

आपको 31 मार्च, 1992 को समाप्त हुए वर्ष के लिए, निम्नलिखित विवरणों से रेवेन्यू खाता बनाना है :

	Rs.		Rs.
Claims paid	4,80,000	Commission	2,00,000
Claims outstanding on 1st April, 1991	40,000	Commission on reinsurance ceded	10,000
Claims intimated but not accepted on 31st March 1992	10,000	Commission on reinsurance accepted	5,000
Claims intimated and accepted but not paid on 31st March, 1992	60,000	Expenses of management	3,05,000
Premium received	12,00,000	Provision for unexpired risks on 1st April 1991	4,00,000
Reinsurance Premium	1,20,000	Additional provision for unexpired risk	20,000
		Bonus in reduction of premium	12,000

You are required to provide for additional reserve for unexpired risks at 1% of the net-premium in addition to the opening balance.

आपको असमाप्त जोखिमों के सम्बन्ध में प्रारम्भिक शेष के अतिरिक्त 1% से अतिरिक्त कोष बनाना है।

Answer : Provision for unexpired risk @ 50% of net premium Rs. 5,46,000, Loss transferred to P. & L. A/c Rs. 86,920. (9.2)

8. From the following balance of General Insurance Co Ltd. prepare the necessary revenue accounts and the profit and loss account in respect of the year 1992 :

जनरल इन्श्योरेन्स कम्पनी लि. के निम्नलिखित शेषों से 1992 वर्ष के सम्बन्ध में आवश्यक रेवेन्यू खाते एवं लाभ-हानि खाता तैयार कीजिए :

	Rs.		Rs.
Bad debts (Fire)	5,000	Difference in exchange (Cr.)	300
Bad debts (Marine)	10,000	Profit on sale of land	60,000
Auditors' fees	2,000	Fire premium less reinsurance	6,00,000
Directors' fees	4,200	Marine premium less reinsurance	10,80,000
Share transfer fees	400	Management expenses	
Miscellaneous incomes	1,600	Fire	1,45,000
Fire fund (1–4–91)	2,50,000	Marine	4,02,000
Marine fund (1–4–91)	8,20,000	Claims outstanding on	
Claims paid (fire)	1,40,000	1–4–91 (Fire)	50,000
Claims paid (Marine)	3,00,000		

Commission paid (Fire)	90,000	*Claims outstanding on*	
Commission paid (Marine)	1,08,000	1–4–91 (Marine)	60,000
Additional reserve as on		Commission earned on	
1–4–91 (Fire)	50,000	reinsurance ceded	
Depreciation	35,000	Fire	30,000
Interest, dividends etc.		Marine	60,000
received	19,000		

i) The normal reserve required is 50% of net premium for fire and 100% of net premium for marine. In addition, for fire 15% of the net premium is to be provided as additional reserve.

(ii) The estimated liability in respect of outstanding claims due or intimated as on 31st March, 1992 was :

Fire, Rs. 1,00,000; Marine, Rs. 1,40,000.

(iii) The management expenses stated above are the direct expenses for the respective departments. In addition, common expenses of Rs. 20,000 were incurred which must be charged to each of the departmets in the ratio of premiums received.

(iv) The following re-insurance premiums in respect of business accepted and ceded respectively have not been included in the above figures :

	Reinsurance accepted	Reinsurance ceded
Fire	Rs. 25,000	Rs. 20,000
Marine	Rs. 60,000	Rs. 45,000

(v) The rate of commission in case of fire business is 15% of reinsurance premium accepted and in case of Marine business it is 10% of reinsurance premium accepted.

(i) अग्नि के सम्बन्ध में शुद्ध प्रीमियम का 50% तथा सामुद्रिक के सम्बन्ध में शुद्ध प्रीमियम का 100% कोष आवश्यक है। इसके अतिरिक्त अग्नि के सम्बन्ध में शुद्ध प्रीमियम का 15% अतिरिक्त कोष और बनाना है।

(ii) 31 मार्च, 1992 को देय और सूचित किये गये बकाया दावों के सम्बन्ध में अनुमानित दायित्व था : अग्नि 1,00,000 रु०, सामुद्रिक 1,40,000 रु०।

(iii) उपर्युक्त प्रबन्ध व्यय सम्बन्धित विभागों के प्रत्यक्ष व्यय हैं। इसके अतिरिक्त, 20,000 रु० के सामूहिक व्यय हुए जिन्हें प्रत्येक विभाग में प्राप्त प्रीमियम के अनुपात में विभाजित करना है।

(iv) निम्नलिखित पुनर्बीमा प्रीमियम स्वीकृत एवं प्राप्त किये गये व्यवसाय के सम्बन्ध में हैं जिन्हें उपर्युक्त समंकों में सम्मिलित नहीं किया गया है :

	स्वीकृत पुनर्बीमा	प्राप्त पुनर्बीमा
अग्नि	25,000 रु०	20,000 रु०
सामुद्रिक	60,000 रु०	45,000 रु०

(v) अग्नि व्यवसाय के सम्बन्ध में कमीशन की दर स्वीकृत पुनर्बीमा प्रीमियम को 15% तथा सामुद्रिक व्यवसाय के सम्बन्ध में स्वीकृत पुनर्बीमा प्रीमियम की 10% है।

Answer : *Profit—Fire* Rs. *50,882; Loss—Marine* Rs. *38,882;* Net *Profit* Rs. 52,100. (9.3)

Hint : Management Expenses have been divided in the ratio of 121 : 219.

9. The accountant of the Mutual Benefit General Insurance Company Ltd. has extracted a few items from the trial balance of the company as at March 31, 1992 and has requested you to prepare necessary accounts in the statutory forms to disclose the profit or loss for the year 1992 :

म्युच्युअल बेनेफिट जनरल इन्श्योरेन्स कम्पनी लि० के लेखापाल ने 31 मार्च, 1992 को तलपट से कुछ मदें ली हैं एवं आपसे अनुरोध किया है कि 1992 वर्ष के लिए एक लाभ अथवा हानि ज्ञात करने के लिए वैधानिक प्रारूप में आवश्यक खाते तैयार कीजिए :

	Rs.		Rs.
Director's fees	27,000	Interest received	9,000
Dividends received	25,000	Fixed assets (April 1, 1991)	10,000
Provision for Taxation (April 1, 1991)	75,000	Income tax paid during the year	50,000

	Fire Rs.	Marine Rs.
Outstanding claims as on April 1, 1991	13,000	3,000
Claims paid	45,000	29,000
Reserve for unexpired risk (April 1, 1991)	50,000	37,000
Premiums received	1,33,000	79,000
Commission to Agents	15,000	10,000
Expenses of management	19,000	7,000
Reinsurance premium (Dr.)	13,000	3,000

The following points are also to be taken into account :

(a) Depreciation on fixed assets as 10% to be provided.

(b) Interest accrued Rs. 2,000.

(c) The Directors have decided that the provision for taxation should stand at Rs. 40,000 as on March 31, 1992.

(d) Claims outstanding as on March, 31, 1992—Fire Rs. 5,000; Marine Rs. 1,000.

(e) Premium outstanding as on March 31, 1992—Fire Rs. 12,000; Marine Rs. 8,000.

(f) Reserve for unexpired risks to be kept : Fire 50% of the premiums; Marine 100% of the premiums.

निम्नलिखित तथ्य भी ध्यान में रखने हैं :

(a) स्थायी सम्पत्तियों पर 10% से मूल्य ह्रास लगाना है।

(b) उपार्जित ब्याज 2,000 रु० है।

(c) संचालकों ने तय किया है कि 31 मार्च, 1992 को कर के लिए प्रावधान 40,000 रु० का रखना है।

(d) 31 मार्च, 1992 को बकाया दावे : अग्नि 5,000 रु०, सामुद्रिक 8,000 रु० ।

(e) 31 मार्च, 1992 को बकाया प्रीमियम : अग्नि 12,000 रु०; सामुद्रिक 1,000 रु० ।

(f) असमाप्त जोखिम के लिए कोष बनाना है : अग्नि प्रीमियम का 50%; सामुद्रिक प्रीमियम का 100%

Answer : Profit – Fire Rs. 45,000; Loss—Marine Rs. 70,000; Net Profit—Rs. 31,000 (9.4)

10. The following balances appeared in the books of the National General Insurance Co. Ltd. on 31st March, 1992 :

31 मार्च, 1992 को नेशनल जनरल इन्श्योरेन्स कम्पनी लि० की पुस्तकों में निम्नलिखित शेष प्रकट हुए :

	Rs.		Rs.
Reinsurance Premiums paid :		Share transfer fees received	900
Fire	1,00,000	Expenses of management not applicable to any particular fund	47,500
Marine	50,000	Claims paid :	
Interest and Dividends	1,55,000	Fire	5,30,000
Directors' Fees	10,000	Marine	2,21,000
Claims received from Reinsurance Co.		Miscellaneous	18,500
Fire	1,00,000	Loss on Exchange :	
Reserve for unexpired risk as on 1st April 1991 :		Fire	5,000
Fire	3,33,700	Marine	9,000
Marine	8,24,800	Bad debts :	
Miscellaneous	1,16,000	Fire	100
Expenses of Management :		Miscellaneous	300
Fire	2,31,900	Balance of Profit and Loss App. A/c On 1st April 1991	1,89,500
Marine	1,25,600	Claims outstanding on 1st April 1991 :	
Miscellaneous	13,000	Fire	5,20,000
Premiums received :		Marine	2,81,000
Fire	9,76,000	Miscellaneous	8,400
Marine	7,89,000	Income-tax paid	17,700
Miscellaneous	53,600		
Commission :			
Fire	2,27,000		
Marine	1,52,000		
Miscellaneous	13,000		

You are required to prepare the Revenue Accounts, Profit and Loss A/c and P. & L. Appropriation A/c for the year ended 31st March, 1992, after takingthe following information into consideration :

(i) Provide for unexpired risks at 50% of the premium for Fire and Miscellaneous business and at 100% for Marine business.

(ii) Create Additional Reserves as under.

	Rs
Fire	25,000
Marine	75,000
Miscellaneous	1,00,000

(iii) Premium outstanding at the end of the year were :
Fire Rs. 20,000, Marine—Rs 1,50,000.

(iv) At the Annual General Meeting held in October 1991, a dividend of Rs. 1,50,000 (free of tax) was declared for the year 1991.

(v) Transfer Rs. 1,25,000 to provision for taxation.

(vi) On 31st March, 1992, the claims outstanding were :
Fire—Rs. 3,04,600, Marine—Rs. 3,37,000,
Miscellaneous—Rs. 9,500.

आपको निम्नलिखित सूचनाओं को ध्यान में रखने के पश्चात् रेवेन्यू खाते, लाभ-हानि खाता एवं लाभ-हानि नियोजन खाता तैयार करना है :

(i) असमाप्त हुई जोखिमों के लिए अग्नि एवं विविध व्यवसाय में प्रीमियम का 50% एवं सामुद्रिक व्यवसाय में 100% आयोजन करना है।

(ii) अतिरिक्त कोष बनाइये : अग्नि—25,000 रु०; सामुद्रिक—75,000 रु०; विविध—1,00,000 रु०।

(iii) वर्ष के अन्त में प्रीमियम के बकाया थे : अग्नि - 20,000 रु०, सामुद्रिक 1,50,000 रु०।

(iv) अक्टूबर, 1991 में हुई कम्पनी की वार्षिक साधारण सभा में 1991 वर्ष के लिए 1,50,000 रु० का लाभांश (कर-मुक्त) घोषित किया गया।

(v) करों के आयोजन के लिए 1,25,000 रु० हस्तान्तरित कीजिए।
31 मार्च, 1991 को बकाया दावे थे :
अग्नि—3,04,600 रु०, सामुद्रिक—3,37,000 रु०; विविध—9,500 रु०।

Answer : *Profits in Fire Business Rs. 78,100, Profit in Marine Business Rs. 1,86,200; Loss in Miscellaneous Business Rs. 3,600 and Balance of P. &. L. A/c (Cr.) Rs. 2,16,400; P. & L. Appropriation A/c (Cr.) Rs. 2,55,900.* (95)

11. The following balances have been extracted from the books of General Insurance Company Ltd. as on 31st March, 1992, who are carring on only Fire Insurance business :

निम्नलिखित शेष 31 मार्च, 1992 को जनरल इन्श्योरेन्स कम्पनी लि० की पुस्तकों से लिए गये हैं जो केवल अग्नि बीमा व्यवसाय चला रही है :

	Rs.
Premium less reinsurance	5,00,000
Reserve for unexpired risks as on 31st March, 1991	2,00,000
Claims less reinsurances paid during the year	2,50,000
Claims outstanding as on 31st March, 1992	75,000
Commission on direct business	30,000
Commission on reinsurance ceded	20,000
Commission on reinsurance accepted	10,000
Bad debts	1,500
Foreign taxes	1,000
Rent, rates and taxes	12,000
Establishment charges	50,000
Audit Fees	2,000
Postage and telegram	1,500
Printing and stationery	2,500
Depreciation	4,000
Policy stamp	500
Share Capital	5,00,000
General Reserve	1,00,000
Profit and Loss App. Account (31-3-1991)	20,000
Amount due to other persons carrying on insurance business	80,000
Amount due from other persons carring on insurance business	4,00,000
Cash in hand	2,600
Cash at Bank	1,21,400
Deposit with R B I	2,00,000
Investment : G P. Notes	2,50,000
Shares	1,00,000
Interest and Dividends received (Net)	15,000
Directors' Fees	2,000
Managing Director's Remuneration	18,000
Sundry Debtors	50,000
Sundry Creditors	20,000
Investment Reserve (31-3-1991)	60,000
Motor Car, Furniture etc.	56,000

The general further particulars are available :

(i) Claims outstanding as on 31st March, 1991 : Rs. 50,000.

(ii) Share capital is composed of 50,000, equity shares of Rs. 10 each.

(iii) Market value of investments as on 31st March, 1992 was Rs. 2,80,000. Adjust through Profit and Loss A/c.

(iv) Provision for taxation is to be made at 60%.

(v) Income tax deducted at sources on interest and dividends Rs. 4,000.

You are required to prepare the Fire Revenue Account, Profit and Loss Account and Appropriation Account for the year ended 31st March, 1992 and to draw up the Balance Sheet as at that date.

निम्नलिखित सामान्य विवरण और उपलब्ध हैं :

(i) 31 मार्च, 1991 को बकाया दावे 50,000 रु०।

(ii) अंश पूंजी 10 रु० वाले 50,000 ईक्विटी शर्षों में विभाजित है।

(iii) 31 मार्च, 1992 को विनियोगों का बाजार मूल्य 2,80,000 रु० था। लाभ-हानि खाते के द्वारा समायोजित कीजिए।

(iv) कर के लिए प्रायोजन 60% बनाना है।

(v) ब्याज एवं लाभांश पर उद्गम स्थान पर कर की कटौती 4,000 रु० की गई।

आपको अग्नि रेवेन्यू खाता, लाभ-हानि खाता, नियोजन खाता 31 मार्च, 1992 को समाप्त हुए वर्ष के लिए एवं उसी तिथि को चिट्ठा तैयार करना है।

Answer : Fire Revenue Profit *Rs. 75,000; Profit and Loss A/c balance Rs. 26,000,* Profit and Loss Appropriation A/c balance Rs. 46,000; B/S Total Rs. 11,80,000. (9·6)

12 *From the following particulars of The New India Insurance Company Ltd.* prepare seperate Revenue accounts of Fire and Marine business and Profit and Loss Account for the year ended 31st March, 1992 and a Balance Sheet as on that date :

निम्नलिखित विवरण से दि न्यू इण्डिया इन्श्योरेन्स कम्पनी लि० के 31 मार्च, 1992 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए अग्नि एवं सामुद्रिक बीमा व्यवसायों के लिए अलग से रेवेन्यू खाते एवं लाभ-हानि खाता तथा उसी तिथि का चिट्ठा तैयार कीजिए :

	Rs.		Rs.
Investments	4,06,980	Share Capital (4,000 shares	
Freehold Premises	3,06,412	of Rs. 100 each)	4,00,000
Leasehold Premises	12,604	Claims admitted but not paid :	
Agents balances	46,212	Fire	4,620
Sundry debtors	17,918	Marine	9,808
Income tax on interest and		Creditors	44,962
dividend	4,513	Due to re-insurance :	
Claims paid and outstanding		Fire	2,471
Fire	1,02,412	Marine	4,143
Marine	2,61,512	Premium received :	
Expenses of Management :		Fire	3,56,418
Fire	96,512	Marine	8,59,960
Marine	1,42,218	Interest and Dividends	19,512
Commission-Fire	34,921	Other Receipts	807
Marine	62,857		
Interest accrued	919		
Office Furniture	14,761		
Preliminary Expenses	90,212		
Cash and Bank balance	1,01,738		
	17,02,701		17,02,701

Provision for unexpired risk is to be made at 40% of the premium received.

असमाप्त हुई जोखिमों के लिए प्राप्त प्रीमियम का 40% की दर से प्रावधान करना है।

(Adapted I.C.W.A. Final)

Answer : Fire business loss Rs. 19,994; Marine business profit Rs. 49,389 Balance Sheet Total Rs. 9,97,756. (9 7)

13. The following is the trial balance of the Jaihind General Insurance company Ltd. as on 31st March, 1992 :

जयहिन्द जनरल इन्श्योरेन्स कम्पनी लिमिटेड का 31 मार्च, 1992 को निम्नलिखित तलपट है :

Trial Balance

Dr.	Rs.	Cr.	Rs.
Income tax on Interest dividend etc.	5,950	Reserve for Unexpired Risks on 1-4-1991 :	
		Fire	30,870
Other Income tax	1,770	Marine	74,980
Dividend	14,900	Accident	1,600
Directors' Fees	1,000	Additional Reserve on 1-4-1991 :	
Expenses of Management :			
Fire	22,700	Fire	2,500
Marine	15,200	Marine	7,500
Accident	1,300	Accident	1,000
General	3,250	Premiums less Reinsurances :	
Claims paid less Reinsurances :		Fire	87,600
Fire	43,000	Marine	73,900
Marine	22,100	Accident	5,360
Accidents	1,850	Interest and Dividends	15,780
Loss on Exchange :		Transfer Fees	20
Fire	500	P. & L. Appropriation a/c	18,950
Marine	900	Share Capital	50,000
Bad Debts :		Reserve for Exceptional Losses	1,94,070
Fire	10	Reserve Fund	54,000
Accident	30	Investment Reserve Fund	37,500
Investments	5,64,000	Taxation Provision	63,000
Agents' Balances	52,700	Claims Outstanding	
Due from Other Insurers	31,000	on 1-4-1991	
Sundry Debtors	500	Fire	52,000
Income tax paid in advance	8,100	Marine	28,100
Stamp in hand	10	Accident	840
Cash at Bank and in hand	40,500	Unclaimed Dividends	1,800
Furniture	3,000	Due to other Insurers	49,000
Commission :		Sundry Creditors	21,000
Fire	23,190		
Marine	12,560		
Accident	1,350		
	8,71,370		8,71,370

From the following further information, prepare balance sheet, revenue accounts in respect of fire, marine and accident insurance business, profit and loss account and profit and loss appropriation account. (निम्नलिखित और सूचना से चिट्ठा, अग्नि, सामुद्रिक, दुर्घटना बीमा व्यवसायों के सम्बन्ध में रेवेन्यू खाते, लाभ-हानि खाता तथा लाभ-हानि नियोजन खाता तैयार कीजिए।) —

(i) The Authorised Capital is 2,000 shares of Rs. 25 each fully paid up.

(ii) Provide for unexpired risks at 100% of the premium income for Marine business and 50% for fire and accident business.

(iii) The additional reserves remain unchanged.

(iv) Premiums outstanding at the end of the year are : Fire Rs. 2,000; Marine Rs. 15,000.

(v) Interest and Dividends outstanding Rs. 5,740.

(vi) At the Company's annual general meeting a dividend of 30% is declared for the year 1992.

(vii) Transfer Rs. 12,500 to Provision for Taxation.

(viii) Expenses of Management (General) outstanding Rs. 1,500.

(ix) Claims outstanding on 31st March, 1992 : Fire Rs. 30,400; Marine Rs. 33,700 and Accident Rs. 950.

(x) The Investments valued at below market price were as under :

	Rs.
Rs. 33,000 4% Govt. Loan deposited with the Reserve Bank of India	34,700
Other Indian Govt. Securities	4,85,000
State Govt. Securities	15,000
British Govt. Securities	20,040
Equity Shares of Companies incorporated in India	9,260
	5,64,000

Answer : Fire Insurance Profit Rs. 7,810, Marine Insurance Profit Rs. 18,620, Accident Insurance Loss Rs. 360, Profit for the year Rs. 23,410, Profit and Loss Appropriation A/c balance transferred to Balance Sheet Rs. 27,360 and Balance Sheet Total Rs. 7,22,550. (9·8)

10

सूत्रधारी एवं सहायक कम्पनियों के लेखे

(Accounts of Holding and Subsidiary Companies)

सूत्रधारी कम्पनी व्यावसायिक संयोजन का एक तरीका है। इसके अन्तर्गत एक कम्पनी किसी अन्य कम्पनी पर नियन्त्रण स्थापित करने के लिए उसके समस्त अथवा अधिकांश मताधिकार अंश धारण कर लेती है। अंश धारण करने वाली कम्पनी सूत्रधारी कम्पनी (Holding Company) कहलाती है तथा जिस कम्पनी के अंश धारण किये जाते हैं, वह कम्पनी सहायक कम्पनी (Subsidiary Company) कहलाती है। प्रो० हैने के अनुसार "सूत्रधारी कम्पनी व्यावसायिक संगठन का एक स्वरूप है जिसे आंशिक या अस्थायी संघनन (Consolidation) द्वारा स्थापित किया जाता है जो दूसरी कम्पनियों को मिलाने के उद्देश्य से उनके अंशों की नियन्त्रक राशि को खरीद कर नियन्त्रण स्थापित करता है।"[1]

वैधानिक परिभाषा (Legal Definitions)—भारतीय कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 4 (1) में सहायक कम्पनियों के विषय में उल्लेख किया गया है जो इस प्रकार है :

एक कम्पनी किसी अन्य कम्पनी की सहायक कम्पनी मानी जावेगी, यदि :—

(अ) वह अन्य कम्पनी उस कम्पनी के संचालक-मण्डल के गठन पर नियन्त्रण रखती हो।

अथवा

(ब) वह अन्य कम्पनी उस कम्पनी की ईक्विटी अंश पूँजी के अंकित मूल्य के आधे से अधिक अंश धारण करती है। यदि उक्त कम्पनी भारत में कम्पनी अधिनियम, 1956 के लागू होने से पूर्व स्थापित कम्पनी है तथा इस कम्पनी ने अपने पूर्वाधिकार अंशधारियों को भी वही अधिकार दे रखे हों जो ईक्विटी अंशधारियों को प्राप्त हैं तो उस दूसरी कम्पनी के पास इसकी कुल मताधिकार शक्ति के आधे से अधिक पर स्वामित्व व नियन्त्रण होना चाहिए।

अथवा

(स) वह कम्पनी किसी ऐसी कम्पनी की सहायक कम्पनी है जो कि सूत्रधारी कम्पनी की सहायक कम्पनी हो। उदाहरणार्थ, यदि 'ब' कम्पनी 'अ' कम्पनी की सहायक कम्पनी है तथा 'स' कम्पनी 'ब' कम्पनी की सहायक कम्पनी है तो 'अ' कम्पनी की 'स' कम्पनी भी सहायक कम्पनी मानी जावेगी चाहे 'अ' कम्पनी ने प्रत्यक्ष रूप में

---

1. "A holding company is a form of business organisation established through partial or temporary consolidation which is created for the purpose of combining other corporations by owning a controlling amount of their stock"—Prof Haney

'स' कम्पनी का एक भी अंश न खरीद रखा हो। इसी प्रकार यदि 'द' कम्पनी 'स' कम्पनी की सहायक कम्पनी है तो 'द' कम्पनी 'ब' कम्पनी व 'अ' कम्पनी दोनों की सहायक कम्पनी मानी जायेगी और यही क्रम आगे चलता रहेगा।

सूत्रधारी कम्पनी की परिभाषा : कम्पनी अधिनियम की धारा 4 (4) के अनुसार "यदि एक कम्पनी किसी अन्य कम्पनी की सहायक कम्पनी है, तो वह अन्य कम्पनी उक्त कम्पनी की सूत्रधारी कम्पनी मानी जायेगी" वास्तव में कम्पनी अधिनियम में सूत्रधारी कम्पनी का कोई स्वतन्त्र अस्तित्व नहीं है। सूत्रधारी कम्पनी केवल उस दशा में ही सकती है जबकि उसकी एक अथवा अधिक सहायक कम्पनियाँ हों।

संचालक मण्डल के गठन पर नियन्त्रण से आशय —एक कम्पनी (सूत्रधारी कम्पनी) का दूसरी कम्पनी (सहायक कम्पनी) के संचालक-मण्डल पर नियन्त्रण उसी दशा में माना जायेगा जबकि वह कम्पनी बिना अन्य व्यक्तियों की सहायता से केवल अपने प्रस्ताव से ही सभी संचालकों अथवा अधिकांश संचालकों को हटाने अथवा नियुक्ति करने की सामर्थ्य रखती है।

सूत्रधारी कम्पनियों के लाभ (Advantages of Holding Companies) सूत्रधारी कम्पनियों के निम्नलिखित लाभ हैं :

1. सूत्रधारी एवं सहायक कम्पनियों का पृथक अस्तित्व कायम रहता है जिससे सहायक कम्पनी अपनी ख्याति एवं क्षेत्रीय स्थिति का लाभ उठा सकती है।
2. इस व्यवस्था में प्रत्येक कम्पनी का पृथक अस्तित्व होने के कारण व्यवसाय का आकार सीमित रहता है। जिससे कार्य संचालन कुशलतापूर्वक हो सकता है।
3. सभी कम्पनियाँ एक ही समूह की होने के कारण व्यापारिक प्रतिद्वन्द्विता समाप्त हो जाती है।
4. सूत्रधारी कम्पनी द्वारा सहायता मिलते रहने के कारण सहायक कम्पनी के वित्तीय साधनों में वृद्धि हो जाती है तथा मुद्रा बाजार में उसकी साख बढ़ जाती है।
5. कम्पनियों द्वारा मिलकर कार्य करने से आन्तरिक एवं बाह्य मितव्ययिताओं का लाभ मिलता है जिससे प्राविधिक एवं अन्य सुविधाओं का अधिकतम लाभ उठाया जा सकता है।
6. प्रत्येक कम्पनी अपने वार्षिक खाते अलग-अलग बनाती हैं जिससे उनके व्यापारिक परिणाम एवं आर्थिक स्थिति का पृथक से स्पष्ट ज्ञान हो सकता है।
7. सूत्रधारी कम्पनी, सहायक कम्पनी के अंशों को बेचकर अपने प्रभाव व नियन्त्रण को आसानी से हटा सकती है। यह सुविधा एकीकरण अथवा संविलयन की योजनाओं में नहीं रहती है।
8. कच्चे माल एवं निर्मित माल के मूल्यों को नियन्त्रित करने में सुविधा रहती है।
9. सहायक कम्पनी को हानि होने पर उसे आगामी वर्षों के लाभों में से पूर्ति हेतु आगे ले जाया जा सकता है जिससे आयकर में छूट मिल सकेगी।
10. यदि सहायक कम्पनी घाटे में चल रही है और भविष्य में लाभ होने की सम्भावना नहीं है तो इसे आसानी से बन्द किया जा सकता है।

सूत्रधारी कम्पनियों की हानियाँ (Disadvantages of Holding Companies) : सूत्रधारी कम्पनियों से होने वाली हानियाँ निम्नांकित हैं :

1. कई बार सूत्रधारी कम्पनी द्वारा लिए गये निर्णय सहायक कम्पनी के विकास में बाधक हो जाते हैं।
2. अल्पमत अंशधारियों के उत्पीड़न का खतरा रहता है।

3. सूत्रधारी कम्पनी के सदस्यों को सहायक कम्पनी में विनियोजित राशि का वास्तविक मूल्य ज्ञात नहीं हो पाता है।
4. अन्त: कम्पनी व्यवहार सूत्रधारी कम्पनी को लाभ पहुँचाने की दृष्टि से किये जा सकते हैं।
5. सूत्रधारी कम्पनी के संचालक सहायक कम्पनी के संचालक बनकर ऊँचे पारिश्रमिक ले सकते हैं।
6. अन्त: कम्पनी क्रय-विक्रय में बचे हुए स्टॉक का मूल्यांकन करते समय लेखे सम्बन्धी कठिनाई अनुभव होती है।
7 सहायक कम्पनियों की उपार्जनक्षमता का सही ज्ञान प्राप्त करना कठिन होता है।
8. इससे कम्पनी के कपटपूर्ण प्रवर्तन तथा धोखाधड़ी का खतरा रहता है।

सूत्रधारी कम्पनी का निर्माण (Creation of Holding Company) : सूत्रधारी कम्पनी का निर्माण निम्न प्रकार से हो सकता है :

(1) नवनिर्मित कम्पनी : सूत्रधारी कम्पनी के रूप में एक पूर्णरूपेण नयी कम्पनी का निर्माण किया जा सकता है। *यह कम्पनी नयी कम्पनियों अथवा विद्यमान कम्पनियों के समस्त या अधिकांश अंश खरीद सकती है।* ऐसे अंशों का क्रय नकद में किया जा सकता है अथवा इनके बदले सूत्रधारी कम्पनी अपने स्वयं के अंश आवंटित कर सकती है अथवा दोनों प्रकार से भुगतान किया जा सकता है।

(2) विद्यमान कम्पनी : पहले से विद्यमान कम्पनी सहायक कम्पनियों के रूप में नयी कम्पनियों का निर्माण करके अथवा विद्यमान कम्पनियों के अंश खरीद कर उनको अपनी सहायक कम्पनियाँ बना सकती हैं।

सूत्रधारी कम्पनियों के लेखे को प्रभावित करने वाले कम्पनी अधिनियम के प्रावधान
(Legal Provisions of the Companies Act affecting Accounts of Holding Companies)

सूत्रधारी एवं सहायक कम्पनियों का पृथक-पृथक वैधानिक अस्तित्व होता है। सभी कम्पनियाँ अपने आप में स्वतन्त्र इकाइयाँ होती हैं। इनका अपना संचालक-मण्डल होता है तथा इनकी स्थापना अन्य कम्पनियों की तरह ही कम्पनी अधिनियम के अनुसार की जाती है। प्रत्येक कम्पनी अपनी अलग लेखा पुस्तकें रखती है तथा अन्तिम खाते अलग-अलग तैयार किये जाते हैं। प्रत्येक कम्पनी की लेखा पुस्तकों का अलग-अलग अंकेक्षण कराया जाता है और संचालकों की रिपोर्ट भी अलग-अलग तैयार की जाती हैं। प्रत्येक कम्पनी की वार्षिक साधारण सभा भी अलग होती है। चूँकि सूत्रधारी कम्पनी की पूँजी का कुछ भाग सहायक कम्पनी में विनियोजित होता है अत: सूत्रधारी कम्पनी के अंशधारियों की सूचनार्थ सहायक कम्पनी के सम्बन्ध में कुछ सूचनायें देना अनिवार्य है। ये सूचनायें सहायक कम्पनी की आर्थिक स्थिति लाभार्जनक्षमता, सहायक कम्पनी में सूत्रधारी कम्पनी का विनियोग, सहायक कम्पनी से लाभांश आदि के सम्बन्ध में प्रदान की जाती हैं।

सूत्रधारी कम्पनी के लेखों को प्रभावित करने वाले कम्पनी अधिनियम के विशिष्ट प्रावधान अग्र प्रकार हैं :

(अ) सारणी VI का प्रथम भाग

कम्पनी अधिनियम की सारणी VI के प्रथम भाग के अनुसार सूत्रधारी कम्पनी को अपने चिट्ठे में सहायक कम्पनियों के सम्बन्ध में निम्नलिखित बातों की पृथक से जानकारी देना आवश्यक है :

(1) विनियोगों के सम्बन्ध में : सहायक कम्पनी के अंशों, ऋणपत्रों तथा बॉण्डों में विनियोजित राशि एवं इनके मूल्यांकन का आधार।

(2) देनदारों के सम्बन्ध में : प्रत्येक सहायक कम्पनी द्वारा सूत्रधारी कम्पनी को देय राशि उसके नाम सहित पृथक-पृथक लिखना।

(3) ऋण तथा अग्रिम के सम्बन्ध में : सूत्रधारी कम्पनी द्वारा प्रत्येक सहायक कम्पनी से प्राप्त होने योग्य ऋण तथा अग्रिम की राशि पृथक-पृथक दिखाना।

(4) सुरक्षित ऋणों के सम्बन्ध में : सूत्रधारी कम्पनी द्वारा सहायक कम्पनियों को देय सुरक्षित ऋण उन पर अर्जित ब्याज तथा प्रतिभूति का स्वभाव अलग से दिखाना।

(5) असुरक्षित ऋणों के सम्बन्ध में : सूत्रधारी कम्पनी द्वारा सहायक कम्पनियों को देय असुरक्षित ऋण व उन पर अर्जित ब्याज अलग से दिखाना।

(6) देनदारों के सम्बन्ध में : सूत्रधारी कम्पनी द्वारा सहायक कम्पनियों को देय राशि उनके नाम सहित अलग-अलग दिखाना।

(7) संदिग्ध दायित्व के सम्बन्ध में : सहायक कम्पनियों के सूत्रधारी कम्पनी ने जो अंश, ऋणपत्र तथा बॉण्ड खरीदे हुए हैं उन पर अयाचित राशि को संदिग्ध दायित्व के रूप में पृथक से दिखाना।

(ब) सारणी VI का द्वितीय भाग

कम्पनी अधिनियम की सारणी VI के द्वितीय भाग के अनुसार सूत्रधारी कम्पनी को अपना लाभ-हानि खाता बनाते समय सहायक कम्पनी के सम्बन्ध में निम्नलिखित सूचनायें प्रस्तुत करनी होंगी।

(1) सहायक कम्पनियों से प्राप्त लाभांश।

(2) सहायक कम्पनियों की हानियों के लिए आयोजन।

(स) धारा 212 के प्रावधान

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 212 से 214 के अन्तर्गत कुछ ऐसे प्रावधान दिये गये हैं जिनको सूत्रधारी कम्पनी एवं सहायक कम्पनी के खातों का प्रस्तुतीकरण करते समय ध्यान में रखना आवश्यक है। ये प्रावधान इस प्रकार हैं :—

धारा 212(1)

इसके अन्तर्गत यह व्यवस्था है कि सूत्रधारी कम्पनी अपनी सहायक कम्पनी/कम्पनियों के सम्बन्ध में निम्नलिखित विवरणों को अपने चिट्ठे के साथ संलग्न करेगी :

(i) सहायक कम्पनी के चिट्ठे की एक प्रति;

(ii) सहायक कम्पनी के लाभ हानि खाते की एक प्रति;

(iii) सहायक कम्पनी के संचालक-मण्डल की रिपोर्ट की एक प्रति;

(iv) सहायक कम्पनी के अंकेक्षक-प्रतिवेदन की एक प्रति;

(v) सहायक कम्पनी में सूत्रधारी कम्पनी के हित के सम्बन्ध में एक विवरण [धारा 212 (3)];

(iv) उपधारा (5) में वर्णित विवरण यदि कोई हो;

(vii) उपधारा (6) में वर्णित प्रतिवेदन यदि कोई हो।

धारा 212(2)

इस धारा में यह व्यवस्था दी हुई है कि सहायक कम्पनी का चिट्ठा, लाभ हानि खाता संचालकों का प्रतिवेदन व अंकेक्षकों का प्रतिवेदन कम्पनी अधिनियम 1956 की व्यवस्थाओं के अनुसार तैयार किये जायेंगे। यदि सूत्रधारी कम्पनी व सहायक कम्पनी का लेखा वर्ष एक ही तिथि को समाप्त होता है तो ये प्रपत्र सहायक कम्पनी द्वारा अपने लेखा वर्ष के अन्त में तैयार किये जायेंगे। यदि इन दोनों कम्पनियों के लेखा वर्ष एक ही तिथि

को समाप्त न होते हो तो उपरोक्त वर्णित प्रपत्र सहायक कम्पनी द्वारा उस लेखा वर्ष की समाप्ति पर तैयार किये जायेंगे जो कि सूत्रधारी कम्पनी के लेखा वर्ष से तुरन्त पहले समाप्त हुआ है। यहा पर ध्यान देने योग्य विशेष बात यह है कि सहायक कम्पनी के लेखा वर्ष की समाप्ति की तिथि मे तथा उसकी सूत्रधारी कम्पनी के लेखावर्ष की समाप्ति की तिथि मे 6 माह से अधिक का अन्तर नही होना चाहिए।

धारा 212 (3)

सूत्रधारी कम्पनी के सहायक कम्पनी मे हित के सम्बन्ध में निम्नलिखित बातें लिखी जाती है :

(i) सहायक कम्पनी के लेखा वर्ष के अन्त में सूत्रधारी कम्पनी के हित की सीमा।

(ii) सहायक कम्पनी के शुद्ध लाभों (हानियों को घटाने के बाद) की वह राशि जो सूत्रधारी कम्पनी से सम्बन्धित हो और जिसका लेखा सूत्रधारी कम्पनी की पुस्तको मे न किया गया हो। इसी प्रकार शुद्ध हानियों को लाभ घटाने के पश्चात् दिखाया जाना चाहिए।

(iii) सहायक कम्पनी के उन शुद्ध लाभों या शुद्ध हानियो की कुल राशि जिनका सूत्रधारी कम्पनी के खाते तैयार करते समय ध्यान रखा गया है अथवा हानियो के लिए प्रावधान किया गया है।

धारा 212 (4)

धारा 212 (3) (ii) व (iii) के प्रावधान सहायक कम्पनी के उन्ही लाभ अथवा हानियो पर लागू होंगे जिन्हे सूत्रधारी कम्पनी के खातों में आयगत लाभ अथवा आयगत हानि मानना उचित होगा।

धारा 212 (5)

यदि सहायक कम्पनी का लेखा वर्ष सूत्रधारी कम्पनी के लेखा वर्ष से भिन्न है तो इस अन्तर की अवधि मे निम्नलिखित बातो से सम्बन्धित सूचना सूत्रधारी कम्पनी के चिट्ठे के साथ लगायी जावेगी :

(i) सूत्रधारी कम्पनी के हित की सीमा मे हुआ परिवर्तन;

(ii) सहायक कम्पनी की स्थायी सम्पत्तियो, विनियोगो, ऋणो या चालू दायित्वो के अतिरिक्त अन्य कार्य के लिए उधार ली गई राशियो में महत्वपूर्ण परिवर्तन।

धारा 212 (6)

यदि सूत्रधारी कम्पनी का संचालक मण्डल धारा 212 (4) मे निर्धारित बातो के सम्बन्ध मे कोई सूचना प्राप्त करने मे असमर्थ रहता है तो इसके बारे मे एक लिखित प्रतिवेदन सूत्रधारी कम्पनी के चिट्ठे के साथ लगाया जावेगा।

धारा 212 (7)

धारा 212 (1) से सम्बन्धित प्रपत्रो पर उन्ही व्यक्तियो द्वारा हस्ताक्षर किये जायेंगे जिन्होने सूत्रधारी कम्पनी के ऐसे प्रपत्रो पर हस्ताक्षर किये हैं।

धारा 212 (8)

कम्पनी अधिनियम की धारा 212 (8) के अनुसार सूत्रधारी कम्पनी के सचालक मण्डल के आवेदन पर अथवा उसकी सहमति से केन्द्रीय सरकार किसी भी सहायक कम्पनी के सम्बन्ध मे यह आदेश दे सकती है कि धारा 212 के प्रावधान लागू नहीं होंगे अथवा उस सीमा तक लागू होंगे जिनका कि विवरण उक्त आदेश मे दिया गया है।

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 214 के अन्तर्गत सूत्रधारी कम्पनी के प्रतिनिधियों अथवा सदस्यो को यह अधिकार प्रदान किया गया है कि ऐसे प्रतिनिधि अथवा सदस्य जिनको सूत्रधारी कम्पनी ने प्रस्ताव पारित करके अधिकृत किया है, को सहायक कम्पनी अथवा कम्पनियों की पुस्तकों का निरीक्षण करने का अधिकार होगा

एवं सहायक कम्पनी की लेखा पुस्तके व्यवसाय के कार्य के घण्टों (Business Hours) के दौरान ऐसे सदस्यों अथवा प्रतिनिधियों के निरीक्षण के लिए खुली रहेंगी।

धारा 212 (3) के अन्तर्गत दिये जाने वाले प्रतिवेदन का नमूना (काल्पनिक आधार पर)

Specimen of report under section 212 (3)

(1) Nirmal Ltd.

Report under section 212

(i) The extent of the Holding Company's interest in the subsidiary company	1,60,000 *equity shares of* Rs. 10 each out of the total number of 2,00,000 shares.
(ii) The net aggregate amount of profit after deducting losses of the subsidiary so far as it concerns members of Nirmal Ltd. and are not dealt with in the accounts of Nirmal Ltd. : For the financial year under report.	Rs. 2,30,000
For the previous financial years of the subsidiary since it became subsidary of Nirmal Ltd.	Rs. 4,68,000
(iii) The net aggregate amount of the profit of the subsidiary company that have been dealt with in accounts of Nirmal Ltd.	
For the financial year under report	Nil
For the previous financial years since it became Subsidiary of Nirmal Ltd.	Rs. 1,60,000 (dividend received)

Profits mentioned in (ii) and (iii) are only revenue profits with in the meaning of sub-section (4) of section 212.

There has been no change in the interest of Nirmal Ltd in the subsidiary company since close of the financial year of the later company.

Subsequent to the close of the financial year to the subsidiary company till the date of the balance sheet of Nirmal Ltd. Subsidiary company has :

(i) Issued 13% Debentures with a charge on the fixed assets to the extent of Rs. 9,00,000. All these debentures have been issued to the public; and

(ii) acquired new plant and equipment at a cost of Rs. 15,00,000.

....
....
.... } Directors.

(2) Statement in accordance with the Provisions of Sub-sections (3), (4) and (5) of Section 212 of the Companies Act, 1956.

(1) Shares held by the company in its subsidiary at the end of the same or preceding financial year of each :

	Rs.
Simpson (India) Limited.	1,98,400
Groverson Limited	1,39,800
Ruston Greaves Limited	5,600

(2) The aggregate amounts of the profits less losses of the subsidiaries so far as it concerns the members of the company Ltd. lend to :

	Current financial year Rs.	Preceding year Rs.
(i) dealt with in the company's accounts for the year ended 31st March, 1992.		
Simpson (India) Ltd.	....	10,42,000
Groverson Ltd.	....	13,98,000
Ruston Greaves Ltd.	....	1,68,000
(ii) not dealt with in the company's accounts for the year ended 31st March, 1992		
Simpson (India) Ltd.	2,52,000	15,50,000
Groversen Ltd.	12,08,000	18,72,000
Ruston Greaves Ltd.	16,000	3,000

(3) There was no change in the company's interest in any subsidiary between the end of the preceding financial years of the subsidiary and the end of the company's financial year.

(4) Since 31st March, 1992, the following material changes have taken place in Simpson (India) Ltd.

(i) New plant costing Rs. 4,00,000 in all has been installed.

(ii) Investments have increased by Rs. 80,000 by the purchases of Central Government securities.

(iii) An amount of Rs. 60,000 has been lent to C Ltd. @ 8% per annum.

(iv) Debentures with a floating charge on the assets of the company and carrying interest @ 6% have been issued to the extent of Rs. 2,00,000 for cash.

Except the above no material changes have taken place between the end of the preceding financial year of Groverson Ltd. and Ruston Greaves Ltd. (Subsidiaries) and at the end of the company's financial year in respect of these subsidiary Cos'. fixed assets, investments, the moneys lent by them and the moneys borrowed by them for any purpose other than that of meeting current liabilities.

5. The company has been exempted by the department of company law affairs, Govt of India, from the compliance with sec 212 (1) in respect of attachment of the information other than that given above.

Dated Sd/Directors

Sd/Secretary Sd/Controller of accounts Sd/Managing Director

सूत्रधारी कम्पनी की पुस्तकों में लेखा
(Accounting in the books of Holding Company)

1. अंशों का क्रय : सूत्रधारी कम्पनी द्वारा सहायक कम्पनी के अंश क्रय करने पर निम्न प्रविष्टि होगी—

Investment in shares of Subsidiary Co. a/c Dr.
To Debentures a/c
To Cash/Bank a/c

2. लाभांश प्राप्ति : सहायक कम्पनी के लाभों को अवधि के दृष्टिकोण से निम्न दो भागों में बाँटा जा सकता है :

(i) अंश अधिग्रहण के पूर्व के लाभ (Pre-acquisition Profit) तथा
(ii) अंश अधिग्रहण की बाद की अवधि के लाभ (Post-acquisition Profits)।

अंश अधिग्रहण के पूर्व के लाभों में से लाभांश की प्राप्ति : सहायक कम्पनी के अंश खरीदने की तिथि से पूर्व के लाभों में से प्राप्त हुआ लाभांश सूत्रधारी कम्पनी का पूँजीगत लाभ है। लाभांश की इस राशि को विनियोग की लागत की वसूली मानते हुए 'सहायक कम्पनी के अंशों में विनियोग' खाते को क्रेडिट कर दिया जायेगा। लाभांश प्राप्ति की प्रविष्टि निम्न प्रकार होगी :

Bank a/c Dr.
To Investment in Shares of Subsidiary Co. a/c

अंश अधिग्रहण के बाद के लाभों में से लाभांश की प्राप्ति : सहायक कम्पनी के अंश खरीदने के पश्चात् के लाभों में से प्राप्त हुआ लाभांश सूत्रधारी कम्पनी का आयगत लाभ माना जाता है अतः इसे लाभ हानि खाते के क्रेडिट पक्ष में हस्तान्तरित किया जायेगा। लाभांश प्राप्ति की प्रविष्टि इस प्रकार की जायेगी—

लाभांश प्राप्ति पर—
Bank a/c Dr.
To Dividend a/c

लाभ हानि खाते को हस्तान्तरित करने पर—
Dividend a/c Dr.
To Profit and Loss a/c

आंशिक रूप से पूर्व के लाभों में से और आंशिक रूप से बाद के लाभों में से लाभांश की प्राप्ति : सहायक कम्पनी से सूत्रधारी कम्पनी को मिलने वाला लाभांश आंशिक रूप से अंश खरीदने के पूर्व के लाभों में और आंशिक रूप से अंश खरीदने के बाद के लाभों में से चुकाया जा सकता है। ऐसी परिस्थिति में सर्वप्रथम लाभांश की राशि को अंश अधिग्रहण से पूर्व व बाद के लाभों में विभाजित किया जायेगा तत्पश्चात् निम्न प्रविष्टियाँ की जायेगी :

Bank a/c	Dr.	(लाभांश की कुल राशि से)
To Dividend a/c		(बाद के लाभों में से प्राप्त लाभांश से)
To Investment in Shares of Subsidiary Co. a/c		(पूर्व के लाभों में से प्राप्त लाभांश से)

Dividend a/c Dr.
To Profit and Loss a/c

बोनस अंशों की प्राप्ति : यदि सूत्रधारी कम्पनी को सहायक कम्पनी से बोनस अंशों की प्राप्ति होती है तो इसके लिए कोई जर्नल प्रविष्टि नहीं की जायेगी। विनियोग खाते में केवल अंशों की संख्या में वृद्धि कर दी जायेगी जिसके परिणामस्वरूप विनियोग खाते में प्रति अंश लागत मूल्य कम हो जायेगा।

Illustration 10 1 : On 1st September, 1991 H Ltd. purchased 1,00,000 fully paid Equity Shares of Rs. 10 each in S Ltd. at the rate of Rs. 12 per share. For the year ended 31st March, 1992 S Ltd. paid a dividend of 20% in cash and declared bonus of 1 Equity Share for every 5 Equity shares held.

On 1st April, 1991 S Ltd. had a credit balance of Rs. 90,000 in the Profit and Loss Account and year's trading showed on 31st March, 1992 a net profit of Rs. 1,80,000. The issued share capital of S Ltd. is 1,25,000 Equity Shares of Rs. 10 each fully paid.

Give Journal entries in the books of H Ltd. in connection with the above dividend and bonus declared on the shares of S Ltd. assuming that the dividends are paid first out of the year's profits as far as possible and then out of the balance of undistributed profits of previous years.

1 सितम्बर, 1991 को एच लिमिटेड ने एस लिमिटेड के 10 रु० वाले पूर्णदत्त 1,00,000 ईक्विटी अंश 15 रु० प्रति अंश की दर से क्रय किये। 31 मार्च, 1992 को समाप्त हुए वर्ष के लिए एस लिमिटेड ने 20% लाभांश नकद में दिया और प्रति 5 ईक्विटी अंशों पर 1 ईक्विटी अंश बोनस के रूप में घोषित किया।

1 अप्रैल, 1991 को एस लिमिटेड के लाभ हानि खाते का क्रेडिट शेष 90,000 रु० था और 31 मार्च, 1992 को वर्ष का शुद्ध लाभ 1,80,000 रु० था। एस लिमिटेड की निर्गमित अंश पूंजी 10 रु० वाले पूर्णदत्त 1,25,000 ईक्विटी अंशों में है।

एच लिमिटेड की पुस्तकों में एस लिमिटेड के अंशों पर देय लाभांश व बोनस से सम्बन्धित जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए। यह मानिए कि जहाँ तक सम्भव है, लाभांश सर्वप्रथम वर्ष के लाभों में से दिया जाता है तथा उसके पश्चात् गत वर्षों के अवितरित लाभों में से शेष की पूर्ति की जाती है।

Solution :

Journal of H Ltd.

			Dr.	Cr.
			Rs.	Rs.
Date of receipt	Bank a/c	Dr.	2,00,000	
	To Investment in Shares of S Ltd. a/c			1,16,000
	To Dividend a/c			84,000
	(Dividend received out of pre-acquisition profits credited to Investment Account and out of post-acquisition profits credited to Dividend Account)			
Closing entry	Dividend a/c	Dr.	84,000	
	To Profit & Loss Account			84,000
	(Balance transferred)			

Investment in Shares of E Ltd. Account

Date	Particulars	No. of Shares	Amount Rs.	Date	Particulars	No. of Shares	Amount Rs.
1991 Sept. 1	To Bank a/c	1,00,000	12,00,000	Date of receipt	By Bank a/c		1,16,000
Date of receipt	To Bonus Shares	20,000	—	1992 March 31	By Balance c/d	1,20,000	10,84,000
		1,20,000	12,00,000			1,20,000	12,00,000

टिप्पणियाँ (Working Notes) :

1. एस लिमिटेड की कुल निर्गमित अंश पूँजी 12,50,000 रु० है जिसमें से 10,00,000 रु० की अंश पूँजी एच लिमिटेड के पास है। एस लिमिटेड ने अपनी 12,50,000 रु० की अंश पूँजी पर 20% की दर से 2,50,000 रु० का लाभांश बांटा जिसमें से 2,00,000 रु० का लाभांश एच लिमिटेड को प्राप्त हुआ है।

2. 2,50,000 रु० लाभांश का वितरण निम्न साधनों से किया गया है :

वर्ष 1991-92 के सम्पूर्ण शुद्ध लाभ	1,80,000 रु०
गत वर्षों के लाभों में से (शेष)	70,000 रु०
कुल लाभांश	2,50,000 रु०

3. अंश क्रय से पूर्व के लाभों तथा उसके बाद के लाभों का उपयोग उक्त लाभांश के लिए इस प्रकार किया गया है :

∴ वर्ष 1991-92 में क्रय से पूर्व का समय = 5 माह तथा बाद का समय = 7 माह

∴ 1,80,000 रु० में क्रय से पूर्व के लाभ $= 1,80,000 \times \frac{5}{12} = 75,000$ रु०

तथा क्रय के बाद के लाभ $= 1,80,000 \times \frac{7}{12} = 1,05,000$ रु०

∴ लाभांश के लिए अंश क्रय से पूर्व के प्रयुक्त कुल लाभ = 75,000 रु० + 70,000 रु०
= 1,45,000 रु०

∴ अंश क्रय से पूर्व तथा अंश क्रय के बाद के प्रयुक्त लाभों का अनुपात = 1,45,000 : 1,05,000
= 29 : 21

4. एच लिमिटेड को प्राप्त लाभांश का पूँजीगत एवं आयगत राशियों में विभाजन इस प्रकार किया गया है :

∴ एच लिमिटेड द्वारा प्राप्त लाभांश $= 2{,}50{,}000 \times \frac{80}{100} = 2{,}00{,}000$ रु०

∴ अंश क्रय से पूर्व के लाभ $= 2{,}00{,}000 \times \frac{29}{50} = 1{,}16{,}000$ रु०

∴ अंश क्रय के बाद के लाभ $= 2{,}00{,}000 \times \frac{21}{50} = 84{,}000$ रु०

सहायक कम्पनी की हानियों के लिए आयोजन : सहायक कम्पनी की हानियों को भी अवधि के दृष्टिकोण से निम्न दो भागों में बाटा जा सकता है :

(i) अंश क्रय से पूर्व की हानियाँ (Pre-acquisition Losses)

(ii) अंश क्रय के बाद की हानियाँ (Post-acquisition Losses)

सूत्रधारी कम्पनी द्वारा सहायक कम्पनी के अंश जिस तारीख को क्रय किये जाते है उससे पहले की सहायक कम्पनी की हानियों को अंशों का क्रय मूल्य निर्धारित करते समय ध्यान में रखा गया होगा। अतः ऐसी हानियों के लिए सूत्रधारी कम्पनी की पुस्तकों में किसी प्रकार का आयोजन बनाने की आवश्यकता नहीं होती है। अंश क्रय करने की तारीख के बाद की सहायक कम्पनी की हानियों में सूत्रधारी कम्पनी के हिस्से की हानि के सम्बन्ध में आयोजन बनाया जायगा। इसके लिए सूत्रधारी कम्पनी के लाभ-हानि खाते को डेबिट एवं सहायक कम्पनी की हानियों के लिए आयोजन खाते को क्रेडिट किया जायेगा। सहायक कम्पनी को आगामी वर्षों में लाभ होने पर पूर्व वर्षों की हानि की राशि अपलिखित कर दी जाती है और सहायक कम्पनी की हानियों के लिए आयोजन खाते का शेष लाभ-हानि खाते में हस्तान्तरित कर दिया जायेगा। सहायक कम्पनी की लाभ की स्थिति में सुधार न होने पर सूत्रधारी कम्पनी यदि उचित समझे तो इस आयोजन खाते का शेष Investment in shares of Subsidiary Co. a/c में स्थानान्तरण कर दिया जायेगा।

Illustration 10·2 : On 1st August, 1988 A Ltd. purchased 16,000 equity shares Rs. 100 each in B Ltd. The total issued capital of B Ltd. consists of 20,000 equity shares of Rs. 100 each. There was a debit balance of Rs. 1,50,000 in the Profit and Loss Account of B Ltd. on 1st April, 1988. Later on the trading results of B Ltd. were as follows :

For the year 1988-89 Rs. 24,000 (Loss); For the year 1989-90 Rs. 42,000 (Loss); For the year 1990-91 Rs. 1,20,000 (Profit); For the year 1991-92 Rs. 1,00,000 (Profit).

A Ltd. makes a provision at 50% of the amount of its share of loss in B Ltd. at the end of each year. However, on 31st March, 1992 A Ltd. decided to write back the above provision in its books looking to the profitability of B Ltd.

Pass necessary journal entries at the end of each year from 1988-89 to 1991-92 in the books of A Ltd. and prepare provision for losses in Subsidiary Company Account.

ए लिमिटेड ने 1 अगस्त, 1988 को बी लिमिटेड के 100 रु० वाले 16,000 ईक्विटी अंश खरीदे। बी लिमिटेड की कुल निर्गमित अंश पूँजी 100 रु० वाले 20,000 ईक्विटी अंशों की थी। 1 अप्रैल, 1988 को

बी लिमिटेड के लाभ-हानि खाते में 1,50,000 रु० का डेबिट शेष था। बाद में बी लिमिटेड के व्यापारिक परिणाम निम्न प्रकार रहे :

वर्ष 1988-89 के लिए 24,000 रु० (हानि); वर्ष 1989-90 के लिए 42,000 रु० (हानि); वर्ष 1990-91 के लिए 1,20,000 रु० (लाभ); वर्ष 1991-92 के लिए 1,00,000 (लाभ);

प्रत्येक वर्ष के अन्त में ए लिमिटेड, बी लिमिटेड में अपने हिस्से की हानि की राशि के *50% के लिए* प्रायोजन का निर्माण करती है। बी लिमिटेड की लाभार्जन क्षमता को ध्यान में रखते हुए 31 मार्च, 1992 को ए लिमिटेड ने उपरोक्त प्रायोजन को अपनी पुस्तकों में वापिस लिखने का निर्णय करती है।

वर्ष 1988-89 से 1991-92 तक प्रत्येक वर्ष के अन्त में ए लिमिटेड की पुस्तकों में आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिये तथा सहायक कम्पनी की हानियों के लिए प्रायोजन खाता तैयार कीजिये।

Solution :

Journal of A Ltd.

Date	Particulars		L.F.	Dr. Rs.	Cr. Rs.
1989 March, 31	*Profit and Loss a/c*	*Dr.*		6,400	
	To Provision for Losses of B Ltd. a/c				*6,400*
	(Provision made for post acquisition losses of B Ltd.)				
1990 March, 31	Profit and Loss a/c	Dr.		*16,800*	
	To Provision for Losses of B Ltd.				16,800
	(Provision made for losses of B Ltd. for 1989-90.)				
1992 March, 31	Provision for Losses of B Ltd. a/c	Dr.		23,200	
	To Profit and Loss a/c				23,200
	(Provision no longer required written back.)				

Provision for Losses of B Ltd. Account

Date	Particulars	Rs.	Date	Particulars	Rs.
1989 March, 31	To Balance c/d	6,400	1989 March, 31	By Profit and Loss a/c	6,40
1990 March, 31	To Balance c/d	23,200	1989 April, 1	By Balance b/d	6,40
			1990 March, 31	By Profit and Loss a/c	16,80
		23,200			23,2
1991 March, 31	To Balance c/d	23,200	1990 April, 1	By Balance b/d	23,2
1992 March, 31	To Profit and Loss a/c	23,200	1991 April, 1	By Balance b/d	23,2

Working Notes :

1. ए लिमिटेड द्वारा बी लिमिटेड मे अंश अधिग्रहण की तिथि से पूर्व की हानियो के लिए कोई प्रायोजन नही बनाया जायेगा। अंश अधिग्रहण से पूर्व की हानि की राशि निम्न प्रकार होगी :

1 अप्रैल, 1988 को लाभ हानि खाते का डेबिट शेष	= 1,50,000 रु०
वर्ष 1988-89 के प्रथम चार माह की हानि $\left(24{,}000 \times \frac{4}{12}\right)$	= 8,000 रु०
कुल हानियाँ	1,58,000 रु०

2. वर्ष 1988-89 के अन्तिम आठ माह की हानि $= 24{,}000 \times \frac{8}{12} = 16{,}000$ रु०

हानि की राशि मे सूत्रधारी कम्पनी का हिस्सा $= 16{,}000 \times \frac{80}{100} = 12{,}800$ रु०

सूत्रधारी कम्पनी के हिस्से की हानि के लिए प्रायोजन की राशि $= 12{,}800 \times \frac{50}{100}$

$= 6{,}400$ रु०

3. वर्ष 1989-90 के लिए हानि की कुल राशि = 42,000 रु०

हानि की राशि मे सूत्रधारी कम्पनी का हिस्सा $= \frac{42{,}000 \times 80}{100} = 33{,}600$ रु०

सूत्रधारी कम्पनी के हिस्से की हानि के लिए प्रायोजन की राशि $= \frac{33{,}600 \times 50}{100}$

$= 16{,}800$ रु०

4. वर्ष 1990-91 व 1991-92 में सहायक कम्पनी को लाभ हुआ है अतः सूत्रधारी कम्पनी को प्रायोजन बनाने की आवश्यकता नही है।

एकीकृत वित्तीय विवरण
(Consolidated Financial Statements)

भारत में सूत्रधारी कम्पनियाँ वैधानिक रूप से एकीकृत या समूह खाते तैयार करने के लिए बाध्य नहीं है। इंगलैंड के कम्पनी अधिनियम के अनुसार एकीकृत खाते तैयार करना सूत्रधारी कम्पनी का वैधानिक दायित्व है। सूत्रधारी एव सहायक कम्पनी के वित्तीय विवरणो को एकीकृत या समूहीकृत करना उपयुक्त ही होता है ताकि सूत्रधारी कम्पनी के अंशधारी अपने हित के बारे मे स्पष्ट रूप से जानकारी प्राप्त कर सकें। सूत्रधारी कम्पनी के अंशधारियों का हित सहायक कम्पनी मे उनके विनियोग की सीमा तक ही सीमित होता है। अत: उनको सहायक कम्पनी का सम्पूर्ण चिट्ठा एवं लाभ हानि खाता प्रस्तुत करने की आवश्यकता नही है। उनका मुख्य उद्देश्य यह जानना होता है कि सहायक कम्पनी मे उनके विनियोग का मूल्य क्या है, इसलिए वे यह चाहते हैं कि

उनके सामने सहायक कम्पनी एवं सूत्रधारी कम्पनी में उनके हित को एक साथ एकीकृत करके रखा जाये तथा साथ ही सहायक कम्पनी में बाह्य अंशधारियों के हित को अलग से दिखाया जाये। वास्तव में सूत्रधारी कम्पनी एवं इसकी सहायक कम्पनियों के खातों को एकीकृत रूप में प्रस्तुत करने का प्रमुख उद्देश्य इनकी वित्तीय स्थिति एवं लाभ हानि का एक समूह के रूप में सही एवं उचित चित्र प्रस्तुत करना है। इसके पीछे यह धारणा है कि सूत्रधारी एवं इसकी सहायक कम्पनियाँ समूह के रूप में एक व्यावसायिक इकाई की भांति कार्य करती हैं भले ही ये अलग-अलग वैधानिक अस्तित्व रखती हों। अतः सूत्रधारी कम्पनी के अंशधारियों की दृष्टि से सूत्रधारी कम्पनी का सही चित्रण तभी हो सकता है जबकि पूरे समूह को एक ही व्यावसायिक इकाई माना जाए एवं इनके चिट्ठों एवं लाभ-हानि खातों को एकीकृत रूप में प्रस्तुत किया जाए।

एकीकृत चिट्ठा (Consolidated Balance Sheet)

सूत्रधारी कम्पनी एवं सहायक कम्पनी के चिट्ठों में प्रदर्शित सम्पत्तियों एवं दायित्वों को सम्मिलित करके जब नया चिट्ठा तैयार किया जाता है, तो उसे एकीकृत चिट्ठा (Consolidated Balance Sheet) कहते हैं। इससे सम्पूर्ण समूह की आर्थिक स्थिति की सही जानकारी प्रस्तुत की जा सकती है। सहायक कम्पनी की अंश पूँजी में सूत्रधारी कम्पनी के विनियोग के दृष्टिकोण से सहायक कम्पनियों को दो श्रेणियों में बांटा जा सकता है।

(i) सम्पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कम्पनी (Wholly-owned Subsidiary Company) : जब किसी कम्पनी द्वारा निर्गमित सभी अंश एक अन्य कम्पनी के स्वामित्व तथा नियन्त्रण में होते हैं, ऐसी कम्पनी सम्पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कम्पनी कहलाती है। ऐसी कम्पनियों के चिट्ठों को एकीकृत करते समय निम्नलिखित गणनाएँ की जायेगी—

(1) अंश अधिग्रहण से पूर्व व अंश अधिग्रहण के पश्चात् के लाभों की गणना : सूत्रधारी कम्पनी द्वारा सहायक कम्पनी के अंश जिस वित्तीय वर्ष में खरीदे जाते हैं उससे पूर्व के वर्षों के समस्त अवितरित लाभ अधिग्रहण से पूर्व के लाभ कहलाते है। जिस वित्तीय वर्ष के मध्य में सहायक कम्पनी के अंश सूत्रधारी कम्पनी द्वारा खरीदे गये हैं उस वित्तीय वर्ष के लाभों को भी दो भागों में बांटा जाता है। उस वित्तीय वर्ष के लाभों को समय के अनुपात में बांटकर अंश क्रय से पूर्व की अवधि के लाभ एवं पश्चात् की अवधि के लाभों की गणना करली जाती है। यदि सूत्रधारी कम्पनी ने सहायक कम्पनी के अंश वित्तीय वर्ष की प्रारम्भिक तिथि को ही खरीद लिये हैं तो उस वित्तीय वर्ष के समस्त लाभ अंश अधिग्रहण के पश्चात् का लाभ कहलायेगा। यदि सूत्रधारी कम्पनी ने सहायक कम्पनी के अंश वित्तीय वर्ष की अन्तिम तिथि को ही खरीदे हैं तो उस वित्तीय वर्ष का समस्त लाभ अंश अधिग्रहण से पूर्व का लाभ माना जायेगा। अंश अधिग्रहण से पूर्व के लाभों को सहायक कम्पनी के शुद्ध मूल्य (Net worth) की गणना में जोड़ दिया जायेगा तथा अंश अधिग्रहण के पश्चात् के लाभ को एकीकृत लाभ की गणना करते समय जोड़ा जायेगा।

(2) सहायक कम्पनी के शुद्ध मूल्य (Net worth) की गणना : सूत्रधारी कम्पनी द्वारा सहायक कम्पनी के अंश क्रय की तिथि को सहायक कम्पनी के शुद्ध मूल्य की गणना की जाती है। यह गणना निम्न प्रकार की जाती है—

	Rs
Paid-up Share Capital of Subsidiary Company	....
Add : Opening Balance of Capital Reserves	....
Opening Balance of Revenue Reserves	....

		Rs.
Opening Balance of Profit and Loss A/c (Cr.)		....
Pre-acquisition Trading Profits		....
Profit on Revaluation of Assets and Liabilities		....
	Rs.	....
Less : Opening Balance of Profit and Loss A/c (Dr.)	....	
Balance of Fictitious Assets viz. Preliminary Expenses,		
Discount on Issue of Shares etc.	....	
Pre-acquisition Trading Losses	....	
Loss on Revalution of Assets and Liabilities	... .	....
Net worth		....

(3) ख्याति (Goodwill) अथवा नियन्त्रण की लागत (Cost of Control) की गणना : शुद्ध मूल्य की गणना करने के पश्चात् इसकी तुलना सहायक कम्पनी के अंशों में विनियोग की लागत से की जाती है। यदि विनियोग की लागत शुद्ध मूल्य से अधिक हो तो आधिक्य की राशि को ख्याति माना जाएगा तथा उसे एकीकृत चिट्ठे में सम्पत्ति पक्ष की ओर ख्याति के रूप में दिखाया जायेगा। शुद्ध मूल्य की राशि विनियोग की लागत से अधिक होने पर आधिक्य राशि को पूँजीगत संचय माना जाएगा जिसे एकीकृत चिट्ठे के दायित्व पक्ष की ओर दिखाया जायेगा। सूत्र रूप में इसे इस प्रकार व्यक्त किया जा सकता है :

Goodwill = Cost of Investment – Net worth

Capital Reserves = Net worth – Cost of Investment

यदि सूत्रधारी कम्पनी एवं सहायक कम्पनी के चिट्ठों में पहले से ही ख्याति की मदें विद्यमान है तो उपरोक्त प्रकार से गणना करने पर ख्याति आती है तो इन सबको जोड़कर एकीकृत चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष की ओर लिख दिया जायेगा। यदि उपरोक्त गणना करने पर पूँजीगत संचय आता है तो उसे दोनों कम्पनियों की ख्याति के योग में से घटाकर शेष राशि को ही सम्पत्ति पक्ष की ओर दिखाया जायेगा। पूँजीगत संचय की राशि ख्याति की राशि से अधिक होने पर शेष राशि को एकीकृत चिट्ठे में दायित्व पक्ष की ओर दिखाया जायेगा।

कुछ लेखक ख्याति के स्थान पर नियन्त्रण की लागत का प्रयोग करते है। वैसे दोनों ही एक दूसरे के समानार्थक माने जाते है लेकिन फिर भी इनमें कुछ सांकेतिक अन्तर है। यह स्वाभाविक ही है कि जब एक कम्पनी दूसरी कम्पनी पर नियन्त्रण स्थापित करना चाहती है तो उसे दूसरी कम्पनी के अधिकांश अंश खरीदने पड़ते हैं और जब किसी कम्पनी के अंश खरीदे जाते हैं तब बाजार में उनकी संख्या कम हो जाती है और जैसे-जैसे और अधिक अंश खरीदे जाते है उनकी संख्या और कम होती जाती है फलस्वरूप उन अंशों का बाजार मूल्य बढ़ता जाता है। किसी सहायक कम्पनी के अंशों के मूल्य में इस प्रकार से जो वृद्धि होती है उसका कारण न तो उस कम्पनी की शुद्ध सम्पत्तियों का मूल्य है, न उसकी लाभोपार्जन क्षमता है और न उसकी ख्याति है। यदि इसका कोई कारण हो सकता है तो केवल उस कम्पनी के अंशों का बड़ी संख्या में खरीदा जाना ही हो सकता है।

यदि किसी कम्पनी की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं हो और उसमें लाभोपार्जन क्षमता भी नहीं हो तो ऐसी स्थिति में उसकी ख्याति का भी कोई प्रश्न नहीं उठता फिर भी हो सकता है कि दूसरी कम्पनी जो उस पर

नियन्त्रण करना चाहती है अपने किसी हित के कारण उस कम्पनी के अंश खरीदना चाहती हो और इस बात की भी सम्भावना हो सकती है कि जिस कम्पनी को अंश खरीदकर सहायक कम्पनी बनाया जा रहा है उस कम्पनी की दशा इतनी खराब हो कि उसमें ख्याति की कोई सम्भावना ही न हो लेकिन, फिर भी कोई दूसरी कम्पनी अपने निजी हित के लिए उस कम्पनी पर अपना नियन्त्रण स्थापित करना चाहती हो तो उसे नियन्त्रण की लागत के रूप में अंशों के शुद्ध मूल्य से अधिक भुगतान करना पड़ेगा।

उपरोक्त विवेचन के आधार पर इस निष्कर्ष पर पहुँचा जा सकता [redacted] कि जब कम्पनी की लाभोपार्जन क्षमता एवं आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखकर उसके अंशों के लिए शुद्ध मूल्य से अधिक मूल्य देना उचित एवं न्याय संगत हो तब इसे ख्याति माना जाए और शेष अन्य सभी परिस्थितियों में उसे नियन्त्रण की लागत माना जाए।

(4) एकीकृत लाभ *(Consolidated Profit)* की गणना—सूत्रधारी एवं सहायक कम्पनी के लाभों को मिलाकर एकीकृत चिट्ठे में दायित्व पक्ष में दिखाया जाता है जिसे एकीकृत लाभ कहा जाता है। इसकी गणना इस प्रकार की जाती है—

	Opening balance of Profit and Loss A/c of Holding Co.	....
Add :	*Profit for the year of Holding Co.*	....
	Share in post acquisition profit of Subsidiary Co.	....
	Consolidated *Profit*	....

यदि उपरोक्त में लाभ के स्थान पर हानि होगी तो उसे घटा दिया जाएगा।

Illustration 10·3 : H Ltd. acquired all the shares in S Ltd. on 1st April, 1991 and the Balance Sheets of the two companies on 31st March, 1992 were as follows :

एच लिमिटेड ने एस लिमिटेड के सभी अंश 1 अप्रैल, 1991 को क्रय कर लिए और दोनों कम्पनियों के चिट्ठे 31 मार्च, 1992 को इस प्रकार थे —

Liabilities	H Ltd.	S Ltd.	Assets	H Ltd.	[redacted] Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Share Capital	2,00,000	1,20,000	Sundry Assets	2,60,000	2,80,000
General Reserve on 1-4-1991	80,000	60,000	Investments in Shares of S Ltd. at cost	2,00,000	—
Profit and Loss Account	1,00,000	40,000			
Sundry Creditors	80,000	60,000			
	4,60,000	2,80,000		4,60,000	2,80,000

The Profit and Loss Account of S Ltd. has a credit balance of Rs. 12,000 *on 1st* April, 1991. Prepare a Consolidated Balance Sheet as on 31st March, 1992.

एस लिमिटेड के लाभ हानि खाते मे 1 अप्रैल, 1991 को 12,000 रु० का क्रेडिट शेष था। 31 मार्च, 1992 को एकीकृत चिट्ठा बनाइए।

Solution :

Consolidated Balance Sheet of H Ltd. and its Subsidiary S Ltd.
as on 31st March, 1992

Liabilities	Amount	Assets	Amount
	Rs.		Rs.
Share Capital	2,00,000	Goodwill	8,000
General Reserve	80,000	Sundry Assets	5,40,000
Consolidated Profit	1,28,000		
Sundry Creditors	1,40,000		
	5,48,000		5,48,000

Working Notes :

(i) Calculation of Net Worth of S Ltd

		Rs.
	Paid up share Capital	1,20,000
Add :	Genral Reserve on 1-4-1991	60,000
	Opening Balance of P. & L. A/c	12,000
	Net Worth	1,92,000

(ii) Calculation of Goodwill or Capital Reserve

	Cost of Investment	2,00,000
Less :	Net worth	1,92,000
	Goodwill or Cost of Control	8,000

(iii) Calculation of Cosolidated Profit :

	Rs.
Profit and Loss A/c of H Ltd.	1,00,000
Add : Post acquisition Profit of S Ltd. (Rs. 40,000 – Rs. 12,000)	28,000
	1,28,000

(ii) आंशिक स्वामित्व वाली सहायक कम्पनी (Partly owned Subsidiary Company) : जब किसी कम्पनी द्वारा निर्गमित अंशों का आधे से अधिक भाग किसी अन्य कम्पनी के स्वामित्व एवं नियन्त्रण में होता है

तथा उसके अंशों का शेष भाग बाह्य व्यक्तियों (Outsiders) के स्वामित्व में होता है, तो ऐसी कम्पनी 'आंशिक स्वामित्व वाली सहायक कम्पनी' कहलाती है। ऐसी स्थिति में पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कम्पनी का एकीकृत चिट्ठा बनाने के लिए की गई उपरोक्त गणनाओं के अतिरिक्त अल्पमत अंशधारियों (Minority Shareholders') के हित की गणना निम्न प्रकार की जाएगी :—

	Rs.
Share in Net Worth of Subsidiary Company	....
Add : Share in Post-acquisition Profits	....
Minority Shareholders' Interest	....

सहायक कम्पनी की अंश अधिग्रहण के बाद की अवधि में हानि होने पर उसे घटा दिया जाएगा। अल्पमत अंशधारियों के हित की राशि को एकीकृत चिट्ठे के दायित्व पक्ष की ओर दिखाया जायेगा।

Illustration 10·4 : From the Balance Sheets given below prepare a Consolidated Balance Sheet of A Ltd. and its Subsidiary B Ltd. Shares were acquired on 1st October, 1991.

निम्नलिखित चिट्ठों से ए लिमिटेड तथा इसकी सहायक कम्पनी बी लिमिटेड का एकीकृत चिट्ठा तैयार कीजिये। 1 अक्टूबर, 1991 को अंश क्रय किये गये।

Balance Sheets of A Ltd. and B Ltd.
as on 31st March, 1992

Liabilities	A Ltd.	B Ltd.	Assets	A Ltd.	B Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Share Capital :			Land and Buildings	2,40,000	40,000
Shares of Rs. 100 each	3,00,000	60,000	Plant and Machinery	40,000	40,000
General Reserve	40,000	—	Current Assets	1,16,000	20,000
Profit and Loss A/c	60,000	21,000	Investments :		
Sundry Creditors	50,000	19,000	540 Shares of Rs. 100 in B Ltd.	54,000	—
	4,50,000	1,00,000		4,50,000	1,00,000

The Profit and Loss Account of B Ltd. has a credit balance of Rs. 9,000 on 1st April, 1991.

बी लिमिटेड के लाभ हानि खाते में 1 अप्रैल, 1991 को 9,000 रु० का क्रेडिट शेष था।

Solution :

Consolidated Balance Sheet of A Ltd. and its Subsidiary B Ltd.
as on 31st March, 1992

Liabilities	Amount	Assets	Amoı
	Rs.		Rs
Share Capital :		Land and Buildings	2,80,
Shares of Rs. 100 each	3,00,000	Plant and Machinery	80,
Capital Reserve	13,500	Current Assets	1,36,
General Reserve	40,000		
Consolidated Profit	65,400		
Minority Shareholders' Interest	8,100		
Sundry Creditors	69,000		
	4,96,000		4,96,

Working Notes :

(i) Calculation of Net Worth of B Ltd.

	Rs.
Paid up Share Capital	60,000
Opening Balance of Profit and Loss A/c	9,000
Pre-acquisition Profit for six months.	6,000
Net Worth	75,000

(ii) Calculation of Goodwill or Capital Reserve :

Cost of Investment	54,000
Share in Net Worth of B Ltd. $\left(75,000 \times \frac{90}{100}\right)$	67,500
Capital Reserve	13,500

(iii) Calculation of Minority Shareholders' Interest :

	Rs.
Share in Net Worth $\left(75,000 \times \frac{1}{10}\right)$	7,500
Add Share in Post-acquisition Profit $\left(6,000 \times \frac{1}{10}\right)$	600
Minority Shareholders' Interest	8,100

(iv) Calculation of Consolidated Profit :

	Rs.
Balance of Profit and Loss A/c of A Ltd	60,000
Add : Share in Post-acquisition Profit $\left(6,000 \times \frac{9}{10}\right)$	5,400
Consolidated Profit	65,400

अन्तः कम्पनी व्यवहारों को रद्द करना
(Cancellation of Inter-Company Transactions)

सूत्रधारी कम्पनी एवं सहायक कम्पनी के मध्य परस्पर लेन देन होते रहते हैं जिनके परिणामस्वरूप इनके चिट्ठों में कुछ मदें ऐसी होती हैं जो एक दूसरे से सम्बन्धित होती हैं। एकीकृत चिट्ठा बनाते समय ऐसी मदों के प्रभाव को हटाना आवश्यक होता है। ये मदें निम्नलिखित हो सकती हैं :

(i) देनदार व लेनदार (Debtors and Creditors)—परस्पर उधार क्रय-विक्रय तथा प्रदत्त सेवाओं के कारण देनदार व लेनदार उत्पन्न होते हैं। सूत्रधारी कम्पनी एवं सहायक कम्पनी के चिट्ठों में दिखाई गई ऐसी राशियों को एकीकृत चिट्ठा बनाते समय दोनों तरफ से हटा दिया जायेगा।

(ii) प्राप्य बिल एवं देय बिल (Bills Receivable and Bills Payable) : सूत्रधारी कम्पनी एवं सहायक कम्पनी द्वारा एक दूसरे पर लिखे गये एवं स्वीकार किये गये देय तथा प्राप्य बिल जिन्हें न तो भुनाया गया है और न ही बेचान किया गया है तथा जो चिट्ठे की तिथि को भुगतान के लिए देय नहीं हुए हैं, एकीकृत चिट्ठा बनाते समय ऐसी राशियों को दोनों तरफ से हटा दिया जाता है। उदाहरणार्थ सूत्रधारी कम्पनी ने अपनी सहायक कम्पनी पर 25,000 रु० के बिल लिखे तथा स्वीकृति के पश्चात् 15,000 रु० के बिल सूत्रधारी कम्पनी द्वारा बैंक से भुनवा लिए गये। ऐसी स्थिति में सूत्रधारी कम्पनी के चिट्ठे में प्राप्य बिलों की राशि 10,000 रु० होगी तथा 15,000 रु० के संदिग्ध दायित्व होंगे जिन्हें चिट्ठे के नीचे बताया जायेगा। सहायक कम्पनी के चिट्ठे में 25,000 रु० के देय बिल होंगे। एकीकृत चिट्ठा बनाते समय 10,000 रु० की राशि दोनों तरफ कम कर दी जायेगी। एकीकृत चिट्ठे के नीचे संदिग्ध दायित्व के रूप में भुनाये गये बिलों की 15,000 रु० की राशि नहीं दिखायी जायेगी।

(iii) परस्पर ऋण व अग्रिम (Mutual Loans and Advances) : यदि सूत्रधारी एवं सहायक कम्पनी ने आपस में कोई उधार ली है तो यह राशि उधार देने वाली कम्पनी के चिट्ठे में सम्पत्ति पक्ष पर एवं उधार लेने वाली कम्पनी के चिट्ठे में दायित्व पक्ष की ओर दिखायी जायेगी। एकीकृत चिट्ठा बनाते समय इस राशि को दोनों तरफ से हटा दिया जायेगा। इसी प्रकार यदि दोनों कम्पनियों के मध्य होने वाले आपसी व्यवहारों के लिए चालू खाते (Current Accounts) खुले हुए हैं तो इन्हें भी एकीकृत चिट्ठा बनाते समय दोनों तरफ से हटा दिया जाएगा। यदि दोनों राशियों में अन्तर हो तो अन्तर की राशि को एकीकृत चिट्ठे में सम्पत्ति पक्ष की ओर मार्गस्थ रोकड़ (Cash in transit) लिख दिया जायेगा।

(iv) ऋणपत्र (Debentures) : यदि सूत्रधारी कम्पनी ने सहायक कम्पनी के अथवा सहायक कम्पनी ने सूत्रधारी कम्पनी के ऋणपत्र क्रय कर रखे हों तो इन्हें एकीकृत चिट्ठा बनाते समय अन्तः कम्पनी व्यवहार मानकर दोनों तरफ से हटा दिया जायेगा। ऋणपत्रों की प्राप्ति की लागत उनके अंकित मूल्य से कम या अधिक होने पर अन्तर की राशि ख्याति या पूँजीगत संचय होगा। ऋणपत्रों का क्रय मूल्य प्रदत्त मूल्य से अधिक होने पर आधिक्य ख्याति में जोड़ दिया जायेगा अथवा पूँजीगत संचय में से घटा दिया जायेगा और यदि क्रय मूल्य प्रदत्त मूल्य से कम है तो अन्तर की राशि पूँजीगत संचय में जोड़ दी जायेगी अथवा ख्याति में से कम कर दी जायेगी।

(द) पूर्वाधिकार अंश (Preference Shares) : यदि सहायक कम्पनी ने पूर्वाधिकार अंशों का भी निर्गमन कर रखा है तो एकीकृत चिट्ठा बनाते समय इसका भी समायोजन करना होगा। यदि इन सभी अंशों को सूत्रधारी कम्पनी ने धारित कर रखा हो तो इन्हें सूत्रधारी कम्पनी के चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में विनियोग के रूप में दिखाया गया होगा तथा सहायक कम्पनी के चिट्ठे के दायित्व पक्ष में अंश पूंजी शीर्षक अन्तर्गत दिखाया गया होगा। यदि सूत्रधारी कम्पनी द्वारा इन अंशों को प्रदत्त मूल्य पर क्रय किया गया है तो एकीकृत चिट्ठा बनाते समय इन्हें अन्तः कम्पनी व्यवहार मानकर हटा दिया जायेगा, लेकिन इन अंशों का क्रय मूल्य इनके प्रदत्त मूल्य से भिन्न होने पर अन्तर की राशि ख्याति अथवा पूंजीगत संचय में सम्मिलित कर ली जायेगी। यदि सहायक कम्पनी के पूर्वाधिकार अंश पूर्णतः बाह्य अंशधारियों द्वारा धारित किये जाते हैं तो उनका प्रदत्त मूल्य बाह्य अंशधारियों के हित में जोड़ दिया जायेगा। सहायक कम्पनी के पूर्वाधिकार अंश अंशतः सूत्रधारी कम्पनी के पास व अंशतः बाह्य अंशधारियों के पास होने पर सूत्रधारी कम्पनी का हिस्सा उपरोक्त नियम के आधार पर समायोजित कर लिया जायेगा तथा बाह्य अंशधारियों का हिस्सा उनके हित में जोड़ दिया जायेगा।

सहायक कम्पनी के पूर्वाधिकार अंशों पर बकाया लाभांश की राशि को इसके चालू वर्ष के लाभों में से कम कर दिया जायेगा तथा लाभांश की इस राशि में सूत्रधारी कम्पनी का हिस्सा एकीकृत लाभ में जोड़ दिया जायेगा और बाह्य अंशधारियों का हिस्सा उनके हित की राशि में जोड़ दिया जायेगा।

Illustration 10·5 : Heavy Ltd. acquired 18,000 Equity Shares of Strong Ltd. of the face value of Rs. 10 each at a price of Rs. 2,55,000 on 1st October, 1991. The Balance Sheet of the two companies as on 31st March, 1992 were as follows :

हैवी लिमिटेड ने स्ट्रांग लिमिटेड के 10 रु० अंकित मूल्य वाले 18,000 इक्विटी अंश 2,55,000 रु० की लागत पर 1 अक्टूबर 1991 को खरीदे। 31 मार्च, 1992 को दोनों कम्पनियों के चिट्ठे इस प्रकार थे :

Balance Sheets

Liabilities	Heavy Ltd.	Strong Ltd.	Assets	Heavy Ltd.	Storng Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Equity Shares of Rs.10 each	15,00,000	3,00,000	Land and Building	10,50,000	2,55,000
			Plant and Machinery	7,50,000	1,50,000
General Reserve (as on 1-4-91)	6,30,000	1,50,000	Stock	3,00,000	60,000
			Debtors	4,50,000	2,02,500
P. & L. A/c (as on 1-4-91)	1,35,000	60,000	Investments	3,00,000	—
			Bills Receivables	30,000	45,000
Profit for the year	2,55,000	67,500	Bank	90,000	75,000
Creditors	3,60,000	1,38,000	Cash	30,000	18,000
Bills Payable	1,20,000	90,000			
	30,00,000	8,05,500		30,00,000	8,05,500

Out of the debtors and bills receivables of Heavy Ltd. Rs. 75,000 and Rs. 24,000 respectively represented those due from Strong Ltd.

Prepare a Consolidated Balance Sheet as on 31st March, 1992.

हैवी लिमिटेड के देनदारों और प्राप्य बिलों में से क्रमश: 75,000 रु० और 24,000 रु० स्ट्रांग लिमिटेड द्वारा देय है।

31 मार्च, 1992 को एक एकीकृत चिट्ठा तैयार कीजिये।

Solution :

(i) Calculation of Net Worth of Strong Ltd.

		Rs.
Paid up Share Capital		3,00,000
Opening Balance of General Reserve		1,50,000
Opening Balance of Profit & Loss A/c		60,000
Pre-acquisition Profit (67,500 × $\frac{6}{12}$)		33,750
	Net Worth	5,43,750

(ii) Calculation of Goodwill or Capital Reserve

		Rs.
3/5th Share in Net worth of Strong Ltd.	(5,43,750 × 3/5)	3,26,250
Less : Cost of Investment		2,55,000
	Capital Reserve	71,250

(iii) Calculation of Minority Shareholders' Interest

	Rs.
$\frac{2}{5}$ Share of Net worth (5,43,750 × $\frac{2}{5}$)	2,17,500
Add : 2/5th Share of Post acquisition Profit (33150 × 2/5)	13,500
Minority Shareholders' Interest	2,31,000

(iv) Calculation of Consolidated Profit

Opening Balance of Profit of Heavy Ltd.	1,35,000
Add : Current Year's Profit of Heavy Ltd.	2,55,000
3/5th Share of Post-acquisition Profit (33,750 × 3/5)	20,250
Consolidated Profit	4,10,250

Consolidated Balance Sheet of Heavy Ltd and its Subsidiary Strong Ltd.
as on 31st March, 1992

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
Equity Share Capital of		Land and Building	13,05,000
Rs. 10 each	15,0 ,000	Plant and Machinery	9,00,000
Capital Reserve	7 ,250	Investments	45,000
General Reserve	6,3 ,000	Stock	3,60,000
Consolidated Profit	4,1 ,250	Debtors (4,50,000 + 2,0 2,500	
Minority Interest	2,3 ,000	− 75,000)	5,77, 00
Creditors (3,60,000 + 1,38,000	4,2 ,000	Bills Receivables	
− 75, 00)	1,8 ,000	(30,000 + 45,000 − 24,000)	51,000
Bills Payable (1, 0,000 + 90,000		*Bank*	*1,65,000*
− 24,000		Cash	48,000
	34,51,500		34,51,500

स्टॉक में सम्मिलित न वसूल हुए लाभ के साथ व्यवहार (Treatment of Unrealised Profit included in Stock) : सूत्रधारी कम्पनी और उसकी सहायक कम्पनियों के मध्य माल के क्रय-विक्रय सम्बन्धी लेन-देन चलते रहते हैं। प्रायः ऐसे लेन देन माल की लागत में लाभ का एक निश्चित प्रतिशत जोड़ कर किये जाते हैं। वार्षिक खाते बनाने की तिथि को ऐसे माल में से शेष बचे माल को क्रेता कम्पनी की पुस्तकों में उसके लागत मूल्य पर ही दिखाया जाता है जिसमें विक्रेता कम्पनी द्वारा लिया गया लाभ सम्मिलित होता है। अतः एकीकृत चिट्ठा बनाते समय विक्रेता कम्पनी के द्वारा वसूल किये गये लाभों के लिए समायोजन करना आवश्यक होता है।

(i) न वसूल हुए लाभ की गणना : यदि विक्रेता कम्पनी द्वारा क्रेता कम्पनी को बेचे गये माल, उस पर वसूल किये गये कुल लाभ तथा क्रेता कम्पनी के पास माल में से शेष स्टॉक की सूचना उपलब्ध है तो ऐसे लाभ का वह अनुपात जो शेष रहे स्टॉक का क्रय किये गये माल के साथ है न वसूल हुआ लाभ होगा। उदाहरणार्थ यदि सूत्रधारी कम्पनी ने सहायक कम्पनी को 50,000 रु० का माल बेचा जिसमें 10,000 रु० लाभ सम्मिलित है तथा एकीकृत चिट्ठा बनाने की तिथि को सहायक कम्पनी के स्टॉक में 20,000 रु० का ऐसा माल सम्मिलित है तो न वसूल हुआ लाभ $\left(\frac{10,000}{50,000} \times 20\,000\right)$ 4,000 रु० होगा। यदि विक्रेता कम्पनी द्वारा वसूल किये गये लाभों का प्रतिशत दिखाया गया है तो इस प्रतिशत के आधार पर न वसूल हुये लाभों की गणना की जा सकती है। ऐसा प्रतिशत लागत पर अथवा विक्रय मूल्य पर दिया जा सकता है। यदि लाभों का प्रतिशत विक्रय मूल्य पर दिया गया है तो क्रेता कम्पनी के पास शेष रहे माल पर इस प्रतिशत के आधार पर न वसूल हुए लाभ की राशि ज्ञात कर ली जायेगी। लाभ का प्रतिशत क्रय मूल्य अर्थात् लागत मूल्य पर दिया हुआ होने पर ऐसे प्रतिशत को निम्न सूत्र की सहायता से विक्रय मूल्य में परिवर्तित करके न वसूल हुये लाभ की गणना कर ली जाती है :

$$\textit{Unrealised Profit} = \frac{\text{Percentage of Profit on cost}}{100 + \text{Percentage of Profit on cost}} \times \text{Value of Stock}$$

उदाहरणार्थ, सूत्रधारी कम्पनी अपना माल लागत में 25% जोड़कर बेचती है। सहायक कम्पनी ने 30,000 रु० का माल सूत्रधारी कम्पनी से क्रय किया था जिसमें से *10,000 रु० का माल बिना बिका रह गया।* इस 10,000 रु० के माल में सम्मिलित न वसूल हुये लाभ की गणना निम्न प्रकार की जायेगी—

$$\text{न वसूल हुआ लाभ} = \frac{25\%}{100+25\%} \times 10{,}000 \text{ रु०} = 2{,}000 \text{ रु०}$$

न वसूल हुए लाभ के साथ व्यवहार : यदि सहायक कम्पनी के समस्त अंश सूत्रधारी कम्पनी के पास हैं तो न वसूल हुआ सम्पूर्ण लाभ एकीकृत स्टॉक में से एवं सूत्रधारी कम्पनी के लाभ-हानि खाते के शेष में से घटा दिया जायेगा। यदि सूत्रधारी कम्पनी ने सहायक कम्पनी के समस्त अंश नहीं खरीद रखे हैं तो न वसूल हुए लाभों का केवल वही हिस्सा घटाया जायेगा जो सूत्रधारी कम्पनी से सम्बन्धित है। उपरोक्त उदाहरण में यह मान लिया जाये कि सूत्रधारी कम्पनी के पास सहायक कम्पनी के अंशों का 60% भाग है तो 2,000 रु० के न वसूल हुए लाभ का 60% अर्थात् 1,200 एकीकृत स्टॉक में से तथा सूत्रधारी कम्पनी के लाभ-हानि खाते के शेष में से घटा दिया जायेगा।

Illustration 106 : The Balance Sheets of H Ltd. and S Ltd. as on 31st March, 1992 were as follows.

31 मार्च, 1992 को एच लिमिटेड तथा एस लिमिटेड के चिट्ठे इस प्रकार थे :

Balance Sheets
as on 31st March, 1992

Liabilities	H Ltd.	S Ltd.	Assets	H Ltd.	S Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Equity Share Capital in shares of Rs. 100 each fully paid	10,00,000	2,00,000	Fixed Assets	8,00,000	2,10,000
			Stock	3,00,000	90,000
General Reserve	2,70,000	80,000	Debtors	2,30,000	1,40,000
Profit & Loss Account	1,80,000	60,000	1,500 Shares in S Ltd.	2,60,000	—
Bills Payable	50,000	40,000	Bills Receivables	70,000	50,000
Creditors	2,00,000	1,20,000	Cash at Bank	40,000	10,000
	17,00,000	5,00,000		17,00,000	5,00,000

H Ltd. purchased shares in S Ltd. on 31st December, 1991. On 1st April, 1991 Profit and Loss Account of S Ltd. showed a debit balance of Rs. 20,000. S Ltd. transferred Rs. 8,000 to General Reserve on 31st March, 1992. Creditors of H Ltd. includes Rs. 30,000 for goods purchased on credit from S Ltd. Closing Stock of H Ltd. includes unsold stock of Rs. 10,000 which was sold by S Ltd. at a profit of 25% on cost. Bills Payable of S Ltd. includes bills of Rs. 15,000 accepted in favour of H Ltd. Bills receivable of H Ltd. includes bills of Rs. 8,000 received from S Ltd. There is a contingent liability of H Ltd. for bills discounted Rs. 20,000. Prepare Consolidated Balance Sheet.

एच लिमिटेड ने एस लिमिटेड के अंश 31 दिसम्बर, 1991 को खरीदे। 1 अप्रैल, 1991 को एस लिमिटेड का लाभ हानि खाता 20,000 रु० से नाम शेष दिखलाता था। 31 मार्च, 1992 को एस लिमिटेड ने 8,000 रु० सामान्य सचय में स्थानान्तरित किये। एच लिमिटेड के लेनदारों में 30,000 रु० एस लिमिटेड से उधार माल खरीदने की राशि सम्मिलित है। एच लिमिटेड के अन्तिम स्टॉक में 10,000 रु० का बिना बिका माल सम्मिलित है जो कि एस मिलिटेड द्वारा लागत पर 25% लाभ लेकर बेचा गया था। एस लिमिटेड के देय बिलों में 15,000 रु० के ऐसे बिल हैं जो एच लिमिटेड के पक्ष में स्वीकार किये गये थे। एच लिमिटेड के प्राप्य बिलों में 8,000 रु० के ऐसे बिल हैं जो एस लिमिटेड से प्राप्त हुये थे। एच लिमिटेड का भुनाये गये बिलों के सम्बन्ध में 20,000 रु० संदिग्ध दायित्व है। एकीकृत चिट्ठा तैयार कीजिये।

Solution :

(i) **Determination of Profit of S Ltd.**
for the year 1991-92
Profit and Loss Account

	Rs.		Rs.
To Balance b/d	20,000	By Net Profit for the year	
To General Reserve	8,000	(Balancing figure)	88,000
To Balance c/d	60,000		
	88,000		88,000

(ii) Calculation of Net Worth of S Ltd. :

	Rs.
Paid up share Capital	2,00,000
General Reserve (Rs 80,000 – Rs. 8,000)	72,000
Profit up to 31st December, 1991 ($88,000 \times \frac{9}{12}$)	66,000
	3,38,000
Less : Debit balance of P. & L. A/c (1-4-91)	20,000
Net Worth	3,18,000

(iii) Calculation of Goodwill or Capital Reserve :

Cost of Investments	2,60,000
Less : Share in Net Worth of S Ltd. (75% of Rs. 3,18,000)	2,38,500
Goodwill	21,500

(iv) Calculation of Minority Shareholders' Interest :

Share in Net Worth (25% of Rs. 3,18,000)	79,500
Add : Share in Post-acquisition Profits ($88,000 \times \frac{3}{12} \times \frac{1}{4}$)	5,500
Minority Shareholders' Interest	85,000

(v) Calulation of Unrealised Profit in Closing Stock of H Ltd.

	Rs.
Value of Stock remained unsold	10,000
Profit charged by S Ltd 25% on cost or 20% on Sale Price	2,000
Reserve required (75% of Rs. 2,000)	1,500

(vi) Calculation of Consolidated Profit :

	Rs.
Balance of Profit and Loss A/c of H Ltd.	1,80,000
Add : Post-acquisition Profits (88,000 $\times \frac{3}{12} \times \frac{3}{4}$)	16,500
	1,96,500
Less : Unrealised Profit included in Stock	1,500
Consolidated Profit	1,95,000

(vii) Stock = Rs. 3,00,000 + Rs. 90,000 − Rs. 1,500 = Rs 3,88,500

(viii) Debtors = Rs. 2,30,000 + Rs. 1,40,000 − Rs. 30,000 = Rs. 3,40,000

(ix) Bills Receivable = Rs. 70,000 + Rs. 50,000 − Rs. 8,000 = Rs. 1,12,000

(x) Creditors = Rs. 2,00,000 + Rs. 1,20,000 − Rs. 30,000 = Rs. 2,90,000

(xi) Bills Payable = Rs. 50,000 + Rs. 40,000 − Rs. 8,000 = Rs. 82,000

Consolidated Balance Sheet of H Ltd. and its Subsidiary S Ltd.
as on 31st March, 1992

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
Equity Shares of Rs. 100 each	10,00,000	Goodwill	21,500
General Reserve	2,70,000	Fixed Assets	10,10,000
Consolidated Profit	1,95,000	Stock	3,88,500
Minority Shareholders' Interest	85,000	Debtors	3,40,000
Bills Payable	82,000	Bills Receivable	1,12,000
Creditors	2,90,000	Bank Balance	50,000
	19,22,000		19,22,000

विशिष्ट मदों का समायोजन
(Adjustment of Specific Items)

एकीकृत चिट्ठा बनाते समय निम्नलिखित मदों के सम्बन्ध में दी गई सूचनाओं के अनुसार उनका समायोजन करना आवश्यक हो जाता है :

(i) प्रस्तावित लाभांश (Proposed Dividends) : यदि सहायक कम्पनी ने लाभांश प्रस्तावित किया है तो इसकी राशि उसके चिट्ठे के दायित्व पक्ष में दिखायी गई होगी। एकीकृत चिट्ठा बनाते समय प्रस्तावित लाभांश

की राशि को चालू वर्ष के लाभों में जोड़ दिया जायेगा तथा इसके पश्चात् लाभ की राशि को अंश अधिग्रहण से पूर्व तथा अंश अधिग्रहण के बाद के लाभों में बांट कर आवश्यक समायोजन किया जायेगा।

(ii) अदत्त लाभांश (Unpaid Dividend) : यदि सहायक कम्पनी ने लाभांश घोषित किया है लेकिन अन्तिम खाते बनाने तक उसका भुगतान नहीं किया गया है तो यह सहायक कम्पनी के चिट्ठे में दायित्व पक्ष की ओर अदत्त लाभांश के रूप में दिखाया जायेगा। सूत्रधारी कम्पनी द्वारा इस लाभांश में अपने हिस्से की राशि को अपने चिट्ठे में सम्पत्ति पक्ष की ओर 'प्राप्य लाभांश' के रूप में एक अलग मद के अन्तर्गत अथवा विविध देनदारों में दिखाया जायेगा। एकीकृत चिट्ठा बनाते समय सूत्रधारी कम्पनी के हिस्से को अन्तः कम्पनी व्यवहार मानकर हटा दिया जायेगा तथा बाह्य अंशधारियों से सम्बन्धित राशि उनके हित में जोड़ दी जायेगी।

(iii) अन्तरिम लाभांश (Interim Dividend) : यदि सहायक कम्पनी द्वारा चालू वर्ष के लाभों में से अन्तरिम लाभांश घोषित किया गया है तो अन्तरिम लाभांश की राशि को चालू वर्ष के लाभ में जोड़कर पूर्व बताए गये नियमानुसार आवश्यक समायोजन कर लिया जायेगा। अन्तरिम लाभांश में जितना हिस्सा सूत्रधारी कम्पनी को मिला है उसके लाभ में से कम कर दिया जायगा तथा बाह्य अंशधारियों का हिस्सा उनके हित की राशि में से घटा दिया जायेगा।

(iv) अंश अधिग्रहण से पूर्व के लाभों में से लाभांश (Dividend out of Pre-acquisition Profits) – *यदि सहायक कम्पनी ने अंश अधिग्रहण से पूर्व के लाभों में से लाभांश घोषित किया है तो सूत्रधारी कम्पनी द्वारा* इस लाभांश को अपने लाभ हानि खाते में क्रेडिट नहीं किया जाता है बल्कि 'सहायक कम्पनी के अंशों में विनियोग खाते' को क्रेडिट किया जाता है। यदि सूत्रधारी कम्पनी ने इस लाभांश को अपने लाभ-हानि खाते में क्रेडिट कर दिया है तो एकीकृत लाभ की गणना करते समय इसे लाभ में से कम कर देना चाहिए। दूसरी तरफ सहायक कम्पनी के शुद्ध मूल्य की गणना करते समय उक्त लाभांश की राशि को घटाने के पश्चात् शेष लाभ का ही समायोजन किया जायेगा तथा 'सहायक कम्पनी के अंशों में विनियोग खाते' को क्रेडिट करके विनियोग की लागत को कम कर दिया जायगा। अल्पमत अंशधारियों के हित की गणना में इसके सम्बन्ध में कोई समायोजन नहीं किया जाएगा।

Illustration 10.7. The Summarised Balance Sheets of A Ltd. and B Ltd. as at 31st March, 1992 are as follows:

31 मार्च, 1992 को ए लिमिटेड तथा बी लिमिटेड के चिट्ठे इस प्रकार हैं :

Liabilities	A Ltd.	B Ltd.	Assets	A Ltd.	B Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs	Rs.
Share Capital : Shares of Rs. 10 each fully paid	3,00,000	1,50,000	Freehold Premises	2,60,000	90,000
General Reserve	1,90,000	6,000	Machinery	60,000	80,000
Profit and Loss A/c	1,60,000	1,08,000	Stock	68,000	60,000
Sundry Creditors	30,000	48,000	Sundry Debtors	52,000	49,000
			Investment in Shares of B Ltd. at cost	1,80,000	—
			Cash at Bank	60,000	33,000
	6,80,000	3,12,000		6,80,000	3,12,000

A Ltd. acquired 12,000 Shares of B Ltd. on 1st April, 1991 at a total cost of Rs. 1,80,000 On scrutiny of the Balance Sheet of A Ltd. as at 31st March, 1992 the following details are obtained :

(i) Profit and Loss Account includes the interim dividend at the rate of 10% free of tax from B Ltd.

(ii) Stock includes Rs. 6,000 of stock at cost purchased from B Ltd.

(iii) Sundry Creditors include Rs. 18,000 for purchases from B Ltd. on which the later company made a profit of Rs 4,500.

It is further stated that on 1st April, 1991 the Profit and Loss Account of B Ltd. stood at Rs. 76,000 and the General Reserve at Rs. 4,500. No final dividends are yet proposed to be declared by B Ltd

Prepare Consolidated Balance Sheet.

ए लिमिटेड ने बी लिमिटेड के 12,000 अंश 1 अप्रैल, 1991 को 1,80,000 रु० की लागत पर प्राप्त किये। ए लिमिटेड के 31 मार्च, 1992 के चिट्ठे को जाँच करने पर निम्नलिखित विवरण प्राप्त हुए :

(i) लाभ-हानि खाते में बी लिमिटेड से प्राप्त 10% कर मुक्त अन्तरिम लाभांश सम्मिलित है।

(ii) स्टाक में बी लिमिटेड से खरीदा गया 6,000 रु० का स्टॉक लागत पर सम्मिलित है।

(iii) विविध लेनदारों में 18,000 रु० बी लिमिटेड से खरीदे गये माल के सम्मिलित है जिस पर बाद वाली कम्पनी ने 45,000 रु० का लाभ लिया था।

आगे यह भी ज्ञात होता है कि 1 अप्रैल, 1991 को बी लिमिटेड के लाभ-हानि खाते का शेष 76,000 रु० एवं सामान्य संचय का शेष 4,500 रु० था। बी लिमिटेड द्वारा अब तक कोई अन्तिम लाभांश प्रस्तावित नहीं किया है जिसकी घोषणा की जाती हो।

एकीकृत चिट्ठा बनाइये।

Solution :

Consolidated Balance Sheet of A Ltd. and its Subsidiary B Ltd.
as at 31st March, 1992

	Rs.		Rs.
Share Capital : Shares of Rs. 10 each fully paid	3,00,000	Freehold Premises	3,50,000
Capital Reserve	4 400	Machinery	1,40,800
General Reserve	1,90,000	Stock	1,26,000
Consolidated Profit	1,85,600	Sundry Debtors	83,000
Minority Shareholders' Interest	52,800	Cash at Bank	93,000
Sundry Creditors	60,000		
	7,92,800		7,92,800

(i) **Determination of Profit for the year 1992 of B Ltd.**

Profit and Loss Appropriation Account

	Rs.		Rs.
To General Reserve	1,500	By Balance b/d	76,000
To Interim Dividend	15,000	By Net Profit for the year	48,500
To Balance c/d	1,08,000		
	1,24,500		1,24,500

(ii) Calculation of Net Worth of B Ltd. :

	Rs.
Paid up Share Capital	1,50,000
Opening Balance of General Reserve	4,500
Opening Balance of Profit & Loss A/c	76,000
Net Worth	2,30,500

(iii) Calculation of Goodwill or Capital Reserve :

	Rs.
Share in Net Worth of B Ltd. $(2,30,500 \times \frac{4}{5})$	1,84,400
Less : Cost of Investments	1,80,000
Capital Reserve	4,400

(iv) Calculation of Minority Shareholders' Interest :

	Rs.
Share in Net Worth $(2,30,500 \times \frac{1}{5})$	46,100
Add : Share in Post-acquisition profit $(\frac{1}{5} \times 48,500)$	9,700
	55,800
Less : Interim Dividend already received	3,000
Minority Shareholders' Interest	52,800

(v) Calculation of Consolidated Profit :

	Rs.
Balance of Profit and Loss A/c of A Ltd.	1,60,000
Less : Interim Dividend received	12,000
	1,48,000

Add : Share in Post-acquisition profit ($\frac{4}{5}\times 48{,}500$)		38,800
		1,86,800
Less : Unrealised Profit in Stock $\left(\frac{4{,}500}{18{,}000}\times 6{,}000\times\frac{4}{5}\right)$		1,200
	Consolidated Profit	1,85,600

(vi) Sundry Debtors = Rs. 52,000 + Rs. 49,000 Rs. 18,000 = Rs. 83,000.

(vii) Sundry Creditors = Rs. 30,000 + Rs. 48,000 – Rs. 18,000 = Rs. 60,000.

(viii) Stock = Rs. 68,000 + Rs. 60,000 – Rs. 1,200 = Rs. 1,26,800.

Illustration 10·8 : The Balance Sheets of H Ltd. and S Ltd. as on 31st March, 1992 were as under :

31 मार्च, 1992 को एच लिमिटेड एवं एस लिमिटेड के चिट्ठे निम्न प्रकार थे :—

Liabilities	H Ltd.	S Ltd.	Assets	H Ltd.	S Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Shares of Rs. 100 each	5,00,000	2,00,000	Goodwill	40,000	30,000
General Reserve (1-4-91)	1,00,000	60,000	Fixed Assets	3,60,000	2,20,000
			Stock	1,00,000	90,000
Profit & Loss A/c	1,40,000	90,000	Debtors	20,000	75,000
Bills Payable	—	40,000	1,500 Shares in S Ltd. at cost	2,40,000	—
Creditors	80,000	50,000			
			Cash at Bank	60,000	25,000
	8,20,000	4,40,000		8,20,000	4,40,000

The Profit & Loss Account of S Ltd. showed a credit balance of Rs. 50,000 on 1-4-1991. A dividend of 15% was paid in January, 1992 for the year 1991. This dividend was credited by H Ltd. to its Profit & Loss Account The shares were acquired on 1st October, 1991. The bills payable were all issued in favour of H Ltd. who got them discounted. Included in the creditors of S Ltd. is Rs. 20,000 for goods supplied by H Ltd. Included in the stock of S Ltd. are goods of the value of Rs. 8,000 supplied by H Ltd. at a profit of $33\frac{1}{3}\%$ on cost.

Prepare the Consolidated Balance Sheet as on 31st March, 1992.

1-4-1991 को एस लि० के लाभ हानि खाते में 50,000 रु० का क्रेडिट शेष था। 1991 वर्ष के लिए जनवरी, 1992 में 15% लाभांश दिया गया। यह लाभांश एच लि. ने अपने लाभ-हानि खाते में क्रेडिट किय

था। अंश 1 अक्टूबर, 1991 को क्रय किये गये थे। सभी देय विपत्र एच लि० के पक्ष मे जारी किये गये थे जिन्होंने उन्हे बट्टे पर भुना लिया था। एस लि० के लेनदारों मे 20,000 रु० एच लि० द्वारा बेचे गये माल के सम्मिलित हैं। एस लिमिटेड के स्टॉक मे 8,000 रु० का वह माल है जो एच लि० ने लागत पर $33\frac{1}{3}\%$ लाभ जोड़कर बेचा था। 31 मार्च, 1992 को एकीकृत चिट्ठा बनाइये।

Solution :

1. Profit earned during the year by S Ltd.

	Rs.
Balance of profit on 31-3-92	90,000
Less : Opening balance of profit on 1-4-91	50,000
	40,000
Add : Dividend paid (15% on Rs. 2,00,000)	30,000
Profit earned during 1992	70,000

2 Calculation of Net Worth on 1st October, 1991 :

	Rs.
Paid up share capital	2,00,000
Add : General Reserve	60,000
Profit & Loss A/c (1-4-91)	
(After dividend for 1991 i.e Rs. 50,000 Rs. 30,000)	20,000
Profit earned upto 1ts October, 1991 or Pre-acquisition profit	
$\left(\text{Rs. } 70{,}000 \times \frac{6}{12}\right)$	35,000
Net Worth	3,15,000

3. Calculation of Goodwill or Capital Reserve

	Rs.
Cost of Investments	2,40,000
Less : Dividend received out of Pre-acquisition profit for 1991	22,500
	2,17,500
Less : 75% Share in Net worth of Rs. 3,15,000	2,36,250
Capital Reserve	18,750

4. Calculation of Unrealised Profit

	Rs.
Closing stock of S Ltd. out of goods purchased from H Ltd.	8,000
Profit included @ $33\frac{1}{3}\%$ on cost i.e., 25% on sale value	2,000
Provision required for unrealised profit 75% o Rs. 2,000	1,500

5. Calculation of Consolidated Profits

	Rs.
Balance of Profit of H Ltd.	1,40,000
Less : Dividend received from S Ltd. out of Pre-acquisition Profit	22,500
	1,17,500
Less : Unrealised profit in closing stock of S Ltd.	1,500
	1,16,000
Add : Share in Post-acquisition profit of S Ltd. $\left(70{,}000 \times \frac{6}{12} \times \frac{75}{100}\right)$	26,250
Consolidated Profit	1,42,250

6 Calculation of Minority Interest

	Rs.
25% Share in Net worth	78,750
Add : 25% Share in Post-acquisition Profit $\left(70{,}000 \times \frac{6}{12} \times \frac{25}{100}\right)$	8,750
Minority Interest	87,500

7. एस लि० द्वारा एच लि० के पास स्वीकृत बिल चूंकि भुना लिये गये है ग्रतः ग्रन्तः कम्पनी व्यवहार के रूप में पूर्ति (Set off) नही होगी जबकि देनदारो एवं लेनदारों में से 20,000 रु० की पूर्ति ग्रन्तः कम्पनी व्यवहार के रूप में की गई है।

8. ख्याति की राशि एच लि० एवं एस लि० की (40,000 + 30,000) = 70,000 रु० है जिसमें 18,750 रु० पूंजीगत संचय कम करके शेष राशि स्थिति विवरण में दिखाई गई है।

Consolidated Balance Sheet of H Ltd. & S Ltd
as on 31st March, 1992

Liabilities	Amount	Assets	Amount
	Rs.		Rs.
Share of Rs. 100 each	5,00,000	Goodwill	51,250
General Reserve	1,00,000	Fixed Assets	5,80,000
Consolidated balance of profit	1,42,250	Stock	1,88,500
Minority Interest	87,500	Debtors	75,000
Bills Payable	40,000	Cash at Bank	85,000
Creditors	1,10,000		
	9,79,750		9,79,750

Illustration 10·9 : The balance sheets of Saboo Ltd. and Ramoo Ltd. as at 31st December, 1991 are as follows :

31 दिसम्बर 1991 को साबू लिमिटेड और रामू लिमिटेड के चिट्ठे निम्न प्रकार हैं :

Balance Sheet

Liabilities	Saboo Ltd.	Ramoo Ltd.	Assets	Saboo Ltd.	Ramoo Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Share Capital :			Goodwill	—	20,000
Equity Shares of Rs 100 each	6,00,000	4,00,000	Fixed Assets	3,05,000	2,50,000
			Investments	4,05,000	90,000
6% Preference Shares of Rs. 100 each	—	1,00,000	Stock	2,20,000	3,60,000
			Debtors	2,10,000	2,50,000
General Reserve	1,60,000	80,000	Bills Receivables	40,000	35,000
P & L A/c	1,30,000	1,20,000	Cash	20,000	45,000
Bills Payable	20,000	25,000			
Creditors	2,30,000	2,85,000			
Proposed Dividend	60,000	40,000			
	12,00,000	10,50,000		12,00,000	10,50,000

Saboo Ltd purchased controlling interest in Ramoo Ltd. by acquiring its 3,000 Equity Shares at a premium of -0% on 1st Jan. 1991. The remaining investments include 400 Preference Shares of Ramoo Ltd. at cost Prepare a Consolidated Balance Sheet in the books of Saboo Ltd. as at 31st December 1991. The following further information is to be taken into account.

(a) Profit and Loss account of Ramoo Ltd. includes an amount of Rs. 20,000 brought forward from the year 1990.

(b Creditors of Saboo Ltd. includes an amount of Rs. 12,000 for purchases from Ramoo Ltd., which are still unsold. Ramoo Ltd. sells goods at 20% above cost.

c) Ramoo Ltd. remitted a cheque for Rs. 10,000 on 30th Dec., 1991 which were received by Saboo Ltd. in the month of January, 1992.

(d) Bills Receivable worth Rs. 20,000 out of total bills receivables of Rs. 25,000 received from Ramoo Ltd were discounted by Saboo Ltd. and Ramoo Ltd. had endorsed to its creditors all the bills receivables received from Saboo Ltd. amounting to Rs. 15,000.

(e) The directors of Saboo Ltd. and Ramoo Ltd. have proposed a dividend of 10% on Equity Share Capital for the year 1991.

Show your working in detail.

साबू लिमिटेड ने रामू लिमिटेड के 3,000 ईक्विटी अंश 1 जनवरी, 1991 को 20% प्रीमियम पर खरीद कर उसमें नियन्त्रक हित प्राप्त किया था। शेष विनियोगों में रामू लिमिटेड के 400 पूर्वाधिकार अंश लागत पर सम्मिलित है। साबू लिमिटेड की पुस्तकों में 31 दिसम्बर, 1991 को एकीकृत चिट्ठा तैयार कीजिए। आपको निम्नलिखित सूचनाएँ और दी जाती हैं :

(a) रामू लिमिटेड के लाभ-हानि खाते में वर्ष 1990 से लायी गई 20,000 रु० की राशि सम्मिलित है।

(b) साबू लिमिटेड के लेनदारों में 12,000 रु० की राशि ऐसे माल से सम्बन्धित है जो कि रामू लि० से खरीदा गया था। यह माल अभी तक नहीं बिका है। रामू लिमिटेड अपने माल की लागत मूल्य में 20% लाभ जोड़कर बेचती है।

(c) रामू लिमिटेड ने 30 दिसम्बर, 1991 को 10,000 रु० का एक चैक प्रेषित किया था जो कि साबू लिमिटेड को जनवरी 1992 में प्राप्त हुआ है।

(d) रामू लिमिटेड से प्राप्त कुल 25,000 रु० के प्राप्य बिलों से 20,000 के बिल साबू लिमिटेड द्वारा भुनाए हुए हैं, तथा रामू लिमिटेड को साबू लिमिटेड से जो 15,000 रु० के बिल प्राप्य हुए हैं, इन सबको रामू लिमिटेड ने अपने लेनदारों को बेचान किया हुआ है।

(e) साबू लिमिटेड और रामू लिमिटेड के संचालकों ने वर्ष 1991 के लिए अपनी ईक्विटी अंश पूँजी पर 10% लाभांश प्रस्तावित किया है। अपनी कार्य प्रणाली खुलासा रूप में दीजिए।

Solution :

1. Determination of Net Profit of Ramoo Ltd. for the year 1991

Profit & Loss Account

	Rs.		Rs.
To Proposed Dividend on Equity Shares	40,000	By Opening Balance	20,000
To Closing Balance	1,20,000	By Net Profit for the year (Balancing figure)	1,40,000
	1,60,000		1,60,000

उपरोक्त 1,40,000 रु० के लाभ में से पूर्वाधिकार अंश लाभांश (Preference Share Dividend) के 6,000 रु० घटाने के बाद जो 1,34,000 रु० बचते हैं, अल्पमत अंशधारियों (Minority Shareholders) में 25% तथा साबू लिमिटेड (Saboo Limited) में 75% बाँट दिया जायेगा, क्योंकि यह सभी लाभ अंश अधिग्रहण के पश्चात् (Post-acquisition) का लाभ है।

		Rs.
	2. Calculation of Net worth of Ramoo Ltd. on 1st Jan., 1991	
	Paid up Equity Share Capital	4,00,000
Add :	General Reserve (1-1-91)	80,000
	Balance of Profit and Loss A/c (1-1-91)	20,000
	Net Worth	5,00,000
	3. Calculation of Goodwill or Capital Reserve	
	Cost of Equity Shares	3,60,000
Less :	3/4th Share in Net worth	3,75,000
	Capital Reserve	15,000
	Cost of Preference Shares held by Saboo Ltd.	45,000
Less :	Paid up value of Pref. Share Capital	40,000
	Goodwill	5,000
	4. Calculation of Minority Shareholders' Interest	
	(i) Preference Share Capital	60,000
	(ii) Preference Share Dividend (for the year 1991)	3,600
	(iii) 1/4th Share in Net worth of Ramoo Ltd.	1,25,000
	(iv) 1/4th Share in Post acquisition Profit (1/4 of 1,34,000)	33,500
	Minority Shareholders' Interest	2,22,100
	5. Calculation of Unrealised Profit on Stock of Saboo Ltd.	
	Total Profit included in stock $\frac{20}{120} \times 12,000$	2,000
	Share of *Holding Company* $2,000 \times \frac{3}{4}$	1,500
	6. Calculation of Consolidated Profit	
	Balance of Profit and Loss Account of Saboo Ltd.	1,30,000
Add :	3/4th Share in Post-acquisition Profit of Ramoo Ltd. $\left(1,34,000 \times \frac{3}{4}\right)$	1,00,500
Add :	Pref. Share dividend from Ramoo Ltd.	2,400
		2,32,900
Less :	Unrealised Profit on Stock	1,500
	Consolidated Profit	2,31,400

	Rs.
8. *Bills Receivables*	
Saboo Ltd.	40,000
Ramoo Ltd.	35,000
	75,000
Less : Inter Company Bills held by Saboo Ltd.	5,000
	70,000

9. Bills received by Ramoo Ltd. *from Saboo Ltd. is* endorsed to creditors will not be treated as inter company Bills.

	Rs.
Goodwill :	Nil
Saboo Ltd.	20,000
Ramoo Ltd.	5,000
Add : Goodwill on acquisition of Pref. Shares	
	25,000
Less : Capital Reserve	15,000
Goodwill	10,000

Consolidated Balance Sheet of Saboo Ltd. **and Ramoo Ltd.**

as on 31st December, 1991

Liabilities	Amount	Assets	Amount
	Rs.		Rs.
Equity Share Capital	6,00,000	Goodwill	10,000
General Reserve	1,60,000	Fixed Assets	5,55,000
Consolidated Profit	2,31,400	Investment (of Ramoo Ltd.)	90,000
Minority Shareholders' Interest	2,22,100	Stock	5,78,500
Bills Payable (20,000 + 25,000 − 5,000)	40,000	Debtors (2,10,000 − 10,000 + 25,000 − 12,000)	4,38,000
Creditors (2,30,000 + 2,85,000 − 12,000)	5,03,000	Bills Receivable	70,000
Proposed Dividend	60,000	Cash in Transit	10,000
		Cash	65,000
	18,16,500		18,16,500

सहायक कम्पनी द्वारा बोनस अंश निर्गमित करना (Issue of Bonus Shares by Subsidiary Company) : यदि सहायक कम्पनी द्वारा सामान्य संचय या पूँजीगत संचय में से बोनस अंश निर्गमित किये गये है और इसके सम्बन्ध में लेखा पुस्तकों में प्रविष्टियाँ कर दी गई हैं तो सर्वप्रथम बोनस अंशों की राशि को प्रदत्त अंश पूँजी में से घटाया जायेगा तत्पश्चात् बोनस अंशों की राशि को सम्बन्धित संचय में जोड़ दिया जायेगा। इसके बाद सहायक कम्पनी के शुद्ध मूल्य की गणना की जायेगी। यदि सहायक कम्पनी ने बोनस अंशों की घोषणा चालू वर्ष के लाभों में से की है और इसे लेखा प्रविष्टियों द्वारा प्रभावी बना दिया गया है तो बोनस अंशों की

राशि को चालू वर्ष के लाभों में पुनः जोड़कर अंश अधिग्रहण से पूर्व व पश्चात् के लाभों की गणना की जायेगी। यदि सहायक कम्पनी की पुस्तकों में बोनस अंशों के निर्गमन सम्बन्धी लेखा प्रविष्टियाँ नहीं की गई हैं तो उपरोक्त समायोजन की आवश्यकता नहीं होगी।

Illustration 10.10 : M Ltd. acquired 12,000 Equity Shares in P Ltd. for Rs. 1,70,000 on 1st April, 1991. The Balance Sheets of the two Companies as at 31st December, 1991 were as follows :

एम लिमिटेड ने पी लिमिटेड के 12,000 ईक्विटी अंश 1 अप्रैल, 1991 को 1,70,000 रु० में क्रय किये। 31 दिसम्बर, 1991 को दोनों कम्पनियों के चिट्ठे निम्न प्रकार थे :

Balance Sheets

Liabilities	M Ltd.	P Ltd.	Assets	M Ltd.	P Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Equity Shares of Rs. 10 each fully paid up	10,00,000	3,00,000	Goodwill	3,00,000	70,000
			Land and Buildings	4,00,000	1,00,000
General Reserve	4,20,000	50,000	Plant and Machinery	5,00,000	1,00,000
Profit and Loss Account	2,60,000	85,000	Stock	2,00,000	40,000
Creditors	2,40,000	42,000	Debtors	3,00,000	1,35,000
Bills Payable	80,000	60,000	Investments	1,70,000	—
			Bills Receivable	50,000	30,000
			Cash at Bank	80,000	62,000
	20,00,000	5,37,000		20,00,000	5,37,000

Note : There is a contingent liability for bills discounted for Rs. 45,000 in case of M Ltd.

The following information is also given :

(a) On January 1, 1991 the Profit and Loss Account of P Ltd. showed a credit balance of Rs. 40,000 out of which a dividend of 15% on the then Share Capital was paid in June, 1991.

(b) In June, 1991 a bonus issue of one equity share fully paid for every two equity shares hold was also made by P Ltd. out of General Reserve.

(c) Bills Payable of P Ltd. represents bills issued in favour of M Ltd Out of these bills M Ltd. had already discounted bills of Rs. 20,000.

(d) The entire stock of P Ltd. represents goods supplied by M Ltd at cost plus 25%.

(e) M Ltd. and P Ltd agreed that for services rendered M Ltd. should charge Rs. 500 per month from P Ltd. with effect from April 1, 1991. Entries for this had not been made in the books of both the companies.

Prepare the Consolidated Balance Sheet.

निम्नलिखित सूचनायें भी दी गई हैं :

(अ) 1 जनवरी, 1991 को पी लिमिटेड का लाभ-हानि खाता 40,000 रु० का जमा शेष बतलाता था जिसमें से उस समय की अंश पूँजी पर 15% लाभांश का जून, 1991 में भुगतान किया गया था।

(ब) जून, 1991 में सामान्य संचय में से पुराने दो ईक्विटी अंशों के लिए एक बोनस ईक्विटी अंश पूर्ण प्रदत्त पी लिमिटेड द्वारा निर्गमित किया गया था।

(स) पी लिमिटेड के समस्त देय बिल एम लिमिटेड के पक्ष में निर्गमित किये हुए हैं। इन बिलों में से एम लिमिटेड ने 20,000 रु० के बिल भुनवा रखे हैं।

(द) पी लिमिटेड का समस्त स्टॉक उस माल का प्रतिनिधित्व करता है जो कि एम लिमिटेड द्वारा लागत में 25% जोड़कर बेचा गया था।

(इ) एम लिमिटेड और पी लिमिटेड ने तय किया कि सेवायें अर्पित करने के बदले में, एम लिमिटेड पी लिमिटेड से 1 अप्रैल, 1991 से 500 रु० प्रति माह वसूल करे। इसके लिए दोनों कम्पनियों की पुस्तकों में प्रविष्टियां नहीं की गई हैं।

एकीकृत चिट्ठा तैयार कीजिये।

Solution :

Consolidated Balance Sheet of M Ltd. and its Subsidiary P Ltd.
as at 31st December, 1991

	Rs.		Rs.
Equity Shares of Rs. 10 each fully paid up	10,00,000	Goodwill	2,94,750
General Reserve	4,20,000	Land and Buildings	5,00,000
Consolidated Profit	2,72,750	Plant and Machinery	6,00,000
Minority Shareholders' Interest	1,72,200	Stock	2,35,200
Creditors	2,82,000	Debtors	4,35,000
Bills Payable	1,00,000	Bills Receivable	40,000
		Cash at Bank	1,42,000
	22,46,950		22,46,950

Note : There is contingent liability for Rs. 25,000.

Working Notes :

(i) The Interest of M Ltd. in P Ltd. has been worked out as follows :

	Rs.
Share Capital of P Ltd. on 31-12-1991	3,00,000
Less : Issue of Bonus Shares ($\frac{1}{3}$ of Rs. 3,00,000)	1,00,000
Share Capital before bonus issue	2,00,000
No. of Equity Shares before bonus issue	20,000
No. of Shares held by M Ltd.	12,000

$$\text{Interest of M Ltd. in P Ltd.} = \frac{12,000}{20,000} \times 100 = 60\%$$

(ii) Determination of Profit of P Ltd.

Profit and Loss Appropriation Account
for the year 1991

	Rs.		Rs.
To Dividend a/c (15% on Rs. 2,00,000)	30,000	By Balance b/d	40,000
To Balance c/d	85,000	By Net Profit for the year	75,000
	1,15,000		1,15,000

(iii) Calculation of Net Worth of P Ltd. on 1-4-1991

	Rs.
Share Capital on 1-1-1991	2,00,000
General Reserve (Rs. 50,000 + Rs. 1,00,000)	1,50,000
Profit and Loss Account balance on 1–1–1991 (Rs. 40,000 – Rs. 30,000)	10,000
Pre-acquisition Profit for the year ($75,000 \times \frac{3}{12}$)	18,750
Net Worth	3,78,750

(iv) Calculation of Goodwill or Capital Reserve :

	Rs.
Cost of Investments	1,70,000
Less : Dividend out of Pre-acquirition profits $\left(1,20,000 \times \frac{15}{100}\right)$	18,000
	1,52,000
Share in Net Worth of P Ltd. (60% of Rs. 3,78,750)	2,27,250
Capital Reserve	75,250

(v) Determination of Post-acquisition Profit after adjustments :

	Rs.
Post-acquirition Profit of P Ltd. ($75,000 \times \frac{9}{12}$)	56,250
Add : Remuneration of M Ltd. (1-4-91 to 31-12-91) (500×9)	4,500
Adjusted Post-acquisition Profit	51,750

(vi) Calculation of Minority Shareholders' Interest :

	Rs.
Share in Net Worht (40% of Rs. 3,78,750)	1,51,500
Add : Share in Post-acquisition Profit (40% of Rs. 51,750)	20,700
Minority Shareholders' Interest	1,72,200

(vii) Calculation of Unrealised Profit in the Value of Stock of P Ltd. :

	Rs.
Value of Stock	40,000
Profit included in Stock $\left(40,000 \times \frac{25}{125}\right)$	8,000
Unrealised Profit (60% of Rs. 8,000)	4,800

(viii) Calculation of Consolidated Profit :

	Rs.
Profit and Loss A/c balance of M Ltd.	2,60,000
Less : Dividend received from P Ltd. out of pre-acquisition profits	18,000
	2,42,000
Add : Remuneration for services to P Ltd.	4,500
	2,46,500
Add : Share in Post-acquisition Profits (60% of Rs. 51,750)	31,050
	2,77,550
Less : Unrealised Profit in Stock Value	4,800
Consolidated Profit	2,72,750

(ix) Goodwill = Rs. 3,00,000 + Rs. 70,000 − Rs. 75,200 (Capital Reserve) = Rs. 2,94,750
(x) Stock = Rs. 2,00,000 + Rs. 40,000 − Rs. 4,800 = Rs. 2,35,200
(xi) Bills Receivable = Rs. 50,000 + Rs. 30,000 − Rs. 40,000 = Rs. 40,000
(xii) Bills Payable = Rs. 80,000 + Rs. 60,000 Rs. 40,000 = Rs. 1,00,000
(xiii) Contingent liability = Rs. 45,000 Rs. 20,000 = Rs. 25,000

सहायक कम्पनी की सम्पत्तियों का पुनर्मूल्यांकन तथा ह्रास का समायोजन
(Revaluation of Assets of Subsidiary Company and Adjustment of Depreciation)

सहायक कम्पनी के शुद्ध मूल्य की गणना करते समय उसकी स्थायी सम्पत्तियों के पुनर्मूल्यांकन पर लाभ को शुद्ध मूल्य में जोड़ दिया जाता है और हानि होने पर शुद्ध मूल्य में से घटा दिया जाता है। यदि इन स्थायी सम्पत्तियों पर मूल्य ह्रास के सम्बन्ध में भी सूचना दी गई हो तो मूल्य में कमी या वृद्धि पर मूल्य ह्रास का समायोजन करना भी आवश्यक हो जाता है। यदि स्थायी सम्पत्ति के मूल्य में वृद्धि हो गई है तो इस बढ़े हुए मूल्य पर अतिरिक्त मूल्य ह्रास की गणना की जायेगी। इस अतिरिक्त मूल्य ह्रास की राशि को सहायक कम्पनी के अंश अधिग्रहण के बाद के लाभ में से घटाया जायेगा। एकीकृत चिट्ठे में स्थायी सम्पत्ति को पुनर्मूल्यांकित मूल्य में सम्मिलित किया जायेगा तथा इसमें से पुनर्मूल्यांकित मूल्य पर आधारित मूल्य ह्रास की राशि घटायी जायेगी।

यदि स्थायी सम्पत्ति के मूल्य में कमी हो गई है तो घटे हुए मूल्य पर मूल्य ह्रास की गणना की जायेगी तथा पूर्व में अपलिखित किये गये मूल्य ह्रास की राशि में से इसे घटाकर अन्तर की राशि को सम्बन्धित अवधि के लाभ में जोड़ दिया जाएगा। एकीकृत चिट्ठा बनाते समय सम्पत्ति को घटे हुए मूल्य पर सम्मिलित किया जायेगा तथा इसमें से पुनर्मूल्यांकित मूल्य पर आधारित मूल्य ह्रास की राशि घटायी जाएगी।

Illustration 10 11 : R Ltd acquired 75% of Equity Shares and Preference Shares in S Ltd. on 1st July. 1991. The Balance Sheets of both the Companies as at 31st December, 1991 are given below :

1 जुलाई, 1991 को ग्रार लिमिटेड ने एस लिमिटेड के 75% ईक्विटी अंश और 6% पूर्वाधिकार अंश लिये। दोनों कम्पनियों के चिट्ठे 31 दिसम्बर, 1991 को नीचे दिये गये हैं :

Balance Sheets

Liabilities	R Ltd.	S Ltd.	Assets	R Ltd.	S Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Equity Shares of Rs. 100 each fully paid up	5,50,000	1,00,000	Land and Buildings	2,60,000	95,000
6% Preference Shares of Rs. 100 each fully paid up	—	50,000	Plant & Machinery	1,40,000	76,000
General Reserve	1,75,000	60,000	Stock	1,10,000	77,000
Profit and Loss A/c	90,000	46,000	Debtors	1,20,000	26,000
Creditors	85,000	44,000	Investment in Shares of S Ltd.	2,00,000	—
			Cash at Bank	70,000	26,000
	9,00,000	3,00,000		9,00,000	3,00,000

Other information :

(1) Profit and Loss Account of R Ltd includes dividend of 3% from S Ltd. The dividend was paid for the year ended 31st December, 1990.

(2) The balance of Profit and Loss Account of S Ltd. as on 1st January, 1991 was Rs. 20,000 out of which dividend at the rate of 3% was paid on equity shares. The dividend on preference shares for the year 1991 is still payable.

(3) Creditors of R Ltd. include Rs. 12,000 for purchases from [redacted] Ltd. on which the the later company made a profit of Rs. 2,000.

(4) Stock of R Ltd. includes Rs. 6,000 stock at cost purchased from S Ltd. (Part of Rs. 12,000 purchases).

(5) On the date of acquisition of shares, Land and Buildings of [redacted] Ltd. was valued at Rs. 1,15,000 and Plant & Machinery Rs. 70,000 for which no effect has been given The Land & Buildings and Plant & Machinery of [redacted] Ltd. have been depreciated at 2% per annum.

Draw up the Consolidated Balance Sheet.

अतिरिक्त सूचनायें :

(1) ग्रार लिमिटेड के लाभ-हानि खाते में एस लिमिटेड से प्राप्त 3% लाभांश शामिल है, लाभांश 31 दिसम्बर, 1990 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए दिया गया था।

(2) 1 जनवरी, 1991 को एस लिमिटेड के लाभ-हानि खाते का शेष 20,000 रु० था जिसमें से 3% की दर से ईक्विटी अंशों पर लाभांश दिया गया था। पूर्वाधिकार अंशों पर 1991 वर्ष का लाभांश अभी देना है।

(3) आर लिमिटेड के लेनदारों में 12,000 रु० एस लिमिटेड से क्रय के शामिल है, जिस पर बाद वाली कम्पनी ने 2,000 रु० का लाभ कमाया है।

(4) आर लिमिटेड के स्टॉक में 6,000 रु० की लागत का माल शामिल है जिसे एस लिमिटेड से क्रय किया गया था (जो 12,000 रु० क्रय का भाग है)।

(5) अंश अधिग्रहण की तिथि को एस लिमिटेड के भूमि व भवन का मूल्य 1,15,000 रु० तथा प्लाण्ट व मशीन का मूल्य 70,000 रु० आंका गया जिनके लिए कोई लेखा नहीं किया गया है। एस लिमिटेड के भूमि व भवन तथा प्लाण्ट व मशीन पर 5 प्रतिशत वार्षिक दर से मूल्य ह्रास काटा गया है।

एकीकृत चिट्ठा तैयार कीजिये।

Solution :

Consolidated Balance Sheet of R Ltd. and S Ltd.
as at 31st December, 1991

	Rs.		Rs.
Equity Shares of Rs. 100 each fully paid up	5,50,000	Goodwill	9,500
		Land & Buildings	3,72,125
General Reserve	1,75,000	Plant & Machinery	2,08,250
Consolidated Profit	97,781	Stock	1,86,250
Minority Shareholder's Interest	66,344	Debtors	1,34,000
Creditors	1,17,000	Cash at Bank	96,000
	10,06,125		10,06,125

Working Notes :

(1) Calculation of Profit for 1991 of S Ltd.

	Rs.	Rs.	Rs.
Balance of Profit & Loss A/c			46,000
Less : Balance of Profit on 1-1-1991		20,000	
Less : Dividend on Equity Shares for 1990	3,000		
Dividend on Preference Share for 1990	3,000	6,000	14,000
Profit for 1991			32,000
Less : Arrears of Preference Shares Dividend for 1991			3,000
Profit after Preference Shares Dividend			29,000

(2) Calculation of increase in the value of Land & Buildings :

	Rs.
Value on 1-7-1991	1,15,000
Less : Written down value on 1-7-1991 (Rs. 1,00,000 – Rs. 2,500)	97,500
Increase	17,500

(3) Calculation of decrease in the value of Plant & Machinery .

	Rs.
Written down value on 1-7-1991 (Rs 80,000 – Rs. 2,000)	78,000
Less : Value on 1-7-1991	70,000
Decrease	8,000

(4) Calculation of Net Worth of S Ltd. on 1-7-1991 :

	Rs.
Equity Share Capital	1,00,000
6% Preference Share Capital	50,000
General Reserve on 1-1-1991	60,000
Pre-acquisiton Profit (Rs. 14,000 + Rs. 14,500)	28,500
Increase in Land & Buildings	17,500
	2,56,000
Less : Decrease in Plant & Machinery	8,000
Net Worth	2,48,000

(5) Calculation of Goodwill or Capital Reserve :

	Rs.	Rs.
Cost of Investments		2,00,000
Less : Dividend received out of Pre-acquisition Profit on :		
Equity Shares @ 3%	2,250	
Preference Shares @ 6%	2,250	4,500
		1,95,500
Less : Share in Net Worth (75% of Rs. 2,48,000)		1,80,000
Goodwill		9,500

6. Calculation of Post-acquisition Profits :

	Rs.
Profit for 1991 after Preference Shares Dividend	29,000
Less : Pre-acquisition Profit $\left(29{,}000 \times \frac{1}{2}\right)$	14,500
Balance	14,500

Less : Additional Depreciation on Land and Buildings (Rs 2,875 – Rs. 2,500)	375
	14,125
Add : Excess Depreciation Provided on Plant and Machinery (Rs. 2,000 – Rs. 1,750)	250
Post-acquisition Profit	14,375

7. Calculation of Minority Shareholders' Interest

	Rs.
Share in Net worth (25% of 2,48,000)	62,000
Add : Share in Post-acquisition Profit (25% of Rs. 14,375)	3,594
Preference Share Dividend (25% of Rs. 3,000)	750
Minority Shareholders' Interest	66,344

8. Calculation of Unrealised profit in Stock value :

	Rs.
Value of stock	6,000
Profit included $\left(\frac{2,000}{12,000} \times 6,000\right)$	1,000
Unrealised Profit (75% of Rs. 1,000)	750

9. Calculation of Consolidated Profit :

	Rs.
Balance of Profit of R Ltd.	90,000
Less : Dividend received from S Ltd.	4,500
	85,500
Add : Share in Post-acquisition Profits (75% of Rs. 14,375)	10,781
Dividend on Preference Shares (75% of Rs. 3,000)	2,250
	98,531
Less : Unrealised Profit	750
Consolidated Profit	97,781

10. Calculation of Land and Buildings :

		Rs.
	Land & Buildings of S Ltd. on 1–7–1991	1,15 000
Less :	*Depreciation for six months @ 5% p. a.*	2,875
		1,12,125
Add :	Land and Buildings of R Ltd.	2,60,000
	Total	3,72,125

11. Calculation of Plant & Machinery :

		Rs.
	Plant and Machinery of S Ltd. on 1–7–1991	70,000
Less :	Depreciation for six Months @ 5% p.a.	1,750
		68,250
Add :	Plant & Machinery of R Ltd.	1,40,000
		2,08,250

12. Stock = Rs. 1,10,000 + Rs 77,000 - Rs. 750 = Rs. 1,86,250

13. Creditors = Rs. 85,000 + Rs. 44,000 - Rs. 12,000 = Rs. 1,17,000.

14. Debtors = Rs. 1,20,000 + Rs. 26,000 Rs. 12,000 = Rs 1,34,000.

Illustration 10 12 : The summarised Balance Sheet of X Ltd. and Y Ltd as on 31st December, 1991 were as follows :

एक्स लि० एवं वाई लि० के 31 दिसम्बर, 1991 को संक्षिप्त चिट्ठे निम्न प्रकार थे :

Liabilities	X Ltd.	Y Ltd.	Assets	X Ltd.	Y Ltd.
Authorised and issued Capital :	Rs.	Rs.		Rs	Rs.
Equity shares of Rs. 10 each fully paid up	24,00,000	12,00,000	Plant at cost less depreciation	9,60,000	8,50,000
Share Premium Account	3,60,000	—	Fixtures and Fittings	2,60,000	80,000
Capital Reserve on 1st Jan. 1991	—	80,000	Stock at cost	2,00,000	1,50,000
General Reserve	1,50,000	1,00,000	Debtors	8,20,000	4,10,000
Profit & Loss Account	6,00,000	1,00,000	Balance at Bank	2,00,000	50,000
Creditors	2,96,000	2,19,000	Trade Investments at cost	—	30,000
Y Ltd. Current Account	34,000	—	96,000 Shares of Y Ltd. at cost	10,80,000	—
Profit for the year 1991	1,80,000	60,000	Goodwill at cost	5,00,000	1,50,000
			Current Account of X Ltd.	—	39,000
	40,20,000	17,59,000		40,20,000	17,59,000

1. On 1st January, 1991 X Ltd. acquired from the shareholders of Y Ltd. 96,000 shares in Y Ltd. and allotted in consideration there of 72,000 of its own shares at a premium of Rs. 5 per share.

2. The consideration for the shares of Y Ltd. was arrived at after considering these facts : (i) valuing the Plant at Rs. 10,44,444; (ii) valuing the Fixtures at Rs. 83,211; and (iii) placing no value on Trade Investments and Goodwill.

3. The depreciated figures for Plant and Fixtures at 31st December 1991 are after providing depreciation for 1991, at the rates of 10% and 5% p.a. respectively, on the book values at 1st January 1991.

4. The Stock of Y Ltd. includes Rs. 50,000 in respect of goods received from X Ltd. invoiced at cost plus 25%.

You are requested to prepare a Consolidated Balance Sheet as on 31st December, 1991. (Figures may be rounded off to the nearest rupee.)

1. 1 जनवरी, 1991 को एक्स लि० ने वाई लि० के अंशधारियों से वाई लि० के 96,000 अंश प्राप्त किये एवं इसके प्रतिफल स्वरूप अपने 72,000 अंश 5 रु० प्रति अंश प्रीमियम के आधार पर आवंटित किये।

2. वाई लि० के अंशों के लिए प्रतिफल इन तथ्यों को ध्यान में रखते हुए किया गया : (i) प्लांट को 10,44,444 रु० पर मूल्यांकित करते हुये ; (ii) फिक्चर्स को 83,211 रु० पर मूल्यांकित करते हुये; एवं (iii) व्यापारिक विनियोग एवं ख्याति को शून्य पर मूल्यांकित करते हुये।

3. प्लाट एवं मशीनरी तथा फिक्चर्स का 31 दिसम्बर, 1991 को ह्रासित मूल्य 1991 वर्ष के लिए 1 जनवरी, 1991 को पुस्तक मूल्यों पर क्रमशः 10% एवं 5% प्रतिवर्ष ह्रास चार्ज करने के पश्चात् है।

4. वाई लि० के स्टॉक में 50,000 रु० का माल एक्स लि० से क्रय किया हुआ सम्मिलित है जो लागत में 25% जोड़कर बेचा गया।

आपसे अनुरोध है कि 31 दिसम्बर, 1991 को एकीकृत चिट्ठा तैयार कीजिए।

Solution :

1. Profit Loss on Revaluation of Assets in Y Ltd. :

	Rs.
(i) Plant : Book value on 1 January, 1991	
$\left(8,50,000 \times \frac{100}{90} \right)$	9,44,444
Revalued price	10,44,444
Profit on Revaluation	1,00,000
(ii) Fixtures : Book value on 1 January 1991	
$\left(80,000 \times \frac{100}{95} \right)$	84,211
Revalued Price	83,211
Loss on Revaluation	1,000

2. Calculation of Net Worth of Y Ltd. as at 1st January, 1991 :

			Rs.
	Share Capital		12,00,000
	Capital Reserve		80,000
	General Reserve		1,00,000
	Profit & Loss Account Balance		1,00,000
	Profit on Revaluation of Plant		1,00,000
			15,80,000
Less :	Loss on Revaluation :	Rs.	
	Fixture	1,000	
	Goodwill	1,50,000	
	Trade Investments	30,000	1,81,000
		Net Worth	13,99,000

3. Calculation of Goodwill/Capital Reserve

		Rs.
	Cost of 96,000 Shares (72,000 Shares of X Ltd. @ Rs. 15)	10,80,000
Less :	80% Share in Net worth of Y Ltd.	11,19,200
	Capital Reserve	39,200

4. Additional depreciation on Plant of Y Ltd.
@ 10% p.a. on Rs. 1,00,000 Rs. 10,000

5. Savings in depreciation on Fixtures of Y Ltd.
@ 5% p.a. on Rs. 1,000 Rs. 50

6. Post acquisition Profits of Y Ltd.
(Rs. 60,000 + Rs. 50 – Rs. 10,000) Rs. 50,050

7. Consolidated Profit :

		Rs.
	Profit & Loss Account balance 1-1-91	6,00,000
	Profit for the year	1,80,000
	Share in revenue profit of Y Ltd. (80% of Rs. 50,050)	40,040
		8,20,040
Less :	Stock Reserve $\left(50{,}000 \times \frac{25}{125} \times \frac{80}{100}\right)$	8,000
		8,12,040

	Rs.
8. **Minority Shareholders' Interest :**	
20% Share in Net worth	**2,79,800**
Add : **20% Share in Post-acquisition Profit**	**10,010**
	2,89,810

Consolidated Balance Sheet

	Rs.			Rs.
Issued Share Capital :		Goodwill at Cost		5,00,000
2,40,000 Shares of Rs. 10 each		Plant : X Ltd.	9,60,000	
fully paid	24,00,000	Y Ltd.	9,40,000	19,00,000
Share Premium	3,60,000			
Capital Reserve on acquisition		Fixtures : X Ltd.	2,60,000	
of Shares	39,200	Y Ltd.	79,050	3,39,050
General Reserve	1,50,000			
Consolidated Profit	8,12,040	Stock : X Ltd.	2,00,000	
Creditors	5,15,000	Y Ltd.	1,50,000	
Minority Interest	2,89,810			
			3,50,000	
		Less : Stock Reserve	8,000	3,42,000
		Debtors : X Ltd.	8,20,000	
		Y Ltd.	4,10,000	12,30,000
		Bank Balance :		
		X Ltd.	2,00,000	
		Y Ltd.	50,000	2,50,000
		Cash in Transit		5,000
	45,66,050			45,66,050

सूत्रधारी कम्पनी का सहायक कम्पनी पर शनैः शनैः नियन्त्रण
(Gradual Control of Holding Company on Subsidiary Company)

जब एक कम्पनी दूसरी कम्पनी पर नियन्त्रण स्थापित करने के उद्देश्य से एक साथ ही आधे से अधिक अंशों का क्रय नहीं कर पाती हैं बल्कि कुछ वर्षों में शनैः शनैः इन अंशों को क्रय करती है अर्थात् कुछ अंश एक वर्ष में कुछ अंश दूसरे वर्ष में और कुछ अंश तीसरे या बाद वाले वर्षों में क्रय करती है तथा इन सभी वर्षों में क्रय किये हुए अंशों का योग आधे से अधिक हो जाता है तो इसे सहायक कम्पनी पर शनैः शनैः नियन्त्रण कहा जाता है। अंशों के क्रय पर ख्याति या पूँजीगत संचय की राशि ज्ञात करने के लिए सहायक कम्पनी द्वारा अर्जित लाभों का पूँजीगत व आयगत में विभाजन उसी क्रम में किया जाना चाहिए जिस क्रम में अंशों का क्रय किया गया था। यदि अंशों का क्रय बहुत थोड़ी-थोड़ी संख्या में किया गया है तो अंशों के क्रय की अन्तिम तिथि को नियन्त्रण की तिथि माना जा सकता है।

Illustration 10.13 : The issued share capital of Y Ltd. is Rs. 8,00,000 divided into 8,000 shares of Rs. 100 each On 1st January, 1989 the company had a balance of Rs 3,00,000 to the credit of its Profit and Loss Account. The annual profits of the company may be assumed at Rs. 1,20,000. X Ltd. purchased the shares in the following manner :

वाई लिमिटेड की निर्गमित अंश पूँजी 8,00,000 रु० है जो 100 रु० वाले 8,000 अंशों में विभाजित है। 1 जनवरी, 1989 को कम्पनी के लाभ-हानि खाते के क्रेडिट में 3,00,000 रु० का शेष था। कम्पनी के वार्षिक लाभ 1,20,000 रु० माने जा सकते हैं।

एक्स लिमिटेड ने अंशों का क्रय निम्न प्रकार किया :

Date	No. of Shares	Price in Rs.
January 1, 1989	3,000	4,50,000
January 1, 1990	1,000	1,70,000
January 1, 1991	1,000	1,80,000

Calculate the Cost of Control.

नियन्त्रण की लागत ज्ञात कीजिये।

Solution :

Statement Showing Cost of Control

Particulars	Acquisition			Total
	January, 1 1989	January, 1 1990	January, 1 1991	
	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
Cost of Shares acquired	4,50,000	1,70,000	1,80,000	8,00,000
Less : Face value of shares acquired	3,00,000	1,00,000	1,00,000	5,00,000
	1,50,000	70,000	80,000	3,00,000
Less : Share in Pre-acquisition Profits	1,12,500	52,500	67,500	2,32,500
Cost of Control	32,500	17,500	12,500	62,500

टिप्पणी : क्रय से पूर्व के लाभों में सूत्रधारी कम्पनी का हिस्सा इस प्रकार ज्ञात किया गया है :

	Jan. 1, 1989	Jan. 1, 1990	Jan. 1991
Total Pre-acquisition Profits (Rs.)	3,00,000	4,20,000	5,40,000
X Ltd's share in Y Ltd's Capital	37·5%	12·5% Additional	12·5% Additional
Share in Pre-acquistion Profits (Rs.)	1,12,500	52,500	67,500

सहायक कम्पनी के अतिरिक्त अंशों का क्रय
(Purchase of additional Shares of Subsidiary Company)

कभी-कभी सूत्रधारी कम्पनी सहायक कम्पनी के कुछ और अंश क्रय कर लेती है। ऐसी परिस्थिति में निम्न लेखांकन प्रक्रिया अपनायी जायेगी :

(i) इन अतिरिक्त क्रय किये गये अंशों पर ख्याति या पूँजीगत संचय की गणना की जायेगी। इसके लिए इन अंशों के शुद्ध मूल्य की तुलना इनके लागत मूल्य से की जायेगी और अन्तर की राशि ख्याति या पूँजीगत संचय होगा।

(ii) इसके बाद सूत्रधारी कम्पनी द्वारा पहले से धारित सहायक कम्पनी के अंशों पर ख्याति या पूँजीगत संचय की गणना की जायेगी और उपरोक्त (i) के अन्तर्गत प्राप्त ख्याति या पूँजीगत संचय का इसमें समायोजन कर दिया जायेगा।

(iii) तत्पश्चात् उनके नये अंश धारण अनुपात में अल्पमत अंशधारियों के हित की गणना की जायेगी।

(iv) यदि अतिरिक्त अंशों के क्रय के बाद सहायक कम्पनी अपने अंशों पर लाभांश बांटती है तो इन अतिरिक्त अंशों पर प्राप्त लाभांश को पूँजीगत एवं आयगत में विभाजित करना होगा। आयगत लाभांश को लाभ-हानि खाते में तथा पूँजीगत लाभांश को विनियोग खाते के क्रेडिट पक्ष में अन्तरित किया जायेगा।

Illustration 10 14 : The following Balance Sheets of H Ltd. and S Ltd. are presented to you :

एच लिमिटेड व एस लिमिटेड के निम्न चिट्ठे आपको प्रस्तुत किये गये हैं :

Balance Sheets
as on 31st December 1991

Liabilities	H Ltd.	S Ltd.	Assets	H Ltd.	S Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Share Capital :			Fixed Assets	7,00,000	3,00,000
Shares of Rs. 100 each	10,00,000	4,00,000	Stock in Trade	1,80,000	80,000
P & L Account	1,60,000		Debtors	1,20,000	60,000
General Reserve	2,00,000		12% Debentures in S Ltd. at par	1,20,000	
12% Debentures	—	2,00,000	Shares in S Ltd. (3,000 shares)	2,46,000	
Trade Creditors	1,50,000	90,000	Cash at Bank	1,44,000	50,000
			P & L Account		2,00,000
	5,10,000	6,90,000		15,10,000	6,90,000

H Ltd. acquired 2,400 shares on 1st Januray, 1991 and 600 shares on 1st April, 1991 at a cost of Rs. 1,92,000 and Rs. 54,000 respectively. The Profit and Loss Account

of S Ltd. showed a debit balance of Rs. 3,00,000 on 1st January, 1991. Trade creditors of S Ltd. include Rs. 40,000 for goods supplied by H Ltd. On which later company made a profit of Rs. 4,000. Half of the goods were still in stock on 31st December, 1991. *Prepare Consolidated Balance Sheet as at 31st December, 1991.*

एच लिमिटेड ने 2,400 अंश 1 जनवरी, 1991 को एवं 600 अंश 1 अप्रैल, 1991 को क्रमशः 1,92,000 रु० एवं 54,000 रु० की लागत पर क्रय किये। एस लिमिटेड के लाभ-हानि खाते ने 1 जनवरी, 1991 को 3,00,000 रु० का डेबिट शेष प्रदर्शित किया। एस लिमिटेड के व्यापारिक लेनदारों में 40,000 रु० एच लिमिटेड द्वारा बेचे गये माल के लिए शामिल है जिस पर बाद वाली कम्पनी ने 4,000 रु० का लाभ कमाया। इस माल में से आधा माल 31 दिसम्बर, 1991 को स्टॉक में था। 31 दिसम्बर, 1991 को एकीकृत चिट्ठा तैयार कीजिए।

Solution :

(i) Determination of Profit for 1991 of S Ltd. :

	Rs.
Debit balance of P. & L. A/c on 31-12-1991	2,00,000
Debit balance of P. & L. A/c on 1-1-1991	3,00,000
Profit for the year	1,00,000
Profit upto 1st April, 1991 $\left(1,00,000\times\frac{3}{12}\right)$	25,000
Balance of P. & L. A/c on 1-4-1991 (− 3,00,000 + 25,000)	− 2,75,000

(ii) Calculation of Net worth of S Ltd. :

	1-1-1991	1-4-1991
	Rs.	Rs.
Paid up Share Capital	4,00,000	4,00,000
Profit & Loss A/c Balance (Dr.)	− 3,00,000	− 2,75,000
Net worth	1,00,000	1,25,000

(iii) Calculation of cost of control or goodwill :

	1-1-1991	1-4-1991
	Rs.	Rs.
Cost of Investments	1,92,000	54,000
Less : Share in Net worth (on 1-1-91, 60% of Rs. 1,00,000 and on 1-4-91 15% of Rs. 1,25,000)	60,000	18,750
Cost of Control or Goodwill	*1,32,000*	*35,250*

(iv) Calculation of Minority Shareholders' Interest :

	Rs.
Share in Net worth (25% of Rs. 1,00,000)	25,000
Add : Share in Profit (25% of Rs. 1,00,000)	25,000
Minority Shareholders' Interest	50,000

(v) Calculation of Unrealised Profit in Stock of Std. :

	Rs.
Value of Stock	20,000
Unrealised Profit $\left(\frac{4{,}000}{40{,}000} \times 20{,}000 \times \frac{75}{100}\right)$	1,500

(vi) Calculation of Consolidated Profit :

		Rs.
Balance of P. & L. A/c of H Ltd.		1,60,000
Add : Share in Post-acquisition Profit of S Ltd. ($\frac{3}{4} \times 1{,}00{,}000$)	75,000	
Less : Treated as Capital Profit for 600 Shares $\left(25{,}000 \times \frac{600}{4{,}000}\right)$	3,750	71,250
		2,31,250
Less : Unrealised Profit in Stock		1,500
Consolidated Profit		2,29,750

(vii) Goodwill = Rs. 1,32,000 + Rs. 35,250 = Rs. 1,67,250

(viii) Stock = Rs. 1,80,000 + Rs. 80,000 − Rs. 1,500 = Rs. 2,58,500.

(ix) Debtors = Rs 1,20,000 + Rs. 60,000 − Rs. 40,000 = Rs. 1,40,000.

(x) 12% Debentures = Rs. 2,00,000 − Rs. 1,20,000 = Rs. 80,000.

(xi) Sundry Creditors = Rs. 1,50,000 + Rs. 90,000 − Rs. 40,000 = Rs. 2,00,000.

Consolidated Balance Sheet of H Ltd. and S Ltd.

as at 31st December, 1991

	Rs.		Rs.
Share Capital : Shares of Rs. 100 each	10,00,000	Goodwill	1,67,250
General Reserve	2,00,000	Other Fixed Assets	10,00,000
Consolidated Profit	2,29,750	Stock	2,58,500
Minority Shareholders' Interest	50,000	Debtors	1,40,000
12% Debentures	80,000	Cash at Bank	1,94,000
Sundry Creditors	2,00,000		
	17,59,750		17,59,750

सहायक कम्पनी के अंशों को बेचना
(Sale of Shares of Subsidiary Company)

कभी-कभी सूत्रधारी कम्पनी अपनी सहायक कम्पनी के अपने स्वामित्व वाले अंशों में से कुछ अंश बेच देती है। इन अंशों को बेचने से होने वाले लाभ अथवा हानि की गणना के लिए इनका आनुपातिक लागत मूल्य ज्ञात किया जायेगा और इसकी तुलना विक्रय से की जायेगी। यदि इन अंशों का विक्रय मूल्य, लागत मूल्य से अधिक है तो अन्तर की राशि को पूँजीगत लाभ माना जायेगा, जिसे पूँजीगत संचय में हस्तान्तरित किया जायेगा। अंशों का विक्रय मूल्य, लागत मूल्य से कम होने पर हानि होगी जिसे लाभ-हानि खाते में हस्तान्तरित किया जायेगा। प्रविष्टि इस प्रकार होगी :

Bank a/c Dr. ((अंशों के विक्रय से प्राप्त राशि से)
P. & L. a/c Dr. (विक्रय पर हानि, यदि कोई हो)
To Investment in Shares of Subsidiary Co. ((अंशों के लागत मूल्य से)
To Capital Reserve a/c (विक्रय पर लाभ की राशि से, यदि कोई हो)

अंशों के विक्रय से सूत्रधारी कम्पनी का सहायक कम्पनी में अंश धारण अनुपात परिवर्तित हो जायेगा। अतः आगे की समस्त गणनायें नये अंश धारण अनुपात में ही की जायेगी। अंशों के विक्रय के पश्चात् सूत्रधारी कम्पनी के पास सहायक कम्पनी के आधे से अधिक अंश होने चाहिए अन्यथा वह सूत्रधारी कम्पनी नहीं मानी जायेगी।

Illustration 10·15 : From the following Balance Sheets and information prepare a Consolidated Balance Sheet as on 31st December 1991 :

निम्नलिखित चिट्ठों तथा सूचनाओं से 31 दिसम्बर, 1991 को एकीकृत चिट्ठा तैयार कीजिए :

Balance Sheets
as on 31st December, 1991

Liabilities	H Ltd.	S Ltd.	Assets	H Ltd.	S Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Share Capital Share of Rs. 10 each	1,00,000	20,000	Sundry Assets	93,000	32,000
Investment Reserve	3,000	—	Shares in S Ltd 1,200 at cost	18,000	—
Profit & Loss :					
1st Jan, 1991	6,000	7,200			
Profit for the year	2,000	4,800			
	1,11,000	32,000		1,11,000	32,000

H Ltd bought 1,600 shares in S Ltd. at Rs. 15 per share when the Profit & Loss Account of the later stood at Rs. 4,400 and sold 400 of them on 30th June, 1991 at Rs. 22·50 per share crediting the Profit on sale to the Investment Reserve Account.

एच लि. ने एस लि. में 1,600 अंश 15 रु० प्रति अंश की दर से उस समय क्रय किये थे जबकि एस लि. के लाभ-हानि खाते का शेष 4,400 रु० था और 30 जून, 1991 को इन अंशों में से 400 अंश को 22·50 रु० की दर से बेच दिया तथा विक्रय से होने वाले लाभ से विनियोग संचय खाता क्रेडिट कर दिया गया।

Solution : (1) Calculation of Goodwill or Capital Reserve
(on the basis of existing shares)

		Rs.
Cost Price of 1,200 Shares @ Rs. 15 per Share		18,000
Less : Paid up value of shares	12,000	
Share in Capital Profit (60%) $\frac{1,200}{2,000} \times 4,400$	2,640	14,640
	Goodwill	3,360

(2) Calculation of Minority Shareholders' Interest :

	Rs.
Paid up Capital (800 × Rs. 10)	8,000
Add : Share in existing profits $\left[\frac{800}{2,000} \times (7,200+4,800)\right]$	4,800
Minority Shareholders' Interest	12,800

(3) Calculation of Consolidated Profit :

	Rs.
Balance of Profit of H Ltd. (1-1-91)	6,000
Add : Profit of H Ltd. during 1991	2,000
Add : Share in Post-acquistion Profit of S Ltd. (60% of Rs. 7,600)	4,560
Consolidated Profit	12,560

Consolidated Balance Sheet of H Ltd. and S Ltd.
as on 31st Dec., 1991

Liabilities	Amount	Assets	Amount
	Rs.		Rs.
Share Capital	1,00,000	Goodwill	3,360
Investment Reserve	3,000	Sundry Assets	
Minority Shareholders' Interest	12,800	(93,000+32,000)	1,25,000
Consolidated Profit	12,560		
	1,28,360		1,28,360

अन्त कम्पनी अंश धारण
(Inter Company Holdings)

जब सहायक कम्पनी के पास सूत्रधारी कम्पनी के अंश होते हैं तो ऐसी स्थिति अन्त: कम्पनी अंश धारण की स्थिति कहलाती है। यद्यपि भारत में कोई भी कम्पनी सूत्रधारी कम्पनी की सहायक कम्पनी बनने के बाद

उसके अंश नहीं खरीद सकती है, लेकिन सहायक कम्पनी होने से पहले या कम्पनी अधिनियम, 1956 लागू होने से पूर्व ही सूत्रधारी कम्पनी के अंश सहायक कम्पनी द्वारा खरीदे गये हो तो वह कम्पनी ऐसे अंशो को अपने पास रख सकती है। सहायक कम्पनी बनने के बाद वह सूत्रधारी कम्पनी की साधारण सभा में मताधिकार का प्रयोग नही कर सकती है।

अतः कम्पनी अंश धारण की स्थिति मे प्रत्येक कम्पनी का एक-दूसरे के लाभों मे पारस्परिक भाग होता है अतः जब तक एक-दूसरे के लाभो मे प्रत्येक के हिस्से को राशि ज्ञात नही कर ली जाती है, किसी भी कम्पनी की शुद्ध कीमत नही निकाली जा सकती है। एकीकृत चिट्ठा बनाते समय सूत्रधारी कम्पनी द्वारा धारित सहायक कम्पनी के अंशो के क्रय पर ख्याति या पूँजीगत संचय की राशि ज्ञात करने के लिए सहायक कम्पनी की शुद्ध कीमत ज्ञात करना आवश्यक है। इसके लिए सहायक कम्पनी के अंश अधिग्रहण से पूर्व एवं पश्चात् के लाभों का निर्धारण करना आवश्यक होता है। चूँकि सूत्रधारी कम्पनी एव सहायक कम्पनी के लाभ एक दूसरे पर निर्भर होते हैं अतः सूत्रधारी एव सहायक कम्पनी के अंश अधिग्रहण से पूर्व एव बाद के लाभो की गणना दो युगपत बनाकर की जाती है। एकीकृत चिट्ठा बनाते समय सहायक कम्पनी द्वारा सूत्रधारी कम्पनी मे धारित अंशो को अन्तः कम्पनी व्यवहार मानकर दोनो तरफ से हटा दिया जाता है अर्थात् सहायक कम्पनी के विनियोगो को एवं सूत्रधारी कम्पनी की अंश पूँजी को कम कर दिया जाता है और अन्तर की राशि यदि कोई है तो ख्याति या पूँजीगत संचय मान लिया जाता है।

Illustration 10.16 : The Summarised Balance Sheets of the two companies A Ltd. and B Ltd. as at 31st March, 1992 are as follows :

31 मार्च, 1992 को दो कम्पनियो ए लिमिटेड एव बी लिमिटेड के संक्षिप्त चिट्ठे निम्न प्रकार हैं :

Balance Sheet

Liabilities	A Ltd.	B Ltd.	Assets	A Ltd.	B Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Equity Shares of Rs. 10 each fully paid up	1,00,000	50,000	*Fixed Assets*	*70,000*	*50,000*
			Investments :		
Profit & Loss A/c	30,000	20,000	4,000 Shares in B Ltd.	44,000	—
Creditors	9,000	8,000	1,000 Shares in A Ltd.	—	11,000
			Current Assets	25,000	17,000
	1,39,000	78,000		1,39,000	78,000

A Ltd. purchased the shares in B Ltd. on 1st April, 1991 when Profit & Loss Account of B Ltd. showed a credit balance of Rs. 12,000. B Ltd. had purchased the *shares in A L'd. On 1st April, 1990 when Profit & Loss Account of A Ltd.* showed a credit balance of Rs. 18,000. Prepare the consolidated Balance Sheet.

ए लिमिटेड ने बी लिमिटेड के अंश 1 अप्रैल, 1991 को क्रय किये जब बी लिमिटेड के लाभ-हानि खाते में 12,000 रु० का जमा शेष था। बी लिमिटेड ने ए लिमिटेड के अंश 1 अप्रैल, 1990 को खरीदे थे जबकि ए लिमिटेड के लाभ-हानि खाते का जमा शेष 18,000 रु० था। एकीकृत चिट्ठा तैयार कीजिये।

Solution : Working Notes :

(1) ए लिमिटेड ने बी लिमिटेड के 5,000 अंशों में से 4,000 अंश क्रय कर रखे हैं तथा बी लिमिटेड ने ए लिमिटेड के 10,000 अंशों में से 1,000 अंश क्रय कर रखे हैं। अतः ए लिमिटेड के हित का योग

$$\left(\frac{4,000}{5,000}\right)=\frac{4}{5}$$ तथा बी लिमिटेड के हित का योग $$\left(\frac{1,000}{10,000}\right)=\frac{1}{10}$$ है।

(2) बी लिमिटेड के अंश क्रय से पूर्व के लाभ की गणना :

माना कि ए लिमिटेड का अंश अधिग्रहण से पूर्व का लाभ x तथा बी लिमिटेड का अंश अधिग्रहण से पूर्व का लाभ y है।

$$\therefore x = 18,000 + \frac{4}{5}y \quad \text{------(i)}$$

$$y = 12,000 + \frac{1}{10}x \quad \text{------(ii)}$$

समीकरण (ii) में x का मान रखने पर :

$$y = 12,000 + \frac{1}{10}\left(18,000 + \frac{4}{5}y\right)$$

या $$y = 12,000 + 1,800 + \frac{4}{50}y$$

या $$y - \frac{4}{50}y = 13,800$$ या $$\frac{46}{50}y = 13,800$$ या $$y = 13,800 \times \frac{50}{46} = 15,000$$

अतः बी लिमिटेड का अंश अधिग्रहण से पूर्व का लाभ 15,000 रु० है जिसमें 3,000 रु० की राशि ए लिमिटेड के लाभ का भाग है जिसे एकीकृत चिट्ठा बनाते समय ए लिमिटेड के लाभ में से कम कर दिया जायेगा।

(3) बी लिमिटेड के अंश क्रय के बाद के लाभ की गणना :

माना कि ए लिमिटेड का अंश अधिग्रहण से बाद का लाभ a तथा बी लिमिटेड का अंश अधिग्रहण से बाद का लाभ b है।

$$\therefore a = 12,000 + \frac{4}{5}b \quad \text{------(i)}$$

$$b = 8,000 + \frac{1}{10}a \quad \text{------(ii)}$$

समीकरण (ii) में a का मान रखने पर :

$$b = 8,000 + \frac{1}{10}\left(12,000 + \frac{4}{5}b\right)$$

या $$b = 8,000 + 12,00 + \frac{4}{50}b$$

या $b - \frac{4}{50} b = 9{,}200$ या $\frac{46}{50} b = 9{,}200$

या $b = \frac{9{,}200 \times 50}{46} = 10{,}000$

अत. बी लिमिटेड का अब अधिग्रहण से बाद का लाभ 10,000 रु० है।

(4) बी लिमिटेड के शुद्ध मूल्य की गणना :

	Rs.
Share Capital	50,000
Add : Pre-aquisition Profits	15,000
Net Worth	65,000

(5) पूँजी सचय की गणना :

	Rs.
Share in Net Worth $(65{,}000 \times \frac{4}{5})$	52,000
Less : Cost of Investments in Shares of B Ltd.	44,000
Capital Reserve	8,000

(6) अल्पमत अंशधारियों के हित की गणना :

	Rs.
Share in Net Worth of B L'd. $(65{,}000 \times \frac{1}{5})$	13,000
Add : Share in Post-acquisition Profit of B Ltd. $(10{,}000 \times \frac{1}{5})$	2,000
Minority Shareholders' Interest	15,000

(7) एकीकृत लाभ की गणना :

	Rs.
P. & L. Account balance of A Ltd.	30,000
Less : B Ltd.'s Share in Pre-acquisition Profits (Rs. 15,000 – Rs. 12,000)	3,000
	27,000
Add : Share in Post-acquisition profits of B Ltd. (Rs. 8,000 - Rs. 2,000)	6,000
Consolidated Profit	33,000

(8) बी लिमिटेड ने ए लिमिटेड के 1,000 अंश 11,000 रु० में क्रय किये हैं जिनका प्रदत्त मूल्य 10,000 रु० है। अत. इन अंशो के क्रय पर 1,000 रु० अधिक दिये गये हैं। जिसे ख्याति माना जायेगा। अंशों के प्रदत्त मूल्य के बराबर राशि अन्तः कम्पनी व्यवहार मानकर हटा दी जायेगी। 1,000 रु० की ख्याति की राशि का बी लिमिटेड के अंशो के क्रय पर 8,000 रु० की पूँजीगत सचय की राशि में समायोजन कर लिया जायेगा, परिणामस्वरूप एकीकृत चिट्ठे में पूँजीगत सचय की राशि (8,000 – 1,000) 7,000 रु० दिखायी जायेगी।

Consolidated Balance Sheet
as at 31st March, 1992

	Rs.		Rs.
Equity Shares of Rs. 10 each fully paid	90,000	Fixed Assets	1,20,000
Capital Reserve	7,000	Current Assets	42,000
Consolidated Profit	33,000		
Minority Shareholders' Interest	15,000		
Creditors	17,000		
	1,62,000		1,62,000

Illustration 10 17: The Balance Sheets of H Ltd. and S Ltd. as on 31st December, 1991 are as follows :

31 दिसम्बर, 1991 को एच लिमिटेड और एस लिमिटेड के चिट्ठे इस प्रकार हैं :

Liabilities	H Ltd.	S Ltd	Assets	H. Ltd.	S Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Share Capital :			Goodwill	1,12,000	40,000
Equity shares of Rs. 10 each fully paid	1,80,000	1,00,000	Plant and Machinery	95,000	50,400
$7\frac{1}{2}$% Pref. shares of Rs. 10 each	1,50,000	80,000	Furniture	7,000	4,600
Premium on Equity Shares	36,000	—	9,000 Equity shares in S Ltd.	1,20,000	
Reserves on 1-1-91	26,000	30,000	2,000 Equity shares in H Ltd.	—	24,000
P. & L. Account	60,000	20,000	Stock	48,000	1,14,000
Sundry Creditors	17,000	61,000	Sundry Debtors	70,000	45,000
			Cash at Bank	17,000	13,000
	4,69,000	2,91,000		4,69,000	2,91,000

Sundry creditors of H Ltd. include Rs 15,000 due to S Ltd. The stock of H L' ' includes goods costing Rs. 33,000 purchased from S Ltd. These goods are charged at 10% above cost.

H Ltd. acquired the shares of S Ltd. on 1st July, 1991. On 1st January, 1991, the balances of [redacted] Ltd. in Reserve Account stood at Rs. 30,000 and the Profit and Loss Account at Rs. 8,000 S Ltd. acquired shares in H Ltd. on 1st January, 1991.

You are required to prepare a Consolidated Balance Sheet as on 31st December, 1991.

एच लिमिटेड के विविध लेनदारो मे 15,000 रु० एस लिमिटेड को देय सम्मिलित हैं। एच लिमिटेड के स्टॉक मे एस लिमिटेड से खरीदा गया 33,000 रु० का माल सम्मिलित है। यह माल लागत से 10% अधिक पर बेचा जाता है।

एच लिमिटेड ने एस लिमिटेड के अंश 1 जुलाई, 1991 को अधिग्रहित किये है। 1 जनवरी, 1991 को एस लिमिटेड के सचय खाते मे 30,000 रु० का एव लाभ-हानि खाते मे 8,000 रु० का शेष था। एस लिमिटेड ने एच लिमिटेड के अंश 1 जनवरी, 1991 को अधिग्रहित किये थे।

आपको 31 दिसम्बर, 1991 को एकीकृत चिट्ठा तैयार करना है।

Solution :

(i) 1 जनवरी, 1991 को एच लिमिटेड के लाभ-हानि खाते का शेष नही दिया हुआ है अतः यह मान लिया गया कि चिट्ठे में दिया गया 60,000 रु० का लाभ 1991 वर्ष से ही सम्बन्धित है। इसमें से 11,250 रु० पूर्वाधिकार अंश पूँजी पर लाभांश चुकाने के पश्चात् शेष रहे 48,750 रु० को दो भागो मे बाटा जाएगा। इस प्रकार 30 जून, 1991 तक का लाभ 24,375 रु० एव 26,000 रु० का सचय मिलाकर 50,375 रु० अधिग्रहण से पूर्व के लाभ होगे एव 24,375 रु० अधिग्रहण के बाद के लाभ होगे।

(ii) एस लिमिटेड का 1991 वर्ष का लाभ 12,000 रु० (20,000 रु० – 8,000 रु०) है। जिसमे से 6,000 रु० का पूर्वाधिकार लाभांश घटाने के पश्चात् 6,000 रु० का लाभ शेष रहेगा जिसका आधा भाग 3,000 रु० अधिग्रहण से पूर्व तथा 3,000 रु० अधिग्रहण के बाद का लाभ होगा। एस लिमिटेड के अधिग्रहण से पूर्व के लाभ (30,000 रु० + 8,000 रु० + 3,000 रु०) 41,000 रु० होगे।

अन्तर्कम्पनी धारण के कारण एच लिमिटेड के अधिग्रहण से पूर्व के कुल लाभ 50,375 रु० एवं एव लिमिटेड के अधिग्रहण से पूर्व के लाभों मे 9/10 हिस्सा होगा। इसी प्रकार एस लिमिटेड के अधिग्रहण से पूर्व के कुल लाभ 41,000 रु० एवं एच लिमिटेड के अधिग्रहण से पूर्व के लाभों मे 1/9 हिस्सा होगा। इस प्रकार दोनों लाभ परस्पर निर्भर होगे। अत. एस लिमिटेड के अधिग्रहण से पूर्व लाभ निम्नलिखित समीकरणो की सहायता से ज्ञात किये जायेंगे :

एच लिमिटेड के अधिग्रहण पूर्व लाभो को x तथा एस लिमिटेड के ऐसे लाभो को y माना जाये, तो

$$x = 50,375 + \frac{9}{10} y \qquad \text{........(i)}$$

$$y = 41,000 \times \frac{1}{9} x \qquad \text{........(ii)}$$

समीकरण (ii) में x का मान रखने पर :

$$y = 41,000 + \frac{1}{9} \left(50,375 + \frac{9}{10} y\right)$$

या $$y = 41,000 + 5,597 + \frac{1}{10} y$$

या $y = 46{,}597 + \frac{1}{10} y$ या $10y = 4{,}65{,}970 + y$

या $9y = 4{,}65{,}970$

या $y = 51{,}774$ (Approx.) अर्थात् एस लिमिटेड के अंश अधिग्रहण से पूर्व के लाभ 51,774 रु० हैं जिन्हें आगे की गणनाओं में काम में लिया जाएगा। एस लिमिटेड के अंश अधिग्रहण से पूर्व का लाभ 41,000 रु० दिये गये हैं अतः शेष 10,774 रु० (51,774 − 41,000) की राशि को एकीकृत चिट्ठे में एच लिमिटेड के लाभ में से कम करके दिखाया जायेगा।

(iv) इसी प्रकार एस लिमिटेड के अधिग्रहण के बाद के लाभों की गणना निम्नलिखित समीकरणों की सहायता से की जाएगी :

एच लिमिटेड के अधिग्रहण के बाद के लाभों को a तथा एस लिमिटेड के ऐसे लाभों को b माना जाये, तो

$$a = 24{,}375 + \frac{9}{10} b \quad \text{.......(i)}$$

$$b = 3{,}000 + \frac{1}{9} b \quad \text{.......(ii)}$$

समीकरण (ii) में a का मान रखने पर :

$$b = 3{,}000 + \frac{1}{9}\left(24{,}375 + \frac{9}{10} b\right) \text{ या } b = 3{,}000 + 2{,}708 + \frac{1}{10} b$$

या $b = 5{,}708 + \frac{1}{10} b$

या $10b = 57{,}080 + b$ या $9b = 57{,}080$

या $b = 6{,}342$ (Approx.) अर्थात् एस लिमिटेड के अंश अधिग्रहण के पश्चात् के लाभ 6,342 रु० हैं।

(v) Calculation of Net Worth of S Ltd. on 1st July, 1991

	Rs
Paid up Share Capital	1,00,000
Pre-acquisition Profit (as per above)	51,774
Net Worth	1,51,774

(vi) Calculation of Goodwill or Capital Reserve :

	Rs.
$\frac{9}{10}$ Share in the Net worth of S Ltd.	1,36,597
Less : Cost of Investments in Shares of S Ltd.	1,20,000
Capital Reserve	16,597

(vii) Minority Shareholders' Interest :

	Rs.
Share in the Net worth of S Ltd.	15,177
Pref. Share Capital	80,000
Pref. Share Dividend	6,000
Add : $\frac{1}{10}$ Share in Post-acquisition profits $\left(6{,}342 \times \frac{1}{10}\right)$	634
Minority Shareholders' Interest	1,01,811

(viii) Unrealised Profit in Stock :

	Rs.
Unrealised Profit = $\frac{10}{110} \times 33{,}000$	3,000
Less : Minority Interest being 1/10	300
Share of H Ltd. in Unrealised Profit	2,700
Less : Further minority interest due to inter-Company investment, i. e., $1/10 \times 1/9 \times 2{,}700$	30
Net Unrealised Profit	2,670

टिप्पणी : स्टॉक में 3,000 रु० के न वसूल हुये लाभ में एच लि० का हिस्सा 2,700 रु० है किन्तु एच लि० में 1/9 भाग एस लि० का है अर्थात् इसमें 300 रु० की राशि एस लि० से सम्बन्धित है और एस लि० का 9/10 भाग अर्थात् 300 रु० का 9/10 भाग तो पुनः एच लि० का ही है और शेष 1/10 भाग अर्थात् 30 रु० अल्पसंख्यकों का है जिसे घटा दिया गया है।

(ix) Consolidated Profit :

	Rs.	Rs.
Balance of P. & L. A/c of H Ltd.	60,000	
Less : Transferred to Pre acquisition Profit of S Ltd.	10,774	49,226
Add : 9/10 Share in Post-acquisition Profit of S Ltd. after minority share in Post-acquisition Profits (Rs. 3,000 – 634)		2,366
		51,592
Less : Unrealised Profit in Stock (as per viii)		2,670
Consolidated Profit		48,922

(x) एच लिमिटेड द्वारा धारित विनियोग की राशि 24,000 रु० को अन्तर्कम्पनी व्यवहार मानते हुए सम्पत्ति पक्ष से हटा दिया जाएगा एवं एच लिमिटेड की अंश पूंजी में से 20,000 रु० व अंश प्रीमियम में से 4,000 कम कर दिये जायेंगे।

Consolidated Balance Sheet
as on 31st December, 1991

Liabilities	Amount	Assets	Amount
	Rs.		Rs.
Share Capital :		Goodwill	
Equity Shares of Rs. 10 each	1,60,000	(1,12,000 + 40,000 − 16,597)	1,35,403
7½% Pref. Shares of Rs. 10 each	1,50,000	Plant and Machinery	1,45,400
Share Premium	32,000	Furniture	11,600
Reserves	26,000	Stock	
Consolidated Profit	48,922	(48,000 + 1,14,000 − 2,670)	1,59,330
Minority Shareholders' Interest	1,01,811	Sundry Debtors	1,00,000
Sundry Creditors	63,000	Cash at Bank	30,000
	5,81,733		5,81,733

एकीकृत लाभ-हानि खाता
(Consolidated Profit and Loss Account)

एकीकृत लाभ-हानि खाता समूह के लाभ को प्रदर्शित करता है जिससे अंशधारी कम्पनी के लाभों बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसमें आय की मदों के अलावा सहायक एवं सूत्रधारी कम्पनियों के खातों में हानि एवं खर्चों को भी अलग-अलग एवं सामूहिक रूप से दिखाते हैं। एकीकृत लाभ-हानि खाता बनाते समय निम्नलिखित महत्वपूर्ण समायोजन किये जाते हैं :

(i) अन्तर्कम्पनी क्रय-विक्रय को एक दूसरे में से हटा देना चाहिए, जैसे सहायक कम्पनी सूत्रधारी कम्पनी से 2,00,000 रु० का माल खरीदती है तो सहायक कम्पनी के क्रय में से तथा सूत्रधारी कम्पनी के विक्रय में से 2,00,000 रु० की राशि को कम कर दिया जायेगा।

(ii) अन्तर्कम्पनी खर्च एवं आय भी एकीकृत लाभ-हानि खाते में से हटा देनी चाहिए।

(iii) यदि अन्तिम स्टॉक में न वसूल हुआ लाभ शामिल है तो इसके लिए एकीकृत लाभ-हानि खाते को डेबिट करके स्टॉक संचय खाते को क्रेडिट कर देना चाहिए।

(iv) सूत्रधारी कम्पनी द्वारा सहायक कम्पनी से अथवा सहायक कम्पनी द्वारा सूत्रधारी कम्पनी से प्राप्त ऋणपत्रों एवं ऋणों पर ब्याज तथा लाभांश की प्राप्त राशि को एकीकृत लाभ-हानि खाता बनाते समय अन्त: कम्पनी व्यवहार मानकर दोनों तरफ से हटा देना चाहिए। लाभांश या ऋणपत्रों के ब्याज पर लगे कर का कोई समायोजन नहीं किया जाना चाहिए।

(v) यदि सहायक कम्पनी द्वारा लाभांश प्रस्तावित किया गया है और सूत्रधारी कम्पनी ने प्रस्तावित लाभांश में अपने हिस्से को लाभ-हानि खाते में क्रेडिट कर दिया है तो एकीकृत लाभ-हानि खाता बनाते समय

सहायक कम्पनी के प्रस्तावित लाभांश को समाप्त कर दिया जायेगा तथा सूत्रधारी कम्पनी द्वारा क्रेडिट किये गये प्रस्तावित लाभांश को भी हटा दिया जायेगा। प्रस्तावित लाभांश में अल्पमत अंशधारियों का हिस्सा उनके हित की राशि में जोड़ दिया जायेगा। यदि सूत्रधारी कम्पनी द्वारा सहायक कम्पनी के प्रस्तावित लाभांश में अपने हिस्से से लाभ-हानि खाते को क्रेडिट नहीं किया है तो एकीकृत लाभ-हानि खाता बनाते समय सहायक कम्पनी के प्रस्तावित लाभांश को हटा दिया जायेगा तथा अल्पमत अंशधारियों के हित की गणना प्रस्तावित लाभांश पूर्व लाभ के आधार पर की जायेगी।

(vi) यदि सहायक कम्पनी द्वारा निर्गमित पूर्वाधिकार अंश बाह्य व्यक्तियों द्वारा धारित हैं तो सहायक कम्पनी को लाभ होने की स्थिति में इन पर बकाया लाभांश की राशि को अल्पमत अंशधारियों के हित की गणना में शामिल किया जायेगा।

(vii) अंश अधिग्रहण की तिथि से पूर्व सहायक कम्पनी के लाभों में सूत्रधारी कम्पनी के हिस्से की राशि से एकीकृत लाभ-हानि खाते को डेबिट करके पूंजीगत संचय या ख्याति को क्रेडिट कर देना चाहिए।

(viii) अल्पमत अंशधारियों का हिस्सा निम्न प्रकार निर्धारित किया जायेगा :

(अ) पिछले वर्ष से लाये गये शेष में आनुपातिक हिस्सा;

(ब) लाभांश अथवा संचयों के स्थानान्तरण से पूर्व चालू वर्ष के लाभों में आनुपातिक हिस्सा;

(स) सम्पत्तियों के पुनर्मूल्यांकन के कारण मूल्य ह्रास सम्बन्धी समायोजन;

(द) अन्तः कम्पनी लाभांश व अधिमान अंशों पर लाभांश का समायोजन।

अल्पमत अंशधारियों के हिस्से की राशि से एकीकृत लाभ-हानि खाते को डेबिट करके अल्पमत अंशधारियों के हित को क्रेडिट कर देना चाहिए।

(ix) यदि सहायक कम्पनी द्वारा कोई राशि संचयों में स्थानान्तरित की गयी है तो इसमें सूत्रधारी कम्पनी के हित से सम्बन्धित राशि एकीकृत लाभ-हानि खाते को डेबिट करके संचय में जोड़ दिया जायेगा तथा अल्पमत अंशधारियों से सम्बन्धित भाग को उनके हित में जोड़ दिया जायेगा।

Illustration 10·18. The following are the Profit and Loss Accounts of H Ltd. and its Subsidiary Company S Ltd. *for the year ending 31st March, 1992.*

एच लिमिटेड तथा उसकी सहायक कम्पनी एस लिमिटेड का 31 मार्च, 1992 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए लाभ-हानि खाते इस प्रकार हैं :

Profit and Loss Account

Particulars	H Ltd.	S Ltd.	Particulars	H Ltd.	S Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
To Purchases	3,20,000	1,45,000	By Sales	3,80,000	3,00,000
To Manufacturing Expenses	—	80,000	By Closing Stock	20,000	25,000
To Gross Profit c/d	80,000	1,00,000			
	4,00,000	3,25,000		4,00,000	3,25,000
To Sundry Expenses	30,000	40,000	By Gross Profit b/d	80,000	1,00,000
To Debenture Interest	—	2,400	By Debenture Interest	1,200	—
To Net Profit c/d	59,600	57,600	By Interim Dividend	8,400	—
	89,600	1,00,000		89,600	1,00,000
To Provision for Tax	28,000	24,000	By Net Profit b/d	59,600	57,600
To Interim Dividend	—	11,200			
To Proposed Preference Share Dividend	—	1,200			
To Proposed Equity Share Dividend	20,000	16,800			
To Balance c/d	11,600	4,400			
	59,600	57,600		59,600	57,600

The following information is also available to you :

(i) The issued share capital of S Ltd. consist of 8,000 Equity Shares of Rs. 10 each fully paid and 2,000 6% Preference Shares of 10 each fully paid.

(ii) S Ltd. incorporated on 1st April, 1991. H Ltd. also issued 4,000 6% Debentures of Rs. 10 each.

(iii) H Ltd. acquried 6,000 Equity Shares in S Ltd. On 1st July, 1991 and also Debentures of Rs. 20,000 on 1st April, 1991.

(iv) During the year 1991-92 S Ltd. sold to H Ltd. goods for Rs. 30,000. These goods were sold by S Ltd. at cost plus 50%.

(v) One-fourth of the above goods remained unsold with H Ltd. on 31st March, 1992.

Prepare Consolidated Profit and Loss Account.

आपको निम्नलिखित सूचनायें भी उपलब्ध है :

(i) एस लिमिटेड की निर्गमित अंश पूँजी में 10 रु० वाले पूर्ण प्रदत्त 8,000 ईक्विटी अंश तथा 10 रु० वाले पूर्ण प्रदत्त 2,000 6% पूर्वाधिकार अंश शामिल हैं।

(ii) एस लिमिटेड का समामेलन 1 अप्रैल, 1991 को हुआ। उसने 10 रु० वाले 4,000 6% ऋण-पत्र भी निर्गमित किये।

(iii) एच लिमिटेड ने एस लिमिटेड के 6,000 ईक्विटी अंश 1 जुलाई, 1991 को खरीदे तथा 20,000 रु० के ऋणपत्र 1 अप्रैल, 1991 को खरीदे।

(iv) 1991-92 वर्ष में एस लिमिटेड ने एच लिमिटेड को 30,000 रु० का माल बेचा। एस लिमिटेड द्वारा यह माल लागत में 50% जोड़कर बेचा गया था।

(v) उपरोक्त माल का एक चौथाई भाग एच लिमिटेड के पास 31 मार्च, 1992 को बिना बिका हुआ शेष है।

एकीकृत लाभ-हानि खाता तैयार कीजिए।

Solution :

Consolidated Profit & Loss Account of H Ltd. and its Subsidiary Company S Ltd.
for the year ending 31st March, 1992

	Rs.		Rs.
To Purchases	4,35,000	By Sales	6,50,000
To Manufacturing Expenses	80,000	By Closing Stock	45,000
To Gross Profit c/d	1,80,000		
	6,95,000		6,95,000
To Sundry Expenses	70,000	By Gross Profit b/d	1,80,000
To Debenture Interest	1,200		
To Net Profit c/d	1,08,800		
	1,80,000		1,80,000
To Provision for Tax	52,000	By Net Profit b/d	1,08,800
To Interim Dividend	2,800		
To Capital Reserve	6,075		
To Stock Reserve	1,875		
To Minority Interest	6,500		
To Proposed Dividend	20,000		
To Balance c/d	19,550		
	1,08,800		1,08,800

टिप्पणी :

(i) 30,000 रु० परस्पर क्रय-विक्रय को एच लिमिटेड के क्रय में से तथा एस लिमिटेड के विक्रय में से घटा दिया गया है।

(ii) एच लिमिटेड के ऋणपत्रों पर ब्याज के 1,200 रु० बाह्य व्यक्तियों से सम्बन्धित हैं जिन्हें एकीकृत लाभ हानि खाते में व्यय के रूप में दिखाया गया है। इसी तरह बाह्य व्यक्तियों से सम्बन्धित 2,800 रु० का अन्तरिम लाभांश एकीकृत लाभ हानि खाते के डेबिट पक्ष में दिखाया गया है। शेष राशियों को दोनों तरफ से हटा दिया गया है।

(iii) एस लिमिटेड के शुद्ध लाभ (57,600 24,000 रु० कर आयोजन – 1,200 रु० पूर्वाधिकार अंश लाभांश) 32,400 रु० का $\frac{3}{12}$ भाग अर्थात् 8,100 रु० अंश अधिग्रहण से पूर्व का लाभ है।

इस लाभ का $\frac{3}{4}$ भाग अर्थात् 6,075 रु० एच लिमिटेड के हिस्से का है जिसे पूंजीगत संचय में स्थानान्तरित किया है।

(iv) एस लिमिटेड ने जो माल एच लिमिटेड को बेचा था उस पर $(30,000 \times \frac{1}{3})$ 10,000 रु० का लाभ कमाया गया था। उक्त माल का $\frac{1}{4}$ भाग स्टॉक में बचा हुआ है अतः न वसूल हुआ लाभ $(10,000 \times \frac{1}{4} \times \frac{3}{4})$ 1,875 रु० है जो कि स्टॉक संचय खाते में क्रेडिट कर दिया गया है।

(v) एस लिमिटेड के लाभों मे अल्पमत अंशधारियों के हित की गणना इस प्रकार की गई है :

	रु०
अंश अधिग्रहण से पूर्व के लाभ में हिस्सा $(8,100 \times \frac{1}{4})$	2,025
अंश अधिग्रहण के बाद के लाभ में हिस्सा $(24,300 \times \frac{1}{4})$	6,075
पूर्वाधिकार अंश लाभांश प्रस्तावित	1,200
	9,300
घटाइये : अन्तरिम लाभांश	2,800
अल्पमत अंशधारियों का हित	6,500

Illustration 10 19 : The Trial Balance of H Ltd. and S Ltd. are given below as on 31-12-1991 :

एच लिमिटेड एवं एस लिमिटेड के 31 दिसम्बर, 1991 को तलपट नीचे दिये गये हैं :

	H Ltd.		S Ltd.	
	Dr. Rs.	Cr. Rs.	Dr. Rs.	Cr. Rs.
Equity Share Capital (Rs. 100)		20,00,000		8,00,000
6% Preference Share Capital (Rs. 100)				2,00,000
Fixed Assets less depreciation up to 31-12-90	11,00,000		7,00,000	
Sales (including Rs. 4,00,000 sales by H Ltd. to S Ltd.)		24,00,000		20,00,000
Cost of Goods sold	19,20,000		16,00,000	
Stock (31-12-1991)	2,40,000		1,80,000	
Debtors and Creditors	4,00,000	2,60,000	3,20,000	1,20,000
General Expenses	2,60,000		2,40,000	
6,400 Share in S Ltd.	8,00,000			
Interim dividend paid :				
Preference			6,000	
Equity			40,000	
Dividend Received		32,000		
Profit and Loss Account (31-12-1990)		1,52,000		96,000
Bank	1,24,000		1,30,000	
	48,44,000	48,44,000	32,16,000	32,16,000

(i) Shares were purchased on 1-1-90.

(ii) S Ltd. has paid Rs. 40,000 dividend for 1989 and Rs. 92,000 for 1990. The net profit for 1990 was Rs. 1,48,000.

(iii) H Ltd. proposed Rs. 1,60,000 for 1991 and S Ltd. provided for final dividend of Rs. 6,000 as preference dividend and Rs. 40,000 as equity dividend.

(iv) Goods sold by H Ltd. to S Ltd. were at 20% profit on sale price. Closing stock of S Ltd. includes Rs. 40,000 worth of such stock.

(v) Depreciation is charged @ 10% p.a. on reducing balance method. There is no addition in 1991.

Prepare Consolidated Trading, Profit and Loss Account and Profit and Loss Appropriation Account for the year ended 31st December, 1991 and Consolidated Balance Sheet as at 31st December, 1991.

(i) अंश 1 जनवरी, 1990 को खरीदे गये थे।

(ii) एस लिमिटेड ने 1989 वर्ष के लिए 40,000 रु० एवं 1990 के लिए 92,000 रु० का लाभांश चुकाया। 1990 के शुद्ध लाभ 1,48,000 रु० थे।

(iii) एच लिमिटेड ने 1991 वर्ष के 1,60,000 रु० प्रस्तावित किये एवं एस लिमिटेड ने पूर्वाधिकार अंशों पर 6,000 रु० एवं ईक्विटी अंशों पर 40,000 रु० अन्तिम लाभांश के लिए आयोजन किया।

(iv) एच लिमिटेड के द्वारा एस लिमिटेड को बेचा गया माल विक्रय मूल्य पर 20% लाभ पर बेचा गया। एस लिमिटेड के अन्तिम स्टॉक में 40,000 रु० का ऐसा माल था।

(v) ह्रास क्रमागत ह्रास पद्धति के आधार पर 10% प्रतिवर्ष लगाया गया। 1991 वर्ष में सम्पत्तियों में कोई वृद्धि नहीं की गई।

31 दिसम्बर, 1991 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए एकीकृत व्यापार एवं लाभ-हानि खाता एवं लाभ-हानि नियोजन खाता तैयार कीजिए एवं 31 दिसम्बर, 1991 को एकीकृत चिट्ठा तैयार कीजिए।

Solution :

Consolidated Trading & Profit and Loss Account
for the year ended 31st December, 1991

Dr. Cr.

Particulars	H Ltd.	S Ltd.	Adjustment	Total	Particulars	H Ltd.	S Ltd.	Adjustment	Total
	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
To Cost of goods sold	19,20,000	16,00,000	-4,00,000	31,20,000	By Sales	24,00,000	20,00,000	-4,00,000	40,00,000
To Gross Profit c/d	4,80,000	4,00,000	—	8,80,000					
	24,00,000	20,00,000	-4,00,000	40,00,000		24,00,000	20,00,000	-4,00,000	40,00,000
To General Exps.	2,60,000	2,40,000	—	5,00,000	By Gross Profit	4,80,000	4,00,000	-	8,80,000
To Depreciation	1,10,000	70,000	—	1,80,000	By Div. Received	32,000	-	- 32,000	—
To Net Profit c/d	1,42,000	90,000	- 32,000	2,00,000					
	5,12,000	4,00,000	32,000	8,80,000		5,12,000	4,00,000	32,000	8,80,000
To Interim Dividend :					By Balance b/d	1,52,000	96,000	-	2,48,000
Preference	—	6,000	—	6,000	By Net Profit b/d	1,42,000	90,000	- 32,000	2,00,000
Equity	—	40,000	- 32,000	8,000					
To Proposed Divds.									
Preference	—	6,000	-	6,000					
Equity	1,60,000	40,000	- 32,000	1,68,000					
To Balance c/d	1,34,000	94,000	+ 32,000	2,60,000					
	2,94,000	1,86,000	32,000	4,48,000		2,94,000	1,86,000	- 32,000	4,48,000
To Minority Interest	—	18,800	-	18,800	By Balance b/d	1,34,000	94,000	+ 32,000	2,60,000
To Stock Reserve	—	6,400	-	6,400					
To Capital Reserve	—	32,000	-	32,000					
To Balance c/d	1,34,000	36,800	+ 32,000	2,02,800					
	1,34,000	94,000	+ 32,000	2,60,000		1,34,000	94,000	+ 32,000	2,60,000

Consolidated Balance Sheet

Liabilities		Amount	Assets		Amount
Share Capital :		Rs.			Rs.
20,000 Equity Shares of Rs. 100			Goodwill		1,28,000
each fully paid		20,00,000	Fixed Assets :		
Profit and Loss Account		2,02,800	H Ltd.	11,00,000	
Creditors :			S Ltd.	7,00,000	
H Ltd.	2,60,000				
S Ltd.	1,20,000			18,00,000	
		3,80,000	*Less* : 10% Depreciation		
Minority Interest		3,92,800		1,80,000	16,20,000
Proposed Dividend		1,60,000			
			Current Assets		
			Stock :		
			H Ltd.	2,40,000	
			S Ltd.	1,80,000	
				4,20,000	
			Less : Stock Reserve	6,400	4,13,600
			Creditors :		
			H Ltd.	4,00,000	
			S Ltd.	3,20,000	7,20,000
			Bank :		
			H Ltd.	1,24,000	
			S Ltd.	1,30,000	2,54,000
		31,35,600			31,35,600

टिप्पणी (Working Notes) : (1) H. Ltd. के लिए अंश अधिग्रहण से पूर्व के लाभों की गणना :

	Rs.
S Ltd. का 31 दिसम्बर 1990 के अनुसार लाभ-हानि खाते का शेष	96,000
घटाइये : 1990 वर्ष का लाभ जो 1990 के लिए लाभांश के बाद है (1,48,000 − 92,000)	56,000
1 जनवरी, 1990 (H Ltd. के अंश अधिग्रहण की तिथि) को लाभ	40,000
अधिग्रहण के पूर्व के लाभ (पूंजी संचय) में H Ltd. का हिस्सा (80%)	32,000

(2) ख्याति की गणना :

	Rs.
H Ltd. द्वारा क्रय किये अंशों की लागत	8,00,000

क्रय किये गये अंशों का अंकित मूल्य	6,40,000	
अंश अधिग्रहण के पूर्व के लाभ में हिस्सा	32,000	6,72,000
ख्याति (Goodwill)		1,28,000

(3) अल्पसंख्यकों के हित की गणना :

	Rs.
पूर्वाधिकार अंश पूँजी	2,00,000
पूर्वाधिकार अंशों पर प्रस्तावित लाभांश	6,000
ईक्विटी अंश पूँजी (1,600 अंश)	1,60,000
ईक्विटी अंशों पर प्रस्तावित लाभांश में हिस्सा (20%)	8,000
प्रस्तावित लाभांश के बाद शेष रहे S Ltd. के लाभों में हिस्सा (94,000 रु० का 20%)	18,800
	3,92,800

(4) स्टॉक संचय की गणना :

$$40{,}000 \times \frac{20}{100} \times \frac{80}{100} = 6{,}400 \text{ रु०}$$

अभ्यासार्थ प्रश्न

सैद्धान्तिक प्रश्न (Theoretical Questions) :

1. What is holding company ? Discuss the advantages and disadvantages of holding companies.

सूत्रधारी कम्पनी किसे कहते है ? सूत्रधारी कम्पनी के लाभों एवं हानियों की विवेचना कीजिए।

2. Explain the provisions laid down in section 212 of the Indian Companies Act, 1956 regarding the information about subsididary companies to be given by holding company.

भारतीय कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 212 में वर्णित उन सूचनाओं से सम्बन्धित प्रावधानों को समझाइए जो कि सूत्रधारी कम्पनी द्वारा सहायक कम्पनियों के बारे में दी जाती है।

3. What information are to be given in the statements prepared by a holding company under-section 212(3) and 212(5) of the Indian Companies Act ? Prepare a statement under section 212(5) with imaginary figures.

एक सूत्रधारी कम्पनी द्वारा कम्पनी अधिनियम की धारा 212(3) तथा 212(5) के अन्तर्गत तैयार किये जाने वाले विवरणों में क्या-क्या सूचनायें दी जाती हैं ? धारा 212(5) के अन्तर्गत काल्पनिक अंकों के साथ एक विवरण तैयार कीजिये।

4. How are the following items dealt with in the books of the holding company :-
सूत्रधारी कम्पनी की पुस्तकों में निम्नलिखित मदों के साथ किस प्रकार व्यवहार किया जाता है :—
(a) प्राप्त लाभांश (Dividend received)
(b) सहायक कम्पनी की हानियाँ (Losses of Subsidiary Company)
(c) बोनस अंशों की प्राप्ति (Receipt of Bonus Shares)

5. What is meant by Pre-acquisition profits and Post-acquisition profits ? How are they dealt with in consolidated balance sheet ?

क्रय से पूर्व के लाभ और क्रय के बाद के लाभ से आप क्या समझते हैं ? एकीकृत चिट्ठे में इनके साथ किस प्रकार व्यवहार किया जाता है ?

6. What is meant by 'Goodwill' with reference to consolidated balance sheet ? Is there any difference between goodwill and cost of control ?

एकीकृत चिट्ठे के सन्दर्भ में "ख्याति" से क्या तात्पर्य है ? क्या ख्याति और नियन्त्रण की लागत में कोई अन्तर है ?

7. What is meant by Consolidated Balance Sheet ? How is it prepared ?
एकीकृत चिट्ठा किसे कहते हैं ? यह किस प्रकार तैयार किया जाता है ?

8. What is meant by 'Minority Interest' ? How is it determined ?
'अल्पसंख्यकों के हित' से क्या तात्पर्य है ? इसका निर्धारण किस प्रकार किया जाता है ?

9. How will you deal with the following in the consolidated balance sheet ?
एकीकृत चिट्ठे में आप निम्नलिखित के साथ किस प्रकार व्यवहार करेंगे ?

(i) न वसूल हुआ लाभ (Unrealised Profit)

(ii) संदिग्ध दायित्व (Contingent Liability)

(iii) अन्तः कम्पनी अंशधारण (Inter Company Shareholdings)

10. What is Consolidated Profit and Loss Account ? How is it prepared ?
एकीकृत लाभ-हानि खाता क्या है ? इसे कैसे तैयार किया जाता है ?

व्यावहारिक प्रश्न (Practical Questions) :

11. H Ltd. acquired 8,000 shares of Rs. 10 each at Rs. 15 per share in S Ltd. on 1st October, 1990 The issued share capital of S Ltd. consists of 10,000 shares of Rs. 10 each. In 1991 S Ltd. declared a dividend of 20% on its paid up capital for the year ending 31st December, 1990. The Profit and Loss Account of S Ltd. shows the following position :

	Rs.
Profit and Loss Account balance on 1st January, 1990	60,000
Profit for the year 1990	48,000

Journalise the transactions in the books of H Ltd. taking different possibilities on receipt of dividend.

एच लिमिटेड ने 1 अक्टूबर, 1990 को एस लिमिटेड के 10 रु० वाले 8,000 अंश 15 रु० प्रति अंश के हिसाब से अधिग्रहित किये। एस लिमिटेड की निर्गमित पूँजी 10 रु० वाले 10,000 अंशों में है। 1991 में एस लिमिटेड द्वारा 31 दिसम्बर, 1990 को समाप्त वर्ष के लिए अपनी प्रदत्त पूँजी पर 20% लाभांश घोषित किया गया। एस लिमिटेड का लाभ-हानि खाता अग्र स्थिति प्रदर्शित करता है :

	रु०
1 जनवरी, 1990 को लाभ-हानि खाते का शेष	60,000
1990 वर्ष के लाभ	48,000

एच लिमिटेड की पुस्तकों में लाभांश प्राप्ति की विभिन्न सम्भावित दशाओं को लेते हुए जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिये। (10·1)

12. H Ltd. acquired all the shares is S Ltd. On 1st October, 1991 and the Balance Sheets of the two companies as on 31st December, 1991 were as follows :

1 अक्टूबर, 1991 को एच लिमिटेड ने एस लिमिटेड के समस्त अंश अधिग्रहित किये। दोनों कम्पनियों के 31 दिसम्बर 1991 के चिट्ठे इस प्रकार थे :

Liabilities	H Ltd. Rs.	S Ltd. Rs.	Assets	H Ltd. Rs.	S Ltd. Rs.
Share Capital	50,000	30,000	Sundry Assets	65,000	70,000
General Reserve (1-1-91)	20,000	15,000	Investment in Shares of S Ltd. at Cost	50,000	—
Profit and Loss A/c	25,000	10,000			
Creditors	20,000	15,000			
	1,15,000	70,000		1,15,000	70,000

The Profit and Loss Account of S Ltd. had a credit balance of Rs. 3,000 on 1st January, 1991. The profit of S Ltd.accrued evenly throughout the year. Prepare Consolidated Balance Sheet.

1 जनवरी, 1991 को एस लिमिटेड के लाभ-हानि खाते में 3,000 रु० का क्रेडिट शेष था। एस लिमिटेड के लाभ पूरे वर्ष समान दर से अर्जित किये गये हैं। एकीकृत चिट्ठा बनाइये।

Ans. : Capital Reserve Rs. 3,250; Consolidated B/S Total Rs 1,35,000. (10·2)

13. A Ltd. acquired 90 percent of the shares in B Ltd. on 30th June, 1991 at a cost of Rs. 1,20,000. No Balance Sheet was prepared at the date of acquisition. The Balance Sheet of B Ltd. as on 31st December, 1990 and 1991 were as follows :

30 जून, 1991 को ए लिमिटेड ने बी लिमिटेड के 90 प्रतिशत अंश 1,20,000 रु० की लागत पर खरीदे। अधिग्रहण की तिथि को कोई चिट्ठा नहीं बनाया गया था। 31 दिसम्बर, 1990 और 1991 को बी लिमिटेड का चिट्ठा अग्र प्रकार था :

	1990	1991		1990	1991
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Share Capital : 4,000 Shares of Rs. 10 each	40,000	40,000	Net Assets	1,20,000	1,52,000
General Reserve	80,000	88,000	Goodwill	20,000	20,000
Profit and Loss A/c	20,000	34,800			
Proposed Dividend	—	9,200			
	1,40,000	1,72,000		1,40,000	1,72,000

The Balance Sheet of A Ltd. as on 31st December, 1991 was as follows :

	Rs.		Rs.
Share Capital : 4,000 Shares of Rs. 100 each	4,00,000	Net Assets	6,00,000
Capital Reserve	40,000	Investment in Shares of B Ltd. at cost	1,20,000
General Reserve	2,00,000		
Profit and Loss A/c	80,000		
	7,20,000		7,20,000

Assuming that the profit of B Ltd. has accrued evenly throughout the year 1991 and the goodwill appearing in the books of B Ltd. is to be written off, prepare the Consolidated Balance Sheet.

यह मानते हुए कि बी लिमिटेड का लाभ 1991 में पूरे वर्ष समान रूप से अर्जित हुआ है तथा बी लिमिटेड की पुस्तकों में दिखायी गई ख्याति को अपलिखित करना है, एकीकृत चिट्ठा बनाइये।

Answer : Capital Reserve Rs. 2,400; Minority Interest Rs. 15,200; Consolidated Balance Sheet Total Rs. 7,52,000. (10 3)

14. Balance Sheets of R Ltd. and S Ltd. as on 31st March, 1992 are as follows :
आर लिमिटेड और एस लिमिटेड के 31 मार्च, 1992 के चिट्ठे इस प्रकार हैं :

Balance Sheets

Liabilities	R Ltd.	S Ltd.	Assets	R Ltd.	S Ltd.
	Rs	Rs.		Rs.	Rs.
Share Capital Rs. 100 each share	5,00,000	1,00,000	Sundry Assets	7,90,000	250,000
General Reserve	2,00,000	75,000	Investment in Shares of S Ltd. (800 Shares at cost)	1,60,000	—
Profit and Loss A/c	1,50,000	25,000			
Creditors	1,50,000	50,000			
	9,50,000	2,50,000		9,50,000	2,50,000

At the time of acquisition of shares in S Ltd., the General Reserve and Profit & Loss Account of S Ltd. amounted to Rs. 25,000 and Rs. 15,000 respectively. Prepare the Consolidated Balance Sheet as at 31st March, 1992.

एस लिमिटेड में अंशों को प्राप्त करते समय, एस लिमिटेड के सामान्य सञ्चय तथा लाभ-हानि खाते में क्रमश: 25,000 रु० और 15,000 रु० थे। 31 मार्च, 1992 को एकीकृत चिट्ठा बनाइए।

Answer : Total of Consolidated Balance Sheet Rs. 10,88,000. (10 4)

15. A Ltd. acquired all the shares in B Ltd. at a cost of Rs. 90,000 on 1st January, 1991. The Balance Sheets of the two companies were as under :

1 जनवरी, 1991 को ए लिमिटेड ने 90,000 रु० की लागत से बी लिमिटेड के सभी अंश प्राप्त किये। दोनों कम्पनियों के चिट्ठे निम्न प्रकार थे :

Balance Sheet of A Ltd.
as on 31st December, 1991

	Rs.		Rs.
3,000 Shares of Rs. 100 each	3,00,000	Land and Buildings	1,60,000
General Reserve	80,000	Plant and Machinery	40,000
Profit & Loss A/c	20,000	Shares at Cost	90,000
Creditors	50,000	Stock	90,000
		Debtors	50,000
		Cash	20,000
	4,50,000		4,50,000

Balance Sheet of B Ltd.
as on 31st December, 1991

	Rs.		Rs.
5,000 Shares of Rs. 10 each	50,000	Land and Buildings	30,000
General Reserve as on 1st January, 1991	5,000	Plant and Machiney	25,000
Profit & Loss A/c	30,000	Stock	17,000
Creditors	9,000	Debtors	15,000
		Cash	7,000
	94,000		94,000

The creditors of A Ltd. include Rs. 7,000 due to B Ltd. for purchase on which B Ltd. made a profit of Rs. 1,050. The stock of A Ltd. include Rs. 2,000 of the above purchases from B Ltd.

Make necessary adjustments and show a Consolidated Balance Sheet as on 31st December, 1991.

ए लि० के लेनदारों में बी लि० से माल के क्रय के 7,000 रु० सम्मिलित हैं जिस पर बी लि० ने 1,050 रु० का लाभ अर्जित किया। ए लि० के स्टॉक में बी लि० से क्रय किया 2,000 रु० का माल सम्मिलित है।

आवश्यक समायोजन कीजिये तथा 31 दिसम्बर, 1991 को सामूहिक चिट्ठा बनाइये।

Answer : Goodwill Rs. 35,000; consolidated profit Rs. 49,700, Total of Balance Sheet Rs. 4,81,700.

(10 5)

16. M Ltd. acquired 8,000 Equity Shares of P Ltd. on 1st April, 1991. The following are the Balance Sheets of the two companies as at 31st March, 1992 :

एम लिमिटेड ने पी लिमिटेड के 8,000 ईक्विटी अंश 1 अप्रैल, 1991 को क्रय किये। 31 मार्च, 1992 को दोनों कम्पनियों के निम्नांकित चिट्ठे हैं :

Liabilities	M Ltd.	P Ltd.	Assets	M Ltd.	P Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs	Rs.
Equity Shares of			Land & Buildings	5,00,000	3,00,000
Rs. 100 each	20,00,000	10,00,000	Plant & Machinery	5,00,000	6,00,000
General Reserve (1-4-91)	4,00,000	2,00,000	Stock	1,50,000	1,00,000
Profit and Loss A/c			Sundry Debtors	1,00,000	1,20,000
(1-4-91)	1,00,000	60,000	Investment in Shares		
Profit for the year			of P Ltd at cost	10,00,000	—
1991-92	2,00,000	80,000	Bills Receivable	80,000	10,000
Sundry Creditors	1,00,000	1,00,000	Cash and Bank		
Bills Payable	30,000	10,000	Balance	5,00,000	3,20,000
	28,30,000	14,50,000		28,30,000	14,50,000

(i) Bills Receivable of M Ltd. includes Rs. 10,000 accepted by P Ltd.

(ii) Sundry Debtors of M Ltd include Rs. 50,000 due from P Ltd

(iii) Stock of P Ltd. includes goods purchased from M Ltd. for Rs. 60,000 which were invoiced by M Ltd. at a profit of 25% on cost. Prepare Consolidated Balance Sheet as at 31st March, 1992.

(i) एम लिमिटेड के प्राप्य बिलों में 10,000 रु० ऐसे बिलों के शामिल हैं जिन्हें पी लिमिटेड ने स्वीकार किया है।

(ii) एम लिमिटेड के विविध देनदारों में 50,000 रु० की ऐसी राशि शामिल है जो पी लिमिटेड द्वारा देय है।

(iii) पी लिमिटेड के स्टॉक में ऐसा माल भी शामिल है जिसे इसने एम लिमिटेड से 60,000 रु० में क्रय किया था और इसे एम लिमिटेड ने लागत पर 25% लाभ पर बेचा था।

31 मार्च, 1992 को एकीकृत चिट्ठा बनाइये।

Answer : Capital Reserve Rs. 8,000; Minority Interest Rs 2,68,000, Total of Consolidated Balance Sheet Rs. 32,10,400. (10 6)

17 The following are the Balance Sheets of H Ltd. and S Ltd , as on 30th June, 1992 :

एच लि० एवं एस लि० के 30 जून, 1992 को चिट्ठे अग्रलिखित हैं :

Liabilities	H Ltd.	S Ltd.	Assets	H Ltd.	S Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Share Capital :			Freehold Premises	2,00,000	75,000
Authorised & Issued			Plant & Machinery	70,000	57,200
Shares of Rs. 100			Furniture & Fixtures	5,000	9,800
fully paid	3,20,000	1,50,000	Sundry Debtors	85,000	56,500
Reserve as per last			Stock in Trade	98,000	61,300
Account	1,60,000	6,000	Investments :		
Profit & Loss Account	1,50,000	91,000	12,000 Shares in		
Sundry Creditors	70,000	43,000	S Ltd.	1,90,000	—
			Cash at Bank	52,000	30,200
	7,00,000	2,90,000		7,00,000	2,90,000

The Profit & Loss Account balance of S Ltd. was Rs. 62,500 when its shares were acquired by the H Ltd. on 1st July, 1991.

Sundry creditors of S Ltd. on 30–6–92 include a sum of Rs. 15,000 payable to H Ltd. for credit purchases on which H Ltd. made on an average a profit of 25% on original cost. Stock of S Ltd. of Rs. 61,300 included also goods at a cost of Rs. 8,000 purchased from H Ltd. On 1st July, 1991, Plant & Machinery of S Ltd. were shown in the books at Rs. 59,000 but its value was ascertained at Rs. 62,000. No adjustment was made in the books and there was no addition or disposal of any Plant and Machinery during 1991–92. Prepare Consolidated Balance Sheet.

1 जुलाई, 1991 को एच लिमिटेड द्वारा एस लिमिटेड के अंश क्रय करते समय एस लिमिटेड के लाभ हानि खाते का शेष 62,500 रु० था। एस लिमिटेड के 30 जून, 1992 के लेनदारों में 15,000 रु० की राशि एच लिमिटेड को देय सम्मिलित थी जो उधार खरीदे गये माल से सम्बन्धित थी तथा जिस पर एच लिमिटेड ने वास्तविक लागत पर औसत रूप से 25% लाभ कमाया था। एस लिमिटेड के 61,300 रु० के स्टॉक में 8,000 रु० का माल एच लिमिटेड से खरीदा गया सम्मिलित था। 1 जुलाई, 1991 को एस लिमिटेड की प्लान्ट एवं मशीनरी पुस्तकों में 59,000 रु० पर दिखाई गई थी, किन्तु उनका मूल्य 62,000 रु० निर्धारित किया गया था। पुस्तकों में इसके लिए कोई समायोजन नहीं किया गया एवं इसके अतिरिक्त 1991-92 वर्ष के दौरान प्लान्ट एवं मशीनरी में कोई वृद्धि अथवा कमी नहीं हुई। एकीकृत चिट्ठा बनाइये।

Answer : Goodwill Rs. 12,800; Minority Interest Rs. 49,982; Total of Consolidated Balance Sheet Rs. 7,99,428. (10·7)

18. The following are the Condensed Balance Sheets of A Ltd. and its subsidiary B Ltd. as on 31st March, 1992 :

ए लिमिटेड एवं उसकी सहायक बी लिमिटेड के 31 मार्च, 1992 को संक्षिप्त चिट्ठे निम्न प्रकार है :

Liabilities	A Ltd.	B Ltd.	Assets	A Ltd.	B Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs
Equity Shares of Rs. 10 each	1,10,000	40,000	Land & Buildings	17,500	12,500
Premium on 2,600 shares	13,000	—	Plant & Machinery	35,000	19,500
General Reserve	—	10,000	Furniture	6,000	2,500
Profit and Loss Account	14,000	3,000	Stock	20,000	13,500
Sundry Creditors	9,500	15,000	Sundry Debtors	25,000	15,500
			Due from B Ltd	3,500	—
			Investments in 3,600 Shares of B Ltd.	39,000	—
			Cash at Bank	500	4,500
	1,46,500	68,000		1,46,500	68,000

You are required to prepare a Consolidated Balance Sheet having regard to the following :

(1) A Ltd. acquired the shares of B Ltd. on 1st April, 1991 on that date B Ltd. had a Reserve of Rs. 2,500 and a credit balance in Profit and Loss Account of Rs. 500.

(2) In determining the value of shares of B Ltd. Plant & Machinery, which then stood in the books at Rs. 22,500 was revalued at Rs. 27,000 and Furniture standing in the books at Rs 3,000 was revalued at Rs 1,800. The new values were not incorporated in the books.

(3) B Ltd. has purchased goods from A Ltd. of which Rs. 7,000 are still in stock. A Ltd. sells to B Ltd. at cost plus 25 percent.

आपको निम्न बातो को ध्यान मे रखते हुए एकीकृत चिट्ठा तैयार करना है :

(1) ए लिमिटेड द्वारा बी लिमिटेड के अंश 1 अप्रैल, 1991 को क्रय किये गये थे, उस समय बी लिमिटेड के सचय 2,500 रु० एवं लाभ-हानि खाते का क्रेडिट शेष 500 रु० था।

(2) बी लिमिटेड के अशो का मूल्य निर्धारित करते समय प्लाण्ट एव मशीनरी जो उस समय 22,500 रु० पुस्तक मूल्य पर थी 27,000 रु० पर पुनर्मूल्यांकित की गई तथा फर्नीचर जो पुस्तको मे 3,000 रु० पर प्रदर्शित था, 1800 रु० पर पुनर्मूल्यांकित किया गया। नये मूल्य पुस्तकों मे समाविष्ट नही किये गये हैं।

(3) बी लिमिटेड द्वारा ए लिमिटेड से क्रय किये गये माल मे से 7,000 रु० का माल अभी भी स्टॉक में है। ए लिमिटेड ने बी लिमिटेड को लागत पर 25% जोडकर माल बेचा है।

Answer : Capital Reserve Rs. 2,670; Minority Interest Rs 5,590, Total of Consolidated Balance Sheet Rs. 1,73,640. (10 8)

19. The following are the Balance Sheets of H Ltd and its subsidiary S Ltd. as at 30-9-1992 :

एच लिमिटेड एवं उसकी सहायक कम्पनी एस लिमिटेड के 30 सितम्बर, 1992 के चिट्ठे निम्न प्रकार हैं :

Liabilities	H Ltd.	S Ltd.	Assets	H Ltd	S Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Authorised Capital : Shares of Rs. 10 each	8,00,000	7,50,000	Land and Buildings at cost less depreciation	1,30,000	90,000
Issued Capital : Shares of Rs. 10 each fully paid	6,75,000	5,00,000	Plant and Machinery at cost less depreciation	2,56,350	11,900
5% Debentures	1,40,000	—	Fixtures & Fittings at cost less depreciation	30,750	3,850
Sundry Creditors : H Ltd.	—	48,325	Investment in S Ltd. 37,500 share of Rs. 10 each	4,31,250	
Trade Accounts	71,750	1,11,675	Stock in hand	1,54,800	2,25,000
General Reserve Account	1,50,000	—	Bills Receivable	—	17,520
Profit & Loss Account	1,65,915	1,00,000	Sundry Debtors (S Ltd.)	51,025	—
			Trade Accounts	88,675	3,00,000
			Cash Balance	59,815	1,11,750
	12,02,665	7,60,000		12,02,665	7,60,000

The following information are given :

(i) On the date of acquiring the shares in S Ltd. by H Ltd. there was a balance of Rs. 50,000 at the credit of the Profit & Loss Account of S Ltd.

(ii) For the purpose of fixing the price of these shares in S Ltd. for Rs. 4,31,250 on the day, the Land & Buildings which stood in the books at Rs. 1,20,000 were revalued at Rs. 1,60,000.

(iii) Goods were sold to S Ltd. by H Ltd. at cost plus 25%. Stock of Rs. 2,25,000 of S Ltd. on 30-9-1992 included goods purchased from H Ltd. for Rs. 76,960. Goods sold to S Ltd. for Rs. 2,700 by H Ltd. were returned by S Ltd. on 28-9-1992 which reached H Ltd. on 4-10-1992.

You are requested to draft the Consolidated Balance Sheet as at 30-9-1992, to be presented to the shareholders of H Ltd.

निम्नलिखित सूचनायें दी गई हैं :

(i) एच लिमिटेड के द्वारा एस लिमिटेड मे अंश अधिग्रहण की तिथि को एस लिमिटेड के लाभ-हानि खाते मे 50,000 रु० का जमा शेष था ।

(ii) उस तिथि को एस लिमिटेड के अंशो का मूल्य 4,31,250 रु० तय करते समय भूमि एव भवन जो उस समय पुस्तको मे 1,20,000 रु० पर थे, 1,60,000 रु० पर पुनर्मूल्यांकित गये किये ।

(iii) एच लिमिटेड के एस लिमिटेड को माल लागत मे 25% जोडकर बेचा गया । 30 सितम्बर, 1992 को एस लिमिटेड के 2,25,000 रु० के स्टॉक मे एच लिमिटेड से क्रय किया गया 76,960 रु० का माल सम्मिलित था । एच लिमिटेड द्वारा एस लि० को बेचे गये माल मे से 2,700 रु० का माल एस लिमिटेड द्वारा *28 सितम्बर, 1992 को लौटा दिया गया जो एच लिमिटेड के पास 4 अक्टूबर, 1992 को पहुँचा था ।*

आपसे अनुरोध है कि एच लिमिटेड के अंशधारियों को प्रस्तुत करने के लिए 30 सितम्बर, 1992 का एकीकृत चिट्ठा तैयार कीजिए ।

Answer : Capital Reserve Rs. 11,250, Minority Interest Rs. 1,57,500 and Total of Balance Sheet Rs. 15,01,546. (10 9)

20. The following are the Balance Sheets of X Ltd. and its subsidiary Y Ltd. as at 31st December, 1991 :

एक्स लिमिटेड एव उसकी सहायक कम्पनी वाई लिमिटेड के 31 दिसम्बर, 1991 के चिट्ठे निम्नवत हैं :

Liabilities	X Ltd.	Y Ltd.	Assets	X Ltd.	Y Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Share *Capital :*			*Buildings*	*1,03,000*	*30,000*
Equity Shares of			Machinery	25,000	24,000
Rs. 100 each	1,50,000	50,000	Furniture	5,000	3,100
General Reserve			*Stocks*	34,000	20,200
(1st Jan., 1991)	95,000	2,000	Sundry Debtors	28,000	15,800
Profit & Loss A/c	80,000	36,000	Investments	1,12,000	—
Sundry Creditors	15,000	16,100	Cash	33,000	11,000
	3,40,000	1,04,100		3,40,000	1,04,100

X Ltd. acquired 80% of the shares in Y Ltd. as at 1st April, 1991 at a total cost of Rs. 1,12,000. The Profit and Loss Account of X Ltd. includes interim dividend at the rate of 10% from Y Ltd. declared after 1st April, 1991. Its stock includes Rs. 3,000 stock at cost purchased from Y Ltd. and the creditors include Rs. 6,000 for purchases from Y Ltd. Y Ltd follows the practice of adding 25% of the cost in order to determine the selling price.

The balance of Profit and Loss account at 1st January, 1991 in the books of Y Ltd. was Rs. 28,000, an interim dividend of 10% have been paid during the year out of the said undistributed profit. The profit during the year 1991 has been earned uniformly throughout the year.

Draft a Consolidated Balance Sheet showing the necessary adju tments.

एक्स लिमिटेड द्वारा 1 अप्रैल, 1991 को 1,12,000 रु० की लागत पर वाई लिमिटेड के 80% अंश अधिग्रहित किये गए थे। एक्स लि० के लाभ-हानि खाते में वाई लिमिटेड से प्राप्त 10% अन्तरिम लाभांश सम्मिलित है, जो 1 अप्रैल, 1991 के बाद घोषित किया गया था। एक्स लि० के स्टॉक में 3,000 रु० की लागत का स्टॉक वाई लिमिटेड से क्रय किया हुआ सम्मिलित है एवं लेनदारों में 6,000 रु० वाई लिमिटेड से क्रय के सम्मिलित हैं। वाई लिमिटेड विक्रय मूल्य का निर्धारण लागत मे 25% जोड़कर करती है।

वाई लि० की पुस्तकों में 1 जनवरी, 1991 को लाभ-हानि खाते का शेष 28,000 रु० था, उक्त अतिरिक्त लाभों में से 10% अन्तरिम लाभांश वर्ष के दौरान बांटा जा चुका है। 1991 वर्ष में लाभ वर्ष के दौरान समान रूप से अर्जित किये गये थे।

आवश्यक समायोजन प्रदर्शित करते हुये एकीकृत चिट्ठा तैयार कीजिये।

Answer : Goodwill Rs. 45,400; Minority Interest Rs. 17,600 and Total of Balance Sheet Rs. 3,71,020. (10·10)

21. The following are the Balance Sheets of H Limited and S Limited as on 31st December, 1991 :

एच लिमिटेड एवं एस लिमिटेड के 31 दिसम्बर, 1991 को चिट्ठे निम्न प्रकार हैं :

Liabilities	H Ltd.	S Ltd.	Assets	H Ltd.	S Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Share Capital :			Fixed Assets	4,80,000	2,50,000
Shares of Rs. 100 each	10,00,000	5,00,000	Investments in S Ltd.	5,00,000	—
General Reserve	1,00,000	1,50,000	Current Assets	7,20,000	7,50,000
Profit & Loss Account	1,60,000	1,50,000			
Current Liabilities	4,40,000	2,00,000			
	17,00,000	10,00,000		17,00,000	10,00,000

The following further information is furnished :

1. H Ltd. acquired 3,000 shares in S Ltd. on 1st April, 1991.

The reserves and surplus position of S Ltd. as on 1st January, 1991 was as under :

	Rs.
(a) *General Reserve*	2,50,000
(b) Profit & Loss Account Balance	1,20,000

2. On 1st July, 1991 S Ltd. issued one share for every 4 shares held as bonus shares at a face value of Rs. 100 per share. No entry has been made in the books of H Ltd. for the receipt of these bonus shares.

3. On 30th June, 1991 S Ltd. declared a dividend out of its pre-acquisition profit of 25% on its then capital; H Ltd. credited the dividend to its Profit and Loss Account.

4. H Ltd. owed S Ltd. Rs. 50,000 for purchase of stock from S Ltd. The entire stock is held by H Ltd. on 31st December, 1991 S Ltd. made a profit 25 per cent on cost.

5. *H Ltd. transferred a Machinery to S Ltd. for Rs. 1,00,000.* The book value of the Machinery to H Ltd. was Rs. 80,000. Prepare a Consolidated Balance Sheet as on 31st December, 1991.

निम्नलिखित अतिरिक्त सूचनायें प्रस्तुत की जाती हैं :

1. एच लिमिटेड ने 1 अप्रैल, 1991 को एस लिमिटेड में 3,000 अंश अधिग्रहित किये।
   एस लिमिटेड के संचय एवं आधिक्य की स्थिति 1 जनवरी, 1991 को निम्न प्रकार थी :
   (a) सामान्य संचय 2,50,000 रु०; (b) लाभ-हानि खाते का शेष 1,20,000 रु०।
2. 1 जुलाई, 1991 को एस लिमिटेड ने प्रति 4 धारित अंशों पर 100 रु० अंकित मूल्य का एक अंश बोनस अंश के रूप में निर्गमित किया। एच लिमिटेड की पुस्तकों में इन बोनस अंशों की प्राप्ति के सम्बन्ध में कोई लेखा नहीं किया गया है।
3. 30 जून, 1991 को एस लिमिटेड ने अधिग्रहण के पूर्व के लाभों में से उस समय की पूँजी पर 25% लाभांश घोषित किया। एच लिमिटेड ने लाभांश अपने लाभ-हानि खाते में क्रेडिट कर दिया है।
4. एच लिमिटेड एस लिमिटेड से माल क्रय के कारण 50,000 रु० से ऋणी है। सम्पूर्ण स्टॉक 31 दिसम्बर, 1991 को एच लिमिटेड के पास रखा है। एस लिमिटेड ने लागत पर 25 प्रतिशत लाभ लिया है।
5. एच लिमिटेड ने एक मशीनरी एस लिमिटेड को 1,00,000 रु० में हस्तान्तरित की। एच लिमिटेड के लिए इस मशीन का पुस्तक मूल्य 80,000 रु० था। 31 दिसम्बर, 1991 को एकीकृत चिट्ठा तैयार कीजिए।

Answer : Capital Reserve Rs 1,01,875, Minority Interest Rs. 2,00,000; Consolidated Profit Rs. 1,35,625, and Total of Balance Sheet Rs. 21,27,500. (10 11)

22. The summarised Balance Sheets of A Ltd. and its subsidiary B Ltd. as on 31st March, 1992 are given below :

31 मार्च 1992 को ए लिमिटेड एवं उसकी सहायक बी लिमिटेड के संक्षिप्त चिट्ठे नीचे दिये गये हैं :

Liabilities	A Ltd	B Ltd.	Assets	A Ltd.	B Ltd
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Equity Shares of Rs. 10 each	6,00,000	2,00,000	Fixed Asset (at cost less depreciation)	3,82,000	3,25,000
7% Preference shares of Rs. 10 each	—	1,60,000	Investments : 15,000 Equity shares in B Ltd.	3,30,000	—
General Reserve	1,00,000	80,000			
Profit & Loss A/c	1,97,000	88,800	12,000 Preference shares in B Ltd.	1,20,000	—
6% Debentures	—	40,000			
Proposed Dividends :			Rs. 20,000 Debenture		
Preference Shares	—	11,200	in B Ltd.	20,400	—
Equity Shares	60,000	20,000	Current Assets	2,84,600	3,48,200
Debenture Interest Fixed	—	1,200			
Sundry Creditors	1,80,000	72,000			
	11,37,000	6,73,200		11,37,000	6,73,200

Relevant Information :

(a) A Ltd. acquired the shares in B Ltd. as on 31st March, 1991.

(b) The General Reserve of B Ltd. as on 31st March, 1991 was the same [illegible] on 31st March, 1992.

(c) The balance in the Profit and Loss Account of B Ltd. is arrived as follows :

	Rs.
Balance as on 31st March, 1991	56,000
Profit for the year ended 31st March, 1992	64,000
	1,20,000
Less : Proposed Dividends	31,200
	88,800

(d) The stock of B Ltd. as on 31st March, 1992 included Rs. 36,000 in respect of goods purchased from A Ltd. on which the later company made a profit of 20% on cost.

(e) The balance in the Profit & Loss Account of B Ltd. as on 31st March, 1991 is after providing for the preference dividend of Rs. 11,200 and a proposed equity dividend of Rs. 10,000; both of which were subsequently paid but the proportionate amount due to A Ltd. was inadvertently credited by it to its *Profit and Loss Account.*

(f) No entries had been made in the books of A Ltd. in respect of the debenture interest and the proposed dividends due from B Ltd. for the year ended 31st March, 1992.

(g) On 31st March, 1992 B Ltd. made an issue of bonus shares for Rs. 40,000 by capitalising a part of General Reserve and issued pro-rata. The transactions had not yet been shown in the books of B Ltd.

Prepare a Consolidated Balance Sheet of A Ltd. and its subsidiary B Ltd. as on 31st March, 1992.

(a) ए लिमिटेड द्वारा बी लिमिटेड के 31 मार्च, 1991 को अंश अधिग्रहित किये गये।

(b) बी लिमिटेड के सामान्य सचय का 31 मार्च, 1991 को शेष 31 मार्च, 1992 के शेष के बराबर ही था।

(c) बी लिमिटेड के लाभ-हानि खाते का शेष इस प्रकार निकाला गया :

		Rs.
	31 मार्च, 1991 को शेष	56,000
	31 मार्च, 1992 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ	64,000
		1,20,000
घटाइये :	प्रस्तावित लाभांश	31,200
		88,800

(d) 31 मार्च, 1992 को बी लिमिटेड के स्टॉक में 36,000 रु० का वह माल सम्मिलित था जो ए-लिमिटेड से खरीदा गया था तथा जिस पर ए लिमिटेड ने लागत पर 20% लाभ लिया था।

(e) 31 मार्च, 1991 को बी लिमिटेड के लाभ-हानि खाते का शेष पूर्वाधिकार अंशों पर लाभांश 11,200 रु० एवं ईक्विटी अंशों पर प्रस्तवित लाभांश 10,000 रु० को कम करने के बाद आया है जिनका भुगतान बाद में किया गया, किन्तु ए लिमिटेड द्वारा अपने आनुपातिक हिस्से से लाभ-हानि खाते को क्रेडिट कर दिया गया।

(f) 31 मार्च, 1992 को समाप्त वर्ष के लिए ए लिमिटेड की पुस्तकों में बी लिमिटेड द्वारा देय ऋण-पत्रों पर ब्याज एवं प्रस्तावित लाभांश के लिए कोई लेखा प्रविष्टि नहीं की गई है।

(g) 31 मार्च, 1992 को बी लिमिटेड ने सामान्य सचय के एक भाग को पूंजीकृत करते हुए 40,000 रु० के बोनस अंश आनुपातिक रूप में निर्गमित किये। ये व्यवहार बी लिमिटेड की पुस्तकों में अभी तक नहीं दिखाये गये हैं।

ए लिमिटेड एवं इसकी सहायक कम्पनी बी लिमिटेड का 31 मार्च, 1992 को एकीकृत चिट्ठा तैयार कीजिये।

Answer : Goodwill Rs. 62,500; Minority Interest Rs. 1,40,000; Consolidated Profit Rs. 2,25,200 and Total of Balance Sheet Rs. 13,97,800. (10·12)

23. Following are the summarised Balance Sheets of companies H Ltd. and S Ltd. as at 31st December, 1991 :

दो कम्पनियों, एच लिमिटेड एवं एस लिमिटेड के 31 दिसम्बर, 1991 को संक्षिप्त चिट्ठे इस प्रकार हैं :

Liabilities	H Ltd.	S Ltd.	Assets	H Ltd.	S Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Share Capital : (Shares of Rs. 10 each fully paid)	10,00,000	4,00,000	Sundry Assets	3,39,000	6,85,000
Reserves	1,50,000	1,00,000	24,000 Shares in S Ltd.	3,36,000	—
Profit & Loss A/c	2,00,000	50,000			
Creditors	3,25,000	1,35,000			
	16,75,000	6,85,000		16,75,000	6,85,000

H Ltd. purchased 32,000 shares in S Ltd. at Rs. 14 per share when reserves of the later stood at the present figure of Rs. 1,00,000. H Ltd. sold 8,000 shares of S Ltd. on 30th September, 1991 at Rs. 16 per share and profit on sale has been credited to capital reserve taking it as capital profit.

Prepare the Consolidated Balance Sheet of the two companies.

एच लिमिटेड ने एस लिमिटेड में 14 रु० प्रति अंश की दर पर 32,000 अंश क्रय किये; उस समय एस लिमिटेड के संचय वर्तमान राशि 1,00,000 रु० पर थे। एच लिमिटेड ने 8,000 अंश 16 रु० प्रति अंश की दर से 30 सितम्बर, 1991 को बेचे एवं विक्रय पर लाभ को पूँजी लाभ मानते हुये पूँजी संचय खाते में हस्तान्तरित कर दिया।

दोनों कम्पनियों का एकीकृत चिट्ठा तैयार कीजिए।

Answer : Goodwill Rs. 36,000; Minority Interest Rs. 2,20,000 and Total of Balance Sheet Rs. 20,60,000. (10·13)

24. Following are the Balance Sheets of two companies H Ltd. and S Ltd. as on 31st December, 1991 :

31 दिसम्बर, 1991 को एच लिमिटेड एवं एस लिमिटेड के चिट्ठे निम्न प्रकार हैं :

Liabilities	H Ltd.	S Ltd.	Assets	H Ltd.	S Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Share Capital : (Shares of Rs. 10 each fully paid)	3,00,000	1,50,000	Sundry Assets	2,70,000	2,07,000
Reserves	90,000	60,000	Investments : 12,000 Shares in S Ltd.	1,50,000	
Creditors	30,000	30,000	3,000 Shares in H Ltd.		33,000
	4,20,000	2,40,000		4,20,000	2,40,000

H Ltd. acquired the shares S Ltd. on 1st January, 1991 when reserves in S Ltd. stood at Rs. 36,000 and in H Ltd. at Rs. 54,000. S Ltd. had acquired the shares in H Ltd. on 1st January, 1991.

Prepare the Consolidated balance sheet of the two companies as on 31 Dec., 1991.

एच लिमिटेड ने एस लिमिटेड के अंश 1 जनवरी, 1991 को अधिग्रहित किये थे उस समय एस लि० के संचय 36,000 रु० एवं एच लिमिटेड के 54,000 रु० थे। एस लिमिटेड ने एच लिमिटेड के अंश 1 जनवरी, 1990 को अधिग्रहित किये थे।

31 दिसम्बर, 1991 को दोनों कम्पनियों का एकीकृत तैयार कीजिए।

Answer : Capital Reserve Rs. 3,000; Minority Interest Rs. 45,000; Consolidated Profit 99,000 and Total of Balance Sheet Rs. 4,77,000. (10·14)

25. The following are the Profit & Loss Accounts of H Ltd. and its subsidiary S Ltd. for the year ended 31st March, 1992 :

31 मार्च, 1992 को समाप्त हुए वर्ष के लिए एच लि० और उसकी सहायक एस लि० के निम्नलिखित लाभ-हानि खाते हैं :

Profit and Loss Account of H Ltd. acd S Ltd.

for the year ending 31st March, 1992

Particular	H Ltd.	S Ltd.	Particulars	H Ltd.	S Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
To Opening Stock	2,00,000	1,00,000	By Sales	16,00,000	14,00,000
To Purchases	8,00,000	6,00,000	By Stock	4,00.000	30,000
To Direct Expenses	1,40,000	1 00,000			
To Gross Profit c/d	8,60,000	6,30,000			
	20,00,000	14,30,000		20,00,000	14,30,000
To Salaries	70,000	40,000	By Gross Profit	8,60,000	6,30,000
To Administration			By Interest on Deben.	6,000	
Expenses	1,14,000	8,500	By Pref. Dividend	2,400	
To Depreciation	1,94,000	1,31,120	By Dividends Accrued :		
To Debenturue Interest	—	12,000	Preference 2,400		
To Balance of Profit	5,15,300	3,65,380	Equity 22,500	24,900	—
	8,93,000	6,30,000		8,93,300	6,30,000

(Contd....)

Contd........

	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
To Preference Dividend	—	6,000	By Net Profit b/d	5,15,300	3,65,380
To Proposed Dividend					
Preference	—	6,000			
Equity	2,00,000	30,000			
To Balance c/d	3,15,300	3,23,380			
	5,15,300	3,65,380			

The following further information is given :

(i) The share capital of S Ltd. consists of : 20,000 6% Preference shares of Rs. 10 each; and 20,000 Equity shares of Rs. 10 each.

(ii) S Ltd. has got issued 5% Debentures of Rs. 2,00,000.

(iii) H Ltd. acquired shares in S Ltd. on 1st July, 1991. The holdings consist of 75% Equity share capital and 40% Preference share capital.

(iv) H Ltd. acquired half of the debentures of S Ltd. on 1st April 1991.

(v) H Ltd. purchased goods from S Ltd. for Rs. 80,000. S Ltd. sells goods at a price which gives 25% profit on cost. One-fourth of these goods were still in the closing stock of H Ltd.

Prepare Consolidated Profits and Loss Account.

निम्नलिखित सूचना और दी जाती हैं :

(i) एस लिमिटेड की अंश पूँजी में निम्न सम्मिलित हैं :
20,000 6% 10 रुपये वाले अधिमान अंश; तथा 20,000 10 रुपये वाले ईक्विटी अंश।

(ii) एस लिमिटेड ने 2,00,000 रु० के 6% ऋणपत्र भी निर्गमित किये हैं।

(iii) एच लिमिटेड ने एस लि० में 1 जुलाई, 91 को अंश प्राप्त किये थे। धारण किये गये अंशों में 75% ईक्विटी अंश पूँजी तथा 40% अधिमान अंश पूँजी सम्मिलित है।

(iv) एच लिमिटेड ने 1 अप्रैल, 1991 को एस लि० के आधे ऋणपत्र भी अधिग्रहित किये थे।

(v) एच लिमिटेड ने एस लिमिटेड से 80,000 रु० का माल खरीदा था। एस लिमिटेड लागत में 25% माल जोड़ कर बेचती है। इसमें से एक चौथाई माल अब भी एच लि० के अन्तिम स्टॉक में था।

एकीकृत लाभ-हानि खाता तैयार कीजिए।

Answer : Minority Interest Rs. 91,945; Capital Reserve Rs. 66,259; Consolidated Balance of Profit Rs. 4,88,576. (10·15)

11

भारतीय लेखा मानक

(Indian Accounting Standards)

'सामान्य स्वीकृत लेखा सिद्धान्तों' (Generally Accepted Accounting Principles–GAAP) के रूप मे लेखांकन विषय का एक सैद्धान्तिक ढांचा तैयार हो जाने के बावजूद भी उपक्रमों के वित्तीय विवरणों को तैयार करने एवं प्रस्तुत करने में ऐसा बहुत सा क्षेत्र है (उदाहरणार्थ —स्टॉक का मूल्यांकन; ह्रास का निर्धारण, हानियों के लिए प्रायोजन आदि) जहाँ लेखाकार एवं प्रबन्धक अपने स्वनिर्णय का उपयोग करते हैं। व्यक्तिपरकता के प्रयोग द्वारा तैयार एव प्रस्तुत लेखे एवं उनमे प्रदत्त सूचनायें उनके विभिन्न प्रयोगकर्ताओं के लिए सीमित अर्थ रखती हैं तथा तुलनीय भी नहीं होती। लेखा पद्धतियों एवं व्यवहारों में अन्तर के द्वारा प्रबन्धकों को वास्तविक आर्थिक परिणामो को छिपाने या कपटपूर्ण तरीके से प्रस्तुत करने मे सहायता मिल जाती है। समष्टि रूप मे, समाज के विभिन्न वर्गों को लेखाकन के लाभो से दूर हो जाना पड़ता है। लेखाकन व्यवहारों मे एकरूपता की कमी की इस समस्या को विश्व स्तर पर पहचाना गया है और लेखा मानको के निर्धारण द्वारा इसे सुलझाने के प्रयास किये जा रहे हैं। आशा की जानी चाहिए कि इनको अपनाने पर वित्तीय विवरणो के प्रस्तुतीकरण की गुणात्मकता में सुधार होगा और एकरूपता मे वृद्धि होगी।

लेखा मानक (Accounting Standards)

लेखा मानक अथवा लेखा प्रमाप लेखांकन नीतियो के ऐसे मानदण्ड हैं जो सकेतो एवं दिशा निर्देशो के माध्यम से यह बताते हैं कि वित्तीय विवरणो एवं वार्षिक निष्पादन प्रतिवेदनो मे दिखाये जाने वाले विभिन्न मदों का व्यवहार किस प्रकार किया जाना चाहिए।

मानकों का निर्धारण इस तर्क पर आधारित है कि विभिन्न उपक्रमों द्वारा अपनायी गयी विभिन्न नीतियो एवं कार्य पद्धतियो में एकरूपता आवश्यक है एवं एक ही उपक्रम द्वारा विभिन्न वर्षों मे तैयार किये गये वित्तीय विवरणो मे भी एकरूपता हो ताकि इनके प्रयोगकर्ता प्रदत्त सूचनाओं को ठीक तरह से समझ सकें एवं इनके आधार पर उचित निर्णय ले सकें। इस प्रकार यह कह सकते हैं कि मानक किसी भी मामले मे एक व्यक्ति के दृष्टिकोण के बजाय सामूहिक ज्ञान एव अनुभव को स्थापित करने के साधन हैं। मानक या प्रमाप सामान्य सिद्धान्तों के रूप में निर्धारित किये जाते हैं जिन्हे प्रयोग के लिए पेशेवर व्यक्तियों के निर्णय पर छोड़ दिया जाता है। ऐसी स्थिति मे मानको का उद्देश्य यह होना चाहिए कि वित्तीय विवरणो के प्रयोगकर्ताओं को वे सूचनाएं देना जिनके आधार पर लेखे तैयार किये गये हैं न कि आदेशात्मक रूप मे यह बताना कि लेखे अमुक आधार पर तैयार करने होंगे। वैकल्पिक रूप मे लेखा मानको में विभिन्न मदो के सम्बन्ध मे विस्तृत नियम सम्मिलित होते हैं जिन्हे वित्तीय

विवरणों को प्रस्तुत करने के लिए विभिन्न मदों के लेखा व्यवहार के सम्बन्ध में प्रयुक्त किया जाता है। ऐसी परिस्थिति में प्रबन्ध के समक्ष विकल्प सीमित हो जाते हैं एवं पेशेवर निर्णय का क्षेत्र भी संकुचित हो जाता है।

अन्तर्राष्ट्रीय लेखा मानक (International Accounting Standards—IAS)

विकसित यातायात एवं संदेशवाहन के साधनों ने व्यापारिक स्तर पर देश एवं क्षेत्रीयता की सीमा को लगभग समाप्त कर दिया है। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ते हुए अत्यधिक व्यापार के कारण यह आवश्यक हो गया है कि प्रकाशित लेखों में आर्थिक और वित्तीय सूचनाओं को सही रूप में समझने के लिए उनमें एकरूपता लाई जावे। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए जून 1973 में 'अन्तर्राष्ट्रीय लेखांकन मानक समिति' (International Accounting Standards Committee—IASC) का गठन किया गया था। सन् 1977 में किये गये समझौते के अनुसार इस समिति का कार्य सार्वजनिक हित में ऐसे मानकों या प्रमापों को निर्धारित एवं प्रकाशित करना है जिनका पालन प्रकेक्षित वित्तीय विवरणों के प्रस्तुत करने में किया जा सके। इस समिति को इन मानकों की विश्वव्यापी स्वीकृति तथा उसके अनुपालन के लिए आवश्यक प्रयास करने का भार भी सौंपा गया है। सन् 1977 से ही इस समिति ने लेखा-सम्बन्धी नीतियों का प्रकटीकरण, इन्वेन्ट्री मूल्यांकन, समेकित वित्तीय विवरण, मूल्य ह्रास सम्बन्धी नीतियों, वित्तीय विवरणों में प्रकटीकरण, मूल्य स्तर में परिवर्तन, वित्तीय स्थिति में परिवर्तनों का विवरण, असामान्य मदों तथा लेखा सम्बन्धी नीतियों में परिवर्तन के सम्बन्ध में कुछ व्यापक मानकों को निर्धारित एवं निर्गमित किया है। भारत की चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट्स इन्स्टीट्यूट और कॉस्ट अकाउन्टेन्ट्स इन्स्टीट्यूट भी इस समिति के सदस्य हैं।

भारत में लेखा मानक (Accounting Standards in India—AS)

भारत में भी सन् 1977 में चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट्स इन्स्टीट्यूट ने इस देश के सामाजिक आर्थिक परिवेश (Socio-economic Enviornment) के अनुसार लेखांकन मानकों (Accounting Standards) का निर्माण करने तथा इस बात की जांच करने के लिए कि किस सीमा तक अन्तर्राष्ट्रीय मानकों को भारतीय मानकों में समाहित किया जा सकता है, एक 'लेखांकन मानक बोर्ड' (Accounting Standard Board—ASB) की स्थापना की है जिसमें सरकार एवं उद्योग जगत के प्रतिनिधि शामिल हैं। अन्य देशों में अपनायी गयी पद्धति के अनुसरण में ही भारत में भी अध्ययन दलों द्वारा तैयार किये गये और लेखा मानक बोर्ड द्वारा अनुमोदित प्रारम्भिक ड्राफ्टों को व्यापार, वाणिज्य और उद्योग की प्रतिनिधि संस्थाओं सहित विभिन्न बाह्य एजेन्सियों के बीच प्रसारित किये जाते हैं और इस तरह लेखा मानक तैयार होते हैं।

लेखा मानक प्रारम्भिक वर्षों में अनुशंसात्मक प्रकृति के होते हैं। इनको स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध कम्पनियों एवं सार्वजनिक तथा निजी क्षेत्र के बृहद् वाणिज्यिक, औद्योगिक और व्यापार उपक्रमों के प्रयोग के लिए अनुशासित किया गया है।

भारतीय लेखा मानक बोर्ड ने अब तक निम्न विषयों पर बारह मानक निर्गमित किये हैं—

AS—1 : लेखांकन नीतियों का प्रकटीकरण (Disclosure of Accounting Policies)

AS—2 : माल भण्डार का मूल्यांकन (Valuation of Inventories)

AS—3 : वित्तीय स्थिति में परिवर्तन (Change in Financial Position)

AS—4 : चिट्ठे की तिथि के बाद घटी घटनाएँ एवं सम्भाविताएँ (Contingencies and Events occuring after the Balance Sheet Date)

AS—5 : पूर्व अवधि और असाधारण मदें तथा लेखांकन नीतियों में परिवर्तन (Prior Period and Extraordinary Items and Changes in Accounting Policies)

AS—6 : ह्रास लेखांकन (Depreciation Accounting)
AS—7 : निर्माण लागत के लिए लेखाकन (Accounting for Construction Costs)
AS—8 : शोध एवं विकास के लिए लेखांकन (Accounting for Research and Development)
AS—9 : आगम को मान्यता (Revenue Recognition)
AS—10 : स्थिर लागतों के लिए लेखाकन (Accounting for fixed costs)
AS—11 : विदेशी विनिमय दरो मे परिवर्तन के प्रभाव के लिए लेखाकन (Accounting for the Effects of Changes in Foreign Exchange Rates)
AS—12 : सरकारी अनुदानो के लिए लेखाकन (Accounting for Government Grants)

उपर्युक्त लेखा मानको मे से प्रथम पाँच को ही पाठ्यक्रम मे सम्मिलित किया गया है अतः इनका ही विस्तृत विवरण यहाँ प्रस्तुत किया जा रहा है।

लेखा मानक-1 (Accounting Standard-1) :

लेखांकन नीतियों का प्रकटीकरण
(Disclosure of Accounting Policies)

नीचे 'लेखाकन नीतियो के प्रकटीकरण' पर भारत के चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट इन्स्टीट्यूट के लेखाकन मानक बोर्ड द्वारा जारी किया गया लेखा मानक प्रथम (AS-1) का मूल पाठ (text) दिया जा रहा है। यह मानक वित्तीय विवरणो को तैयार करने तथा प्रस्तुत करने मे अपनायी गई महत्त्वपूर्ण लेखाकन नीतियो के प्रकटीकरण से सम्बन्धित है।

प्रारम्भिक वर्षों मे यह लेखा मानक अनुशंसात्मक होगा। इस अवधि में इस मानक को स्टॉक एक्सचेंज मे अधिसूचित कम्पनियो तथा सार्वजनिक तथा निजी क्षेत्र के अन्य वृहद वाणिज्यिक, औद्योगिक एव व्यापारिक उपक्रमो मे अपनाये जाने की सिफारिश की गई है।

परिचय (Introduction) :

1. यह विवरण वित्तीय विवरणो को तैयार करने तथा प्रस्तुत करने मे अपनायी गई महत्वपूर्ण लेखाकन नीतियो के प्रकटीकरण से सम्बन्धित है।

2. एक उपक्रम के कार्यकलापो की स्थिति एव लाभ या हानि के बारे मे उसके वित्तीय विवरणो मे प्रस्तुत जानकारी उन विवरणो को तैयार करने तथा प्रस्तुत करने मे अपनायी गई लेखांकन नीतियो से महत्त्वपूर्ण रूप से प्रभावित होता है। अतः वित्तीय विवरणों में प्रस्तुत सूचनाओ एवं दृष्टिकोणो को ठीक तरह से समझने के लिए उसमे अपनाई गई महत्वपूर्ण लेखाकन नीतियों का प्रकटीकरण आवश्यक है।

3. वित्तीय विवरणो को तैयार करने तथा प्रस्तुत करने में अपनायी गयी कुछ लेखाकन नीतियों का प्रकटीकरण कुछ दशाओं में कानूनी रूप से भी आवश्यक माना गया है।

4. भारत के चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट इन्स्टीट्यूट ने भी एक बयान जारी कर कुछ लेखाकन नीतियो जैसे— विदेशी मुद्रा की मदो के परिवर्तन सम्बन्धी नीति के प्रकटीकरण की सिफारिश की है।

5. गत कुछ वर्षों मे, भारत मे कुछ उपक्रमो ने अंशधारियो को प्रस्तुत अपने वार्षिक प्रतिवेदन में वित्तीय विवरणो को तैयार करने एवं प्रस्तुतीकरण मे अपनायी गई लेखा नीतियों को भी पृथक विवरणों के रूप में शामिल करने का प्रयास किया है।

6. यद्यपि सामान्य रूप मे सब वित्तीय विवरणो मे लेखाकन नीतियों को नियमित एवं पूर्ण रूप से प्रकटीकरण अभी नही किया जाने लगा है। बहुत से उपक्रम कुछ महत्त्वपूर्ण लेखांकन नीतियो का विवरण ही लेखों पर

टिप्पणियों (Notes on the accounts) के रूप में ही शामिल करते हैं और प्रकटीकरण की यह प्रकृति एवं मात्रा नियमित एवं गैर नियमित क्षेत्रों में तथा उस ही क्षेत्र की अपनी इकाइयों में भी भिन्नता रखती है।

7. यहाँ तक कि वे कुछ उपक्रम जो वर्तमान में अपने वार्षिक प्रतिवेदन में लेखांकन स्थितियों के बारे में एक अलग विवरण शामिल करते हैं उनमें भी बहुत अधिक भिन्नता मौजूद है। लेखांकन नीतियों का विवरण कुछ उपक्रमों में तो लेखों का भाग माने जाते है जबकि अन्यों में केवल पूरक सूचना के रूप में दिया गया है।

8. इस विवरण का उद्देश्य लेखांकन नीतियों के प्रकटीकरण एवं वित्तीय विवरणों में लेखांकन नीतियों को प्रकट करने के तरीके के बारे में लेखा मानक तैयार कर वित्तीय विवरणों की ग्राह्यता बढ़ाना है। इस प्रकार प्रकटीकरण विभिन्न उपक्रमों के वित्तीय विवरणों के बीच और अधिक अर्थपूर्ण तुलना करने में सहायक होगा।

स्पष्टीकरण (Explanation)

साधारभूत लेखांकन मान्यतायें (Fundamental Accounting Assumptions)

9. वित्तीय विवरणों को तैयार करने तथा प्रस्तुतीकरण में कुछ आधारभूत लेखांकन मान्यताओं का सहारा लिया जाता है। साधारणतया उनका विशेष रूप से जिक्र नहीं किया जाता है क्योंकि उनको स्वीकारोक्ति मानकर चली जाती है। यदि इन मान्यताओं का पालन नहीं किया गया है तो इस तथ्य को कारण सहित प्रकट करना आवश्यक है।

10. निम्न को आधारभूत लेखांकन मान्यताओं के रूप में सामान्य स्वीकृति प्राप्त है—

(अ) व्यवसाय की निरन्तरता (Going Concern)—सामान्यतया उपक्रम को एक चालू व्यवसाय के रूप में माना जाता है अर्थात् व्यवसाय निकट भविष्य में चलता रहेगा। यह भी माना जाता है कि उपक्रम का समापन का उद्देश्य नहीं है और न ही उसके कार्य स्तर में कोई महत्त्वपूर्ण कटौती की आवश्यकता होगी।

(ब) संगति (Consistency)—यह भी माना जाता है कि एक अवधि से दूसरी अवधि में लेखांकन नीतियों में एकरूपता रही है।

(स) उपार्जन (Accrual)—आयें एवं लागतें यदि अर्जित हो गयी हैं तो यह मान लिया जाता है कि उन्हें क्रमशः बना लिया गया है और खर्च कर दिया गया है (मुद्रा में प्राप्ति एवं भुगतान आवश्यक नहीं है) एवं इन्हें उन वित्तीय विवरणों में सम्मिलित कर लिया जाता है जिस अवधि से ये सम्बन्धित हैं।

लेखांकन नीतियों की प्रकृति (Nature of Accounting Policies)

11. लेखांकन नीतियाँ उपक्रम द्वारा वित्तीय विवरणों को तैयार तथा प्रस्तुत करने में अपनाये गये लेखा सिद्धान्त एवं उन सिद्धान्तों को लागू करने की विधि के बारे में होती हैं।

12. लेखांकन नीतियों की कोई भी अकेली सूची नहीं है जो सब परिस्थितियों में लागू की जा सके। भिन्न-भिन्न परिस्थितियाँ जिनमें की उपक्रम विविध और जटिल आर्थिक क्रियाओं का संचालन करता है वैकल्पिक लेखा सिद्धान्तों का निर्माण करती है और उन सिद्धान्तों को लागू करने की विधि स्वीकार करने योग्य बनाती हैं। समुचित लेखा सिद्धान्तों को चुनने तथा उन सिद्धान्तों को प्रत्येक उपक्रम की विशिष्ट परिस्थितियों में लागू करने की विधि के लिए उपक्रम के प्रबन्धकों को बहुत विचार कर निर्णय लेने की जरूरत होती है।

13. हाल के वर्षों में भारत के चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट इन्स्टीट्यूट के बहुत से विवरण पत्रों में सरकार तथा अन्य नियमन करने वाली संस्थाओं और प्रगतिशील प्रबन्धकों के प्रयासों से स्वीकृति योग्य विकल्पों में, विशेष तौर से कम्पनियों के लिए काफी कटौती हुई है। यद्यपि इस सम्बन्ध में लगातार प्रयत्न भविष्य में इस संख्या में और भी कमी कर सकेगें लेकिन वैकल्पिक लेखा सिद्धान्तों की उपलब्धता और उन सिद्धान्तों को लागू करने की विधियों को उपक्रमों द्वारा की जारी भिन्न-भिन्न परिस्थितियों में पूर्ण रूप से समाप्त करना सम्भव नहीं है।

क्षेत्र जहां विविध लेखाकन नीतियों से सामना होता है (Areas in which differing accounting policies are encountered)।

14. नीचे उन क्षेत्रों के उदाहरण हैं जहां भिन्न-भिन्न उपक्रमों द्वारा भिन्न-भिन्न लेखाकन नीतियां अपनायी जाती हैं—

—ह्रास, अवक्षयण तथा रिक्तीकरण की विधियां।
—निर्माणाधीन अवधि के खर्चों का लेखा व्यवहार करना।
—विदेशी मुद्रा मदों का परिवर्तन।
—माल भण्डार का मूल्यांकन।
—विनियोगों का मूल्यांकन।
—अवकाश लाभों का लेखा व्यवहार।
—दीर्घावधि ठेकों पर लाभ का निर्धारण।
—स्थायी सम्पत्तियों का मूल्यांकन।
—संदिग्ध दायित्वों का लेखा व्यवहार।

15 उदाहरणों की ऊपर वर्णित सूची विस्तृत नहीं है।

लेखांकन नीतियों के चयन मे विचारणीय तत्व (Consideration in the selection of Accounting Policies)

16 एक उपक्रम की लेखाकन नीतियों के चयन में प्रमुख तत्व यह होना चाहिए कि ऐसी लेखाकन नीतियों के आधार पर तैयार एवं प्रस्तुत किये जाने वाले वित्तीय विवरण उस उपक्रम की चिट्ठे की तिथि की स्थिति का तथा उस तिथि को समाप्त अवधि के लाभ या हानि का सही एवं उचित चित्र प्रस्तुत कर सके।

17. इस उद्देश्य के लिए लेखाकन नीतियों के चयन करने और लागू करने में निम्न तीन मुख्य विचारणीय बिन्दुओं का ध्यान रखना चाहिए—

(अ) बुद्धिमानी (Prudence) : चूंकि भावी घटनाओं में अनिश्चितता होती है अतः लाभों को अनुमानित न कर उन्हें तभी मान्यता प्रदान की जानी चाहिए जब वे वसूल हो जावें। यह आवश्यक नहीं है कि ऐसी वसूली नकद में ही हो। सभी ज्ञात दायित्वों और हानियों के लिए, चाहे उनकी राशि का निर्धारण निश्चितता से न हो, आयोजन किया जाना चाहिए और उपलब्ध सूचनाओं के सन्दर्भ में ऐसा प्रावधान सर्वोत्तम अनुमान के रूप में होना चाहिए।

(ब) औपचारिकता की बजाय वास्तविकता (Substance over Form) : वित्तीय विवरणों में सौदों एवं घटनाओं का लेखा व्यवहार एवं प्रस्तुतीकरण केवल कानूनी औपचारिकता के बजाय उनके ठोसपन या वास्तविक महत्त्व के आधार पर किया जाना चाहिए।

(स) महत्त्वपूर्णता (Materiality)—वित्तीय विवरणों में सभी महत्त्वपूर्ण मदों को प्रकट करना चाहिए। ऐसी सभी मदें जिनका ज्ञान वित्तीय विवरणों के प्रयोगकर्ता के निर्णय को प्रभावित कर सकती हों, महत्त्वपूर्ण मदें होती हैं।

लेखांकन नीतियों का प्रकटीकरण (Disclosure of Accounting Policies)

18. वित्तीय विवरणों की ग्राह्यता को सुनिश्चित करने के लिए वित्तीय विवरणों को तैयार करने एवं प्रस्तुत करने में अपनायी गयी सभी महत्त्वपूर्ण लेखाकन नीतियों को प्रकट किया जाना चाहिए।

19. ऐसा प्रकटीकरण वित्तीय विवरणों का अंग बनाया जाना चाहिए।

20. वित्तीय विवरणों के प्रयोगकर्ता के लिए यह लाभदायक होगा कि ऐसी नीतियों का प्रकटीकरण विभिन्न विवरणों, अनुसूचियों या नोट्स के रूप में जगह-जगह करने के बजाय एक ही स्थान पर हो।

21. विषय जिनके सम्बन्ध में अपनायी गयी लेखांकन नीतियों का प्रकटीकरण करना होगा अनुच्छेद 14 में दिये गये है। यद्यपि उदाहरणों की यह सूची विस्तृत नहीं है।

22. लेखांकन नीति में कोई भी परिवर्तन जिसका महत्त्वपूर्ण प्रभाव पड़ता हो प्रकट किया जाना चाहिए। यदि ऐसे परिवर्तन से वित्तीय विवरण की कोई भी मद प्रभावित होती है तो उसका पता लगाकर या गणना कर प्रकट किया जाना चाहिए। जहाँ ऐसी राशि पूर्ण या आंशिक रूप से गणना नहीं की जा सकती हो तो इस तथ्य को भी दर्शाया जाना चाहिए। यदि लेखांकन नीति में कोई परिवर्तन किया गया है जिसका चालू अवधि में वित्तीय विवरणों में कोई महत्त्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ता लेकिन जिसका बाद की अवधि में पड़ने वाले महत्त्वपूर्ण प्रभाव का यथोचित रूप से अनुमान लगाया जा सकता है तो ऐसे परिवर्तन के तथ्य को जिस अवधि में ऐसा परिवर्तन किया गया है उसमें उचित तरीके से प्रकट किया जाना चाहिए।

23. लेखांकन नीतियों का प्रकटीकरण या उनमें परिवर्तन लेखों में मदों के गलत या अनुचित लेखा व्यवहार का उपचार नहीं कर सकता है।

लेखा मानक (Accounting Standard)

(इस विवरण के अनुच्छेद 24 से 27 में लेखा मानक दिया गया है। इस लेखा मानक को इस विवरण के अनुच्छेद 1 से 23 तक लेखा मानकों के विवरणों की प्रस्तावना के सन्दर्भ में पढ़ा जाना चाहिए)

24. वित्तीय विवरणों को तैयार करने तथा उनको प्रस्तुत करने में अपनायी गयी सभी महत्त्वपूर्ण लेखांकन नीतियों को प्रकट किया जाना चाहिए।

25. सभी महत्त्वपूर्ण लेखांकन नीतियों का प्रकटीकरण वित्तीय विवरणों का सम्मिलित अंग होना चाहिए तथा सभी महत्त्वपूर्ण लेखांकन नीतियों को सामान्यतया एक ही स्थान पर प्रकट किया जाना चाहिए।

26. लेखा नीतियों में कोई भी परिवर्तन जिसका चालू अवधि में महत्त्वपूर्ण प्रभाव पड़ता हो या जिसका बाद की अवधि में पड़ने वाले महत्त्वपूर्ण प्रभाव का यथोचित अनुमान लगाया जा सकता हो, प्रकट किया जाना चाहिए। लेखा नीतियों में किसी परिवर्तन, जिनका कि चालू अवधि में महत्त्वपूर्ण प्रभाव पड़ता हो की दशा में, ऐसी राशि जिससे कि वित्तीय विवरणों की कोई मद ऐसे परिवर्तन से प्रभावित होती हो का पता लगाकर प्रकट की जानी चाहिए। जहाँ ऐसी राशि की गणना पूर्णया आंशिक रूप से की जा सकती हो तो इस तथ्य को प्रकट किया जाना चाहिए।

27. यदि चालू व्यवसाय, संगति एवं उपार्जन की आधार भूत लेखांकन मान्यताओं को वित्तीय विवरणों में अपनाया गया है तो इस तथ्य को विशिष्ट रूप से प्रकट करने की आवश्यकता नहीं है। लेकिन यदि किसी आधारभूत लेखांकन मान्यता का पालन नहीं किया गया है तो इस तथ्य को प्रकट किया जाना चाहिए।

लेखा मानक —2 (Accounting Standard—2)

माल भण्डार का मूल्यांकन
(Valuation of Inventories)

नीचे 'माल भण्डार का मूल्यांकन' पर भारत के चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट इन्स्टीट्यूट द्वारा जारी किया गया लेखा मानक—2 का पाठ्य दिया गया है। यह मानक वित्तीय विवरणों के लिए माल भण्डार के मूल्यांकन के सिद्धान्तों पर विचार करता है।

प्रारम्भिक वर्षों में यह मानक अनुशंसात्मक प्रकृति का होगा। इस अवधि में यह मानक स्टॉक एक्सचेंज

में सूचीबद्ध कम्पनियों एवं सार्वजनिक तथा निजी क्षेत्र के वृहद् वाणिज्यिक, औद्योगिक और व्यापारिक उपक्रमों के लिए अनुशंसित किया गया है।

वर्णित अवधि में यह मानक अनुज्ञात्मक है लेकिन यह आशा की जाती है कि जहाँ तक सम्भव एवं व्यावहारिक हो, माल भण्डार के मूल्याकन की विधि/विधियाँ मानक के अनुरूप अपनायी जानी चाहिए।

इसीलिए, उक्त अवधि में एक अंकेक्षक कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 227 (4A) के अन्तर्गत निर्गमित निर्माणी एवं अन्य कम्पनियाँ (अंकेक्षक प्रतिवेदन) आदेश, 1975 के अनुसार अपने कर्तव्य की पालना करने में, मानक की महत्ता को स्वीकार करते हुए, माल भण्डार के मूल्याकन की अन्य विधियों को स्वीकार करने में स्वतन्त्र है यदि वे समरूपता से लागू की गई हैं तथा यदि वह समझता है कि वे सही एवं उचित हैं और लेखाकन के के सामान्य स्वीकृत सिद्धान्तों के अनुरूप हैं।

भूमिका (Introduction)

1. वित्तीय विवरणों में (विशेष तौर पर निर्माणी संस्थाओं के) माल भण्डार स्थायी सम्पत्तियों के बाद दूसरी सबसे बड़ी मद होती है। इसका लगाया गया मूल्य संस्था के कार्यकारी परिणामों एवं वित्तीय स्थिति को महत्त्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकता है। इसीलिए अलग-अलग प्रकृति के व्यवसायों में माल भण्डार के मूल्याकन के लिए अलग-अलग आधार अपनाया जाता है। यहाँ तक भी है कि एक ही व्यापार एवं उद्योग के विभिन्न उपक्रमों द्वारा भी अलग-अलग विधियाँ अपनायी जाती हैं।

2. इस विवरण पत्र को तैयार करने में माल भण्डार के मूल्याकन के प्रचलित तरीकों को मान्यता प्रदान की गयी है तथा यह विवरण उनमें अन्तर को कम से कम करने और वित्तीय विवरणों में पर्याप्त प्रकटीकरण को सुनिश्चित करने की कोशिश करेगा।

3. यह विवरण माल भण्डार की मात्रा की गणना करने पर विचार नहीं करता है। यह उन सिद्धान्तों से सम्बन्धित है जिन पर माल भण्डार के मूल्याकन की तुलना करने पर विचार किया जायेगा।

4. यह विवरण उन वित्तीय विवरण पत्रों पर लागू होता है जो ऐतिहासिक लागत आधार पर तैयार किये गये हैं।

5. यह मानक विवरण निम्न माल भण्डार, जिनके लिए विशेष सोच विचार या नियम लागू होते हैं, को छोड़कर सब प्रकार के माल भण्डारों के मूल्याकन पर लागू होता है—

(i) पेड़-पौधे, वन, कृषीय वस्तुयें और पशुधन;

(ii) उत्खनन उद्योग जैसे खानों में माल आदि,

(iii) दीर्घावधि अनुबन्धों में चालू कार्य जैसे इन्जीनीयरिंग, भू सम्पत्ति विकास और निर्माण परियोजनायें आदि;

(iv) व्यापार में स्कन्ध के रूप में रखे गये अंश, ऋणपत्र और अन्य प्रतिभूतियाँ,

(v) अचल सम्पत्तियाँ,

(vi) औज़ार।

परिभाषायें (Definitions)

6. इस विवरण में निम्न पदों का वर्णित अर्थानुसार प्रयोग किया गया है—

6.1 *'माल भण्डार' से आशय ऐसी मूर्त सम्पत्तियों से है जो*

(i) व्यवसाय के सामान्य संचालन में बिक्री हेतु रखी जाती हैं, या

(ii) ऐसी बिक्री के लिए उत्पादन प्रक्रिया में हैं, या

(iii) बिक्री के लिए माल के उत्पादन अथवा सेवाओं में प्रयोग की जाती है। इसमें अनुरक्षण हेतु पूर्तियाँ और मशीनों के पुर्जों को छोड़कर उपभोज्य माल भी शामिल होता है।

6.2 'ऐतिहासिक लागत' (Historical cost) में

(i) क्रय की लागत;

(ii) परिवर्तन की लागत; और

(iii) अन्य लागतों को शामिल किया जाता है जो माल भण्डार या रहतियों को वर्तमान अवस्था तथा स्थिति में लाने के लिए व्यय की जाती है।

6.3 'क्रय की लागत' (Cost of Purchase)—क्रय की लागत में क्रय मूल्य, आयात शुल्क एवं अन्य कर, भाड़ी भाड़ा तथा माल प्राप्त करने में हुए अन्य प्रत्यक्ष खर्चे शामिल होंगे किन्तु व्यापारिक बट्टा, छूटें (rebates) एवं शुल्क वापसी या अन्य आर्थिक सहायता को जिस वर्ष में ये प्राप्त हुई है चाहे तुरन्त या स्थगित रूप में, क्रय में से कम कर दी जायेगी।

6.4 'परिवर्तन की लागत' (Cost of Conversion)—परिवर्तन की लागत में ऐसी लागतों को शामिल किया जाता है जो उत्पादन की इकाइयों पर स्पष्ट रूप से चार्ज की जा सकती हों जैसे प्रत्यक्ष श्रम, प्रत्यक्ष व्यय और उप ठेके का कार्य। इसमें उत्पादन उपरिव्यय जो या तो प्रत्यक्ष लागत लेखांकन या अवशोषण लागत लेखांकन विधि से निर्धारित किये गये हैं, को भी शामिल किया जाता है।

उत्पादन उपरिव्ययों में ऐसे व्ययों को जो सामान्य प्रशासन, वित्त एवं विक्रय एवं वितरण से सम्बन्धित हों शामिल नहीं किया जाता है।

6.5 'प्रत्यक्ष लागत निर्धारण विधि' (Direct Costing)—यह वह विधि है जिसके अनुसार माल भण्डार की लागत का निर्धारण करते समय केवल परिवर्तन शील व्ययों का समुचित भाग ही सम्मिलित किया जाता है। समस्त स्थिर व्यय जब वे किये गये हैं उस अवधि के आयगों में से चार्ज किये जाते हैं।

6.6 'अवशोषण लागत निर्धारण विधि' (Absorption Costing)—इस विधि में माल भण्डार की लागत निर्धारित करते समय परिवर्तनशील एवं स्थिर दोनों ही प्रकार की लागतों के समुचित भाग को शामिल किया जाता है। स्थिर व्ययों को सामान्य उत्पादन स्तर के आधार पर आवंटित किया जाता है।

6.7 'परिवर्तनशील लागत' (Variable Cost)—वे उत्पादन लागतें प्रत्यक्ष या लगभग प्रत्यक्ष रूप से उत्पादन की मात्रा के साथ परिवर्तित होती हैं, परिवर्तनशील लागतें हैं।

6.8 'स्थिर लागतें (Fixed Cost)—ऐसी उत्पादन लागतें जो निर्धारित अवधि में उनकी प्रकृति के अनुसार उत्पादन की मात्रा से अप्रभावित रहती हैं।

6.9 'शुद्ध वसूली मूल्य (Net Realisable value)—शुद्ध वसूली मूल्य से आशय व्यवसाय की सामान्य स्थिति में वास्तविक या अनुमानित बिक्री मूल्य में से कार्य पूर्ण करने की लागत (Cost of Completion) तथा माल को बेचने में की गयी आवश्यक लागतें घटाने के बाद बची शेष राशि से है।

स्पष्टीकरण (Explanations) :

ऐतिहासिक लागत - माल भण्डार मूल्यांकन के आधार रूप में :

7. माल भण्डार या रहतिया व्यवसाय में इस आशा से रखा जाता है कि जिससे उसकी बिक्री या प्रयोग द्वारा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आय अर्जित की जा सके। निश्चित अवधि में एक व्यवसाय के परिणामों का निर्धारण करने के लिए यह आवश्यक हो जाता है कि जब तक कि माल भण्डार का रहतियां बेचा या उपभोग न किया जाये तब तक उसकी लागत को आगे ले जाया जाये। लेकिन यदि इस बात की यथोचित आशा नहीं है कि शुद्ध

मूल्य ज्ञात कर फिर उसमें से अनुमानित सकल लाभ घटाकर किया जाता है। अनुमानित सकल लाभ की गणना, व्यक्तिगत मदों के लिये या मदों के समूह के लिए या विभागानुसार परिस्थिति अनुसार जैसा भी उचित हो, की जा सकती है। इस सूत्र का प्रयोग उन निर्माणी संस्थाओं द्वारा भी अपने निर्मित माल का मूल्यांकन करने के लिए किया जाता है जो ऐसे माल को अग्रिम विक्रय अनुबन्धों के लिए स्टॉक के रूप में रखती है।

13. प्रमाप लागत सूत्र का प्रयोग अक्सर माल भण्डार मूल्यांकन के लिए ऐतिहासिक लागत ज्ञात करने के लिए किया जाता है। माल भण्डार की लागत का निर्धारण करने के लिए प्रमाप लागत के प्रयोग हेतु आवश्यक है कि प्रमाप वास्तविक हो, उनका नियमित पुनर्मूल्यांकन होता हो और जहां आवश्यक हो वर्तमान दशाओं के परिप्रेक्ष में उन्हें पुनर्निर्धारित किया जाता हो। साथ ही यह भी आवश्यक है कि वहां विक्रय की लागत एवं माल भण्डार के बीच महत्त्वपूर्ण विचलनों को आनुपातिक करने की उचित प्रणाली विद्यमान हो।

14. परिवर्तन की लागत (Cost of Conversion)—परिवर्तन की लागत में प्रत्यक्ष श्रम, प्रत्यक्ष व्यय और उत्पादन उपरिव्यय शामिल होते हैं और इन्हें स्थिर लागत और परिवर्तनशील लागत में विभाजित किया जा सकता है। स्थिर लागतों से सम्बन्धित दो मुख्य विधियां प्रत्यक्ष लागत लेखांकन और अवशोषण लागत लेखांकन विधि है। रहतिये के मूल्यांकन के लिए इनमें से किसी भी विधि को प्रयोग करने के बारे में विस्तृत एकमतता है।

15. अवशोषण लागत विधि का प्रयोग करते समय सामान्य उत्पादन स्तर को ध्यान में रखा जाता है। सामान्य उत्पादन स्तर प्रत्येक केस के तथ्यों को ध्यान में रखते हुए पूर्व के वर्षों एवं चालू वर्ष में प्लान्ट की क्षमता, वास्तविक उत्पादन आदि घटकों पर निर्भर करता है।

16. रहतिया को उसकी वर्तमान स्थिति में तथा वर्तमान स्थान पर लाने तक कभी कभी उत्पादन उपरिव्ययों के अलावा कुछ लागत और भी व्यय होती है जैसे किसी ग्राहक विशेष के उत्पादों की डिजाइन करने में किये गये व्यय। अतः इसे माल भण्डार में जोड़ी जानी चाहिए। दूसरी तरफ विक्रय एवं वितरण व्यय, सामान्य प्रशासन उपरिव्यय और शोधन एवं विकास लागतें तथा ब्याज को सामान्यतया रहतिये को वर्तमान दशा एवं स्थान तक लाने में किये गये व्यय नहीं माने जाते हैं। और इसीलिए इनको माल भण्डार के मूल्यांकन में शामिल नहीं किया जाता है।

17. ऐतिहासिक लागत से नीचे माल भण्डार या रहतिये का मूल्यांकन (Valuation of Inventories below Historical Cost)—कभी-कभी ऐसा हो सकता है कि स्टॉक की ऐतिहासिक लागत वसूल न हो। जैसे यदि वे पूर्ण या आंशिक रूप से अप्रचलित हो गयी हो या यदि स्टॉक की मात्रा इतनी बड़ी है कि उसे सामान्य बिक्री अवधि में बेचा या उपयोग नहीं किया जा सकेगा और उसमें भौतिक रूप से गिरावट होने अप्रचलित होने या हटाने पर नुकसान होने की स्पष्ट जोखिम विद्यमान है। ऐसी परिस्थितियों में, अनुदारवादिता के सिद्धान्त जो यह बताता है कि वित्तीय विवरणों में चालू सम्पत्तियों को व्यापार के सामान्य व्यवहार में अनुमानित वसूली मूल्य से अधिक राशि पर नहीं दिखाया जाना चाहिए, को ध्यान में रखते हुए यह आवश्यक हो जाता है कि रहतिये को उसके शुद्ध वसूली मूल्य तक अपलिखित कर दिया जाये।

18. ऐतिहासिक लागत और शुद्ध वसूली मूल्य की तुलना प्रत्येक मद के लिए अलग-अलग की जा सकती है या एक ही प्रकार की मदों (Inter changeable) के समूह के लिए की जा सकती है। लेकिन किसी व्यवसाय वर्ग में असदृश्य (dissimilar) और अविनिमय (non inter changeable) मदों के शुद्ध वसूली मूल्य के योग की या एक उपक्रम के सम्पूर्ण रहतिये के लिए समग्र आधार पर शुद्ध वसूली मूल्य के योग की तुलना उन सब मदों की लागत के योग से करना उचित नहीं है क्योंकि इसका प्रभाव न वसूल हुए लाभों (Unrealised Profits) में से हानि की पूर्ति हो जाती है।

19. यदि निर्मित माल के ऐतिहासिक लागत या उससे अधिक पर बिकने की सम्भावना है तो उत्पादन मे प्रयोग के लिए रखी गई सामग्री एव अन्य पूर्तियो की सामान्य मात्रा को ऐतिहासिक लागत से नीचे अपलिखित नहीं किया जाता है।

20. अनुरक्षण हेतु रखी गई सामग्री एव उपभोग्य सामग्री का रहतिया साधारणतया लागत पर मूल्यांकित किया जाता है। उचित परिस्थितियो में इसे लागत से नीचे भी मूल्यांकित किया जा सकता है।

21. उप-उत्पाद के रहतिये को लागत एव शुद्ध वसूली मूल्य, जो दोनों मे कम हो, पर मूल्यांकित किया जाता है। जहा उपोत्पाद की लागत पृथक् रूप से निर्धारित नही की जा सकती वहा यह शुद्ध वसूली मूल्य पर मूल्यांकित की जाती है। ऐसा क्षयी सामग्री जिसका पुनर्उपयोग न हो सकता हो शुद्ध वसूली मूल्य पर मूल्यांकित की जाती है। पुनर्उपयोग वाली क्षयी सामग्री का मूल्यांकन निम्न आधार पर किया जाता है—

(i) जहा ऐसे क्षय को पुनर्प्रक्रियांकित (Reprocessing) करने की सुविधा फैक्टरी मे या बाहर) विद्यमान है और ऐसे क्षय के स्टॉक को पुनर्प्रक्रियांकित करने मे ऐसी सुविधा का लाभ उठाया जाता है वहा ऐसे क्षय के स्टॉक को कच्ची सामग्री की लागत मे से पुनर्प्रक्रियांकित करने की लागत घटाकर मूल्यांकित किया जाता है।

(ii) जहा पुनर्प्रक्रियांकित सुविधायें उपलब्ध नही है वहां ऐसे माल के स्टॉक को 'शुद्ध वसूली मूल्यों' पर मूल्यांकित किया जाता है।

22. उपभोग की गई सामग्री की लागत और परिवर्तन की लागत की गणना करने मे उपोत्पाद और/या क्षय के मूल्य को घटाया जाता है।

23. वित्तीय विवरणो मे माल भण्डार/रहतिये को सामान्यतया निम्नानुसार वर्गीकृत किया जाता है—

(i) कच्ची सामग्री एवं अन्य घटक (Raw Materials and Components)
(ii) चालू कार्य (Work in Process)
(iii) निर्मित माल (Finished Goods)
(v) स्टोर्स एव स्पेयर्स (Stores and Spares)

लेखा मानक 2

(इस विवरण के अनुच्छेद 24 से 31 मे लेखा मानक दिया गया है। इस लेखा मानक को इस विवरण के अनुच्छेद 1 से 23 तथा लेखा मानकों के विवरणों की प्रस्तावना के सन्दर्भ मे पढा जाना चाहिए।)

24. अनुच्छेद 29.1 से 29.4 तक मे वर्णित अपवादो के अलावा माल भण्डार/रहतिये को ऐतिहासिक लागत और शुद्ध वसूली मूल्य मे से, जो कम हो, पर मूल्यांकित किया जाना चाहिए।

25. ऐतिहासिक लागत की शुद्ध वसूली मूल्य से तुलना करने मे माल भण्डार की प्रत्येक मद पर अलग से विचार किया जा सकता है या एक ही तरह की मदों के बारे मे समूह के रूप मे विचार किया जा सकता है।

26.1 माल भण्डार की ऐतिहासिक लागत सामान्यतया 'प्रथम आगमन प्रथम निर्गमन (FIFO); औसत लागत (Average cost) या 'अन्तिम आगमन प्रथम निर्गमन' (LIFO), विधि का प्रयोग करते हुए निर्धारित की जानी चाहिए।

26.2 माल भण्डार की उन मदो का जो अन्तर्वदल योग्य (Inter changable) है या किसी विशिष्ट परियोजना या उद्देश्य के लिए निर्मित की गई है या रखी गई है विशिष्ट पहचान विधि से मूल्यांकित की जानी चाहिए।

26.3 समायोजित विक्रय मूल्य विधि फुटकर व्यापार या ऐसे व्यवसायो, जहा स्टॉक मे ऐसी मदें है जिनकी अलग अलग लागत तुरन्त ज्ञात नही की जा सकती, मे अपनायी जा सकती है।

26.4 'प्रमाप लागत' विधि माल भण्डार के मूल्यांकन के लिया अपनायी जा सकती है। यदि इस विधि के द्वारा रहतिये के मूल्यांकन का परिणाम लगभग वही है जो उपरोक्त अनुच्छेद 26.1 में वर्णित नियम द्वारा होता है।

26.5 'आधारभूत स्टॉक' विधि अपवादस्वरूप परिस्थितियों में ही प्रयोग की जानी चाहिए।

27. निर्मित माल भण्डार की ऐतिहासिक लागत या तो 'प्रत्यक्ष लागत निर्धारण विधि' या 'अवशोषण लागत विधि' के आधार पर तय की जा सकती है। जहां 'अवशोषण लागत विधि' अपनायी गयी है वहां माल भण्डार हेतु स्थिर व्ययों का आबंटन सामान्य उत्पादन स्तर के आधार पर किया जाना चाहिए।

28. उत्पादन उपरिव्ययों के अलावा अन्य उपरिव्ययों को रहतियें के लागत मूल्य की गणना करने में उस सीमा तक सम्मिलित किया जाना चाहिए जो रहतिये को वर्तमान अवस्था तथा स्थिति में लाने से है।

29.1 उपभोग्य सामग्री और अनुरक्षण सामग्री के रहतिये का मूल्यांकन साधारणतया लागत पर किया जाना चाहिए। लेकिन समुचित परिस्थितियों में इसे लागत से कम पर भी मूल्यांकित किया जा सकता है।

29.2 उपोत्पाद के रहतिये को लागत और शुद्ध वसूली मूल्य में से जो कम हो पर मूल्यांकित किया जाना चाहिए। जहां, उपोत्पाद की लागत पृथक रूप से निर्धारित नहीं की जा सकती इसे शुद्ध वसूली मूल्य पर मूल्यांकित किया जाना चाहिए।

29.3 जहा पुनर्प्रक्रियांकन की सुविधा उपलब्ध है वहां पुनउंपयोगी क्षय का मूल्यांकन कच्चे माल की लागत में से पुनर्प्रक्रियांकन की लागत को घटाकर शेष लागत पर किया जाना चाहिए।

29.4 क्षय का स्टॉक जिसका पुनर्प्रयोग नहीं होता हो या जहा पुनर्प्रक्रियांकन की सुविधा उपलब्ध नहीं है वहां पुनर्प्रयोगी क्षय के स्टॉक को शुद्ध वसूली मूल्य पर मूल्यांकित किया जाना चाहिए।

30. माल भण्डार के मूल्यांकन में अपनायी गयी लेखा नीति (लागत सूत्र सहित) वित्तीय विवरणों में प्रकट की जानी चाहिए। जहा आधारभूत स्टाक विधि का उपयोग किया गया है।

31. संगति (Consistency) को सामान्यतया आधारभूत लेखांकन मान्यता के रूप में स्वीकार किया गया है। इसलिए माल भण्डार के सम्बन्ध में लेखांकन नीति में किसी भी प्रकार का परिवर्तन (ऐतिहासिक लागत, लागत का शुद्ध वसूली मूल्य के साथ तुलना के आधार एवं प्रयोग किये गये लागत सूत्र सहित) जिसका कि चालू अवधि में महत्त्वपूर्ण प्रभाव पड़ता हो या जिसका बाद की अवधि में महत्त्वपूर्ण प्रभाव का यथोचित अनुमान लगाया जा सकता हो, को प्रकट किया जाना चाहिए। यदि लेखा नीति में कोई परिवर्तन किया गया है, जिसका कि चालू अवधि में महत्त्वपूर्ण प्रभाव पड़ता हो तो ऐसी राशि जिससे कि वित्तीय विवरण की कोई मद प्रभावित होती है, की गणना करप्रकट की जानी चाहिए। जहा ऐसी राशि की पूर्ण या आंशिक गणना करना सम्भव नहीं है तो इस तथ्य को भी प्रदर्शित किया जाना चाहिए।

लेखा मानक—3 (Accounting Standard—3) :

वित्तीय स्थिति में परिवर्तन
(Changes in Financial Position)

नीचे भारत के चार्टर्ड अकाउण्टेन्ट इन्स्टीट्यूट द्वारा "वित्तीय स्थिति में परिवर्तन" पर जारी किया गया लेखा मानक–3 (AS-3) का पाठ्य दिया गया है। यह मानक एक उपक्रम के दी गई अवधि में कोषों के स्रोत एवं उपयोग से सम्बन्धित वित्तीय विवरण के बारे में जानकारी देता है।

प्रारम्भिक वर्षों में यह लेखा मानक अनुशासात्मक होगा। इस अवधि में इस मानक के स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध कम्पनियों तथा सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के अन्य बड़े वाणिज्यिक, औद्योगिक एवं व्यापारिक उपक्रमों में अपनाये जाने की सिफारिश की गई है।

भूमिका (Introduction) :

1. एक उपक्रम का लाभ-हानि खाता और चिट्ठा अन्य बातों के अलावा क्रमश: वर्ष के इसके सचालनात्मक परिणाम और वर्ष के प्रारम्भ मे एवं वर्ष के अन्त में इसके साधनो की स्थिति को प्रदर्शित करते हैं। लेकिन उपक्रम के कारोबार को और अधिक अच्छी तरह समझने के लिए वर्ष के दौरान कोषों का आना-जाना एवं उपक्रम पर इसके प्रभावो के बारे मे जानकारी होना भी आवश्यक है। यह सूचना वित्तीय स्थिति में परिवर्तन के विवरण पत्र मे उपलब्ध करवायी जाती है।

2. बहुत से देशो में अंकेक्षित लेखे के अंग के रूप में ही वित्तीय स्थिति मे परिवर्तन के विवरण पत्र को उपलब्ध करवाने की सामान्य प्रथा है। भारत में विद्यमान कानूनी आवश्यकताओं के अन्तर्गत कम्पनियों के लिए अपने वित्तीय विवरणो के साथ वित्तीय स्थिति में परिवर्तन के विवरण पत्र को प्रकाशित करने का कोई दायित्व नही है। लेकिन स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध कम्पनियों तथा सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के बड़े वाणिज्यिक, औद्योगिक, एवं व्यापारिक उपक्रमो के द्वारा अपने वित्तीय विवरणो के साथ इस तरह के विवरण को भी प्रकाशित करने की प्रथा बढ रही है। इस मानक का उद्देश्य इस कार्य को प्रोत्साहित करना एवं दृढ बनाना है। यह मानक इस तरह के विवरण को तैयार करने के लिए अपनाये जाने वाले आधारभूत मापदण्डो पर जोर देता है।

3. इस बात को जानते हुए भी कि कोषो के स्रोत एवं उपयोग के वित्तीय आंकड़ो को रेखाचित्रों एवं चित्रो के रूप मे भी प्रस्तुत किया जा सकता है। यह मानक ऐसे आंकड़ो को विवरण के रूप मे प्रस्तुत करने के बारे मे ही स्पष्ट रूप से जोर देता है। यह मानक वैधानिक नियमो के अन्तर्गत या विशिष्ट उद्देश्यो के लिए तैयार किये जाने वाले वित्तीय स्थिति मे परिवर्तन के विवरणों के लिए भी नहीं है।

परिभाषाएँ (Definitions) :

4 'वित्तीय स्थिति मे परिवर्तनो का विवरण पत्र' वर्णित अवधि मे एक उपक्रम द्वारा प्राप्त किये गये कोषो के स्रोत एव उन कोषो को विशिष्ट रूप से कहा प्रयोग किया गया, सहित वित्तीय स्थिति मे परिवर्तन को बताता है।

5. 'कोष' शब्द यहा विशेष अर्थ मे प्रयुक्त होता है। इस विवरण पत्र के उद्देश्य के लिए सामान्यतया इस मद का अर्थ रोकड, एवं रोकड तुल्य कार्यशील पूँजी से है।

स्पष्टीकरण (Explanations) :

6. वित्तीय स्थिति मे परिवर्तनों का विवरण पत्र अवधि के प्रारम्भ एवं अन्त के चिट्ठे तथा उस अवधि के लाभ-हानि खाते के बीच अर्थपूर्ण सम्बन्ध कायम करता है। यद्यपि इसमे दी गई सूचना लाभ-हानि खाते एवं चिट्ठों मे दिये गये आंकडो का ही चयन, पुनः वर्गीकरण एव संक्षिप्तीकरण होता है लेकिन यह किसी भी तरह इन विवरण पत्रों का पुनः स्थापन नही है। कोषो के प्रवाह का तुलनात्मक परिदृश्य उपलब्ध करवाने हेतु वित्तीय स्थिति मे परिवर्तनो का विवरण पत्र लाभ-हानि खाते की अवधि के साथ ही साथ इसी समय की गत अवधि के लिए तैयार किया जाता है।

7 वित्तीय स्थिति मे परिवर्तनो के विवरण पत्र मे दी गई सूचनायें सामान्यतया चिट्ठे, लाभ-हानि खाते एव लेखो से सम्बन्धित टिप्पणियों से पहचानी/ढूँढी जा सकती है। लेकिन 'वित्तीय स्थिति में परिवर्तनों का विवरण पत्र' उन सूचनाओं को भी प्रस्तुत करता है जो अन्य दो विवरण पत्रो में तुरन्त उपयोग करने हेतु तैयार नहीं मिलती है। वित्तीय स्थिति मे परिवर्तनो के विवरण पत्र में

महत्वपूर्ण राशि का अन्य विवरण पत्रों में इससे सम्बन्धित राशि से मिलान करने के लिए सामान्यतया सूचना दी जाती है।

8. वित्तीय स्थिति में परिवर्तनों के विवरण पत्र में उपक्रम की नियमित क्रियाओं से उपलब्ध कोषों या ऐसी क्रियाओं में काम आये कोषों के बारे में साधारणतया अलग से सूचना प्रदर्शित की जाती है। इसे लाभ-हानि खाते के लाभ या हानि को इसी खाते की उन मदों जिनसे कोषों का प्रवाह नहीं होता (जैसे ह्रास) से समायोजित कर ज्ञात किया जाता है। वैकल्पिक तरीके के रूप में की गई अवधि के आगमों जिनसे की कोषों का प्रवाह होता है, से प्रारम्भ कर उसमें से उन लागतों एवं व्ययों को जिनसे की कोषों का प्रवाह होता है, घटाया जाता है। उपलब्ध शेष राशि संचालन से कोष की राशि होती है।

9. जिस तरह लाभ-हानि खाते में असाधारण मदों को पृथक से प्रदर्शित किया जाता है उसी तरह वित्तीय स्थिति में परिवर्तन के विवरण पत्र में भी कोषों का असाधारण प्रवाह, यदि महत्वपूर्ण है, पृथक रूप से दिखाया जाता है।

10. वित्तीय स्थिति में परिवर्तनों के विवरण पत्र के सामान्यतया पृथक् रूप से दिखाये जाने वाले कोषों के अन्य स्रोतों एवं उपयोगों में निम्न शामिल होते हैं—

(i) अंश निर्गमन से प्राप्त नकद या अन्य प्रतिफल
(ii) पूर्वाधिकार अंश पूँजी का शोधन
(iii) सावधि ऋण के रूप में उधार ली गई राशि
(iv) सावधि ऋण का भुगतान
(v) कार्यशील पूँजी के लिए बैंक से उधार में वृद्धि या कमी (सावधि ऋण के अतिरिक्त)
(vi) लोक जमाओं में वृद्धि या कमी
(vii) पूँजी व्यय
(viii) स्थायी सम्पत्तियों की बिक्री
(ix) विनियोगों का क्रय या विक्रय
(x) लाभांश का भुगतान

उपरोक्त केवल एक उदाहरण सूची मात्र है।

11. कोषों के प्रवाह से सम्बन्धित कोई व्यक्तिगत महत्वपूर्ण राशि सामान्यतया किसी अन्य मद के साथ मिलायी या समायोजित (Set off) नहीं की जाती है। लेकिन जहाँ ऐसी राशि बड़ी या महत्वपूर्ण नहीं है वहाँ मदों को एक दूसरे में मिलाने या एक दूसरे के विरुद्ध समायोजन का कार्य कर लिया जाता है उदाहरणार्थ स्थायी सम्पत्ति के किसी छोटे से भाग को हटाया गया हो तो इसे स्थायी सम्पत्तियों में से कम करके पूँजी खर्च को दिखाया जा सकता है।

12. जहाँ किसी सौदे में कोषों के एक स्रोत का दूसरे से विनिमय (Exchange) हो रहा है तो सौदे के दोनों पहलुओं को ही पृथक रूप से दिखाया जाना चाहिए। उदाहरणार्थ सावधि ऋण का साधारण अंश पूँजी में परिवर्तन की दशा में और जारी की गई अंश पूँजी एवं ऋण में कमी को पृथक-पृथक दिखाया जायेगा।

13. जहाँ किसी एक ही सौदे में वित्त जुटाने की क्रिया के साथ विनियोग पहलू भी हैं जैसे स्थिर सम्पत्ति प्राप्त करने के लिए अंश निर्गमित करना, तो सौदे के दोनों पहलुओं को सामान्यतया पृथक रूप से प्रदर्शित किया जायेगा।

14. 'वित्तीय स्थिति मे परिवर्तनो का विवरण पत्र' को प्रदर्शित करने के कई प्रारूप प्रयोग किये जाते हैं। उदाहरण के लिए, विवरण पत्र कोषों के स्रोतों को कोषो के उपयोग के बराबर दिखाया जा सकता है। प्रस्तुतीकरण के दूसरे रूप कोषो के स्रोतों एवं उपयोगों के अन्तर को प्रदर्शित किया जाता है जो या तो रोकड़ और तुल्य या कार्यशील पूँजी मे शुद्ध वृद्धि या कमी का प्रतिनिधित्व करते हैं। प्रस्तुतीकरण मे प्रारूप का चुनाव सम्बन्धित उपक्रम की परिस्थितियों पर निर्भर करता है।

15. जहाँ विवरण पत्र मे कार्यशील पूँजी मे शुद्ध वृद्धि या कमी को अकेली राशि के रूप मे प्रदर्शित किया गया हो वहाँ पूरी सूचना को दर्शाने के लिए कार्यशील पूँजी के प्रमुख घटकों मे परिवर्तनो का पृथक प्रकटीकरण आवश्यक है।

लेखा मानक (Accounting Standard) :

(इस विवरण के अनुच्छेद 16 से 19 मे लेखा मानक दिया गया है। इस लेखा मानक को इस विवरण के अनुच्छेद 1 से 15 तथा लेखा मानको के विवरणो की प्रस्तावना के सन्दर्भ मे पढ़ा जाना चाहिए।)

16. वित्तीय स्थिति मे परिवर्तनो के विवरण पत्र को वार्षिक लेखों के साथ प्रकाशित किया जाना चाहिए।

17. ऐसा विवरण लाभ-हानि खाते की अवधि और इसी के अनुरूप पिछली अवधि के लिए तैयार एवं प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

18. वित्तीय स्थिति में परिवर्तनो के विवरण पत्र मे उपक्रम की क्रियाओं के संचालन से उपलब्ध या उसमें प्रयोग किये गये कोषो की राशि को पृथक रूप से दिखाया जाना चाहिए।

19. प्रत्येक उपक्रम को 'वित्तीय स्थिति मे परिवर्तनो के विवरण पत्र' को प्रस्तुत करने के लिए उस प्रारूप को अपनाना चाहिए जो परिस्थिति अनुसार अधिक से अधिक सूचना प्रदान कर सके।

लेखा मानक—4 (Accounting Standard—4)

चिट्ठे की तिथि के बाद घटी घटनायें एवं आकस्मिकतायें
(Contingencies and Events Occurring after Balance Sheet Date)

नीचे 'चिट्ठे की तिथि के बाद घटी घटनाओं एवं आकस्मिकताओं' पर भारत के चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट इन्स्टीट्यूट के लेखांकन मानक बोर्ड द्वारा जारी किया गया लेखा मानक चतुर्थ (AS-4) का मूल पाठ (Text) दिया जा रहा है। यह मानक वित्तीय विवरणो मे चिट्ठे की तिथि के बाद घटी घटनाओं एवं आकस्मिकताओं के व्यवहार (Treatment) से सम्बन्धित है।

प्रारम्भिक वर्षों मे यह लेखा मानक अनुशंसात्मक होगा। इस अवधि मे इस मानक को स्टॉक एक्सचेंज मे अधिसूचित कम्पनियों तथा सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के अन्य वृहद वाणिज्यिक, औद्योगिक एवं व्यापारिक उपक्रमों मे अपनाये जाने की सिफारिश की गई है।

परिचय (Introduction) :

1. यह विवरण वित्तीय विवरणों मे—
   (a) आकस्मिकताओं और
   (b) चिट्ठे की तिथि के बाद घटी घटनाओ से सम्बन्धित है।
2. निम्न विषयों, जो आकस्मिकताओं के रूप मे हो सकते हैं, को उनके बारे मे विशेष विचार विमर्श को ध्यान मे रखते हुए इस विवरण के विषय क्षेत्र से बाहर रखा गया है—

(a) निर्गमित पॉलीसियों से उत्पन्न जीवन बीमा एवं सामान्य बीमा के दायित्व ।

(b) निवृत्ति लाभ योजनाओं के सम्बन्ध में दायित्व ।

(c) दीर्घावधि पट्टा अनुबन्धों के वादे (Commitments)

(d) विक्रीत उत्पाद या प्रदत्त सेवाओं के लिए

परिभाषायें (Definitions) :

3. इस विवरण में निम्न मदों को वर्णित अर्थों में प्रयुक्त किया गया है :

3.1. आकस्मिकता एक दशा या स्थिति है जिसका अन्तिम परिणाम लाभ या हानि, एक या एक से अधिक अनिश्चित भावी घटनाओं के होने या न होने पर ही ज्ञात होगा या निर्धारित होगा ।

3.2. चिट्ठे की तिथि के बाद घटने वाली घटनायें वे महत्वपूर्ण घटनायें हैं, अनुकूल और प्रतिकूल दोनों, जो चिट्ठे की तिथि तथा एक कम्पनी की दशा में संचालक मण्डल द्वारा और अन्य इकाई की दशा में इसी प्रकार की अन्य स्वीकार करने वाली अधिकारी संस्था द्वारा वित्तीय विवरणों को स्वीकार करने की तिथि के बीच घटित होती हैं ।

दो प्रकार की घटनाओं को पहचाना जा सकता है :

(a) वे घटनायें जो चिट्ठे की तिथि के दिन विद्यमान दशाओं के आगे भी साक्ष्य उपलब्ध कराती हैं ।

(b) वे घटनायें जो उन दशाओं के बारे में जानकारी देती हैं जो चिट्ठे की तिथि के बाद घटी हुई हैं ।

4. आकस्मिकतायें (Contingencies) :

4.1. इस विवरण में प्रयुक्त मद 'आकस्मिकतायें', जिनका वित्तीय परिणाम भावी घटनाओं, जो घटित हो सकती या नहीं हो सकती, पर ही निर्धारित होगा चिट्ठे की तिथि के दिन की दशाओं या स्थितियों तक ही सीमित है ।

4.2 वित्तीय विवरणों में प्रदर्शित करने के लिए एक उपक्रम में चल रही या आवर्ती बहुत सी क्रियाओं की राशि निर्धारित करने के लिए अनुमानों की आवश्यकता पड़ती है । लेकिन एक व्यक्ति को निश्चित एवं अनिश्चित घटनाओं के बीच अन्तर करना चाहिए । ऐसा तथ्य जो आकस्मिकता लगता है और जिसमें अनुमान का सहारा लेना पड़ता है स्वयं कोई अनिश्चितता उत्पन्न नहीं करता है । उदाहरणार्थ ह्रास को निर्धारित करने के लिए उपयोगी जीवनकाल का अनुमान करना होता है लेकिन इसका यह तात्पर्य नहीं है कि ह्रास आकस्मिकता है क्योंकि सम्पत्ति के उपयोगी जीवनकाल की अन्तिम समाप्ति निश्चित नहीं है । इसी तरह प्राप्त सेवाओं के लिए देय राशि चाहे उसकी राशि अनुमानित की गई हो अनुच्छेद 3.1 की परिभाषा के अनुसार आकस्मिकतायें नहीं हैं क्योंकि दायित्वों को स्वीकार कर लेने के बारे में कुछ भी अनिश्चित नहीं है ।

4.3. भावी घटनाओं से सम्बन्धित अनिश्चितता परिणामों की शृंखला के रूप में बतायी जा सकती है । इस शृंखला को अंकात्मक प्रायिकता के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है लेकिन अधिकांश परिस्थितियों में जहाँ उपलब्ध सूचनाओं का अभाव हो वहाँ अधिक शुद्धता की आवश्यकता है इसलिए संभावित परिणामों को सामान्य विवरण के रूप में प्रस्तुत करने होंगे सिवाय जहाँ पर्याप्त अंकात्मकता व्यावहारिक है ।

4.4. परिणामों और आकस्मिकताओं के वित्तीय प्रभाव का अनुमान उपक्रम के प्रबन्धकों के निर्णय द्वारा

ही निर्धारित किया जाता है। यह निर्णय चिट्ठे को स्वीकार करने की तिथि तक उपलब्ध सूचनाओं को ध्यान में रखकर ही किये जाते हैं।

5. आकस्मिक हानियो का लेखा व्यवहार (Accounting Treatment of Contingent Losses) :

5.1. आकस्मिक हानि का लेखा व्यवहार आकस्मिकता के अनुमानित परिणामों द्वारा निर्धारित होता है। *यदि ऐसा लगता है कि कोई आकस्मिकता का परिणाम उपक्रम को हानि होगा तो यह विवेकपूर्ण* होगा कि वित्तीय विवरणो मे उस हानि के लिए व्यवस्था कर ली जाय।

5.2. वित्तीय विवरणो मे प्रावधान किये जाने वाली सदिग्ध हानि की राशि का अनुमान उपरोक्त अनुच्छेद 4.4 मे प्रदत्त सूचना पर आधारित होता है।

5.3. यदि सदिग्ध हानि का अनुमान लगाने के लिए विवादास्पद या अपर्याप्त साक्ष्य है तो इस तरह के विद्यमान साक्ष्यो का और आकस्मिकता की प्रकृति का प्रकटीकरण किया जाता है।

5.4. एक सदिग्ध दायित्व को इसी तरह के प्रति दावे या तीसरे पक्ष के प्रति दावे के साथ मिलान करके एक उपक्रम को होने वाली सम्भावित हानि को कम किया जा सकता है या टाला जा सकता है ऐसी स्थिति मे आयोजन की राशि दावे के सम्बन्ध मे सम्भावित वसूली को ध्यान मे रखने के बाद निर्धारित की जा सकती है। जहाँ स्थगित करारोपण के लिए लेखाकन प्रणाली का पालन नहीं किया जाता वहाँ उपयुक्त प्रकटीकरण के साथ सभावित हानि शुद्ध कर राशि के रूप मे दिखायी जा सकती है।

5.5. गारन्टीयो की राशि एव विद्यमानता, भुनाये गये विनिमय विपत्रो से उत्पन्न दायित्व और एक उपक्रम द्वारा उठाये गयी इसी तरह की अन्य जिम्मेदारियां वित्तीय विवरणो मे सामान्यतया टिप्पणियो के रूप मे प्रकट की जाती है चाहे निकट भविष्य मे उपक्रम को हानि होने की सम्भावना बहुत कम हो।

5.6. अनिर्दिष्ट व्यावसायिक जोखिमों के सम्बन्ध में आकस्मिकताओ के लिए आयोजन करना उचित नही है क्योंकि वे चिट्ठे की तिथि के दिन विद्यमान दशाओ या स्थितियो से सम्बन्धित नही होती हैं।

6. सदिग्ध लाभो का लेखा व्यवहार (Accounting Treatment of Contingent Gains) :

ठेको के बकाया या अपूर्ण भाग के सम्बन्ध में सदिग्ध लाभ या फायदो को वित्तीय विवरणो मे शामिल नही किया जाता है क्योंकि इसका तात्पर्य उस आगम को मान्यता प्रदान करना होगा जो कभी वसूल ही नहीं किया गया है। लेकिन जब फायदे की वसूली वस्तुतः निश्चित हो तब ऐसा लाभ सदिग्ध नही है और ऐसे लाभ को शामिल करना उचित है।

7. वित्तीय विवरणो में शामिल की जाने वाली सदिग्धताओ को राशि निर्धारित करना (Determination of the amounts at which contingencies are included in financial statements)

7.1. वित्तीय विवरणों मे दिखायी जाने वाली आकस्मिकताओ की राशि वित्तीय विवरण अनुमोदित करने की तिथि के दिन उपलब्ध सूचनाओ पर आधारित होती है। चिट्ठे की तिथि के बाद घटने वाली वे घटनाएं जो यह बताती हैं कि चिट्ठे के दिन कोई सम्पत्ति क्षतिग्रस्त हुई है या कि कोई दायित्व विद्यमान हो सकता है को तब आकस्मिकताओ को निर्धारित करने मे शामिल किया जाता है और वित्तीय विवरणो मे प्रदर्शित की जाने वाली राशि का निर्धारण करने मे भी शामिल किया जाता है।

7.2. कुछ स्थितियो मे, प्रत्येक आकस्मिकता को और आकस्मिकता की राशि के निर्धारण मे ध्यान में

रखी जाने वाली प्रत्येक स्थिति की विशेष परिस्थिति को अलग से पहचाना जा सकता है। ऐसी अनिश्चितता के लिए उपक्रम के विरुद्ध पर्याप्त राशि का दावा निर्धारित किया जा सकता है। वित्तीय विवरणों को स्वीकार करने की तिथि के राशि की दावे की स्थिति जहाँ आवश्यक है वहाँ कानूनी विशेषज्ञों या अन्य सलाहकारों की राय इसी तरह की दशाओं में उपक्रम का अनुभव और इसी तरह की स्थितियों में अन्य उपक्रमों का अनुभव आदि तत्वों को ध्यान में रखकर प्रबन्ध द्वारा ऐसी आकस्मिकताओं का मूल्यांकन किया जाता है।

7.3. यदि अनिश्चितताये जिन्होंने किसी व्यक्तिगत सौदों के लिए अनिश्चितता उत्पन्न की हो, इसी प्रकार के ज्यादा सौदों के लिए भी विद्यमान है तो प्रत्येक सौदे के लिए अनिश्चितता की राशि निर्धारित करने की आवश्यकता नहीं है बल्कि ऐसी राशि सौदों के पूरे समूह के लिए निर्धारित कर ली जाती है। प्राप्य लेखों से न वसूल होने वाली अनुमानित राशि का निर्धारण इसी तरह की आकस्मिकता का उदाहरण है।

8. चिट्ठे की तिथि के बाद घटने वाली घटनायें (Events Occurring after the Balance Sheet Date) :

8.1. वे घटनायें जो चिट्ठे की तिथि और वित्तीय विवरणों को अनुमोदित करने की तिथि के बीच घटित होती है, चिट्ठे की तिथि को सम्पत्तियों एवं दायित्वों में उनके लिए समायोजन की आवश्यकता हो सकती है या उनको प्रकट करना आवश्यक हो सकता है।

8.2 चिट्ठे की तिथि के बाद घटित उन अतिरिक्त महत्वपूर्ण घटनाओं के सम्बन्ध में सम्पत्तियों एवं दायित्वों में समायोजन आवश्यक है जिनकी सूचना चिट्ठे की तिथि को इनकी राशियों के निर्धारण को सारभूत रूप से प्रभावित करती है। उदाहरण के लिए चिट्ठे की तिथि के बाद दिवालिया हुए ग्राहक से सम्बन्धित हानि के लिए देनदारों की राशि में समायोजन किया जाना चाहिए।

8.3. यदि चिट्ठे की तिथि के बाद घटी घटनाओं के लिए सम्पत्तियों एवं दायित्वों में समायोजन उचित नहीं है यदि ऐसी घटनायें चिट्ठे की तिथि को विद्यमान दशाओं से सम्बन्धित नहीं है। चिट्ठे की तिथि वित्तीय विवरणों को अनुमोदित करने की तिथि के बीच विनियोगों के बाजार मूल्यों में कमी होना इसका एक उदाहरण है। विनियोगों के बाजार मूल्यों में साधारण उतार चढ़ाव चिट्ठे की तिथि से सम्बन्धित नहीं होते बल्कि उन परिस्थितियों को बताते हैं जो बाद की अवधि में घटित हुई हैं। इसी तरह बाद की अवधि में घटित उन महत्वपूर्ण घटनाओं जो उपक्रम के अस्तित्व को चिट्ठे की तिथि के दिन सारभूत रूप से प्रभावित करने के लिए भी समायोजन किया जाता है। उदाहरण के लिए चिट्ठे की तिथि के बाद उत्पादन संयन्त्र का अग्नि द्वारा नष्ट हो जाना।

8.4. चिट्ठे की तिथि के बाद घटने वाली वे घटनायें जो वित्तीय विवरणों में वर्णित आंकड़ों को प्रभावित नहीं करती या उपक्रम के अस्तित्व या आधार को प्रभावित नहीं करती को सामान्यतया वित्तीय विवरणों में प्रकट करने की आवश्यकता नहीं होती है। चाहे वे इतनी महत्वपूर्ण हो सकती हैं कि अनुमोदन करने वाले अधिकारियों के प्रतिवेदन में उनको प्रकट करना आवश्यक हो सकता है।

8.5. कुछ ऐसी भी घटनायें होती हैं जो यद्यपि चिट्ठे की तिथि के बाद घटित हुई हैं लेकिन कानूनी आवश्यकताओं के कारण या उनकी विशेष प्रकृति के कारण उनको वित्तीय विवरणों में दिखाया जाता है ऐसी मदों में वित्तीय विवरणों से सम्बन्धित अवधि के लिए चिट्ठे की तिथि के बाद प्रस्तावित या घोषित लाभांश राशि है।

8.6. वित्तीय विवरणों को तैयार करने एवं प्रस्तुत करने में अपनायी गयी आधारभूत लेखांकन मान्यताओं पर चिट्ठे के बाद घटी घटनाओं के सन्दर्भ में विचार किया जाना चाहिए।

9. प्रकटीकरण (Disclosure) :

9.1. यहाँ बतायी जा रही प्रकटीकरण सम्बन्धी आवश्यकता उन महत्त्वपूर्ण आकस्मिकताओं या घटनाओं के लिए है जो वित्तीय स्थिति को सारभूत रूप से प्रभावित करती है।

9.2. यदि किसी सदिग्ध हानि के लिए प्रावधान नहीं किया गया है तो इसकी प्रकृति एवं इसके वित्तीय प्रभाव का अनुमान टिप्पणियों के माध्यम से प्रकट किया जाना चाहिए। और यदि इसके वित्तीय प्रभाव का विश्वसनीय अनुमान नहीं लगाया जा सकता तो इस तथ्य को भी प्रकट करना चाहिए। यदि उपक्रम द्वारा लाभों को वसूल करना रूप से निश्चित यथोचित हो जाये तो वित्तीय विवरणों में टिप्पणी के द्वारा सदिग्ध लाभों की प्रकृति एवं विद्यमानता को प्रकट करना चाहिए।

9 2. वित्तीय विवरणों के प्रयोगकर्ताओं के द्वारा उचित मूल्यांकन एवं निर्णय के लिए जब चिट्ठे की तिथि के बाद घटने वाली घटनाओं के प्रभाव के वित्तीय विवरणों में टिप्पणियों के रूप में या अनुमोदित करने वाले अधिकारियों के प्रतिवेदन में प्रकट किया जाता है तो दी गयी ऐसी सूचना में वित्तीय प्रभाव का अनुमान शामिल किया जाना चाहिए या यह विवरण दिया जाना चाहिए कि ऐसा अनुमान नहीं लगाया जा सकता।

लेखा मानक (Accounting Standard) :

चिट्ठे की तिथि के बाद घटी घटनायें एवं आकस्मिकतायें : (इस विवरण के अनुच्छेद 10 से 17 में लेखा मानक दिया गया है। इस मानक को इस विवरण के अनुच्छेद 1 से 9 तथा लेखा मानक विवरण की भूमिका के सन्दर्भ में पढ़ा जाना चाहिए।)

10. सदिग्ध हानि की राशि को लाभ-हानि के विवरण में चार्ज किया जाना चाहिए यदि :

(a) वित्तीय विवरण के दिन यह सम्भावना हो कि बाद वाली घटनायें ही यह सुनिश्चित कर पायेगी कि सम्पत्ति में क्षति हुई है या उस दिन कोई दायित्व उत्पन्न हुआ है, और

(b) होने वाली हानि की राशि का यथोचित अनुमान लगाया जा सकता है।

11. यदि अनुच्छेद 10 में वर्णित शर्तें पूरी नहीं होती हैं तो वित्तीय विवरणों में सदिग्ध हानि की विद्यमानता को प्रकट किया जाना चाहिए।

12. अपूर्ण ठेकों से सम्बन्धित सदिग्ध लाभों या फायदों को वित्तीय विवरण में शामिल नहीं करना चाहिए।

चिट्ठे की तिथि के बाद घटने वाली घटनायें :

13. यदि चिट्ठे की तिथि को विद्यमान दशाओं से सम्बन्धित राशि का अनुमान लगाने में चिट्ठे की तिथि के बाद घटी घटनायें अतिरिक्त साक्ष्य उपलब्ध करवाती है तो सम्पत्तियों एवं दायित्वों में ऐसी घटनाओं के लिए समायोजन किया जाना चाहिए।

14. वित्तीय विरणों की अवधि से सम्बन्धित लाभांश जिसे कि चिट्ठे की तिथि के बाद लेकिन वित्तीय विवरणों के अनुमोदन के पहले प्रस्तावित या घोषित किया गया है, का समायोजन किया जाना चाहिए।

15 चिट्ठे की तिथि के बाद घटने वाली उन घटनाओं, जो उपक्रम की वित्तीय स्थिति को प्रभावित करने वाले महत्त्वपूर्ण परिवर्तनों एवं वादों से सम्बन्धित है, से सम्पत्तियों एवं दायित्वों को समायोजित नहीं किया जाना चाहिए बल्कि अनुमोदित करने वाले अधिकारियों की रिपोर्ट में प्रकट करना चाहिए।

प्रकटीकरण (Disclosure) .

16. यदि इस विवरण के अनुच्छेद 11 या 12 द्वारा आकस्मिकताओं का प्रकटीकरण किया जाता है तो निम्न सूचना दी जानी चाहिए—

(a) आकस्मिकता की प्रकृति;
(b) अनिश्चितताएँ जो भावी परिणामों को प्रभावित कर सकती है;
(c) वित्तीय प्रभावों का अनुमान या यदि ऐसा अनुमान नहीं किया जा सकता है तो इसका विवरण।

17. यदि इस विवरण के अनुच्छेद 15 के द्वारा चिट्ठे की तिथि के बाद घटी घटनाओं को प्रकट किया जाता है तो निम्न सूचना दी जानी चाहिए—
(a) घटना की प्रकृति;
(b) वित्तीय प्रभावों का अनुमान या यदि ऐसा अनुमान नहीं किया जा सकता है तो इसका विवरण।

लेखा मानक-5 (Accounting Standard-5) :

पूर्व अवधि की मदें और असाधारण मदें तथा लेखा नीतियों में परिवर्तन
(Prior Period and Extra Ordinary Items and changes in Accounting Policies)

नीचे 'पूर्व अवधि और असाधारण मदें तथा लेखा नीतियों में परिवर्तन' पर भारत के चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट इन्स्टीट्यूट के लेखांकन मानक बोर्ड द्वारा जारी किया गया लेखा मानक पंचम (AS-5) का मूल पाठ दिया जा रहा है। यह मानक वित्तीय विवरणों में *पूर्व अवधि और असाधारण मदें तथा लेखा नीतियों में परिवर्तन के व्यवहार* से सम्बन्धित है।

प्रारम्भिक वर्षों में यह लेखा मानक अनुशंसात्मक होगा। इस अवधि में इस मानक को स्टॉक एक्सचेंज में अधिसूचित कम्पनियों तथा सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के अन्य वृहद वाणिज्यिक, औद्योगिक एवं व्यापारिक उपक्रमों में अपनाये जाने की सिफारिश की गई है।

परिचय (Introduction) :

1. किसी अवधि के लिए लाभ हानि खाता कुछ आधारभूत लेखांकन मान्यताओं के आधार पर तैयार किया जाता है और यह उस अवधि में अर्जित आयों एवं सम्बन्धित लागतों को प्रकट करता है। इस सन्दर्भ में पूर्व अवधि या असाधारण मदें है जो लेखा नीतियों में परिवर्तन के कारण उत्पन्न होती हैं, सामान्यतया अनावर्ती प्रकृति की होती है एवं इनके सम्बन्ध में विशिष्ट सावधानी की जरूरत होती है। यह विवरण वित्तीय विवरणों में इनके उपचार से सम्बन्धित है।
2. यह विवरण पूर्व अवधि मदों, असाधारण मदों और लेखा नीतियों में परिवर्तनों से उत्पन्न कर समस्याओं और अनुमानों जिसके लिए परिस्थितियों के अनुसार उचित समायोजन करना होगा के बारे में नहीं है। यह सम्पत्तियों के पुनर्मूल्यांकन से उत्पन्न समायोजनों के बारे में भी नहीं है।

परिभाषायें (Definitions) :

3. इस विवरण में निम्न पदों (Terms) को वर्णित अर्थों में प्रयुक्त किया गया है—

3·1 पूर्व अवधि मदें वे महत्त्वपूर्ण व्यय या जमायें हैं जो एक या अधिक अवधि के वित्तीय विवरणों को तैयार करने में भूलचूक या त्रुटियों के परिणामस्वरूप चालू अवधि में उत्पन्न होते हैं।

3·2 असाधारण मदें वे फायदे या हानियाँ हैं जो उन घटनाओं या सौदों से उत्पन्न होते हैं जो कि व्यापार की सामान्य गतिविधि से अलग हैं और जो महत्त्वपूर्ण और बार-बार या नियमित रूप से होने की प्रकृति के नहीं है। इनमें परिस्थितियों से उत्पन्न वे महत्त्वपूर्ण समायोजन भी शामिल हैं जो यद्यपि गत अवधि से सम्बन्धित हैं लेकिन जिनका निर्धारण चालू अवधि में किया गया है।

स्पष्टीकरण (Explanation) :

4. अनावर्ती मदों के लेखा व्यवहार के बारे में दो विचारधारायें हैं। एक विचारधारा प्रत्येक राशि को पृथक रूप से प्रकट करते हुए उन्हें प्रतिवेदित शुद्ध लाभ या हानि में शामिल करने से सम्बन्धित है। दूसरी विचारधारा चालू शुद्ध लाभ या हानि का निर्धारण करने के बाद ऐसी मदों को लाभ या हानि के विवरण-पत्र में दिखाने से सम्बन्धित है। लेकिन असाधारण मदें चालू शुद्ध आय के अंग के रूप में दिखायी जाती है।

5. पूर्व अवधि मदें (Prior Period Items) :

5.1 पूर्व अवधि मदें सामान्यतया अनावर्ती प्रकृति की होती हैं। उन्हें लेखा अनुमानों के साथ समझकर भ्रम में नहीं पड़ना चाहिए। लेखा अनुमान उनकी प्रकृति के कारण ही, लगभग सन्निकट वाली राशियाँ हैं जिनके बारे में बाद की अवधि में अतिरिक्त सूचना ज्ञात हो जाने पर सुधार की आवश्यकता होती है। आकस्मिकता के परिणामस्वरूप उत्पन्न लागत या लाभ, जो कि घटित होने के समय शुद्धता के साथ अनुमानित नहीं किये जा सकते, त्रुटि सुधार हेतु मान्यता प्राप्त नहीं करते हैं बल्कि अनुमानों में ही परिवर्तन करना होता है। ऐसी मदों को पूर्व अवधि मदें भी नहीं माना जाता है।

5.2 पूर्व अवधि मदों को चालू अवधि के लाभ और हानि के विवरण में शामिल किया जाता है लेकिन ऐसी सभी मदों को चालू लाभ या हानि पर प्रभाव जानने के लिए पृथक रूप से दिखाया जाता है। ऐसा प्रकटीकरण जहाँ जरूरत हो, विधान की आवश्यकताओं के अनुसार किया जाता है।

6. असाधारण मदें (Extraordinary Items) :

6.1 असाधारण मदों को कभी कभी 'असामान्य मदों' के रूप में भी व्यक्त किया जाता है। ऐसी मदों के कुछ उदाहरण व्यवसाय के महत्त्वपूर्ण भाग को बेचना, उन विनियोगों का विक्रय जो पुनः बिक्री की इच्छा से नहीं खरीदे गये थे, कानूनी परिवर्तनों के कारण उत्पन्न दायित्व, न्यायिक घोषणायें आदि हैं। प्रत्येक असाधारण मद की प्रकृति एवं राशि को पृथक रूप से प्रकट किया जाता है जिससे कि वित्तीय विवरणों के प्रयोग कर्त्ता ऐसी मदों को सापेक्षिक महत्वता का मूल्यांकन कर सकें और कार्यकारी परिणामों पर उनके प्रभाव को जान सकें।

6.2 उपक्रम की सामान्य गतिविधियों से उत्पन्न आय या व्यय जो यद्यपि राशि के रूप में असामान्य होते हैं या घटित होने में अनावर्ती होते हैं, असाधारण कहे जाने लायक नहीं होते है। ऐसी मदों का एक उदाहरण एक नियमित व्यापारिक ग्राहक से मांगी जाने वाली बहुत बड़ी रकम को अपलिखित करना है।

7. लेखा नीतियों में परिवर्तन (Changes in Accounting Policies) :

7.1 एक आधारभूत लेखांकन मान्यता है कि लेखांकन नीतियों को अपनाने में एकरूपता होनी चाहिए। इस प्रकार लेखांकन नीतियों में परिवर्तन अपवाद स्वरूप परिस्थितियों में ही किये जाते हैं जैसे कि नयी लेखा नीति को अपनाना यदि कानूनी आवश्यकता हो या किसी लेखा मानक की पालना करनी हो या यदि यह समझा जाता है कि परिवर्तन उपक्रम के वित्तीय विवरणों के प्रस्तुतीकरण को और अधिक उचित रूप से प्रस्तुत करने के सहायक होगा।

7.2 लेखा नीति में कोई भी परिवर्तन जिसका महत्त्वपूर्ण प्रभाव होता हो प्रकट किया जाना चाहिए। ऐसे परिवर्तन का प्रभाव और उससे उत्पन्न समामेलन यदि महत्त्वपूर्ण हैं तो ऐसे परिवर्तन के प्रभाव को प्रदर्शित करने हेतु जिस अवधि में परिवर्तन किया गया है उस अवधि के वित्तीय

विवरणों में प्रदर्शित किये जाते हैं। जहाँ ऐसे परिवर्तन का प्रभाव पूर्ण या आंशिक रूप से परिगणित योग्य न हो तो इस तथ्य को प्रदर्शित किया जाता है। यदि लेखा नीतियों में कोई परिवर्तन जिसका चालू अवधि के वित्तीय विवरणों पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं होता है लेकिन जिसका बाद की अवधि के महत्त्वपूर्ण प्रभाव या यथोचित अनुमान लगाया जा सकता हो किया गया है तो जिस अवधि में ऐसा परिवर्तन किया गया गया है उसमें इस तथ्य को उचित रूप से प्रकट किया जाना चाहिए।

8. लेखा अनुमानों में परिवर्तन (Changes in Accounting Estimates) :

8·1 वित्तीय विवरणों को तैयार करने में अनुमानों का सहारा लिया जाता है। ऐसे अनुमान वित्तीय विवरणों को तैयार करते समय विद्यमान परिस्थितियों पर आधारित होते हैं। उदाहरण के लिये, न वसूली योग्य प्राप्यों, सामग्री अप्रचलनों और अपलिखित सम्पत्तियों के उपयोगी जीवन का अनुमान करना होता है। यदि जिन परिस्थितियों पर अनुमान आधारित है उनमें कोई परिवर्तन होता है तो बाद वाली अवधि में अनुमानों के संशोधन की आवश्यकता हो सकती है। अनुमानों का संशोधन करने के बाद संशोधित राशि पूर्व अवधि मदों या असाधारण मदों की परिभाषा में शामिल नहीं हो सकती है। अनुमानों का ऐसा संशोधन जो ऐसी असाधारण मद से सम्बन्धित है जिसे असाधारण मद के रूप में व्यवहृत किया गया था को अपने आप ही असाधारण मद व्यवहृत किया जावेगा। लेखा अनुमानों में परिवर्तन कभी-कभी उपक्रम की आय प्रवृत्ति पर इतना अधिक महत्त्वपूर्ण होता है कि इस तरह के परिवर्तन के प्रभाव को प्रकट करना आवश्यक हो जाता है।

8·2 कभी-कभी लेखा नीति में परिवर्तन और लेखा अनुमानों में परिवर्तन में अन्तर करना कठिन होता है। उदाहरण के लिए यदि अनुमानित भावी लाभ अनिश्चित हो गये हों तो एक उपक्रम लागत को स्थगित एवं अवक्षयण की बजाय खर्च करते समय व्यय के रूप में दिखाने की नीति अपना सकता है। उन स्थितियों में जहाँ स्पष्ट अन्तर करना कठिन है तो ऐसे परिवर्तनों को उचित प्रकटीकरण के साथ लेखा अनुमानों में परिवर्तन के रूप में प्रदर्शित करना चाहिए।

लेखा मानक
(Accounting Standard)

पूर्व अवधि मदें और असाधारण मदें तथा लेखा नीतियों के परिवर्तन
(Prior Period and Extraoding Items and changes in Accounting Policics) :

(इस विवरण के अनुच्छेद 9 से 13 में लेखा मानक दिया गया है। इस मानक को इस विवरण के अनुच्छेद 1 से 8 के सन्दर्भ में एवं लेखा मानकों की भूमिका के विवरण के साथ पढ़ा जाना चाहिए।)

9. पूर्व अवधि मदों को उनकी प्रकृति एवं राशि के साथ लाभ एवं हानि के चालू विवरण में पृथक रूप से प्रकट किया जाना चाहिए। इनको इस तरह प्रदर्शित करना चाहिए कि चालू लाभ या हानि पर उनके प्रभाव को पहचाना जा सके।

10. उपक्रम की चालू अवधि को असाधारण मदों को शुद्ध आय के अंश के रूप में लाभ और हानि के विवरण के साथ प्रकट किया जाना चाहिए। ऐसी प्रत्येक मद की प्रकृति एवं राशि को इस तरह प्रकट करना चाहिए जिससे कि चालू संचालनात्मक परिणामों पर उनके सापेक्षिक महत्व एवं प्रभाव को पहचाना जा सके।

11. लेखा नीति में परिवर्तन तभी करना चाहिए जबकि दूसरी लेखा नीति को अपनाना कानून द्वारा आवश्यक है या लेखा मानक की पालना के लिए जरूरी है या यदि यह समझा जाता है कि ऐसा

परिवर्तन उपक्रम के वित्तीय विवरणों के प्रस्तुतीकरण को और अधिक उचित रूप से प्रस्तुत करने में सहायक होगा।

12. लेखा नीति में कोई भी ऐसा परिवर्तन जिसका प्रभाव महत्त्वपूर्ण हो। प्रकट किया जाना चाहिए। ऐसे परिवर्तन के प्रभाव को प्रदर्शित करने के लिए जिस अवधि में ऐसा परिवर्तन किया गया हैं उसके वित्तीय विवरणो मे यदि महत्त्वपूर्ण हैं तो, ऐसे परिवर्तन के प्रभाव एव उससे उत्पन्न समायोजन को प्रदर्शित किया जाना चाहिए। जहाँ ऐसे परिवर्तन का प्रभाव पूर्ण या आंशिक रूप से निर्धारित करने योग्य नहीं है तो ऐसे तथ्य को प्रकट करना चाहिए। यदि लेखा नीतियों मे कोई परिवर्तन जिसका चालू अवधि के वित्तीय विवरणो पर कोई महत्त्वपूर्ण नही होता है लेकिन जिसका बाद की अवधि के महत्त्वपूर्ण का यथोचित अनुमान लगाया जा सकता हो, किया गया है तो जिस अवधि मे ऐसा परिवर्तन किया गया है उसमे इस तथ्य को उचित रूप से प्रकट किया जाना चाहिए।

13. लेखा अनुमान मे कोई परिवर्तन, जिसका चालू अवधि मे महत्त्वपूर्ण प्रभाव हो को प्रकट तथा परिमाणित किया जाना चाहिए। लेखा अनुमान मे कोई परिवर्तन किया जाना चाहिए। लेखा अनुमान मे कोई परिवतन बाद की अवधि मे जिसके महत्त्वपूर्ण प्रभाव का यथोचित अनुमान लगाया जा सकता हो को भी प्रकट किया जाना चाहिए।

उपर्युक्त लेखा मानको मे से लेखा मानक सख्या एक को 1 अप्रैल 1991 से अनिवार्य बना दिया गया है जबकि लेखा मानक सख्या चार एव पाँच को 1 जनवरी 1987 से ही अनिवार्य बना दिया गया था। मानक संख्या दो एव तीन अभी अनुशासात्मक रूप में ही हैं।

अभ्यासार्थ प्रश्न

1. What do you mean by 'Accounting Standards ? Describe their importance in the present context.

लेखा मानक से आप क्या समझते है ? वर्तमान सन्दर्भ में इनका महत्व बताइये।

2 *Write a note on 'Indian Accounting Standards'.*

भारतीय लेखा मानको पर टिप्पणी लिखिए।

3. Give main contents of the Indian Accounting Standard No. 1 on 'Disclosure of Accounting Policies.'

'लेखा नीतियो के प्रकटीकरण' पर भारत के लेखा मानक सख्या 1 की प्रमुख बातो को बताइये।

4. Describe the Indian Accounting Standard on 'Changes in Financial Position.'

'वित्तीय स्थिति में परिवर्तन' पर भारतीय लेखा मानक का वर्णन कीजिये।

5 Write notes on the following Indian Accounting Standards

निम्न भारतीय लेखा मानको पर टिप्पणियाँ लिखिए।

(i) Contingencies and Events occurring after Balance Sheet Date.

चिट्ठे की तिथि के बाद घटी घटनायें एवं आकस्मिकतायें

(ii) Prior Period and Extra ordinary Items and changes in Accounting Policies.'

पूर्व अवधि की मदें और असाधारण मदें तथा लेखा नीतियो मे परिवर्तन।

6. Give main points of AS-2.

AS-2 की महत्वपूर्ण बातो को बताइये।

12

प्रकाशित लेखों में आधुनिक प्रवृत्तियां

(Modern Trends in Published Accounts)

जब एक कम्पनी या निगम अपने अंशों एवं ऋणपत्रों को जनता द्वारा क्रय करने के लिए आवेदन-पत्र आमन्त्रित करती है तब वह अपनी वित्तीय स्थिति और क्रियाओं की लाभदायकता के बारे में जनता को सूचित करते रहने की जिम्मेदारी स्वीकार करती है। अपने बारे में सूचना प्रकटीकरण के इस दायित्व में वित्तीय विवरणों का जनता में निर्गमन करना आता है। भारत में कम्पनी विधान द्वारा यह व्यवस्था की गई है कि प्रत्येक कम्पनी अपने वित्तीय विवरणों को जनता के प्रतिनिधि के रूप में सरकार के पास (कम्पनी रजिस्ट्रार के पास) अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करे। समय-समय पर सरकारी एवं गैर सरकारी एजेंसियां इन प्रतिवेदनों के निरीक्षण द्वारा यह सुनिश्चित करती है कि कम्पनियां अपने कार्य कलापों के बारे में प्रस्तुत प्रतिवेदनों में पर्याप्त सूचनायें प्रकट करती है या नहीं, जिससे कि विनियोजक इनके आधार पर बुद्धिमानी से विनियोग निर्णय ले सके। अखबारों, स्टॉक एक्सचेंजों कम्पनी रजिस्ट्रार आदि के माध्यम से कम्पनी के लाखों विनियोजकों के पास कम्पनी के लेखा समंकों के वितरण का यह बहाव हमारी अर्थव्यवस्था के संचालन में एक महत्वपूर्ण घटक है। वास्तव में एक उद्योग मूलक अर्थव्यवस्था का सफल संचालन प्रतिवेदित लेखा सूचनाओं की किस्म एवं ढंग पर निर्भर रहने की क्षमता पर निर्भर करती है।

प्रकाशित लेखे (Published Accounts)

भारतीय कम्पनी अधिनियम, 1956 की व्यवस्थाओं के अनुसार एक कम्पनी के संचालक मण्डल के लिए कम्पनी की वार्षिक साधारण सभा में संचालकों के एवं अंकेक्षकों के प्रतिवेदन के साथ लाभ हानि खाता तथा *चिट्ठे की प्रति प्रस्तुत करना अनिवार्य है। इन सभी प्रलेखों को कानून के अनुसार प्रारूप में तैयार* करना होता है अतः इन्हें वार्षिक प्रतिवेदन (Annual Reports) अथवा वार्षिक प्रतिवेदन एवं लेखे (Annual Reports and Accounts) कहा जाता है। प्रायः सभी कम्पनियां इन्हें छपवाकर प्रकाशित करती है अतः इन्हें प्रकाशित लेखों (Published Accounts) के नाम से भी जाना जाता है। ये प्रकाशित लेखे सभी पक्षकारों को कम्पनी के क्रियाकलापों का सारांश एवं निष्पादन की जानकारी प्रदान करते है अतः इन्हें निगम प्रतिवेदन (Corporate Reporting) की संज्ञा भी दी जाती है।

निगम प्रतिवेदन के उद्देश्य (Objectives of Corporate Reporting) :

कम्पनी व्यवसाय में प्रबन्धकों एवं मालिकों के पृथक अस्तित्व की दशा में लेखांकन को आन्तरिक एवं बाह्य प्रतिवेदन प्रदान करने की जिम्मेदारी का निर्वहन करना पड़ता है। आन्तरिक प्रतिवेदनों से कम्पनी के दिन

प्रतिदिन के कार्यकलापों एवं वित्तीय नियन्त्रण के लिए सूचना तैयार करना तथा भावी क्रियाओं के लिए विस्तृत कार्यक्रम एवं बजट तैयार करना शामिल होता है। बाह्य प्रतिवेदन में प्रकाशित वित्तीय विवरणों के द्वारा कम्पनी को अपने मालिकों के प्रति कारिन्दों (Stewardship) के रूप में स्वीकार किये गये कार्यों के लिए सूचना प्रदान करनी होती है। इन प्रतिवेदनों में सूचनायें समय पर, प्रासंगिक, विश्वसनीय, भेदभाव रहित, समझनेयोग्य, सगत, संक्षिप्त तथा विस्तृत रूप में उनके सभी प्रयोग कर्ताओं तक पहुँचानी होती है ताकि ये सभी पक्षकार इन के आधार पर प्रबन्धकों को उपलब्ध कराये गये साधनों के प्रभावशाली उपयोग किये जाने की कुशलता का मापन कर सके तथा कम्पनी के ऋण भारों को चुकाने की क्षमता का मूल्यांकन किया जा सके। अन्तर्राष्ट्रीय लेखाकन मानक-5 (I. A. S—5) के अनुसार "वित्तीय विवरणों को इस तरह का होना चाहिए कि उनके आधार पर मूल्यांकन एवं वित्तीय निर्णय किये जा सके।" प्रयोगकर्ता विश्वसनीय निर्णय तब तक नहीं ले सकता जब तक वित्तीय विवरण स्पष्ट एवं समझने योग्य न हो। इस उद्देश्य के लिए सूचनायें स्थानीय कानून की न्यूनतम आवश्यकताओं को पूरी करने से भी अधिक विस्तृत होगी। चूंकि व्यवसाय में विनियोजक, ऋणदाता, लेनदार, बैंक, सरकार, श्रमिक वर्ग, समाज, ग्राहक आदि विभिन्न पक्षों का हित निहित हैं तथा उनके विभिन्न हितों को पूरा करने के लिए वांछित सूचना की मात्रा एवं स्तर विवादास्पद है। फिर भी संक्षेप में निगम प्रतिवेदन के उद्देश्य निम्न हैं—

(1) निम्न के सम्बन्ध में प्रयोगकर्ताओं को लाभदायक सूचना प्रदान करना :

(a) उपक्रम की अर्जन शक्ति की तुलना करने, मूल्यांकित करने और भविष्य के लिए पूर्वानुमान करने में लाभदायक हो।

(b) आर्थिक निर्णय करने में सहायक हो। उदाहरणार्थ वर्तमान वास्तविक एवं भावी विनियोगों पर प्रत्याय दर को देखते हुए उपक्रम को उपलब्ध कराये गये कोषों में वृद्धि करनी है, कम करना है या बनाये रखना है।

(c) सामाजिक-आर्थिक उद्देश्य को प्राप्त करने में निगम के साधनों को प्रभावपूर्ण तरीके से उपयोग करने में प्रबन्धकीय योग्यता का मूल्यांकन करना।

(2) साधारण अंशधारियों को यह स्पष्ट करना कि कम्पनी में बढते हुए साधन एक निश्चित अवधि में पर्याप्त रोकड़ प्रत्याय देने में समर्थ हैं।

निगम प्रतिवेदन में आधुनिक प्रवृत्तियाँ (Modren Trends)

निगमित इकाइयां उनकी आवधिक (Periodical) निष्पत्ति और अन्य महत्त्वपूर्ण सूचनायें सभी भावी निर्णयकर्ताओं को वित्तीय विवरणों के प्रकाशन द्वारा सवहित करती हैं। इन विवरणों में मुख्य स्थिति विवरण, आय विवरण, प्रतिधारित आय विवरण, रोकड़ एवं कोष प्रवाह विवरण होता है। परम्परागत रूप से भारतीय कम्पनियों में अपने प्रकाशित वित्तीय विवरणों में कम्पनी विधान के अन्तर्गत वांछित न्यूनतम सूचनायें ही देने की प्रवृत्ति पायी गयी है। 'T' आकार में लाभ हानि खाता एवं चिट्ठा, कानूनी आवश्यकता को पूरी करने के लिए वांछित न्यूनतम सूचना आदि प्रदान करने की प्रवृत्ति ही अधिकांश भारतीय कम्पनियों का अब तक का व्यवहार रहा है लेकिन धीरे-धीरे आवश्यकता एवं जन चेतना से कम्पनी कानून में भी सूचनाओं के प्रकटीकरण में वृद्धि की गयी है और अब ऐच्छिक रूप से भी कम्पनियां कानूनी औपचारिकताओं से बढ़कर अपने वार्षिक प्रतिवेदनों में अन्य महत्त्वपूर्ण सूचनायें भी प्रस्तुत करने लगी हैं। हमारे देश की कुछ निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र की कम्पनियों के ताजा वार्षिक प्रतिवेदनों का निरीक्षण करने पर निम्न आधुनिक प्रवृत्तियां प्रकट होती हैं—

(1) प्रारूप (Form) वृहद आकार के व्यवसायों में वार्षिक प्रतिवेदनों को जनसम्पर्क का प्रमुख माध्यम माना जाने लगा है। इसीलिए सबसे आधुनिक प्रवृत्ति यह है कि इनकी छपाई एवं डिजाइन में बहुत ध्यान दिया जाता है। इन्हें उच्चस्तरीय कागज पर विभिन्न रंगों में एक सुन्दर पत्रिका के रूप में छापा जाता है। मुख पृष्ठ पर कम्पनी की

गतिविधियों से सम्बन्धित कोई सुन्दर चित्र दिया हुआ होता है जबकि पीछे का कवर पृष्ठ सामान्यतया खाली रखा जाता है। इसे सजाने के लिए वार्षिक प्रतिवेदन के कुछ भाग में कम्पनी के नये उत्पादों, विस्तार कार्यक्रमों, मानवीय सम्बन्धों के विकास सम्बन्धी चित्रों को दिया जाता है। वार्षिक प्रतिवेदनों का पृष्ठ विस्तार उनकी सामग्री एवं प्रस्तुतीकरण पर निर्भर करता है। उदाहरणार्थ एस्कार्ट लिमिटेड का 1981 का वार्षिक प्रतिवेदन 152 पृष्ठ का था।

कागज एवं छपाई की लागत काफी बढ़ जाने के कारण कम्पनी के अंशधारियों को वार्षिक प्रतिवेदन भेजना काफी महंगा काम हो जाने के कारण तथा राष्ट्रीय साधनों के अवांछित दुरुपयोग को रोकने के लिए हाल ही में कम्पनी अधिनियम में प्रतिवेदनों के आकार सम्बन्धी संशोधन किया है जिसके अनुसार कम्पनियां अंशधारियों को अपने वार्षिक लेखों का संक्षिप्त रूप (Abridged Accounts) प्रेषित कर सकती हैं तथा यदि कोई सदस्य विस्तृत रिपोर्ट चाहता है तो वह कम्पनी को पत्र लिखकर मंगवा सकता है। इस आशय की सूचना संचालकों की रिपोर्ट में दे दी जाती है। इस व्यवस्था का लाभ उठाते हुए आजकल प्रायः अधिकांश कम्पनियों ने सारांशित लेखे (Abridged Accounts) ही भेजना प्रारम्भ कर दिया है। लेकिन फिर भी तथ्यों एवं प्रस्तुतीकरण के आधार पर विभिन्न कम्पनियों के वार्षिक प्रतिवेदनों के आकार भिन्न-भिन्न है। उदाहरणार्थ टाटा स्टील कम्पनी का 1990-91 वर्ष का प्रतिवेदन 31 पृष्ठों का है जबकि इसी अवधि का ग्लेक्सो इण्डिया लि. व इण्डियन रेयन के वार्षिक प्रतिवेदन 16-16 पृष्ठों के हैं।

(2) विषय सामग्री की सारणी—(Table of Contents) वार्षिक प्रतिवेदन सामान्यतया विषय सामग्री की सारणी से प्रारम्भ होते हैं। इस सारणी में दिया गया विवरण प्रतिवेदन के आकार के अनुसार भिन्न-भिन्न होता है। उदाहरणार्थ टाटा आयरन एण्ड स्टील कं. लि. (TISCO) के 1990-91 के वार्षिक प्रतिवेदन में इस सारणी को इस प्रकार दिखाया गया है—

	पृष्ठ सं.		पृष्ठ सं.
संचालक मण्डल	2	संक्षिप्त लाभ हानि खाता	21
प्रबन्ध	3	संक्षिप्त लाभ हानि खाते के अंग के रूप में अनुसूची	22
विशिष्ट तथ्य	4		
निर्यात निष्पत्ति	5	संक्षिप्त चिट्ठा एवं लाभ हानि खाते पर टिप्पणियां	24
आगम का वितरण	6	उत्पादन सांख्यिकी	28
संचालकों की रिपोर्ट	7	वित्तीय सांख्यिकी	29
कोषों के स्रोत एवं उपयोग	15	लाभांश सांख्यिकी	30
अंकेक्षक प्रतिवेदन	16	अंशधारकों का वितरण	31
अंकेक्षक प्रतिवेदन के संलग्नक	17		
संक्षिप्त चिट्ठा	20		

3 वित्तीय झलकियां (Highlights) वार्षिक लेखों एवं प्रतिवेदनों में कम्पनी अपनी कई वर्षों की अत्यन्त महत्वपूर्ण सूचनाओं जैसे संचालनात्मक लाभ (operating Profit) लाभांश (Dividend), संचालनात्मक लाभ का बिक्री पर प्रतिशत, प्रति अंश शुद्ध आय, प्रति अंश पुस्तक मूल्य, कर, आदि को प्रदर्शित करती है। इन सब सूचनाओं को प्रस्तुत करने का उद्देश्य कम्पनी द्वारा अपने अंशधारियों एवं कर्मचारियों को कम्पनी के कार्यों की सफलताओं का ज्ञान कराना होता है। इस तरह की सूचनाएं एक साधारण पाठक के लिए कम्पनी की कुशलता को प्रथम दृष्टि में एक ही साथ देखने व समझने के लिए बहुत उपयोगी होती है। इन सूचनाओं को प्रस्तुत करने के लिए विभिन्न शीर्षकों का प्रयोग किया जाता है।

उदाहरणार्थ—'Financial Highlights' Financial Summary, Digest of Result, Facts at a Glance, Growth at a Glance,

ग्लेक्सो इन्डिया लि. के 1990-91 वर्ष के संक्षिप्त वार्षिक प्रतिवेदन में दिये गये निम्न वित्तीय सारांश से हमें इस तरह की झलकियों के बारे में जानकारी मिलेगी—

Five-Year Financial Summary

(Amounts in Rupees Lakhs)	1991	1990	1989 (9 months)	1988	1987
Net Sales	357,40	292,04	194,99	220,40	191,19
Other Income	12,87	15,56	7,62	10,19	6,30
Materials cost	197,09	160,80	104,06	111,78	94,46
Staff Cost	41,61	36,79	25,97	30,96	27,30
Excise Duty	21,96	18,37	13,05	19,18	16,94
Depreciation	9,77	8,12	5,23	6,48	5,69
Financing Charges	15,72	12,34	7,52	6,68	5,80
Other Expenses	67,62	55,96	36,76	39,04	36,25
Profit Before Tax	16,50	15,22	10,02	16,47	11,05
Tax	5,90	4,67	2,42	6,31	3,66
Profit After Tax	10,60	15,37	13,64	10,16	7,39
Percentage of Sales (%)	3 0	5.3	7.0	4 6	3.9
Fixed Assets Gross	142,38	125,17	101,76	85,90	75,09
Net	84,00	75,21	59,16	48,07	43,43
Current and Other Assets—Net	70,26	56,09	52,89	46,97	25,85
Capital	20,00	20,00	20,00	20,00	20,00
Reserves	61,24	56,04	46,07	36,43	30,27
Borrowings	73,02	55,26	45,98	38,61	19,01
Per Rs 10/- Equity Share —Amounts in Rupees					
Dividends	2.70	2.70	2.00	2 00	1.80
Earnings	5.30	7.68	6.82	5.08	3.70
Book Value	40.62	38.02	33.94	28.22	24.14

4. महत्वपूर्ण अनुपात (Significant Ratios) : कम्पनी के वित्तीय विवरणों में दिये गये निरपेक्ष अंकों एवं तथ्यों से इनके उपयोगकर्त्ताओं को प्रथम दृष्टया निर्णय हेतु सीमित जानकारी ही मिलती है। विभिन्न मदों में अनुपातों की गणना कर प्रस्तुत करने से अंशधारियों व अन्य उपयोगकर्त्ताओं को इन वार्षिक लेखों को समझने व कम्पनी की शोधन क्षमता लाभदायकता, प्रबन्धकीय कुशलता आदि का मूल्यांकन करने में बहुत सहायता मिलती है क्योंकि कुछ अनुपात इन स्थितियों का दिग्दर्शन कराने में अत्यन्त सफल हुए हैं। अनुपातों के इस महत्व को दृष्टिगत रखते हुए ही बहुत सी कम्पनियां अपने प्रकाशित लेखों में गत कुछ वर्षों के महत्वपूर्ण अनुपात जैसे चालू अनुपात, ऋण-समता अनुपात, लाभांश अनुपात, आदि देने लगी है। इन्डियन रेयन एण्ड इन्डस्ट्रीज लि० द्वारा अपने 1990–91 के संक्षिप्त वार्षिक प्रतिवेदन एवं लेखों में दिये गये कुछ अनुपात निम्नवत् हैं—

Year ended 30th June		1991	1990	1985	1980
Equity Dividend	%	30	30	24	15
Debt Equity Ratio		1·76 : 1	1·63 : 1	1·56 : 1	0·43 : 1
Current Ratio		1·59 : 1	1·67 : 1	1·96 : 1	1·66 : 1

5. कोषों के स्रोत एवं उपयोग का विवरण (Statement of Sources and Utilisation of Funds)— चिट्ठे से किसी निश्चित तिथि को ही व्यवसाय की आर्थिक स्थिति की जानकारी मिलती है। चूँकि नित्य व्यवहारों के कारण आर्थिक स्थिति में तद्नुसार परिवर्तन होता रहता है। अतः चिट्ठे का एक सीमित उपयोग ही हो पाता है। अनेक परिस्थितियों में व्यवसाय के सम्पर्क में आने वाले कुछ पक्षों के लिए इस बात की जानकारी प्राप्त करना भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि वित्तीय वर्ष में किन-किन स्रोतों से कोष प्राप्त हुए हैं तथा उन कोषों का किन-किन मदों में व्यय अथवा विनियोजन हुआ है। इस प्रकार की सूचनाएँ कोषों के स्रोत एवं उपयोग के विवरण से ही प्राप्त की जा सकती है। इस विवरण को कोष प्रवाह विवरण, वित्तीय स्थिति में परिवर्तनों के विवरण आदि के नाम से भी दिखाया जाता है। इस विवरण द्वारा एक निश्चित अवधि के दौरान कार्यशील पूँजी में हुए परिवर्तनों के कारणों की भी जानकारी मिलती है। अतः यह विवरण न केवल अंशधारियों एवं विनियोजकों के लिए महत्वपूर्ण है बल्कि बैंक तथा अन्य अल्प कालीन ऋणदाताओं के लिए भी महत्वपूर्ण सूचना प्रदान करता है। इसीलिए आजकल कम्पनियां अपने प्रकाशित लेखों में कोषों के स्रोत एवं उपयोग के विवरण को भी देने लगी है यद्यपि कानूनी रूप से देना अनिवार्य नहीं है। टाटा स्टील कम्पनी (Tisco) के 1990–91 के संक्षिप्त वार्षिक प्रतिवेदन में यह विवरण निम्न प्रकार है—

Sources and Utilisation of Funds
(Rupees crores)

	1990–91	1989–90	1988–89	1987–88	1986–(
Sources of Funds :					
1. Cash Generated From Operations :					
(a) Profit After Taxes	160.13	148.53	154.34	92.15	87.52
(b) Depreciation	137.03	118.79	93.69	73.98	57.60
(c) Other Income and Adjustments	0.90	0.31	0.78	0.27	(0.03)
(d) Total	298.06	267.63	248 81	166.40	145.09
2. Share Capital	2.78@	439.79@	100.38@	81.33@	0.29+
3. Sale of Investments	223.46	—	—	—	14.42
4 Net Increase in Borrowings	168.22	342.47	34.99	58.82	70.40
	692.52	1049.89	384.18	306.55	230.20
Utilisation of Funds :					
5. Interim Relief Payment to Employees for Prior Period	—	6.95	19.50	15.48	—
6. Capital Expenditure	651.63	320 34	231.07	228.04	188.65
7. Investments	—	560.88	70.92	33.40	—
8. Dividends	71.34	50.59	46.17	29.34	20.66
9. Net Increase in Working Capital++	(30.45)	111.13	16.52	0.29	20.89
	692.52	1049.89	384.18	306.55	230.20

+ Shares issued on conversion of Convertible Bonds of Rs. 0.29 crore.

@ Including Share Premium of Rs. 2.32 crores (1989–90 : Rs. 366.45 crores, 1988–89 : Rs. 80.30 crores, 1987–88 : Rs. 61.00 crores).

++ Stocks and stores, book debts, advances and cash balances less trade creditors, provisions etc.

6 शुद्ध मूल्य योग्य विवरण (Statement of Net Value Added)—कम्पनियां अपने उत्पादों के निर्माण के लिए साधन समाज से ग्रहण करती है। समाज की सामग्री, श्रम, पूंजी आदि उत्पादन के साधनों का प्रयोग कर उसने समाज मे शुद्ध योगदान क्या किया है। बढ़ती हुए सामाजिक चेतना को शान्त करने के लिए उसे यह सूचना भी अपने वार्षिक प्रतिवेदन में प्रस्तुत करनी चाहिए। वैसे भी लोकतान्त्रिक परिस्थितियों मे अपना अस्तित्व बनाये रखने के लिए संस्था को ग्राहक की सेवा, राजकीय कोष मे करों के रूप में योगदान, रोजगार,

प्रयुक्त वित्तीय साधनों पर ब्याज या लाभांश सम्बन्धी सूचना देकर सामाजिक दायित्वों को पूरा करना ही होगा। ये सब सूचनायें कम्पनियां शुद्ध मूल्य योग्य विवरण बनाकर प्रदर्शित करने लगी है।

इण्डियन रेयन एण्ड इन्डस्ट्रीज लि० के 1990–91 के संक्षिप्त वार्षिक प्रतिवेदन व लेखों में यह विवरण निम्न प्रकार दिया गया है—

Net value added and its utilisation

(Rs. in lacs)

Year ended 30th June	1991	1990	1985	1980
Net value added				
Value of Output	49017.72	40704 32	15599.65	6109.45
Less : Excise Duty	5895.44	4818.76	2044.05	772.36
	43122.28	35885.56	13555.60	5337.09
Less : Material Consumed	23892.54	19197.60	8712.80	3224.48
	19229.74	16687.96	4842.80	2112.61
Add : Other Income	1165.15	403.24	203.26	74.32
Total	20394.89	17091.20	5046.06	2186.93
Its Utilisation				
Payment to & Provisions for Employees	3940.10	3966.11	1677.83	743.21
Other Expenses	7609.00	5941.37	1386.60	386.68
Interest (Net)	3770.01	2438.36	592.80	132.22
Depreciation	3571.88	2566.04	1069.96	145.02
Taxation	—	193.64	(–)23.12	380.00
Profits :				
Distributed as Dividends	765.21	765.21	176.95	78.40
Retained	738.69	1220.47	165.04	321.40
Total	20394.89	17091.20	5046.06	2186.93

7. साधारण अंशों का वितरण (Distribution of Equity Shares)—कम्पनियों के वास्तविक स्वामी साधारण अंशों के धारक ही होते हैं। सार्वजनिक कम्पनियों में साधारण अंशों की धारणा संख्या पर ही वास्तविक मताधिकार की शक्ति निर्भर करती है। किसी कम्पनी के साधारण अंशों के वितरण सम्बन्धी विवरण से उसमें जनता, अन्य वित्तीय संस्थाओं की भागीदारी आदि के बारे में महत्वपूर्ण सूचना उपलब्ध होती है। अंशों के भावी मूल्यों के अनुमान के लिए इस तरह की सूचना विनियोजकों के लिए काफी लाभदायक होती है। आजकल बड़ी-बड़ी कम्पनियां अंशधारिता के बारे में सूचना अपने वार्षिक लेखों में प्रकाशित करने लगी है—

ग्लेक्सो इण्डिया लि० द्वारा अपने वर्ष 1990–91 के अपने संक्षिप्त वार्षिक प्रतिवेदन में यह जानकारी निम्न प्रकार प्रकाशित की गयी है—

Distribution of Equity Shares
As at 31st March 1991

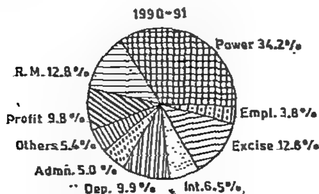
Holdings of	Number of Shareholders	%	Shares held	%
Upto 25	20,754	25.0	4,41,684	2.3
26 to 50	24,719	29.8	11,62,323	5.8
51 to 100	28,620	34.5	21,98,850	11.0
101 to 1,000	8,793	10.6	19,70,825	9.8
1,001 to 10,000	111	0.1	2,25,215	1.1
10,001 and above	19	—	1,40,01,103	70.0
	83,016	100.0	2,00,00,000	100.0
Held by				
Glaxo Group	1	—	80,00,000	40.0
Unit Trust of India	1	—	27,98,696	14.0
Life Insurance Corporation of India	1	—	12,63,581	6.3
General Insurance Corporation and its Subsidiaries	5	—	14,07,881	7.0
Nationalised Banks	28	—	18,246	0.1
Other Companies	299	0.4	6,18,564	3.1
Individuals	82,681	99.6	58,93,032	29.5
	83,016	100.0	2,00,00,000	100.0



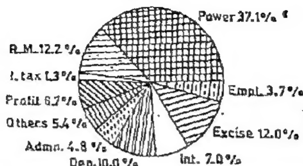
8 आय का वितरण (Distribution of Income)—सामान्यतया कम्पनी से समता अंशधारियों को काफी ऊँचे लाभांश की अपेक्षा रहती है। कई बार कर्मचारियों की भी यह शिकायत रहती है कि कम्पनी ऊँचे लाभ कमाकर भी उन्हें पर्याप्त मौद्रिक एवं अमौद्रिक लाभ नहीं दे रही है। ऐसे वर्गों की सन्तुष्टि के लिए कम्पनियां अपने प्रकाशित लेखों में 'आय के वितरण' शीर्षक के अन्तर्गत यह दिखाने का प्रयास करने लगी है कि कम्पनी के कुल आगम का कितना-कितना भाग किन-किन मदों पर व्यय हुआ है। साधारणतया यह सूचना प्रतिशत आदि में चित्रों द्वारा प्रकट की जाने लगी है।

गुजरात अल्कालीज एण्ड केमिकल्स लि० ने वर्ष 1990–91 के वार्षिक प्रतिवेदन में यह सूचना निम्न प्रकार प्रकाशित की है —

DISTRIBUTION of Revennue



1989 – 90



9. ऊर्जा संरक्षण के बारे में जानकारी (Information relating to Energy Conservation)—ऊर्जा की बचत हमारी राष्ट्रीय आवश्यकता है। देश में सभी प्रकार की ऊर्जा की कमी है। इसके अभाव में कृषि, उद्योग आदि सभी के विकास की गति अवरुद्ध हो रही है। कम्पनियों पर इस दिशा में कार्य करने की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। इसी राष्ट्रीय आवश्यकता को देखते हुए सरकार ने 1988 में संचालकों की रिपोर्ट में इस सम्बन्ध में एक निश्चित प्रारूप में जानकारी देने सम्बन्धी आदेश जारी किये हैं। इन आदेशों के बाद से ही कम्पनियाँ अनिवार्यता के कारण ही सही ऊर्जा संरक्षण के बारे में किये गये प्रयत्नों सम्बन्धी जानकारी अपने प्रकाशित लेखों में देने लगी हैं। आजकल संचालकों की रिपोर्ट के अंग के रूप में प्रतिवेदनों में यह जानकारी निम्न उपशीर्षकों में प्रकाशित की जा रही है—

(a) ऊर्जा संरक्षण के लिए किये गये उपाय (Energy Conservation measures taken),
(b) ऊर्जा के उपभोग में कमी के लिए विनियोजित अतिरिक्त राशि एवं प्रस्तावित राशि (Additional Investments and Proposals for Reduction of Consumption of Energy); तथा
(c) उपरोक्त उपायों का प्रभाव (Impact of the above Measures)।

10. तकनीक अवशोषण (Technology Absorption)—स्थायी एवं दीर्घावधि औद्योगिक विकास के लिए विदेशी तकनीक पर निर्भरता में कमी होना आवश्यक है। शोध एवं विकास के कार्य कर हम इस दिशा में आत्मनिर्भर हो सकते हैं। सरकार ने कम्पनी (संचालकों के प्रतिवेदन में विषयों का प्रकटीकरण) नियम 1988 के द्वारा कम्पनियों के लिए तकनीक अवशोषण के लिए गतवर्षों में किये गये कार्यों एवं व्यय की गई राशि सम्बन्धी जानकारी देना आवश्यक बनाया गया है। इन कार्यों की जानकारी कम्पनियाँ अपने वार्षिक प्रतिवेदन में संचालकों की रिपोर्ट के अंग के रूप में निम्न शीर्षकों में प्रकट कर रही हैं—

(A) शोध एवं विकास (Research and Development—R & D) :
(1) कम्पनी द्वारा किये गये शोध एवं विकास का विशिष्ट क्षेत्र (Specific Areas in which R & D carried out by the company)
(2) उपरोक्त शोध एवं विकास के परिणाम से निकले फायदे (Benefits derived as a result of above R & D)
(3) भविष्य की कार्य योजना (Future Plan of Action)
(4) शोध एवं विकास पर किया गया व्यय (Expenditure on R & D)

(B) तकनीक अवशोषण, अधिग्रहण एवं परिवर्तन (Technology Absorption; Adaptation and Innovation) :

(1) तकनीक अवशोषण, अधिग्रहण एवं परिवर्तन की दिशा में किये गये प्रयत्न (संक्षिप्त रूप में) (Efforts in brief, made towards technology absorption, adaptation and innovation)

(2) उपरोक्त प्रयत्नों से प्राप्त परिणाम उदाहरणार्थ उत्पाद सुधार, लागत में कमी, उत्पाद विकास, आयात प्रतिस्थापन आदि (Benefits derived as a result of the above efforts e.g. products improvements, cost reduction, product development, import substitution etc.)

(3) आयातित तकनीक की दशा में (पिछले पांच वर्षों में आयातित तकनीक के बारे में) निम्न जानकारी भी देनी है (In case of imported technology (imported during the last five years following information is furnished) :

(i) आयात की गई तकनीक

(ii) आयात का वर्ष

(iii) क्या तकनीक पूर्ण रूप से अवशोषित कर ली गई है ?

(iv) यदि पूर्णतया अवशोषित नहीं की गई है तो वह क्षेत्र जहां यह नहीं अपनायी गयी तथा इसके कारण एवं आगे किये जाने वाले प्रयत्नों का ब्यौरा।

11. विदेशी मुद्रा अर्जन एवं खर्च (Foreign Exchange Earnings and Outgo)—तीव्र आर्थिक विकास के लिए विदेशी मुद्रा अर्जन व उसकी बचत आवश्यक है। भारत की वर्तमान आर्थिक स्थिति में तो यह अनिवार्य भी है। सरकार द्वारा 1988 में जारी नियमों के अन्तर्गत कम्पनियों के लिए विदेशी मुद्रा अर्जन व व्यय सम्बन्धी अपने प्रकाशित लेखों के माध्यम से करवाना अनिवार्य बनाया गया है और तभी से कम्पनियां निम्न शीर्षकों में यह सूचना प्रतिवर्ष प्रकाशित कर रही हैं—

(1) निर्यात सम्बन्धी प्रतिविधियां, निर्यात बढ़ाने सम्बन्धी किये गये प्रयत्न, उत्पादों एवं सेवाओं के लिये नये निर्यात बाजार का विकास, और निर्यात योजनायें (Activities relating to exports, initiatives taken to increase exports, Development of new Export for products and Services, and Exports Plans.)

(2) अर्जित एवं प्रयोग की गयी कुल विदेशी मुद्रा (Total Foeign Exchange u.ed and Earned)

12. सुरक्षा एवं पर्यावरण (Safety and Environment)—औद्योगिक विकास से निश्चित रूप से लोगों के जीवन स्तर में सुधार हुआ है लेकिन साथ ही साथ फैक्ट्रीयों से निकले धुंआ, हानिकारक पदार्थों, गंदे व प्रदूषित पानी, दुर्गन्ध आदि के द्वारा पर्यावरण तीव्र रूप से प्रदूषित हुआ है जिससे आम आदमी का जीना भी दूभर हो गया है। कुछ उद्योगों जैसे रसायन उद्योग, अणु भट्टियां, थर्मल पावर स्टेशन आदि में तो सुरक्षा उपायों की थोड़ी सी लापरवाही सामान्य लोगों की मौत एवं स्थायी अपंगता का कारण बन जाती है।

भोपाल गैस दुर्घटना का उदाहरण हमारे सामने है। पिछले कुछ दिनों से पर्यावरण संरक्षण के बारे में जन चेतना में वृद्धि हुई है। समाज उद्योगों द्वारा कर्मचारियों एवं सामान्य व्यक्ति की सुरक्षा के बारे में उनके द्वारा उठाये जा रहे प्रयत्नों एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए किये गये कार्यों की सूचना प्राप्त करना चाहता है। इसीलिए कम्पनियों द्वारा भी आजकल इस सामाजिक उत्तरदायित्व को पूरा करने के लिए इस प्रकार के कार्यों सम्बन्धी जानकारी अपने प्रकाशित लेखों द्वारा समाज एवं सरकार को करवायी जा रही है। वार्षिक प्रतिवेदनों में यह सूचना कम्पनियों द्वारा इन कार्यों पर व्यय की गई राशि, लगाये गये पेड़ों की संख्या, जल निस्सारण एवं शोधन पर व्यय की गई राशि एवं अपनायी गयी तकनीक के विवरण आदि को प्रकाशित कर दी जा रही है।

13. मूल्य स्तर परिवर्तन का प्रभाव (Effects of Price level Changes)—अर्थव्यवस्था में मुद्रा स्फीति की स्थिति में ऐतिहासिक लागत पर तैयार किये गये वित्तीय विवरण कम्पनी की वास्तविक वित्तीय स्थिति एवं लाभार्जन शक्ति को स्पष्ट करने में असमर्थ है। यदि वित्तीय समंकों को चालू मूल्य स्तर के अनुसार समायोजन नहीं किया जाता है तो इनसे गलत निष्कर्ष निकाले जा सकते हैं। यद्यपि ऐसा समायोजन करना

एक कठिन कार्य है लेकिन समस्या की गम्भीरता को देखते हुए कुछ बड़ी कम्पनियां आजकल अपने वार्षिक लेखों में मूल्य स्तर का समायोजन करते हुए पूरक लेखे प्रस्तुत करने लगी है। भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लि. उनमें से एक है। इस कम्पनी ने अपने लाभ हानि खाते एवं चिट्ठे को चालू लागत लेखांकन विधि (Current Cost Accounting Method) से भी तैयार कर प्रकाशित किये हैं।

14. मानव साधन लेखांकन (Human Resource Accounting)—उत्पादन के अन्य साधनों की तरह मानव शक्ति भी एक सम्पत्ति है। वर्तमान समय में यह विचारधारा जोर पकड़ती जा रही है कि अन्य सम्पत्तियों के मूल्यांकन की तरह ही उपक्रम की मानव सम्पत्ति का मूल्यांकन कर उसे भी वित्तीय विवरणों में प्रकाशित कर समाज को पूरी सूचना दी जानी चाहिए। यद्यपि यह भी एक दुरूह कार्य है लेकिन विद्वानों ने इस कार्य के लिए कुछ मॉडल विकसित किये हैं और बड़ी कम्पनियों ने इनका प्रयोग करते हुए अपनी मानव सम्पत्ति का मूल्यांकन कर उसे वार्षिक वित्तीय विवरणों में प्रकाशित करना प्रारम्भ कर दिया है। भारत में भी सार्वजनिक क्षेत्र की कम्पनी भारत हैवी इलेक्ट्रोकल्स लि. (BHEL) तथा स्टील अथारिटी ऑफ इण्डिया लि. (SAIL) ने तथा निजी क्षेत्र में टाटा स्टील (TISCO) कं. ने अपने मानवीय साधनों का मूल्यांकन कर इस सूचना को अपने वार्षिक प्रतिवेदन में प्रकाशित किया है।

15. लेखांकन नीतियां (Accounting Policies)—एक विद्वान के अनुसार 'लेखांकन केवल एक अनुमान है' बहुत हद तक सत्य है। अन्तिम लेखों को तैयार करने में मूल्य ह्रास की विधि का चयन, स्टॉक का मूल्यांकन भावी दायित्वों एवं हानियों के लिए आयोजन आदि अनेक ऐसे क्षेत्र हैं जहां प्रबन्धक व लेखांकन अपने व्यक्तिगत निर्णय व अनुमान का सहारा लेते हैं एवं निर्णय द्वारा अपनायी गयी लेखाकार नीति पर आधारित लेखों से तैयार वित्तीय विवरणों की सूचनाओं को सही रूप में समझने के लिए यह आवश्यक है कि कम्पनियां अपने प्रकाशित लेखों के उनके द्वारा अपनायी गयी लेखांकन नीतियों के बारे में विस्तृत जानकारी दें। लेखांकन नीति को प्रकाशित करने की महत्ता को स्वीकार करते हुए अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर इस हेतु लेखा मानक जारी किये गये हैं। भारत में भी चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट इन्स्टीट्यूट ने इससे सम्बन्धित लेखा मानक जारी किया है। इन सबका पालन करते हुए भारतीय कम्पनियां अपने वार्षिक प्रतिवेदनों में उनके द्वारा अपनायी गयी लेखा नीति को प्रकाशित करने लगी हैं। भारत हैवी इलेक्ट्रोकल्स लि. ने तो अपने वार्षिक लेखों के साथ काफी विस्तृत रूप में लेखांकन नीति प्रकाशित की है।

16. चार्ट्स एवं रेखा चित्रों का प्रयोग (Uses of Graphs and Charts)—आज कल अधिकांश कम्पनियां अपनी स्थिति को चार्टों एवं ग्राफों के द्वारा प्रदर्शित करने लगी हैं। ये चित्र एवं रेखा चित्र अच्छी से अच्छी डिजाइनों में तैयार किये जाते हैं एवं कई चित्ताकर्षक रंगों में छापे जाते हैं। इनसे पाठक कम समय में कम्पनी की सम्पूर्ण स्थिति को समझ लेता है।

17. राशियों को पूर्णांक बनाना (Approximation of Figures)—कम्पनी की स्थिति को सरलता से समझने के लिए वार्षिक प्रतिवेदन में लाभ-हानि खाते तथा चिट्ठे की राशियों को पूर्णांक बनाकर दिखाया जाने लगा है।

18. अन्य सूचनायें (Other information)—कम्पनियां अपनी वार्षिक रिपोर्ट में अंशधारियों के लिए उत्पादन, कार्य प्रणाली, सम्पत्तियों एवं दायित्वों से सम्बन्धित अन्य आवश्यक सूचनायें भी देने लगी हैं। कुछ कम्पनियां अपनी भावी योजनाओं को भी सूचना के रूप में प्रस्तुत करने लगी हैं।

उपरोक्त प्रवृत्तियों को देखने से पता चलता है कि कम्पनियां अपने प्रकाशित लेखों के द्वारा अपने सामाजिक उत्तरदायित्व को पूरा करने की ओर उन्मुख हो रही हैं। लेकिन प्रकाशित लेखों में अभी भी बहुत सी कमियां हैं जिन्हें दूर कर वित्तीय विवरणों को समाज व प्रयोगकर्ताओं के लिए अधिक उपयोगी बनाया जा सकता है।

प्रकाशित लेखों के प्रस्तुतीकरण में सुधार हेतु सुझाव (Suggestions for improvement in Presentation of Published Accounts) :

(1) भविष्य की योजनाओं के सम्बन्ध में सूचनायें (Information regarding future plans) : वित्तीय विवरणों को अधिक उपयोगी बनाने के लिए यह आवश्यक है कि उनमे कम्पनी की भावी योजनाओं के बारे में पर्याप्त विवरण दिया जाये। वित्तीय विवरणों में भावी योजनाओं के पूर्वानुमान देने के साथ यह भी उल्लेख होना चाहिये कि ये पूर्वानुमान किन मान्यताओं पर आधारित है। वित्तीय विवरणों में आगामी वर्ष का बजट भी दिया जाना चाहिये।

(2) सामाजिक लेखांकन (Social Accounting) : व्यावसायिक उपक्रम समाज का मुख्य अंग है। समाज के विभिन्न अगो के सहयोग से ही उसका अस्तित्व बना रहता है ऐसी स्थिति में वित्तीय विवरणों मे वित्तीय सूचना के साथ यह विवरण भी होना चाहिये कि समाज के प्रति उपक्रम का क्या योगदान रहा है, कितने व्यक्तियों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार प्रदान किया गया है, सामाजिक कल्याण की योजनाओ का विवरण आदि के सम्बन्ध में विवरण दिये जाने चाहिये।

3 प्रारूप की समरूपता (Uniformity)—प्रकाशित लेखो के प्रारूप मे एकरूपता होनी चाहिए अर्थात् बार-बार परिवर्तन नही किये जायें एवं प्रमापीकृत प्रारूप हों। इससे अन्तर्फर्म तुलना करने एव कम्पनी की दीर्घावधि प्रवृत्ति की जानकारी प्राप्त करने में सहायता मिल सकेगी। इस हेतु कम्पनी विधान मे सभी के लिए एक विस्तृत प्रारूप तय किया जा सकता है।

4 भाषा (Language) : प्रकाशित भारतीय लेखों की सबसे बड़ी समस्या उसका एक ही भाषा में प्रस्तुतीकरण रहा है। भारत के अधिकाश विनियोजक अभी भी भाषा समस्या के कारण उन्हे समझने मे असमर्थ हैं। समय की माग को देखते हुए यह अनिवार्य किया जाना चाहिए कि इन्हे अधिकांश विनियोजकों की भाषा 'हिन्दी' में प्रकाशित किया जाय।

5 बोधगम्यता (Understandability) –प्रस्तुत वित्तीय विवरण मे दी जाने वाली सूचनाएँ स्पष्ट एव बोधगम्य होनी चाहिए। इनका प्रारूप जटिल नहीं होना चाहिए ताकि ऐसा व्यक्ति भी जिसे लेखा-विधि के सिद्धान्तों का ज्ञान न हो वित्तीय विवरणो का अध्ययन कर निष्कर्ष निकाल सके। जहा तक सम्भव हो इनकी भाषा गैर-तकनीकी होनी चाहिए तथा इनमे कम खाने (Columns) होने चाहिए।

अभ्यासार्थ प्रश्न (Questions)

1. What do you mean by 'Published Accounts'? Describe the various objectives of Published Accounts.

   'प्रकाशित लेखों' से आप क्या समझते हैं? प्रकाशित लेखों के उद्देश्यों का वर्णन कीजिये।

2. Explain briefly what new trends you notice in the preparation of Published Accounts of a Company.

   कम्पनी के प्रकाशित खातों के तैयार करने मे आप कौनसी नयी प्रवृत्तिया देखते हैं, सक्षेप मे समझाइये।

3. Describe in brief the modern trends in Published Accounts.

   प्रकाशित लेखो में आधुनिक प्रवृत्तियो का संक्षिप्त वर्णन कीजिये।

4. What suggestions do you propose to improve the Published Accounts?

   प्रकाशित लेखो में सुधार के लिए आप किन सुझावो का प्रस्ताव करते हैं?